भे केंडए। वहां अधिकासि 1 न्या न्या श प्रेवाच्याठाकतः स्वयन्ति (क्षां कराउम्प्रम् वडीकिवात) (>) व्यीकी कुमायत कार्य का मुक (अप्रमार्किकार्य) 四面的人工中,工具是 gar from wheat Mer 25 2

असा दिस्मार (क्षांबा व क्षा के क्षित असम्मास) टावमंत्र >1 लंद (ल्यास) समा (प्रवेषेत) त्रांबा वा- संवेश-स्याप क्षास अत्यक्ष लाव मंत्रील व अपरेश्य में विश्व अर्थि भूषि भूषि स्थाप स्थित अर्थि अर्थि अर्थि ।

>। ७१९ (भार्ष) मना (निव्दुष्) व्यीयाची- प्रवृती-प्रतायव-लता टरिमार (मियादा व व्यक्तिक कामकाला के वार मंत्र (क्राम), जीतेककम सरावादा: (जीतिकम सर्वाद्य) भग देश: में (भग- त्वंभू मध्य) ज्यान्यायर न व जार्मान (लाळा सम्बन्न [नवर]) अन्यत्वीत जीमहम्मव (ठाउ मात्र (सर्छार्यः कार्यावं ने अवस लामक अमृदक) अन्त लाक)मद्रंग्र (लाकुसमं लाज्यस्य स्थार्व) लामसर (अभिन्न कविया) मूमा (अविन आर्य) व्यीनुमायम-दिया- विखय (क्षी मृत्यावता व धाताकिक वेखवनालिय) (अप्रू (प्रांठ कविए) आवं ए (अव्य शरे एकि) 11 >+ र | बढ (लाउन ;) अपा : लास (अमर द्याम द) ममर (टम र्यायदारं) सार्यसार्व-मान्न-याताः (लर्धवसनं यार्यामाभाषं) अमंबर समार्के (आने पात करित) लिस पर (सक्तर र'तमा) , उस (उम् विश्वरम्) अराउ रक (अवन तक अभागे दरे (व ?) , किंड (भन्ड) अरए (अमार्थ) लाश्किन्नेत (लाइमनं लडें कारमं यहित)लडें लाम विभारा (हेक. धारिधा आभार असू प्राच अवभारम कर्तिमंत्र) द्वरे ह्यरे ह्यर ह्या अर्थ (काळ्यतं क्या इद्व) र्राष्ट (चर्टरहेर्) स्त (लामानं) लगंद सर्वेभक्ताः

2

(गाम्मानं समिति प्रेटिताह)॥ राम ७। जोमम् क्यारेबि (त्र क्यारेबि! [wini]) मणा (आके (काश्याव) सस स्थि (सपीम हित्व) अके वि भ नंस्यम्न-विमाययमुर (अखावण: अयम स्यम् हिमामका श्रम) आली सक्षड (प्रिश्वक्ष) (मधनं ते (सक्षल कक्ष) यव (टम क्लाय दिन यक्ष अकालकात्न) हे निमिषद: (डेमामिश्रव्य) दिया (मका यमा :) भूमे यामाम् ए काम (अम्बमा वर्ने बरमान) काल्याक वा (वन वर्मरमड) मम रेडि इस् : ('मा मा' नर्मम अममाडि अकाम करवं । वं र (हुक एडे अकाम कार्य) अञ्चल (रेप्रटलाक विषयं वाका) कु वस्ता (क्सिल मस्वलय ११ (व १)।। 8 । भरा वर्षाक्क- विलाम- व्र - मूह प्रवेशन् (की नाबा-क्रक्षं भवंशविधि विभास-सम्क [भारा]) सरा-या में यी - मा यं - मा यं - मा व निव्या विश्व (अक्राव विमान्टर्षू हम्रकान्मम, [गरा]) र्वित्राशकार्यमा (कि क्ष-न्त्रम देवकर्षत्) अवार काक्रार (अना काक्रायम्म) मात्रा क्रिकार (व्यक्त म व्यक्ता क्षेत्र कार महाम करा करा -

चंद्रमक-यंत्री मैं कथारम वर् (गारा क क मैं मर्चे ने ळाष्ट्रशुमं इयसतं लिया एम्बाभ यान् । इंडाबस्पर [नवर]) (मर्म: (ममाड: (मस ३ (ममन रिश्व)) य अस्त क्ष्मित वा बंद (मार्थ छ प्रस्टित व स्था मिर्म राई का मन्द्र र मना [muti]) काम्यन (सर्दा [(मरे]) वृत्यावतः (वृत्यावदावं) अर्टस्पेडि (वल्याकाव)॥ श्रम 81 [(इ स्वाम्या) (कारम्या) (कारम्ये क्रिक्ट-प्रमं देवकर्शकायकार्य) विकित्राच्या (सीक्या-करम बरे] की मकता विम्वेतः (अभार मरे मुकेम-मरकारक) मर्गालं (मर्गालं) व्याद्याला । वर् (क्लाम कर), ध्या (नर) (परमा (परव) असल्पिम (मसल्प-लिक्क) मितिताली (रिकास बाहर ने हें (अस) ससामी ने बार (लवप में प करं रे त्यारमत्] अत्वाचात्रात्रः (न्याचान्त्रात्म) खेलाबाठार (डेमामना कव [वर्]) रेश (नमार्य) मिय- प्रकारी (मायश कार्य अग्रम्परमं) मिटिक कार्ं (मिटिक कुर्नाम्म कर विश्वाल) मर्याण्या (मर्गालाक)

यक्षां (प्राच्या) क्या विष्या वयर तत्र विश्वा. arcez) on my nous (on min & a) 11 ७। ति (भर्) त्यदाहाः (त्यतातु लास्त्रमूर) र्भिक: (त्र द्वाप या स्था कुंग (त्र) (या का कु आर मारि (ित्रे मृत्यारमारिमा] अकाम मा कर्य), ७७: (अराटक) यस किं (लासाय अन्ति कि ।) अमन -मिं अविवाः (भाम महादं अविव) में अक्षितः (क्षक्षण काक्रिय) मह समार (यह रेशक विषयं ना करवंत), उठ: कि (जराठ दे वा लास्तव कि ?), (६९ (क्राव मह देवर) कासवलाई. क्षिमधीर् (अमाराज्यात्वेष अमुख्यकार्त) त्या माव: (द्वारिक मार्म) वढ: (वासाट्ये मा) यस किं (आसाव कि द्यान रहेरव र [अवस]) भाष्म (बाधार हिड) रखभर आविक : रेव (यर स ब ब प्राया व सर सम् आग रहेगा) व्यावमार (अरे व्यावम र्रेड) न मार्पण (किकियाय विश्व इरेरिया)॥ . 9 । ट्यापकर्-विक-लक्ष्यर् (कार्किनेगरन्व लक्ष्य-यत् इ अविष) अधिममम् म् म् मिर्मि प्रमी कर्

(बर्जावं सरमवस मञ्जीवरितः) मामासत- । मुम्ह- यावन-कपड (र्क्षणामानं रेयर्वेश १५वं रेश विचारित्र में प्याटिक) (आस्मात्र-वर्त्ती क्र प्र् (नण-जर्व हे सम्मम्) कान सक् -मिक् कि कर् (प्रतार विक कि नामी), अगकू ति: हिन्दर (विश्लेमते व वा न प्रतान म) मुता: विकिन् म्म-सर्भेव द्वारा बिहिन ल्ला छा सम्मन निवर्]) मामापिया -शवः अविम् निविष्ट् विचिष मिना अर्ण्यव नमिष वर्ण मार्थि समा त्यला विवाश भार) वृत्ता वर् (क्यी क्या वता व) की गमा नि (की म क कि लिहि)॥ १॥ १। रूलावरायः (-१२ रूलास्तव ध्याउर्दर्द) के पर (क्षेत्र कालक) के कार्ड (मका कालक) कार्ड् (कारमा काडिक सहप्र निक्र) वित्र (सिर्म) का (उक्र), जीविक्रे-शक्का-समाध्यः (रेक्रे, रावका यम या) जाम (चवर) किन्म (मुरिक्षे) Ситар विक् (चिक्] Ситар अपावत) , वर मुनी के विपालम विर्माट] ॥ गा रिकानके प्रति] धात्रार मर्डः (भूर्याङ अकल भूमत इरेएड) बिहिना (ध्यानि विक्साल)

क्या मार्थ के की बादी (क्या का का के के के में भी) हका हि (ट्याल मार्डेटिट) ' ल्याक में म: (ल्याक मार्किंस) विषक : (विषक) यः व्या व्यापाः छापः (रम क्यादि वस) आ (व्यक्तिवाव क्यू मूनी) जिल्ला (७९४क्ष चिक्र]) जामूल्मक्रादिमकी (जामून शरमम् म मर्मम्बद्द विष् विष)॥ २०। छस वन (क्षी मार्सन् (अर्थ क्यू मृ मी एउरे) व्याविक्त व व प्नम व व्याका - त्रे पक्ता त्रामा मुद्रामा-हितारम् (मिठोकाम क्षाममाम बंस (क्याता ' (भी का की कुक) निल्लाडमं - (अप मामाममं कुल्मो (हिंबममूक प्रयम कला निर्देश प्रव रहे मा) आति-ब्रिश (निम निम प्रशीमते र क्रा टमका लाहकव्छ:) ट्यावछ: (विश्व कर्यम)॥ ३१। (य (यात्राका) त्रकताविषेश (यहे छाछात) लाकी ठेड एक (अन्त दे कम्मार्ग) व्यक्ति (वरे) व्यात्र- वृष्णवत (व्यक्षावत) निष्ठ १७ - मृष्ण (मिक दृष्टि दम्बरमाठः) दृष्टीत् दम्बातः, (अस्माक्षिक दम्भम्यूर्टक) सम्बार् वदाहि

(भभार्थ- वामि मा हेटला भ करत) , इति शर्व (अर्था!) वार के र्या: (टार्ट म र्रिस) यस (aurud) अस्ते बार्ड कर्ल (अस्ते मड्डी हे वार्षेड इंदल ड) वर्षाः (प्रम्यान त्याम) नत्र) वा (वदर) साम-सब्भी द्यामा: (सामेल: सकप टप्पालकर अर्थि ग्रिक िस्मिन) कम स्थल (कमाक्रि) म महाका: न वि (ज्य प्रवं उ ट्या का र म्या)।। १२। सक्ताः (निभित्र) डेभानियाः (अविश्वासि) वी बुक्तम (वी बुक्तमा भावा) बुक्ता नमः (च अपमल) लकामा (दलमार्डी कार्वता) अववंद (अर्टिकवंटक) अरोक (गम्मकं (अ) समारे (अस्त कर्निंग) टम्प स्था: (टिकेट स्था) देर (नरे) जात (कुलावता) कृष्क वं प्रत्व (अक्रिक छाडि धन् मास माड कार्याट्न), ह (अवर [अंभवा]) दिगुन्मा९ (बिहिन्सूभननक), मिक्ष (कार्यमण्य) र्यायनेष्रे (र्यायनीम विष्याम) व्यक्ति (प्रव्य) ६ व छ : (द्राप्त कर्षिता) मिन् के के न भरत है (आ दिन के मा- मार्ति (मो ने मा. के एक ने जात सत्ती अब लाई म के त्रिक लारे हर भड़काड़)

सूर्याः ऋषाः (अविष्ठ अक्तिके विवास कविष्टित)॥ २०। भ: (टम का कि) धीत्रामायम्यामिति (त्यायमान्छ)। भूत-हर्ष (भ्रवं ७ वक्त अमाभ्यम् एवं अस्टि) प्रभ (ज्यस्पक) त्यावारं व्यावसित (त्याप त्याव क्याप क दाम) जारम (सर् काक) सार (व्यासारक) चित्र: (अअ) व्यद्भ: वाम मद्भ: (व्यस्म स वाना) भवता न दि हिनछ किए (नण नण अट ए ए पन करन्ता कि १ [कार])यः (त्य काक) प्रश्विमिष्टुः यय (प्रतिश्वन् श्रीकृष्कन) सीयम-बत (सीयमध्य अ तर बेला बराव लागचा व्यान की बरका मिया माने वर म्यावता) वक्ता व्यक्ष इनेमा (वक्षि इतेम आछ छ) ट्विम प्राय ((धार्म प्राय वि दिस) हर् व (वार्तक (य) कः (यहामा एक)कपा वा (करार म) ७० (बारास्क) एमर- मनकार (हतं दे न वक ररे ए) डेक्स १ (डेक्स व कविए भारत १)।। 281 (स (लासार) मिला: (मिला) व्यानियायम्- प्लाला-मृष्यश्व-अधारमाकणः (धीकृतावत्व भव्षक्ष्रीप ट्याल्य त्र्वी मलीत करिया) विश्वत्र त्या एएए (क्यान विख्य रहेक), थी: ([क्यान हिंड)

वृत्तवन प्रश्चित्र की का वि दिशे (वृत्तवत्र वार्य प्राथम मुकी मा गर्व) मक्लाव्य ९ (तिवास १डेक), मध जनुः (ज्यास्त द्वा) ज्यात म स्टिं : (ज्यात ज्या के) विश्वत्म (आकूत हरेगा) व्योव्यावके व्याने (ब्यावता व ह्राता) मुठेषु (म् विण इडेक) , प्रश्र (ध्या!) व्योव्यावने प्रसिष्ट व्यीव्यायम व आग्रेमत्रे म अणि) ((काम्मन) ००: २०: (प्रका) का (जापन ७०: २०: (अर्थन रे) का (काराक) म्लब्द माडि: स्पर (म्लबर व्यम्नि विवास कस्फ)॥ ol लारर (जारन!) मन (यमात) कृष्णिममार्थ-भूगमापा हु उप डी व्यामाः (बी कृ तक व्यार हन त्रुवल अष्ठि विहिन (भाषमानकमर्त) की पृष्ठि (अलं करव्त) मल (एमहात्र) श्रिकालियम. लिलियुड्ड ल मी-किटमार्थः (मीवारीत धार् वडार लानिका अकृषि मूलारी किल्पारी भने) त्याप एड (अमेगल व विकास क (पन निकर टममात) दिया निलि (दिशकान) ट्यममाप्रक-दावीक्टिं (कीलाम छ नी श वा क्ष) व एक किला

(विषियात्रमारं) व्याक्षणत्रमं वृद्धः (विष्टिम कपार्थ-दर्भ [मलाल करिएएटर]), ७९ (अर) जीत्र कुलावन (ज्या बेम्प्रवय) यस समेर मंचार (लाम्पर व्यक्त motoroum ody)11 उछ। निर्मुल्यमात । कार्वित्रमाप (कार्वित्र अस्त्र) निस्मान (अध्यत्रेमसूर ११ ए) भाकू ० (भाम कार्यान हैनार भागा) भाग्य ((प्रकारियम) अत् (क्तनाकि) अळ ल ्यन (अहन डारवरे) पारि (विभाषात मिर्माट), प्रकलक्षात (ब्क्रमभू (१व जम (५८०) (७१० ((६१० (नव (४००)) अपपूरि (प्रथापू) ली मिल मिलि (रामिल प्यम्पि) का भए त्राहि (यरमके करवरे वर्षमान वारे पाटि [120]) अपुर (अमकिवान हे यह याणी) निः भी छ वा छ (भी छ न सक या सूत्र प्रकार्य मू म) , विव्रता विविधियापि (अविषुष्ठ वर्ष्ठ छयापि) जाने (तिकारे रे) कायर निर्माट (यायर विवाक करिएट), ७९ वाम (उथाम) यह (यह [कार्य]) aoe (वरे) श्री मुलायन भूती) सिश्यमानि (अविकास केविए रेक्ट्रक रहें)

हा हा (राज राज । विद्य ल्यारा) रव: ल्यास (निन्ह भन्ने वित्रके इरे निम)॥ ३७॥ 201 mst (nsti) nd (nsti) nstentette: (यज्य त्यम मर्दानं) कर्षे वस मार्ड (क्षिय्या न प्राकृष्यक्ष), य९ (यार्ग) राष्ट्रियमा मुगर्वः (क्या किएक व त्या मामारं के) सर्वे व - सर्वे वं कि (वर स. मस्तीम), अस्तर् (मिर्सत्त) वी सरायप्र (वीभ-धल्य खन्त), ७९००९ मूनी ला सर् म्लेप: क्रिक. त्म- कृष्ण वन् (िवर् प्रश्मानिमने क्षेत्रान अबस बंस जारमान कर बंस, जारू मा १ वृद्धावत) ट्यर्म हमनोर्स (ट्यर न्याम मर्गेड) (स (कास्मरक) म सिवा सर् (वासम्बात) दिला (दात करूत)॥ ३७। व्यार (व्यारम !) मिकामू लाहि : (यास किया-बल मालिकारा अविष्ते) माली कृ व-उड़ाम-स्कारिड: युष्ट्(अअर्भ) म द्वाच य , कू य ७ ज्या भ-म स्र द्वा रा भावना स न्रियारड , [यकात]) मिरकापार. यत्त भूक्षिमारिकः (विचित्र यत्त भूका मांती देणात-त्र भूर विसंस कविराधर , [यम्बात]) अमसा-महर्म-वन्नी क्र वर् (धान्त्या विहिन एक् निष्क्रि

टला दा लारेखाट), मिकान ड अवस्मार् (याशास्त अप्रदेशा विहिन अ अ आक्रमन विषये कार्व (वर्ट) वत्र बार (वत्र मिममूर्य) लाहाडि: (क्षेम्फ)-हांबा) लाको दें वर (स्प्रत अवंश विश्व चिवर न्या) मिनातक- विकन्ध प्रस्वतान् (अभर्भा विदि प्रकृत्य नाविधाना मूटमा डिड [and cxt]) म्यावमः (ब्यावायव) क्यांगार्स (क्यां कर्त्व)॥ ३ १ ॥ ३२। भिष्य वीकाविका- यपन (भारत- किनिकु न्यू -अ दिल : में कर (जी राक्र के कियं की ये के आहा -हारा मधाला म), क्रिया धार्षेत्र हि (येराव वं वे वं ते एक च अर्थ र वक्ष यवा में लार्ब [चरर]) जातल प्र मृत्र भाकिक ता कुत्र (यात जातल क्रा विश्वत वल वाकितर्ते का न विश्वति [(मरे]) व्यी मृत्या वत् (व्यी मृत्या बत) कम् ८६७: (अर्थ इरेग . हिडाक) २ वेग १ (वस व्यव कि) म १ व छ (२ १ मे (आकर्मन करव्या)।। 201 [am र्] कतका मिण्यू लाम: (आधारिड स्वर् अ ती सका न दिन का में भी हिला भी) कत्रा ज्याची (त्यात नक) पिका-कृषि- स स्थारकारि-

क्षा नायम में ये (कारण्याक्षक त्याहि माठ व कलावन नाय विवास यात युगत विश्व (१) विश्व (७) हिले : (अन् प्राचिष्टिय) अपमारकामि विभागम् टेपः (कप्र्य-कीएं विकासकारां) अर्दी विशा मुर्कि प्रस् (अर्द्धी-कामत् प्रमान) न ला कन् (क्वी कुला वहून के) के कि (एलन कार्विष्टि)। इता रेपर (वरे) बृल्परनर (की बृल्प यन) टेम: छते: (निक छने सामिष्यां) रेट (रेट ट्राप्क) विश्व एंस् (विसर्पं कार्ट) आ लमाक्षियार (कार व्यापक -हिड काकारतेत्), जाका समितियाः (कालामा (व्याम) र अवः) हेक् लाट्ड वास (विश्वरमंब सार में कि सारित है। का साई के बादि सारी याई (नकार कार्रक कार्क मार्न) त्यास (यामप्रार्म) मम् प्रामिमार् (तिवं काकिमार्ततं), वक्षात्रम्-म्ट्रेंश्य नीत सत्राप्त् (ब्राम्मान क्ट्रम निविधे हिड कार्ड मर्तन चिर्टी) त्याहिल- भारा हुत- इन्हारिक-क्रियंद्र व्या केलियं जातिला में मारा भिय माष्ट्र काल्या प्रेंड ट्यार्सर् (ट्यार्ट खनारे (७८६म) ॥

इड | लाका (लाका : [जाकिक अप]) हिंचार (त्री मुख्य) डे लाम सर्मिशं (क्वाविष्टम मध्यतं) वाद वर्षकं (जन्नमारिकाम) कार्का विष्टार कार्य (अवसदार्य विहात्वा र्येगा) रेक (जमार्या) यर्थान् (याराव) प्रार्चे केर लाल (यर कि कि पर पर्म प 3) अडू र म नका ए (ताड कर्नि क सम्ब १'ममा) , धनासप्रण: [अम्हात भाम कर्निता)७० (अर्थ) अत्राच्यामिन लाल (अवस्वस्था ० व्यक्ष) अम् हर्ष (अमूह्य करत्र), ७९ (००१) अवं मर स्प्र (अवं स क्रिया) र्भार वपर चव (कार्र वपर) सस (लासक प्रकार् 30 40 (ONOTER SOLM SOCOY) 11 201 [WIND] AR (ALA) MO MOR (MO MO) वाम अप्राचाम काम ह (वलाकाक) विक्किक्षामं त्मारे : ह (निवर] त्मारि तमारे हिक्काव)त्मारी (मर) किसिंगा) प्रवाद (भर्मप) त्मर् धाम मुड (रिकर अयम भूम भूर्यक) क्रु कुरे भी जा पि वार्चा अवन् जानि (न छ भ० मन अर्ची , एका छ नी आदि बारिज भीलं) (मार्र (भर) कार्नेमा) (आका क्या वार् ((लाक काम्य काक्रियां) मुक्रम् (वर्षते कार्याः

कर्तिक) त्यार कर्मा । से स्टिक्न क्रिये वार्ष का-क का मामान (व्याचा के क व पास मर्ग) दे माने में (कीर्ड क ब्रिंड क ब्रिंड) प्राकि विक्र : एगकि क्रत : (लग क्यम कार्यस स कार्य मा कार्य कारत केरत ने हारत) युक्तायतः (कृकायत) प्रकल्माचि (विष्यं कार्य व ?)।। 281 रेपर (वरे) करम्यर (मिलिड अर्थेस) प्राप्त न्यः वा (धान वा कान) थाना विश्व (ध्यमारे विश्व ररेट्य) उटा मिट जारी (जान यह नवीन वर्षभारत भाकात्व) भार्त एका मा! (भक्षत अभाव सिक्षम दलादमन) माडि (सिन् कि रेप्ट्रेस दर्भ याम), जमार (छाज्यव) हेलाः टामेन्या मः (जिये अर्भवं वर विस्माटिशमर्द्ध त्यव स्थाप त्र टअन आहम हे) विद्यार्ग (मार्थ इस कार्यमा मिन्तर (मिन् मूनाम्) मृत्या वना हः (सीम् कार्य (गरे) मक्ष (जामक अमूख्य कर)।। र्टा की यम नुष्याका न रेनका छ छ। वा ् मः (धार्म अक्रिके डार्य जी कृष्ण यत् वर्षे अम्बे व वानिया) हिंदा: यः। कुर (लामप्तिन सेर्यभाष्त्रं यांचा कि खार्गवर मिश्र रूरेल भारत !), प्रवादि।

मा किए में (अवनारिन हा कर्र का आक्रमान व कार्या के म कि!) अरिस्र व्यट्मित्र देताः भूकिः । किए (मन्ने ने ने ने नार द्वार देव में में में में में में में म व्यक्तारमं कि इहेर्य !) , त्कामन रेम : (त्यक्र यम रने व का गारे या) न : किए (व्याधार्य सटमान म किंगा। २७। [किन] मर्टिवार (मकत ट्लक्ट्र) आसम्मान (अम्मारम) लड्मायी (कलाने विवत कर्यन [190]) दिक्याहि - त्यम्याविक याती (का मु अर्ग) क नका ही एक मार्नि में मिन मिन कि का अर्था मंत्रे टखन्ने पान कर्मन), जामकाणा (लास महन--विकामी (विनि मकन अपार्टिन अर्थ) आमम्बर् मिकानी (विनि नित्न मार्क) जाम मनामित धातला ग्रह काल की वं ने कर्वित टिन गिरहे]) अविषारे की (अव्यादेश) आक्रा तम (अक्र ल्यामं) क्ष्यी लक्ष् (क्ष्यी इहेत)॥ रव। रा (त्यस्त्र) म भावकामिन्यविदं (त्रमेयां मूलीलय की कंडारम) भी अमूया वन मी (कम्मु कंडाय

लाक्षां शर्मा) कः लाल (काम एक) सरीय न्त्री कमक-रमतः (भीण रमत्यानी) का स अकृष्णः (कन्यामाम-लीन) पिया: (पिक) नाम : (नामसन) कि (मार्व: (किटलाय) अधीयमतकग्रत् भन्नात् (की अधीय मू अक स न निर्मा अम् का (र में डर न) (वर् केप्राठ (वर्भा मार्य करंवप) रंद (वार्म नरे) व्यायता (व्यायता माडि) (प (our ura) (स्त (लप इर्य) लक्ष (इदुक)॥ इन। मः (कारासक) दिः दिः (न्या स्वाद-र्याय) अवस-अवस्थल - स्माना टिल्ला : क्रं (प्रवेशिक्तं लायल्याची यासिक) यर्दिक त्ला प्रवे कर्तालय कि १) वन अम क (छ: (अन्य अभावत्र मी) ट्यारेमं : मा कि १ (ट्याममसूर्य व धर्कारम दे स लामकाक हि । [नवर]) मात्रः काल्टामां मा ष्ट्र (लाअ विश्व कामा हि श्रिक नेक टिक्डी के द का ई सरमाध्य हिं [अवंद लाह्य]) र्याद्रिं (१३ नृषायान) मामन वर (निनाम (२०१) अस्टर् (अष्ठ) अभिनामक-माना विमानर् (मिश्चिम ज्यामरामन अवचि देवन समामी) प्रदेव.

मंत्रेयी-यात् (संबर्धं वर्षी-स्वाप्त) लाक्त्रांत्रियो (व्यय मार्घ)।। २०। [आर्च] सीवम् वव (जीवम्नागरे) भूछ: र्व (मृक्रकार्ड कार्य) जी- वस्त खंताहि। हः (र्म, राम, आख्येन अव्हि), क्रममापा एकर-मारामिडि: (१४ मान्य कर्म वा मार अवृष्टि) मिला मर्सु व टका हि। डि: (अअर्भा मिला वाद वा कारियकत) , वदाशिष्ट्र १ छाउ - द्ये नापिति : (विवर् अहर विदय ७ ०० उदिमादिश्या :) क्वाहि (कभन 3) कमा कि (त्या मस अ) विकृष्डिः (विकाव) म नाहः (अमुख्य मा कविया) अवर् (अक्टार्य) सिमंद्रप्रतील क्ष्मपं (अवसास्त्रसः में किं के या का के का की का कर की की की का न द्रप्ट्य) लाजां (लाजन कार्न (कार्ट)।। . ७०। याद (याद) रूला समर (यर जी सूला समरे) ए (जामन) भी बतर पार्छ (भी बत्र मर्था इसं " [एडा इर्ड वेषि]) हैं आपु (हैं अंग्रेस्टिक) मूमानि वर (मूमकालरे) विकि (धरा कार्रेव), लामानाः (जिला यापरक) अवार् की वि (ध्याकी वि.

(051 हिंग (प सिंग हिंहां [विंख]) क्रिकेट म के म पर 30 (लाम (काम कर्स कामें व मा काम काम काम काम काम) न व्यानाव-ट्रेक्क (श्रमाव (श्रमाक्षक हैकी इस लेखिया गाउ) असीक् (कल्पियासवड), (अवसीत्र (अव क नामकर्त) ७० (००) सम्म ह (यह सारा के मार के हुए हुए (हर क्रम मह सार) देवह नाहु संरमने) स्मिने (अवयव दर्दा) विश्वान ने मार्थने ल्यान् ह (पूर्वन कृष ध्यान मध्याक) माली : असाम य९ (भक्त मक् असाम बाजिगारे) ब्रालाभा : (मक्र कार्वाव) , ट्येमानी वव (द्येम ग्रामिकरे) मराहि छिर् (अयम केन्यर्प) , आता हार् (अञ्चलक्षे-सम्राक्त) व्यक्त स्वास् (अइस्थार्ड [वरर]) अम्बाति वर ह (अम्बस्यूर्टकरे) प्रदा (प्रवेदन) यूर्ने १ (यूर्ने माय जिन कार्व व) ॥ । 0>1 (प्र हिड । वेडि] म्याल्याकी : (म्यास्था सिमाश्व) मंगं (राम) रें ने : (रें चे ड्यंडि) ने केर (आवेक्सम्पर्क) सर्वालाश् (सर्वे स्थातं । विस्तं. राममन) भूतर (भूतक) भरें के हे के वर (मर्स्य-जाल हेर्या दिल का निया) दो बार् माइम न व (दिवसमाठ: आस अनुगदिशा करे) ८५२ १ निर्दार (बीवन भावा निर्मा कविया) अन्ताक नीयम् बुकाकात्त (की बुका वटारे) त्मा वर् धाम्य (क्रीक महत्वारं राम कर)।। िका कः काम अवस्ति : (क्या कर्या टिम्स्स म्मानी मार्कि के क्षितिक कर भागः (कर्वना ४ (र्षि लासनमार्ष्य के चिवरं) में के बेस्त्रमा है: (ज्यर्केश्वरप्रदेशके ति विश्वरित) त्रियते (पात्रके)।।

ग्राष्ट्रम्) अंत्र प्रतिक कालायः (अवंदि । क्ष्या भागानी क्ट्लान विभाग) निक्र (निव्ह्रव्) धक्तिन प्रकार (धकारियम्) भाविक्वम्याः (टलक् अन्नं वार्निन्त [नवर्]) व्याना द्वारा भागान्यातः (अभवकर्क मिराव अम्मयत्व अडिमास वर्षम कर्षिते) चेड्रिक रिक्ट सार्या (म्ये म्य रिक्ट माभाषितां) वालियमयल्याहा (विवृत्तं काण्य काहमाय अकाम भूर्यक) कामीन (१ रे) वृष्णवरम (क्षिषुकायरम) वभिष्ण (क्ष्यम् म कर्यम्)।। 081 मि (मि [ज्राम]) अमन्तर (अमग्रास्तर) रेश टामारक (अ कमर्ड) अभूमहर् (पूर्वड) । विव्रा-रिन- अी भूय- त्मारा छ झामि (अपूज रिन ७ हेडझ अी, भूज उ मूरापि) लक्ष ० (लाड कार्डि) रेक्प्रि (रेक्प कर [वर्]) करामिषिष ब्राह्म (कर्षमण द्याभयन [3]) क्र कहाकि ए (क्र कार क) का बका त्रि (with and क्र , जिल्हा इत्रता) अप (अभन इत्रेखरे) कृता-वनागरें (जीवृत्यावन-नामक) अव्याधनाय (अरंस झारसर) व्यास्त्र (अस कर)।। Gel श्रिव (त्र श्रिव!) वृत्यारेवी कवीलायं-काचड-कारी-श्रहान) बात- छरेन्यू मरे छ टिका नारि

(प्रशक्षित त्मि क्मिड का बा अटक् अ वर कृत्यवसन् छत्रक्षावित किकिसाव मीछित् व कन्ना करिए लात्वमना , जिल्ली) प्राप्ति (कुन्नि) अर्थावभीम (छिन कानिया) अल्लाख-आनि (दे छिम्बर्सन) अस अर्क्षी (अर्यप्र शूर्वक) अलान् व प्रकातिर् (जात व त्यवं काक यं क्षवं का) न छा ए (न वे कृत्या-वन (क) मारि (आसम कम)। ७ ७ । ब्रेस देवी (यह ब्रायम) जन्मिनाम जन्म (ध्यम्भा) काधभवी- भूर्क- हिस्सिनीत् (कामतीनू , कहा कर अ हिसामित के) इष्ट्रमुडी (अब कर्निमा) ने मी- महें न- करिन- में का- में देवल-मुला- मुट्डिय-मिना प्रिटियंक-न्ना करनेत (लक्षीन लड़् व उ हर् कारि एवग्रमारे वृद्ध पूर्म पिया -प्रार्थियाना अकिकि विश्वक्षा श्रांत्र में अया (निक छेट्कर्य अकाल कार्ब टिट्र)॥ ७ पा रामि (यामे) ब्बीम् - युकाम- विदार- त्याहि-अला कि व कार्न- प्रश्न अला दा (कारि व्यक्ति भूर्य, हला, कार्य अविद्यालयं कित्रकारी क्ष्या दी हिला निती) दू लारे वी (यरे क्लारे वी

[कारावड]) हिल्ड के (समरम) आया अला मकूर आली (निमयक्ष अकाल सूर्यक) या छ डा छ (हे दि छ देन , [बाद्य इदेश] अभा (बाद्य) समात्र (हिट्ड) बिलियनादि (क्रिमादिश पाडिलास) म वि डेटमाडि (क्रात ७ हा मण रम्मा)।। ७ मा [यिन] व्यक्ति रका न मून्ति - ट्याइन - टका नेकु कू-भूरकार अवाका अ अक्टमन की लाक्क पार्व-हा का) अन्य न हम (अवस्य अत्म क्ष के व वी वर्ष कवियां) वत्रात्रिक्- द्या क्षी (वत्रात्रिक् मधार वर्षते करत्त [नवर्]) आतला हिनाय-धरायु उ-मञ्ज-ब्रू - ब्रू पे वी (यां श्रव प्रार्थित भामित्र बिशि । हिंद- मूना प्रक खंस व का का मूर्य क विश्व कार्ड एट , त्ररे की मूलायन) सप्र (आपार) स्वीकर् धमर् (माम मां कि सम्ता) मिरक (विनके ककत)॥ ७२। अ१ व रीज- सम्मुद्राया (अ छारज रे पर्य द्वारा वार्षा) वृद्धारेवी (यर कृद्धारेवी) त्यावाकवार, लाक्ष (त्यतिने लाक्षेत्रसर्दित) स्पाम्बना ० नम्ही (अने सामिश् धारकत्र कार्तमा), प्रक्म-

र्धवित्र कुछ मा (अर्थ भी विवर्ति मामूल काक्ष्म) (आसातं (अर्खियायम चिवर्) में क्षवं-सदाम हतंत्री (लभीम राज्य आम आध्ये) (आमाम हिंगें दे (विमालव कावने रहेन)॥ 801 मुलारेडी (यर व्यास्वायत) न एड दीय- मूथूका-युन्हार (वर अरमन् माक्र वन्य सूर्त) वरता) रामा समामार मः (रम समा सार समानी समामा टनमा जि वि: (न न्तर रामा हवं) डप डि (इ'त), भ्रेम्बनं: (अव (अयव) जना (जाया) अकन कर्ष (रेडव कर्म मध्यम्) मुक्षा कत्वा (निश्वन वार् प्रक्रा पन कर्त्र [नवर्]) बक्रायमः (बक्रायह्छि) व्याद्ध में क्या : (व्याद्ध मतं हाक्ष अठकारं) वर्ड (उत्राम्) मुवाडि (मुडिक्ट्यन)॥ 8) कदा ([जापि] कत्व) अत्वाख्या छम-हवार्म्य -मकुनाए (मर्टाउम मायन मन्म मानिमारी भाष्ट्रिम) त्रकल मार्य न मार्थ (प्रकल मार्थ मार्थ जाता मार्थ अमार्थित के वार्विता श्रमक [नवर] असिमिक समने-डिक रिक किए कि (की कृष्किन डिकिस प्रम पक मान ज्यादी व खक्त) जाभीन (वरे) मुलायत (क्यांयत)

ति । अर्टमर (ति) काम अनू मती म) Coltar (sale-प्रकारक) क्यापि (काय कार्व १)।। 82। अक्रम जायत-भायत (मर्च अक्षात विकिष्णानमक असार्थन् अ अ निव्यका-दात्रक) , प्रार्थान प्रमान प्र-प्रथा-यर्पिति (अट्याउस सम्माटकके प्रार्थिताला निवर]) अर्याष्ट्र वाह् व-मराव्यक्षा विश्व (क्लिक्य के हिन्छ-सम् स्राव्य कार्यव आर्थित वक्ष) क्रम् (धारह) आत्रीन (यरे) अनटह (अत्रीम) वृत्पायत (अविवृत्पायत) अती कुळ्या त्या व्यान-पू पा इ मिं : (मर्वाचित्रे हेळ्ळा म अपार्ज जिल्ला अस्म उ अनंस देळाय हिल [चीक्क]) प्रका आर छ (प्रवीप विकास कार्न एक र । ध्याय न के मृत्यायत भी बनारते व हिंछ अर्चरण डार्य हेड्य त छ हेमान-स्तर्य अक्षामा इरें)।। . ८७। ऋतिहाशिय- प्रष्टु त्या मला ह्या वे-प्रयम-पिका स्थाय जारव (भारत क महावन क संस्थाने मने धानल प्रामत् धरमायम् ११० विरा अरा अडाय-अक्षात्रक (अ विवाश कावि (०८२) विर्मा) रेप (वरे) मुलायत (मृलायत) ट्य (भाराया) प्रामृति

(त्र २) रम का य अर्ड) त्कराहिए (ए त्काम अकार्य खम्बा विषिय) डार्यम (धम् झालन् अण्टेक) समार्छ (शम कर्वन), एक (जनमन्ता) मर्थ ते क न टमाक-सु र् (त्रिमिन विक् लास्क् डे क्रिडालरे) या डि (विकाल कर्वन)॥ 88। विम्न हिन्मन प्रवृक्त (ट्रम्मारन अमिनायरे विरुक्त हिन्त्रत्रक्ष [नवर]) मुल्लन्क अवन् मृल्यः मूत्री का वन्यात (ट्या के ट्रायम के मू मिमने व पेराया यक्तरकत्मन (ट्राये) कृत्या हेरी (की कृत्या यतः) अक्षमा (तिकक्षाकाः) पण्डतिहत्ते. (शिष्टिय अलाच व (म) मिस्तुरम, प्रें (मिलार्य) अपमूल-यामून् व्यक्षे (अमूम वा स्तर्वा) महन्तेन न हरी करनाजू (निक हन्तेन स्मय कंतरा Day 4 20 4) 11 हर्मिश् (धरे) मृत्यादेशी (मृत्यायम) किं (कि) प्रविभिन्न: (प्रतिश्वतं छमनातत् विल्याच्या - प्रश्ति हम् द्विः (प्रविक्रा के प्रेल्यर्ग -कुल्लियं प्रशक्तिहिं का लारे) द्वादि (अका निक ्र्रेग्रह्म !), या (ज्याम) ज्या वि : (व्यत्रीय)

क्रान्य में बी खेंद्य: (ज्ञान म मं न लामें क्र मामर्वत) 801 Cor: (त्र मूर्यीमन!) (कारि-क्यू-क्रम-अव्म-प्रशा ति प्रति : (त्या हि क सूत्र त्या न ति विकित्र स्यार्व बयमासी) नाकिटिं : (एक वाक मन) ? माया - अधूप्तार्माया - की न अधूय- यमक्रिः (दिक्र अविश्वित हे छ की दित हे मा अ अस अमू अ बाकियन), कृक्वरिं: (भीकृष्कं वि धन्-शामी) कू वर्टिः (ध्रामार्ग), दिर्वाः (विकिन) माभी- ७५१ थि: (प्रश्नावव ड ७ जाम-प्रमूद) व्यम् वस्य- भयः भर्मात्म व्यूटेल तिः (व्यम् -मर्न बमनानी देख्या निम्म न् न्यू मन् अर्वशनि [नवर]) अमनमा भूरे मू: रेव (भूकि भाग जामक कामि भर्क) कू टेर् (केन्ध्र द्याप्र वाद्य) सहस सन्ध्र (अदे स सर्थित) बुल्प बत् (जी बुलाबन वी वा) कता व (दल्पन ८७। प्रति भिष्टः (प्रतिश्वन ड मरा तन) विभिन्न प्रति प्रति के छि। (प्रति वकान ने व्यर्गान न अव्यक्तिकिते) रेप्ट (वरे) ब्लारेसी

(ब्ला बमक्त्म) जगान किए (अस्मान मारेटार कि?) म (अयम) अयूर् (रेया) किर् (कि) अमयति: (अभीम) ब्राम्मन प्रशिष्ट् विः (ब्रामन स्युव भूवाभिष्ठ) जिल्हा नमः (बिहिन नमरे इरेट्य १), का (अक्रका) भग्र दिना प्रक्त -भामम- वस (अभी- मूबी गए किए (रेश्न कि मिक कल्लाक्कार्टा इंडिस बीक खक्षेत्र इस ?) रू (अभया) रेयर किर् (रेया कि) कृकत्यम-मू छा हु जा भारी ने जि: (वी क्क ट्या मन्दे त्यान । हाहित आवं ग्रांस कारल (खिंचा कार्याहार)।। 891 नाए: (त अरे! यिन ज्रामि किसामा कर (य)) अरूलगतः (अक्स नीवरे) कुत् (ट्यमकार) ध्यष्ट्रपर (ध्यमग्रास) ध्यक्तार (मि। किए डात्र) की कृष्णिकात डाक् (क्रिक-, विश्वमंद्र पकार्तक लय अस) लाट आहि (आड करवं !) केच (ट्यामारं) अवंश हमवव: (अवस हसवाम,) क्कम (धीक् किंव) व्यालक्ष्य-भीमा (पर्माविष्य) भीमार्म्सं (भीमा-विध्य विश्व कर्षन !]), क् न करा: (त्यान

म्नात्व का की बमने) कुक्र भाषा युक्त- एवन - प्रशम्ब-मामान काका: (अविक किव भार भएन देशन-(इड अंदर ये लया हत (श) वं अवा का का पात करवन १ [जाया र्येस काविष्यं]) व्यम् राक्षा (भन्म तम्भनीय ज्यु के निर्णिष्ट) न्यू तु (व्यवने कर), अव (वरे) व्योत्म - मृत्यपयत (की मुलाबरमरे) रेपर मकसर (लियार बिकार) त्रकल विध्य भाविकूरे करियाटि)॥ 86 । छाणः (द छारे!) विदेशिकार् (जिसे वृष्पवत्तव] ७ क्वानिव) ७ त्म ७ तम (जम ८५०० कानिय्व छार्व । विके (राम कर), आरमधू (यासमम् (र) डिमार अहे (डिम्म अर्न कर) या सु म ए लाम (यस मा म कम) यह म र (यह राज) धन् विय (अव्वदाय भान कर), विरेव: (र स म स स मध्य भारा) मुकरा र कुर (करा अस्ड कव) न अधान १ (मसानक) व्यक्तिया १-गर्म (काउडीड विषक्त)कमंग (मर्भ कर्ग) मीठाव सान (दूर्त कु र्हे व्यवसान (क) मुकी र (कर्मा संस्थितिय कर्]) मी बाद्या में विश्व दिली

(क्षीना कि कि कि के प्राप्त) व मार् (क्षी के मार्ट) एव (टमरा कर, [क्यम 3]) तृत्पादमर (श्वावम) या लेख (अर्डिकेरस करवे एस)।। ४१-11 891 (ता ((दा लार् !) का शुर्धा में से मेरे (संक्र डे अमिथप मम् राइ वं) वान् मरि : वाली (वान् पनी प्रमाणियन) प्रमाक् म क्रेक्षा (यपाकिकिन्-अध्यक्त यात्राच् व्यत् छव कर्न्टि असर्च रेंननाः) क्यानम नमा मुर्वः (यादा क्यानम् मर् इसामिश्व के) अव्ववंद मावंद (अवस आव वस) विहि (निवर् माकावर (निवर् मात्राव व्यक् वि व्यक्षिति उ देळ्य मा जा सम् , [त्ये]) मूर् मेंड-७ वर (अव्य प्र में छ) भी वृष्णा निष्मर (भी वृष्णा वर्ष र्वास्टक) खाला (यर्वाका द्वार) व्या मापी (लाड कार्या उ [व्राध]) भूमाला कुलिलाहिका . कू माना-कू जिला हिका- बनाना : (में विष्यियी लामान्या करिका श्रिमादीयं क्या हिंव दर्गा। किए (किएडू) निरं नर्मिश्र (निन्छर सारी विसर में बिश्वें ने कार्ब (व ह है)।। ©। श्राण: (तः छाते!) (० (ज्रिये) कियू-

(कि) भाग अनुकात: (तिल व मृत्य कार्य) तिमहरमन (निक्षिण बार्य) विषिष: (नानिए भगवेगार १) व श्किम् (क्रामिक) वसम् (ध्यायसम्मारी) हे रकाः (हे डेंड) गाडिस स्पि (पार्ड मियारेप्ड ब्ती) भराभनू १ (स्थान प्रश्मन) बानानि (लायमा डड्रांड ?) आ (लाया) रहिं : (मेर्र) वरक्षेप्र (वारावं व्या लावं मार्ग्न)-का बीरक) जरमकरण (जर्मका कर्व) रेडि किए (रेश्परे कि) प्र (हामि) त्वरामि (कामित ल्यान्याम १) १ मठ: (त्यर्ष्ट विष्ट्री) क्रमा कु: यव (ति: माडु हिटिये) वावर्वावर् (वाव्याव) वृत्यायमा ९ व्याप्तः (वृत्यायम लाम कार्य मा के मान सहाता सहस्त) हमत्य ७०। रमायम-अस्मित्र विक्रिक कार्यन) मिल्सिः (मिल्सिक कार्यप्र) (श्रीमिता मार्ज्य हिंद)।। भूम (सर् अवि) अन्तर्अक्रियम (अक्रिकी अर्डिक दिसम्कावी) ब्लाम्ने (व्याव्यावत्यं उद्घ) न विमार्ड (लियसक उममा) १ (चवड) वर्षात्र (र्थायम -बाटमन) म लामामात (लाकाहरी कर नमा)

थय (१४४) तिव्वार्थः (७००१३) अष्टानमः व्या-मुर्वि: (अलाह आनम्ब्रिमिक्) केवर् (निकिष्का) व्याविनाक्ष (क्याविष्ठ रम्), वन (क्या !) क्रूक्यं: (हेर्ड्ड स्पप्रमाप) मेरे: (अंस में: महरं) अस्यिताः अलि (देव् वित्र इरेमाड) ता मकाडि (टिम्द्रे जातमा न्यामिक्ष्र जार्याय्यक्ष व न्यायत्म व्याज] अनुवक इम्मा)।। ७२। लाम मास (ए मास ! [ब्रिश]) त्वराक्षा खान (तम् विवित् लक्ष्यात) डम्ट्र कूक् (डम् कार्य अमा) उसमार (अकंत्राक्) प्रमर लाख (मार्क) कार्टिड) म मात्राला: (लक्षा) कार्य उमा) , टलाक का यक्ता (टार्स मिक क) यश (त्र में) म वि वारिक (धानू भवते कार्डिमा) नित क्ट्रेश्वाएड (बीम ट्लाक्) वटलंक व्यक्ति) क्लामा म द्य (क्लाम विसामित हरेड मा [च बढ व्यादा] ८ मेर्ड : (लार् बायमां बा) लमके र (मित्र उत्) मिछ: म एव (धार्व हारे उता, विष्टु)) र्वाप (अयम विला) मुलायम (धमू (यूलायतम हेटाल (आ) मिः प्रव (यावा कर)।। ए। अविभद-मरामध्ये- टार्मन्यर्यामी (निव्दुन

अवस्ति सिक्त स्मामी) त्यां कारात्मे (त्यां व न्त्रामक) त्यं (म्यामक) मम्बरी (मामनी ड नामम देख्य) अन्यानरका नाद - व्य प्रशामिक - यमा निक्कानी -कुटली (अलाएं व्यामन सम्मम् स्थाममूट्य नियमा अभीमार्तन भारत) भव (ट्यम्पारम) आडमं-मान्-बिमामिटें : (डेपाम कम्प्य बिमाम ७८३) क्रिंड (वियान कटनन), ध्या (यगः) महामा: (दृष्टेगण-मस्त्र काक्तिने) देपर (नरे क्ष) मृत्या मन् (च्यु र्केप्या वर्षेष्) त लाज्य में दि (लाज्य में मर्प कर्तमा)॥ 081 अद्यामाग्य-कान्यमाग्य-प्रिममानी द्रभार (व्यी अर्था-क्टान्य कानिभामत्वं विभन्न हरे मा अभीगार्न व निन चाश्व) मठ में यर (त्म में क्षतं द्रमं रमं) व्यवतः (जनवारा के) अर्व : जाली ट्रिया प्रवाद म व : (भर्य विवि लामम देवमवड) टमा उटमममवाम् (जाराव यशकिकिश्तमाद्यम् ७ जून रम्मा), यदि (यदि) मिकलक्षा लामा चिंग् कासमा (वर्षमधान कामा) भागती) क्या हिंद (त्लात काक के) जन (त्यरे अतू सम मेरा प्रतितं) लाक्षा (लाक्षा इसे उसे) ° वे (खाउत र्देत [िनि]) रूला वत मार्ह (रूला वत- नामक)

अनं तम शामि (अनं स हारत) श्रीनं (प्रेक) वर्षः (८५२) ग्रमण् (मझर्बन क्क्न.)॥ ee, लाउन (लाउन) ला नुसुअय- का क्यान-कक्ता-में एक : (ट्यामरे वर्गम म्यां के कार मि असमा क (वत , [ाधीन]) का शा का निश्च मार् (अ) का शक क्षात्रम्भकी विष्म)कमाहि (स्मन नक) माम्म्य (नामवन) मवन सून: (नवीन मूवाक्ष्य) आखामादिनी (कस्वतीया विक्रान कविएट्र - वर् भिनि) मर्गम् - पूक्र र-क्ष्यम-मर्रिकं-मका विती (तिमिन तिमम नास्त्रं पूर्णण व्यक्ति एस सक्त मर्य वरत कर्पत), व्यक्ति। विषितार्डिश (अर्थायत्रताष्ट्री [अरे])कल्ल-कामिस्मी (कल मकी ड़ा द्वि) विक गटा (श्वीम हे दक्ष मद्रकार्य विद्याल करि एए हम)।। हत। रेक्सरप्रमा संस (रेक्सरप्र (सराकाल कामक) धर्म नकु एवं वन अनं मानिख्य का (आर्ड पूर्वा अभवा लाक्त्रस्तातं काक्) वद्वतं (वह्व) प्राम क रू:रश का (सूत्र का दू:रश्य वा) व यरल यमात्रे जिय काल जियानात्र (अहत की विन जकी विन खि), प्रामे का ट्या प्रे का (ध्रीन जायन ट्या प्रम

4

कि) , अवरस मुकाम विविधि का (अवस मुक्रम अ दि(म्योव व्यक्ति) निकुर् (सर्वा) अधा मुर्चि: (ससर्खित) वयळ (द्रेत इद्रक्त)॥ e 9 । ध्यार (ध्यारा!) रेपर (नरे) मुला वनर् भाम (इमा वत भार) व्यामा र्थ (व्यामा वस) व्या क्राम (वेदार धार्य । रामा कृष्ण मार् (देश की कृष्ट-मासक) ट्राव्यीय द्रं न प्रवे व सरः (ट्राप् व नीय-वर्स प्रश्रेड क्लानिक म [नवर]) ज्युलपारसाक रर ह (छेन २१८६ व अने प्रथम यु अ ता) or 200 र्थ (aras र वस्) न क्षा लायः (आमन व्यापित सर्वास विस्का की कि) जामहर्यः (जामहर्य रह), जाय (क्षे लाता) अवस्त्रात (ट्याक्र जार) लाकर? (का का क रर्मा क) का कि प्रथा (टकान प्रमाण्य) जात्रकः वन (लारे निराक्ष सीछि । निक रर्गं र जनम्म कटन्म , र्या जान ड]) जामार्ग: (जामार्ग रह , [ara]) जम्बिर (७९ वक् (अव अब्डिंड काकि) अव ममू वियम : (कार्रेपूर्व इतिया,) व्यामक्त यह (कार्ट म वर्ष ने लामक न रह)।।

6 P | यत्म (८४ मरम!) खन वक्षेत्र व के के (ज्ञिषी] तमक वस् ता अव्य दर्धना), मना (यक्ता) करितालां विक वाला वर्षात्क) रद्भन्द्रन् (ज्यमन मन्त्रम म्राम्) प्रवितः त्वन्तं कत्रेक (क्षितं विक्रामें बेश बिन के कर), मूछ-कलय-प्रियापिक (भूया, कलय ७ वियापिकणे वक्षत (बक्षतिव विष्) र्ठेट (रैंडा कर) म के के (कार्या कार्य स्था) रक्म (क्ष्यव्या [व्याष्ट्र]) समूकी ममनीर पा (CUSOMENS ONMESS) FURIALY (-37 FULLET) निषम (अयम्। न कन्)॥ क्रा व मार्च (व मिन ! [ज्रिम]) अवन् (अर्द्य) द्राची प्राचिव (ग्री का वी क्रिक्ट कर)यमारिन (यामा का भित्र) अप सेन (आन) जिया जाकन्यन (अवरे) , ज्लीत्वर् ६ (ज्यी म क्रमलां निक्रि) वर्गम् (वर्गन), अधन्तिः असूम् (अप्रिष्ठि वाकिमाते व मार्ड ब्रिमिड श्रेमा) महक्मत (वर् श्रिक्त ला (पारम [नवर]) लमावंबर (मित्रक्तं) प्रशासकः (अग्रमि विद्यतं)

क्स १ मुस (प्राणकार क्साक) मय असिक रम (इत यांच आधिकोंचं कर्जिता) प्रहास्त (प्रज्यापिकं अहि) कुण्यलन: (जयका अपलन पूर्व) ब्ना देवीर् (क्यावता) व्यावस (कास कव्)।। ७०। भः (१४) द्रा है: (यु छ काक) सर भा (लयामार्य) रेला वपर (रेला वप दास्ति) त्राली (The 25 in a) ad (ONEL) WALL (DILLA करने), अ: (अरे राष्ट्र) प्राक्त जी हि: (मुक्तिकी-कर्क) कामिलवारः (हरान वृष्ट द्रेया ३) मानकः (नव्दक्त पिष्क) भायम् भावि (क्राव ध्यामन २ रेट्टि), श: (८) हिडम्मिने (हिडम्मिने) मक्षा (लाड किव्या छ) जाय (बन्नार) प्रद्रावर्गिक्सी (अरामभू के विकि (विकि व कार्य कर किए विक [म]) मक्स डमब्ह् अव् (अव्य डमवान (क्रीकिक्ष्मति) प्रमार केर्या (प्रमादित कर्बितात) क्या त्या गार (केके देवं लाक्स १३ (७८५)।। ७ > | २७ (धारा!) म्लायनम् - भूय-हय- निकायध् (ब्लाबन वात्री मावब लक्ष वनार्भातं वही)

(स (लामान) (सवा लास (दसवा विवास करंगक)) च्यात्रं : त्या : त्य श (च्यादि त्यम् ला वं एक हे) दि (म्रायां) चर्णात्याः (व्यक्तिक-हा त्यं) ब भेला : (किन ध्य (श्राया) ००: (ब्रामान (दवसर ७० वक्षा ३) हे दे महिला : (अरं स माराजी अन प्र) " ता ए हि (त्राइडे रेशापन) अर्षेष-माछिष्धतन्त्रवस्थः (विभाव भनी हुउ जा की य मा कि पान पान भ), दूर पूरा डि-रें च - में क्ष्माडाकी रेंगा: (इडाएन काराकी कार्य हैं व है शहर व विशेषिण विष्टी) रेटरेल-निधमानम् कातम् कम्पाः (देशमा बुक्त अनियापन-अव हे अति थए मध्य व अनि आपा आपा अम व स इरेट क्याबिह्ड क्यमम व्यान व श्रमम्म)।। (5) (आक्य अ. छ: (अर्द हमराम न्या के कि कि निग्र (निम्डन) भू (भाराय) आत्मवान (ट्राक्स कार्व (७१३ न) (ब्रिनिड द्वं ने (ब्रिनिड हर्ष)) ७१२९ (OME) न लामि (कामिना) म्यी पर्कं: (ड्रेअप्रिकेट प्रमें) नवर (नवं) लक्ष्र वर्षे (ज्यु क कस) यम (यम एक) किं स्कार

(क्षित्त प्रव कड़िट्यम हे) आसमर (नई अवस भायत) नृत्यावतर (नृत्यावत शाम) प्रकृतिरमाए -कर्याक भीमः (अव समार्षे तिव अवाकाक म्यक्ष) (अध्वस्मा) (त्यमव्यवरे) कल् कि (मूम अपार्थ कि?), श (अयरा विश्व) अपूछ-आस्पातम रूपाया (पर्यामिटिन अभाष क्षामण-इ (अब्दे) वाब्रेनिह: (वाब्रेनिह विलय, विश् क्षास काममा मत्र]।। ७०। यार (यार) त्याका: (त्याकप्रमूह) अव्हला निका न् (म्लाक सर्व सिमान) विम् वृ १० (कर्ष) , ७०: (वादा (का (का कार्य) । कि (कार्ड कि ?), तह (याद) अर्वर क्ट्रेश्ट (टमाया यम) भीत्र भीतर मार (काल्यां एप) महत इस) का (वारा हरेएस) बन्न (जानान) उठः (अरे ति हू) किनिव (त्यान क्षा) र्म्साः मः किए (दूर्मा वरेट भारत कि।), याद (याद) केल्ल्ये (डमवातन) त्यकादि (टममादिकाटर्ड) म भार (मन्भादन इस), का : कि विक् कि का प्राप्त के विवेद से श [as 3]) as (and) con of anxion

(रेशर् अयम सुत्र शूर्वक) नीम मृत्यावत (भीमृत्यायत मरे) श्वामाप्ति (वाम कविव , विश्व र्षे (वरे]) द्राय (कारान) अन्या नेसी मितिः (अय्य कार्यने विषर्भय मिहि) डाबिजी (इरेटम)॥ ७ 8 । जामि] कर्ष- को जी स यात्राः (करूप उ को जी म भार्म), ७ स्वम्बिछि: (म्क्वाल माविक) क्रमालि : (मलापिष्टारा) इस्ट्राहः (कीविका-मिनार्ग) क्रमाल क्रम् वार्वार म क्रम् (मर् लका व वं मा याक्रीमान लांब्छाम कार्बम) कमला र्मा (हर्य मा य अध्यम्पत्र (बेंगा किहान भाषामा पा कार्यना) मर्याकिसान का क्रम (मर् सका व का हिसान वा हिलाग स्रक्ष) व्यक्ताम (व्यक्तिम् म्यो नम्) अचिम् २० (मृत्र मृत्य) प्रिम क्रिन (यसने कार्यमा) कारिमर (प्रविष) मार्विक कर जुटा कार (खी वार्वान यका व धनु भव हम सत्ते । धनु भव्न (धनु भव्ने. प्रकारत) मुलावस (मुलावस) मिन्यामि (याम कार्वि)। ए हा जारिकाम मुलाम ति (ज्यमी ए जामन-यमं स्मिन्यत्य [लासानं]) स्मियात (स्मिलाक-

सार्य म कार्ष्य) भार्यका: (भार्काम) गार्श्य-हत-सिमियाने के (भावम क्येंग अपिलाने कारि) डेमात्रायुक्तिः (हेमात्र एताम), नार्त्रालाकार्थ-नार्डिय वाकि (ति विषय मध्य महम्माह इने त्वर) रमम्ब्रामिक् ([जावाद्यादि] हिंडज मूरअस आमिरावमक) शामित्रकी: (कारिकाम) ट्यर-डी-विड-व्यापिय (ट्यर, सी, विड ड भूजनिम् अि) न दि सम्भी: (सम्लाम् जिन werd), अलय में (तिम लाय लारे में कार्ट) शिव में हिं: (शिव त्यात [नवड]) madei मंड (अवस प्: एक म अ छ ७) अ सहन (प्रवी) में सर्धः (में में का प्रमं) लसे (द्रमं रहेक)॥ ७७। क्या (क्या) समार (क्या समा क्या क्या मन यामक- व्यर (बीक्काय (अय) (कार्याप) (कार्याप) भेष्य) सामीतः दस (त्यासार्व लाक् यतं संदर्भ व प्रकार तिष्) विद्रार्कः (द्राक्रियः) विवधः सिवंते प्र (तै: यह प्रवं मारं) विक्रिटित कारि (कार्यम मिना म माये करी करेर रहे) त्र दि त्यामाः (त्रक्षमान् त्यामाना)

मनम- अन्त- रक्ष्टिल्य सक्ताः (जी व विभागतान डेर्क हे नियम मध्यम् अम्) हराहि (त्यार्थ र्वेलट्ट), असस-अवन-मूबन्नाः (विश्वित ट्यमे टमयलने) कीरे आमा: (कीरेज्य) माजर [स्रोमस्य वर्ष्टिय नवर्] सिल्मः ह (मिनिमम्दर)रेल्याम आमा : (रेल्या तार काम विकास (अर्थ [अपे ड्रेक्टि])॥ ७१ । [र अल्य! प्रिम] यापि (यापि) रेपए (यहे) यूक्तायमः (यूक्तायम) ७) क्या (व्यान्क) प्रमण्य विक) बाई: भगम (बाईटंड लयान समय कर) क्षा कार्य वस (याने द्याने विकार वर्षात्र]) न्तर (तिकार्य) कत्र क्रमयय-यमर (कत्र वस्त हे मान) कि दूर (काई छात्म काई मा) आरमारे ए (आटमाड़ लाम्र टमक्स रेक्स के नात्र (लाक्स काम्रित (कार्य) (हर (यह) मृत्यायम्मान (ब्लायम बन्नम् नी बार्ग) दिश्वर (जान कर्णण) - जाताका-कार्टः (जायन विकास वार्गान मित्र के कार्य के त्या के त्या है कि विकास कानिय (य, [प्राधि]) असमर् अयुवर् (अव्यवम

मेर्डिस) । एसेर (राम कर्डिस) न्यात्र की ड (के मेर्डिस 18 31) Caldo 36 365: (amy 21 3 Ca 3 th 2 3 ins) 11 PPINEN (CX NEN; [SIE]) MANGH MYSONE या (भाषी या भूका कात), अमन प्रायमाः सूके की छितान, का (मुक्की छिला की का की छितान) सरार स्थाल साम: जम सहार (त्यह आरं मिन्त अभावन अध्यह), अभावन एमिं: मर्वाचित्रामिश्वः वा (अयम मूर्य अला मर्व-विकास विला विष) , यः कः व्यक्त भा : (८म (कर दे इ अरा (कर) , क अ आंधा (मा अर्थ म (क्यम विश्वत्ये क्या म हिसा काम अम जिस ह) ७९ रूका यतर (भीरूका यत दी म) अक्र अ (मर्जन कर [यहर] अक्रियालिया (अप्डक् उ लाम बाटक) व लये मंबप लेब्द) श्रीम (आदिक -मिकार (मिका ट्यार्गिन) में आजार, (तिग मक्षम मम् १८०) हि।कि हि।कि (हिन कर)।। ७ २। मत्य (त्र मत्य! [प्राप्त]) त्रशत्येन- सामित्क (एर भर म नामकि विष्यान) रेम (भिनंस्क) लाउडा-सम्राज (लाउडी व सम्राज) म कैंक

(कांड्डमा) के कथिंग (सर्छ कं य द जारमार्थ मार्थ) Co (सार सारका मिट्र (corns 142 (मार गानुक) र्य्न- प्रथमार (तर् में प्रार्थ वस्त्र) हिसा (८० एव कार्नुमा) न्या अर्थ (मध्ये) लाभुस्पर्णक-मर्माल)- मर्कपर (मिश्रित आमल माम्राल) व लाहिकां अवसर्यत्य) र्यावप्र ६ ल्डिं (ब्यावत डेमार्ड दर्या) कल कत्रादि- ब्राड : (क्रम्यापिषाना के स्वीयम श्वन् वर्ष) व्यामिल (मिन्डन) जनाभनी मार् (स्मान (मन्द्रन मीमा) भाव (भावते कव)॥ वा मूल्य (१ मटम! विषि]) विका (निवर्ष) ८५२ टमराप्र (अभार (८५२ वा म्यापि विश्व एमंब व्यास्त्रा) म कूक म कूक (कावे छ मा), व्याधीय-सूत्रर्थ- प्रश्मिकार (सर्वाविध पूक्षार्थन विधालकारी) श्रिक्ष (श्रूष) मूर्नि (ममुक हे आर्य दर्याटर, [रेश]) बिकि (अवनिष्येष), अमा अव ([अक न म] कार्षे) राषि म नार कार्य ह कर्टातः (स्तां रहा अल्लामा के देवा लक्ष्यमें पर्य) व्यीत्र मृत्यवत्रत्र (क्यी कृत्या वर्त में) व्या छित् (क्या त

(लाइसाम) हम हम (मामा कर्)।। d>1首型(は前に)のから日里(のからな「直見」) रेपर मर्श विश्वास (वरे मी, मूज उ ते स्माद अविकास विक्र) प्रवार्ष भू व क्र मार्थ (प्रवा भूक छ। त्रिव कल्ला विवर]) नी सार्वका- प्रवट-नाभ-विलक्ष अय-भयाम (न्यी वा की व्यापी व विलक्ष क्ष्यां (प्रव प्रय म्यक्ष) विश्वासम्म (क्षिवसम्बद्धां लाड्या) हम (माना कर), क्वाप्रमा भार (अम्यास विकासार्य कार्यास) भाष कर् (कावंडमा)।। वरात्नः आसी (य अळात!) वर् (ब्रामे) तर् (भिषे) अञ्चल १ (अञ्चल) अक्र १ जन (-वरे विवयं प्रमू रटक) हेलर (रेलर) विराष्ट्र (मार्विताल कविष्ठ) टमालटक्रामि (मधर्म मा २'ड) . जिसे (जारा र्ये त्य) कार्रिकार (मिन उम) न्याबर (ब्यान दान) कारा (कार कने) (स्वर् है) ब्या-वित्राम (ब्लावत्व भेजावी ७ भेजवी व डेलाम्य (डेलामम कर्), मिछ् (अर्थि।) जन्मानि ये माल (जनशा दिन रे माध लय करे)

कारमा अकर् (चरे के प अर्थना) ७ व क्यां व (क्रायात कमान) मर्ण्यूष (अवन कर) वा (यग्) व्यी वर् व्यावमध्य (वी वृद्धा वरमव् व्यक्ति गां भिमनेटक) टब्मक्टमक्ट्रममार्टम् : (वर्न-वक्षारिवारा) सामिहर (८मवा कन्)॥

वण [मिनि] वर्तार्त्रवर अपि छिः विस् , धात्र उ वाम गृशािष्ठा वा [अभवत्क]) की र्थ (कियरिकत्य) सात्रामिष्टः (रात्र कश्म) वसुः (रामकला (अप्राच) कारिस्टर हि (कारिस्टर) इक्टर (यूर्र) का वर (आसार कि का व य रे पाट्य अप्र (त्याद्य) अ: (जिति) अम्रहिष विष्टि (व रें र के कि के कि (मर मान दे र के दे की में र विष्टी) टर्ज टर्जे (बेरशक सम क सात , जरशक उ निवर्ष कार्टम् (देका न कर्न्स) व त्यमावल व प्राव्यनि (जिन । भिनि] ट्रायम म निम्म न महाय जीक (कर व्याम् विस्तान क्षेत्र) अद्वे वृत्ति (यह मन्मकाम व्यामुन्तायर्त) रामचः (अभव्दक याम कनान , िश्ति] असम्माना : (क्रामार्भरे) व्यान्धर्मा दू व्यक्त व्यान विष् विष् विवर्धा व्यान व विश्वि वृति) भार भारि (माड कर्ष्त्र)।। 981 थः (ग्रिनि) मिश्चिकतात् (निश्चिकते) वत्रश्रव-डीलाम् (व्यम्कार्याचित्र्य), अश्चामिनी श्रम् (कार्छ-निनीर विवर्] कुकन् स निवन्त्रान् (कुकन् रम पिन्न) वृक्षावर्मम् (वृक्षावर्मिन्दिक)

मयाना लाम १८५): (ध्यत् म्यापिष्ठामा) स्मम्र (टमका कटनम), जारको (जिनि) उदी क्लो (मुक्तालम भेकारी ए भेरा नृत्य) रता एम ५ (मभीकृष कर्मिन)। १०। म: (मिनि) धनाय (धनाम्हास) कृषायी : कामी (राम कार्यमा छ) सिर्वियमा ५ (टमोडाम) वनारः व्यत्तरा द्वाचन दर्व तका एका दंवः वितायत्व अपूनिती में विन्तास के मिन्न कर करिया हा हिए ट्याने रूप) मधा (अर्था) ट्याहर (कार ! उपट्य ो वार्षिका-कृष्ण-की डिड-शक्तिजन्मित्रप्र क्यार्यो - इन्ह्रस् (सीम्मी क्रिम नियात्र-टम्मराहित सरमान्स स्नित्र ना विधाना विद्विष् ्र हुकायमर् (ब्लाय ८०३) मट्ड ९ (भाष ने कट्ड) मिल्ट् (अंतर्श] मर्वता) जामिम मर (जापून एटक म् प्रिमन) विहिडम् (हिडाकटम्), , व्याद् (व्याप्ति) ज्य (तारे) काम प्राप्त (भूमत कारमत) एटल (रमन कार्ड)। १७१ टम (यंत्राक्त) तिक्रकेकर्(विक्रकेक) मान्द्र (मान्य अद्) व्यक्ष (वद्) दिना: मामाः ह (सर्ममूलिश क्रिमेर्स्स्र) मिल्डा का

(साम्काम वर्ष क) वर्षम पान ह (कर्य प्रकार) ामार्काम्काम् (रिके त्यामामम्बर्गाका) जिका जिला र (कार्याम विश्वाप) विपत्तः (अस्त करिश) विभा-कृत-स्त-अत्मार्गाडियात्र ्विका , कू म , बेम उ जाकी मासिन जाडिमान विषय (भानकारत पूर्वक) का म्यान मानकार त्या मुना स्वीमे तर् हिं। बुना रहा) या विष्टेर: ्यात्म काष्ट्रा) अनुत्रतिस्थाः (व्यक्ष इरेट्ड क्राक् मिल्ड इ'मलारे, क्रियमा]) जान् मद्राप्तः (BERTHATE STATE SIG ववा मित्रका] काराक (को (की कार्याक करक) प्रवेष: (भर्याषादव) अवस्यामिति क्रिणः (व्याच्य पा स्ते वे विकार विवास कार्य मा), व्योवित्याः रीयः (तक्षेत्राचा जात्यक्षा) भूवदा विद्यापान क-वृत्तावतम्त्र (अव्यातत्तव वितात्रयम् कीवृत्तायत काम कार्न १० (इन), व्यत्र (व्या ! चित्राचा वृत्याक) अस्त्र (एक वृत्यावनवाती त्यरे यातिसरीय) १६९ (मध्यात्वय कर) डेक ट्रियलां (व्यवस्थी जिल्द) विवं हिं

क्वीत् वाले (दिशालीत इत्रेगा) पाते : धारि : (दार सामापिशाना जिंद्यापन) एवड: (समा कर्दन , वित्राक्त एन्द्रे) बेन्यु-बेन्यान (अव्याधन) पूक्षणतेटक) मझरमः (खनेष्य करिं)।। विमा अल्य (रूप्या) वृद् (वृत्रि) कर्प (कर्प) झान्थात्रि (झाया यार्थ त्व), रेडि किए (रेश कि) विभागात्र (ति कि छाट्य खाने या हा) , वि टमा: मु करें ने मा (भिन्त मा कार्य करें का करें क) मृद्धः (मृद्ध) आकात्रकः न मन् किः (आकात्रीकः खारवर हमार्य इसमा कि!), od (वार्य पर) णम् (अम्ब्रिक) मिन्वम् भीः (अम्ब्रिक व्यवसञ्चर-मूर्वक) धावलू मिलिया यांडिकः (८५२ ७ रेक्स्-म्टर्स वं अपि धामक मा रूपे मा) किक्स म विधानन (सर्वाकान विषय विषय कात कार कार्य कार्य) कार (अष्टक्) कुलावम १ (कुलावता) हे त्या ही (लग्नम कर्)॥ १२। ८६९ (यह) पर (पूर्व) असंस्कारत-म् शूर्णक्षे - वी सणी (कत्रतात क्रम सं व्यक्त क् वाकि वार्यक्रम वाकु उस अस्त्र प्-मूका विवर्])

वन्त्री छ इन्द्री जी जनमान- अरमा दिनी ए (अय मधर्षे स व्यानक क्यारेती) छकार् (विकक्ष्म) व्याप्रवृतिष् (भर् व विवे) का अभि (धारका छन्न कर , विका ररेल) रेब-फान-चिव्कि-एकिमप्वीए १ देश, काम, देयामा उ डाक मार्स विनर्) जप्माकीर् ज्याभी (वर्षापिक प्रार्थ) वस्तु कर (म्यान नार्य ना किस्मा) पूर्णपर निमंडर (पुरस्प्त) धाया-ल्डाय) अयभ (भवत्य) विडिम्ड (ट्रम-सूर्वक) नुका नति (कृषा वति) प्रश्ने माउ (जारणा भाग वते ६०। विस्था] रेट (यर विराट्स) अत्राह्म ले : (अव स टभी जाना बटलरे) केपर यथ : (यरे नामवला बीन) आसर् (तक १रेमाट्ट), मुकारेकाः (मुकावतम्) जिन्ह क : (बिन्दिन) अर्थिमा (मार्थाकी क) कारकार्ने (ययेर कार्नमार), जाजीय श्राप्तमा कितिज् (कार् का ना कि ट्राम) विष म्मम्र उ श्राष्ट्र मा रेश अम्बर कार्याच) न सलायार्यार माले (सल्युक्ति काटुन लाय्र दे कार्य मिनंकात्रित्ते) लाज्या भः म कि मारी (त्थान का व्या व्यानवाम मारी [यवर]) समुक्ति

वामि म (अरीटन न मिन्या विसाम मारे) ७५ (७० वर) १५ (ज्ञि) आत्रीम् वरकते (वरे क्र तेरे) मुलाकत-स्तर् (बीम्लायतम् अपि) . व्यक्ति (धाया कन्)॥ 6 > । भाव भा जाक: (तर आया ए आकः! [ब्रिम]) यार्व (एम मनदम्) तम् व (तम्म भूमा) निर्मानिकामि (हिंद काल म का मू फिल कार्व (क्या) , ज्य (क्या) काडालाग-लाष्ट्-शास्त-मूक्त्तानाःक स्रीत्यूवन द्राला, नाअव ७ मूक्ष्मते (कालम् मिन्य) अने : (वर्ने स्त्रू १ रेश) हा ह (Coran स कार्केटर !) अिकोममं इव (अिकोमित्रे स स्मामं काञ्चमं लकेटर १) , अच्छा-मैत्र-सिकारेक : (कार् अबुष्ट अवधारि । विभागिकारिक) व्यवकृत्यः कुल (अर् क्षा मं मा भिवृदे मा कि लाडि श्रेटन १) उठः (अठ पत) प्र (कृषि) प्रति : तिविषा (प्रविकार 123 23 21) an) 22 (am) 180 \$ (con) कुलायम् म हमात्र (मुल्सवत यादा कामेल्ड्मा !)॥ मरा [क्यां : वीर] केर्रायां मिर्मार्-रमः भू जामिक १ / विन , प्राल , र भू ७ भू जा दिश

(दा मा- प्राप्त । जारामित्र) जानमा (वार्नेकास कार्न [वरर]) व्ययम् की : (ए म लास न मिर्यर् राटक) र मिन्छ (कर्मभाण ना काहेमा) क्रिक (१६८७) अद्म कंट्रेन्ब्राट् प्रमामः (जानिक्ट्रेन्ब्राब शास्त्रे मूर्य के किए (मध्य) रूक कि लिक् के र (अक्टकव की जाने कालता काल) व्यवत्मक्य (मृक्षिभाठकव)॥ ► 0 | मिछ-मिछि। कारि-म्प्यः / कारिवारि वि (कारिकल (व्यं गामं स (भातं के) विधे विव- बता- बताकाव-की: जि (ववर् मक्सी अ मांग्रांतं ट्रोक्स विलाम-कारी), कुला बिलिस विशासि (कुला कम विलाभी) कत्रक- मक्कार क्रिंटि / भूमर अ सर्कारांत य नाम्य मीकिमात्री) ७९ (अरे मूमामक) माराइमन (कारान्त्रमं वस्तु मुलस करे [om ही]) दलाहि ((अमर किन्)।। २ 81 [लास्या] लामुभ- द्यायतम् संभार्षेत-न्त्रठः जलि (डनवात्व मिलिल खकाल विवागमान लर्कात सं सं का का ला का का का का का में की में की में (अवस्थानिस्मारी [नवर]) वाची मम्बर्म संग्रेयान

(क्यांकाक्षं आत्यालवं अवसवत्म मेमसी नव्रक्ताव्य) सप्ते (सम्माम) वर (त्यं में साम्ये) केवमतं-कन्नमीय-दीम (तील कन्नकारि भीविभाष्ट्रक) डमामः (डमम कार्ने)॥ Fe | अत्य (अत्य!) मन (नित्रुत) डमवड: (डमनातन) वकः मुग्मः (वकः भूति विवाग भाग) डम वज्य (डमवडी) वीमकारा वामि ह (वीद्य की नकी दिवी व छ) अनकारा : (अम् ७ त्वं व्यापात्र) (कहत सर्वं व- सर्व् वा: (कात वक जिलूर विश्व महार्ष्) सम्भा न्याः (त्राका नि) यालाती डि: (यांशन प्रती मतक क्षड) या ००० (अर्थपा) डेका : अकारेंग् : (विविध अकार्य) ज्यू -हिंस दि (व्याक्येप दिव इसे) द्वाति (त्य मरम! [ज्रि]) मुलाबत (यर ब्लावत) छार (त्यरे) स्किं (की संक्षित) हम (हमन कर)।। G । विश्व य- विश्व क बीमेपर (यादाना विश्व विश्व कामिकीरे व्यर्गार मकाम कमी), त्वारीमायापाणाकार (यात्राया आवारक कामसाय श्रीकान करवम अर्था९ मिट्डिन बक्त बापी [नवर]) प्रमय-प्रख्य-प्रदिश्चिक (क) निर्मित्राम् (या राजा विविधार्मिक अमू भन

ररेल अर्य वर उन मारान शर्किकि डाकिन अन क्रांम करत्म , जियादम्) म मिनक हिकत् वर्ष (धार्म लाम्प्रति किष्टिक म् रिल ग्राम देस्त)देन में अवि : वार्काम व्यक्त वस्ट (जास्य) अस्य भू व्येष-मानि-रुक्त सताला : (लव्या बिल्फ व्यवालिव विश्वप्र कारी दूलपरत्व धालायरे)। मृष्णः माः (धरमान कान्छ। है। b-9 । व्यक्तिक्ति (त व्यक्तिष्ठ ! [अश्मारी अपनय-नते] देस छ आयं बाहः (देस एवं अनाय प्रमुल विकिक् र्यकार्ड व वनका भारा) भारी भू मिछा थे यः (ब्रुक्षिय अभद्रते (देव) भागा या (भागा याला) अम्मिनी वर् (अम्पिन (१० द्वारे) भागि शका (काम करिया) कृषामा: (कृषार्थ इय), अय (अवन्य अवः अरं) मुअविरवकारमः अपश्चाठः न (जित्राह्म निक्छे) अत्मुय भूभ भ वित्वक अष्ट्रित कथा अपय अपर) रम्म) अरह (अर्थ!) श्रीयाः प्रोर्थ (मिल ल्यानी क्रिया के महात) के रिवा (सर माद्रमा : (मिनान जामीप कवरे (सर्वाम प्रावा) रूप व्याचरी (मिसिम्मकात्व व्यायक्ष करिया) , निमार्भिति

(डिड्रेंग कड़ि (०१६) वाउड़ (वार्य) कमा (कर्व) वार्डि. प्रकारा (वर धारिसे कार्यमान महाक इरेड) मि: मृड: (बार्य वर्गेंग) हार (बायान प्रकट) मार्मेंड (डेबार्फ्ड इसेर!)। be] इक्सिटेवि ((क्यू क्सिटेवि ! [क्रिकि]) कमा (करक) र्याक्षर्भ (१२क्ष प्रक्षर्भ) भाउठर (भाउठ [यवर]) कप्रमिन-कालाहिमतिः (काम्यक्षिकाम-मल्मने कर्क) विक्रीस निमी में (यह) मृह्द भार (सम्भू मृह काकिएक) भागा कु वामा वव (नित क्वा-क्सार्य) दे के 62 (द्रमां कार्यता) स्था द्रव (स्थानं गाम) अकु ् त्या त्य (ट्या द क्ष्यं क्ष्यं व व)।। ४-1 विमासि के पर (कट्टा) त्ये वर्ष मुख्याला (त्य-गर्भवं कल माट्याम) वृक्तावत (क्वीवृक्तावरम) निश्चिकतः निक्व विकासिक (मिक्किक व विक्रमन मिर्देन भारत धावासी इरेमा) छावं एत्ने (भी छि-मद्याद) जीवा विका-प्राचिव-माध (जी वाचा उ विक्थानाभक) शासक्य (वी विभर में गतन) CHCA (अठा किव्य ?) 11 २०। ७१२९ (जार्थ) करि (कार्य) मिन मर्जनाम कर्न

(निक्त प्रवेशन कारी) प्राष्ट्रा प्रहा ९ - प्राण - मा स- मिना-विविधात्मने (विव भूकप्, भूच, डार्म, विव ड भाषे-वान वर्गातक) लावेचका (वक्रमा पूर्वक) दृष्त्रिः (रें हिए) मात्रात (क प्र इंद्र व असम्म कार्येंग) इतिकानियम् (क्षीकृष्ककृत्मिनिकामता) याप्रि (हेलाक्ष श्रेवत्)। २२। बुल्लिटी (टर्ब्ल्लिका !) त्यक्ष्यादिकर्मा (टप्रमूशमिविधमक कर्वन कर्म) माणानः (क हारिए (हिट ने मुल १२०) १ए (व्यायान) व्यापन (धार्था) वनानि (वनारे) मूचा भनानि (न्या व्यक्तिमारिक वर्ष पार्ट नियर]) मानियाम वाली वादर (ब्राकियाम इरेयाड and) on on (ब्रामड) मुरामि (ट्यार यस वरे या नर्र पाहि विवयम्पा) जव (लियान) माद्र यव (माद्रे) एदा मार्डि: (arare नकश्य लाज्यर)।। गे2। धारत (धारा!) धार (धारी) माला (भागान-सराय) भामाः द्वा (अल् भाव भान रहेगा) कम्पर (किस्ति) अपमम् हः (अप महर्मार) वृष्णवन् (वृष्णवत्) याया (यारेव !)

[-१वर]) मान-भिक्तार (मिश्राम म हुक माला भिलासक मिन्न महामान ज्ञात मर् (किकाल ज्ञाम कार्च र ?), तक (कार्य!) शक्षीयान (ला सार्व व्यास्त्व) निव व मान्र (व्याद्योगं-मने (करे में) कथ् वा (किक्टम क) अहिरदम् (वर्त करिव ?), क्षी: (पूर्कि अपनव) रेडि (यरेक्ष) अक्सकता: (मृशा विवाद कार्यापर) र्शिट वस इसे गा २०। अव्यानि शकः (तमाउ: व्यापेव!) कामन प्राप्त (WM कामी इंद्रेश) प्रमुख्य विकार (अम्ठ काल कार्ने मा) अव तर् कुटन् (विश्व भारत कार्वाटि) मुद्रक् (कार्किस पृष्टिमाक समाम र मुमात) अवा बर (लाक लाभ के प्रात) अवं (खंदन) क्रिकार मिवकार (अञ्जूष कार्यन मिक्स) सकार जामी (* मर्भव सका माक) हु जिसर कुर्व (कार्न 3 सुर् 5 कार्न एकि) , रेर (1 अरआत) कर् (नकिं वर्षे) प्रकी वाष्ट्र : व्याष्ट्र (वामान क्षित्य वक्षककाल नक्षे) र्ये (वर्ष) मर (वर्ष चर्टम) र देश सत्ती वि अंदर (एसर भी पा विषि

तिलये) बरण् बिक्या (बरणान बिल्य कर्न्या [कामारक]) आहु ् (मिन क्वाएं) प्रदार तथा प्रि कियमे कब्रिक)।। २०॥ 281 मंदी कुक-वर्भ)-माभावमः वर (जीवादी-कृटमन मिड्ड सिमा मुअर)प्रम (जामान) रेके: यू सर्थ: (अकसाय यूक्सार्यक्राय क्रार्य मी में) १ व्यवस् (om ही) कपा व्यक्त (अक महत्त्र) मर्व ७ उड्डा (म्ला विश्व म भागक विया) नियु वर (निक्ष मेरे) वृद्यावत (बृद्धावात) वर्मामी (वामकावि), टमकामिटक (र्येग्राष्ट्र विस्ति) असंसामक्र में (कार्य सर्ग कामक इर्रेयाड) धना (मेरान) माहि पाले (मूलाड) रेल्य भार (यहेक् म शक) हक्षावृत्त रें) मुक्रा-वातिकाली (जामकिक)गाम) म आभासने (केंग्रस् आयात् म अमिटा) वृत्यारेवी (वृत्यायम खर् थे) ७० (७४२१८क) अगाज (क्रांस करवंस)।। गुढ़। यब त्यायु-के के अभ्यंत (प्रवाप प्रकेटी अनगारं) मान्याः (केन्याना) नी माहिकाराः (नी नाक्ष्यं) देवः म्हल (वक्षः म्हल) त्रन्माढ० (अविविधिय) निक कार्डिम छत्र (निक भी न कार्डि मान्सि एक)

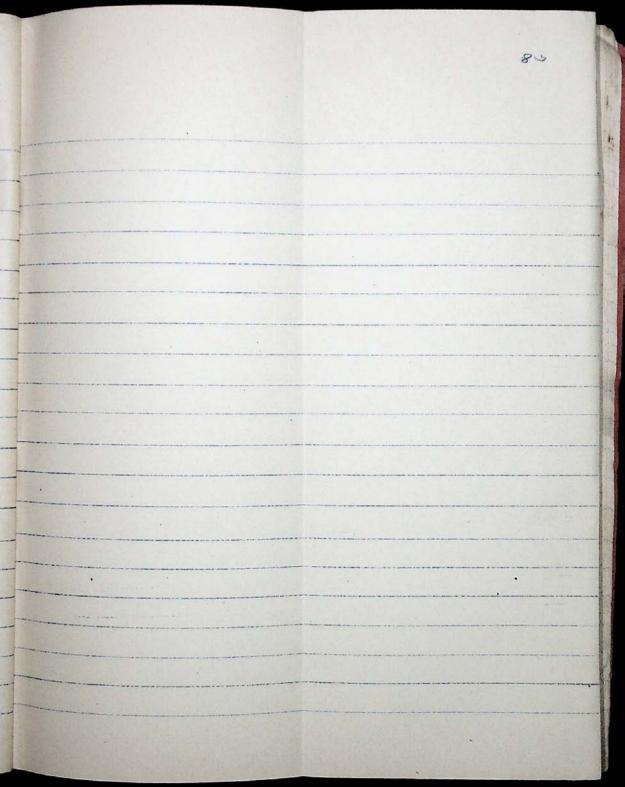
देतीका (मका) कार्य प्र) भी मण् (क्विक देवारक) भीत्रवर्ष) अवार (अअव नकिए) कळ्टानिकार (केंड् मी बालिए) अठक येष (अता कार्ने मार्फिरमन [अल्ला]) असम्मल्ला (डेम मूक करेंग्ट म लाकिमा) सिरम (अक्कि) वि मिए (विम म अस इरेस) कि वारे: (इ स्तु व वर्षे छरार ध्यव मिना) कारियाति। (कारियामा न बाम में मकी मार्तन) उद्बंधाः (उद्विध प्रवेशमण्) लग्नामाः (अड़ीश्यमसूत्र) सम (अप्यान) हुटा मछ (इस डे९०० मन कक्क)।। 201 व्यर (क्यारी) मार्श्व साम्यर (यर मुलायरम) की संस्टिन प्रेस्ट्र अशिक्ट (अम् अमार्म आह्य) प्रमाहित (क्रम्यत) भी से बाके हर समारकास वर्ष दिया वाच के वर्ष समन-क्ष कम्रत त्मा व वर्ष प्राप्त काला) विस्तारक (क्रामिक विक्र)। ग्91 धार्ट् (धार्मी) कदा (कर्म) व्यक्तित्व (मर्म सकाम) क्लाए (कर्म १२७) मिनिया (विम्ण १रेमा) ममसा: क्रमण्टलका: व विश्वा (त्रकत अकार ट्रांकिक क वक्षत (प्रमायूर्वक) कृत्वावतः (कृत्वावता) अविन् (खारान

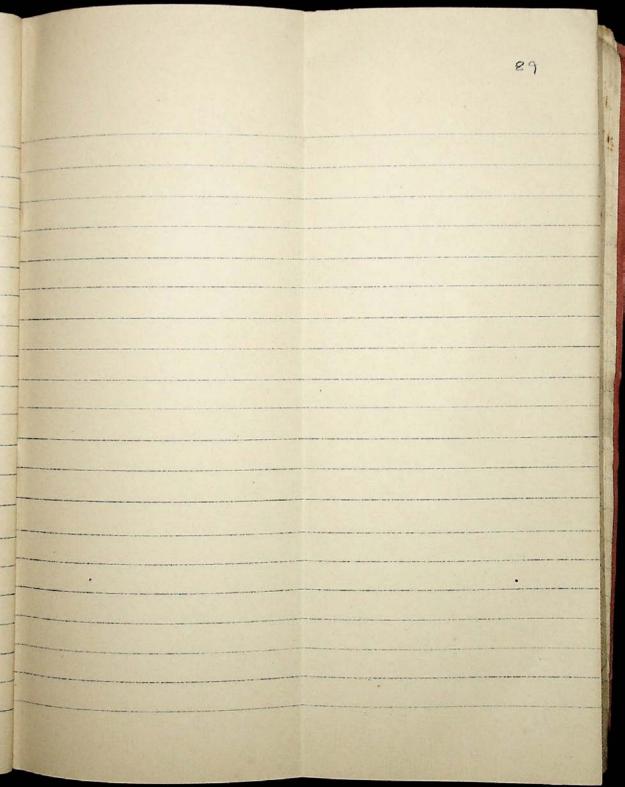
कार्द्रेशा) अण्यमं: (परिनाम् नि:मधंद्र (भ) ज्योत्म ज्योत्म-वार्षा छ : (कुला व ता जार वृद्ध वार्षा कार वाह वाह वाह हा) करा वि ट्रां (दिमसपूर व्यक्तिरिक किया व ?)॥ २ छ। [कारी] कार्यमिष्ठा कर्मिक (तिसिम काछिण प्रभाग प्रमाण) टक्नोर कर्ना (टक्नोण यार्ग) कृष्टि (काभा 3) प्रमार जानि दि आह : नाता कर्ने (मिक हिडमड लमा डेकाटन्ड किकियाय डेमाम्ड) म कालिकाम, (तर द्याम्मा) क्या (कर्य) रेप (जन्ममार) कात्रार (बार्शिया वार्त) मृषा ट्रायानिसंडर् (विकार (स्वतं न्टनाम) मम्हिन्। (त्यन सूर्य) विक्याः (ज्यकिकाठ व डाटक) व्यी वृत्या वन १ (व्यी वृत्या व तम वृ) सन्ने इ द्वामामा (वासम्म्ये कार्ने न !)।। २२। दा किक् (दाम किक् ! [ama]) म्लायतालाक-अपम्पूर : कार्य (की मृलायता में भाष अम्मार अकार ल्लियाकी र्यमाल) व्यवसामार (स्थानक सम्प्रेम) अठ डाम्बर: अम्ब (डेबारमम अवर्म कार्ने माउ चित्र) अर्थ (कामार्क मस्यायाक) आर्थ विचारि कामम कार्य (अर्ल्जियानिक व ह्यानिया 3) मुल्या वन १ (कुला करम) म ब्लालामा वि (बाल्यम अर्म के बिलिहिमा)।

(माम) महर व्याप्टीस (व्याप्टा म्यादिस) महर व्याप्टीस (व्याप्टा में स्वाप्टा का स्वाप्टा

HOLER WERE MELLE 1









EXERCISE BOOK

NO. 4

Smarger of Andrew and we contained of surviver of 8 विषीम अपन । [कारि] वन् (वन्) मुमान्ते (अविवासते) कार्धः मडाइ०(क्षिकीरकाल लम्मायन कविष), णाम (भवत) भवा । (आग्व) त्या कियानम-टम्यः (। हिपानका अम् ट्यार ७ व्यवस्त्र कार्ने एक रेज्य क निमा), रेर (जमाता) अडूना: ब्रह्म: लाल भागर (काल्यम पूर्ण करमा काम कार्वि) न अवर (किंह) ज अवन (धामा भूत्र) धारु लाम सं कृतिः (यिहिन अवस्ति छ न भागी इरेम ड वाम काविया), रेट (न यार्य) वीर्विष्मत्यम (वीक्टकक् छाछि-(यान द्वा का) निया: (काक्ट रहेना) काट-व का म्यास (कार्य के व विवास) में याः कामि (नूब १रे मान्ड) कार् (ममकिन, िक स) धात्राच (धात्र म्यात) त्याभी वत-उधरे- अर्पारखान-पीअन-मूख वालित (ज्या का स्वर्धा वं कार न मान का मान का मान [नू अ १रे मा ७ मा का विषया])।। वृत्यायदा (नरे की वृत्यायता) पिरातक-शिक्तः थ्रकामनयम्-वन्नी कार्ना वि : (विविध

अट्रोकिक त्वेडिया मार्सी भर्म भू अत्र मुक्त जक-नजात्र), दिनातक-मभूत-काकिन-क्रिम् पर्वातम् अपम् १९ अगः (ज्यान प्रक प्रमृत् क्लाकित ७ छक अपूर्य विविध दिया आक्रेशन) मिनारतक मनः प्राविद्याने विविध पिका भर्वा व व , न भी ७ भर्व अग्राम [-4 वर्]) पिरा काकात रक्ष द्वीर आकी (पिरा काकात व रेवे मतं हैं। हार्य । सर (कारापक) ल्टिमारने (र्यक्ष कार्डिमाटह)।। 01 (म (mma) मन: (हिंड) ब्रामा बनर् धानू (इलायटा व प्रयंत) व्यानि हिंदा: (अव्यानिहिंदा) हिस्मिश्री हिः (हिस्मिर्गिश्री के कि हिला : (विव्हि), हिमानका छात्रः (हिमानक्त्र-प्रम) , अल्हा: (भ्रामिय) हुन: (ड्रामिनप्र) भनक्त्रम् म स्त-क प्रना : (भन्य का मम्भ उस्ता प्रमूर), अ। अवन - कत्रकाः (धर्व प्रायमानवर्) भगत्यती: (विरुद्धन्तिवर्) हिए सम अ विषु - मकार्मि (हिए वमम् म निष् अर्बा व व अ मृ (२ व अपि) । वि मृ ल पू (मि। वि के 230)11

8-01 रानुसन - अत्य ट्राल्टि) 'ड्रांड में दिल: (ड्रांडक्सनं-भूभमम्), मूम् छा निक्वकारीक्या धारि।: (मू अप म म कार्यका-मा कि बा वा विद्यार्थ) त्लो व-खिल ल या द्या : (केंस्डिस स्पूर्व स्थाप क्यालक) बद्विवं प्रभूरेने : (मनावि व व्ययुक्त) व्यवारितः मलारेश: (वसवामारि मनमूक), व्यवित्र पर्वात: (मिन्तु प्रविधायमी नेकारी) मीम म्प्रामिकाराम : (संस्केट सम्तर् त सर् सं या वि ग्राप्त) ज्यान्य मेर्-(कारि सम्में दे ए एर) ताह : सर्ड लाम. (जण्यां ना लाय के क्याति देगी कि में मुमके में का क्या के वा ह का का के देगी (सपट्यं) लादः (समाम साम दर्मांड) मा भीवमामन-रक्ता (आहम लामण क्रायांच यस्प्टिंड) समास्य-७ व निरंभ : (मर्भ व महाभवा की [ववर्]) पूर्न जार्थात्र म्याहिः (अवसप्निह अक्सार्यमम् (यम अमयकारी) भवत क हिन्देश प्राय का मृद्याः (अवस प्रायम म्बर्धित लाम्या ० कंगाश्मिन) अरीज् (वार्वमाष्ट्र विचाट्ट)॥ लम्पुक- हिमामल हत्या क्यामां (लम्बेम)

हिस्त्राला सम् हत्य ना विषानं अम्बद्धा) भावा स्थान-में वं य मार्ड स्थाएं दिया है किया है किया में के डे स्मर् लार्ड मार्का कं र ठ के) म्लीक्या गंड (में म्लाक्य [चक्र]). क्लमण-विवक्तम्लामस्कन् म्याम्गर् (भाकी-गर्न र अस्य समार्क लम्भा करे वक्षा विश्वान. लाक्त्रम् क [अरे]) मृत्याचे नगर (अविकायता) अहमानिकाली (तिल) विश्वव वर्ष) नाथा करकारे (न्या रेश व किंते त्रात्र) क्रिश एवं (भाग्य के भा हिं) ट्रम मार्ड (दावित माइमा)। मरिक्ता प्राप्त (क कार्य कर्ण विषय मिला! क्रि]) अस्य (बमारम) मूटर्म म्याडिक्ट वि-त्र विवन ने निक्द विकाद (क्लिडिन् र्रिन नार अभू करतं भू निर्धत शाहिर्विश्रकाती विवर्] मप्छारीरिय (अप्छने ना निविष् विषे) अपने-अकल वस्ति / मिन उ जम्म मक्ति वस्त अचि) मिन प्रमृ ि: (अविता अद्वा निर्व ममूर्व) टेक्सर काम बड़ (टेक्स का वर्म कर्निया) आयातमः ट्यकः (अन् ट्यान विकट्यं व व्यायका ना व्यायमा) बुन्ता मुने १ (बुन्ताना) कार्ये वस (बास कन)।।

मव: (मार्म र्द्राव) ल्याचा (ल्याचं) सर्मिष्: (मरं मार्च-1-1 म्या डेलाई० २म्), आम्रम् (वरे) आहेक्शमिल (वार्ष्ट्रामेक) तात (अमीरम) म्या अकामर (जारू म विकार जान्य युक्तिस जार्साल)जुन (कार्डिम) व्यावटन (व्यावटन) निक्वयः नर्ष् (निक प्र उ व्यमान प्रक्र अक्ष के)हिम्ब्र हिंदु में (केंग्र-समं अटलई कीमा कांब्र) १ इट (यनात) त्यावा: विभाछ टकारेम : (क्लिंडि क्लिंडि एम ववन विभाउन) अड (देम र्रेश्व) पुर्(ज्ये) तिकि भर् (अ के) ट्रम मार्ड (उर्द क्या) , लम सक्र मंद लम (आन्द्र कर्णन अम्मर्ग) 10 ए वस (1200) न बाज कर), व्या (व्याउत [व्याप्त]) प्रदर (अर्वपा) ७ द्वारामे (मुन्या यहत व व्यर्भिष्य वी उ व्यक्ति वार ट्यम् (विशन क्यारेटव)। ्रिषे विक्तायमक् स्मान्य विश्वायम् कुक् छ न टमरे) पिका- खरी- सूती स न्यू मू छ भर (अल्लब्स भूवर्त ७ सब्कण्डानिक माम भूत्वक्), नी ना-अमानाकृते ए हा ब- की सू वृत्री वेष् (ब्रुवि मीमाक्यम ड मामाब्य वर्गी केर्बा)

म्यमप्रप्रदेशी-म्यर्भाक्तमः विस्टर्क स्पीर्य त्वरी व मंत्रा समंबर्धक (मालामक), मस्रिका क्वान ल्याने स्थित समन् (तक व भावत्री हेल्या यम् विद्विष्), कल जीनाश्रम् (कप्रवीयानियम्) किल्लि (त्यान पियु) टकामार्विष्ठं (रक्षाविष्य वर्षे ने अप्यक्) स्मक्ष्र (टमराकत)॥ वादा कि क्या (की वादा व की के) अवसक् के बार (अन्म को वृद्र म माना :) य सुका वा प्या मान (यायान वक्यानानित) देका विशेष् (मामा-अकार) भू क्यादिकर् हिष्ट्र (भू क्ष भ स्र वादि हमें श्रुति) म्या महाराम् (मन्नरं मार्थ) ल्याण (भी जिलार्व करवन), यरमवामि (मायान मर्गवन प्रभूष) सुनामा १ (भानापन) \$ \$0: (one ay estat [and]) nemmy?: (चंत्रात् ध्याञ्चल विश्वभाषिय भशिक) टभमणः (2) - 101 25 (243) 06 (CM3) MAR-MARO (अम्म हेन् कर्मभाती) मुन्ता ने कु (व्या मूना-वनटक)क: मा न ट्राट्जड (रक में स ट्रामा करने?)।।

क्रीना हिया माह द्वा (क्रीना हा व क्रीक) त्यम >>1 (भी गं) श्पूना (भूरकामन) व्यीकन्म वन (कर्भन्न विष्यां) समस्प्रहत्तन (सम सम्म) ? वव्रिम (आवव्रे व्हना) जा वाम-मिर्मान्छः (वबर् आयमाय मिया ने बार्म) आसामा र (अन्यात्रम् वर् ८०१) भात् (भारादिमारक) प्रवर्ष (प्रवर्षन भूकक [अन्तर्]) विवार) (विवार कवारे मा [जारात्य]) नव्हकू मूमारि (मृज्य भूक्ष उ क्यादि) आताका (मर्भमरहरू) य में सिहः (अ विकास मार्य मार्थ) त्यादम ए (क्रानिया करम्य), धरश् (क्रामी) म्लामनी ग्रम (मुलावमार्भ्ड) जाम् (अरं मक्स) मूलठा-QUY (ENLAR MON QUE) IR: (INIM DIS) 11 [नदे र्यात्राय र्यात्र र्यात्रायः (र्यक्टम्प्रतं >21 लाटबट्ल) स्याह (स्थारिक इत बायुना [नवर]) व्ये - कार्प (मिधवेद्यां यर मान क्षेत्र व कार्यंत यर मान खारी) ल्या अस्याः (ल्या सम्म रम गामिमा) ७७: (स्मर्रिक्ने) क्य-वक्षमा: (यथान्य प्रमेश ७ ० के नर्स मामिशि

पाल क्षेत्रंति) ' बळतं: १ केक बेबा: (on à [प्राथपत के के बिर लिय प्रिय दि है. ्र ०१७, अर्ला शवंत कार्काट "चित्रंसल]) र्य (नयात्म) रावेपाः (याक्प्रमण विकंतित्र) आयं या अवस्य स व वार् क्षी वि ति करें]) 'त्रक् के क्राविताः अवाद (क्रियावं पर प्रविकारितक भागिक कविया विशेश काविरवरह [200]] JULICA (JULICA [MINHA]) अम्ब्रास्त्रेन: ह [विकृत्क व] अम्बर्गित द्व कुने) मुना: (मृनं मार्थ आभिक हरे मा) आवसमाह (विश्वन कार्विटि)। लयर (लास) लाउ- वर्षमं रामम (मा नार्चा-क्टम व अम् वटम आविके हरेगा) अम्ह-कारियर म्म (धारह Сला धार्य म्म पाता विद्वार्थि), भू न प्रवास वासी क्रिश् (धमत क्रमणां क्ष्मिल्य) व्यमक्ष ध्राष्ट्रिक म्बर (लयम सक् सम्भानं लामनी देव) ज्याप्त-क्रमा कर्मा (धामह क्रमा निधाना मध्कमा) [wन ह प्रमाने १ प्रायनं (wन ह

म्रास्थित मिला अर्या यव लगती), ध्यस व्या-हत् ([यंवर] के धामल न्यानिन प्रिक्) मुलावनर (भीव्यावटमक्) भावासि (भावकवि)।। द्राण: मार (व नाण: व मारा!) दरण (क्रांबे) >81 इर (-2) अर्थाय-साम् (अरुभाय बाटका) एक (काम : (काम (काम) मर्द्र बंदेन) म में हैं का : (TANG (TANG) " AND (TANCE) विष्ठा-दानाक्ष्यात्त्रः (विभान्दान उ थळादि-हा या) कार कार आर्थ (कढ कवर) भागाविष्ठामा= नका: न (मधात वा भमा: अर्थन ना काव्याह) ल्या (ल्या : विशि]) हे के छन नाम ल्यान (रहा-क्ष्यामी वर्ष मार् के का (मन्द्र कि) क्षारा अल (निम लायानं विस्तात) मार् १०० कः (कार्यन्ह महा-मद्रमाट्य) मर्युष्ण भा (हिंड मर्यम भूर्यक) मण्डए (अर्थाम) क्यामान (-12) क्रीयम कुलावरो (की कुमायत) अहे (अभने कक्)।। (प्रच : व क मा मा : (पर्व भागे विष् क दरेगा) राष्ट्र (राष्ट्र) कः लाखः (एकात्र काळः [onenca]) 201 क्यान्ने विष्य (क्यावन काम कवं) रेषि

(यरेक्स) अवमार्ड (बत्स , जित्रा इदेश्म वर्मात्र) अभार (अयान) बिक्ना (बिश्न) हिनामि (दिपन कार्य , वितर्]) भन्न (श्रिष) कः व्याप (त्यात्र उ कारक) सार (कारारक) बनार (बन मूर्वक) व्यास्त-र्भावना १ (की रूकावन रहेट [अमन]) ममेडि (लाके या अगम, जिस्स क्वेस क्लामी) व्यक्ता? (निका मेरे) ० १ शामी (जारास २ जुन कार्स म), 58 (OUSLI [MIS]) WING (MONDE SELLEN) (यमागड् देशमार् (अवंशकीरव देममाव २३ व ्राज्याल]) बार्नेमां (विवाद न अना ७) जाराजः अम् म भामि (धाराम अधाम कार्र मन (कार्) रिमार् का ४० (रिया व कार) वंबर) त्रीर कृष्ट (त्रीर क्रिया वं वर्षेत) जू (ज्ञान) मुनायमार (मुनायम ११८७) ट्स (धारामा) अप (अप) म हमा (धाना म थ्यमन १३ त्वरा)।। िवपास किया (कर्त) अर्थिता पान (देव-रामध्यत ३) धानाधियं कथनव् कः (धारम् ल्या कारका हरा बंदन त्योग का सी हरेगा)

भरम्यार (जारमन्) त्यायाम् अविर जम् (त्यात्र अवने विषयं) क्विविष् : (काल्यां वार म रहे पा), वित्याक (कार्य प्रमादा) अह-नयतः (पृथियीत र्येश विवर्]) अव्यव्यवि (भरवर ८५८६) कार्यास व विटिशी (भर कि किर भीड़ा प्रम विवटमं)। निमाबर मिलक : (श्राप्तं नाम निक्रिमं इरेमा) आश्वनः शबिद्धान्ति- वृद्धायमा बात (क्षीकृष्कर खिए मने बृन्त्रयत) बर्भमारी (बाम कविव ?)॥ जारा (जारा!) जार (oma) मुद्दः मचानि (ज्यक म्: अर) मृ: अति (पू: अवानि) त्यापा व्याम (भश्र कर्निया) , क्या छ - कू ना दिका नि (नगार उ क्रापि विभवत पिया) , न्यवारि: भूदक्षाति (हक्षत्र स्टेंद् भूमेर्पान (अम) अर्थर) है के लाम (काम कार्य गाउ) मुलारेबी-काल कार्नाम (मुलानामरे नाम कार्य)॥ व्यारेशी- वामक्ट (श्यावनवास्य अन्ड) 251 व्यक्तिमार्भी (व्यक्तिभार्भ व्यवसम्म पूर्वक) धार्ट् (क्यारी) मलाट् (भक्तममार्भव) मधीयण:

(मिकटडे) म भाजियाचि (भग्न मिन्यम) , अद् (and) मिन् (अप) क्रमादिक् (क्रमदि) म विषिणामि (काराय ७ तिकते नाक करिया विष्ण) अर्थ (and) क्याहिए (काराव व निकार) मू अर् (इस) न दर्भा में छा धार्म (दर आरे बना)।। प्रमिलामालामारिक अमर्गायमा (अभीम उ धन्छ) प्रविधाम त्या नियः (मिथिन कीव देवताम्) अहः (अड) हत्) तेकवान प्राप्त (अ) वि: (आमलभम विक् केटम) विवासभम विद्याद्य वाशव) जमा क्रिक (जनशब्द) णहः (जाड) इरद) अयदम्मा मन्यापर (amo: (लव्यमुर सदस्य लाम्मारसम् अवस (१०४)) ज्या कि (बिनान कानटायट्य), रेप्ट (-12) बुल्पारेबी (की बुल्पाबन) जन (जमार्चेड िविश्वक (व्य])॥ २०। वृष्णवत (१ वृष्णवत) किं लखी विती की छा वर (कि श्रिम्टी की छारे), किए पारिसी भावकता (किन्ना त्यद्भाविती कल्लकतार) किए आजा भूषिम्नी (अभवा भूलकी व भाषम्बी)

501

कार्छ: (व जिल्मी वे) , किश्मा प्रमु ए ब्रामासमा म-विभाग वर (किश्र कांस्ट्राय विचित्र अस्विभार) निश्वा (ध्यान) नामांत्री (चीक्षियं) प्रवतः (मूर्जिल्ली) भीयनमाछि: यव (बीयनी भाकित्र) अर अधी (मूक्षात्रिका क्वीया की काल) दार्वितन (यो कृष्क व अधिक) प्राचीमार (पिता वाया) विश्वेद्रविष् विव्हं म विश्व करिएटिन, [जरा]) र फायल (जल कारिया)॥ [यिति भीम] परेककार्भणः (प्रवयक प्रभा १९ रहिरे) व्याकात्रम- प्रश्वाम, (व्यावम का भ्राविक कार्या) देमार भावकता-वंभात् धरुषात् (अयत कल्लितान वश्रम् । विकि) मर्द्राम् हो क-वील-विसम् विक्रमाश्रमार्ड्डी-ल्निवर-म्लोन-लाश्न-प्रश टकानिः पूरिका मुधीत् (निमित्र ट्यम्बरम् पक्षात वीक काम व व्यर्क की प्रशामी पूछ वादिक्प्रम्यास्य में ब्रिस्से स्टिंग्रेस लाश्रिक्रां क्रिशानिर्म मूर्वामिक् मन्यक) प्रती (अवरे क बिल्ट्रिंग , टिम्पे]) अग्रामिया (क्रूक-क्रिया श्रीवादी) अप कारि (कामान हिट्ड) ट्यायलू (बिश्रव कक्त्र)॥

2>1

221 कि मला ! द्वा] कुला हेकार (कुलाव टम विक्राल-रामा), त्याम एक भी: (६ कम त्वी न ल्या जा पूका), स्यू म् वधमाः (विस्त निष्धा), काममधी।: (किरी इसीर) , प्रतीच खी खन यूक्त एमा: (धार्व सम्मूलपूर्व) देल्याकार्य पर्णे: (भारताब्ध शत्विष् विषा), भागापिका एत्रेन-वननाः (नानमविषे पिया व अ ७ व्याख्याते मूलाडिय) , भिक्र कान्यीय तमे वी: (भिक्र कु कि सं मार् को वर्ग) वस मंगी; ([वर् व्याध्यी) हा: (अरे) मार्थका-किं बी: (नी श्वीत् ट्रिविकालनं तक) भार (कात कर)।। ला: (लारा !) इंनं (इस) कुर्व - में क्याला : (कुर्तेन 201 अप्रकासन) मुकारीन हि: (धरमन म कार्ने माम ?) रंग० (जियम) देश) हमन्ड: (हमनातिन्हें) का (त्यात) छान्न प्रकृषा (यव्याविकिया) काकारिया प्रतिम क्षेत्र के के प्रति है के प्रति है कि मार् नियम्बरे विभागमस्य १), धर् ([अभय] रेशके कः मू प्रमुखः लाखः (काम विविच वस्त्रे WIE 20 # ON 23 CA 3) 2 29 21 (DON 24) -208

(रेश) जान्महर्य न (त्यात्रका व कान्महर्य मात्र), रेष् (टमलाष्ट्र) मिनमक्त छने (श्वाम श्वापनि क छने-इनामिन खडात्व) त्यारिज्ञी विधी मनापि (स्थारिषयी, चिक्रम ल अक्षेत्र महिल्य टमारिक कार्य मा) रे मर (नरे) हुलायन (भीव्यायन क्य) अञ्चि: नमु (मर्टाष्ठ वस) सम् १ (म्यम् १६) अवतमे (म नावतम) आपूराट्स (अकरे इर्याट्य)।। कक्ष (करक) नम: (यर) अर् (ama) कुम्स कार्त (के मृत्यायत) ध्या बहेन् (हे एक क्याने अवस्थार्य) आविव्षर (निव्हव्) अहेर् (मार्डिसमे), जन (छमार्वेड) अविङ (अर्थेन) ट्यम्पेर (ट्यम्डर्व) महेम् असम्म (म्डड्र भी०), उन (इंडल) विम् येम (मन्य मुकेम विक्ट्र) करेर-मर्यभाई: (दिद् असि अति अस्ति असूट्र व अस्ति अस्ति वारि आकिममूट्य विष्माच देश वापन सूर्य छ) म् देमा छ - इटमा ब्या श्रि अर्थ अर (व व य व मध म कुला समावं हार्ड हार लक्ष्य कार्ने मा) क्यामड (स्टिलियन) इक्ट्रियः (स्टिल्लिय) ङ्बिल कामी (इक्षेत्र १)।।

यस (ट्रम्हात्न) क्रोक्स प्रति सदाहसपृक्षितिकी (अने लार्य असू अ लाव्य हरार काव अवस्ति कार्तिक निषयम् भ), भरारणीय अग्रस ए मूळ् वी (अस्प्र लमें इस्ति छ लामधार्य (एइ कार्य)) फिट्यो किल्लाखो (दिन) किलारी उकिल्सन -) हिस मिलि अन (पिन बायरे) निकीएड: (निराव कर्षत्र) [वर]) यम वर (ट्रा महारमारे) व्यक्तिम-मिया -कारत-छत्रिक्यः (तिथित पिना वसवावित क्षित्रक दुर्वक्ष) त्राष्ट्रक्षकार् अव: (अवा थाका मा कार्याट्र, [आर्थ])कमा म (कर्व) सर्वे र ज्ञाम में ब्रोर (सर्वे व त्यास व लगे मंब प्-प्रकार्व) ७९ (१११) मृत्या विश्वित् (श्रीवृत्यायानव) उत्त (स्मा कर्वव १)।। रता राम (ए अस : विष नम्) जामाराम (कामार्म) भट्माइ (भट्माव) कि (के) न दक (डामा: (परंश त्लाम) म सिरियः (म र्श्वमार विष्ठे]) क्रिंग्ड: क्याने व ट्यालाम) व्य म्थरलामा: ह म कुणः (ब्रक्षा उ रेक्षापि भए नाडकर्त्रमा लर्ज्यमात्र में मत्यात कवर म क्रिनंह ।)

जप (यक्तव) अभीत् (वर्षभात वरे) वकामित् (नकी) व श्रिष (अवीरं) मुभद्रः (अ भूभ मैं अ) य अप्तेष (अप्या अ अधिता) अध्र च व (मिन्छन्ये) जारीन मान्ट् (मर्बरण्य)थीनुम्प-दम् (भीवृत्यावन दाराव) उत् (यया कव)।। 291 [त्र भाभा श्रीष्ट्री अर्म वस्त्रामि-भाषवत्रमा (क्यो बुक्ता वन कारिमारने व प्रवर्शन करता) अविष्यं ? (अर्थ अर्थील्व) व्या छारे प्र (त्म श्रम) , डेक्वम-Qué (अंश दु ख्या) नकं (नक सार) मी बन्स-यत् (क्षिक्यायम् कर्षे) महरकार्व (अवहालव ट्यक करण) भक्तात (पर्मात [वरण]) अतिकार (अर्था) नी बृषा वन कर्नु नी हि: (नी कृषा करत न राख्रीय अन्तम क्षाने) जीना रिका क्रिकाणः कार्य (सिना की कृ एक यं 3) आरमान (धारयम) अनुमानत् (अनुख्य किन्धा) अधिकाध-वृक्तावन (भीवृक्तावन का दिले) वर्ष यम (शमकव)॥ 501 अयामल (उ अवसामलकार) रेकाडवामन (ब्लावन!) त्यन (त्य) व्यन्ति (श्रवीमा)

सर्वे केए छप्ने मह ते व (का संख्ये में सर्वे वे छतेनावित) भीग्रंड (कीर्वन कर्म , जिल्ला) आरम्भ) (य अन्) लवः लना (रेट्रान लन्) का अवंदर क्षाबर (कार कि अवंदर क्षा का इरेट माट्स ?) ग्रा कुलायत (श्रम कुलायत!) र्याप (याप) त्यारि भीयत् अली (त्यारि त्यारि च्यानु ३) व छ : (एवा सारं लास मा) मान् वैकरं (ज्यारे वृक्ष्य स्थरे) ज्यार (ज्यार सं), जारे (लाका इवेट्न) किए आह (अरव न मन कि owe) " रा (त्याता) हिम यह व (हिं प्यं प्यारं) डेट्याकि पूर्व मारका (डेट्यकाव ट्यामा मार्च)।। यह कर्ष (गर्भ कर्ष)) वा र निमाना हिम - अन्म-हसरका सं मर्बा मृति: (मार्गर्क के जामतम व मरा , भाका का स अवंत श्रेतकावं का भितं हर के में प्र) क: कार्ल (त्यान नक) नाम प्र: किल्लावं: (नाम न किल्लाक) सस (outra) अवत्वासकत्त (समान आश्रकी (पर्या), जाया-अन्यस्य म-स्ट्रास्ट्री-मान्यु छेड़ा (अर्थे व एसमन्त्रम् सरामारी पर हेर्क्षवक्षा), करकववक्षा (ध्यूयम.

stayeng) win ound (constant) lecounter (किलावीत् अविष) निष्मात्रका उत्रेतः (निष्ठकाम कमार्था व कां व के वि छ। व व्यक) की छाड़ि (विद्यात करव्य), एवा: (क अरम! [क्रामि]) व्याने (व्याहे) ७९ (१११) मुल्यायमर (धीमुल्यायस व) छन (क्राम्य अप्रतेक्व)॥ 001 [Q अरअ! व्राप्त] ब्रामानम-मनकू टक्क (ब्रामायरमं आदित्य कुन्धु उत्हा) तय हम्म कामी-एमिलिमी-व य - श्रुल-।मीपि-। वि (नवीत हम्सक माति नवर विकामिण नी ट्लाएमय वृ ट्लिन टल्ला स्टाइ कर्य , नर्य का हा बी नि ही) , जर (अरे मूम्मिन) इ प्रिकर् (पूराभिक) किल्ला व - प्रियू मर् व (निर्वति किल्लान् यूल्लान् हे) ७० (७० तकन्)॥ ७२। [त्र अरम! जूमि] वृलावन-नवक्कारानियू (बुक्तवटमन् नवीम कुन्यू गृय प्रमूर्य) भयान्यं-विश्वत्याः (अव्यवक्षव्य विश्वत) ट्यांय-नाम यात्रिक प्रमाला : (ताने ए कामर्य व विक मूल (त्र के) वर (त्रे मूखामिक) ह वर्न-सर्वावाद (वाम वारामवंद्र) वार्युष्ट्रं (वार्युष्ट्रिय कर्य) ॥

021 [त मेक्समां कामचा] पुकेट मल्य (मेमान्यतं क् असम् (र) अमिन् (निन्हन) विविश्विन जिमान:-टिश्रम (अवस्था देव श्राव विकार विका कारी) , कार्डक प्रस्व द्वारामाप (अयम कामन प्रामाड [यकर]) अत्रभूसक तारी वृतीता कृ वि (व्यक्तिम भू यक्त युक् क्लेब उ मीयवर प्यत्रशाबी) सिन्नि (म्या क (अयं) भायं (भाम कर्)॥ भूत त्यामक हिला किया दक्षः (वाने भूत त्यमम हिमातलक्ष हिल्ला मालव अम्टाव) भरकी (अरकी) कामकर का वर् (कामकर के का रवारे) कि किए वीअर (त्यात वक वीअ विवास कवितार) जय (जमार्क) रेम् ((वरे) क्या हेची (क्या बन) व्यामकी द्वारि (व्यामकीकार्य व्यक्ताम व्याचेट्ट (र [1 40]) 6 to (कमार्य) (क्ला किये तीर के किट्लाली (त्लोक उत्तिमवर्ग दिया किट्लावी उ किट्याय कामार्यक्त (व विस्क कर्यत)।। ट्याटक (बलाए) मुझ्कू: (मार्टिकामी मार्टिये) 081 र्वतः (र्वतः इ'त), जल्मे श्रीड्वनम्बनः (छिन orara राम्डिक्रमण र्रेश्न) ७ छ: (क्या

五首的 內心的外人) 各到 表到: (日日 用台 五分) 5 म: (।साम) केक आया से स बादितता स: (केक लात-अटम नकाड वार्ड कर् [िन व्यारवकाड]) मेंग: (जार्डिया) कार्की मेल- वियः जार (की कार्की-नारम कार्ड की विभाविनीय कार्क ए प्रत्यका ए बना) माल्या एवं में - जिए : अण : (म्ल्य प्रमादान वि वात् मानी काकि जारा वालका उ किए), मूस्तम्भर (त्रुवतम् प्रकृष् धर्मार स्वतम् नाम् धरु न्यं प्रका-ख्यमार्केट कार्क) वाड: (व्यार्वमा ड र्म) टमानीकार किए: ७०: (टमानिका-त्वर्त न वि व्यम्बर सम देख्य वर्षमा व विम विषय]) जी भूद् मृल्पायतम्बर्ध डिव्रावियला या विकः (गिरि की क्याय टमन्बरीय काम अवधव टम विश्वम इरेमा जाशबन कर्यन, जाशबा ली बृत्या करत का बी ब छा वि अब म बटम बिच्यत बीमा दी ब सर्म व का वा दिया कर वस , जिनि) यर्गिष्टि (प्रक्रम भार्ष ममु दक विकाल क (यम)।। पक् (पक्षम) निज्ञानमञ्जूकारु (निज्ञाम

(करात काराक्ष) या लक्षे अ द्वार के सत्य ने स्वार्क) छे दानि ([अभरवंद] यभः महत्य) त्र पर (विकाल कर्विट्य) अभाग जाली (स्त्री व) स्ता नाकिए (जेंग्यातक तक) कार्वित भारत्वता) ७९ धना १ (छ्रार्य रे काम वत) म्नवः (प्यवर्) इण्लिस्स्र (मण्डम् स्वीत कुन्द्र द्यान) मृत्रः (पृत्र १२ १० [मनी मरने व]) मृत्रा ९ (2 m) 2,4) " on 2 d (on end or e 2 x) जन्मिन्द्री (धामर्व मधी अस्ट्रक सूमनाक-कर्म कान करवंत्र विषयं] अग्र (अमव्सन) ब्याबनातुः (ब्यावस्य वस्य वस्य) विश्वष् (बियायं करवंत्र) विम (चर्रं सम) अवंद (वक्रम) ट्राक्ट्रम (ट्राक्ट्रम) व्यक्षणालः (ललाउं क्ष्मिक द्वेस [नक्]) लमार (अभव्तम) बिराध्यि (जिन्दाव विरायम ध्य वय करम्म) , प्रवर् (पर्वस्त) जर याहिका- के क संसर ((अप का नि का का का का कि वन्ति (तामा अकार्य) समि (BUN 2015/20(54)11

००। सरम (१४ मरम। [मिनि]) मिलमणूर्यममध्यंत्रं-वित्र मीतालकां १ (मिणुकान अणुक्त कन्दर्न. वर्षक विभागमा भीना वन्त्र का वि भावने कर्त्र) अमा ([भिने] अर्थकात) शर्या अपन प्रमिन प्रीमेन मित्र प्र (की शक्त म । हिल का व । दिया प्र पर पार न नकरात लायन ' [ग्रीय]) वर्बके हला खिवर (की शंकी वं से मसे अ हमाक मिलवं वार्ट्ड अर्भ कर्निएएटर), ज्यक्त अन्तर्भ- त्रुद्याल्यन ([ाहार्ड कार्यसाडिकनंक कल्य्यें सेन स अ में सत्व है। चं) राज्य वर् (राज्य वर्त्र मा) अभाषा के भी मू अपद (अभीका त्रेष न मन अभूवत्य लर्ध वर्ष लाम्यामं क करंत्र (विष्टा) र्कारेवी-भीवानि (कीर्मावत्रक्षारुपालं) काकि ((वर्ष का लात) नामा नमाधारि ्लिसिस केम लाज्य है वे वे द्वा ला ला ने असे न रक्ष असे त्या) तथ. (लाजन कं)॥ [1र्थात] नामध्यानम् देनक त्यमन वन त्यानी 691 (न्याशक्टलवं अन्यं क डाबुद्यं विराधं वर्ष)

व्यक्तियं वसमानिकाल विमान करम् न चित्री

मना (अर्थना) नामात्वार्भनमाम म- बीन-दिवड-सबसी (नाम हत्यन की लाहक न हिल महत्यान वदल इस की रिका कालियी) , न्या सानि-मर्भामियी िश्चिति] नाम सम्मीनारने स अव्यवन नाम कालीमा सन्तामारने वं हरिये हेल हार आहिती वं भी करण टला ला नारे १० (१म [नवर]) लागमान मृत्य-क् छिलिइणकार्व-भू वहालका (धारांव हेक्टम दी। खे का निस्त नाम सह एक ने का समर छ हिड एक अविय कर्त) ग्रम (लासान चित्र सेल)) नका (व्यादिकींगा) का विनी (के न्य की) का रक्षा मन्द्र-में माम (वंप (लक्साव कारसक्त में माम (वं वं आर्वरं) विद्वि (विश्व कामिल्टिम)॥ हिल का जिला न न पूरेका : (विहिन नी किम् आनल का व अका ना कि- मूटला डिंड) वप्र यही-वृद्धिः (त्यूम् ७ क्मला वा निषाना) कीर्न (अविया १) निष्म वृष्य काम त (क्षीव्यावता) भ्वतम् न प्रक्रिक्ष कर ब्रह्म भागा (अर्म्याश्वाक करतिक के में हातान) प्लांन-मुख (ट्यांब व प्रायम् संसम्भायम्) न: (व्यास्तरं)

एके की (प्रेयर्मिय अवेल किंत्र का द्र्य दें व भीत क्षम्भात्रे धारमार्पन्नम्त्रम्भव निविष्टे बहिराट्यो।। [(प्र प्राप्त ! प्राप्त का काम (का केमान (प्र) का किन क्रम्म-नमप्नवन्तिक्यः आमाप (विधि भूका-टला जानाती रूप न जा ना विश्व मिक् कि वरते) भूका-हलावल हमं के हिट्ट (में का यम हलें विकास प्राट्ट) भूका लागुक्क ण्या विकास हिए महान डेम एन व्यक्त -भाषाम्) विषित्र भाव महा क्रमा- त्याचित्रे (चिष्ठिच कल्म प्रद्याध कताय विदाववं) वाकी कुटको त्यी श्रेश कृ केटक) वीका वीका (वा व्याव प्रभीत -सूर्क) आमला विद्याचिक (आमलरगटम धार्निक इरे भा) ध्वामिलता (रिश्व त्व) मुचे ९ (नामी का क्षेत्र, जिल्ली) विद (प्रार्थ) ज्यानिन्तन (मळी लर्नेच) कल्ला (कल्या कर)।। 801 कि त्यक्षिक अमापादम्य वन अदे मह नवाडीय-वाला: (टम मकल नवीश टला ममू वडी खिम्मूमतम् समारकाल लामकी वं सत्पावम बस् व सामारे वानिश्तिष्रिक), सातालङ्ग्रक्ष्रिक्

मूर्न-मद्गक अध्यवद्यः (अपना, अनद्भाव, कम्बी, धारक, कुड़ म, हत्तम, अधूम, वस), बाट्या: (बादा) , प्रक्रील-तृटेण: (अव्योव , तृष्य विवर्ष) अनुभन्न सम्मा (अठ्यतीम कमा या विश्वार्ग) प्रवृक्षः (धनुकारमम् अल्ब)ध्यभष्रमुक्य-बिला प्रिके- (ज्या व्यविभागमाती) वारीकृत्का (बीना के क्यार) नाम मही: (मरका प प्रधान कित्रिट्र न, [धारि]) कु कि की की कार (क्र के वाहिन सर्देर [क्रिश्मित्र]) डेर्वामि (अन्ते मा प वर्टा हो। ियात्रात्व भाकी का निर्देश (केंद्र क्य) मण्मेन्र (केलेशमं मार्क) १ व्यममास्त्राः (१ व्यममास्त्र) कार्या (कर कर) अव: अर अरही: (धान)-व हमा), कार्निट् (टर्वर त्वर) त्कामिन् द्ध-भवन लंगः (त्कार्यक् त्यू र अक्का) का कि (कर कर) असर बरही: (बस जारमंत्र) कार्कर (त्कर तकर) पिया पूर्वतकक कर भशाः (।दिना व र-अर्थितं के क्षेत्र किंग) का अष्ट्र (क्षेत्र (क्षेत्र) मबर् (मृजम) धामद्भावर (धामद्भारवन) मर्भ्युली:

8>-801

(मर्म्य), कालात (त्वर क्यर) हिनंद् विचिकाल लर्ड) रामाः अञ्चलान विशिष् रामाः (रामणार लाये व आश्रीमे त्रिकं ब्रिश) क्रान्ट्र (क्षार कर) जगद्भागा शासी हिनादि कवारी निविद्धाः (जम्म-वानं डेडम मीडिका पि निर्धात का बितार) कपालि द्रवाः (टकात टकात न बीता) तर्वत-लीक-साद्य - त्रू कता - भाषा छ - भष्यादिका : (त् क्रु, नीक, अतर ७ लागाण सामार्थ कमा सर्द्र माराची -अर् अर) कालात (कर कर) अपना ७ द्यां विसी ह देश: (वर्षेत्वा सरकार्य स्मात वाह्य क्रियंत मम्लादम), काल्डिए (कर एकर) मर्बीक्रमादेतुः (ब) करा दि किमा बाबा) अप (अर्थ) प्रामिट-टमयना किन्ध्रापिण: (अविश्वकेटिख निकटे त्यवार् ध्यसम्भन) क्राकि (त्यर त्यर) महारक्षिकाः (अर्वकार्य व विष्मान), मार्किए (क्य क्य) अ खिनमें भारा हित में सं (प्रिण खिनमें माप्त व नी ना पर्नारम) श्वक्टा (मिन कार्ष) सुकाः । दिन : (रुक्त ११ टन)। क्रिस्ट्रा व्यक्तानिस्वर्शिः (ला) मधीकर्क इस्मार भारति विष्क स्वाह्म द्रिमा

मिन काटर् ब्राट्स ट्यान अपात्र [- वर] का निष् (टकर टकर) मामिकटमा: (मिम् मूम र्यात) भूरमा-भगः किल्य कान्तिर्मात कार्निष्ट्र . [व्यति]) अन्यत्र (अन्य र्वेष्ट्र)रेक्ट (यरेक्न) विख्य विख्याः (किलियिखन डामलमा) धारुणका विविष्यः / विधिक्ष प्राचित्रः (स्र स म्लास्त्रिम) क्री याहिका-केका ना : मासी : (क्यो य दीक् (क र [क्ये] तामीमनेक) मृत्यावत (ब्लाबट्य) लिक्षीमंग् (लिम्ला हार्ट ट्राया करे)।। 881 तकर (नक्ष्य) हिलाम माउद्दर (मम्म पूल्य विहिन हेला मार्च) मान के (लामन हान) की ब्यान ला हाम छ । (विकिय त्यती व टमा डायुका) , प्रकः (प्रकात) रक्षाकर्मन-हिलड़ (बक्ष: क्राल हमन हाहिए), ज्याबड़ (ज्याम वन) हिन ० भू वरकक्ष कर (विहिन क्यू के वि ह् विण) नकर (अक्रम) न्यानि विन भीठ वसन् (न्यू माहिज भीज वसन-हास [नवर]) लगा ह (जल न नम) कड़ा ड-याक्षा वार् (सड्याक्ष वर्ड विस् विच वर सन् डेवर्ष) द्याकप्-ब्रु-मूहित-लाने ममत्मन (ब्रु भहिए हे क्यम वक्त ब स्थायां) प्रश्लाहिण् (विद्धिण)॥

86-801 इंग्रं (नर्स अ) सिका विषित त्वल सर्वेयर (सिका बिहिन त्यमश्रवं एक सत्तर्) निमः ट्रिमार्यम-र प्रह (अने अप टिम्पाटिक अभी ने) मिल ने मिल फिल्मामि हिन्छरेट् (दिनत विद्व की दिना मी) 09 (टमरे) टम्मे न तीतर (लो म ड मातवन) किलान-शिभूतर (किलान्य्रतम् अक्षा) ट्रा अपने व्यर (जामान अपरेष) काकी तूपूर्ननाद न्यू मून्ती-लीएन (काकी उन्भूत्व विवित उन्भूष्मी सूत्र नी व अभीवश्वादा) श्री कृतायत्र छित् ध्राहित हन् (क्षीनुषाय (गर हिम्म मृथ का म अपार्थ मम्रास्) सर्द्रास्त्रे (स्टिमार्ड करवे मा) अत्र ती मुका लाका तक (सम्मिहिष्यं अन्ति वारा व अविक निवर) वीय-म् प्रकेशितो (म्पालं स्तिनेपुक) अल्पानी प्राड (अबस्य सामा के हो ने साम (स्त्री सर्ग) विश्व (म्णुड बता) ल वानिकार् (लवानिका न) त्यार्यार (डेराममध्रक) प्राक्ती० डेर्कीर्य ना (में स्थार्जे ए सिस्त न कानुगा) मिन्द्र रह (-प्रतम क्या) जाणाम प्रत्न - रसक-मश्चाक प्रांत मृत्र हा विद्या पूर्ण मणं व त्यार मवर्

(लाट्यां लायक म्यायक रापावस में को उस मक्या न न इनिर्देश मार्था निर्मि थण अ मम्तिन एकी भाषा काकियर कल ब्राय मट्डेंड अकाम कार्य) क: (ट्यू) क्ली (ट्यू हामा मामी ग्रांक) ड बार्ड (जेपनार्षेत् क्षेत्र कर्द्र ?)।। 891 [ama] नम निक् अ श्राप्त (मनीम निक्य -(दरम अस्ट्र) विश्व (विशाल वाष्ट्र) विकित-क्षेत्रीसमा (विहिन कृषितीनामश्कारक) विश्व (की जावल), प्रियः अने धरा अनेय-म् निवा कं ० (अव अव धरार साम्य पारवरम म्मिन्युक), अम्म वार्षित (अह्ववित्ताला-मम्मन) विम्ह्यियाम मामार् नर् (यालव्य की छित् विसास कारण टमार सका सकारी) सरा-विभिक्तालवा है एकि लिएवं एमं : ए हैं में में (एके अव्यव्यिक मागव मामवीक्ष किट्याय-मस्य (क) भागामि (क्षाम कार्य) 11 १४। कपा (कार) कृषारे वी (कृष्णयान) व्यव प्रवः (अवार्ष्ट) अश्रम्य म- दिश हरू मा (अवधार्म-सर्ग तिको मित्रक्र यास्त्र) सस (लामान क्य) अवः

(अमार्थ) करक हम्भक्षा विविभिष्णिक भी वन् १ (अर्रहम्बक वर्ष ७ मीर्लिए प्राम नामा), नव-किल्लावरमाः ववं १ म्यास (अमू अम नवीम किल्लाक-मुक्त) विभः धक्कि छाउर (अवस्थाय माछ धात्रीम धातु शाम किन्ते व्यक्) मसममू पिछ मूलि (कामक्र मार्टि) यूवड् (हारिड १३ (यम १)।। र प्रिम महर्म मायत् (विविध विष्यु आती श्रीयु मा-वन) ट्यमानल्या व्यवस्य मध्य - (व) विद्वलानिवातः : (ट्यमानम् व डेळ्य न तम धर् लाजि: वालिक्ष व्यक्तियं अम् म भटका) जापाल्यान (जपाडिन सर्व) CH (arma निकार) 20 वर्ष (अन्नामिड 28 म) oa (कार् क्यार्च) कू त्र कू एक्ष (क्राक्ष कू एक्ष) (अत् (बिश्वंड) त्यों वा चिन्कि (त्ये व 3 लाग्यवर) स्व वं सर्ववं (व्यव सर्ववं) किलावं. विष्ये (किलाक्यू अल) (स (अम्मन) संत: (छिडाक) जन्ममार् (ज्यादा म ख्राम न ट्रा ल्याकातपुर के ट्यामा) कियार (कक्त) II 60 म: (CATA) के प्रमार किया कि

म: (त्यकाकः) मिनिएक (कार्व मृत्यवी)क नियाप (दीन ट्याल) अले कू कृ ि निष्धे: (अलि लग् कूराय वह वरेपा) विकिए (राम करमन) प्र: (जिम चिन्न) रूट्टी (प्रक्रेन्साठः) अकृ ((क्यान्ड) कृतारिकाः (कृतायान न क्रेक्ट अम (यकरिक्य प्रतिवड) बराया (कि किरवन विश्व रहेरम जिले]) रमंद्रेश व्यक्त (त्रकालन् अन्) देख्या निमिमणा : (अक्रोकेट अर्वनाकि मार्मी) उर्वाने मा (क्यावन-हीवत खीक्षण) कक्रमेग (क्लाम) केंबर (मिलगरे) असड्डि इश्वेल्पर (रिश्व द्वार्य कर्म) ME ME (0 (ME & (97)) 11 रेश (-वरे) मुल्यसन-यत (की मुल्यायतम् अछि) निष्ट् (अनुस्क प्रम) प्रमाध्य छिडि: (ज्या में में मामाडि करता) करता नामा ए काछी? (टक्सी के (वर्ष व ति व) डिमार दिवराम अवन्त्र कर्वत), पर्या (पर्या । जिने) रुद्धि -चिछते: (बुद्धिविष्यक्षण) वर्धान् (श्वनीक) त्र इ छक्त प्रिके (रूप अपि अव् वि एव छक्ति क्रिके

विवक्रपीर (भवाद्वकावन), सीभूनानिडिः (अ: स्वादि लक्षायंग्ने) ल्याना : (इम्हर्ष र्षेत्र) (अध्यक्षेत्र, व्याद्व क्षेत्रं वि कार्ष्य भा चित् जिति) शर्वेत्रार (धीरुकार्यामः नियक्त) अस्टब्यामार्ते : (व्यी सरकात्वयवर् सरमान सहित्व) लमहाः मुद्रः (लहमार्यः स्थिताछ करवन)॥ यः (मिति) अवाः भ्रक्तिः (अव सक्ति भ्रम्मात्रे) मकत्र अने मांकुण-सी मूलापीत (भर्व अने मांकुल सी प्रवादि) मर्क (मर्वाविष्ट्र)०० हममानम् (७० ६ मस्त्र), जार (१४०) भरतः मर्क्स-मारा वर्षस्म (सल्बल्य अट देवस ज्यार वृत्ते) क्रिन (अर्बेकोग्यर्वक) सकाश्चातः (यका [MOA) किं प्रकार (का प्राप्त किं का के प्राप्त) लायात : (लायडाड) समाक त्रामानी मिर्द (हिट कि कि क्राय 3 विमार्थि म दर्द भा) व्याचम्र्यव (ब्राम्याम मिल्किन) यापि (That was) sind (sta) avoits: (2004 [WA 2020) JUZU: 8710

321

(रिन्या प मार्कार्य महण्ड रम)।। @01 र: लाभ मक्वी (काम भन्मा को कामा भामी कार) सक्तवम् हे अर (सिश्रिय स्थाप्ताप्त में) के काल. (काम विश्वरम्) त्यम १ अम् अर् आ (त्यम वा अन्) ट्या न्यून र यव मुद्रम् विवर्ग वा अप्रते ना करिया) वृत्रावन क्ष्मष्ठानि (वृत्रावन । १० अस्तिमरेटक) अभिन क का विमा (कमम् अक्टात) एठ आड़ : प्रवास (एडवर स्पास [वरह]). ण कारला आहियातः (भर्म अकाव काहि वात लाक्जाम भूकक) नियं वाह (अर्थन) अवस्तिक मः (कार्र कार्कित कार्य) कृष्ट्रमाचा - (अभामाना अ (क्षी में क्षित एक द एक एट कार कार क म्क्रम् (विभवतं कावर् कावर्) वृद्धायमा हः (इकारतान वा छाउत्) निरम्लि (बाम करप्त)।। य: क्यान (ज्याम) व्यक्तम मा: (व्यक् व्यम्प्यान) . 281 रेता: (मूक्किलानी काफिरे) - काउ चुला विभिन्न -७क जात (मुलाब दाय आर छ ७ कडात) जिसेन (जिसमान वर्षक) जार्ड मार्चने कत्त्रम् (जार्ड मान (यादम) कि विशे (हिल्स) भावित्र केम

(भाय पे. क्रेम) व्याप्तक (च्याकिकारक) सर्वसम (स्राम), मट्ड (मटड) छ्नाबि काम्बर (व्रिकान्त्र), अन (अनुक्रा) कक्तान्त्रेटण (उत्तार कुला दृष्टिलाएड व छत))काकू रखारे 9: कर्त्र (धार्भ काउम् वहन देखान ने निवर्) प्रकालारे (वामकव्लाम)कालाम वस रामा (सल्या विनामण्यक) व्याने प्रकर्वव (धाम्म विभवत भए कार्व) दिन-निभार ने मांड (मिन साबि काजिशाइड करवन)।। कः ध्यम (त्यान जानान् कार्यने) मण्डर (मर्द्या) (प्याक्तान्त्राक्षं रेक्ष्यं (प्याक्तान्त्रः वित्रश्यमिक् यात्रधायायद्य लाष्ट्र (च क्याप्रधाय गागे यदाप्त) किंकि सार् (कीक अपूर दर्ग) किसु: वहा: इड: म (जाम कर्क मिलन एक जरे, रकार म अक्षान माञ्च) निविष्य वर्षितः (वर्ष्ट म नाम निक्त अकिमा) प्रविष्टाः विश्व छ : (अर्थ कार्य विनर्) के दिक्क कार्यार अवः (शिक्षेत्रवावं अवाकाक्रामाह द्र्येत) दृष्ट्यंग दुर्क्कृतं (अयत दुर्क्कुरह (इ)

WEB-K के टक्ष का आर अमें अब लें के प्राप्त) ए हे ते में के कार्य के कार के कार्य के कार (क्षात्र कार्बाट कार्बाट) बुला बरन क्रिष्ठ (भी कुमावात विवास करवन)।। क्रियातार में मार्मिट्रा: (अवमा व त्यान्त्र. र्जेश्वर सेम्यामार ल्याल्य में सप्तित्ते) ला है विस्ताम्य (अप त्मका मदकादक)क त्र (and CH SM.) ELLUS (ELLUS - 256) HE WILL (अर्थार्थ) भू नामें ०० (धालायम) हला ने (हलाम खट्यम) कार्या (कार्य कर) वार्ष्य नद अगला (अस्म दलमें कराउ), मार्ड मर्बीकातम (डेड्सकाल नाम् मका समधारा) र्के दिल्द्र में से से मड़िलार प करें िवास) उत्तर (चर्चारल) यतः कर्ने आरक्ष है। हटल (सुर्य के के लगान आसे) (सराकत)। सित्राया वरात्र (तिर्वत) वाक्का-यानी व (महाकुट्य) मन्त्राविद्धिर (बिविद्रम

001

निमम), रमयमानमम् दृष्टि राममेटिए छेर (अर्भाभरमा : त्य वाक) व वाका म्तान् म डकी मुक), धराम् म्वन् वित्रिमिलो (ध्यम्बर्ग विभामभाती), वार्वाकृत्य (की का का क प्रकार के रे (म्मड द कुलाबुक,) रें केर (त्यार्था) बर्ड हत है (बाबिटमं) याहीहः (यारे ए हेपाला इये छन) ज्यान कि के किर्यानिमारक 2226 (212) 25 colt) xxg- colos. (शिवने कवित), मदी-टर्म भामाराः हाः (अंग्ला प्रभागात् निमाप्र, क्रिक्स भागाः) Harming (agus +) II किन कि मेर्यानां कात्रं ने कि ला वर्ग मः (किला व मम्मा), मून्ष्य हे त्याहियः (०४ का क्या वर्ग) वे में हा के के का सही हा : (अनिक्री) १ १ मानिष्य न राज्य कराः (विलान निज्ञ ७ मून स्त्रमूल्लं लाल्य-युक्त), त्रुवप्रकत्रक्षिण यात्रिक - भारिक. CENSONS. (WMEDI, EVENSE SENE

अर्थम्य मा मुख्यकत्त विद्विष्ण) मुखार-भरे द्यतेर: (अत्यव्य वितेर् व नमत ७ (क्रमेम्प्टिक्स् र ट्रामिट्डा) ट्रामिट्री: (ब्रामा ख्रामिती) लवमणः वार्वका-किन्द्रवीः (क्यिकिक लागीम् न टक) भाव्य (कात करें)। 601 [क्रां विषे क्षित्री - वस्त्रेमी - क्रमंब -किष्टिंश: (अल्प्रेमाल वयर व क्यं व समित मूटका दिलें। क्रिके कर दरमा न प्रमानिक करी - क्रिके - क्रिके त्र वारेके प्राप्ति काः (असाम मारा हत्त्र के नू भूव ७ स्तिमम् वनम् विलाध विष्विषा) लमप्खिराः (भूषीर्वतील्लाहाभ्यम्भा) ब्राक्तकर- मक्तरायाचानिक छः (क्रम मुक्रायं डे आई कारण श्रुकाशांबर दी। श्रिश्नां दे हमिला) स्वधाः (अवधार मूलवी विवर]) धारता मिकाः Lave min (मेराला मुत्र) के पक के हि-माबाह्यान हरी: (भूकी क्रीम जीवाबा करु वी -भिरक) प्राय (क्या कर)।। लाय (लाया !) लाद र मुल्यामंत्री - (न दे विष्टिक बुलावत) भरा ट्यमामल्यामाम-भूवम- निकाल-

माल्यः (अयस भामद ट्यमानम व माठः अवस-वससन हिन्द्रात्ती (अपला रामा री) का क्या-निटड: (मूब्रामा) अववा-अविद्यः (अवधा-भागवा) जमारे: लायोते: (जमीय जापन)-कार्यक्ष) अकत्र मछ भाके द्रा सत्र गरि (भिर्म क्षेत्र भक्षी, उक्र अ लकादितक) यं ट्यार में (ट्याएड कार्यम) ट्या (हास्यार) मर्चा (कीयम भर्ममा) किरणाव हेपिए (किट्लार विसर ध्यान है छ दर्या (हते)।। कार्या लायत (कारता) र्वेज्याचाप्री (र्वेज्याचाप्र) अहिंदि (Саст म्हाट्य) यस (क्षिमां) याम् वर् (18 y) where (alleray) as (cmy) बी बन प्रये : (बी बन - क्रिनि :) ट्या अभय-विकत् (ट्यम्बिक्त इरेमा) भरवादारकः प्राञ्च (त्यापाक कि का का का कर कर) भन्तप मिया (तप्तप बहुरने) । खन्डा (कामी: (श्चिम्म्योस्त्र अवि) मर्मे राग्र (धर्मम वाक) विद्वात कार्यो

का जिल्ला अवेश (कार्या) मुलाबट्ये क्रिटि (ब्राला-TOTA CATA STOR) SER (OMERA) SEC(CHA) शीयम-सर: (भीयमं लागि :) नामास्थम-अमन विकार (अप्रासन एकाम विश्वम दर्ग) मद्रायक र मासर् (द्रायक ह लास्य मान्त् अकाम मूर्वक) मद्रमा भिंग (भ्रम्मकर्ष) क्रियक er: oral: (अय्ययी स्नेटक) महान-नम् (अन्तम् कर्नम्) त्वना (निव त्वनीक्षण्) असे ए (अमी स्थान) अदृ वाक्षा (छेन द्वार प्रम यू अस अ अंदे मा कि हिम्म) दा में वर् प्रर्ट्यमा (श्रिम्ड सिक एरे अपने प्रेम) अपनि (मिन हेर्क्स अर्थाय विवाह कर्न्ट्ट्रिम)॥ लाउर (लाइर) मा प्रकृति (पर्वा के के लकात्र मक्ष्रमा कित विकार (भिन्न) मूजन अयम क्ष्रमान निकार कार विश्वत) नवानभं (भाडार किनार्भं नवीन (भाड-(२०) ज्या- ज्यार (धिक हक्त), नया मानिकर (नियम लामि जारम व विमामान्ति) पृष्ठालंगा देश-(तयत , थयं वावि अ बहतमम् (यव) नबीश:

(काल्यम) भर्ष महाना । १ वर (भर्ष के छन्। नामी) (आव का सर् (आव त का सम्) ' ते द द ने यर: (भरे म्यामिक कार्राविस् वसु न्यं के अव्य (कीर्त कव)। ियानि । बिलान स्थाने (अन्यान आने अपने भूर्यक विवास अपन), ने मनते : (निष्ठ)मूकन) छक्षिः (अवस) अनुकालेः (अमूकालरू) श्रामण्यमानामा (भाम, लग्म ७ डेलावनामारि कार भारत) कममान म दि विशिष्ट्र (भर्व जिल्लास विल्यम्बादिक) अस (अर्वमा) मुकायम सविष्ट्राः वालिश् (बृक्तवानव नवीन कुन्त मस्ट्र) त्यन् (यिश्वंत्र) ट्रापं न्यास्ट (त्यां व न्यास्त्र) भर्ष मार्चे वर् (अवस्थित) ७९ (सर्) क्षेत्रयुगत् (म्डिम्स्स ट्रंड) (Crar ७८। छेडु भारतभं वर्भ-वा जिस्त कि हा छ भे- प्रभी ज वर्भ : [अर्थाका डे एएयरे] अवस कल मिना मा थाउन ब्राग्यम देलाम अभीव के निक्) वाक्के-डिक्नी हव मर्च प हम्कार्वि-त्वाहि सर्वाः वर्षः

(अत्यम त्योवमाडक्षीत विकारम अन्यम् य-मका (भ्रम्भारत भारत भारत काम काम करहरू) निश्चिष् (निश्वकार्सक्) असिसार (विष्टार्प्र) ज्यानिम् (हराहरे (क्लिक म कान्या त्यार करव्य विभागी (कृषि) र्यायमे वी भार (ब्लावत कुन्द्रमार्वा) त्मे (तारे) छावेछ म्या (अविभू में व्यासमा) त्यों व मीरियों (त्यों इ उ मीलवर्ग) मम्मणी (मम्मणीतक) डण (टम्बा 要引 11 62 11 कता रिक माम! द्वि । र विभागा भरम है (क्या मान नरे भाग्यं विमामभक्ष) मन्त्र मूण्येन आगिष्यू (भूय, वेत ७ अन्यक्षि ध्रितिक) व स न सम्राक्त) अभाम् न कुक (मूमा हिन्दी कार्न उता , विवह) बुन्ता वत (अहे बुन्ता वत) खरे वा जिल् (जाम मा ररे एकरे देशकता बिकिस) सूक भार्य मिर लाधीने? (ट्यमक्र अवम अक्षार्थिताने) पाहित् (अदसर कर)। ७७। विभागा होत्र नामी धर्कामिया मिना है।

(क्षीभम् मार्ट) मुलावम- एक मृत्म (मुलाबताय उक्स्त)विकिली-अष्टाकी (विकिनेडाय पर्रिक) से म कि की (न्त्री से कि कि कि) ल्ट्रक लारवन (जमा ह लम् बार्भनं अवित) GE (अय कर्)।। [कार्य] वयर (बदर्) रेश (वर्ष) ब्लाबरों)-(बुकावरम) अपन दमारमधारि (अपन ट्राय्सन इन्द्रशाद) युवनाकी (अवितम्मा) अवमा व्यास भार (कुडूरी इरेय), व्यास (किंड) जामाय (जामाति) इद्याधियमधी जाम न (लक्षीय विध्यम्भी छ इरेयम विश्वा इस्त जाल तम (भाषा द नकी करण अ विवान कबिए हेन्द्रा कार्बका)। अठ) टिने छिन म म का क्य - हल हाल्या करार्थ: (भागाय अडि ७०० विकिय नवीत काक्स्सप हक्ष किव्र ते हे हा पिछ क्ष प्रिक् हे करा निड इस कियों) यव दिक दिलायं - हश्य कायं से सा (नदीन कि ल्या व म्यान म्या म्या म्या म्या [(त्रे]) बुनाबतमारी (भीवृत्तावतमारी)

551

30 40 (Carara Bio] 20 M are 244) 11 लाश्चरामान्यस्यः (अवस्यासम्। वस्त)-301 र्स्त) के बर अव्याल (निम्हमार्व भाषवर्षित् वकात का (भन्ने अर्वताम) कुर्वाह (कर्व) , 50: (यान्ये) हरूबः (हरूब गाक) जल्याम् ग-कुलाबम-अस्तिम (क्योगिरोन अव कर्वा व्यक्ति वर्मक्त्रम् ने क्यावन दारमरे) बटम (राभ कर्म्ब्यम)।। आक: (ब्रिक्सिन् मार्क) विक प्राप्त (विक् प्रापान 901 अहार देवीय काम (काक्स कार्यम ह) वितिष्ण पार अविन्यमम् (अहिमादक अपि विभवाभ करवेट मा भाविया) उन उमहाकि : (अवाय्त्रे डिस विचाउ वर्षेम्) भठा (भर्मा) किनिर्मिते: (किन्ममं मिर्चिप अस हिट्ड) बुकाबत (बुकाबत) तिवमार्ड (बाम करवंत)।। 921 भीता: (भावक कार्रामर) , हिन्यताय (८०००)-धन ख्याल) कृषावन कामिश्र (कृषावनकाम-अने) अवं अव-विख्याविष् (अव्सी अ अर्क्षतमं लाअइवंत ्किसा) अअस्मात्त

(तिर्मिष) भार्व (भवातत्व) अशास्त्रात्य ६ (लाक्ष्मं समाब कार्बास) दर्मिश् मार्ड भन्गा है (जिल्लास व दक्षान एका म म अलीना करव्यता ।।। १८। बुन्धाकातर (८० बुन्धा यत !) थए (८५ थ्रिय) मद्म (मक्ता) व्यार्ग एको वि (द्यारात कार्ड करवंसा े (अव)) लाम (म (में (अव) का में हमत्र (कि ल्यान्ये वा विश्वाद्य) लात्र असवाद (गुरावर अभावन) व्यामामा (विभव्न मिन्न) अर (ध्य [अर]) श्राम म मे मे ए (ट्राक्रिय लामा में अपने मा करते) वर त्मार किं (अर्थल प्रायम् या स्ता कि १) त्या (यात्राव अभवार्ष) छेन् ४१ (छेन्म) जमप्र ६ (मित्रक) किका के (विक ने कर्ति मा) है। (का अपने अर्था) म भी माठ (का आयर अयर करा भर दर), ७९ (नर्सम) ट्यांबय । किं (भूरमाप्रयो वा भार्यक्षा कि।), या (नवर) यः (प्रिमि) छ (छाडमन्) ज्येद य लामाटांड (विमुसार क लामार कर्तम्य)

भः अस (छिन) कः छश्रवि (किस्टा ०वेट राणमा भए) रंड्ट आदंग । ।। िणाति विपक्षीन्यमागत् (अवस्विपक्षणात् -901 पक्षाय व्यक्षित् क्षिम विकास मान्यमानिकन ट्यमाकटन (मयमय कल्ल कीडान् णाम्म), क्ष्मि भवाना: (क्यान वान) क्रमेरकामकावन. ज्य (अभिक क्लार्विष् हेम्रापं काउब्हिड) जिएका शिमा आ कुला क् इके। एशा किया- प्रयंता व्य (व्याक्षित्व ५ ६ मी का प्रकुत्मकाक १६ छ। रेग्डिम ७ मदमारीय कार्य)जीवारिक-नामात्व (कीवा वा वंद्राते व श्रां) ध्रिम डाय-विभिक्तः (अराउ धानुशास भारते ध्रेक) हेक्। है: विरेश: (अवल विश्व मट्य ड) व्यह्मला: (क्विह्म छाट्य) मुल्पन्ने (म्लप्याम) करम (लाम मं मर्प कार्य कार्य हिट्टी)।। महा (लासम्) सतः (हिंड) स्मिन-प्रमानवर्न-981 करी साक दे (आ अर तेश्रेस के मेर करात दिनाम बनक निवर्) भव्भवाधिकपा (स सकारी की वरका करिक) आ बेट हिए

(धानुसाम अर आरम हृ प्रिक), नवकुक विमापित (नदीत कुड्छ प्रत्वी हे भी यंपात) , सम्म (भारम. ब के मुक्त करन (की क्रक म भू भ हरा न अ वित्र (धन्वक वर्ष्ट्रियात्र्)।। उटा (लाज] भियमेगार (लाज (आजापक खर)) सिर्देश के की अवार (प्रदेश के किया कार्य कार्य यक्त्रभी सम्दाक्षिण (अकाम समा-लाकित्व स्थित, यत्त्र महत्व व्या के त्रा क्रम्) श्रवित भूषिति । (भी कृष्ण अभाव अल्ड द्विलिंड इरेया) जिय ह (अमहार) भित्रिष्ठि छ। श्रु अ० (WM ने न उ हु श्राम माम किन्यिष्टिलात), जार् (अरे) नामिकार् (भीवासाटक) अव (क्यात इव)।। त्रस्थ ड्रियाप वृह्यिता (म्बीस कुन्छ-901 उद्या , विवाक प्राप्त) प्रकार कारि प्रत्यय व. मिल्या (क्यार कमार्य मार्ग राप्तवत-विध्य व्याक्ष) विस्थानी-प्रिय-गानि -वाकिकार (जिस मजीव हिम्दिल जीवरकारक न्यामन सम क्रिया) में में मिह कार (क्रिके

वर्ष्यार्थिती तक) नलाए वृधिकार् (वय-ल्यक वसने कविता विश्व नव्यक्तार द्रायक]) सर् (साम कर)।। स्मिन्ट्रम (स्मिन्ट्रम्बी केस्) प्रिमिन-किंद्र ही कत्र यू रवका किर्देश (में हार धार बंदेर (भविकान विभक्षित्र में भूविक) ।कियाने (1516 मनाला) अमा में वर (आम आरमन) आस्पा (अवर कार्याक कार्याक) मार्गिष (बंधन कार्यरल) ज्ञार (ज्ञार कार्य) धार हरी (निम भयह वी रक) । अ अली ए (विव्यक्षिय क्रिक्टि शिल्स न व्याप्त (करें]) उपहरकार (न्यी देशकार्त) भारतात (क्या कर्ष)।। िश्चित विक्रिक्तक सूर्षाश्चा छि: (ज्यु काळ्न-. 961 वर अवस देळ्या) ट्यमानभाष्ट्रकारिः (ट्यमानन-यन) न व्यक्ताम्बाद्धाः । (कार् नामं मी से बार्थः द्वावा) डार्वल-दमा पिताएट। मर् (ममा दिक अबिलूर कत्तर) तकनि लिए प्रमार्थ भेराया व त्मित्र कारत प्रत्येश लाय की व किया कि इस) व्यक्तमा दार् (यिनि कम्बीमांम कर्णमा

डेमारमाम्ड), व विश्वाप (विश्वाप प्रकारमणः) मिन्न निमुल् (यिनि नक्त भावश्यम् भूवक) जिल्ला वाताः (प्राण्येण विश्वता) पुरेश अक (भामा एक प्रमार काटम) वमाविकाल (अवधावत्म विश्वत इ'म) कू मुश्री मि कि एन्ट्र म साम लाइम) न्यासम (स्याय (स्योक अम्बत्सित बक्त: भूति) ७९ (नरेक्स) किलावर धाम (पक किलानंबमक का जिल्ले वस) क्रवार (अका अपरे किट्रिय)।। अक्ष कार्नि कार्रिया मिनिया (अमूत्रम्य जीय्येजी कपम् क्राष्ट्र की कृष्ण विश्व याम्या लक्षत (अम क्ष्म्) लाम्यतः सर्वकार स्य अर्थेन्त कार्य (तरं असम्बद्धे की काम्यव में भगव यक्षे) (अ अ ए । हिस्टिंग लास तिस इ इंड्रिं) ए (व म इंड (दन दलामें इत्यान (त्र) केक ((र किक) (a ((a) स्पनं) अनेपुर् व्ययन व्याम (कार्य (आयमामण देवे विहि) रेकि-मक । जिगा-में वार्षेष के मर (नर्या वार्ता मिंग्रिकार our अम्म प्रदेश) मारकाम : (नी कुछ)

901

कार्ने (कार्ट्या)।।

७०। भित्राया जीवून्या विभित्त (जीवून्यावता) भत्रा-लाइमन-त्यार्य सम्मीवत (धरा को नाड भानी अभूत्र भान्नकानता) अजिव्यानुषमा ९ (भव्य व्याञ्चात्रयमाठः) विभः भानिः (अवस्थानत्य सम्म कार्यमा) आह्मीत्मी दिल-(बलत भूर्वक) भूय: (तिश्व व) कूम् ति : / भूका. प्रमुद्र क्षार्ग) विहिनाए (विहिन्छात्य) अर्ग्यन-य म क्षां (अन अपत्र न त्य य प्रमुख) क्राडी (करम्म [वन्]) मिल्लिड् एकम (द्वारामा] विष्टिष्ट को कुकं बनाजः) विभवाद (अन्न्यादन् बिल्हार) लक्ना म बार्स्टो (अकिन म आर्म्स्वर अकाम कर्वन, [wm र महे]) अर्था श्रम् मुंबरी-क्टर्स (की की के के टक) उटन (उठत किन)।। िलाश] कारस्यम ब्रिक- प्रिक्न व लिखा

(क्षीक्रकंसल लाहिजीन लामल रममह का निमल्या) इन्साइमारी नवदी (जीयून्स यत नवदी [नवर]) निव्यत्मी जर्भामक समाध्यी ह (जीव्या) -वत्यवी क्ष भीष अभि जाम जामस्य मभागत्य मग्र् (मिमग्र) ७१ नगम्यर (अर्थ नगम्य [यवर्]) जान्क अपने अ वार्ष - वन्न छ- मूग- कीछा-व (लाटकाई समान देलकाई - व्यास्त्र में यें : (निरम्भ लामण्याप्रिण) विनवत्रमें अपन की डाद भी निर्मा अपने से मा भारत में आप म त्यार अहिल धूर्ति के लिट) जाः है जिल्लाराः (अरे जकामिकी प्रक्रीसर्वेदक [कार्स])क्रामाध (काम कार्न) 11 +21 [ana] मिक्स महाम (क्स मम्यम धारे मिसिक पिसिक (कारिकार) भारति केर (अवस्थिति) अम्मामाप्तिण्ये (कार्यामाप् वर्ष (शाबने कार्ती) सव लोगा त्रिक मानवर् (टमोर ७ क्ष्यत न बीत गामन डाचायत) व्यव् पर पर रहा (कारा किया वस म् मनाक) GO (अवा कार्ब)।।

601 मिराजी (पिराजी नामानी) (o) (ord) ज्यी मृत्या मात्राला (जी मार्था ७ व्योक्क) क्य हिं (त्यात भारत) व्यक्ति हिंबर (व्यक्त अरामवा) या में यती क्रिश् (न्वर ७ क नवा मते व म् त्र) मिक्रार्टि (क्रिस रहार) मानीकी त्रो (किस आधुरक) अपवृत्ति, (अपव कालास क्वाइया) के व्यक्त १ (क्यान म्हात) व्यक्तिन सिमें रे (समें समें बुद्ध) श दिन् (रेट) [ला अंत ट्रा (ला अर साम कार्बता [विक्ट]) क जाम (कार मात्र) अवस्था अठ- मम्म हेरी-पालिए (नवाला मुनियूम प्र2 हरी व अमालि) अवकाली अव (देख्य कमा विका-यम्य) अन्तरहो (मन्त्र कार्यमा) यम (भर्मा) मम (जाभाव) समामि (हिट्ड) (अमर्जार् (विशाय कक्म) 11 (स (लासक) न्यास्त्रीठ (मेन्यवी न्यांचा द्वा) वृत्या यत (वृत्यायत) मवीमकित्याप् भावि (मबीन किनिका मुक्त), क्रूप्रायाम-प्रल्लाहिकार् (भूभाराभाष्ट्रा), तर सुरक्षांड्रां

(मबीम अवकलानिनी) भगवधन क्षीयाए (महीत अर्थ की या वासी) मल्य (त्यात नकीर नगरक) ज्ञाय क्रमणंग् (ज्ञाम कृष्णव बर्ष्ट मिनिन इवेट) मयवानाका (कार्यम्) अि सिश्व मा १ (अर्क विश्व म छार्व) अिक १ (अउटम (अउटमामी मी इदेल) का पानी-व्यक्ति (किया मणी क्रिक्टरिक क्रिये क्रिक्ता-12(47)11 bel प्रियांना निकामध्येय ट्या विना म- मुख्या -क्रमूर्य हिमीतम् (भव्य विचित्र मिण) किल्लान मना , जम्हि विसास, क्लेन्स उ यार्थी अवनामा भूतक) मिळाए (भर्वका) शकायल व रिमक का निर्मि । भरा व एपे (विश्वक लायस चेमसनं ल वै य म में एवं सव म में प्रमीतः) जन्द (जन्ने किस्टिट्र निवर्) अलामन-द्रापा (((किन्ना क्षा क्षा क्षा विश्व से र्यु) यूपः (शर्यार) भूमिकिष् (त्यामाकिष संस्वार) मभीभावान (मभीभाने न करके) र्वार (र्व) कबिल्टिन विणामि] अरिवृद्धावन त्रीभि

(कार्यावापव काकाराता) त्यां व- भागड (व्याव व मीयवर) ७९ (अर्थ) श्रीयम् सम् (कार्राटियं भूमत ७ वृद्ध ((प्रका कार्ने)। १०। 1 मार्स (८२ मामां) त्याचा बार वाम कर वि-यर् व ७व - ८०४ - हिल्ला हित्य का एकारि: (त्यानाम कारे अरित अंस सम् न हिट्याम विश्नेत टम्लेक्ट्रिमार्व व) देख्व- त्याम पक्रमण-छतः (देमता टक्त भूक्ष सं तथ भाषाटम म विक्रमभूत्र विवास कविएट व मात्राना) मर् त्वतक) भूताः (मर्विसटम् अवस्तिभूत्रे) कुल्यानं कार्के हाः क्षितां के क्षितां के त्यां के हिर्देश) वर् सम्भाभसम् अहिसर्काव दावाः (जन्हिर्ड मिनिड़ कारि आसी अअंत्रभूत्र निष्टि (आ अ श्रम क विकास विका में मात्राका) पिकासकाव समा: (पिक व मानकारवं विद्धिण [जूपि]) जाः मार्थिन-विद्वरीः (स्रेश्वरं एपं मात्रकामप्तं) धन्त्रवंड (धान्मण्ड ध्वनमन कब्)॥

िए माम । ज्ञी] नी बुका मिलित (जी बुकावत) इं भी डक्ट्राइटिए (इसरीमाने व डक्ट्र्स), जिमी-कून-क्रुश्न (त्लाकिमामारो न क्रुर्यनि) मदेवत्क की सार् (मृक) युक मसू ब्रमाने में) त्कला: जा अविज्ञानि ह (किका वन अ न्ज्र विभाम) काप्य मृताः (कनप्र म्मानव) अविनानिवार् मिट् (ब्रामक्म माडिड अरी-), यव बन्न की-क्षितिकरार् (मबीत लागा उ उक्कारिय) आरम्बर् (अवस्थव amaria [नवर्]) अ धमार-क्राक्षेत्र (७ म हाकिए शहीं)-मार्न मृष्टिक्षीत) अनु कुर्य (अनुक्रम्न-कारी) आरियाक मक्ष प्रभेद (मिक जाविजी में मिम बक्रम्मलम्) अम् याचि (अम्ममन व्यक्त वर्ष (व्या!) कि सम्मा प्रिम्त 5-6-1 (नवीत किल्लान्यू गल) डेउएग्डन्- विदर्भागत. प्राप्ते (देखलाखन मुक्तिमीय भूगियर भागी) मरावय-माराज्यम- अनेग्वादिनी- एआजि (अप्राट्यमयन अयम डेक्यम न मम्मी न नी अपादः)

माछ्छर (सिरास हरेमा)। सिटमार्यम- विष्य-कारमाहिन् (अनुभव अवसादार विविध काम-विभाग विश्ववं भूवक) हुन्मवग् वव (भाग वृत्तावत म उस रकरे) विभाग्न भाविष् करवा वि (विश्रास् प्रम काई किट्टम)।। [मंद्राया] प्रिष्णः काग्रकी छा- वं प्रविवन्ता १ वज् क्रिया की का कार्य भव के आरवरण विश्वत र्यमा) क यात् (त्यामाय माम कवा वर्षाट्र), के म्या (कामान का लिकम्प रंद्राट) किए आसार (त्याम् रक्षेत्रे वर त्यावन श्रेट्टि) हिंद्र वस्तर् (हिंत् यक्षेत्र वा आविधान कर्त र्राटटर) किंदिक (रकार कमार म वणा र्माट्ट) विद् देवर (८०० वस्तर् (कास कवा उर्देगार [ara]) । किं इंच ह स्टीठ० (काम बस वर वा अरने कवा इने गाटि) कियान न कलम् (रेयाय त्याम क्यूमकान कार्ट लाख्यम [(क प्रेक्ट्रिय ! (कासका) केल्याचयवत्म (अर्वेष्यवर्ष) २६ (१५) क्षिणावं स्पर् (थ्यावं मभास्य) अधिष्यं (अधिष्यं कवं)॥

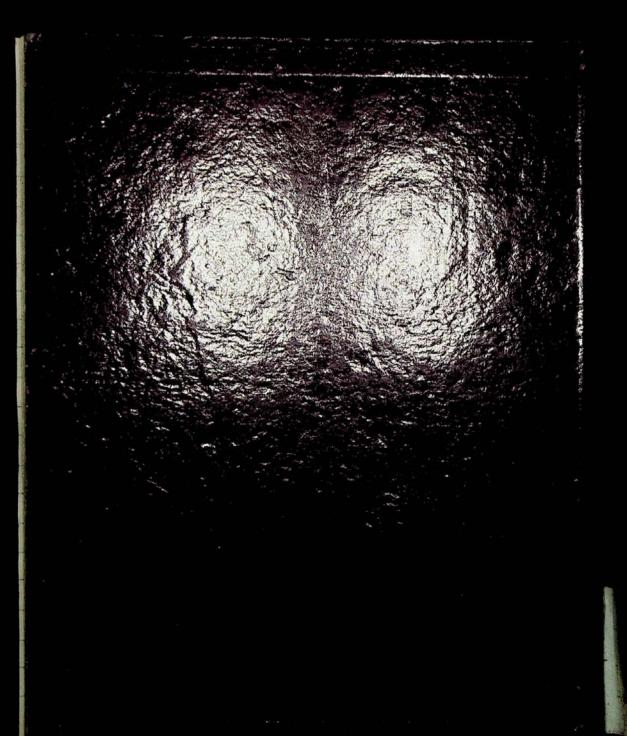
इन्ध्रेय्रीमार (केन्ध्रमर्दि) न्यांश्रास्कर्ताः (क्यां वासाक्क) देसाय सरम करणार कलेट्या: (डेरकरे कपार्यकताम डेरकार्केट इरेट्स) व्यासमः (अभीसने)क्रमक्रमि (त्यासम्बर्ध) टकमात् व दी हि (डेन्सार्य कमा मार्म वक्षत करवन), ज्यार विपरित (धनक्षम् प्रकापन कर्यन) वस्तर्वास्थि (वस वाविधात कवात) लामानाष्ट्र (त्वाचम कंबाम्ना मारक्षेत्र) ३ ८.२२ (१८४) वीना-बर्मापि (बीना उ वर्मी अइंडि) प्रिकाल (किस् करत्य) महत्राम (रिक) क अंद्र वाच करा) जा मंगर (जा अरह (वं) बार मंदि (शुम्लादिन नाम) करन्त [नवर] निक्सर् (ज्यारमध्य) त्यानमे क्षिठ (त्या है ग्राप्ते के अस्ति) कर्ड (अध्यापत) अक्वारि (अध्यर्त)।। विक्षाणम् वीक वाकाण्यक - विद्यान प्रशास्त्राणिकानम्-मार्ख (अनिमिन्स में बीम बास बर्म अ विवस सदास्थातिस्त सम्मे माठीक) स्वित्ताकाम्प (क्रीम्कायत) अधुक प्रमेव व रिम्न व्याप्तिः (विकिन सर्व वरमव लाहिनार मिल्मका के: लाम

(८४१४ वक) क्याम: किलाव: (क्यामवर किलाव) कमा हि९ था उठ-मर्व - मरा डाव- मर्कन मुक्ता (यगत कर अवस्थिति स्थितं अस्डिति अर्म अभाउ मा विषर]) अठारां र भारे-टेसक्यविवस-लामिन नी किलार्थ (अपि करणे देण्यानिक सूर्यम् स्यो-पी छ्यानि सिक्ष्यस्वा व्योधिक किलायीन मार्ड)हराहि (लाखा MY (0(24) 11 विस्म कार्येण- बीबा- (कार्मान त्वकार मातुः (मर् बीकस्य म्रिय लाग्डिर्ग किन्नीम समेत्र सद्य) रेक्प वस २०६ (क्या रेक्पा वस सम्मक) 700 (1) रिर्वेबंड (श्रेष) व्यत (व्या) अन्यि (विवाध कार्य वाहर वाहर (१० अ१ विषि]) ज्य क्री (जमार्क) मिस्सी मण् (धारीम) र मार्चीनीन (मार्चिन व्याम्न) रेची ती (अवस ला अम्प्रवास्त) (आव्युर्ध्य (एएव ३ मम्मणी (मम्मणीय) व्याप्त (वार्य (वार्य वार्य (वार्य वार्य वार्य (वार्य वार्य वार वार्य वार म्बीकाव कव).11

व्याचारमाः (क्यांचाचं) लायक्या के प्राव्या के व्याक्ष्वार 201 (कन भव्मविश्यम ଓ त्याचाक्कि) अमार जारि (अरि क्यां द्रेट) एम (एम मक्से) त्या कुंग: (लाइ दुसेंक) ट्रमुंब द्वारि हे बंग्याः (ट्रमुंब कारि छ इ में) टक्षाक्र सह: (हेक्स में इर्र मा) डेक् प्रदेश वन (अन्ध्रिक् लाखा-मकाडियाया) नगरमन् (निकृक्टलप्टर्क) निक्रम्भायमं-यणि-विक्राको (मिक)काम कृत्रावरम इजिनिमारियं लगे) आग्रमः (मिलयं) अण्यीमः सिमार (वकान बमीहर कार्ना) अकत् जाल ब्रम्म अपद (मिल्रिस व्यवस्थित) भ्राय मार्ड (भाषिक करम) , अपुनाम लाम ([जाप्रका] (अर अवत विकि टमरें कारि वसं अम्प्र ?) माबान: (क्यान कार्ब)।। ि मूर्वी मर ! त्वामवा र्मायम-मय क्ट्रि (कुलायत्मव मबीम कुन्द्रास्कि) सम्प्रास्त्र (कल्लिक् मिर्यम) ७९ (अरे) लाक्षी में भारता प्राप्त । मिट्याम मिल्रा (टामेन ड मी मर्स झामर्स

विश्विकि किल्मान्यू मलाया) प्रत्य (कात कन)॥ Del [WXXX : Dig] Cupalemy (mollina em -कर्षक) राव (अध्य) कत्वा १०० लाह (कत्वा अत्य ररेगार्ट िप्टे]) अविकायमण्युर (जीवान-प्राप्त वर्त) मानासा के स्टारंग : वर्त (म्यासा-कृष्णम् ज्यु [नवर्]) मिनज्यु ६ (मिलम् ज्यु) अमा (अर्था) भाव (हिंहा कव)।। [तः त्रुचीयतं। (व्ययं विश्वास्त्र क्ष्यू क्रीड -201 र्षा रमार वर रिकारपर रेने के ती के प्रिंदर बल्या (रेक्रे) क्कानुसाम- प्रामन- प्राटक्षे (क्युकेकार्यक्षाक्ष सर्ग्यायतंत्रं मानमर्थितं सद्युरे) लिको वे क्षार्क (अवस क्षारेकाव वसु) विम् (लाड क्वं)॥ मरानम् अपान (भव्य- मुभमन) (कर्ण प्रतिष्ठ् 291 (वस् विविध एक मर्गाय काला) यर ब्राम कार्ड (८४ कुआ व में विकाल कर्षते), ज्रमिविलय-हस्कृष्टि-एषिः (अया वर्षे अविलाय हम्रक्षान-लायवानि) रेश (नरे) बुलावत (बुलावत) का छोट् लड़ा (अयाकाकी लाड किन्याहर)॥

जर्मिस् मूक्- हिमा प्राक (र हिवामिस् विसू-251 प्रात्वत्र प्रम्मकलानी कीय! विभि]) हिल्लाक्ष्रम् यक्षेतं (हिल्लाक्षेत महासमेतिवं मम्मारक भागम्य), जारुकारमार् (विदिन-ध्युध्यं) ' लख्तं लायमं (लख्तायमं सम) अंड भढं वर्दे (इमार्ग वर्दे एक) के महिर्धा अवर् (क् एक व्यक्तिक क्रांभ) भाव (कात कर)।। (क्रिम्सः जूबि] क्लायंत (क्लायत) 166 ध्यादायाय-कमर्भ-नय किनि- व्याप्त्री (कल्ल्वं महीयत्वाम् रागं लागुरा वंस्रायतं) यसे (धिमम) ध्यवन्यास्त्रमहर्मात्रे (क्लें ड क्लास्वर विश्वर प्रत्वं) डिक (डिकेस कर्न)।। यिश्र अवकर्ट प्रधाल ।





EXERCISE BOOK

ACM BM COOSS

NO. 4

भिष्य भारत मार्थ कार्य मार्थ कार्य मार्थ (में भारत कार्य) 500 Eggin was 1 ित्र माम ! वृत्रि] भाउ छा वाबि त्या दिनी (निक हि छ न >1 लाक्तिवित्ना भी) प्रमा ना बक्षिः (अर्थ आक्ष्म ना बक्षान्) लते: (क्सम:) जानाण् (भावका मन) प्रदेश (प्रदेश) प्रवट् (प्रदेश) भारतिक छि छ छ १ ध्व (निम धाउटन स्कारतस्व स्कुन्रे) प्रक्षीस्थार् (अकार कर) अपर (अर्थर) । भून हत्न (अरवन क्यंत्र अपार्थ मस्ट्र व अटीड) क्रार्वक्षनेकः (टम्डे अवस वस्त्वे अला प्रति कविया) व्या र्क् (क्यादी व्या सकतं रिक्क) विद्वाः बारावार (भारतार कर [240]) पिया मिली (शासि दिन) मुलाइकी विकामिताः अव (मुलायम विश्व बी की वाबी कुटक व) दार भाष्मरव (मामा हेर्मार है) भी मेठार (कार्लेसिटमांस कर)।। प्रमार्थि विक्रिक्ष विक्रा विक्रा विक्रा विक्रिक अक्रियोत ७ व मध्याक) वीष्र (wo करा-लूर्वक) विछए (मर्यक्षाम्की) अका मेर भि (क्लार्जर्म इक्लाउट) अविम (अट्चम कर) भू वर् (जमार्ची, असम्भद्रम) अस्तेकारिक-कार्ने - ते कुरे वार (धारो क्याहिकमारे व

लासि (के क्रिकार) माना (मान कर) वहलाय-(द्याय देवानिकार्त) देव्हानि देखानि (क्यानः दे निक्सानी) भूकी बीमानी (अभ्वाम विषय-अर्घटर) धार्म यनं (अयम कनं) विभ (धारहनं) यमि (यमि) शरमान्यत्म (अव्या डेक्सम) कृत्रावरंते). (वृत्तावमवीर्य) यम (यम कव, विश्व श्रेत) ज्य (जरार्य) कियामि (स्मात भन्द्रा विष्टि वस्त्र) मिलि (लाड १३ त्व)॥ भव्भवमिति (भय्भ वृत्मव मर्याउभ धार्याव-वक्ष), कार्यकायाः कातत (अविष्पादमव) करण करण (कार्ड करण) कार्रिक: (क्यार्ना मिठ) धनस्तीना-स्तिनिथः (कल्पनीना प्रिक [यत्]) वस (वमार्था) नकं नकं (याद वासंद) आहिलपूर् (कार्ड अर्म) धार्व बी सार्व बी नार् कारि: (क्लिटि लार्बेस् मिर्के के) द्रमं हि (द्रमनं डर्ड तिहार) वादा (वादा !) अ: (वादे) नाम : व्यक्तिना व: (क्यासम कुल्यान) त्वत्र स्था ते सह: (इस त ज्याकार्त वड रहे या) व्यानि निष्य (व्यान अरतेरे) कमार्थम् (कमार्थनामिक (आड ना कः)

टमारिकारिं (कारिकारि) विकासन (जिम्) भाव (भावन कित्रिक्टिय)॥ धारे (धार्म) अकि छात्राव म म : (छा छ । अवत्र १रेमा) नृष्णवत्रमण्ड् (कृष्णवत्रवर्ष) रिग्यमेर (अवसरिम) कि प्रिं प्रेमि कीरिएड) बल्प (बल्मा कार्वे, भर्डे अस्य मर्भार (अस्य अवार्षे) वक्षादिक-मून-मन्त्र ह (अक्षाि दिवसनेटक) न प्राय ह प्रता (प्रेष्ट्रमा ७ का म का ने मां), व मुक्तार कुर (लाम्बर कमर् लाकमोर्ट कुं।) सप्त (लास्प्र) इनंड (चर्च अप) आदे (हैं है) ट्याहिः (खिलाम (म) क्य: काम (खर वीक क हत्र 3) अव्छ: (ब्रायमकार्शक धाराषा) अस स्राःन जारि (मिन्ह पत्रे भूम स्वाप अठी क देन म) II [(क अअ! याद्या] हित्तिमात्रीत- (कामा 6-राष्ट्राप्कार्ड-अक्टान्डक्टार्व-रम्पूर्वामिक्-मित्रालीन (१६९७ जाहिए मिश्रिम कामिन आध्यापक जलिनिइनि जनस्मी हमान यम जुर्वात्रिक् व अवाद्य सूत्र मुक्त वियर भात्रा])

मर्वामका मार्टिक न - मश्र ट्याम टामेट्या; धामार्टि (अक्षाउनक निमित्र धातला व विम् विवन भन्म (अमानटम भानेश्री जिम्नी) शकी-क्कामविश्विक्षि (जीवा वी क्रक विवस्ति। विश्व व मृती [क्ले]) म्लाव की (क्ली वृक्षा वसरे) ज्ञान मर्थः (सर्वाभी रहेमा) सर्वम (वाम कर्)।। थव (८४ मात) प्रचंद (प्रवंता) कन्तर्भ बीला प्रश् (कल स्तीयामायी), किला नाकृषि (किलान-विभाव), त्योत्र नामा समास्तायत् । शत्याव पुर (टम् ने व न्यासम् वर्म मत्या का त्यादिम्) प्रवालक प्र (प्रकार व लाक प्रवास करता हराहि (विवास करवन निवर्) यह (यात्राव) वास:-शादिनीय (नित्र धार्म अट माट माल)कार्न -म्बा-नका मु (मक्न ७ नक ल त्व СЯБА कता रूत्रे साहि , [ans] केना (करक) त्राम्यक प्रके में के में में दे (रामक स प्रके में में में में में (ला लामानी) मुलासम् ([अहे] मृत्यायत) लाष्ट्र (सिवं हा (क) मर्मार्ग (लामगं 22 y shad ;)11

[तं माम!] यन (त्यमात) आतीय जीवर (आरं पात व मालवर्) वर्ष (में मा) (अन्त (ल्लेश रमन) विभिष्ठ (भाषिवान श्रिक) नाषुन्द-प्रकल-(M)राष्ट्र: (स्वर् उ यह कल भारे गारो दी हिनामी), आकर्र ती लट् (विहिन ती ना न्छ), निल्की जा सम्बद्ध (मिलाकी अस्पारिक्य) आतलात्रिवार (आतलात्रिक्र पुनन) नामनी-खरमन- मारा ता पूर्व : (माराविषे मर्भ, अरमन उ स्या को पूक स्रकाटन) मल्या (विश्न प कत्त्र, [जूषि]) रेक (नरे) मुला ब मा छ: (अर्मायतम् अकाष्ट्रम्) मार्वि विक (अवस लार्रे अंश्र क्षेत्रे कं)।। [क्याम] ब्लावम ड्वि (ची ब्लावत) निक्र-गुक्त मार् न मर् बाला में टिक (ला न वाला ए ति माउ र अव सम्बीत विचि देकल्यान टक्स नारी) निक्रातामा अकरे मुखना- मार्चे गी-मान्रिर्वलं (मिन्ड न मन्यारन न छ छि युधान ७ धार्य-यालिय अकडेन कारी [नवर]) ति त्लाप्यार्थ-अित्र विभाः । स्थानिका भे भे (निवंड न

मानिसीय तिका त्वय भागमानिक ट्यामियकम अर्था भन्न आदन एकं मकं-मानी) तमे न्तीयन (त्लेव् अर्मन कर्ते) विकास (विश्व यूलमाएक) मिछा९ (हिन्द्रभाम) ७१० (७० म कार्न)।। ट्यार (मामात्य)मार्टमर्क्वी (१६० सवा प्रार्थे) मिछ ९ (मर्स) भी भाका या- व प्रिक हम्रे-क्ष प्रार्थिक - मका ए विश्वारी व्यापन असम्भाष्य सर्वे आहम) काम्प (Causas रहना) व्यक्तिमाडकार विश्वमा (व्यक्तिमा व्यक्ताम-लानिण पाकूनण-मरकार्ष) भीन मुकारनाहः (जीकुलायाम व पट) हरन) बंद्रार्ट (भावे बमर्न कर्द) ' एम (लास्त्रक) में सून (स सक्) में द: (प्रवेष के) कार्य आप (व्यार वंड) आरा (व (अम् कार्ड) डाक डाउनम (डाक म्यू कार्न) मिस्टेड् (नाकिं रहेक)।। यम् (यात्राम्) नवाकि विक्यार् (काडिन व ज्यातित) अहर- ट्याक्ट्य- हिन्दु वा म-क्यूमाम्या-भून-मण्लीजनहाराङावि (विश्व डेक्वन दिक क्ष्रमादिश्वां वार्ष्म् उ मूलीक्त हामा-

यरकाद- में बराह्रकर (क्यां अने क द्र व्यायम कार्यता) मूक) ज्य (जनता) देन न तमि कुन्ता स्ताहर से स्वाहर के महत्वास के मेरान सिंह लापकारेशिए (निवर विकासने स्मारक उ ला म बंग्री के [नवर] सीम्ब अभी मेर कार्री-बारा भावेश्री) कुल्झ कुल्झ (अविकृत्य) हमान्कान (अलाव्य कानी विकान कार्यमा) ०९ लाइ ७० (CHS विक्ति) बरामड : (कालियेन ज्य मुगम विवास करवन वृत्ति]) जिर् (सर्वे) र सावप (व्यावसावप) माना (याप कर)।। किट्टम विक्रिका की उ- शूर्ति व्यान विक्रम प्रशासन बीकाण्य- पिनड्- कालि: नामका मिटको (अर छनेनरम्ब व्यवीक अवि भून हेळ्या उ । निर्धन भशकामबीम-यसमारिक (कार्यिक अस्वामसमानदर) किमाल (काम ७ २क) आम्हर्य (अवस्मिविष्ठि) ममर्ग्र (ममर्ग) भी भर् (भी भ) धारी (विवालधान वृश्याद्य), जाभीन (जयार्य) कुला वनर (अी कुलावन काम [नवर]) जन्वरामि (उत्राक् मिन्न प्राप्ता) क्रमहरवः प्रम् ना (अरमन्त्र नमध्ये)काहिए (क्लम नक)

र्के मारी (मिक् के मारिक [काल्य वार्टार]) ज्य (जमार्ची) त्रुवाि मिश्री (आलव्य विटि-वितारमं लाबा रश्चम) ना व्यान के किएला (की ना बी कुक्करक) का विद्या र (क का ह का नु नाल न प्राहिष्) एम (त्यम कम्)।। 221 रिस्मरमा क्षिम रामा कामि वृत्या परि (व्यीक्त्यवत) अक्रिका-क्रकत्याः (व्यीका सा-कुटकार) ७९ (००१) मिना समार (पिन सम [3]) पिका कला में कामिश (पिका कला न कामि) हर्षेर हैं वेर (एक्सेन चिवर) अधिकी रेस-वाती (प्रमी वन प्रवाच में वहन) व्यक्षा वा (अवने करिया) नमाकि (नमभाभद्य) विसार किए (मिन्न प्रदेश कि ?)।। २०। लास (लासा [म्याना]) लाजे वृ कि ज्या व कर (जाडिम व कि ला नुन्मानी) न यह मयह (मिछ) मुख्य) नभू: प्रति (भावने कविया) व्याप्ति (व्याप्ता ! [व्याता]) नवर्गवर् (मिछ त्यम) न्यम-यसमा ए यू वर् (कमा (अव अमा ए विस्म स्वाम) बर्ड (बर्म कर्बिया) विद्या (व्या ! सिराना)

लानी हुआए (म्योमले व्रम्स) नवर नवर (मिछ) त्वत) मूस्रशाद्वि (मूस्रशामिक्ष्र) प्रि (अवार अक्राविक कार्या विवास कर्यम) बुकायत (बुकायत [अर्युक्त]) हेल्यं बाध (में सम्बिट्स) लाइ द लाखा (लाखा ह) हे आ (तम्मधाना) विवासि किं (अम्सामहान दर्भम कब्र कि १)।। मार्क अरहर सम्मरमात्म (व सिम अरहर सम्म-(सार्म !) पुर (umal) कार (करन) मम कारणान्यम् अर्थनः (कारमान् ने न्यानी-सीना बीन भार्ष) हेक्समार्थ डिन्स् डि: (अयम कन्नर्भ-व त्र भूकराय) डेपारामिनः (धाराव्यम रेट राम्म मक्साद्व) सर्वस् (कल्यला) आठिछा क- मुक्ता है हेथी- मिक्स खन स (ano-श्राम क्य क्यायम निक्ट्य) अभूम न भंग १ मण : (व क्रामणामं लाज्यनं पर्यं) यमा प्राविकास (ama anana (प्रश कार्य ?)।। अभ्यत अवरे आमत (क मप उ वा लक मार्ट आवरकारियं लाकित्य) क्रेन्ट: वव वस्ताम्र

201

101

(कर्मन अ मा अभेकान मार्का र मान जाममन) अभार में बाह्य हर (लाबा नं अभ्याप साम्में उत्रिष्टां देर में [नवड़]) अपुक: नव ह लग्ने यर (अप्राम अवंत्र लवं अवं प्रकार ८००) प्रदा (प्रवृत्त) वाहिन्त किकाता: (न्या या के क्रिकं) क्रिक्स थ एक क्ष्रिकं (अमूर्य त्मे वृत्र तक तक [3]) शाजिता नुमन्-व्यवम् (विकिथी अवस्व दिस्व हे नुप्रवम्) रुषावन् वि (१३ मुलावन वामा (क) मान (ध्यूमने कीत्र कर)।। २१। रूक्षवत (रूक्षावत) मञ्चीलकी कार्य परे: (झालक्म जीवयममक्ती) रावः (न्यीकृष्ण) विस्मर्कपम्म मूलालमी (कप्यावक् मूल लामित अर्थक) से बार बिल्लाकी (च्या दी सार आठ द्वि भाड कार्या) स्वती १ क्रियं म् (श्वती बापड भद्रकार्य) अमृति (श्वाम देरक्ष विष्ठाव कविर्वाट्टर)।। अना कालिकी भूतित्रवात (जार्थ] यसूमा वृ जीव्यर्थ वनवर्षा) (अल्यन-नव क्नु-न्नानिन-नावि

(सामान्य के के बिनाम के मंद्रात्म) सार्वा अर (की नार्वात मार्ड) । डे वारियेट् (डेवारिये [वनर]) प्रम्ममभी मुखे (क्ममणी मभीनात्रेष यारी (साज्व) केकर (ज्या केकरक) लाजारत (का सम् कार्ने (वहि)। २०1. [ansigi] क्ट्यू रे (क्यू मश्य) अन्यं त्यान-न्मार (कल्पकाल न नम्बलाडः) नर्ध (अषित्रामादिन) विनिर्धाम (विष्ठा व शूर्वक) या छ व स्वाविष्ट ((धार्य माविष्य विकास का वी) ७९ (अरे) टाले नमाग्य-भूमणम्- किल्लान्-विभूत् (भोव अभाभवत किलान मामने में माल के) हथा मा: (व्या मा में अर्म किन्।। २०। भीनृकात्रमञ्जि (भीनृकात्रात) भिन्दा (अप्यापमा) विला रमणं की डाव महत-मिर्दे : (अन्यम कल्प की हा नम न्य-अग्रायम्) डेपि नियरे : (७ स्थंस विश्वार्ग) आरमानि व साधि (एर अर्थ) व्यक्तिस् आरम्पानिक इरेम) जीवभाव मार्प

(काम प्राप्त व्यक्ति विश्वत वर्षेत्र) यता द्वामी [अधीमने] वस व्यक्ष छ) श्रु त्यलादिक वृत्ते िंद्रायम्] डेडम ट्यम पृसादि मम्मादन कार्व एक) म आका: (अधर्म मा इरेया) किसाम जानमा विवस्त विचि धानम रूटमर् धाक रमयहाः (धाक्रम कर्नार्य गे) अवर मः (अल्या राम) क्विलिय)।। (अभा लक्ष वश्वहिंब) समक् जार्थ पूर्ण में ९ (क्षिके-वं त्रामा विमार् णाक बर् (अवस डेक्ट्र सम्बं त्रवं देवम टमाडाय धार्याय [मरा]) व्योशसी-मुख्यी-सतार य- प्रान्त ना छित्र द्या रत् (त्यी वा का कृष्क न क्य अवस लाक्ष्र वा व वा व व व ल व व न तार. स्तक [व द भारा] भी मू विश्व वि- कार्न-टक्रिक एरेंग:ह (क्रीम्लिय्मामन कार्ड, कीला उ को कूक बालि बाना) आन्हर् (आहे। बिहिन, [पूर्म] अर्थायम तिषय (बीर्यायतम् वर्ष (बेल्ब मसूर्क) अहः मान (क्रांस केम कन)॥

2>1

अवामन र्याकामम (व अवस्पमणसम र्यावम!) 221 ट्यम (ट्य) व्यक्ति (मर्दार) मर्ने नर प्रतिश्वत्राम् न्य (काला मुसर्न छने गामियरे) भी भटि (कीर्य कट्ड , [अरे]) आमममा (मूल्य म्) wo: अ दा (रेश्य अव) का अव मा ट्या हा (अन् कि डेडम त्नाडा १३ एव मारत ?), दा नुकारन (धार्म ! नुकारन !) यहि (यहि) टका डिकी बन १ अलि (टका डिकी बन ७) प्रड: (राम धारमा) धार्कि कुद्धर् (धार्कि कुद्धमाम) काण्य (मन इम्), वरि (जादा दर्शता) जर किए जारि (असमा जार कि जारह), पर. (यादा) विनकत्र (कार्यक करत हिम्में कार्र) हेटलाकिट्र म आकाष (हेरलकाव ट्याक इम्मा)॥ मार (मार) महत्व्यमिक वमालाताः (अवस त्यमः 261 चंत्रसं) न्यांसिक्ष केक त्यां : (न्यांकाक् किंक) लिट्य (लिट्य) अर व्य (अर सम्मिल द्य) । लाउं: ग्रेजा (प्रमुक मध्यनी भूर्वक) नी ब्यावन प्रद्रत (क्या क्या वटन) मेरी गढि (काम कार्क)

व्य (बाय इंद्र्य) सस (लाम वं) त्मक्वः ल मंद (त्यात्रक्त टलकडम्) म हि धार्ष (भाकत मार्यमा) क्षेवः एम (क्षित्रक क्ष्रक्रिते व भारक मा [नवर]) मूब सारिकारि भाजार टमा (अव अव तें दे विष्यु क्यान कार्य विद हत दर्भा) म धामार किट (धार्मक कि), धार्ममा भार E (मिश्रिम बमारव के विश्विक के रहि) ति (व्यामन) लगंद द्या (एक्स्म केलिंग उम् द्रव आ दर्म)।। इपावत (नीव्यावत्व) वण्णमः (नण्याति) नी का का मू क्री रेवा जिस रेवा जी अमी जापा मुल-क्यालीक्याहिए अर्रवस्त्राही विश्वका करकन अव्ययन क् कव् ७ हव्येक यात्र का सर्वा डेल्यानिक लाई भूर्त इस मानत्यं) धाका समास्याः (हिड मिल्लाक्किक कार्यमा), वसमा धान स्मार् (लक्षीरप्रधीय छ अर्थनीय). अष्ट्र (अष्त) टमुहामार (टम्बाट्य) अस्वित्वर: (माहरड्) रहा लामार (वरंत त्यु लाम) नाती पूक्षमतिक्छ) भिवासि । रेजिनाहर व्यक्तम्बर्क) मलाहि (कामक देवाहाम * (O(2) 11

281

माजातम मुकार लामि - मना भी लियु - मुका यत 201 (क्राया ट लायम यन सेहा सिके डड़िक क्राम्ट व्यावनम्य अवस्त्र वीट्यवं व्यक्तित्रं) प्रकार- भूका- कामारि मस्य व (भूका कामारि यस्त्राभिवं अकारम यू प्रमुक्त) व्यायीया. कर्यर (विकाविसम्करं) धराधार्विष्म् सर् (सद्म सार्म मूर्य) म न मिन स में : य-में विवार (अल्लक मः अ मूर्नि हिंद मृत्य आविश्वाय निवलन) हेप्यर्थानकावि (मिन्ड न ल्लासम्बर्भन-नानी [नवर]) यूनी रिक: मूजर (यूनिवन्तरोवड क्ष्याचाक) येलव्यामुमर रेपर (यस्त्राम र्क्स वायिक) लामास्य (सर्मा) राष (अभाग कार्ने)।। (त्या नं त स्थात कर्) (त्य में) (त्या में ने । खितर) (क) हिलाईस (में मेरे हैं के ट्रिसेंड-गुगन) (क्षेत्र (क्षेत्रिय में) विग्र (स्कि) क्रिके कि अर्थि अर्थि असे अर्थि। लाम्म (हत्त्र क्र्यूक) खिलाः (असम्बर्

त्यान हिलान क्षा (कार ह हं लक्ष हे व देश कर्नमा) , टब्नुका ६ ट्रिंड अनेपर (में का येत म्र ७ लक्षा) मिला म (मिली ने व्यक्त) अय (क्षित्र व मिल्ला के किन के का की किन किन के न [3]) अर्मि भीकेर (यह जान कार्ने मा) प्रिनर-क्रिनि क्रवाक (प्रताक्ष कात्व क्रिन करवन), बुलावनीमा: (१३. ब्लाबस्त) ५० (छ। दूला) हेर् के वसा: (१००१ व्या के भिन्न) डारि (विवास कार्काट्टन)। आका (आका!) प्रख्या: १७। रेट्रिस कुलारेकी-आगिश्रस: (क्वीकृत्सायम क् नरे अकुडम ० कं बार्ष) मुक्त (अपि विकाल राम में कता (में का का था विकास के य दाम्येका) विकास -राज्यानमा (श्वक सं अ से म प्ला हिया) , अंत्रकात्र-ब्राजिक न का वर्षका (भूतक नामिनी न का वर्ष मने-कर्क) प्रशामिका: ora (omaisio र्यंगाउ) के के क्या पंचात (जी के कि व क्या प्रायुक्त क लामें बाम प्रवे) संहः स्मारियः (ध्वं दिवं भू तक का लिया विकास भू विक) धार्मिक - वी सं अव: (rate is a ay a se co a se co) onen a o e

असर् ह (मिलाटक का असरक आलव सकलाटक) र खार ए (द्वारिया भाग)।। लाश्टरतिया (अवस ट्रिंब) एप्रं अग्रेश्य (प्यां उ नगरवर्ष) त्यममूर्ण (त्यमम्मविष्य) त्ने किटलपट्ये (मूमिन किल्पव्यू अस) ्यकार (म्परात्त) पिवार (म्यावस)क्रें में मन-किस्त्र (लूका ७ सल्ल व मावि) ध्यापा म (सरम् भेष्य) सिमः (अवंश्लं अवंश्लितं) त्वान-हिलाप के का (त्वार व हैते के है विष APAI) Contrato Cusóminso [Taso] 成部出产 的五日 如形山) 图如大(() () 如此) वाम (व्यत् हर् चित्रा एत्]) यह तर् आका (यम डिक्रेन [७]) श्रीर्वि वीष्ट्रा (यम वान-व्यक) दिन कार्य क्रिंट (शाम महा दार की छा कटव्स), बृज्यवती मा: (अप्रिज्यायात) (७ (गरुम) डेक्डक्ववा: (प्रश्वकवावि) जाति (विवास कविट्टर)।। (म किटिव पव (एम काम बड्डिमरेड) अक्ष कामे (पश्चांच राज) मर में स्मरं (गापांच मैका) मावव ह:

(लाजान् कर्तिता) अवयदं चा म्बेल हः (मद्रादं बार्त-मार्स कर्ति भा), कर् थाल टमाकर् अक्षर् वा (मार्य क्षेत्र या कात्र काक्ष्क) त्यालाकनं ह : (पल्य कार्यमा), कर्त्रि (कप्ताहिर) यानित्य प्राची (मायां मिरकवं चाएते) पालकितः (स्मास कार्यमा) जिस्सा वं काष्ट्र ((कारा) जिस्सा के साज) के दि भन्नास (भाराम अन्यासन माद्य) आडिम्बेड: (कीर्टम कार्वता) क्षकिरात्ते र घेता (क्षकिर ति वि शीत एए ए दाइडिशन कवित्त ३) अन्तुमा (७००-मप्रवरे) मूनिवव प्रविष् (मूनी ज्ञातेष अविष) वर्षाम (देक हास) का क्यों के चव (लवक्यें आड क (यम)।। रुग [विमल्म !] भव वन (व्यक्तातने) भनकता-वरिलक ब्राक्टि (कल वक मा बर्ग मानी भागवम-विस्थाने) व क्या भार काल विस्थारमं (क्यां लक्षी अञ्बेष (सार्वतक), टार्म न्त्रीय छ।व (लान ७ मी सवर्ष) ७९ (टम्पे) किलान विभूतः (18 (mis num) Rago (Rag 23 in) यमात्रमक्ष्या विश्व विश्वकान वामल-

बालिन हे वानिहाल विमान भाग) कर् जाले (आय नक) भकारे प्टर (अवंशरे प्ट) ११८ कारे के (बिनि) त्यमस्मर् (त्यमस्म) अयर (मर्मने कर्न्स, [जूमि]) जार्थित् (अपन अकल विषयं) किन्ता (पूर्व विमर्दन करवेयां) उर (अरे) रूका बन्द (रूका वन बादम) नारि (अधनकव्)॥ ००। [प्राप्त!] ब्रक्षातम् सम्मा (ब्रक्षातम् सम्) निर्धत्र विश्व विश्व) मदाकारियः (इस्टिमार्डिं) अहः (अछ)हतः) भामन-प्रात्नाक्यमण् (अकाला मला व प्रात्यवाल) कियान (विहिन) छाम वज् लगावि: (डामवन लगावि:) हकारि (प्राचीय) प्राच कार्य गाउँ या ट्या), ७ मा कार्यो (दायान्ड) अड: अड: (कार्ड कर्ड) उत्ते) अम्मार्भाक्ष में भार्त्र चेष्ट् : (अम्मार्थ्य ल्याकर् । व सार्वार् कार्यान मार्थ) लाइ 0 ड (विकिन) मुला में) (श्रीमुलायम विवास कार्विटिय विश्वी) रेप (जमार्था) ७९ (त्य्र) ट्यां वं भीयं (ट्यांवं व भीयवर्) वंतं

व्यः (त्यानिस्य महत्रासम्) त्य (व्या कर्)॥ ध्यस्त्र वारत (धार्य म्यायम शाष्ट्र) शिवः (अविक के) अदम अदम (निवस्त) कनक-हस्तक क्लिंडिः (प्रवर्ष हस्त क्ष्यं नाम देळात [वर]) भरा अने मं आ र्यू वी वी हि। ६: (अ व म-अने मार्ने टिन् विका क्रम म) वाक के हिलि: (ज्यां कारी द्वारा) निहिन्द यप (विहिन कार्य अकाल सात (य व के तक) व्यव (लाक मृत (दल्त कार्या) विश्वरावि (प्रार्थ स इ'न) म ना बिर (बी ने बिरमायक) वेप (११) किला नर् थाद्य पत किल्ला टिकालायपर CONTRO दे) ट्रा (ONSH ने निकटि) देव ने (अकरे च्हेन)॥ जीव्यावर्ग क्ष्याविष् (जीव्यायत्व क्ष्या वन-621 ममूर्य) आकर्मकर्मिक) अवर ५ विवसमार्थ दी-मान का ल जीकानि (अम्बिन का कून कर्निमान्सु-(यो जाता भू वो (याता वा विवत अवर भात भव्याचि हिन अत्राधार्वेद्याम्ब देवकव्यक्तम् अलाबभ काने ७ त्या विपक्ती व म्या (यला

अवस्तीमं देवत्यान् कारमन हे परम क्र कर्ताना अवस टामेलर्य शवा वर्त करवत विवर याराका) प्रश्निमा-त्मा दलात्मे (भाषाविकी नाह-कमान आरवल कार्ड हलम , [कार्म]) त्री (अर्) ट्यांड काराला (ट्यांड व कारत्र वर्ष) किल्यालं (किलारी ७ किलास्टक) ब्रुटानिक का हर्णा (धालब्ध धानू बाल ७ (व) भागामि (कान कि)॥ (लयशिष्ट्र अवस्ति स्व ल पावप्रें लक्ष्रं बाछ) मात्राल्य में - टक्षा छूमे- अश्वर में मासू भी [यंत्रांग] निवह व देश यह वक्षेत्राची वाहि-बिलात कलर्बर्टमन मश्मप्त), मिना:. ट्यमाि विक्रवाप्त (अवस्था ट्यमिश्वमा-मिसका [अंत्रास]) कहें। एक व्यक्त (व्यक्त मुक्राकरें । जाबिटमाबिटारें (अन्धनंदर्क जान कर्यमा) प्रदार्भ्य सक प्रवार्थित (अंशियाद्य म्यान मर्था मर्था म्याम मालि [नवर्]) यम सम्सम् जा विसे (यारा का सर्वा के टका-स्म स्य अर्थत कार्य काका दिख्य वे प्रदेश)

धन्मने समावित्से (मात्राना निष्ठन शहनन पाट्यरम) किक्रत त विद्वति ह (ध्यत स्मात विश्वरम्ब लक्षा करव्यता वार्यमा) श्रावृतिः : (अभीलर्ग जिल्लामित्रक)) ट्लाब माळ्यावप्रापिकः (टलामन ७ मस भागितामि) कार्यमार्ति (क कार्य भा भारकत), निर्द्याप विवादिष्य -स्यानल-सट्यास देन (मित्राम हे दिन नि सर्मारम यक्षेत्रणीय अवस जामक हे दूसर वकात हेमड इरेम) निल्म (मान) कं मार्क दले (त्रिवहन अवस्थातन अल्याल नाड कवि(०(२न)) अमरिलंक व टमापाद (धार्विश म कल व व टमव देनपरर्षु अण्डम) जीव्या यत्र शासी (भीवृक्षवनिश्च) कश्मानभेटकात्रीडिः (टक्बमधान कला विकास का गरे [प्रायान]) दिवातिल् (दिवा वाचि) या व्यारहरे (कार्टियादिक कट्यंत), अवना प्रमानमा-व ट्या ने छी : (यात्रा ने विका ने लामम्बरमं काल हरू मार्च) मरकायमार (मैमव मक्षवं कर्वत्र) क्षे (См)

ट्यांचकाराष्ट्रियात्मे (ट्यांच व कार्यत्र) ष्टिलायी व ष्टिमार्कटक) मः (मिस्र) मिछें (अर्था) अटक्स डाट्यर (यक्तिके कि धानू-मान प्रकारन) ७ (०९ (७० त कर्वन) व्यव (क्याम) ७० (अयान्त्रे) ७ (व (प्रवा कार्ने) ॥ विक्रिकील व्यामान्यमा विवास- प्रश्न काम वाका प्र- दिया. लागि छि: आतन प्रिकृ चिन - प्रर्वे न ए न - द्वील नृद्धा वागितः (मिछमाडीक भानेसूर्त देव्या उ म्मिर्मा प्रशक्तान -क्ष दिन कारियें म अक्षम्य मार्ग ररे ए अकरिए अवस वस्तीम बी अवक्ष जीव्यावरम् ला के दे) र की। यह (क से सर्ह) व्या गर्श किक श्रामित वंगल द्वारित द्वाराक में द्वारा (न्या का कि क का का का के विषयं लाए कारत). मिल्य (या साक का वि का वं प ने त्र के) व्यानी मान-र्म अ विषय न का जिल्ला म माया: (पा अ-अभ्यासम् सिश अल्याबी ७ अल्याबंद कार्बेटियर क) या अकाल कार्डिट)।। माकी झक्दी य- कियू वक- यम य ची। वक्र जारे कु -वस्ताः (स्ताना म्यान, न्यून, कर्न,

801

यमत व चेत्र संग्र वाहक मर्श्य मार्थ करवं) भ अधिवामाख द्यालकातिकतक लम त्यो किका: (ग्राटार मा मिका न आमा डाटन भीने अ मी मूख-तिरक मुख्यक्त (माडा वार्र्टट्ट), ह्विकारी: (ग्रायादन नार्बितात विकित वमन विकाल कार्टिष्ट), यूट्यम्ती: (याराप्य निष्यु जान विलात), हाक्ष्या: (करिएन भीत), किं के मिल्ला है मित्र में अपने हा स यताव्य), कळ्टलम्याप्रेशशः (अंशाप्त कें। ह नी व डे अरव डे ब्यू म झ छम या व भावि विक वहिनाटः [नवर]) ट्याम त्विने महत्यः (त्वमीव जियहार्स स्थावं हा हार द्या हा एक महारव पकाल वार्व १००१ र व्याप्त) कनक कृती: अपित्रक अपने अमा: प्राचितः (क्याना काम टार्क अवन कार्ड जात्रको है (स्वत्वं भाग दीविष्ठी) साविषा गाः मामिया: (क्के जीवादी व प्रिये प्राविका-भाष्य कर)।।

थर्य (थर्या ! [भिने]) नव न स्माना न दर्भ (तिण्यू वर कल्लानाप्तामम्) मीत्माळ्यत्र धन निष्ठालं (डेक्ट्रम नीयवर समस्म पण मम्रम्)डेड्रभी-क्छ- व्राच्चित्रं: (अवत व्राच्च प्रापल्न) विडमी र परेंद (विडमी कायने करम्म), लमप-वाद्मा क्षेत्र में अदिक समें बे ले कि वे हिंदा) र्यम्भाव वर्षी (कर्म्सल स्पूर्त क्ष्मिस (अप डा आग निवर् धिनि) व व कू लप वता नी।व-अर्भी (अकाकिला नीम तेन नी विवस्त नालिन करवत , [अरे]) वर्मी ब्रूथ-श्रा : (वर्मी वपत न्स्कि) सस (लासाब निकाद.) में बंदे (लाजा-प्रथाल क क्रम)।। िग्छ] यालाम्सामा का च - यद्ग है आनं - क्या वर 821 (लाभाट लाभात लामल का जिंच हरे कत् न म केल (मातामधिक हारे पूर्व) के हा के कार-नमं- एका प्रशाहि (जी ने की क्टिक क मर्भ-नाममाक्ष ध्याममूक्ष) निष्ठ् व (तिव्हुव) निर्धापित् वर्षा यह (अभी म काला प बार्षिक करवंत्र " [पर्य]) ब्लाकात्रत् (चीव्ला-

नमरे) त: (धाराएव) धीतेत् (वद्य क्लि. एरमंद)॥ र्भायत (जीव जाया (जाया) रूपा वरम (भीव्यावत)किकित: (त्रभूवत्रते) किनाहिः (ककारिवाना) यूग्रेश क्षणाभितादिन: (मिलिय पिड्य छत्र स्कार्ड कार्ने मा) र्डार्ड (र्डिकटर्) अर्थ (अर्था) क्याक्रियाः (काष्ट्रयम्) रिवायार विदेश (लासेमामाम डे आबसे इत्रेशा) मूदः (मिन्डन) रूर्ः वेडि (क्रुक्त) कुलाड (क्ला करण), प्राचिता: (जममीयन) मक्टिस्टि आहि पूछा वाले (त्राक्ष मेक्ष्यकारं) तर्नुंबंद आर माष्ट्र (स्तर्हेत छन्त्र करत नित्र) भवेदः (भवेदा) ति हिन-हिराक्ष्यातामाः ह (विदि दिश क्ष्रमशालिक (भन्ड) त्यामीलाहे (विकृष्टिलाड करन)॥ [(इ.स.म.] विषय (वर्ष्य ;) ये.क. : (ये.क. व.) सत्ताव्य भी-माठत: (समाय्याय लामाक) य का (द्या इयंगा) मल: (मार्भ र्रेल) कार्: कार्: (जार नम् बर्यरएक) मान (धाममा माम) व्यासी प्रवे-

सिम् मं: (वर्णन्यामः लाम मक्ष न देव रा सिष्टि) राठ (भाराव) त्याविष् ((अवाव लग)) काक्नारि (का करं लास साम् आर्) विमेश्व (व (सकाम करतं) ouxa (ouxa;) min one (mino) 14 2 in लाल (माडायक: मृद्र भाकिता ड) प्रमामा - १ व (यात्राव माध अयरने) विलय् भगार (लग मास इमं [वैशि]) लाश्ये साइस (लाश्ये)-राष्ट्रियालानी) ज्यु (रेंग्ये) मुला वनर् (चीयुल्य -ब्या वनकरे) आदिशह (ध्रम्ने वर्षे ousy ice (ousi và) 11 ध्यारा (धारम !) प्राजिमम विनित्र) मि- अव्यानमन-टिम्मानका मृजअमि (भेग्यन मर्का निवस् त्या हिन त्यालम में दुम्प स त्या पण सनं स्वी-मिक्र विवास कार्विट न्यरेस्स) ब्लाव्के (व्याक्ताका) वटमाल क्रामीन (ताकार्य), ज्ञा) वाम (नगर्) एमवण : व्यक्तवनाम् (ल्यात्व त्यके व्यक्त्यन त्यक) ट्रमाला-क्रमंडि (त्माट जाक् मंकर्मन), श्रीमा: (त्र भूक्षीमन!) व्यवः (नवेदव् [लामवा])

801

भीगान्द्रानित् नियीगं व्याप्त (अन्द्रान वार्गित ल्य वार कार्य मा उ) वाय (यर मृत्या गरार) व प्रष (या म कष्)।। मार् (मार) विम (विषि) अनं सम्मिन्द्रिक्ष (देखस मुक्ता का नि) जा कले १ भी छ (जा करे स्माय कार्य मार्डिक) 00: 190 (टाइमाट लार्ड. कि इसे सार्थ ?), भिद्द (भिद्द) डेर्च नामः (डिड्मीन्) समम्मन् (सम्बामन्) ज्यासास (जामिनं न कार्या भाक,) जाठ: किए (जातावरे म जार्न क प्रहार के दिन ?) , यादि (यादि) उक्तरमाम्डर् कार्य (उक्तरम सम वास व्यस् विदं ड) अझालादि (ज्यालाम न कार्ने मा अवह) , जहः किं (देशाल्ये स लाकत्त्वं विस्तं किं) भाषः (८४८२६) म्यायम प्रेट् जाले (मूना-बत्त व्रेड) रेप्ट (यहे अक्र विश् पंटि) मर क्षा (भरका म स्वक) या म्बर (द्राम निक्तिम कर्निया (१) ॥ मध्यि भाष्ट्र भाष्ट्र : (- भीष्ट्र भाष्ट्र की मार्थिक 891 संस्थवं) मर्मित् कर्षितं (परकर्मार्वं

कार्य) क्या (नवड) काराई के कि व (काराड कस्त्रम् एरवं काहवंदन ७) जायः न (टकानः स्यः भीडा व द्रमं रम्मा) न का यादाः अल अक्षा: महि (काम मार्लिय निकटे १३८७ ड जिमि कांक्रिण र'नमा), मा (किया) ए र-मनत (प्रायत मिक्सीड त्म वा विवाल 3) न (असाव ७ मरवर्ष कन्छन कन्छन रमना) ब्याप विकारिष्टि (विका ब्रिया विकास ते डव जातका जार्वक ते डव मानित भाषि व्यक्ति । म अर्थ: (जारा न अर्थिक र्य अ(सम , किशा) अवसाम् व वक्षाम (क ज्यानी त (अव्य ज्यान क्यान व्यान देवापंड देश डिनि श्रिक्यू म के मना) II विस्था । जिल्ला नाम में का नी जिया मेर (जाि तमन्त्र जान के कारी के विमेन किए। रेश्रे दं : रेश्रिंशः ह (रेश्रेशंत लामस) लालुनारं-अविणिरेष: (अधिकृषः प्राष्ट्रक विकासन (क्यान) लायर लायर (क्यान न सत्ता रूप मारे), ट्यम क्रम व्यक्षि [वन्ड वृत्ति]

टम त्यान मकार्मिश्वाचा (एया मिक्ट (एन माना) विनर्व (विचाय करिया) भटलाक: रेव (दू: श्रीव थान्य) न था दे बंद्या (नका द ला मद हर्द्ध) रेन्सार्व एं (यर सीर्यावत) प्रार्व रम (राम कर)।। 801 व्यक्तियात् (व्यक्तिय क्षिते) मामस्तार् (शमास्त्र) नू वेत् (माय नू लेन), निव्यिष (मिन्छन्) क्षानिंद्यमें (धीक्षान नी मा कमा भारे) अवियार (अत्भने) र् कुक रे वि बहेर (१ रा कुक! नरे का अ हेडि विभाष), अहिं : जिस जामे (ह्ट्रीरिक वर्षात), कित्रामा आहि: (आहे मस्ट्र विष्त्रिय मर्भित), भूडेप्रमल्डायः (विज्ञ टाटम इ असमा) नहेन (म्बड [नवर])मामन (कीर्डन भट्यात्) धाळणाते यदिः (धाळ्य नामिश्वाना) ब्यावन् (की व्यावनम्बीटक) भाक्षत्राठि (जिडिशिक क (वेन) 11 COI यद्य (ट्यम्बात) मिन्डु (सर्वपा) डेमाम: नाम: यव (नकमान देलाम कला में) रेज र रूप-जरक सम्माना मिर्क (जलकं व रमक

ट्यामाना वं व अटमार्स वामार् के रहाती [नवर]) अञ्चलिक व्यमशरासारि (यो म त्रात्रिक्ष क अधि अम् हेक्सम खनारेमा) वर्षिकः (+ यप्ट वर्षिक क्रांभ विवास करि-(छट्ट जिल्ड ट्यम्बारन) मिछे १६ (अर्वास) यर किन्दि बलेसर म्यम ह (टम टकान म्यंत्र क्रमंत्र अमार्थ) मानंदि (अमंद) अवस्त्रमान्त्र-नामात्रकुष्णा (श्रमाविभाग्रमक विविध अमानि [७]) भाज्यम् ब्राज्ञाभ (भिवृद्धव कृष्णि भरकारक) है। दिन्द् (कान्स व्यक्तान कार्य (०८६), रेपड (नरेक्स) मुलावनड (क्रीवृक्तायत) जातिला (जातूक्ते) एम छाजू (WENT HER C - STEFFE 237) 11 गमा (गमात) यथ: (१९३) मनं (मनंदर) अम्बेर्ण (अम्बिक) डाइंबर्ग (क्विक्क्षंत्रवं अि) भावि (भावि इमं), अन्मभावन ए (अव्य आवत) मुलावतः (जीकृतायत वाय) उभा ((अरेक्ट्यरे) द्वि (इव्ट्न) हमारि (विश्वास कर्म्म), सम् ह (किह) भी (थर्ष)

0)1

जिए गण । भूति । दिया वन । भूज भावत अर्थन ममार्चम् एवं वि)काय- माड् प्रताहः (काप. राता आरका) व्यवसायका तम (क्याम कावा-अस्तिन अम्काप्त मा र्म चिन्हें) ज्यु भी: (जञ्जू कि वर्षार उक्ति विष्य जञ्ज उन्न) सार्वना G वि (वा में क र्म जिस रहे तारे में का यह कर न लाड महावलन १३० भारत ।।। ausi (orchi) 22 x (orchis) 5206 (23) थड: (हिड) जीवारिका-जीधूनापिश्न-ग्रश-(अमितिको (अभिविधिक (क्षेत्र सम्माम्यामानत्व) ध यढं (इस य इंद्रां) वर (आवक्षास आवे छिष्ट-मम्बन (काशासन ट्रांस ड लाग वर्न धार्माहिका अमुट्ड) नियम् (विषम् इरेमा [200]) त्या छा आर्ट्स पूर्ण में य व निष्ठ (टला डां ७ शर्म में प्रम भक्त माला निम्न रहेगा) माउ (प्रच जर्म विवास कार्न (करही) यामां कार्यरोता १ (यामा व व्यक्षणायां) त कलिए (धनमा ना धनिक्छ) जीवृत्ताकृते। तिय (नार्यायम्) मा दे (pund 180 ध्यकामी रहेत)।।

८०। लड्ड (कारि) रेयाचमड लर्ड (कार्डान्स) अव्यवनात्राह काम एटर (इक्ट क्रिक क्रिक अष्डित (मर्ड नित्र्]) विकासि (क्षान्त कार्षिय), भूतः (।किष्ठ) भव्य (धाना भारत) करें। प्रविष् (क्षिय पूर्वक) अविष्मुअम्भूण् धाली न (अकियनम्बद्गल (१९३ लाड कार्निक रेष्टा कार्निमें)।। [आक्राव] पान्द (वरे) अस (अस विवर्]) 081 ्यी बुलावन प्रति। (नी बुलावता) कर् पु: एवं न काली (अष्ठ पुः कार मार्डरे) भारत (कार्टरे क्राहिक इंड्रेक " [अंदेखें]) लाग्न (लागमाता) CH (धाराष्ट्र) निविध: (निविधारा = अमा ७) . टिनारकाउन्मू अन्न स्त्र छा। कामी विरामे किक मुभम्मा (एकाम कार्निमा अ) न ह रिपन (व्यक्तिहरू आ द्रम)। प्रवादिकनः उटा [mun] कथा (कर्य) अक्स्क्रें (अव्यवस्थ किर्मित्र के कर्म) मुलाबती (की बुल्या पता) व्याप्त (मिर्ना) कर्षा कामिक कर्याम: (कब्जान सक्नम्न विग्रं कार्यमा)

मयम् अत्याहतः (नय्त कल वर्षते कर्त्ते ए करिए) रक्ष के के गृह (रा किस रा किस) अरेक्स) विस्तार (विसाध भर्कारम) रिन: यार (रिन ररेय ?)।। िलाश कमा (करक) प्रामाणधान स्कारिडि: 001 (धमर्भा भाम ७ धाममाम एक) अक्रु छिनाया (हिटा विभूद्ध मा रूरेमा) अस्त्रुमिन् त्या : (अर्वाचिथाएं निव्रायक्षण व्यवस्त्रम् नुलायम छानि (जीमून्सानस) मुम्पः (क्रेंड-१९००) याचा आयार्ड (स्र किटक बार्ड) लण बाह्य त (आयार्या अस्व १)॥ [कार्य] कमा न (कत्यरेश) वृत्यवतेक अवते: (जिस्तान र्माड १ (कर् लाजा मार्च मा) 0200-कार (पाकरत्रकवंपः (आसीतं व (प्पाष्टक यार्स लाविजास वूर्वक) शकि व्यात्त न-लाव-हमंगर (अन्कृक लाद अरम वावं हमार्वर् डाबाद का कून: प्रार (डा का टबल इड 2227)11 आव (त्र भीय!) रेप (न बमात) के ज्याम

(Сआआत) में यह प में यह प (टमप सेल में टिम से MANDO WY [DODA]) EM (OLDER) कामिन (-12) स्मार्कारन (स्मार्कारन) म वाक (साउंड २३७मा भवन) आमा नवारी (लग्ने) लय एयड (शिवकाट्य व स्प) अवस्त-थल र्यावपर (अन्यासमान का र्यायम हाराचं) अधाला में (व्यक्त में स्व) 11 र्ष (ए र्ष सर सामा [विषि]) मी मेरा नार-021 (अर मार्चिमाटार्स (अरे, अर , त्यर, यूर मा रिमामिन कार्र) दा पन व विश्वभी: (त्लाम क्रथ goalno sigant) sayo oun (oud अभ्यात) य यह हिर्देत (क्षाप्रक्र बिहान मा कार्ने में हर एम (खिलन हनंप-मस्याक) रेकारंप) यम्द (रेकारवाप व फिल्क) हार्य (आर्य हा जिल कर)॥ वार्चाक्काविनामवाक्ष छ- नषाम्यानि-भणाकव-चीकात्राध- जिन वरीय विवित्ताम् डी अप प्रवक्ता व ? (यात्र व प्राथी की निस्त कि एक व विता प्र टमाहिल नणकू की अधि अर्थाय व अधिर , शस्ताली सिन,

हस्मादि वम ७ लायक्मालिव् श्रामाय अराममूर विवास कविलार) तिला भिष्टम. हस्रकार्वक दी वाकवर (भारत भिक्र आय भीकर् उ व्यवकारम्य व्यक्तिम नीमाध्यि [वर्]) मिल्नास्क वर्षभाम-अवसामक रे कि (भारार्ष सिरहर अवस आकर्ष प्रमात न किया ७ कब्टिट १ [टम्ले]) वृत्तावतर् (धीवृत्तावतरे) यस (लायारं) भीमा है: (नकतात भी यप के मान [र मर्भ । ज्ञी प्रदा (प्रवेश) नवीन् (निन (५२१क) भी मृजायत छावी (भी मृजायत) मालग (मालम कर), ममः (हिउ कर) र्भायत्विर्मः (अवार्वाक्ष्णं) एकत् (छत्र) मुत्रा (नियुक्त किस्म) प्रदा (प्रयेषा जिस्तादा) भारत्य (भारत्ये के विश्व करें) वि : (कार्नार्डिम्ट्र) ७९ क्लीम् अनववर-भारत (मिन्तु म छे। भारतम् कि जिने कि [नवर]) अभिविकतर (त्यमाधिस्यत) अवर्न-ग्नम् (क्रिम्मम् क) जर्कमा- वीम् घाटने (उत्पादन हारिक भारत अमृत्व आमापत) व्ययं (नियुक्त कत्)॥

की बेला वय (ए की बेला वय । [ठी हा वासान कार्छ]) अभीद (अमन द '७), प्रामे देविएंगः (त्यारा में राष्ट्र अक्षान्त) महमवसाया १-कर्णा द्वारा (तिक त्वत कल लागू रामानिश्वत) जिलाः (अरे) त्मेर्नामाह छ रामिक यू ताः (टामुनं ३ लोशिय् अंदेश व हिय वं असतं किटमारी ७ किटमान) मिल्लमत्वी भार (भिर्य मत्रातिव भार्ये)। विश्व (णाः (विश्व व व्य ररेत) य९ (ए) आड्र मार्भाष्ट्र एमन् (जात्रारम् अम्मार्म काल्या र्म) जात्र-खरवर (धन्य करत , [ज्रिम कारक]) सार् (आ सारक) टिश्वक र्नेकर् । मिल्यमे सम्भ अकिरियान केस् हिंते) खिल्में (क्रांस करं)।। भः (।माम) मुलावन लावेमत्व (जीवलावतिव 501 त्यात हारम) सर्मिक्य-सक्षातं - सर्दिः (बस्यमार् व वक्षेत्र १० व्यामार्व), निला १-भूरेल्ल: (हिन्ध्यूल)रेजीयन-कद्यत-कश्लान. कुन्नादिहिः (मीट्याय्यात् कन्नात् कर्यात् उ क्रम् अप्ति भूष्यमम् र भाग मूल्लाडिल निवह

मरानिकी मेरी- मूब्रिस्य कारीकी ग्रीन् (क्रा भ हा केक व सम्माप्त क त्याकाक्ष्र ग. लगामिती) क्यामिलीए (कीय धूतारक) त WM मा १ (पर्णात कट्यंत मारे) म: (जिति) किए की वि (कि एक की यम की वृते करव्त ?)॥ [मिस] मात्रावं के तरिंत (विविध वं के तरे) अविलित (क्रमका विवादा)।निछ काहिश्र (हिंब कात टामेल में अकाल करिएटिन गिनी) जमानिविपिक कुम्में हैं। हे (जमान विहिन पिका अका का का का छ) व नार (मूल्या हिना) यह अरेलप-अभरत्यी मुरका मादमार (भारार यम् या व्यव व विश्वे भभू द्रव या त्रम ट्रम मार्म हे। ये ररेट्टर) ्र भी हमानीमा ? oun (ग्रांच साराका) द्वास्थर्गरे म अभाक मधार (अधाम । दिय देशमाई कार्बट लार्वनमा [-ववर् मिनि]) आत्र प-अभाक्त कार (भाभात लामक मर्से उद्राद्र, त्मवारिका दर्गाट्य विगाम] (गर् म्या-ब्न) मिल कालेल जनमार (अधिकाबन विक्री

681

ार्य भी कामिनी दर्भिटक) बल्प (बन्तम करने)।। एट। स्थानक्षार-शः प्रा (स्थान वास कार्य अस्थापटल न लबार असंख) उन्ते महाद्यान-व्या करें। (वायान की व्यास्त व्या विविध ने व्याप) शासा उ इं भी बीने : (ग्राम् हे क्र ज्याने वेदानि अर स अर म स्थाल दे पिछ दरे (०८ र), प्राय (१ वर [1र्थात] २९ रम: (१९भम्म), काम्छरि: (कावलव कर्मार इल्माबलक) मान्नि: (मक्त्र म अवक्षमी), मावमादिहः ONE E [[] अवस्त कि वि अस्मिर्द्र हाडा) नायक्तामक (द्रक्षात्रक) अप्राप्त (अक् य म मस् (२ व) विभवे । (अकाम कार्व (७ (२ म) वीक्षावन वारिनी (बीक्षावल अवारिका), इरदेः जिनेत्री (किक जिनेत्री [राद्र]) उत्रमिला (की प्रमुतारे [आधार्य वे]) ती गा (कातिव वसु)॥ ब्यक्तीकास्य (ब्रमकालवं प्रधामं)व्या गरी (ली मंत्री) करक-कप्रामित्र) का बीलित (क्लिम अक अर्यम कथ्ययत) भिनीता (नुक्राम्ण १३ (न)

ड (क् (क्युर्क) अवक्राक्ष ताया (क्यूक क्युवादावं म्मलम जार) यर व्यक्त (द्वारा व प्रकार) क्रमल (अकिए अभाक) हम्रा (हम्म कार्य (जिने) डामुके (डाम) में मानुके (मर्बेव प्रमित्र) म लायड (य आ केर) काटिय (क्या कि क त) ठामुका (राम करवंता) लाखुने व (युरा क शिवृते कविया हिला [2 वर्]) श्रिमानी भाव-कर्म (अभीमन ३ वर्कात राम कर्न्यार्टर)॥ उना यन प्रार्थ (यहि) नुष्पायम नत्र (न्यीनुष्पायत) कामिला महाप्र (यमुनाव लाम) विशादः (विशाव-(रेंड) मिलुवंड (नमारिव मिलूव किर) विद्वंड (मूर्वी दूर), वित्म भावक्ष मण् (अव्यू म अतम) भठर जिल् (विन्ध), अब: मुकाविनः अभि (यान उ मुक्सराव्यम्) अक्टेर्स् (मिल्स [नवड]) हे त्या: से.सेड (यत्रेय में अध) लक्ष्युं (वक्वर दर्गाह्म), ज्यामि (लाय रहेत्य 3) या शाया में य प्राम (की ना मा क एक न भी विभाष) का लाख नक में सम्म (त्या नक विष्टिन. (अम्बर्ड) ound (द्रम इड्मास्य) 11

न्त्र व्यात्र विष्य । अग्रं (विष्य भवः] न्त्रीकृष खम्) हेर्ल : जिक्रम (विश्वेशिका अ मेरीसर्पन मिटि लिटि हिस सम सि हम कार्य पा [अन्हार]) यञ्च छा- या जिया भी - वृत्यः त्रस् मं (वियं प्रमा व्यीयांका उ तिव विम्मग्रीमत् से विनिव दार्य) ण्डरमहत्र ७४९ (धन् छि लल (महत) अमद् श्राम: (अभर) सार्य रख्या म) म: (लिनि) क कामिकार (यम्माय खात) मंतर (मिमन 5 x =11) 5 40 C an 4) & - a 8 m - P 24 - 5 21 -अवा सम - म क्रा विर्धः (विक विला म निष्यु, डेक्यूलन, लक्ष्मा ७ अन्यूल तव मका सम्भाना लाकि मार्थ रेस् त्वास् क्षिति कार्वात) रिंदे (मृद्ध भार्यमा) देसाल्लाइ (सम इरेटन कार्यन र्रेशा) रे प त्कारिका विश्वतामिक वर्भवामिकः (क्यारिट टक्क भाग सम्बद्ध रामा गाम अकाम में रूक) (बंदर (त्याहा मार् ग्राहिता)।। मत्त (त्य सर्गात) श्रेष्ट्राक्ष्य (ज्या श्रेष्ट्राक्ष्य) 621 प्रयाव (वक min रे) कार्य कार्य कार्य कि वार्य ! (करेप (लाइकार चिविका चका कः) वा अप (वर्षित

प्रिक क्ष्र मा क्ष्रिक क्ष्र क्ष्र क्ष्र क्ष् लाही प्रताम (असर सामाना लाक्न) त्राच्न (मूलाविलास) दीर्ध्कात् (तीर्धकात अर्यह) म्वल-मम्बार्यमणः (वृत्रिल्यास व्यक्ति) पास्तः (हिलन) विसे (जसन) मका: (अभीमने) काल्याः (काल्य हार्य) आने प्रय-विष्यत् (त्ये आने युगत्यव वाक्षते) हनू: (काब्टिसिन)। विवा विष्यासी (यम्मान असमान्))वर (त्यरे) ट्यां ने प्रति (ट्यां व व प्रतिश्र) श्रंद सर: (प्राव्हित् रक्षिम् । स्थः व्यक्ष (अबेक्स दंवे (अभू) हारिज्यामर (अभू में)क्यम- रेक इसारि (अम ७ कंत्र मा का विषय) । के पर (निर्क्राभ कार्ने) में स्था (संस्था) हेर मारी है हिन इ - डे ठार अं अंतर कं (अं अस्य वं परं द (ब्रायल म मस्ति वर्ष अने मार्व व मन रमन मिनीयम हेर भाषम कार्या [ववर]) येटियम के वार्रे अर्जिक कर (संटिश रूप गर्म गर्म

हायम विश्व) में त्यानीय ही ल अमें को (अयम के अवस्थातं व मन्तिवं मिश्रीसमः डेच्याप्त भवसारं देश व टम कार्य पा [वर]) क्रिन (क्राचा व (क्राप्त का) संसर द्रियान में (पक्षि वर्ष निमम । ररेल क्ष्मार जायादक दे नामि कित्रमा) भू कार्र (विश्व कार्रिट्र)।। मभीतः (म्परा व) यामुमर (यमकाम्) द्रमार है थ-का बका पि (श्वामार् विचित्र शह्मम अभ-कार्निकारि भारा मूल्लाहिक इत्रेया) भी पृथ भारते-अय-नाअग की वं बनादिन्द (अमृत्यम, रेभू वम, माअनवम उ द्या ने आदि भाग वा नेस्ते ने रिपार्ट) मासाधी मिथिए (यात्र व विविधाने विछि) उदेग्मर (अब्यूमन) त्या पिना सूत्र भीन-यक्षाम्मालय (स्वस्ति मीडावड एक बेठेसर प्रदेश अपनि वा मिया ते किया में कर (विकि में के वारंग कार्वाद्ध [नवड मामन]) लाठ) में वड (जाठाविक्न) (आभामर (ट्रमामनावि) मामास्त्राविकि जीकी विस्त्राप् (मामाविके विकित विक्रम कीर्य क्यार कारे भम्दिन अभाषाल

9>-901

त्यात्य म (यात्य आद secs) भी खुम्ह ह (ग्राया के भ्रत्यम) कर्ल्या क्यम सम्बद् (कर्ल्य गार इन दुल्या यार्काश्री की प्रापित), विश्वाव-[नरः]) गामाकत्में वाक्षव-क्षा-प्रा-केट्टि: (शिविषे आमध्य तक प्रक्रमानी ७ समा जा कुक् -नाविश्वाना) अया अस्त न (अन्य मामन म इत्रेम्ट्र, भित्रव) भेटन भेटन (कान्नीरन) २०४७: (२०४७:) सहाकि लासी तर मुगीयुमकर (मुगड ध्रीमन यूभवाक दर्या विष्त कार्विता निवर् मा) व्याह्वः (अर्थन) दिकातक-क्षष्ठ म्लक बनाटमादः (बिकिन एक कर के व शक्त कर प्रमंद (अवंद) कर है: (विस्व र्रावाह) विभावं वास (म्प्राव) ज्यार्स म्यांग्लं) जिल्हा : (ज्यार देश द्यारा) त्मयंत मया अप्यर (में मार्य में मर्द्र विस्ट इद्रेश्न [नवर]) क्याक त्या त्री ग्रंमा म । देवर (वाक्रमते डेउडीएयान श्रेटन [डेड वन नाम]) रे०४०: वालामापर् (वार् विकिस रे उ ४०:

ाडा के छ उड़मा) काल सर्विया से वे दिना करा मं (क्रांत किंचमार्ग देवत वस्ताव कान देळात अव बाव ने करवं निवरं मात्रा ने का जिला है। (हें ज्यासार्या है) मार्य ((असमाय सन् कता) देग गर क् मार (कु के महर मान विविधन माल) विभाग केरवल करते) वास्तुक्का-केक्क्रमण-विवर्धिती (भीश्रासाकृष्क् व व्यानक्षाय्ती) मा (cra) कृष्ण (क्यायम्मा) व: (त्वाद्रामिनारक) अपूक्षा (अविभासन कर्म)। [जीकुलामतम्] दिश्वमर् (दिश्मक्स) कृषाहि: 981 (कुल तवड)क तप्रश्म- प्राम्य- कू लि: कान् उर्दि: (कमर्भ प्राव्य ७ काव्छव अकिस्ति व वाका) याद्व (आलामेक उद्गां) प्रजेख दीक-निक्राद्यादम (नव अक्षिण क्रम्मावित टम् बह यांचा व्यक्तमं ज्याद द्वांच म कंदिताह (1) कर्मा (बार् अम- अडू का दिक- वत् (क्र्यान, देव्या अ यम अङ् िन समम्बंड) मलमर्बेचिकः भक्ष (मध्य न मब्बर्गिन भार्षं) हुन्नी हिः धार्मा कृष्ण् (इस्वीमार्तन

अस्मिक) भीज् (अक्रुमनी) ममक कर्न (असे काराप्त्र) व्यस्तासम् (अक्टालन त्यार देवलात कार्ने कार्ट)। क्षेत्र (कार्य) कार्यम् (नरे) क्षीयम् मृत्यायस (क्यी मुलायत) सर्वा कृष्णा सं सामाकिए - मर्बुन-हाताः (क्री सार्था के एक दा ला हा न ही क्र मू अर्थ् व कल भूते), पिना पिना ! (ध्यानिकिय) कार्ड कार्ड न अ (कड भाउ.) प्रतः। प्रिश्न - साभी-क्रायाः (प्रायव, नपी, भीर्यका उ ए जा अस्य) न मार्ड (बिफ) भार न वर्ष्याद्य), कानेत्राषाः (कानिविधरम अक्क व की बार्बान अवसम्मस्य) कार्व कि (कड लाव) व्यानक्यी: (विचित्र) राप्त्रम् हे हैं है कि टिमा का : मेर राप ह अप्तरं मबीन वर्न मार्बिन मा विवान करिएट [1 वर्]) यर्गरमाद (यदा किती व (अवस-SEXE STAL STAL STANGENTER SEE त्मार्थिति (य० लाभ्य मास्ति मी। हिनेत् भा विकाभ इरेएटि)।

विता लाइड (लाश) अख्याक्ष. हें कंड पाता-के मिराह-प्रकल्या-वाली-कूल-जजाम-।प्रकू-प्रवाधी-बप्न म्मी- खादाहिः (अल, अभी, जक्र मणा-क्तालाहिक्या, भीचिका, कूब, उड़ाल, निरी, प्रद्रावन, नक्ष्यी, नक्ष्यिषि), क्रामिकाः भावित्रम (धम्मापायिम [वर्]) ७९% मकत्वन (जसकी वर्श लाग वसु मार्त क अर्थ ड) वाधा-द्राविय स्वर्धारिष १ (भी रावी क्रक् स्यम्का), प्राक्षित्यनः (भाकित्यन्त्रम्य) जिल्ला के ने त्राक्षण की के ता करिये) क्रीमान्न (क्राम कार्ने)।। ११। (प्राथ ! ज्ञि] मुक्ताम (मुक्ताय ति) विवर्धकर्ममा (वववर्मते व निष्यामी व्याश्वाद) अभितिय भर नव (व्याकितक व अधिक ने न अर्थे) आड़ मंद (के मारि अम्म) वस्तास्वातं (बर्धायवर), व्यक्तिर्(भात) कि कि विश्व क्रिये हैं ए रिट कि कि स्रो आयर वल्यापि), पर्ष्टिः (ट्डाक्रत), वव-मन्त-याय)- विस् माला वृत्त- अर्थ प्रश् (देवस मर्था)

भागा ७ जम्मापित अथरे), मभीवात् एवर् (अभी क कार्य) मार्थि (अस्म [नवर]) न्यामका (मगीक इक) लगरमाः (लदम्मासन) अर्वार तर् (धर्म) भवं (क्रमण कान कवं)।। उनार कार्य माळितिकामंग्रिक लाम वामा ड: (यन्त्रतं भाविषाविष्यं यर कि किर असे कारि म अस्तर्य के) ट्रम (arrana) (मार्ग्ड न) ए व्यक्त (ट्रार्श्योव छाडि ७) अड्ड जर्मा : वपा छ (स्थार रेल डि। हत के विव द्रम र में भा कि अवस्तारी) व्यार्ट्डी का (वार्ट्डी का) हर्रा का (दुन्नी (क) पाट्निय (पाट्निक्स) काम वववानिती वा को (अन टकान मुक्त ही दे वा रक्ष िये स्व भिनि] मया यहिमारन न्लाम्न -याउप छ। उ विरम्मिर्नी (प्रवर्षाप्य नीन्माम-म्पात्व हिउदक उ जिल्लाक (दामकि कर्यन) [[क्ये]) ब्यायमा भी व्यवी (ब्यावस्यवी) मा का कार्य) (का (arana) आह (1850) भूप् (विवाश कक्त)॥

[काम] कमार (करव) व्योव्यानिवायत (चीक्या-921 व(प) की बादा १ वं पृष्टित में वि मर (की बादा न लगाट हरंपुका हिस्स यहन), वर्षिक लाया-पर्मा (बाह्मक र (विभी में कि लायकार्य (बाह्मक) 00: पव (की श्रिका निकरे इरे एकरे) निर्म छर् (मिन्नाक्षाक) अडिन) व्हू र मुन्ने निक् (अभाक सर्भायत = यम्) । हिन्द (हिन-विभाग), जदाबिय-जद्रामप्यम्यम्यम् रात्मकर (जिलीय जिंग छ छ। राम जिलम न्नात्रक्ष वस व्यक्षां रावं उधारों, [चर्]) वर् ला जिन्न कि है (युर अवस रेखे-वसुन्) अन्द्रामि (अन्द्र कर्म्य १)॥ [आरी] कपा (कर्व) जी मुला वत कुन् की शिश् (जीव्यावताव क्यू मध्य) मिक वर्न-मूलोव-मुम्बर्य म्या राम्या क्षार्थ ७९ (।म्र मैस्त्रमेल मात्यंत ट्यां निर्देश नामि). अवार्ड लाहिजीयं), मं क्रार्ण वस सि किया-निर्मालको निष् (अपियो नव ट्योक टमन आरवाल लाडलाड विकिं अने डमीमुक विरे

न्त्रास्त्र अम्मान्यान वर त्यामी हिः (न्त्राध हत्यत्र नवीत धन्वामम् प्रचावकंषाताम्) धराः (स्थामुक्ट (नश्र काकपरमेक) वर् (ध्य) मिना १ वर : (मिना लगिनिय न सिक) ने तम (मली काइव ?)।। पक् (त्कात पक @ अपने प्राप्त क्रिके) यम (यात्राव)कववीर (विभीवक्षत्र) वीका (प्राप्त श्रम) थिरडे वि (पाक्षेत्र उत् र निवंस्त) क्षण दिल्य क्षण क्षण क्षण क्षण हिला विष्य ८स्पर पर से मर (स्पान म से म स ए प) थ्राक्टर (क्य लक्षर दक्ष शक्रमाय) कमाम् (अ). (यात्रा से पत्र में) किस्प्र (त्यत्र व्याप्त क्षयम्भय [ग्राव] रिष्प (पनंपर्व) किक्रन / क्रा कार जार्मर क्षकानिका 3 वक्ष अल्ला मित्र विष्टा विष्ट (मात्राव मस्यानि ड अर्चन [नवर] क्रिक्ट (कर ह्णानिव । स्राक्ष्य वा सूत्री) यम् पा कि-यन्त्र हो: (त्राज्य दे ती छि का जि हिल्प शहरो. पर्या त्या क (वं)) इंछ (च दं से कर)

प्रशामकर् (अवसामक करतक [(प वस्ति]) मिक् स्थापतं (क्स्यार्श) नार्यावः मृत्र-हैं सप् (क्रिक शक्त के अ : में प्रच हैं सप् से (अ विश्वसात) [७९(८००) त्रसालो द्रमः (येर्युमर्स (एपंड क्यांट्रिंस डस्पि) (स में बंद (ल्पडांब प्रकट्ट ल्पडोसकाम करंड)। लर्ड (लाडा : [मार्ट]) रेका रचायः (र्वेकारायः मा के का किया विकास किया में का व (अवस त्यात्व ला (बर्स श(पवंत) प्रशास्त्र क-टमाडा अमन् (निनंह नं जिल्मारीमं निष्टिः (आ ाविमावकारी), कनककारि (मूर्यन-त्मेत्), तवात्रलं डली व्यूलं (तव नव कार्य) कल विवास नामि श्रीलं (कार्याक्राक्र) प्रव (कार्न करिया) श्रीयमध्य (निश (माजाकावा) दिग्रमम् वस् द्यादि (दिन) राया, वस व लयदीय वारिव) मेल्यनं (लाडा वर्षत्र कत्वत्र), हिन्नीष्ठातिकृत्रः (अभीभार्य सिमान श्रमक) , ०८ (१५) निम्बीन (कि अभीय निम् किन) रामम्सा-

t-21

बराहः (कीर्यावन सारमव काछ) ह दन्ये) सिम् (लड्ड वहेन्ड)।। मवन्त्रिकिलाएं (नवन्त्रध्य के लान व व - आसी), मृज्य ट्याम्यूर्व (मरीय ट्यम-अयात्र म मृष्ठ) , म व स स स य व ला क की । थे -विशाद (मधीम व्याप व्याव तम विशाव-वण), नवमय-अक्षाहा-झार्चीतार् र्वीति (त्व त्व विविध लाका मार्ची व कार्रिश ए लायमं चित्रे) कर क- यं अला (द (मेर्यु व वंद्रश्वं भारत साकिनामा) Council (consigni) (on (outris) 512 (हिट्ड) सार् (धार्मिट्ड इडेन)॥ [XXXX | My] BARRIM [PAJONICA] 6-81 मिन डेस्पाल) मिल्ला (डेलरकलम कवारे मा) वश्वित् ि एवम्भा (विविध विभ त्राप्ति) में ने में मक् (बामा कि व काप र तं) ल स म द (मिन्द्र मं) हृ घुण: । भ्रिशण: ह (हृ सुन उ ज्यानिकंत कार्बमा) कममान (जाडिसमन् सउकार्व) खिनांगः (खिन्नां) लां ,

(एउटक) वट्य भेमोब: (आगाम मीलप करवं न ि श्री किले] वार्षिका-माभवमा (न्या का कार प्रवेश हे क्षेत्र (साम सरम के) लाबिहर (लाबिहरी कर)। (र मार ! जारी] कापि (निक हित्य) पामा भामा : (म्पार विभाम विष्ठान भूर्यक) वणि खवन मर्थर (मणक्ट्र) आजिम्मम् अप् (क्रियम्मम्क) ट्यांच्यामन् (ट्यांच व न्यामवर्त) वहित्य) किट्यां वर् (किल्यां) शास्त्रे मार (मेल्नियप्ति) मक वास्त्र-सार्णः (मक्ष प्रवास्त्र वास्त्र), कारित्र पून वित्तरेयः (कारिता सन वित्तयन य का चिक्टी) सर्वीवात्य (का अस कि में असे) या व अविषयं (में मंद्राय अविष्ता करं)।। ए। स्म: (a हिड! [ामित्र]) आर्धित्र स्वती-वित्र (कार्ट-सरणनंस वर्जी वस्त्र नीकृ किंत) किल्माशह असे पहा से मर्दि : (किल्मन-कामीम विकिस मूमर्व स्व द भी पूज) परितं: (धलेगाविश्वाता) विकर् (निभित्र बुआएक) धानका प्रकर कुरि (कल ने ग्राम निमा

कर्रत [१००]) काश्रमकाक्रम प्रवक्षा १ वीही। इत्मायम भामे भूवति व दी। ह-उन्ने द्वारा) प्रम धाला: (प्रम दिक्) त्रिक् (जाडिशिक कर्षम, जामी) त्याचादक केड-द्धि (काश्यमं त्मारात क्षायम्भारम) ७९ (ord) निकाह ७९ (हिन धरूष) अपिया (अशिम) मुकारमर (मुकारतम) छन (मय कम्)।। ७१। न मीमियलावः (अभ्या अयला न मानी) लग्र (यर जीक्क) स्रम्भी अव: जाल = (अव्दाल्वव द्रेमा ७) अझ (व्याधाव) अतः (१९०) म लामंड (लाकत्र्य क्रिक्टि आरंडम मात्रे), व्यक्ति (विमि) दिना कृष्टि: (ध्रामप्तन-स्त्) में में बेंबुं (या वं का में) विद: (विवासमात [किया]) ध्यम् (विति) सर् में ची ं ह (सम्बाम विवाशमान रहमान ल्यान हिंद ल्याक्ष्म म कर नंत्र भाई है विक् अर्व प्रमेशामू बी-वनवट र ह (अरव उ अर्यायत) cm- (मामिक- मूक्ति: न (क्यूमने, ट्यामिकामने उ मूक्त्मतेन द्वान

नार्वे बेंक ठंड गां व ल्यान हिंद लाकत्र कत्यम नारे), ह (किंड [किंत]) मिला. कुन्धान: (जीना का कुन्धा विशासिक लामे िका आवं हिड दव्ते कार्वेगारहत)।। मार्मिया वासिटामा: काल (का वार्मियामन ल्लाका । भर्षेत्वन (लयस सर्वेत) या पका मार् प्राप्कर (भापक वसु मसूरम उ सादक), आश्रावादा जिलू गुर् (आया आव-क्षिण), अकलम् अहत्राव-विमान्कर् (तिश्रित विधित मूभ मानिव अ विभू विकास) म् विस्ताविस्ता (ज्यानिस्ता), स्वास्त्र (छाड्यम- (छाड्यम ([3] भन्म डेळ्यम) राठ (त्र) नक्ट (व्यविश्म) काराव्य (क्रावि: (काधाणाक कारा छि: विश्व भार) न कार्या (जारावर शाबी) मुनाबतर (की मुनाबत भाग [मानिभिन]) वर् बनान- ग्रमाले (डायानरे ना का का तक्षा) मु एको (भागमा) किट्याद्ये (किल्पाय्) व क्लिपंत्रमाद्र) वाला (दर्जन क क)।।

6-61

सर्वसर्व-ल्रा अस नीम्यामित्याः (नवसम्बन् 50 लानेमूर्न त्यममूक्ताप्रिक्न) धर् (धरीह् खक् अने) व्यक्तिहरू (व्यक्तिम्में) रेपड (अरे) मुन्तवसाभा डांचि (मृत्तवसम् वा के हिल दर्मा त्या दा वारे द्वार व विषयमा) उद्यास (जारा न्त्रे सर्वा) कामलक्षर् (आमटल व म्यार्थावः) यानिक ट्रा व नगाप्र वीध (धानाय्य त्योष् कामायते) मावविषा-किट्लाव प्राप्त (कल प्रा-विश्वम किल्लाकी अ किल्लिन्यू भ यदक) भागा मः (की म कार्षे)॥ िगरा] देवरे से स्मास्मिकी प्रवं (करें में वक्ष्यवा-माविव अधात्वाल अयं भारताव्य) । निन्द्र व मण्डि (ट्यम्म इ नियवमाने छन्त्र त भूमावित) हिक्त्यत्र नामव्य प्रम्मी वार् विषयात्र स्मिषाल चित्रिक देळ्यल मण्डाममं)न लमण्डी भूक कुलायाचि (माया के के के सर्वेश स्थार के पाल में खिल हिए) रे 22 राज्य में इर्ज ((त्र म्यार मर्ग्य प्रे) कार्डिएट [नक्]) काहिड: अभी का त्का मार्स (हर्का दिक दे दिस मित्र मार्ग मार्ग मार्ग निक.

इंदेडिएर ' [मास]) भेत्र के कि विदार क्रिके के में तं (अधिया कि किये क्यां क्यां [प्य]) वृत्ता वनर् (क्वीबृत्ता वत्त्रं) क्वारामि (क्वार कर्षे)॥ ण्य कामिनी-विभूत भूमिन् (ध्यूमान टारे विभाम 221 भूतिम्हली), भा ह कृत्यावमधीः (कृत्यावतम् CHE लालूर (माडा), न्योक प्युक्तानार् (कप्य-जर्मावित्) sr (अरे) मिविष्मिषिषा मूळापा (अजितिविड अस्मवस हाया), आ देव पक्षी प्रय-मववमः श्री-श्रमिष्ट मी (मवट्योबम्भा मिनी-(अरे विम्का मकी सर्न [वर्ष]) a (आरं कारात (क्लेड अम्मास्वर्ग) (उ (क्ले) द्रामिक प्रश्री (वंससन क्याव्हिन) क्रम स्मरमन स्म (कात्रावरे किल हिल्ल मुक्त म कर्ष ?)॥ र्मायर्गामाः (कीर्मायतम् व्यक्षिणे उ Do व्यक्तिमावं) छात्र (श्राटिकाम) दिश का मः (पिवा टमेंबंड) अभगाउँ (विस्व १३ (व्हार्ट) कार् सर्वेचा: (कार्य-सामानम) हात्र: ह (की छ -बाल) मिलाह (अकाल के लिट)? ट्यम्ने: (निरंक्षण जमार्थिड] ट्यट्यन्)

गाता-विकादा: (विविध विकात्), आविवपर (कार्न कार्त) सार्ववीनिष् व्यक्ति : सवार : (महार्यक सार्वे की अवार) , दिने के विश्विति हिंदा (विश्वत (भोकार्य भिक्न), तिव्विधि विविधिक् कम्प्रीलोकाः (तिवृद्ध विवृत्वा वर्षात कल्लिता नमाव िहम म र्श्रेला] (य (यात्रामा निर्श्रे अकम खाय अवर् ठेक वं मिकयूगलव) अपर (हवरी) कपि (क्रापट्म) प्रवाज (छिडा कर्वम) जाम (अर्) दिख्लास्य पत्तः (सद् अर्घ आह्म आरो सद्भान्य सामे एक अम्म कर्ने)।। 981 [(स्था] मच (त्रम्हात्य) त्यम् व न्या स म्यामव-हिया-किल्माव प्रमेड (टम्पेन व न्यामक्त दिया किट्लान् नामन्यूगते) प्रदा (भर्या) नवनय-कानिविलारिम: (तिक) मूजत # व्यामिविला म आविश्वाव पूर्वक) विश्वक (विश्वव काव्य , [जूमि]) ७९ (अरे) रूका वनक् प्रव क्क (क्रीमुलायत शास्त्रे) डल (ट्रायर कर)।। ग्रेटा यम (त्यमात) तो मिर्म क्ट्रिको देव मार्चाक्त्रो (न्यासारक ट्रांड न्यासार किय गामंड कर्म

अञ्चरी एक (अर्थ) अपा (अर्वपा) वटले (विश्न करवंत) , धार ((काम) ब्राम समर्वेद कार्क मर्ब दे (बेलान प्रचं भागे वार्ष सर्व वास्ति के मार्ग र्सालाक्त) वर (व्ये) कृत्यावर नव (चीक्ता-उत्तब्धे) या (रक्तार कावं)।। यामा अप काः अवंद (स्थानिक छप् मर्मेर्डिक व्यक्ति) मिन्समण्ड (यमम्भारं), अमड्ड (मिन्ड), लकारं (लम्मा) 'लम्मं (खिल्हा) 'प्रत्या-वरभाद (लियद] अवस उठा विमा अवस म) कि (क्षा म मक) अने सर संदर (अने स सद र) आए: (लगार्वः) = जाखनीछ (दम्मी भ) भाम वार्थाटः, 19312) लात? (स्तावसात्रिका (सर्वेव स्तान-उत्राचीक) में शत्राचार (अवसावाह्य) सरा-लार्बु वी बावार (धरमार्बि म अवतर) विकर (क्रावन मूर्यक) अवस्था अपक्ष (अवस्था भीता) कुषावन शिम् (वृषावन वाद्वा अवन कुन्ति) दिए ि (दिए इरे मार्टन)।

7 29-2091 आमहर्यक्त अमृत्र छिटे : (विहिन क्यू अ आती) 291 अस भावक: ([नरर] प्रवेच) आनाम रिक्रम १-अभ आजातार् (दिश्यीकावक भाकिस्ति व कर्मनम् एवा एपामिशः (मूर्म्यू र) धराकनकतिः (बराकत्व []) शास्त्री-वड-वर्ष् न्छावति-करा देवारिः (धर्मे सक समन्त्राते न कल छन्त-वादा) शलारा हिन्छः (शलार म) , कृकि थिए। क्षिक का भिन्) । प्रिया ते कल उम अरीय दलते: रिविषि पिक उस्माण या निषाना) माउट उस (लिये बुलावन विकृषिक विशेषात्त्र)॥ [डेड ब्लाबन] जमतेंड: जीकृकाबियं- दिवर्गक-जूनमी-26-1 Cafe: (मुर्केटकं सिन प्रियो त्या माना निकास मा अकार व्यक्ती) अस्पति: (अस्पत्र मुक्ता) व्यक्तिताः (श्रां हमनं कुम), अमाने छ : (अमाने छ) कत्र-क्यामार्वतः (क्रम्बम्यम), विकारक-मुभाविषाणाविषितः (वय दिग् जाविषाएक वस) , इया व वृद्धः ध्यम (इयम व - ७ क) , ७ आ (२वर्) रविवन् (७: (अक्टक विष्) यदन।

(अमर्भ) मीति: कर्षश्च: ह (मीय ७ कर्ष्य छ न वारिवाना) वृष्ट (भावेब्ठ दर्ग) नावि टक्ने-(विवालभात्र वार्रिमार्ट्स)।। ७७९ काक्रत- दे त- प्रावका - अम् ते पूर्व वर्ष मूरी-वलं 201 (बिलाबटमें) भूगर्र, शिवक अवका ७ त्वेप्रीमिय ध्रिम् अ न्यं म्हान) प्रसामिकारि-प्रस्त-प्रशासिका म्मूर्णा विषय विषय प्रमुवन अवस्परात्में म्ण्ड कत्न), प्रहाकिणात्मारकम (प्रहाकिन प्राथी-भाजवादा) ८६ एएर देव : (हिलाक र्यक) मामाहिय-मुमीमरें। (बिद्य नार्जिम विकिया रहितीमरे) टमाखाएं विद्यार (रेशन लगहा नर्यत काने एडि िचर]) प्रच्छ : (प्रच्च) स्त्र श्वाम्य क्रिं। -्रमे बर्ड (कार्का समय दी है उ त्रो बड विशु १२८०(१)॥ िहरा कर्पाट्बार्अय- अववीक-क्यूमामाम्बर-2001 लामा क्रिया (क्राया के द्वाया में मेर्न के केर्र-अपृष्ठि चिकिन व अपा कि व (आ डा), अपा छिये. विश्वं मूत्रविष्ठाणात्रम्य स्थाना श्रेतः (व्यव विकित विश्वभारित लामल्या कमन्त्री

मिकारतक-मानिए-मरवाडिः (वय मिका नमी अ प्रद्वा व व [नवर्]) व्यावार्षका कृ करमाः (की वार्षा क्टकं) ०८ एवस माना का हिः (भरमा व का कि-मूतक) आम्मेर्याः (विषित्र) केय कामिडिः (यटण इस टकाम द्वासिका वा) म्यू देव (कार्य देव अव वाय्ने कार्याट्ट)।। ियर म्लायम प्रवर्ष - शाविकालाडि: मक्स अपू ए विकासभीत), स्वत्या द्यादि : (व्यादिन टारे व ह आयी) बार्डि-कात्रय-भात्रीका-वत्र- यय-ट्यार कुल मली वितः (कार्वि, मूची उत्व विकामित आमे कान वस), वामही-नय किन्ने-वत-तवची बालिकातते: (वात्रही टक्टकी उ नम्लाहासम् सम्मिन न), दीवही- वन-सिन्दिका-तवलप्राध्यातिका-कातरेत: (कीवती, मिने १ अ मूलत ट्लाय्नामिका व वन) डेचीत्र नु य नामिका- त व वर्तः (विकारित नयकालिकान न्वत वत), त्रुत्रतम् भीवति: (अर्मिक्क वर) वसार्थः (असार) क्वीर्कः (कव्वी) अस्विकः (अस्वक)

>0>=





EXERCISE BOOK

NO. 3

20 20 20 20 Mg and interest and continued only बर्कार्निहें : (कार्निन्), नमर्क्टके : (ब्रामीम क्षा करें), क्या वितः (क्या न), ound - नक्ते: (ound , वक्त) , प्रकार : (६ इति इस्वक), इस्व किः (इस्वक), धान्नातः म्मानकारे : (अक्ति म्यानमा) प्रमाने : (प्रमक चिन्ह्) पिट्या: (पिश) भिन्निय-करेंगः (लिबी म ब्याबिशाया) प्रतादात्रि भे (सर्वारे पर्लकमाने व किए धाकरी करते)। २०७३ [डेक क्यावन] काडिक: (मर्वा) खन्न हि: (बन्नी-भीत), अस्ति डि: (अक्तर्य) ह्यीस्ममले: (लामरमा क्षेत्र प्रवं माना) लामाने प्र (लाह्यम व्यान्त्र छाव वान्ने कान्छ हि विवर्भिके अकारलयदाक त्यलय-कलकारमः (क्राहर्मम् व्यानम्बनिष्याका याजः की छा ७ कन स्वम्छ इर्भिः (इर्भ) त्राव्य- हक्षाक विभू तेः (भाष्भ, हस्त्रक्ष्म), काइडवार्याः (कावडव-मकि)मट्मः (माम्मम) में केट्ट: कर्मारंगर-अस- अभ किव्य-म्भामर्भा असूरिम: [निवर] करलाष हर्भन, भम का ए किन्य अव्हि वामर्भा अकृति

प्रस्मय द्वारा) यत्र वया गा (अयं यं वय् प्रा [अवर भित्र] कम्पल पटला करेंगः व्यान्तरेरें। दाई का विका विदेश रें! (क्षीना की कु एक कम भी-एस्मिन् विचि विया विदान दे) अभागाय वम-अवाद लइ मी- विकूर्लपायर्था (विस्क क्षान-अला वट्सव अवार मती जाव पन विभान क्षान्ने क त्वत) भी युका विक्षार्वी छ वर्ष्वीतीन-काद्र भी जा सुक्रा (धें। या व सू भी वस कर वा भी वस् व व्यालका व वस सर्व क्राय आयामनीम [वर्] वदवज्वक जिंधा (भाराव हेल्य उरे हेड मं न ना नि मीरेड), पिया मा (अर विडिया) कामिला (धम्राममा) त्या छीकुछ (य नुका बन टक टका एक की नूरे का नि ए हर)।। िठेक बृत्तायत व्यक्तिया त्माका ए प्रदेश: (अविधिता न स दिना छ रा विलिखे), हिल्ला १ मा-म् जिसे तें : (हिक्का विर्य मूर्वा- असरी नामी) कतक वृष्टा हा निष्टा हिटें : [3] सूर्व विष्ट्रा-क्यान असमामिती निषीमधूट्यत प्रधादाल, मू (आ डिए), जा करेर्यः (विहिन) भीने वरिषः

रानुसन अत्व आश्रियां) अलाजा में व वास-मछ अवर्तः (अस्तिय विकिस मण भ उन अधूर-वाना), व्यान्कर्य स्व करियः (विकिय स्व रूक्न सर्वाना) नामान्यम् न्यूर्यभाष्ट्रीः (बिबिश नपूछम अल्लाकी मार्ति माना चित्र) वालाह के: (काला विकि अमर्थित सूर हारा) Става (मूलनाडिक)। डे की तल पूजा प्रकारिक - वदा वली मूरे : कृषिए (मिन हे अठ) कार्य मिन्स म न गर्र शावि -हारा कृषित), काम त्यारम - भूष्यमा पिटक (प्रतानम भूक्ष कारिकायुक), ठेक्न जीप्रद-मूली-हिनिए (भन्द्रन्थीम ट्डाममम्र-वाका विधि डायामत), त्यासीतम्बम्बरू-स्कि छ- प्रशक्तका वती सक्ता ति (मिण्ड विकास-भीत त्राभम् क क्यू नाविषा स साम्भ [7 46] owny- owning in us (on in ou उ अश्रीमार्तन भाष्ट्र) न्यारमा (क्रीकृषकर्क) कटल ह (कार्र किन म मू लगा हिन इरेगा) मिला बत किले मुनाबन काल्लामा बिहिन्छ ना क कि मिर्देश हिंद में)।।

िठेक ब्रूमा बन गमारिका विषि वर्ग जराडि: (विविध विष्यवर प्रकार्वरी) कियानंगन-अमाकट्सः (दिया अलंबाम ७ साम्हामिका) दिगकिटमाय्ट्यार्य-वमः लाखा ह प्रव्यावि छः (तिक किल्मन्यस्य प्रवास्क्रकन नयम अ (भो कर्षावा विकिया), दिवापतक कमा छि-क्ली आत क् जा मिल् विचित्र कि वा कारते पूर्ता-स्वतं लायस लार्ज्य [नवर]) त्रिश त्र मंत्राः (स्रोगंधाक्तक) त्यालाः (त्यम द्रा विश्वमा) क्वीमभी बहाते : (भी कार्वा क मार्गामनेकर्क) भावें मालिए (विद्वाचिष इरेम) कार्ट मामिए (कार्ट शासम अव [अवाक कार्य एएएम])॥ ्रिम्यारम्] हाकं त्याभुक्तिं (यिवसे त्या स्पावंत) 2061 वती ज्या वत्र अभारता पर्वः (अभीत हे प्रवास विवती-

जारेट्ड न की हिट्यारम त्रमुख्यत) वीतात्रिकाय-कुन्दन नेष्ठ व्यतिविक त्यो किक वर्ष : (मानिकान ध्यकारण तपु अ अर्थभ्य नियम् मुकायन्त्र चिवर् र्योत्राका) कारत (तिन धलंकारियाका) अस त्यारते: (अस्त आर अकान कर्न में। मिर्दाना (अकेष्व सद्राध्यम् - नमनाकत्न-अभा पा क्वांताः (विम्वम मुम्तिव प्रमा क्यार-अक्रम वमन, इसने उ मान्त्रादि भारा विद्विष् ररेमा) ज सम्बर्भ मु लागेन-त्यारम जन रवर्गाछ-ब्रुट अवर्षः (० के काकापन प्रान लाए पानं-वर सत्तर्व (५(२ व ८०) गिः सून्यू का वा अभर देशात्रिक कर्वत), या वा कृष्ठ-भदा या वित-अव्य-ट्यारेन के बार्ड हिं! (की ना शक् क न ना न लगाविसम्ब अग्म त्यात्रे में द्राटा न सीमन धक्याच की यम मुक्क [मक्यू में माया]) उछापिना मिका नक्षा पा (तिकारिक जारेकार्य हिंड मिनिक विहिन कमातेष्ठ ने-वाना) अपने मृथीने देतः (तिक तिक आने क्लाप म्सत्रमृष्टिव प्रतिभाविधात करत्र)॥ विभिन्नादक समायः।

र्षेत्र वर्षेत्र काकिस्तमायकः ([य्रायस्य सरम्भरम उ प्रिमेश्य मम्प्राम्य भन्ना में में प्रिके हम्-रान), नमानं नीरंग: (नरपन अमंतीममूर लां या मक) भव की कारा लगा हिंद : (वर्ष अस्तरमं वयमं वाष्ट्र प्लाला वार्यक्ट) वंबस्ती-(कर्मं व - है लागु ; (मूपरास्व त्रार ममार्थात दुक्र स्पुत्रतं टक्तेंच उ विशेश धर्म विकाशस्य [वर]) जीभवभीत्र निष्यु द्वानिष-। निभाभाष्यक्र-त्वी यर्गम् अपविषिठ - भूत्र प्राची विष्य - अग्-विद्मप्- थरे लारे: (यात्रान निजम्दन लारेड यात्रि लामकाता मार्प्यम उद्घाय स्प्रीयं मीय-त्याम (बाह्य करें ये राज्य में कार्य राजान चसवसम् । विषयं कार्य छार्टि) #11 मिकाम वन कर्य कर अमरिक: (मारात्य प्रत्यक्रम क्लेट्यल अदक मानि), जीर मुनका बूग- मूर्लन्-व्यामार्भेत्रीम-किष्टिः (वक्त्वम् कव्क्रास देळ्या बेठेमने लगेंड्रोनंक्षाप् (प्यात्म प्राप्ति रिप्रायो])

क्लानि प्रियात्तं : (यवा क्लानिस्मानं

विकास भाग), अलियशमभी विविधानियं:

2-01

(मन्नीकष्रिणां स्मित्रेष् [नवर]) क्यकाम्पर्वा-एं चारि में दिस्त हिं। (देन प्रमरं भन् म्रायान के हारेक लयेश्वम कार्यक आर्वममा विद्यंता]) विरम्भी अव आवार (अव का विरम्भा) व्यावारी-म्बीम(प: (त्याक्तां क्षेत्रम्याप [नक्]) भश्रक्षिक ट्यां भेगवं य र्च- एक्राल- पारामें स-ब्यिंद्यः (भिश्रेत्र व्यात्र किल्पनी अपने म्पर्यात्तं अस्टिमाधा मूर्यक [नरेक्य]) प्रश्वितकाठा-निर्धि- नमामिमिते: (निर्मन विदक्ता नानित्री स्तिभुमप्) त्मकात (म्याव त्मक्ष अवंत्र [नवर]) वर्षत्र- स्परमान समस् स्यक-ज्यामवस्त्रासल्यः (देक में भर्यक्षेत्र क्रिया-विटम पूनकारिका अभीभवनी) काभायम-यर् से मार्के अवन्त (कास्तरिक र मार्किया उन्मा) भाराष्ट्रिक (एका अस) पार्था ह। [गिति])यानीय खिंग किंदे वीसन् समहावास्ती-प्रकीयः (रिम मभी अ सिंग (अविका क्षा मूल्य

व्यवकास त्या वं सक् कार्य) लाक्षे व ट्या विता

(विचित्रीक्षित्रजी) भूवर्टिन हम्म- हम-क्यमं र्य (अवस्वस्ताम हत्त्रक्षांत थानं विवास करवंत [वन् धिति]) वर्षकां कं खंकिया-मु क मत्रा ता ने कारी का मुर्दे : (कार्न कार्ल हे क्श्रामिक णिविकि ट्रिकेशिक्ष अश्मम् (पन) अव्यार्प्रवाहिः (क्रम जातम् नतक) वीहि छिः (जिंश वाकि माया) प्रभाविवा (लायमा (नि। भेन न गय भ्राविष कार्न (एटन)।। किल्पा बाद्ध व टकाय मार्श यमगाः भार्ष्य विमालकः । श्रेक स्मिनं समन कि एक तमार् में प्रकार (भिनि नवीन टिल्लाट्यं आर्मिश्व प्रत्भासन ला अप्र पड़ि का क्ष्मित सार्व मार्ग भिक्ष वर्गमण्य टलोवं का हिन्द्रवीष्ठाया मिर्यन पिछालम भाविष करवंत [अरह]) प्रमूर्तराष्ट्र-विक्र प्राप्तक प्रमाश्वालक न्छा ग्राम (अविभून अवस पुरुष त सद्याश्यक संसर्वन लाजार्मानं विशिवा) मल-भाक्ष- हिंदरम्बारीयार् (भड़ा, भक्ती, क्रु अ ला अव्विक्) भूतः (अव निरंखरं) Сमार्य के के कि (से के क कि कि टिय) 11

जीलार्भाति अस्छारिवा वित्यान विकासरा-31 क्षेत्राष्ट्रिकारि-कारित्रहम्द्राक्षकमारं-जिमा (मक्षी त्मेवी अ कृष्टि वित्र वस्त्री मर्ते व स्मान राज्य कार कार्य सम्मान्य स्मिष्यकार्भ) पिकारतक विकि समाधकता-सर्वेत्रीस्पर्ण (गित्र सिविस पिया बिहिन कल्लक्षा द्वेत्रिव ववाकाकाकाका [745]) will can and (a) So Calia. ज्यास्त्र) भूतः भूतः (तिवस्त) कार्छ-त्यात्रक- (बाह्मक्रमं (क्राप्टां त्राद्ध -अष्टि द्रम रम)। काकी-रूलूय-राव-कड्राम्मी-जारेड्-हूज्यती. क्मियावानि-मू-दिका-आवित्रम्नभाटा-ममूक्मा (शिप्त क्यारानं पंजीयं राज्यं कर्देप् वर्तेसर वालंक रें हें के कर्ं वे ला के की भाषार्थि मुख्यकत) जी भर्भी तातिष्यु - त्यानिष - मरा-त्वभाय-सर्वक्रमा (मिक्सम सून निष्युडाम-वर्ड मम्मान तीर्य विभिन् के आर्थि

सट्यक्त किन्द्रिक्त) भीम्र दिशक्तम-केत्रंग

(भ्रमिष्टित्यार्भे दिवा इसे [नवडं]) सेक्सेस-च्या क्या (क्या क्या मंद्र में में कार्य-दुक्तम मैकिस्पे स्वां में ट्याल्या)॥ मिलिया कर अन्यित में से मं मं मा निर्म हाया क्रिंग 5-1 (गिनि मिन्न विक मुक उ अर्थ हत्तरकी कि भयादियात्व महिल) त्यक अपृत् : (स्मर्मालम ल्युरावा) मेंड: (एक्टव) व्यक्तमानि (अत्रास्त्र मानी) अन्ने कारिः (कन्न की-(क्पारिक) में प्रथा (मील कर के प्र [नवह]) टमन ट्याहर मा के दी किम मा (हक्स मार्स-क्स भक्ष (तरं म्छ एक नियम) स्कीक्ष-(अम्म: (जिम्डमक साहिक क्रिया) नी सप (ना स करेग अका धारि नियं (नी सप हम्म कट्राक्ष केल कालवापुत्रका) लेळ: (भुवेशव) मिल्हार मर्ठोत (इरर्यं मिल्हा द्वारात्र कर्द्र)॥ मबी जिल्ला भिक्त विकास के विषय कार्य : ([। मिनि] 21 यमकर में में राम संस दस क्रियान महमान विकित), पूलीजना मृष्य प्र प्राम्दि विकथापूछि:

(मेम्य मेम्यमान कार्यका मेमारे) ल्पणाद्यः १ (शक्ताणालखाना) सर: (१ वंत्र क्री (अकला व हिल लाकस्त करवंत) प्राठम्माहिस-भूका त्वाहिन देवा अर्था पार्टिय में (। ग्रिमि भूला हन त्माहिस मेरकार थान आदि में के लकुर्द लाभीम सार्ष्य मरत क (बन [पानक]) आम नेम मृष्यं न मक हिन्क- नारिमक विस् निमा (मेरान अवस वस्तीम हिर्क डाल पकरि नाम वर्ष विभूव Courter assolow ons (Q(E) 11 प्रिका- मिका- मुकाममाग्ण- भरामाव ने उब मामग्-क्षेत्र वर्त विति विकि क मूक् दा सी स एक (माना किया (।धारी भूभिका भूकामा धामीम अवस्थाननी-सर्ग दे क्या म स्म म व्यान यान पान का के ब्रामें म कर्नत), जामूलक्साक्ष्णर् ([भिन्न] जामूल-अमर्केष) ' लवंसार (लवंस्थार [त])

माहितियं श्रम्य (हानं भ कार्यक्ष भाग मिलियं श्रम्य भीम्य भीक्ष्यं प्रम्मे मिलियं श्रम्य (हानं भीक्ष्यं प्रम्मे

किन्न माडिशन भक्त - रीमा सेनी- भूम न-

त्त्रीयप्राष्ट्रिय व्या कि कार्य भागक मामक मं (ग्राप्तवं वित्र वेश्वर भर्म भाष्ट्रकं वायहापि इते व स्पर्रं में के संकारण काला आस्टिट) कल्य्रेड टरसर्प मैगन न्यामक्र क्लिंग (ग्राम पाम-चंक्रमण कलाल्न स्प्रिंग विशि हैं में में अभी विषड़े]) हारी प्रमास -(वंभ-वंसप वार्थेल- पर्केश वाकार कारामिक-टस्या श्वं य या में क्या टिल्म पृथिता (म्रायं वार्धे य वं तियं दि अपन के धवा अपन स्पानंस अक्रवं काल्या वक्षित्र कामिव भाषी विशिक आर्प करियं हे एपे अवश्वात्व काल्या ध्याक्ष) स्टब वर्ष प्राप्त वार्च गाटि)।। गात्रव्य विवास भातः लएकिः (विविध व्यमण >21 अम्बनान), प्रमुखन (विचि) ट्यावम्टर (क्षेत्रामं), अवकाश्चिम्दियः व्याम (देखम क्क सामी माना) लाका दि। व्यम कर्म कर कट्टांग (म्यां वस्त्राम क्रिया क्रिक्स क्रिक्स दिल्दस -लाय कान्ने कार्टि) त्रीक्रियन. क्रोताक् िवंभाकीकृति ब्राक्षामां : (विवर्

ग्रामं] लक्ष्री का का क्ष्रमर्ग द्रेव से -म्मरात्) भण्वी लाक्ष्यम नक्ष्राका कार्व (धरव म्री-अन्ते द्रक्ष्यम कक्ष्यामानं कक्ष्यक द्र लार्डाता) प्रसार्वावनी दिवाहिका (मैक्सरावं मर्घरं मीछि (लाटा बार्डिटर)॥ नाय(भार्म यती विषक्त या त्रिं आ (भारव मी ह्ला (मिनि लावन) एवं में में चित्र नी डमी डमी पुक अलाइन अभीप दुर्य के (का हा हारंप करवंस) ' (का हा-काल- निष्य विद्य विलय किना करे एक प्रमा (मान कार्य में प्रवासिक दे कार्य हारम किट्य वक वसन लाल भात्रे एएड), भार्त्राक्ष्यन-पिन (रमकद्री-का एक मूलमाळ्य न मार्च (पक-वत्रक्रोपिविष्ठ र अम्म अर्थन वंग (विनर्) पिति । भ्रेष डेक्बम पिक अर्किमी का खिन आय क्रिमें अपाय मानुस सम्मास्य साहित्यार-या मिन तर की किएक विश्व विस्ता देवतारं क (वन) 11 लागिः भून्य- मूकाम् विममकाद्याम्मान -

चिने (म्प्राचं त्यातिस्त धार्मे माप्त महत्ये

सल्यासम मेप्राया (काला) प्रम्पार करा-म त्यापिक सरा भार्य क्या क्या (याद अस मूला लाभुम अवस्त्रमुंब (भूष्णम् वाम् [नवड]) कालं कालं (काल कालं) काह उस मार्थिकन-मरा सार्व र मार्भे काला- लोग स कित विकान-कारि-मूहस्वावा जियावा भूषा (विकिन क्ष, त्रिंडाम), स्यासर्गी के कार्यमान के का कार्य कर कार्य काायुः उ रक्षडकार्य खायान (लाम् करंत्र)।। यक्तानीन मूल मूलः भू मकसा (धिनि) निक्छ व भवारित भूतक (भाषा) विकासम् भाग सत्म कुना एकं-रि अमले य दि जाने मान माने निया (बीकार-मन्द्र प्रमा हमार र विकार वार्ष कलार्म वार्म धामम धामका (मेकार्), सार्वत् का का क्षा (विषठ ने सार्व त्रावा यस प्रकार्त) किकिश किकिश डेमक माकू नामिया (मद्भद काक्य मान एमी भाषा) कामी कुमर (ममी-मरेक) धारवक्राल- त्यल-क्वरेर क्रिले (निवय-किय विभ वेदमा काट्य) का कुन क्रिका (क्राक्रम विश्वम मान कर्वत)॥

न्यासालं ([ास्प] न्याकिक म्हान कालं) प्राउठा-समामं मलगा (असम प्रमलाव हार मार्थन-भूर्यक अयम्प्रत कार्य) म्योहिः (मात्रीमने) टिसर्ग (म्याइटिं) असे अरेश्याति हिः (तार्रेय करार ' भेष्य मक्स्यर) सर् सर् ला है सर्मार्तः (नवर सम सम अम् अमार्मम माना) ल्प्याम (क्रायम क्रायम कर्त्र "[ग्रीय]) त्यापुम्पय प्रम्म (त्यापुम्मधं व से महत्ता में) सर्ने उम वार्से प्र महात्वरं (सर्न व वार्से प-१९५) मंडे की (या पु का कृता) प्रत्यक्षी (राम्मारकारत्) मानः (म्यूमा) मामामाने १ (मिक मू अभी 3 अधून हर्वन) अट्रेस पर्कार (अपि अंग्रंक अम्पत्र करवंत्र)।। त्यां क्यां ([नद्वं ल] क्यां व्यक्ष आउं) 291 हेक्डि: कल्पितीया-कमामपूरियः (हेल्म कम्बलामकमार्यभूते कमाउ:) व्यावीमिकाः MAR [LAST CHELLIMENT J [345]) लामायात्रं १ शर्द कार्यात् वित् (लामाय १ मर्द्रकार्य-मेंक) कः लाख् (तथा न क) ज्यासाकुलाव-

क्यः (क्यासम किल्मिक) न्या ना द्वक - सराप्रे ना था-मिल्दाः (च्यानास्यं लाखितां अवंस लयेनाम-रंग) आरम् सार्च त्रांगः व्रीवः (आरम्) . व सार्व्य स्वार्थां) महत्रेश्त अव वसः (अर्था व्या कला विव कली कुछ इते था) ट्यमार्ड (बिरान करवत)।। लोब नामम- दिवा द्यारम छत् (भारादन विवा उ अवंस ट्यार्थ वियह हम नजाक (म प्युवं ३ न्याम-वर्ग), नवनवानिकंक-क्रांत्रकारी (भाषाका मिन्त्र अम्लस कल्लवं काक्न) रेकल्लारन लव अदिन् (म्रायं हिंद क्रियां देसारं विकालकात [ववर् यंत्रावा] व्यक्तारहरी: (भूतक शिविष विकाम (१ कू) कर मार्गिको (क्षात्में काला हाने कार्निक [my]) भी मुलायमम् छत्न (भी मुलायत) का निष्ठ-की कु प्यू पूर्ण (wo मिंद् क कु भ म् (x) म्मः (तिवत्र) ट्यामीव्कारे) छत्रात् (ट्यमकारिष द्वकारामकार्य) वर्ष (वर्ष) लह व मक्षाती न्य (लक्ष्क प्रमां व प्रमां क अप्रमाम (काम कार्व)।।

लास (लास ;) जीराव : (क्यु केंडक्रव) 28 (अप) 201 क्षिक (प्रक्रिक) क्रालावक (विलायकार) प्रधानकार्य (कार्यकार्व) मा (त्म्) न्त्राधिका ह (न्त्रास्वर्त) ज्ञामाध्यार् (विन्य-CMEX) OR (cont) contrato (contrato), जा: (अरे) कल्लियीया: ह (कल्लियीयात्राम) भराहणाक-मूसक-असाम्यः (किविविधि लक् व्यक व सह करिक्) (व (अर् अरूप) प्राक्तिः (भाक्ति) ङावाः ६ (७१व), मा (अरे) असायला ह (असायला) CH (ONENA) (किटल) 6 मिर्कु के के र्ठ। स (अर्) रेमावय माई वी (स्रेरेमावय ने कड्ड (कार्डा) (ध्रेरेका विवाद सकार्व क्षेक्र)। धार्म री), ली निक्नुश्वाया: (निक्नु नावित्र) म: (अरे) भर्ना विभा (भार्ने म्) वासामार्गः (काससे) ट्या क क्याम कि ट्या कर रंग: (ट्या कार्य) किटमार्च ३ म्यासवर्ष किटमारवं) सा (अर) लक्ष्यी (लक्ष्यी [नवडं]) व्याः अय (ल्य किटमावम्मरत्यवं) लिलाग्र टमाकीअप-

बराग्रम् मूर्यकारी- नार्शिक्षा (अव्यादंश निह्ठ धानालकानीन नर्सामानम् (रक्) भक्ता हिं (अन्सिम्सि) सार्सि १० (सार्सि) सस (ल्पासं) कामार्व (लय त्यामन रहक)॥ अर्यातमकप्रमु आव भवमा भावामु (वी (विनि निक्रित लामस्यान्त लाक्षव लावां सराम्मे मक्ष [भिति]) अवंकतानाव् (कल्लकताते पूर्ताय अवाकाका) भडाडे (आह कार्नेमाट्य े [मास]) वाहिका माभी मार् (जीवाद्याव मामीमार्गव वात) अमरावि (अम्म अभाभ कर्वम [१ वर्षिते]) निछ (प्रक्रा) का अविकृ व म्ला (कामकानिष काल्य डाव) आ खाति (र्वावने कार्वाहरूम), ब्लायत वस्तान (भीक्लायत क्षिके ए [करे]) न्यारम (न्यासम्) कुल्पारने (कुल्पारन के विष् मस (आसान) मठ०० (मर्यार) का जाल (क्या अक) अशामार्ग (मिटिया) कृति: अमु (बाडिब देएए रहेक)॥ नत (टनम्प्र) मर्बे बंब मरात्वा रेश (सर्व-वंसरते वर) अमुर्क कि (स्त्रांश कि के)

अवार्कि इस (ज्यांवार्किकंद्र पानं लगार लव्ययुनंस्त्र) अवः (जम्म भार्किर्य ियर टाम्पा) ववमभीमा मण् (उउम मभी-यत) वर्षिक भेष्ठ न्यान (व्याति के न्या ने प्रिक्ति असल्यु भूर्क) वर्षेत्र अप (छत्राएवरे व्याक्ति मात्र हरेया) ज्यावार (मिलिस्वरे भाग क्रिश्व क्रव्यमीयं कार्ल) (आमू भी कि (रर्भ अमू कर का में (कर में]) वृक्तवमात्रा (अविकासमाधक) वन् (वनिरे) वीसम् मृत्वावतः रेब डाजि (वीच्यायतन भाग्न के काम आर्थ कर हम)।। २७। द्यावरीर (अव्यावन) निरंकित्रक व्यातार् (व्यवानियं) तिविधिक प्रमर् (अप्रामक्र) प्रांबंद माम (९० स ल्यम् नं [वसद्ये]) यासाक्को (अभिवाक्क) तियासिकमापी (लयहमार्थ सर्व) क्या ट्रामार्थ मर् मेळी (लास्पात देवस अस्माठ्यकाल [नवर्र]) विम्मीडि: (वेम्मी एक्) मिन्धिमा (जमामार्ममा) (माम्मीमा भा महानी

(एन अवस्वस्थानं मधाना) वरे दम- स्थ-वापुरमा: (प्रवाप्त्रमेल मैभय विमयं) सुल्यं अं (कुल्य्यिमारावं) में के न (मिन्ह द भूषि विधान करदन)॥ लाउर त्मुरो (लाउर १ में हेंग्य ;) लाउर त्मुरो : (लाउर १क संद्यां) लाउर अर्जा देश्याः (mixi ig mes telu) i) nd (chisa) मरान जाल (नगल अर्व विस्थ हे दक्ष ना नी गाकु ३) मद्रायाल (अवस्पयलसंग) र्यायाप (भी मृश्तय (तव अवि) त ववः (धन्वकः इरेट्ट्रमम)॥ लाय (लाय ;) एवं (मार्ट) सडवरा: ज्याम (क्याम मरदार काक व) लार्ड सरायमकर् (वारम अवसाय प्रवास) रेमान्यर (व्यर्गिना-रम शास्तक) र क्रांक (लाक्र म कर्वर भ [जारा दर्शल]) मः (जिति) क र (निल्ह पर्र) नीठ छम: बाह्य: (कार्क नीह बिनियारे मर्ने कार्नेट वरेटम)।। भान्नायमं के (त्र (त्रव्या क्षेत्र काम् क्षेत्र काम्

281

(क्यर्यस्य सारम् काल) प लयंग्रावः (लयं-कामक्टि) सम (कामन सम्माम) लाम हाक-विव्कम: (जान, डाक्डि व विवास) किं वा क्षिकाष (ष्टि देशकानं क्षित्व हे)।। २१। अम्बिमा-कूननीन छत्ने क्रान् ७१० भार विक किक (own gan gan, केंच ' आय व अप्रावा लमके व उद्गाप क लामारक हिन्हें) मतः (८०४०) र्यायम विकाम्या : (मामवं मास् र्मारतं वि लये रामस्य वात्रं महा नारे , [अरेकाक]) अयः वि (अयक्ताभरे यम् उम् ।। 5+1 Rd (CNUSO [MUR]) Egid (5916) HAG (प्रध्य प्रवित) मांड्ळों (आंड्ळोग र्ज्यूक) र्माव्यर प न्यान (र्मावत्यवं लायन व्यन् कार्क्टाह्म (किंत्यर) कड्ड (क्यास) (क्यास) Coureling Courel: (overing courey it auto [नर्]) सदार्घात्रिक्यी: (अरुर्ध्वाम्)॥ र्श दिल्या हर्मा: मृत्र (क्या दिल्या एपय प्रक्षा कार्क में एवं प्रवान कर्षिटिय " [नामित्क])

धरान (अवस अवाक धनानी) कामी: (काम काम) लामित्र हु (जामिहूं उर्दे भार ् न जममारें)) इन्सर्त (इन्सवन-विभग्क) वृद्धि विमा (अम्माम-भाग्न) क्यर (क्रिक्स) क्रक स्थल (क्रक स्थरम) and: (we syca ;) !! लक्ष (लक्षा!) भू छ : (मूर्ज मात्रम) विरे न्यू कर कारमंदम् में में मा अब में व: (मिक्रालाश अंकरं-सर्भ द्वेरे से तम दास्तेस्त अस्थाप्त कार् ma sigin) ousmoused (ousulyin) र्मेलायपर (र्यावराय) प समेख (लासन अउप क ट्यंस) 11 धारा (राम याम : [लास]) में (त्रायह) र्मायपर क्षेत्र (र्मायप क्षेत्र कार्यमा,) कार्य कर्ं (अग्रेडिंग आस्तिम अस) हिंदसर (दुन्धिक अस्तिमाह "[लक्ष्य लास]) असमाः 506 (92 th Deman) 26 502 (में वर्ष में र के वर (असम द आरत्म कर्ति व वाट अवका अवाम भूरक) कारत वाल (कारव: रे) विभए कृत्य (विभ भार कार्याटि)॥

6>1

051 [mun] म्हाल: (भावना महाना) कामा: भींचे वाः (प्रिकाल म सर्वे भी म कि नाहि [न कर]) विकात् व्यक्ष्त् (मिश्रिस समम्बाभीय अल्डाम) क्ष्र् (विद्याप्त कविमाहि) रा इस (शम किमाल मस्या) मुलायम विमा (म्लायम मानी) पिछ्याकर जान म अला (त्मामन असम्मी म्ली करिएटिया)।। हेमछ: अर् (om रे हमड वार्मिंग) कि 100 करवानि (ज्यां कि करिय १ जिल्चर) जिल्ल यर किन्दि (प्राम्काल में यर किन्दि) अन्यामि (अमाभ कविं (छि , [य 36 :]) नू आं यम विमा (बेलाइएउं लामने कान कान) स्थार हार प्रवक्तार (त्यान हारु उ त्याम महाड अक्षान) मार् (मिथ्रहत्त्र)॥ (छ९ (भर्द) भर्द-बन: (बमाए व मकन त्माकर) मर्का (भक्त म्लात) व्यत्रमाम व वार्ष देव (वरे प्रवंशक् [एरक]) लगंद (ए) वं : लगंद अख्व : (तर् मक् लाय, वर मक नाटक,) द्वि त्रक् बम्म (परंक्ष मिया) अस्मिम्स (ज्यम),

वाल्मेर (वाल्या) पर्येष ([3] प्रश्य व्यक्त) दुत्त्रअद्तेद (दुत्त्य सात्र क्षतं [नवर्ना (पर्)) ल्बार में: यर ववं (अंसमें: यर) लिं! क्रिक्ष (ला शब्य ट्रेस) कार अपि (लाम करते [नवर्]) ममाबिर्दः (विविध) दःरेशः (दःश्वाया) mps (afles 24) 26 am (amme) CA (mana) एरड: (एड) रेसान्य लक्ष (ब्लावत्तरे अवस्थात कक्क)।। Cकार्यस्य अरावे था। देशित्रः (क्यारे एकार्य-इस्रालक) कुलारे की हला हा: (कुला कर कला क्लीक्क) वृत्तावस्थिकियी (वृत्तावत्त्रक्वी क्यीमावा) वर्ष्यमन् (वर्षत्रं क्ष लयं बामव्यमन) अविकाशिमिन ह (अविकास विवर्)) जापात्र)-डाशक्ष- त्र्रायम- म्रापान्य भून कर् (उन्याद्य अभिक अका श्रम् का विका लर्भमार्ड प्रवेषक लक्ष में यह भाषा न्त्रीसर सभीसक्षर (यभीर्य) लस्यर (विसम्ह) निष्विष ([3] अभीम) प्रभार विष् (अवस बार्ष) बार्षि (अमन करवन)॥

[आमी] करि (करव) क्यावत (क्यावत) कामियी-मिप्ट्र (गमें अविकेष्ठ) में के स्वाविस (क्ये वके-र्मि) स्राम में वास कर्ति (भाष वंस पवा के ति) मिटेक: (मिका) किल्लाबीनित: (किल्लाबीनितकर्ष) मानि टिप्पराम् निकर्षः (वस्तीय डेपरायंगार्थelai) záczaló (czalá chul) muez-नीनामम् (विहिन्नीनामम्), वर (तर्) ट्यां के यो का कि ट्यां क कार ने या द (ट्यां क कार न वस् आशिक्ष्यं विकार में अथ (क) त सिव में वेटा के वि: (द्नरात्तं क्षिमातिक मैं प्रक्टर् मंग) लांबे श्वास (भारतिक कार्वेव १)॥ ०१। जिन्द्र सम्द्रीव लामा (मायान वर्गमात व्यागमात रूपूर), विम्मकिटिडि अभूर्य काकिया (बिमास निष्युप्त्ल हेळ्डत हल्या), कूह-में कें प्रेम (कार्य स कार्य कार्य (हिम में भर्य म टमालम मेकाराव) व्याममं (वप्रमाखका (त्यीव ध्यादार ठक्म छष्ट [ववर्])क्रक-मीन समकाक मामाळामू आ (गार्मिकान ज्या कारण अप् व येत्र भेका में का मच प्यात्म मार्डिटि [कर । धाति]) हिन्द क्षेत्रश् व प्राप्ता (। विहिन

(कोश वसर आवेकार क्षिण्टर), अर्था आसा (ग्राया (ए(अव सम्) लाम अन् े [न्यं मण]) क्रक्रेष्ट: (क्रिकाक्षप्रवर्ग) किटणानी वास्त्र-राम् (क्षिणवं वनमा क्षामा क्षामा क्षाम किन्नी) सस स्व (outer मुक्ट त्याकी स्थाप 本事用)11 मभी (म्प्राव) लाळातु (हिल्क) च्या अस्वा अस्व के नी-जरममा का हः नाम (क्या मान्य कर भावका के न शुरुरा अर प्रतिषं क्रायित्यात) में प्रियं (ज्याम्य दंग) य: (थ्रिम) मारं मारं (त्र प्रकल) क्लवली (क्लवली) नवीत क्री। (त्रवीता एक्से) नायके जी जाक जा मार्चू रे : (प्रम्य) व प्राप्त क पान क पान प्रमा) मे यु टमार्स्य , (मायुग्रम्क हिन्द (मार्ड क्ष्रिंग) लयं में कर्ड (अर्गमल्य) डार्यार्मिय का क्रिती (जाय का न गक्त करवंत) ' लर् बार् (टम्ड्र मक्त्र) अवसार एकार काल (कार क्षित्र मा [मक्षेत्र कक्ष्री भन्दक)) बीका (म्प्र कार्यमा) मुदक्षां (भूमा अकाम कटवंत्र)।।

06-1

[म्पर्यं] र्यायम्मस्त्रियी- यात्यमा (क्याहः ।मुद्याः 601 (न्त्रीक्रावित्यक्षेतं भारतिलाकं एमाठ्यं मध्र-सम्पनं) लाम बाक्षकर्वाः (देवस वाक्रमं अयाद रहेख) भीताक् लिक लावकारिए: (नीया, से ल त (क्रानं महित्य मार्क) के कर (क्राम्ब Squeez " [own]) orgental (orgenuin) amystuc End toy in (Jai sua Conf. मात्रीअनुटक) अटक (मन्द्र कार्च)।। [मिर] क्वक्षक-मेरण्युं (एक काकर्यन 801 काल्याम्बर्ग) अमंबन्नी ((एर नण) प्रामार् (मन्ते करिया) रव ० करिय नी ना का डिल्ट्र लक्षाकार (प्रमुप्त कुल्लावं भुषा व साक्ष्यार वस्त कल्पत), विभूत्र अभग त्याम् त्याने (भाषाक (वरी विभाग तिण्यादा भाग कविला [2 वर]) आम्मिर्गितिव कतकमरीर्ने (अभ्य) वाक्षाक लाभी (भग्यान सम्मातन टमाडा निहिन मी किमानी मक्षेत्र भैत्राधावंत पारं स्ल्य (तात) ॥ नवनव वसमावाकार- सूटम् वकार (निक्रम्पन दुक्त बंदा का कार्याप्य दि क्र म्या में कारा व्य

में मैं मर्ब रामासम) भवतव्यस्य लायर मक बीहर-मंग्रिकी (मूर्याने मक्षेत्रक्षेत्र) पुरिक यन्यतीयत आछ्रव व्यवत् हक्ष्मणात (यम कार्या ६) कृ हिं रतम् शकी-दिगु तकमून शामप- भूमानिष-क्षित्र- (मेळ- त्यात्रे में यार ([न वर म्याव] मधावक साधानस देशमकामन सेन्सी रामन-का थि अ हिन्दे कि में न स्पर्वा लयहें क देंत्र गार्ट)॥ व्यवनेक्षिमाधिका विकार विषय कर्न-स्मादि बंदे सन दियर तादु के लक्ष्र क्ष्र क्षेत्र शिक्स) क्षिकतक व (भ्राम्नाभिताभा अमुक्रार् (तापिकान लामकार्य भेषपु व ब्रेम्डर्नेक सत्यक्त संक्रास्त्र) विचित्रकरान (आ न्रम्क मुक्की (मालनम क्रिटिल प्रमास्त्र क्रियं विवर्) देक्ष्णन्यन-विसाशक- एक ने वे हैं ते ि ज्यान कर्म व हैं के सद्भरीयो स्प्रयमं स्टास (प्या का कार्ड (E) 11 क्रिक्राने विवास मु कि कारा मूं ती कार (मात्रा व लामें स्थाने स्थान स्थान लामें वाम कार्म हर वाया प्रत्मान्त) विदासमा कि प्रार् ([मिन] म्रायम् कारियां अ देळ्यत) क्रातिकार्

लाबद्रश्व (क्ष्रेष्ट्रे मुख्य करवंत्र) अवस-कि हिं - से कि आरो स स्थार (माराने तर प्रेंत कार -त्य अनु) पिल स्थित्वय सम्सा काक्ष्र (म्रास पिकसिलाल साम्सम देश्यम १ व्यान [वर]) सन्दे सन्देशुं वायार (म्रायां अन्तेमाण सत्यंस नू पूर पूर्ण विद्या कार्क विद्य)।। [मिरे] भीय मा (भीयाभठकार्व) लाउन से बा दे हैं (प्र क सकार कार क्षेत्र कार्य) कार्य मायर (लाकु आंग बंश (पार्य) विमंद (विमंद्र । बीका, (मन्त्र में वक्) मचीत्र गाम (ममका मामा-अर्कातं) सँ दः (अव्यत) द्वाम त्वामार (द्राधात्क क्रअ: म्टल क्रवंत करवंत) माठ्यम-मवक्षेत्रण-प्रकामिकारि हवाकेवस् महन्त्रार् (म्यावं सँसम्बन कर्यमन वाट्यिव प्रमास्म-थायक सर्वेद्रामा क्षेत्रामा कार्यका का चार मार्ट [नवर]) दुस्रमर्बामस्वार (प्रवेशव त्रांशव पानं भूमक मानिव विकास श्रेख्टि)॥ [मित्र] अन्यत (अन्यावं अव्हि) अन्तर्भ (अभाभन्यत्वतं) किसान किसान हाकसाम्पर्

881

801

(सम् स्टू आलाय कार्टिक्न) कियां कियां (सिश्चित्य) रेडि: शमपर (मनममेशलनं Paran) कार्यत्युर्व (यक्षाम कार्या वि [745 1 न्यायं]) किराज किराय (पायरं-भाववाती (त्र मका अभूव- उमीमर कारन लग्णियाम् द्राटिं [नद्रस्य]) असूर् (ह्यानं क्यार [own]) कल्प (क्रा) ला : (थिक अंतर्त) किस्पूर्ण किस्पूर्ण अमारू (लहे वर्षेत्र (मुक्क कमउन्धि) लार्धिक मास् (ल्यांस्य कर्यंत्र ।)।। 8 न। सम्म ([लाहार्क] सम्दात्त) अवर (लाम्भा) मार्थामाः (वाका कार्य) अववड (विक इडक) विलियापिल (सप्ततक) अवर् अवर (अव अव) अरस्त्र अंगः सन् (अमा माठ अाठ्य इड्रक) या (क्रिसेंग) क्र बर् (भिक्ष्यरात्र) यकर (लम्बारा) लयायाचा : मक (डेनमार के डेनमार्ड इठेड), जमान (क्याल [क्यात]) भीवम्ब्र (भीवत्वं नक्तान सम्मद्भाम) . ज्व (अरे) टार्म मी मध्या (टम्पूर व प्रायम कारा दिस्त य कर्म माल) भारत

मान्ट् (तिव्यव भव्नेष्ट्क) मामव्याद्विम्पि मूर्णि: (अमे कार वस मिल्रें के सेल विस्में (लामारं रसामुक्षसन विस्मेग्रियं हाना क्राउद्गा) र्मायत (र्मावतार्) विभागि (राम कर्त्व)॥ िर कीय!] प्रभा (ज्रांधि) नमानि नमानि (वस 891 बस) जिने वर्ष- अक्ष्यमारी (जिने बस्मी स्मण ३ दलमात) देक् (त्लाम कायुगार) ० (क्षि) लाद केरनं : (लाद केरनं) म लव आद: (क्षित्र स्वित र्माय) मद म्मल: (अहर अवक्षित) कार्यक (क्ष्य क्ष कर्यग्रह, [122]) and ed & (TAX essis on 22 भर्य) मध्यस्याम् विछाडः (भर्मस्य भाम् बाल) Med AL P (Meder ship ins) & @ (12 @) [[[[[]] M R O x MO : (] a 5 i wy)) वर (लक्ष्य) असम्बः (भर्म समारं) सिर्मित्रे (15 3- 53 in) xxxx min (war our we were थरे) र्मायपर (र्मायपरं) द्य (प्रका करं)। स्मम (पारं । मुकामम्म) में अनुम (ठाक अन् लाक म्रायम् क्षिनाटर) " २०: (लक न र [मक्षाष्ट लास्त])

861

लर्थ वर्षः क्याः (अर्थेव ३ एक्यमेग्यं भर्म्यं w रायुंता) रवं द र्जा (ध्रुप् रेट्री) क्ला क्ला हिन्म एक एक (नवर वस् म म अववहित) क्ले भीतन ह (कि भीन भाषा) आएड: (विक मानी इसेन) लाइटम्सार्डाट्: (लाट्यां गार्सेट्) हेक्कार: (नवर तम्य द्रमा) अक्याम्स्य मः देव (कार् यु म थ(य वं प्रसं) mos दर खरित (Surani उद्रेश कार्यरं) १ ते प् (ल व म्या पर्य) की कार्या अप पर भा सीत करण : (की कार्या व अप-अटमा व राम्मार्य सरक्षित्य मारक्षरम) क्या वत (ब्लावत) क्ली अग्र (बीवन एक रिने कार्नेय)।। 8%। िमार्] त्युरवर्ष (कॅट्वटबंस प्रापं) हथ सम्मर लाश (हममामा आह इसं) ' ला : १ हर् (वाकाद्र स् । कु डड्राव ।) अरिकातः (र्रेटका व्रें कार्त) बर्माम्बर (क्याम्बर) भडी (भडी इन) 'ख्वः किर्म (कारा किर मा लाक कि ।) मर्मा डकता-न्यार (यह द न में के के कार 3) । में कर (लक्ष उत्) ' २०: १९ (स्थावर म १९ स्ट्राव) ' कम्पवर्ष । ज्ञांत कुर् (क्षेत्र कम्प्रिक भागां

त्मामामित्रिया ह किं (अपने ट न मार म त्माम-अविशिक्षां लाहे व सिश्चिला का का का का का कि मैक्स ४४८व डे) मा: (CNSS) प्यारिमान्य-भत्त्रमान्त्रेल (जीर्मायदारं त्राह लर्माम-वर्ष्य कारक स अप्रक) सर्: विषे स : (मिल्स अम्छरे विष्युताकाच)॥ लादा (लादा ।) असा (अमामिलाम व वंस वादा मर्देशाह (त्यांमा ३ व्या केक कम स्वास विक्य डर्गा भक्ता (मक्ति विशवं कर्वत) नमा ([मारा] सर्मा) विम्ताबिम्त्रमण्-अक्स वाट्मा अहि भूवर (विम्ताउ व्याचित्राचाक मक्त दीरमम्त्र के के हाला विवासमात), असार्य ट्रिक्ट नामिडि: ([यादा] मिम समी उ देळ्य माजा असीम अनुवासि माना) र्वयम्। इत्यक्ष (लाम याम मर्टिक विस्कार करवंस) विषि (हिंडिल) मास्ट (मास) इतः (वर्मेल) रेमायम् (व्यरिमानम (क)

कः न डग्ड (कर्वा अवा न कर्वत्र !)॥

थ९ (भारां) भाषाखड-छा हित्रमधन १

001

671

CULTE CHIMITA AL MIR LOS) ME Q OLON-

(यमकाल विकास हिमाप वर्षेत्र भन विस्तर) मक (तम्पत) लामुम् (मम्ह जनाम् र) अर्थ (वार्म हिए र भाक्षक) व्यास्त्र क (मारादि मक्ष्य कार्पात्र) केक त्यमवेमार्खिसमढ (केक टला से के समामारं प्रम में [नवर मारा]) जाकियां- में बंसं (द आगुक्षरं अपनं में कि लाएं व बद्रम्त्वं विकालमात), वृक्षकरे (द्वात अस्म मधात), व्यक्ति भारे भारति (व्यक्ति व्यव -सार्यसमानी) जात्रीत (लाइमा) व्या (अरे) मुन्तावत (र्मावत) केन्त्रिं (दैन्यिय) ग्री (म्पे) मैस्याप (पास) ल प्लों : (मन्त्र करं) विः (01210) लक्षिमार क्षिर मार (व्यक्षिमान) सक्त बन भरिनं अगृत कि !)॥ गुड़ (गुड़) लयुड़ हम्में ([धुरवरं] लयुम. (भुकास्में द्रमंद्रमं) वस (अस उद्रायह) म संख्य लय दे (लय द त्रम्य म्या म) महाक्रesay assissof (one supported) + en लयड र (लयड मी हिम्मायी) व के अप्रेमं अवः लास लिस ने प्रवर् (लयर के के स्पृत्यां भी)

क्टिम्स्त्रिय (लयक एमे व द्रावे व्याम् म्बसंबाहसेर लक्षेत्रकर (शुनं लयर सद्यास्य न्मानी) देएए (वरे) कुन्मकरण् (की कुन्मक (नकं) ल्यात (लाक्तर करप क्षित मादं)।। अवस्मारम (प अवसारमानां) जिन्द्र (अरम-किंगं) र्यायम (र्यायम : [mun]) मार्ट ! लम्ड (यम्बलम्ड) मिन्डाक्रित्यः (यक्ष सक्ष्ट्र पिन त्यम्बाना) । भिन्द्रमाक्ष्रतिकः (अस्तनं क्ष्रांपन (भाषा) बीत्र) (पर्णात क विस्के) रे खपरे निष्ण: (यक पक पारिकामा का) टम्बल्ड (टाराय-(आ ब ह) थि मासि (ला मान श्रुं) मनन-खिळाळ हि: (ला अड मा क्षेत्र) लळी माना प् Brayer (Carris Tame By sile) mentine (क्या कर्ति) " अर्डाकार्टेस (प्लाहु अस माना) विमि (कास्य काले प्रतं) कार्तु गरं (त्यम् कार्व [- वर्]) कवा आव: त्यारिहिः (त्यारि त्यारि उह उ स सक्यां) है। ((() स्पर्क) मामने (क्यान श्रुक) व्याम (कार्य ड्रांट्य ह) (य (on ma) & 18: (El & shar)#

001

रि (ट्यार्ट) द्रम् (चर्) र्यावपर (र्यावप) अवस्तर्व (अवस्त्राक) राम (सम [लक्ष्य]) राष्ट्र (राष्ट्र [कर]) किराल (कार स्टल) जन्मित्री (र्याम्यामं (त्याम वस्तं) त्यामाम् (त्याम) निया करने ' (कार्य डर्ट्स में से ल) कर्ष (क्रियं राष्ट्र) मार्के : कार्यमारे (मार्के त्राम्ते टिम्मारि-निर्दिक ट्रांक अख्या क सार्वर्य), यादि (यदि) क्रमत्तर (लम्प्यक्ष्यकाटाळे विश्वा क्ष्यमंस) क्षा कर्ष (एस देश्य म करके (वित अर्थ)) वियम (विश्वा) एए पड़ा (ए पत कवित्व), ८६९ (ग्रम) लाक (१ क्रें:) अकल (विट्डिसर क्राप (एक] म्ल्य कर्व े विक ट्या, १ कें :]) यह ४-मारेड् (हेन्सारिक कवित्व), यि (भर्म) समाम (हित्व) कमा मिन्हमं : (मेंसे व त्या म (लिस् सिम्मेक क्षां पूर उत्त वित्र]) जापुर: ABUNCALUMI: (THY DIM * 13 (4 " [MOTS]) उक्ष्यामा: (व्यावतीय व अव त्राय न्यवन्त्रि) हालामीक्ला (हलाम प्लात) नक्ता: (वर्षत्र कार्नेख)॥

र्भावप (८० र्भावप ।) (a (carrie) रेव:-क्रिक्न (अक्किरि म्निक्रेन) यह: (एएएडू) वैक्षीक अर्थात्रका (एर अपुरक लगा अप्-(बक्कोसपुरक व विष्ट कार्य) मैं मथ्या करा. (AN ga y n gooner aci [nona]) não (mun) द्राम काल (हिट्ट न हरका 3) कर्म में आई (अरेमल) म्राध्य (भ्रमत्रक्षा) न दि विकासि (हेमलाई करिया)॥ AMI: (CI NEUY ! [COLNEI]) ÉMISE- TO-रूपा विभिन्न- मण्य- भाभे- एता मार् रेप रूपा न्टक (प्रवार्षक के वालक र्या वर्षा वक्षेत्र व छनामस्त्रम् भू छे छे महाद्दे म्ल पर्भत) न भूक (out of general) a: (comicia) यक्तां क्यारिड: किं (क्यारे क्यारे अमिड्ड min wary a man) se (2 i) 11 लड्ड (लएडा) क्यां का में वे प्रवेश क्षाव(म (क्रीमंदा व क्रीकिक से स स के राष्ट्रियमें व सात्रा ववर (ववर्) किथिक: (धार्षभू म किथि कीरे) @ात्रक दे देशाय (इंद्राल देशा थाते " [अने ह])

लाज्य (ला साट्य) ह मक्षे आकृत में मा: लाख ह प (त्यमप्रकं त्यम्य मास्त उद्गात द्या अर्थेय)॥ मः (त्म भाक्) लायुम्पर् (प्रवेख के) लयमाय वातान (जनम अम्बासम्बार्व) इकायम अम्मानि (र्धमायप्रवं छप्यात्म) यम्मि प्रथम्भिन्। (यम् म कान्य करवंत) यः (शित) दावं व (न्युक्काक) लक्सम्माल (लक्सम् ए लक्सर प्रिकं मिक्टि अने डामी करवंत)।। ित हीय! प्राप्त] माना भानि न जिन निकुक् -उसत (नीक्टक्य विश्व व । कुछ निक्कू या विश्वासा लयके) अधर अप्राप्त (लाक अप्राम्त अयाकाक्राम्यं अ) लीर्नायम्यात् (व्यक्तायम-भरतक) अवंति विष (द्रेतिस स्वाप्त कात्र) स्रिक्ष विशेष (लाय बास लाय प्रसाप करा)।। वृत्तावन (व वृत्तावन!) भरि (भरि [ध्यामि]) 401 Co (कालानं) प्रमाटक में (प्रमार्त्या) र्य प्रवारं लाल (विप्रवास) मिलास (याद अमेरत न्मार्व), जल (अश श्रीत) क कामानिकार (कन-जनमा), नामकार (भवस बस्मी गा) विक्क-

प्रमा वित्व (क्रिके असम्पितं कावत) प मिलामटमं (मिलि मालवं देका करवेगा)।। र्मायत (रमायत) (म (मामन) (मार्थ अर्थ : अम्ला (अर्थित त्यान्त्व में: अम्ला) कास वचं (दुनामें वड्डके वादात दान [अनंड]) लागढः (लाग्य) वाक्वार् वाक्वालामा विद्वार्धः लाभ म (अरक्ठ उ लाकाक्र भर्म अलाई केन्यर 3 लासन कारीक मद्द)॥ लर्येक्षु (अक्षा) सम्मास्त्रेत् (लाक्ष्यम्) हल-421 प्या कुर्वा जाल (डे लम्बनावी) मुमाबन-प्रति (रेमावपम साम्भान माठ्व) (म (लामार) व्यक्षावः (वर्वे वृष्ट्रिक्) मार (अकूम) छाड़: लास (छाड़ म अकार उठक)।। त्य व्यामासिष्मा अर्थना : (अयर अभी कार अर्थि अ 401 मार्यास में महम्मा मार्केन करवे) ' वि (भ्यं मक्त्र) वेलावन-मन्ताः (ब्लावमस् मन्त्रात्रः) अम्ह अस्मार्थमण् (अविध अस्वार्थनं) हिसाम्प्रतः वव (असवकावी हिसाम्यक्ष)॥ लाउड (लास) न्यासब्भाति प्राप्त (केक वरमन 481

ब्रिट्न क्यासावक) रेकानंत्र (रेकावत्र) 72: 40: (CMY 72 MB) 72: NU: (CMA नक लक्षी) भक्ट विन् (क्या मध्या विम्) या (क्या) नकः त्वतः (क्या नकार- र्याक्ता वर्गा) द्याः (द्या) क्याम (वर्ष)।। श्रिष्म म्वामिस्स प्रतिव - हव्ने विमासिन (ची मार्चा ७ चीकि किंव १ वंगु अका वंदि) द्यानार (आर्टिका) कुल्लाक्ताड्डि (कुल्लाका त्याके त्याके खिए) समारक व्यम्भः लाम (मर्वाक्षर लामेबामें) अवसर्वस्थः या (अवसर्वसम् याम्स यत कार्व)।। म रान्दि त्याच र माने मां हिर्म या त्राहम मार्मादार एं (टम अपत अनंस लाक्ष्म अपक कर्य विकि सम्क काल अवं आटवं के काल्सिव का प्राच स्वरिवं हर ने ररेट्टर , नरे कम) जी कुला विविद (जीक्सपत) ma cap a we aid (one win cap a answer) अत्रिक्त (म्नाम आव्ताम क्यांत्र [नवर]) लास्तरमात्रिक- यस बद्ध में हसर आवं (अवंत्र्यं समाम्क वंत्रभुमं क प्रस्तिम्य काल्यां श्मर्कावं-(अंग्रा: (अंग्रेश) अभी अभी अभी अर्प कर्

(तरे एक नरे एक नरे क्य (नार, नरे ल्यार) इकार्र कार्य (नड्स म भारत बहत दुक्तात्र) क(नेप) का (अ) अहिका-के कि (जी ने सा-केटक के क्षाम कर)।। [माया] रकार बाममों (जा केक ज्यान) अवं जिक्षुड (अज्ञ दुर्वक्ष्म) वस्त प्राल्याका -द्मित्रीस (भारत वरीम संव, ल्लाब व मीसिन अंग थाका [चिवडं मारा]) म्यांग्रहका थाः (ब्यु अस्ति) अने साम्रक्ष क्षि (ले क्षिक (माद्यं on & spir (our on Regin मास) र्यायमर (मार्वायम्) का नास (लाज्य त सर् १ थाउँ विह)।। ति। रेमाद्रु सिर्ध्य के से मिल्डि (रेम्प्रायाने सामनेत कुन्द्र भ सूर्य) कामिल करा भू भिर्त कभी भी (मस्तान लाम्डीम प्रामित माटड) अवामिका-क्षिममानिक पारिमक पारमा (बीवा बाक्रक माम अला न (सरक मार्स मारा माटिन करारे) सस (ल्यामा) ल्यामा उपकार (स्वय ल्यामा देश 28 20)11

491

र्यारे वी मञ्जू म कुट्य म छल (र्या य त्र व अलावम रू अभूत्र) कललीनामय- वियाम् वितन (कल नीमायमं पिता भूडि भवी) वासी मून्नी-सर्पार्या (की ग्री अ की किका) यर वर ट्याबिष्ट (अकत प्रमा करिया म करा) कमा नू (कात्रावरे या) कार्यमा काम्मा (कार्य स्वयम लायाड्यां) य लाह (दुरम् पर रंग) ॥ १०। कुलावन (व्ह कुलावन!) के जिलाता: (नकी-अद् ि दिसीमते) अधी आपा व विलाहित (श्रीवादीव आर अस्म र व्या विश्वति) लाला लानु (CONT IN ON ME B) I TI DULMINGO (WIRE ELEXAL) " & (MAR) ONE (OWER) (० ((तासन) मत्यार (मत्यात) त्यार र आ (िल्या निवा कारमा विकास] प्रवेशन न्या वि पारत्वं सभ) मंद्रमार्थः लाम (याक्र (यास्र कार एवंटि)॥ १२। त्व विसृष् (त् सूर्य! [व्रिस]) रे। जिसादि छि: (नक्की-लिहे विचे ३) में में कर् (अंस में ए) रे सावमर् (रेसा-वप हास) वियान (त्यास क्षिंग) केंच मात्र (त्यामान

मारेटा ?), अव (नरे मुलायरारे) अर्वन्य (नर्मा रेन् (मिश्रिम ब्रक्साट एक जिन भारति के क्यारे) जा (वर्) अडं कर्रेठं (अरेश (साम्यत) से मूला: दक्षां: P ([3] भूमूर्य छ छक्षित) मिलिडि (लक्ष इस)।। डाडे डाडे (डार्स डार्स) लिंडिंड लक्ष ([मट्र] लड्डिं) भूरे हेक प्रमाणि लड्डिंग (अर अरम अवस संस्थित दूरमं भ इने " [वाद्य डड्स]) क: (त्कार् कार्क) रेप (यरे) मुल्यकातत (मुलाबत) र्विश्वादा एम्बानमंत्र में १ (भी याचा उ मी स्टापन निक कानीत अत्रेतीयम् न्यं (क्य यस्म विष्ट्र) धर्य धर्य माल्याम भामिश्र उस्में (अस्म धर्य अभार ज्याम मिश्रुष हे उपमा उर्थ भागी) कुर्यू पुरु (के की अमरि) खिला (जावला का बंदत है)।। मास्य (मारावं देय में डेंग्रें) बाह्य के कि विविध समा कलानलाः (भी श्रमाक्टकन विचि कलल विलाभ-विषित लामभाना) हमदक्षित् (हिल हमदकान भकारं करं) मत्र तीक्रमितः (यम् विश्व में कार्य-प्रकार) अववंत एम् अ हस्तर्काः (अवस में अध्युत खिट्यालक दिन इसे) विष्टि [निक्ट] टम्ड

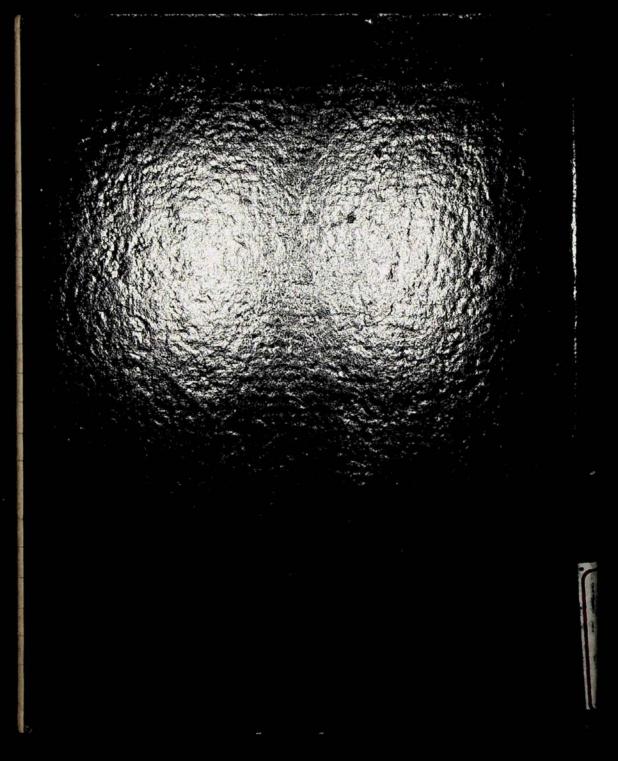
901

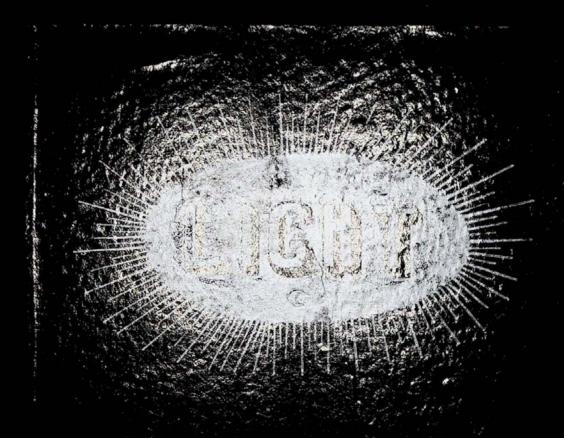
म्मन वित्ररम् अवि) अपुच्छ भार (विदिन्) भम आतं हः (सम्बान लास्तुम्बार है) तमा लिख्य -अप्पास्तारः (अम्भन बिश्चिलाय प्रकार देसार रम्ब् डमं '[लासका]) वर न्यावयका स्थान-सँसर्ध-दाय (व्या मान त्यं के कर टार अवस लाय-काटलकंत्र) मिताः (चलल करने)। कमिल करमा करियू वर्षाव यानी करी विशाव (माराना नर्मानं व्यव्यव्ह स्टिंस प्रार्थित विश्न करन्त) अमूक्रिं (मित्राना] निन्छन्) विकास कि दिवर (विकास मार वार्या निवर म्प्राचा] के हर (एक प्रक क्या दिस्स) क्यक-म्म्यूट् (मार्म के वि (३) क्यमण् (भीमामार्क) सम्बर (श्विक्षां करवेप) वर (अर्) द्राम यरं (विसरमें अध्यक्) स्याति हैं (बस्ता) सम्भ (क्रम मास्त्र) अशिक अखिर म्या (९० म अखिराप-छात्र) टासरति (मसक करत्र)।। वेडा मां : (म्प्रासिक) सम्मही खेलाक दि : (अवस-सम्बालम्) हसदकावृत् (लामहत्यक) यंत्र-वस्त्रमा विलिमिए: (गम्म, एर उ व हम डमी भारत)

981

ह्यायमं : (क्रायेव्यी- राम्माम्) संसेतः क्र (स्या इ, र) महिंद्यासर्वेत्वावत् (स्तिवेद ब्लावत शाटम) कतक हक्षा एक की वन पूछी (यत -हम्मक अ मीन भएम व कारि विलिक) अव्याप्ताली (कमा विवयम [अपे]) मयकि (मर्ग दिली (मरीमा किल्माची उत्तवीत किल्मानं एक) अपन (क्रियत कन्)।। िए थीत । वेशि] बिर याप्य- रहार्ट जम्म बर् (बढ़े स्थित ३ सक्तर्रें असर) अस्टि (चड़ थाम्य) क्विस् ने सि भूर (स्ने मान भर भार) अस्त (कार्यस भूर्यक) अकार्यक (कार्याण : (कार्याण्यम कार्यामिष्ट्र) सदीम (देवी य दर्म) लाम (लमक्स) क्सबर साक-क्यान (डमकर वासमम्द) आका (ममन करं) [लयड्ड]) ०४ ०८ (०३८ ध्रम्मक्ष) में गर on sun one (Xxxx to a value oneny. र्जिक) धर्ठ (ध्रम कार्डांक) र्जारमाण ; (मुल्यम नगमवह) अर्था विषे क्रिय (अर्था वह देगरा) थारि (ममन करं), धार्म (धार्मा!) जामन (त्यं रिलायत्य) र्मात्रीः क्ष्मिक के के कार्नुः (on war anni & Beach) Eur (or wary 西中)11

[त नीय ! जूबि] क्लि (मिन किएड) मिन्वार्थ-(यिवक्ष) यिश पात्र विश्व प्रमात्र (यिश अव्यवी उ भुभगावं तं (अवाष्ट्रित्तं) लख्रां (मर्ह्य) हर्षहर्वाचिः (हिंदिने भूने अवलाम्म व्यक्त) CARCH ML में श्रि: (क्या के व (क्या प्य के व. त्रामुत्र में मतिय उद्गा) लक्षे बेस्याव गान : (स्टालक म्लाबराय काला अट्य) अपि (अम्म-(20) का का क क क क मी मार्गिक - m न क कु ? (my sign to the a way of me and surver sich) 11 (De parting of) 11 स्मित्र कार्य के त्या विश्व (स्मिर्क मार्थ मार्थम के अर्थर) वर्षका सका (जारंश करक समाम मण्यं) क्याक्ष्यः (क्यंप्रयम्भवं) क्या कार्यः (त्यर त्यर कार्यकार कार्य है) सिहबत्यस में पूर (one wir condy 1000) you and a con the (कस्मित्रामं हिनं प्रहेक) वाह्यक टक्का (स्मिक्स. क्टक्न) प्रं (प्रवाड (अविहरी करवन)॥





EXERCISE BOOK

NO. 3

Long war mais wal लाकामीश लायकार । न्यान्याक्ष सामस्य सामस्य मितामिशिया mar 20 C E 37 240-26 1 मः (ग्रित) अदम्मत्मारमं वृश्य काम्न (सर्व कथवारमं व 901 ट्रायकरक व्रम्म) प्रमुख (बिहिन) वृक्तवत (म्याम मत्म) अर्थम भी: म आप्रीप (अर्थम काम क टब्रमा), जभा (उपल्य) विकासिक क्र-नीम-विज्यः किए (विभार, कूल, भील उ खिल्दान यहत्र कि?), मात्रयक्तामिति: किए (मात्र थक-अड्डिन रे मा अएमाबन कि ?) निम्माडिमारे : किं (अठ अठ प्रव्योधिन हे वा यह कि ?) हे अठ अभा किं (हे अल्लामा रे सा कि र्रात ?), माम-ट्यानादि छि: किः (अत्रात्र का त्यानादि द्वा कार्र का कारण अप कि ।) विशेष हत्य कि (वि अभ्यार-कारबंदे या ज्यानं कि मेरण्य उद्देश लाइन ३ (लणकं)) विके ल्या : किं (द्राया विके त्या का MIS (\$ 9) 11 म्। अन्यावन (व ब्लावर!) भर (क्लाकर) CAL (CACLE) PUS: (OWER) THE: (OWNERS तिकटरे दे आर्ड इरेल [wm र]) विर्ध- एक. प्रतकामा भूषी मः (विश्वि छक्त प्रतका पित्र वाक्षीय) ख्याम: (तिक अर्थि) यम्) एड: (त्तर कार्मे महत्र

100 7 TOME] SA: WASE (STA [745]) 20: (CTUSE [OWNY]) 222 (OWNE) मिक्कान्यल (मिक्कान्यमर्थ), मिलिसमामाला (मिलकम्ममाना), भार-न्यारित (स्मुनं व न्यास्त्रम्) स्थारियर् मनं सर्भी (Man Newan gan conlegin ad numa) असि शर्य के कारत (असि हत्तारों) ome कार्य मेड्रा (Cours and examinate [and a ame]) हम: लास (हम ड्रांस्ट [उबड़]) त्याल्य संस-यम्बिट के ना ना खिट : व्यास (व्यावसं अवंस-केंगान आज ड्रांगह)॥ मीर्वेषाद्व (४ रेष्पाद्वां) क्याद्रिम्बे अव्य-अस्य महात्व (क्रायमं महत्व क्षार व मर्ग व मर्ग (अवित्रिका), बट्यमात्म): मिल्) विहार्यभान-अवंत्यकम् जिल्लाक (ज्युष्यंत्रम् अव्वि ३ हिवंकाय ल्यामन अन्य विचित्र अकार्यन विचान कटन्त्र, [व्याभित]) ८६९ (थरि) अ० भर् (तिक सर्म सत) ट्याहम ट्याहबी कृष्वरो (क्याक ममन (माइन कर्निमा) अर्थाउटिम : (मिसिस ट्यारे प्रकृत-

यरपुरं) में था ६ (कार्युग्रम) मा मह ह (बस्पूछ ३) प्रविश्व (अभाम कर्निमार्ट्स) ज्ञा (कारा दर्शन) र्म (यहमरम्) मिनमा (यरं मिनमान व्यक्ति) बिलक्षर किं वा (बिलाइन कार्यावन कि १)।। [र् कीय ! क्षि] र्यायत (र्यायत) पूरा (अराजिय अरिष), क्षायामारी नीयार्वपकारि): (कं स आत्रक्रे पुष्त ३ (ब्रास्त्री महि शवा) प्रवंशक. सिट्याक्त्र - यार्ग्य बंग्रास (यिव के न अव अव वि व ज्ञारं लर्यंगमत्त्रकात्री) भलायलार्थेत्र-वस म्ये का व मुख्य वस का लायम-मिन् व वममा विचि अवाद्य के अवादमानी) पिक) सडा खका (ला) (पिक) हिन्स म प्रवास्त व) ध्यासिकम् (ध्रमाधी-खडाव) वादाक्टि (म्याका के टक्षे) अधिष्य (अधिष्य करे)।। POI MUL (MUL : [MUL]) 30: 00: (सर्च) वराहि: (अयारमीत) अमरेड: (अमह) हित्या वस्ता वस्ता विस्तृतं : (हिसम लाप्त्रा-भिन्न के विक्रमासका) ट्यालाका वार्ट-मर्वायमम् (त्मात्मक्षर मिन्न ट्याक

भाष्ट श्रं [नवर मारा]) सक्स द्रमां (भक्ष टलाटक के हैं न्यरम) काश्विय सिक्षीन- सर्वेन-क्षंत्र का मंद्र (याम्स्य व लामं व सर्वेन-जन्मते १ व्य य अभवं भागं (खंबा थ स्पर्य (एक मा) रेप्ट (वर्व) मुलाबनट् (क्रीम्लाबन क्रिप्र) अस में अति (लास्य यम्र म्में के प्रेंट र्राट्ट)।। [(न स्पाप] चु छप्रत्रन स्थात्मर म्यम (खु छप्रत्रा) रामंद विण्यम्बाद्य) लक्षेत्र न व न्याप्त (मसर्भेष सं (अर्थ विर्मे से उद्गार निवर माराव @mmi]) dneni: (Lnein) stalman: (क्रिक्समम्मेर ३) मत्मेरा : द्वश्मत्मेर -कार्यक मार्स) प द्वे डी: (सिन्नि ह उद्गार) र अम् कि (क्रिक कि वामि गिमिने) मालामा (तिक पीछिष्ठावा) आतार्थ्य की जिस मुमलायां छ-उसक्ष (मिक्न) कि अवन मर्क मूर्व भी म सकत मूल्यामात्क्रे लाड्ड्ड करवंत वार्क्नो रेप्ट (यर) ब्लायम् (जीव्यायमधाम) सर्वारिक: ब्रमणि मन (समलमं डेलाव लाल व्यक्ति कार्याट्य)।।

 च रात (श्रित) श्रमालप्यत्रवत्र ्सीयाका व जार जमा ख्रमंद्र लयं बादमं व यो मं साब्त) र्माम्प्रे (ज्यार्मायम)र्डिम्पे (अस्पम्स-क्रसर (मुक्टिक व आर अमाध्याक एक त्यार्भन-बालाक के) विद्यार्थि (छित म्लव अमान करतन) क्या (वाद्रा देरे (म) क्रमावा म का (वर्भमास क्रम क्रम करन कि बालव ?)।। सस (लास्पर्क) ट्याद्र ह्याद्र लाख् (ट्याद् ब्रास्त भरम् ७) भन् । वापून: एर: ड मणू (त्यम नस् ल एर आह रंग) मन (मार्गाड) मुलायत् व्यवस्था (मूलायत्यात्रिमातेत्) डेलिसिक अपूत्र उत्वर (डेलिसे स्मया पत्र Takes present in) 11 लास डाब्डिं (संस समं !) सार विक लाह (oursuce test) " 26 (crust [owy]) 52 (न सरंभाव) लमालम् (लयम्बरं) व्यक्ति-2 2 (05 of (arean cos) Currenter (Emplas gen) one no: (one wir ones. इसे मा) कुमावत कार्य अलि (कुनावनकारमञ्ड) कारामि (काणाण ममारेखिट)।।

PPI अस्टिकार्डाल्यर (क्यान्यायम् हास्ते) लामायर (आअंधाअं) यांग्रेश्टि (यांग्रेश्टि '[म्याम्]) यरम अ बास्त (यरा अक्स अर्प के व्याद कार्य Afra) or so may o (taken on min [4 suy]) सकत खरी पिरामी नि: (निकिन त्वेव शर्प प्रम् [446]) मार्गामा : १ (मार्गाम मंत्राम)।। र्मावत्त्रीवत (पर्मावत्त्रामः) विम (सटम : [व्रिष्ट]) वैक्ट (साकवत्स्य पर (विक् टलक बन्द्र किया) अन विड्डाएड (किन्द्रा अन्य कार्य कर्म मन प्रति व विकि mx मन्द्र र (mx मक्ट) war (2 10) अवस्ट के 10 (यार्गिचिक्रक) अत्र अणे ((ताक अणे) मुक (अर्डिशाम करं)॥ भः (भित्र) व्यक्तिल् (तिव्ह सं) वृक्षायत- इने-201 छनापि (कुलाबराय क्रिक्टापिक) आकर् वंसाठीकर (माक्षरामसंधात) कमनंत्र (लर्बन निक्क) माश्रिक हता द (काश्रमा हार्य अपका) Ayny (Ayun Drain) 92 (James) 25x6 (THE DIEST), ONTHE (ONTH!) FEBT:

(यक्षिय) वर्षमात (ल्या हलालार ममाम अमली कार्यत)।। स्थातः (सर्वे वे के स्था) क्य सत्या (त्याहरं) व्य व्य (अश्य) य्यान्यकां (या न्यान्य) लिक्सारे मू भूव लाय विमासात् (मू भूवा लिक्स मूक अस्तिकाममध्य) अस्ति (अवप्रत्य) द्रस्याः (व्यान्य म्यान) विष्वति (न्यी चुन्तायत्न) वमाडे (वाम कायम)।। २२। [त् बीव !] क्यावत् (नरे क्यावत्व) क्काट्यम-मुक्ताय आण्य मकन (भकन व्यान के कि स्थितकंत लर्मक ब्रमम्) ' वर् भवर (बंदा ब्रम्म) में से हिन्क सर् (भाष्य हर्ण मतार्थियानरे)हिन्यान् (प्रियमं) लिला (वर्) वर (क्रियमं) चेलर् लाम (अक्षा) भेरू न् (हिमान् क), जर (७० वर) प्र (प्रि) जुङ अमस सारा कनन: (ल्याम अक्षरेषि अत्वेक्ष्य मेत्र) प्याक-रिमित्र (लाकरिमारिए) त्मा धांत्रक: (ल्यास्त प ध्रुमं) त्रिका (अक्ट) अवति । स्वः (निम जिल्ल अविकामरकात) मार्वकामप्रत

(ज्यां मानं अरधीं) द्रम (शमक्नं)॥ कमार् ([आमि] कता) क्यावत (क्यावतर) असा वर जिंग १ व भारे अ- लांडे १ व भारि अतेशा-(स्पिष्न (क्षिम्भा अ क्षिकं करं नार नति व वार्ष्टित्राक्ष द्रवस वसमागाव) यह कै। (यस अ इंद्र) क्रिमीक एड : ब्रिकारी (प्राय कमा विभिन्न मार्च न)।। िलामानं] रुक्तानंत्रीय मलएं हि (वीर्क्तान्त भाम कविषाय बना [याम]) व्यर्ध क्यार : (क्लारे क्लारे अर्थ) स (क्लार) क्रमे क्लार : (क्यार क्यार क्यार्य) देव (अनुकात उमे रेड्क "[लास]) अससर (वर्धमर्स) (आरेत (अ) क्षितात) कक्षत्र त्राम् ((काप अनूर्य आर्थियरे) अर्भनिम्नाओं (भाषत कार्य)। अमस्यार् लागाविंगमा (भारात्रात्र, (भारान अमस अंगर (भारत्ये वायम का निव विश्व करते) लयद्यम् सर्क्षा मार्म मार्था व्यापार (यादाद जी शंसी कि कि वे लयर लये बंग ह ने मिठ

इंद्रेखाइ [नवरं]) लया अवस्वार्का (लय द अम्मतं व प्रवस्थाम) के वानी परिवर्ग (मारावं द्राण्ल के वानी ए उद्गा लवम्य कर्तं [आर्थ]) प्रवा (प्रवता) क्यारेवी प्रव कायान (क्लायम करी जारूम मिमिस बदार्थ में) स्तिमि (बद्धा कार्व)॥ [माराना] अमरह मु हिक्का किका प्रिक्र समाम (लयक प्रिमं सम्बद्धं वियमं व्यारमा प्रामदं प्रथमं वंडिमंटि) लयक ब्रायाला-म्यरका वं का वा मं (माराना मिक लम के प्लाहा के क्षित्रमनं अवार हाते प्र करने चिन्हें]) रिदं (सिर्क्षं) अम्याम्बार्भः (अम्ड अम्बार्भ) विश्व लाभार, (भाराष्य अभे भश्य विश्वताखाय वास दर्गाट (वास) रेकारपर्म (ब्याबनकारी [अप्य]) विश्वापिकान, (विश्वं कर्म म साम्मा (प्रमे) त्या हि (वसमा काइ)।। पिन् भूका भन्न वापिन् भाव निल्ला छिए (भारा एका अस्थल असामि भी र बेरियों में प्रामारिय भू (मा किए) न मा व तम दिश भू भ एग व भारि कि विए

ショーショ

(नारायं हारं तिला एको ३ प्राष्ट्र में स्थरं विषेत्र-अद्वि विवान किंतिएए), अत वासिकिन्नि छा छि-एको में अ क में कि (मार्य कि के में मार्थन -कर्क लाक्सिकंस मैक्समारा द्राष्ट्र डड्रार्ट) दिवर वं प्रमिका कि अविछ: विकालिए (पिका व प्रमम मुक्तायायाया माराज कड़िसंताम मस्प्रेम्स्व के कराम डाय शास्त्र कार्य गाट) , दिशकायड -मारिकापि- वार्वभीय नाविका- कीव्व्यमूलाय (रायक्स साक उपार्टिसिंव व्यव्यक्त नार्वा क किस्परियं हाया मार्य क्ष्यंस्त्र प्रिक रंगाह) पिना छुले अ क्रिक्टित नाकु ए (भाष किन प्रमुक्त मार्थन । प्रमा उन्हान क्रिन प्राम प्रामन प्रमा मा कार्याप्ट) न भीजितिः भूविति (भारा कृ विख्य (त्याकित अष्टि क्ष्य प्राया) व्यक्ति-(अर्थ (व्यक्तिम स(यम् अक्ष) यापन्त्र-विश्निम (भवाक्रमाल-अखनकार्न) भन्दमन-भीक भीक - पिराम मार्मा (कार्म , मूर्मीकन 3 पिक (भोन कमानी नाग्र अयार) अडनमं काय-

स्मिविष (निवंद्रमं धाउनमं जाता भारावं समा कार्टिए [वन्]) उडामिसे वस् मृत्र-प्राव्यान-ट्राड्त (विडिन्न जडीसे बड्ड माने विकार मार्म (मिट्सम [मद्यम [मद्रम्म]) लाह्सके के के सामा के (लाह सामा के के के में प्राप्त) मताक विश्व (क पर्व वाग-विश्व न) (भारं-मिल पर्वा (तोव अ मीलवर्न मामनी 3 माभ र दा खरक) अपन (प्रेंट के क्राम करें)। न्त्रीरमायक्षेत्राभिविवंगिष अपूर्व (भिविवान लावक्षतम निकरे वर्ण शास) मुक्षाभित्याः त्लाइरी भर्त् विम-सूर्वा-काविकोनेक: (क्यार भूधातिल्य मार्भ्यकानिक थिय अपालकाकाका अवा कि अविमें) विक्र किव-प्रकल-भाष्टिप्तप्रकृष्टिः (এवर् निभिन्न अकिता अभि माहित देशनं लाहिया सद्द्र वेष्ट कार्यमा) समज्य-सका सक: भिक्षी: (अजंस सप्पर्य सका एका विस्ते मिक्न विवालमात्र), जम्हः (जारावरे अकाहर) व्यीक्लावन-वन-भर्मा अत्वन् (क्लीक्लावतिक वन मानिक अवस जिस्सावस्त्र वर्षिय [CM GT OND TO CE]) 11

भवान्तर्थ वत् (तारे प्रवान्तर्थक वत्रि) भवात्रम-व्यक्षिक् - अव्यानका सुर्वि भाक्ष्रव् (ए प्रश्न लायम मर्ग त्यं क्रक्षम कार्य गाट्ट ' शिरुष प्पालकतं. लायम बंग्रम अकार्य नकार् मिन्न में मिन में लाम ([दुक बन] सक्शास्त्र विदे) क्रम्माकम्मन-च्यालक (हिड व मन्ति कामक क प्लाह्म मार्थ आरं रें न) क्या प्रणा व प्रक्रमान में हर देश दिल -र्रायक्षं (देश किसार ज्यायम कार्य अवदेश PROSOLA BASINATIZA ONDRADA [-0 25]) (म्यं तिमाळ्य काक्ष्य सम्प्राम्य स्वीत्र वाहिकः) (टम्बंड के देख्यमता अध्या भर्मा द सार्वीत-प्रभारतं भद्गार्वाल काल् विहिन)।। िडेक वन] अयू ल पिका माल्लिका- त्राण- गाणि-यार्थिका-2027 कप मु- हम्भका वती- म्लार विल- वी शिष्टः (अपूल पिका भार्त्रका, लक्षे, कार्ष, कपम, हक्षक, मूलक्म) , निर्मित कर्ण-का की- क्रम्स-कि एका-हिडि: (मिडीम, कूम, क्लिकी, कूम्स नमामा) मता एक भारत वी न जापहतत भूका वाली छ : (भरतव भ स्मिरी मा अविवि ल अरम मुख्य माना), बर्मिति :

(क्रम्मीट) क्रियं प्रमास्याद्यः (वितं में प्राथिक्ष्यं) लिलाक- क्र्यं कावंद्य: (लिलाक क्र्यं क्राक्ट) उक्तिक-मुङ- मस्ता अवी भूगीकापिडि: (विकामिड पार्टिमुङ, भक्षमा, न्वर्म युग्निका अक्षेत्र), विहिना एक - सिनि का-म्मक वक्ष की विक: (मार्स सिर्म, म्मक वक्ष्मीवक) र गावि- क्रुकामिड: (कर्मी उ क्रुक प्रकृषि उर-पका बार्य कार्य) बिश्विक (विश्विक ल्या हा रुषं प काब्माट्ट)।। िरेक्भडेक वनीरे] विक्रि अञ्चलाम्मारे: (विचित्र असूर्यभानी), विचित्रसम्ब्रिम् (विधिक कुत्रमभूष्ट), विधिन भन्मस्कूरी-विधिन-अध्यमानिकः (विश्वि वय भन्ने ही उ किस् मूल्मान्ड) विध्य त्रिक्ति : (दिन त्री व प्रमात्र) विध्य-श्रीर्विश्विः (विद्या धर्षियमेनकारी विषः) विद्या (बाहिक क्ष्यति: (बिहिय पी श्विम् म्ब्यम) अर्दाः (ज्यापत) अप्राज्यान्ड: ह ब्लं (ब्रक्सिविद्यावा उ onor म र्यार गर्द)॥ २०६। असा केक वंदः कमा प्रत्यात (सीया माक (कवं वंदम) लामालनं लर्षिव्य कर्ता) लाक्ष्र सर्वित्र न-स्मातः (कार्यनित्रह्य) क्ष्य न्त्री किम्मार्थका कार्याः

(में ज द ? के क आ बी अप [९० वाप]) त्रापण म क्यते (अरंश लायण डिटरंप थरं) कप्रथित- वर : बर्-जिलि-कमामारिमः (क्रिम्मानंक क्रेड्समिनंक) क्लाकितं : (क्लाकिसमरोयं बाबा [डेक वन]) मुछ् (आर्कास व्हिगट्ट) म्कासक्ष्यं ५० (भड Ritary exit to signate [+ 26]) OND-विद्राः ह (क्रामेश विद्रम्माप्ति हारा द द्वा) क्राम्स-त्यामार् मर् (जामम त्यामार्य वर्षिन र्यं गार्ट)।। जमार्था (ठक वन भर्षा) पिका विचित्र त्र न निका किया मैक्साक्रमं (विश्वि एक) वस्त्र व्याप्तरं व्याप्तरं मुक्त (भाषाम्) (भाषाम्बर्ग (भाषान-दिन्यकार्ग) क्रम्यापस्त्र (क्रम्यास्त्र) के के (सका जारम) ममलाद (अर्थ) व दंग मकवार्यः आए १ (ठेउम डेलक्वमेयक) जल्लवन प्रवि (विहिन भगार (आरिड) , कार्यमान (क्या माना) हु: (प्रारम्य लाय त्यां लाहिश्त अम्मायो असे चिक्ती) या शास्त्र के कि (का भी के शास्त्र के देव हैं (त्याभाषक भरत्यक) भवता के के बा मंद (रापावंस मरीम क्यूनिवि मिनावाम वार्टिम्लर)।।

2091 लास (लास) मास् असे असे के के (अर्ग के के-वाविन सर्वा (माला) समा (भर्वमा) श्वरिष्ट : आन्यामण-राज्य ध्रमार्क ल्ड्राः (समाट लापण वसमार अध्र प्रसिक्ष का भाषा में अर हिल्ह (अर्थ व्ये) र स्वायक-हर मिरी बिमासिड् (डिट हर्केटम वर्ष मार्ग आया) अस्व (अध्याप्त कुल् (बंबे मन (आधाप्त में ने ने CMUER [नवर्]) म्याकि सरक्षित्र स्वेशक सकरत्तास्त्री-क्रिक (क्रिक्ट क्रम्ब क्रम वसक्र हा गाम राप्तां हत्वं स्था भी) स्ट्रास्प्र (अवस्तराप्तंस) इं दें कि आरा माम्बर्ट)! >OPI [९३. केस्तु] आम्यामाम् इत्र (स्माप्टर लामड्यं 3 कताष्ट्र अल्डानं के (अ) अनं (अव्यक्तिक (अव्यक्तिक) ल्याः (स्थार्थक्यक) व्यक्षितं केव्ह (क्यां की उद्यापन करिएट) व्यवसार (गम्मकार्य) व्यां : मुख्यां (द्रम्मा क्रिक्ट्र वस) अमिश्व (भाउभाम, क) भूष (विविध मिव) द्रवस र सर्व त्रकाम कार्य (ए.८.) व केंकार (कार्य क्रारास्य द टा डिक व ख्या) कामश्री । (विष्य) कम्रालिश्वापि (कम्म उडेश्यम-

अल् िन) हेन्या मंग्र भी मंग्र (हेमी सम उ निधी सम थिरे विष्ट [नवर]) मिन्नु मिन् (मिन्नु मिनिक) या या वं वे संग्रिक हा से वृ अपर (या पं किंव दी खिलारे अमेलिं अभर्ष) केर्दे (जिल्ला कार्डाहर)11 िडक कुछरी] निर्माप स्थालिक क हम्रकारिकः (कामास सकारम्बद्धाम्बद्धाम्बद्धान्याव्यामस्त्र) स्यः (सबक्त) जासम्बर्ध यस्ताः (समक्षमक) अस अस (लर्भ) अमेक्वर्ष: (अवस्त्राष्ट्र्य) सर्वित है (सर्वित्र काम करवा) विवाद के हि: (विशि-भीना) गामायप्र प्रताविती-क्रम्पितीम्रिः (खिर्म बंदेसते अलियी व बेरिस्य तहि) मेर्स-हिंदा (वैक्षांत्रा निष्ठे) के क्षित्र कराई (वीव बडी व के कार्व के अर्थ में आप मान कार्य (सर्व असी एकं अवप्रहार्ष) भी ५० (आवंबाक्र ड्युन्त) सहार्मे संबंद (त्या असं से सं ड्युन्ति)।। िद्रा] सद्म आतुं (धन सदम्.) व त्वादक दमा : (धनावा-क्रियाकी) विश्वितंगः (विश्विन में अध्ययं व्ये) प्रक ट्ये उसर (श्रामं स प्रक्रे) मेर स (लामरा) भर्तनामि विभागकः (मिशिम भन्नी नर्तकः विभागमारके) अर्चितः इ कुन्त्र व्या १ (१० प्रिंत्न देश्याच्लाप उ व्यासाम)

लास: अस्यर नव (असम्भे इंद्रेख्ये आल) देवे संगार्क. (जरू कु कु मार्टिय किया]) अक्स्म व ते किया -प्रेयं के प्र (वे के मार्ग कि किया किया) को कि यश्चारिक्षक बंदा (अधित्य बंदेशम हिंसिहार्स भाषात्व दुस्करं मर्भित्र यक्षारा [नवड]) हिका-असमार एवं (सक्षे लाल मिक व्याचार्म क्या हा の1250位)1132011 [द्यानं] यम्स्प्रियटणक्ष्यपत्रदृष्ठेकुरमं (सप्रसंग देन्यम जीन हर्क मेरा) अश्मिम विक्रियर-विवारिक स्थायक्र सक्ति (लाक्ष्मीनं बद बिहिन वालकुरम् मूलाकि डेप्सम लगा मडम इ विवास भाम [वबर देश]) विदिव व स्वर्डिक-मारे कपसंस्था में ठका नाम से का मारा -त्रमृक्ति ट्रमा डा एउ (सामा ट्रम्मी ए प्रमा वि हिन स्क्रिक कत्म महिवन कर्षिकार मुख्या के कि वार्षवं अर्धिश्वामा मेट्याल्व वंडिलंट्ड)॥ >> 5 100 (दिक के 3) याचाककावानं कल व्यक्तान्यिता: (सी ग्रंथि कृट्यनं अभीम कल्ली मास्मा भिक्रमं) कार्य (कार्य) में शिर वर्ष (में शि अस्पाप म

>>>1

क्षिण) इक्षाब्रेगमालियाः (ब्लाब टमब् जामल-मन गमन मृद्धि) प्रकार कर् (प्राविविधि) क्ति विपक्षा मृत्य (कार्ति विपक्षा भग्रे) मानिय (रिश्वान कित्रिट्र)।। >>०। गय (९० के छल्या) मर्ने मर्ने के के पाकी देश प्री म ति (मसर्व नसक् के प्रमेश के स्वत) क्यक-क ब्रामिनीयार् कातल (खर्सम् अभवत) ्त्रिंड (मुक्क) ल्युमन बक्र माड्क (मुभ्यं ANTINO OUNTERS OUR COMMENTES PART-कर्तिक करिए) निक्यू मिमंड (चार्क) अमर्सिर्व ताल (अमम्परं मुस्ताल) व्योधना वक्क वाडिकर (डेक्यामिनारक चीर्यक्षेत्र से स सर्म कार्याहिला में विषया न MAY ROLLY] HOLM MELAY (Tolange NA म् स्म कार्ना) व्याच्या द (व्याच्या रद्र विस्ता, [न लकरारं]) येन्या (म्याक्ष [व्याह्म]) लयाम (उपयाम कविषाहिताम)।। विकार अवक अवस्त्र

MIN (OLIN ; [G. & LON]) 19 136 (CMX लिंस) म्यार्मा विख्यं (स्मार म्याप्यं भित्र कि अया दें के श्रिक्ट) कि । कु । कु र (काप ल्ला) करे किया कारि। वर (करें करें करें ने-भानति कर कार्वावतार) । क्राक्रि (त्यान जिल्म) कर्यम्यार काल (कर्य में के प्राथमा) दम्भव टम्बल्यमं (दूरम टम्बल्म कर् किकि (स्मर ७० म) के दे से असे व्युक्त संसामारे (केले सं प्रांत कार्त लाश्रेमक आ भी) विस्ताल (क्यान कर्म) दुस्र प्रदेशमंत्रक (त्यां क -विश्वावधाका) विनिर्विष्यक (अस्व विव मान कान्टिए [ou ard]) कियान (त्याप लक्ष) सत्रार्थत् (लाटुकानं लार्जिन-सरवरे) देख्य (धार्म असम्म कार्वालाह)।। िडेशन वित्रक्त (तित्रक्त) दिवार् मात्राष्ट्रका-21 म्बामक्ष (विविध पूर्वा किव) (भवंड) मम्मीन गृष (अका का में (छ [व व र]) नातालातक का ल छार् (विविध विकि वार्शिं) मम्बेट क्यारंगर (ममार्ख्य दुवस (कार्ब)

वस [@]) भाषायाच्ये (प्राचय प्रमाय वर्षः (शिवित में बसर्ग रूपका लाव) मकर्गर (आरिक्षान क वि (०१६), की वारिका-धार्यन-सीडारवन्त्र वन्ति वीवादा ३ की करकद की छार्वना वला :) करेगाने अष्ट प्रभारे): में वर्ष (विक्रिय सप्ति में में में में में में में के टिस मान-अविशिवा दिल के कि कार्ड कि उद्वाह)।। श्रीमक्छ० अत (नर्मल मिश के दिनं सहीति) लक्षांग्य- मॅबंठेय कर्ष (वेदेशनं यक्षरातुर) समुख्या (प्रम्थाप्य याचा लाव्डिका हर्गा) अस्टिर्या (क्यांचा) स्थास्य प्रत (क्यक्रक वं प्रारंक) भाम क्लोक कर् केत्रात् (क्लोक कर्द मात्र कार्ड कार्ड) रस में बंडे (लामार्ब. यन्त्र (माहनं रेड्रेर)।। मच (ठेळ प्रायाय) का का (ची या की) मार्गाह: अहीं में (अभी भार्ष के भार्त सि प्रिका हरे में) श्वक्र कप्रतद्वकाली दें। (तिन कव्क्राल-म्मत्रामा ग्रीक) अति: (अ लगाम माम) मत (अकर वित्वकी (न्योकरक्षं अवि वर्षे व-

01

क्राल (महत्र कविए कार्वरण) , नाम्रण्यम्परालाः (लावप्रत्येत) मामन स्तुः (स्रुकेश्करं) लमर् लमर् थिक: माम (लाक्षा । न्यास्य अवा-यम रस्य भला वि लावं ध्य त्म रियं व्यत्मेवर पाइ,) द्राष्ट्र (चर्ड्या) स्वार्धिया (लर्मिक्स्वें) यम्पर (शका) लाक्ष्र) (अव प्रतिक्क) देनम्बा (बन सम्हत विक्वा वर्गमा) किसिव लड्म ह (लाट्स । तकस्य ड्येय, न वर्ष राम्मा. राभ कार्याह (सन)।। काराल (क्रथन) यत्रा निमन्त्र निमन्त्र-अर्था क में द्रिः (ला क ल म भंभी क लाभ के प्रमें खें के व्यान्धार्म् द अर्घ [3]) विक्षीर्भ व्यानियय-यूका-भूकन वृद्धः (विक्रीत वृक्षमत्तेव पूष्म [अवर्] डेड म कन्न वृक्ष काविधाना) वीर् (आई मुछ) यन (डेक म्परन) विकिया विकाछः (विकिन विरास्त्रभूत) क्रूप्रमान ख्येर (अस्मामका य द्वि) यम श्रिम्म (ब्रायम मीश्रम्भाष्ट्र) ल्या अप (क्यम कार्य गार्टिंग)॥

यात्रिकार्कारां (अयं सार्किक) अवस्य वं तर् 41 बाद: (भवमार्वं अवस लवंबास) माम्ये भवस्त्रव-विलाहमाक्रमहमप्रकृषि (भन्भावन मेर्रामा भरकार्व १ सरकार्व रिक्टियात) अवस्थि (अवस्थावन) देक ल्या १ (विविध ह्म व्यक) म व्यवकां के काम ति: (व्यवमूक लग्ने भारत विषर]) अस्मान कमा सूरी वस्त्रा निष-ज्यादः (अवक्रावं याक्राणालक्ष लर्भण-व्यववाश्वीव व्यवप्रवादा) प्रमा (प्रयक्त) सम्बि (डेएकर्स विश्वाद कर्निट्टि)॥ [गिरि] ग्रान्त्र एक लाय दिया क्र करकारिक -91 अीममलंकरहीरेम: (जिन्द किल्लानमलामन, दिन) उक्ष काक्रत्र प्रमु स सामा विश्व अर्थ कार्ड) नम्ब ज्ञाना हम्रकावि छि: (निव्दुन विषयि हप्रकाविक-मुक्त) अधिमर्गात्रेड शी वन्तिः (भूमर्ग कल्लिमामद्रभी समात्र [नवर]) न्याम सम्बं विकारित: (कृष्टियाम विकाय अक्स) गर्-भर्षाका क्र करितः (मम्मम बहत , अक्र उ कम्मधाना) अव्िवत्र हती : (निम्वि विकासत-

हारियो) भन भूतक छठी: (तिभूत्रभूतक मानिती) लायी: (यभीमभ्द्र) विभागने (विभागम्य करवं), भा (भर्) भिष्ठा वव (जी के शहर) (स (लामन) अन्यम् (नकत्त्र अन्यम्)।। [मित्र] उमार (उम देश्क) म्लायम् पावा (क्यावत मध्यकवित्र) अञ्चरमान प्रदेव-भू व नीमाक लक्ष्य चि मुयुक ति एका) मर वी (अनि वि हिन सूमर्न नीता, क्षा कारि उ में बंदिय में मार्च में विष्टे] मेरे विन् म् नाष्ठः (निव कु अभू नी व भर्भार्म) ना क्रिक्र की अन्य अरे- 4) स्कू मू म भर 6 म १ -कार्यातः (अवस्त में कता व श्रिवकार्याः)-अङ्बित व्याडिकाकि दम), सा (कामन) सामि (किल) ममामेल (निक मिम्ट्यम् भारेल [अर्थ]) कारी (क्षीयारी) (अ क्रिप (आमार हिए) भूमें (लाम्हिंग इड्रम)॥ ग। [यादाव] की मृला विलित अमावि-लव्मालक्त-न्त्रप्रत्योव्हर् (विकि त्रोव्ह वाम अविका-वत्तवं प्रवेच अभाविष द्रे एएट), आर्बीमम्ब

त्रिभ्रवभून-मत्रालाा छिन्ने क्रिक् लर्यक्षमं सार्व्यामुक्रेयं सिप्यंस अर्थस (क्राविश्न व व असामार्ग अन्ति व विस्ति विश्विकास क्षांत्री क्षिणार [नवर माम]) मामा वृत्ति छि: (शिक्षि वृतिकामाना) दुव्यावन १ यरका ना निस्कर (दुव्यावन लाभुस १ सरकार्वा मानी) भी वादा है व-टकार्ने के व (अभी बादान त्या विषित्र किल्के के व) कला (कर्व) दुर्गर्तः (थ्रिक दुर्गमेशवा) सल (लासान) वें वं सं वराने (सँ समा व्यास ता परि कार्यतम् १ व्याष्ट्र व्याप्त जनसान् सार्विश्वाना मूर्य धानकुष कार्व १)।। कर्र (कार्य ;) काळ्यां वेद क्राक-भीय वं केट्यी (व्यक्तिन हे क्या मेरापु व भी सराम ने प्रांत कार् मिलिये) को (लेरे) अश्वन मिक मक्त जी (यग्रं तिक पाअन्ते में सम) मन (दृष्ट ने का का-कुट्ड) रूप्य विका करका मुक्य करिया भार (नकार-विकारण प्रकृत्यत अमालय को नेयम-

सक्त) । स्ट्रा (अयम् त्रम्य भूषः

(तित्र हर्द) अयम्भन् किथान त्यानिणारंते (अस्भावन अले मानिक विविच खात आलानिक कार्म) अमेग एम कम्प्रें : (देश कमात्रं एम व क्ष्मच मर्गेट्ड मार्व) मैं को व ; (40, 23 (0(22) 11 क्तिरा (लर्य : [मारा]) सरा (सब्स) लय द हार्थ -वार्षिका- प्रमूक्ताल वृदेश: (आम्मीक्षक अनड सर्वे का प्रमं शिक्षा) महामें कर (अवस मिष्ट्र [मारा]) प्रश्वम हमरक्षीमर् मिष्ट् (हमर्कावी भरावरमन लाभन हा अने) र सहर व्यम् दं यह मेर मुनं ह क मर ह (ियड मार्स] मन्त दुल्यम व त्रारम्बलमा भी [ल्प्सचा] रिम्यावत (रिम्यवत) स्मर्चा सम- विमुक्तवी. मार्गि - पिका के ति (कमान्यता मुक्ती न्या का का भवंतालितं (मर् एक रें तियं) प्राः (प्रमा शर्व)॥ यद्यावि (यार्यम् अस) प्रमुमा । (प्राम किस्त बीयमतीन) प्रणः (विक्र हिल्के सर्थः (वरक्तार्थ) का लाम (कार नक) लहें कर (विचित्र) वसम्भी (वसम्भी) वृत्तिः हेर्पाठ (बिखिय दिसम् अम [नवड़]) वच (वसाक्) ल्याम-

(स्टिम्स देख्या ट्रम्ब ३ क्या सम्म) इसामाद्र अवस देश्य क्या भी) में ट्रम्पांक्य क्या में इक् लायम भृष्ट्रि मेर (लायमासमं सिट्टिम्य) व्रिवंट (विरावं करने हे कि श्रीत के विकास मा मन प्रतिक करे £ र्यायभीस ७४० ([लासका] र्याव (पतं के सप्तक्ष) कृति (चत्र) अंबर्ग (दुवस) के वर अरमस (केल द लायतंत्रात्र करि)॥ की (भावक्र टक्षीमिंशक्र मध्यवं प्राडभ (क्षी (भावक्र म भिवितं भिरमारमालनं लयक्षिकं पिने ममाने मने व भारत्य के वढ (म्याना के व) त्यार प्रेस्त्रीक्षामा -आर्ने कर वी य म छ० (क सम टमा हम विकास मी क्रिक न स्तिश्य की वं त्या विमं) मय (न स्तात) साम् वः (बीर्क) जुडिम्बिट्या सम्बद्भः (म्म हिट्य हेळ्या वर्की प्रत्याम करिया) भूत त्योति : विलासक्षमयन् (क्रीक्षक क्षमभारान इक्सेट: प्रकाप्य ३ (म्यांगित्र प्रमाक्तां) ज्यामाहितः (ब्यामा के क प्रमास) सम्म क म्यं आरं मार (बर्भीनं सामक अनेनात्रेनं विश्वानं कर्द्र)॥ 281 अल्म (८८ मरमां) अवंग स्विधियायम (माल्मा लाम् (अर्केसायपतं अवस्तालात) न्यामार् (मधाव कु जि करन), इरनः (अक्षित्) व स क नी भावक्र न-

द्रिय अस । ज्या का कि (कार्ट सिरं । सार्व में स ज्याप्ताम १ व प्रमासक्षां) लकातिष् (लाकु अमं लर्ड अर्थ अध्व) न्यायार (मार्थ : दुल्ला स्पास अरवंत) अव्यक्त स्वाहित-साम्यासम्भ (पाला द्यं ([नमर्] मात्रा. भी मंदी करकन कार्विति कल वितान सार्वित साना अनंसिल्य हा रावेष्य कर्ते) जी ना क्या-केलमाई (मीमसाके किं भ्रेन महिलें) वनी प्रक्ष प्रकार (न वा प्रक्रम वा निर्क [कू मि]) स्यवं (क्याप कवं)॥ (क्रामाक्ट कम् व्यवस्क) क्रमाक्त्र) (क्रामाक्ट क्रमाक्रमा (क्रमाक्रम) (क्रामाकट क्रमाक्रमा क्टिंग) वर्षा) अत्रान्त्राविको (लग्मन्त्राविके) Cay ((अर्) टाम्ब्रमासक् क्षिति (प्यवं र 3 क्यास्त्र क्ष्रियां में मार्क) साव (श्राम कवं)।। पिनामकाविष्टि विषय म्भाव (यामम अमन पिना विष्ठिल विख्य कालिक अस्ति प्रमादित) म्याम् मिन्दिक्षम् (अपः विन्ते लाभ व स्था र्म)

माळ्या अपरिमक व क्षेत्र में र कारामा मालान्य द (त्र अप जीकिक सर्व कार्य टिलट्स वे द्रमादमा मक्स ट्याक वार क्या म्यून इमं निबर भाषा]) विभागम मूर्वकामिक-अवतः (त्याप्रमास्य स्वाप्रक्षेत्र अवे आदं बाब्यार्भात् (बाब्यार्भात केर्युगार) लामाम्यार्ट (लाम्यम्मानक) ट्ट (अर) वृत्यायतः (वृत्यावताक) आका (लाह कविया) क: (त्यामं च्याक) कि त्व (द्वां वत्य) त्यां ठ अटमा (क्षेत्र कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य वार्य है।। अवस्थान विकासन (८ अवसामलसम् र्यायमः) अम डीक भीय द मयर (अरेक): (अमा लिका अमूम्) त्यम् (यम्) में एक: (में के में क मार्य के) निस्मिनारे (अकानु सिवनी भंसाल) ((कामन) हाक विकामि (धरणव्य ध्रम्भ) क्याने प्रकु (सम विवास ककक) व (अवंड) न्यांकाता-युवती सरात्रव-व्यापात् (अभिवाक् किव प्रत्यक्त अवसर्भिक दूरम्ट्र के काम [वन्ड]) यज्ञास्त्रीत्राश्चित्रश्चात्र (त्रास्त्रीत्वं अवाक्षाक्रा-अस्म) क्रि (हमरी म् क्रि) अम् जिम्म

>91

[लासकं] अभित्र अता काल (द्वारत उद्गायत) अर् वू रेम: (अमर रम दरेय)॥ यव (एभ्यात) भूर् स्थाकिता: (भूर् स्थाकितमर्) 36-1 वादाककम्पामालकम्लाः (क्यानाक्षक तक स (प्रकेश माश्रुक । आअमार्ग वर्डे उर्दा) र भाय-[अम्मेर] (लात कक्षा खडे लामाला) लाक्डी (लाताउन वर्क) दमसः (लामम लाद्) भया अरेग्डिंड (शिव्त क लाअर्ग्य) भागे द (भार करंड) मन (त्यम्बत) मृज्यानि बीका) ह (जिल्ला मा कि एक ने ने को त्या कि का में गो) निमित्र : (राभ्वमते) हिन्द (विहिन क्यीत) रिकासि (TD) 2(4 [745]) 26 OUR (CASLLY) क्षित्राह्मः (अक्ष्यानुग्न) वर्षाकु गर्दः (माया मारिक कं यं ये वा वा वा मर्दार कं धन कीर्य करन , [जारि]) ७९ (त्ये) मुनामम् (मीर्वेमाव(पवं) क्रामाम (क्षाप्र कर्ष)।। अभी छाष्प्रवार्थ-काकितनने (त्यमात (काकितमर अभी उदिश्व या कार्यगाट), भारिद्रा स्त्रम् वर्षि (सम्बंसने र्ड्यक्टर

हिल्लाम मार्काण कार्ड (०८०), हिंभी सक्ष पिया-ग्रामीमव्वं (त्याच्याप्राप्ति भक्षां क्ष भर्वे यामी स्वान विश्वानं कार्वे विर) भेष्ये में या-यक्षर (अस्त म वायक्ष अंग्रेष (आला आई/क्रि) वार्याकृक नित्यवनेगालिय प्रत्य ए- पात्री क मालाक्रिया-म् वीत-स्मवास रेमर (विनर) वक्षायाम न्ध्रांश्रक्षं (अअपेवक्र ध्राप्रं वर्-विसरतं आर्के अस्त्रर्भातं सत्यम् सार्व न्यात्रं N(wan day elaso(5 " [012 m]) Huras (उत्त्राय) रेमान्यर (म्हिमान्य) द्रामां ठ ([ours 120(g) onesason a or 2) 11 माल (प्र मान : [विष्]) ल व्या आ अंदेत-अड मिस्त हिल्ला विस्वा वा मुनि भी (अभीय म सक्सम विक्रम हिल्लाविस्म लस्वसम्दिव बीलस्टिं) व कपमासर् वारीला वे ब्रुं (कपम-वारिका वाविश्वावा भावेष्ठ), अमस्ममनन-निक्टिशः भन्त (अमन उक्नाश्ट्रम् मधातमात्र प्रात्वम) , नीवामिकम्म-अर्थन-यमरे ([नर्] न्यामा के एक वे अव्भाषाति वं

लाक्षाकं), लव्यत्वाहः (लयं ममसाख्रमाती) व्यादम् (न्तिव्याव्यावं) भनं (क्षामकनं)।। 2) [ग्राम] प्रकृष जाम (नकमान प्राम) विलाकाष (म्म्य) म्म्मिरि (म्म्म) व्ययन-क्रमार् ह (अन्त्रे कीव्य [3]) अवंतुवः (अवंतुर्द्ध) कक्ष्रमा (के ला मंद्रकार्त) महाम वर्ष ह (अय् क्रिका) वैक मात्राप (वैक्कार्य) क्षित्रीष्ठाः (विवस्ते कत्त्र [वन् मात्रामा]) भार्व अकृष्टि व मभावाध्र भर्मः (अकार्टिन वाश्व हिसाम अवसम्म मक्ति) विद्यारीक: (जल्लाम व्यात्र]) म्लाचन क्रवाडाः (ब्नायत्यं (भी वक्तव्यम् निक्) मिछ् नयः (अवसर न सम्बद्ध करते)॥ लाख्यक (मार्स व्यक्ष्यमं अध्ः) मार्का क्ष्यां (व्यक् 22+ -डेक्नन), डेक्बिर्याम् वार्याम (मनाविष स्मेत्रड-वित्) वकान्यामार विद्यः (विकाद्यम्याम् [0]) क्र व्यवसर्षः १ (स्थान्व सर्वायां) मेहाप (स्थानम) देवान (देवानेतारा) मक्षामारी: (आन्यामकित्याना) भुष्तिक (लार्क किर्येख)

इकाबम छ्वः ज्या (कृषाबम छ्यियं जमएम) भर्डका की (क्षेत्रकं अत्रेशम्यानं) वंसनात्रिक सर्वाव (काल्यां रापवर विका त भर्त कार नास उर्गाट)॥ यच (एम्सात) अविविधिकाः जित्वम विवल-मनामलएं।: (की मंदा उ जिले में वस विश्वन आम्बार की कि के) प्रवेकान ट्रम्स (भर्या विवाल कर्षत्र) भन (श्रम्स) अवसर्य म्ये क्षां क्षां स्था (अवस व स्था म्ये क्षां के कार्य अज्ञाकाकाकाका (त्यामिकाष्ट्र : (त्यामेकामुक्र) लाश्च (डिस्टेस्स इंग्डिगंटि) मन नद (सम्मार) ल्यान्त्रीम (सिव्यक्ति ल्यान्त्रि [नवर्]) यर लास (गारात) अन्वयः (लक्स) प्रकारमानामा-शिक्स (अभीम मिया टमोडामा बामि डेम्लीय बार्यमार्ट) की मृद्यायंत्रे) माधा (की मृद्यायत्र माध्य) ए भवड: (डमबाद्यवं [अर्थ]) अर्थ का माजिकी वर्ष (अत्याउम र्शम) क्यां (मिन देवक मि विश्व के विख्या)।। वृक्षाः (व्याद्वन्तरे) द्वा (वृक्षरे) ट्यम डकाउनर ई अक अभूप (हर् जार्य कार पाम 3 काराह. म्ल लकाविष पूर्वार्णित) विचिति (धम्मकापम

201

करत्र " [१९४०]) रेलान् के प्राप्तितः (र्जावित र्भ-भारवान ww कार + बीयममेख) कुछार्था: किस (अवस वें सार्त्य क्ष्मणाटि केंग्र ठेंद्रां) क्षिति (लक्षित करवंत)॥ कथा ([लाह्य] कट्य) प्राथम (प्रशामित) यिवंडर्सिंश: (लडकावं व सस्वाक्ष्ये ड्रुमां) श्रीयर सक्कारः शिव श्रुवारं विवश्रीयर (रेट गारं लयम्य र्रेड्ट) टमस्प्रम्म भी प्ल (त्यरायत्मनं मनाइममं) र्यायत् (र्यायतः) श्चिल दिल्म (। श्वीष्ट माड कार्य १)॥ टमकं (माद्यत्यं) १ वंप् द्वंप्य: (अयदिषे बाह्य) य्या के तारीय (युक्ता व अक्षेत्र के विक्) भेगाडि (लाबिन कर्य), ए० (अर्थ) रुलाब म वाभिन: (श्रीरुला-वस्यात्रियते) अर्वडाय्यत एम एमकाः (अवभ लर्य बाटलंड अवि लास्य द्रास्त (मार्थ)।। की वार्षाकपत्रत्र भागीत (की वृत्तावत्व प्रवृत्तावारक) ला (नरं अस्य) का हिएंद्र भर्ष्ट्रं (हिम मं-वस विश्वर की वस र) यस वा पुला : प्राम (मिन क लगांत लग्ना करमां ३) ची क्रमार्ट : यसमा:

(म्हिक्स क्रिक्स कार्य के प्रथम है।।। मामस्याः १ ८५ (८म मक्स लामस्य मार्क त) 26-1 CP 312 (अंसर्ग) प्राच्याम के त्याच्याम (न्या व्याचा करें प् हिंडा करिया) मुन्दाविज्य (मुन्दावित्) यभाष्ठे (साम करव्य , [ध्याप्त कर्मा]) प्रमाना (प्रकार) हमार्थ (हथे कोक्षमपुरक) प्रमास (त्रिया कर्त) 11 लम्स्छनं- सरामनं क्ष- किस में में से खंड (स्री बा बा ब 201 स्ट्रार्ट कार्यां कर्त्रकार कर्य रहे क्षीक अव्या गार्य में के कि करते । रेक्स वपम्में ने-स्तर्भास्त्र व व [किया] में त्या व कर का के कर स्पम् श्विमा (अवरे) व्यक्तिक (व्यक्तिक करें)।। [मामवा] ब्यावमाड: (की ब्यावरम) देप्रवम-001 काभाषारिवसवविश्वभाषि (छेएवस कास्रम्स इन्द्रि अवस्व मामिक्षे व राम कार्य कार्य सर्मित्र कार्य कर्ड (क्यूड सर्म के की ट्र क्या कर्निकत्त्र [नकर]) काल्यम मुम्हिक्स सामि मकाउनाम (धात्रार्भ स्वत्र कार निवंडरं सक्तामस्य विसम्बर्गार [वर्मम]) क्रिम् (कर्में) ट्रम्बम्धेरसक्षक्षेत्रं (क्यूबं ड

क्रास्त्रम् क्यांत्रिक् विसेत्रम्) मः म्येव (क्षामान प्रकृष्टि कार्या करका मक्षेत्र)।। लाधारमार संभटमात्रामाणिविष्या हार्बी मार्बी मार् आतिवृद्धाि अप मूहम्यकाव्काव्यवारात विकाती (ग्राया मिर्भाष मार्था मार्थन मिर्माय देवतारम मेक्क अब्मावं के भ (भारत मिलवंश बे विक्या विष्वे उ सार्वेटित कावार हाने न करवं य [नवर]) सियः (अवभावन हेताला) हिनिष्ममानमं विश्वक व तमाने (क्या विद्वि कि कि कम में विभागममूत्र द्वारा यादारम अवंश (आश्वं द्वां ड्यंडिट) देश्य (अध्यक-भूत्या (माराद्य पर मिन्डन भूमक मूक निरम्म) Cupamilley (Cupa a minay) Lecurage (18 mia-यममा विकावना हुः (वृत्तावता व प्रकारता) कः लाल (क्लान) अवस्थी: (वासक प्रवेश) मा बार (अर्था काम कर्य म)।। लयड संबन्धित्रह : ([मारा] लयड संबम्ध लास्ते) 021 में बेर आवं सार्व् हरें (लयक सार्वित् विकामास्त्र) अमर सिकामिशिका निर्म : (अमर जातन आकाम), लयर भिलाकर: (लयर भिलाक लाकन)

लायक द्या त्राक्य वंद्रभाष्य म्यी (विवर) अम् अम् अम्म डमयद्वापवं व्राम् भूमद्वि), इति (चर्चल चर्) लयद्भी स्वयं (लयद्भी मान वर हास) समीदिवं (लामन गार्के विसरते) लय द न व (लय द वा का मूर्त लक्षा में स स्थाप्य कर्त)।। की गांबिक किएता: (ची गेवा व क्यी के क) असक-टको व टका खन्न त्याः (क क की ना टको वक न माण: हक्त ररेमा) खल्लामन्ड समीधानिवर्गः (भूमिर्सम ७ अम्म छ जत्त्वा विश्व इते तम) रमसाई (रम मक्य वक्षात्यं) लायसमाठायाई (18 Ca Man our Cura gan (20 [elsila.]) एक सर्वाः ई ज्यामनाः (एक सर्वानाः) निममाडे (बार्य डमं), मिला: (मिरा) अर्था: यहार: (भूका ७ कत्र नामियाना) मरी (ह्वत) व्यक्ति एव (migalos si [ass]) mu: (my my) कलकल ् जुक्का (कनवय जान करिया) धारती: भीगाल (भिवलास का समात्र कर के)।। प्रश्निष्ठ सक क्रम मण- प्रश्नि मी मी मी नी निवी ने कारी जन् (त्म अन्ति कप्रकारणक्स क्स प्रवा क्षेत्र व अनेमस्ट्रें

द्राधिका रामा कार्य वार्य एटर), मूमर्ना नि-विश्वम्मन् (ट्रम्स्ट्र संस्थित साईन्यां मार् कर्र कार्टिट) समासम्बंग-मृत्वाक्त-मवः सविष् वृत्वः (चिवः) अ त्वांवरं पती व अत्वासमा अवस्ति में वं के (क Cun el ougloce) " art ma a ela rá (man मह्म लाकराजा [नर्मल]) र्यायम् (र्यायम मास) सर्वाम्सा प्रव (अक्षार साम् र्याया)।। [जामि] द्रमायत (द्रमायत) ज्वद: जामे द्वा (एक क् (भ ल मामास्क कि विल ७) पिशाम ह न माण्य के-मिनेक्ष् : (लपके बेटार लाखाने एक जिने कल गान), ने कि एक प्रमानिकाटमार्ट : महिका: ह (सर्व एका टिम्बल आसी प्रथममूत्र), दिवास्थान-प्रिमिश् (अअत्यवं प्रिक त्वेषे व सर्वे बार्म) सिटके: (एक) ममामार् क्ट्रें! (माम्बावि विवर्]) दिना : (दिना) अञ्चय कान कादिष्टि : कार्य (असेव व त्यानं करात्र हानं) न्यान्यान्य के करांगः (अन्तिन्ति के टक्ष) अट्डाय (अटडाय) अस्ता-स्मामि (भाषाम छे-९ लायम काविय)॥ त्रच (टमम्मास) वर (टम्) टम्ब्रेसीयर (ट्म्बे 3

नीमकी) मा प्रमेर प्रमः (लगाविष्मं) को चूक-द्यार नव (क्षेव्यवभावर्) व्यक्तिवर्षेक्र कथ-यक्षीद्वः साम्प्रानुष्टं (स्पानंत विष्ट्र स्यमेक्ष-नानी), आसून क्रमानितिष्ठ व्या मूर्णि भाभा-व छार् ([न बर्] भू ना वा के प्रक्रा क व्या कि कुछ लाक्षिक का मान्या खालकु) में अन्तर लाक्षर (र्कामस्टिशं कार्यात्रेय प्रवेशक) मा हिला क (अभाव (अक्षापितं हत्ते व क्षां करवं प' [oury]) ०९ (१४१) वृक्षावमर् नव (अर्म्यावसम्) ७ १। वन्ष्यू (र वनाने! [श्राध]) में (र्क् कर्), वादामाः (अवस्ति) दृष्ट (यर्क्स) द्राष्ट्रमात्यन (द्राक्टिसाल) मा रेक्टोर (त्तर्ग) गतं) मार्ग दृष्टि दुक्स (्ठ्रांत मात्र करं, चर्च मा वार्याला टम) अर्थक व करें : (अ अव क्वानि करता) विक्रणान ? (म्रेंश्व किंव गाम मात) व (माव (माव) कम रेकि देश (व्रिमि लादम करें ने नरे स्व बार्यालये त्युं) भर् विम्ना ([नग्र मान नामनं नामां] सर्वेशका वस्ते करने), रस रेजि ट्याउम

(, ठ्राम अस, चर्चन वाम्टियं त्य) त्र क्रिक्राम अ भारत (दुर मा उस) में से का भारत का भारत (चित्र) लिश रेकत्र लागुम्य करं,) देशि भिने (नर्क्ष वामात्तरे ता) में मु किया (मिन क्षाविने मस्प्रमार्व [र्कारक]) सम्राक (वणानम्मर क(स)॥ यत सार्भार्य (तारा वे सार्व संदेश स्थार कं ,) दृष्टि युआर्टिंस (निरंस्त प्राण्या, ता) र्टिस् (रिव्या) लामवि क्व (माव्व दर्र) [नवर] अपर (WUR) रेयर एउम् यहम-यभा (जीश्रीय ने अकत बाक्य व भीद्वा) का कार्न (त्यात नकीर) व सी आए (लाजा रंत्र [नवर]) र्याव(१) (र्यावत्र) स्वांक्षणं : (नी मार्थान) यक क्रिवि रिण-अब्रूटम कापि भूकी (निम र छ क् ज म तमहत अबि भूके वरेण) मू पिठशही पडकाडा बदाली: (अपू अभन्न-Str of the are wan gan output लाड किव्य)।। नम्ब- भूका छ म अम्राम (नम्ब का नमादिए) 160

मा ची: (ए एम्प्रेस विवासमात्र) विभाग (लयवा) ए: (यत्रांस (माक्ट्रवास) मा (त्रा (भागम् लामाम्क) र नेत्यवपढ (केत्यवप) व्हिकार के अपूर्ण (अधाव क्या कि अप क्ष्मिन-माया) त्यती के (प्रभाम वंग्रिमाट) व्यावादिका-शार्ष (वो (वी वा का कृष्ण) मिछ) (अर्थपा) (वद-ाम्द्राराजिम् ब्रम्बी (डेलानिकर्मत्ने अ पूर्ण लाप विवासकात), क्ली अधिवनड-हिन मुद्रम (कानिविभाभाषिक धारड-विश्निष्मभग) मर्वित्वरं (र्भावतिवं (प्रवा ग्रामक) भागव: (ध्रुय कर्त्य)॥ 801 टा मॅक्सअंग्रार्क अपूरः (ट्रिसकत स्थयं) जून जिकादाराध्याद प्रश्लामिन : (जून भी श्रक्षित क्यान्त असक अन्त) (यः त्यन अर (मार्क्स्य) क्षान्त्राः (देवादाम कार्य र्मः रक्षमं वाक्ष्यः (म्रक्ष्म म्रक्षम) क (माध्यमं) वैस्थिकामीरतान त्म (त्म अक्स स्ट्रा में क् क) एपः त्यां मर ल्याञ्च वाः (से के अर पात कार्यमंदित)

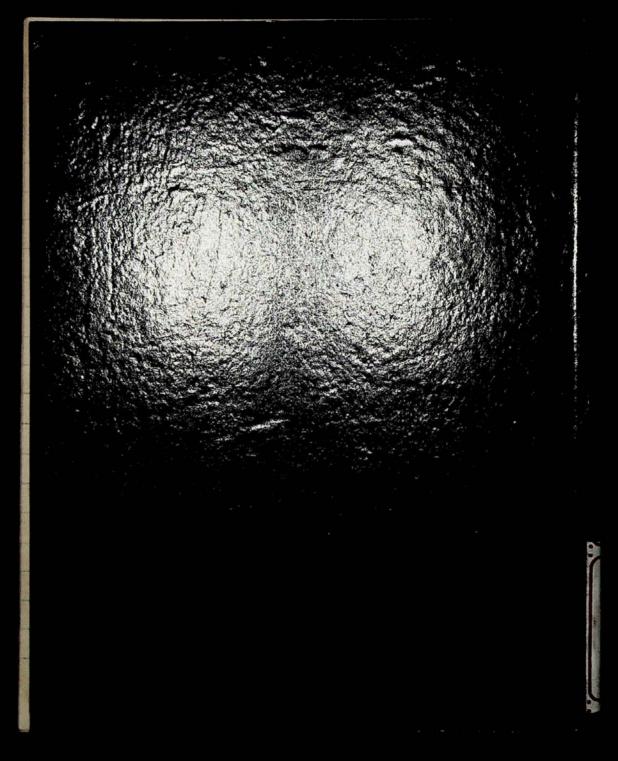
टम (येरश्या) जूनामिकामप्रामित अक्टमादिन: (व्यम् अहिवं क्षिति में से र,प) ' (त (य्यावा) सर त्याविक आविषात के मेर्ताः (आर्वेश्वाक मेरिकार्व देवस (आर्वाक) प्रमाप (तक्त वत्र) नाक्तः (धातक भाड कर्वत [- वड़]) (त (मायावा) लाप में बाप में ह (अमान रमम्बर) म्रामिण : मार्ड (माउन प्रकार्ष लक्ष्य कर्ष्य) (ति (श्रामं) लामुका: (लयदम) जैस्म मनायार भप्तः (विश्व आर्प व (याला) थिके (अव्या) त्य (conside) are dois (sure dois () भन काडिल नाडि (एम्स्राम विष्यं ने कर्यं न [owa]) गरं (org) रेस्पियीं एप्राप्त (यून्भवतंत्र यन्ता कामें)॥ सामा (अवस्त्रमा) म्बंमुकाम (मम् स्वाकाम) क्ये क्षार (क्यानुसम्बद्ध) सर्वास् सार् राहे । (अवस त्माक अर खिन्दिष्य अर्थ) व्यक्तित-भर्त्वात स्नामि (अविश्व धर्व व्यामल्य भिक्षायम् । द्वारायम् (अविकायम्)

8>1

वार द्वे (ल्यामदे व उद्गे गाटिय) रे ता (महाकं) महमान् प्रभावति (ध्राप्रश्मान्मार्ड) निमाल्छा: (मुमाएक) 'ता (म्प्राकं) यह मर्का ग्राम : (मक्ग्रामी) रत १ वंद्य: (म्परानं में के [नवर]) (त अन्यकाः (ज्ञायां अन्यवंश्वसेत) लाउ। (लाया । ज्याचा अकलाय]) अके 6 लाख (- अक्रमत साम्ये) कि अही नव (र्या स् में स्पर्म) में ज्ञार (स्पर यह रूप)। (य (यत्राया) Wo) दे विश्व ने प्रिया : (नका द प्रमामक) १ (गर्ड) (म्प्राया) इक्रानिकाः प्रजाः (अक्रानिकेक् (अ अभिका [युत्रतावं मक (पत्रे]) अकेंद्र (चक्रवावंसात्र) रेगावपाल्यां (रेपाव(पव (पाला) (त्रा)). (म्ल्य कार्ने) व्यायल्य (व्याप्त) मृष्टाने (ध्राष्ट्र इ'न)॥ 801 क्यारित रेसायम्भे (ब्युर्सायप्त) लाउं नव (नस्मेत्र) भग्रमेवः (अवस्मिष्टित्) महातः यर (वादाद (य ्डिया) अमम्मामा (मिलव अस्टिमस्या में के नाम्सामव कार्य)

क्या वमामिश्रद: (वमामिश्रव विकारव्यक) इअकेट (अयाप्त ला मण क (वंत)।। थ९ (भिनि) अखरें: (मिन छर्ते) फिरके: अछरें: (श्रीतं सिक छन् साथ हाना) न्युत्तर व कं का का अत (प्राथाउम न्येकिक्ष) प्रमा (लायम किर्मारिन , [जिल्ल]) वृत्तावन्त्र) (नीवृत्ता-रप्ते) स्टाठी (स्ट्राठी) स्टिम्पार दः य हर (autua Min shora दाश्य avulta) 11 8 ल [ग्राम] लळे या यहात्वस्था अपद्रः (अन्म दुस्मातक लाबिक्स (स्रांब्रिस अधिकेस सावा) र्रे रहे हे हे (आये के मू [न यह]) माठा यह स्थार -सक्षत (एमस्यस सक्स मदाम् न व वेक्स) में ति रियाम भारत विष्टम]) मुन्या य तर् वत्र (अर्थियाय (भवं) त्य (प्रवर कतं)।। रित लूटा कल मार्पिश्रमण (विष, भूम अ औ-लइ। वं अमाम) समका (समवा वीस) सत ल्यास (कासार्क महाय मात्र कर्ने एट्ट) वार्ट (यम त्र हू) धार्मम ह नुस्त (य अक्रम आम क्षेत्रा) रेक्स वयर च १ (स्परिक्स वयह)

CM (purus) 440 (93M on mination) 11 801 सद्रा सद्याप (अवस लभद्रमुरं) मैं: भाष (मैं: भ-मार्भ) या (अअया) हेन्याप्याने भू अपनि (over grown & x waiter) the (outside) वृक्षायम पृष्टिशी विष् (वृक्षा वितं अवि मैति क्याश्रमायी) स्थे (व्यास्त्र) धायात्र ई (विहानिक कर्तिक) म हि अमर (अम्बिनाय)।। त्यामत् रेका क्या द्या वे के में कि (ज्या रेका वापन 861 क्रुम्पूर्य) मिल्रिक्सिर्म (मिल्रिक्सक्ष्र) टम्पर्व क्योत्तर राज्य म्हिलाखे (पर्व 3 रीयवम् बिष्टि किलानंडीमण्ड) रादा (oversi) elazo (dazmaia) 11 8%। (म (म्प्रायं) रियायप् ल्यान्त् (रिक्यायप लामार्थिक) ये युक् क्षि (म्यास्वर्धिक) म त्यावतं (तथ्य कारं भारं), जान (7 2 4/2) (0 7 4 (cus sains) प्रमाख्याः (प्रमाद्वाक [नवः]) कि न व वि (वार्यवार्) सम्महामारः (सम् लाम काक म्यू रंग)।।



EXERCISE BOOK

NO. 3

Domer Des 2018 व्यान्त्रीत्रमायत्र मार्च कार्य कार्य के प्रतामा है। MOL TO S व्यस्ति क्यान्यम अक्रम भारत मत (ध्रियवधर्याता) क्षात (लायं कार्यक भार्व) रास्तिका, (न्युवास्य किटकं) प लखे (ल अप करवंता) ' वक (लारा ;) दुसर (दुकाद) (स (लामाव) 256 CALLEYS (MOLE MAR [745]) राज्य (वसार्: १ (व्यक्तमं विसाने वपक)।। कीमा ब्लावत (की ब्लावत) वाधाकक छाव छ्ठ: 031 (न्या श्वाक किंदिक के काल ला में अप व्यवप्टरक) रात (outre) Chiefell & (out Charlelia ला असं भार) कि क्राहिक एम (क्राहिका के लक्षकं भार " [किसा]) त्रक्रमा १९९८ प (प्रारंक हिरान कारमन भर)।। त्म (त्रामं) प्रक्राः (प्रक्र कः) भित्रमां (मिस्कान) ' प्रवाटमां छन्। (प्रवाटमां छन्मायी) यक्षिकक्षिकाः (लक्षकिक्षत) 'प्रिकाः (मिर्दास), निक्रमुख्य: (निक्रमुक्त), निमममने-अमूम्मील पिकामू डाकाः (मिमिम खप्नामे डेळकाएं मेंग्रारमवं पिक अन्यय कीर्जन करवन), आनन्मानाव-प्राष्ट्रित्रप्रमा प्रमः (याप्तार्पन एपर धरिकारल-

यतं) ' केक राष्ट्रसमाः ([नवर् म्रामाना] नक्षाय र्काप बाम मरा तेत्र [own]) सर्मित्य स्ति में (निश्मिन पूक्षार्थ अपाण) जान ((अरे अकन) अनि-रुकावन क्रिकान (क्लावनीय क्रांविक) यल (यलमा कार्रे)॥ किरा (तकावी हिन पूर्का कत डाग्न स आ आत् (घेंग्यासन् माभागमूर विविद्य किया मंग दिक भूका उ क्यलाद ध्यमण), अस्र विक्रीत्रम् अव्दार्भाष्ट्राम् (यारावा ०एट्राड्र में दे अ० अण्यां दे अ०) भ भ के (मा: प्रदेशव-कामायमात् (यंभाषा वाक्रिमतेष कमर्रवातिष ब्रूअविड), मललल्ये: मीव्याम् (धारावा धम अच ० अ से वर्ष विश्वारं अभक्ष स [१४६]) द्व: उठ: (सर्व) मङ्गानिभाभक् माम् (समयङ ज्यमं त्रं हाया- अविकास [wn र]) अठाल सर् आन्य-मुम्मान (अम्बसम् धर्वसी) वृष्णदेवी अगार्थन: सटल (प्रसल !) क्लीका मिला (यल करते)।। ट्यकार् (याराद्य) जलभा (जल दिला अवस्तत व्यक्त) भे क निक्ष (भार मा के वम नर (डे के मिल

001

मिल पाठाइड मापारम मन्य व सेमत्मी मारकार) ज्य-ग्रें देखाया (वर्ष-म-दिखायम क्रांबंगा) कर्मक-जाबिक (धर्व वहत) पिक कमानि (पिक कमम्यूव) मल्ला (मिलिन करिल) मालव्यवः (चीक्ष) यायन् (का अप्रत्य) प्रमाटरं (ि अक्ष त्य] र्साएक करत्य [नवर]) त्रामुत्री (स्रोबंखा) এ वर् (आ अर छात [छात्रा]) ध्या हिता वि () कय मर्मर करवंग विषि]) जाग (अरे.) विलायम-क्तर (क्यायमा वक्वाविव) जम (स्था कर)।। सर्वाश्वीवृत्यमाः (अवस्त्वाश्वित्ते) अञ्चार-मकामल मर्के काः (मिकेक मर्व सरामल मक्त) मस्रकुला: (अणून्य) न नामाविष्ठित्र मस्मिर्युट-में हा: (काश्वरिक आस्त्रसंस्था विवाविक) मिन्दि (मिन्ड्न) अल्लाम् वर्ष छः (वर्म-मैं साम् कार) विकास का भागः (सका में का का न्य-नानी) भरी गर्भ: (कार्य भर्म) त्र नामित्रित -ज्यः (क्लायन क्यानि) भरवार (भरा-मक्ष्मात्वे प्रकार न) हाडि (aust-TEN W 20(47)11

ह्यापिन अम् अमिश्रिम लागा वित् कार्य । (हळा मूर्य. 001 करि प्रिश्म क्याति: में मार्थन त्या द अवसार्भेयव लगावित जा जात्रम्मक्य) , माकि पात्रमाखाः (यात्राम अकिनामन्ध्राविक्षर), नाआन्यादिष्टिः व्यक्तिप्रिणः (म्प्रां का अधिदिसमं आत्रा मन्यातिक) मेर् प्रकृषिकार् स्मकाः (मिलिन पिका अनुसर्व प्रमा कटवंग निवर्) प्रत्यात्रा लाहितं नामा मुक्तां मंगा लागाः (मन्त्रात्व मुली उस द्वार मकल त्या कव अर्थकान प्रकाल विशाल करने [यरेन ल]) नी पर बलाय र-विरे भित्र: (इकायतीम कक्वावि) नमाडे (मिन देरकर्ष विश्वात कार्यास्त्र)॥ राने रहि (अद्या!) त्यः भी भारतः (एम प्रक्त ब्राक्तिमत् 091 काकि) अठठ० (अर्था) बादि वस् मार्क् (वादा वस -विश्वाम आडिमित्यम) विर्मू म (आविजा मण्यक) भी भग्रुकायमङ्बि (श्रीरुकायतम) भर्षे ड्रमं: (अव्यादेख बला निरी), डेक्ट्यर विक्रिकिंगः (अन्मास्य विमालवाद्यम) माठ ह्या: (मार् समा) a अ: (वरे मकत) व सी विवयं: (तवा कार्व)

ल्याना (ल्याम सर् क (क्रा) दे र स लक्ष्य स

(क्रामान व अवदमारक) त्व केवायाः (क्षामान कृषार्भ इ'म)॥ काहर (शक्तमं) सरा ब्राम् : (सरावाश्यमस्य) टमामीया: (टमाम्यम्) दिवस्त्रात्राश्चित्रार्थे स्ट्रेक. किं : (कृषण कर्रे म शिश्य में के बाद्यं व्यक्ष में प्र-क्रम्प्य विश्व) असम् अवार (व्यक्ष्म्) दु असवा: (मार्च म खिला) मक्या मुर्व (माराव बेम अप्त्यं साक्ष) मकार्ड (भागाक अवस्थात करिंग्राहत [240]) मधाक अभाविष : (अभाम डाय अक्षिक) माक्तियरि : (ग्रेडिंगिषियांग) मक्त्रिं ज्वास्त्रा ७१८ अर्था (मर्चिष्ठ जैंक साम् ३ व छो नं माय्य सर्वास्वास्व मिम्म भरकारनं) देखाते: कमकमा: ६ (देळ अरन कत्रव अकाम करवंत , [ans]) अर (अरे) ब्लारे वी (की ब्लाय(म ब बलमा करि)।। िय थ्रायम्। त्वास्त्रा असाम्मास्यः मिळाक्री दं (की बार्बा कृटक व निजाबिमात्र हारिकाल) अवती अवरे (यह व वा जाम क्षाव क्ष) , अकृत्न: भवार अवर (किंड कि कि कि अवेलार विवाश मात) अवेमर (वससर) जीवूलायम् (१ के की वृत्तावम द्वासाक)

06-1

अव्ध्यक्ष (व्यं विकतं अविधानं व्यक्ष) व्यक्तांव (or min 44) 11 लग्ने मेराबर ([मन्यम्पर] लग्ने महाबमाती) यग्रहाद् (स्टाहाद) लयहादमंत्र (ल्यासम्बद्ध) टार्न्स मार्थित करात्रिय-कल ल्याम (Culis 3 म्प्रेशम् ए स्वाक्षेत्रं पिछा क्रक क्र कल रकामा मिया समर्ग) वृद्धायत् (भीवृद्धायत्यं) एक (टमक कर्यत्र)॥ अण्यलानिगृष् थाल सम्मविकाण: अर्लाछ : अर्ला 6>1 सार् (लासान द्राम्तियम् कार्यम द्रक्षिय चन्द्र mun अक्सकार के त्यार युगं में या में में इंड्रिय) (६९ (यपि) असी (कामिननः (क्रीन् लायम अग्र [लास्पक]) ला क्षां कर्षा (मात्र कर के ने विषय oung]) क्वार्य: लास (क्वार्य वर्षय)॥ खीब्याव्ते) (त खीब्यावत !) पूर्विकारि: 1521 mikis ([auxua] couls in nea gen son) पुलक्षाकारि: थाम थास्त्र (किया)कार्ट प्रश्री व वार्षात रहक विश्वा]) अविद्धि-टकारी: अड़ (क्यारे क्यारे नियम ट्या रहेक, िमाल (भार]) (क (कासान) विसंद : सा लाह (वित्यम मा पर्ट)।।

[(अ अत्म ;] । वर्भेच-(अकार्थ मा) : र्राप् (त्रिका धंत्र 'दमकात व ने गाति हा का का कर्न भे) क्रीमानि (भीमामक) मेक्रमंद्रक (मेक्र त शक्त कथा) अशासुन् (क्यूर वृत् वम्रतन याम) कर्ष माठ व्यक्ष (क्यू पाटक इर्डा उ [विति]) वास्त्र का वारा (न्या वी ने न्या व प्यत्र) क निवम (अवभूगत कर)॥ 981 अस्था (अर्थसाल्यू) डा<u>ब्</u>याना (क्रम्याना) शिक्षि - मुक्तिक माछ - वित्यक - विव्छी : ह (क्कार्वाम, क्यावनवि , वित्यक 3 दिकाला अस्यता हुन् हेराकिना (पृत्व विभवन कर्ल) अविष्यवः (अविष्य १४/८०) लिलाम: (व्याच प्रम्याम्क) स्तर्भाम (वाद्यतं यर्वाद्वं दुवागंत्रकंत)॥ त्वा क्र रेसाइप्र (क्रिक रेसाइप ;) त्माहर (वसरी) हक्या वब (मन्त्रधावारे) प्रकेशम्बर रेक (रेक् सार्वाव भाग) दुर्वा कं चव केंद्र (दुसंद श्रुंद्धर्ट "[जलकराम]) व्यवमृतः (र्यायत अम कवा) व्याड व्यासमा (नकाड़

लयस्य उठावाड) का ठा (राम!) एम (क्रास्प्रत) किं में ह्या (क्षि यंद्र ।)।। लाहिम्बाताः (लाहिम्पात) दास्तिर्वादिनः (दास्तंस अ खिल्य) य००० (अक्ता) सार् (MENG) MO) 1 gt- estins (Mo es se se कारामादं) वस्म बस्म (लेयः लेयः वस्म-मिक्क) लासम्माह (देवपाहित क्षित्वाह) का कार (का किन्छ | [कारणक]) मार्चनाह (यक्षा करूत)॥ डार्ड डार्ड (डात डात ।) लड (ल्यास) र्या-यत (क्यायत) निवस्त्र (अली (काम कार्य था 3) कल्लासिकावान्त्रः (कल्लिवं विषयं सर्वाति वावा) तिव्यपि (तिव्हन) पर्पणा-प्रात: (विक इंडम्प्य) म वि निर्दर्शाम-(क्यमकाला नाड्रिकाड कार्डाहमा दिलां WM) कि कर्ट (कि करिय ?)11 किसी जूनिए डाउर (भूवजी माबी व परक्ष मिका हा छ) र्य (यमा) । मि द् यार वाम कर्म (विकारम्य । १ अस्य ३) सामग्रि (देमा करते)

७९ (७० वर) उष्ये प्रतिमारित): बार्ड: (जाराय अरमे अ मल्या विविष्ठ दर्मा) र्यावन र (अ) क्या वत्यं) काग्य (क्या कवं)॥ नवक्री (त्रीम ग्यरी) मुक्ता नय ह (मिलिसा प्राप्त) कालासिया (कालायण माना) समस्र (प्रमस अब्विष्) किन्या मान्छ मिलारमान् (यद द व सीक्र श्य) विद (न अवस्ति) केवः (क्षिम्पत) मार्था मार्थ में मिर्गिता (मार्था में क्या कर्ना 245 3) 11 अर् (my) काम कार्याका का : (काम कार्य me wi 18 2 [136]) (me sw: ([me-अर्थारिष उद्गात) अवं लाव द्वा (अव्य-क्षित्र प्राचार) अकामाः (काम ब्राम (ब्यावत) ब्रामि (बाम कविखार), प्रात्रा (Tini) (m (ourse) year ye (went my) 11 171 व्यर्ट (व्याह्म) कामप्रमान मा दे में द: (कामप्रामाल नकार रिष्टि उर्मा ३) र्मायते (र्मायत) दिश्विष्टा (अवस्तात्र वृद्ध) तिमन्न गृढ-महावर्

(रबम्भर्यात्रव मूर् छन्न अवस (अस) मिन्मः (MR sujesos y sa sy rule) I sonstar!) Q (जलकरात) नका व्रक्ति भार नव (जयस्य र्यात(पवं कक्षा) (स (outha) आयोर (अयमध्य)॥ [mun] कथा (क त्य) र्यास्या : (र्या वार्य धाकाउद्य) विभात (निर्भात) क्राहि९ ७ क्उत (क्या वक्वत्य) क्याभुयः (दुलामुक् रेड्रमा) ाक्रिकीयिए आरो के किया मुखि: (बीवन भाना तिसातिन कार्रित द्यार्थन व्यवस्थिति) च क वं या क्षां : (च शाउ ल प्रांत पर कारत) मार्य वास (कवं अप) क (मार के कि (धकर्म भर्म मार्क) अम्र (मिन्स के) रमना समार मानंग (यमप्रधामानं) (मुठ्टं (स्मृट कार्नमा) भूतः (अवता) श संस्था व व (रा किका) इन्छ (नव्यात) कक्ष्र (कक्ष्रवाव) क्र र ((बार क कार्टि) इठ मागत (जनम्म काविव ?)॥ म: (ग्राप्त) हर्षे योगी (अक्टिक व वाट

लार वक डार्गा) त्याम् : (वस्त्रीयपुरक) मामी: इय (ब्रामीय पान) मार् लयं (संभारे (लाश) स्वादक) । ब्रुग्न (विस्तं भाग) लश् (लाम् क्) यज्ञायम् खागं (जन्म लापान् भाग) जमार्च क्रियम (प्रिंग स्ट्रिमिटक) सकार् सिम्बल्याव (सर् सास्त्राप्त पान) कि।क्निमान लाइस्टर (मर्थिक्षिर प्रम्भरमारका) मर् द्व (तेक मर्व थाम [नवर]) आल्या लुनर (यि द्राक्तिम्यप्तक) अक्ति (अक्षे प्रातं) म्रात्र (प्लाम करिए भारत्म), मः ।दि (जिस्ते) व्या (नरे) कुलायत (कृत्वायत) आनी (गमार्थाः) बटम् (मम कर्वत्र)॥ रेर (अभ्भात)क: (कार कार्कर का)कामिना-(प्राक्षत्याव (स्तिक्वं म्म्यास्त्रे) (पाक-मका पि प्रर्व (रामक मक्ता अ कृ छ ने) म विम् १९९ (उत्रक्त पाकदं ।) कार्य (कार्या!) थन (न क माठ) नाम छर्ता देक कि भाव (आस्वर्ग म छक्ष्रहित कररे) जर्भक् (कामिरीय वार जामक गाकि (क) त्वाकृष्

(मिसानं कारं क) म अकर (प्रमार् उत्मार) कमार (अवन्य) मर् (मर्) काम बदार्यः (शामायां प्रकारत) सर्वपृत्नां (वंद्राहरं) वा (अभवा) मृः अरा अनरी (मूः मर काकानिया ल्या माश्रुम द्रमार्ग) वर (वारा रहत्य) क्ष्रित (क्षाक्ष्मार) क्ष्रं (क्षात्र) (त्रक्षाम अर्थिता) यदास्त्राताती लायर (चार्काक अवत-अगिष्ठ) अनु डर (अनु डर कन्)।। टमार्श्वरम्हकन्य । आमि (ए मकन नय टम टकार केरल वेसरीव सी १० धरावना तिने अस्य अत्यत् अयत्मा(यरे) मन्तः (कन्तर) सार् लक्ष में थिर करता ह (लास व हिडाक लक्ष करतं) नहाः (अर् रेंडे आह) सम्भाः मिलः (अकल मिक्) आक्षामीक्रेत्र (material se sein) gines e (ouer-अकाम करत), टलाड: (टलाड) मिनवार्थ (NATA) MY: (123(4) (MARINA (STA) कामिलिएं), वर (अव तक) अमिग्रि मुनायत (मार्मा वत्र सार्म) क्रेयर (तिमहर्य)

यामः य मध्याव (कारमं एउकाम मस्यतं नत्र), व्यव: (व्यव न व) रेस ([व्याध] नम्मान) उठाठ (ज्यस्मार्ड) ज्यं व करार (या विभव्न 142)11 WEX (WINT!) WZO (WMST) ANT (ACT) स्वालिकासम्यम्मां अद्भामा क्रम्यः (भिनिम (याकार लक्ष्यं से प्रदेर त्युर के क्ष्यं क्षाय के व्हर्य कर्षिक असम् र्रमा) लक्षामान (म्रीकंषी) वंगः (वंग्रमिक) मुका (एन्य प्रवृक्)दुर्मे व-र्ठ (में को चाक्र बं चारं) लाक्रात् हितः (१९८० असे पा ड्युंग [वर्र]) यत्रकुर (अभ अस्त) Cezasmacaly (12 amagacany) सामन् (यराक्षाक्र (काक) वस्) हेलनमन् (प्रत्यर कार्या) रेपायत (रेपावता) (अभिपाय (श्रांत्रीयं भाग) यदपः भगडं (मार्क्त अवस्त्रम कार्य १)॥ mxx (max; [onist]) + (x(4) वृक्षावत (वृक्षावत) वाचा प्रविवरणः (स्थासकिकिं) में सबं (यासत) त्यात रेसर्

(कालमध्य) आनमं (भव्य) मारा (क्राय) उपमेल्यमामन- सिक्नल लायर (देअन लामेल्य एवँ धानमानिक निकाम धारम) विसन (धन्षव) प्रकलानं (कामानं निक्तनं (तिस्तिन एका वाने धिला क्षक्रम [नवर]) इत जिंत क्यामय (,रा ति म का के क,) द्राष्ट (पर से का) दिए : कत्र (उक्ष ला देन परकार्य) अवस्वक्तः मार् (काल्या विश्वस रेशे व ?)॥ मर्गनािष्ठ मा वन् (पिनि] धर्मना मे मरेके उ भावित क (व्र), ख्यम्रार जीलाय र् (भर्भाय-क्रम प्रशासम रहे एक डीक मने एक क्रम कर्वन), अस स निक मणं ७ - श्रमू अ हि प् धरी डावर (तिभिन मधा मा यहाक अ प्रकाल दिए मा भारताल अविने करत्र [वर]) प्रश्मानिवातः ((अके मू नी आ नते 3) प्रदार (भर्मर) विश्वि छाव न ? (म्नाम कात करवंत) माइकानंत्रप्रात (अक्षक भी नार्शाय) व्यावन ० ([वर्ष] है ज्यीर्कायम्) देय (अल्याक) सम (कामन) अक् कीयम् (अकला कीयम्बक्त) II

[(र मरम !] प्रकार नेकोर में काय: कंचन्ड (म्रामं हिड सर्या वंसप्ति स्क), कार्वसासाक्तः (त्रित्र त्याव का माक्षायक) समत्यव (दिक्की हाबावाल) काडार् (विमंद्यमाक) रास (रास) भेड्या (श्वं प्रतिक्) में दः (पावसीव) देसे -भूतकः (भूतकसामिव विद्यान किम्म) भू छ-क्रिये में मा हर (मिल्क के सिव लाल मेरम समय कार्यक (मान्यम) ने पायकारियं मार मनगर लाजीनंश काय मकाम वार्विह ियर तित्र]) अस्तिक त्रानुर (मुश्रम् कमात सार् । किसा स्वानामार प्रायान प्रकल्य साम्बन्त) कक्रम (वर्क्षे (क्षाम) न्यासमाके किलाय (न्यास्य क्रिंग्बरक [ठेति]) न्युर्स र्मावपादः (बीन्नायत) प्रवत् (प्रवता) व्यक्ति प्रम् (राम कत्रिया) आक्रात (हिड मर्टि) अनू मन (क्रांत कर्)॥ POI [(र अ(म ;] माठाना] व्यक्षिमार (न सा ? धामकि मदलात) डेमामामभ्यात्व (अवन कल्लिट्स हक्रत रर्भेग) बीनमार् मिमार् (केन्ध्रेशायिक) त्रमत (त्रमत् अवंत्र)

वार्य वार्य (वारा मर्द्य) व्यातं वार ही: (व्यातं द्रमाठ्य) क्षांय धायार महा: (त्रमंत्रमपुरक) । म भी व (अं के क खिंगा) लिया गर (अव अव ब) थालं क्रमंट् प्रकारिड (क्रामं क्रमं प्रकार म्यम) क्ष्यमा (भाषा १८वं) ये दः (यव से वं वे) व्यवसम् (organi 21 x Darum siaz " [21 1]) 26 (Сма) ट्यांबेयुयर (एएवं व युवर्त) हिसास (स्टिमंस प्रतं) तथ (तथर कर [नवड]) व्याव्ते (व्यावत) निवम (वाम कष्)॥ का भ: (।भित्र) कुमावत् (कुमावतिक्)। विषः (का अप अपने कवियात्य) क्य (अ अल्मातं) क्षाकृष्ड (पूर्ण माभ) उर् (ड्रायातक) य चय विठलः (प्रिक क्ष्मरक्षमभागं हिल्मीरिंड क (त्या) र सामा (सामा) वर (व्यादक) य वर क्याल (क्याम का (अप्रे अप क मित्र वा दिया) मर्वार (मराम्यानिक) मार्च व्यक्त छताः (मक्त Ryy) Có CALR (QUELLE OLDINELA) सम्मरः (सम्मद्भान्त) उर् काडमाडि (अगंदर त्रियं अवेप्रमात आल्या कर्ते) रिब्रिक-

अभू भा: मर्ट (ब्रुआरि मकत लाक) जर सु यह (अयाव अि क त्वेच [चवर]) अधिकात्तावत्वा (अव्यक्षा किक ३) कि रेटा (अप्रिय मध्ये) उर् (अंत्राक) भामतिक कप्र (क्ना निलाद लाभेक्त क्रम्य भार्त्र में प्रमें में भिष्ट (यम्म कर्देन)॥ यान्यानक प्रमाधियः ([ग्रायां] स्रापं व्यानक-मूर्यामम्) नीज न्द्रशेष छ (ते : (मू भीवन मी अनावि-घारा) मला पिलाः (निश्चित । पिक्का छन्त) प्रिका छः (लाहाहक करवंग विदंशम]) म्य में मायन मनायाडार्यत्रीक्टिः (अन्यूक्मभन्मत्रवादिः (आरिक वर्षाका [नवर]) केका समयमार्जान: (क्कान्यामिश्वम), धानमाकानाशले: (धानम-(का आरम मेड) समक (प: (का क्रमार्प वांग) व्याप् (व्यानीय) व्यास्ती विलामण् (बप्रमारक्षा प्रिष्ठ) ह्यावनर् (धीष्यावन मायतक) समनात (क्षाप कार्ड)।! १०। मर (मित्र) (च अप्रवास (यह खिस्मम ब्रिमाल) अम्बद्ध (धार्वमणं हेन्द्रमाधास विवाशमात) लम (नक् रें) मर (मार्स) सामाश्च-क्रियास न

(अस्थ मही अध्वाक स (अधिक्रं व वस्ति अ) सर्वाम्बर्गा (संसर्वे नाम्बर्गा) (व्याप्तिस (लगा ि: भू आ दा) अर्था (मकल्य) हे भारे (डेलाबेडाल) बाह्य तीछ (प्रदीमाधात कं हिलंदिन ' [मामा])कात्मित्रमं सर्वे के क्या सर (काष्ट्रिती मं भार्ष्ये भारत विवर भारत) महा (अर्था) श्री कृष्ण विकित का निवित्र (अी स्वीरी-कृ एक व विकि त्या निषा विषा या प्रमा के), उर (अरे) अप्रष्ठ् (निभिन्न) मीनुकारनर (नीव्यायतारे) (म (आसन) सम: (१६७) भाउति (खिरवेष कार्न छिटि)।। पिका: (पिका), मूधर्तः (मूधर्षः) अकलकृष्टिः (याभ्य अवस्त) मर (म्प्रां) लास्मिक्ट (स्मा कर्ष), य९ (भारा) अमाना हिः (आश्रष) हित्थितः (हित्थन) न जातीक्त्यूक्र-क्रमाकापिछि: (भूम ७ त्र्र मठावानि, त्र अ क्या मेर् किया) मर (समाध्य) मर (मारा) पिकाष्ट्र महः मिल्मिन । नित्न-नीम्प्र बली प्रदे (पिक आर्य में प्रकार ने प्रमी, भार अवन्

इसे अ प्रवासन में प्रथाय [चिवरं] रि (मारा) मित्रः (मिन) अमम्तिः ६ (मड्न आक्रमतिन हाता) विकिन वर (तिकिन) प्रस्मन), जर (त्ते) व्यायत् (न्ती वृत्यायत्वाध) भाषा (दल्य कव)।। ७०। जी मुकायन (जी मुकायन भाष्ये) विकात-मैमाश्यात (त्यायसमा अस्यवं लाजमा) अवस्तर (अवस आवत) न की क्षायम अव (अव्यायम भामते) त्राष्ट्र भर्वार्थ्य (मञ्च निर्धित भूकं मार्थ ना एए ने) अर्थन उसर् (भव्म मार्थत), नी मृत्यावत ० वर (नी मृत्यायत शामरे) मार्थ) अन्तार्कि विकारिकामानुः (अर्थ) यह-मस्त्र मयम डे दक्षित मयाकाका मक्त [-140]) नीकुलायम् (न्यीकुलायम्)काम्यारि अवस्त्रकु (क्याद काम का काम क अवस क्षिर् [०० १व जनमाति] कः (क) र प्रावण (प्रशास करियं १)॥ था (।भीते) आहीत हालीय प्राकृत भरा पूर्वा प्रमाश्विती (अम्ड वूर्यम्म मक्ष भरा पूर्याम मामसूर्य डेल्य करत्र), था (।धारी) नीमा क्रिशिन पूर्णय-

मराधार्त्र में प्रद्यापिती (लाजापेन अ ब्रामापित अ पूर्ण अवंस सार्वेत लार्षेत्र क्षार्य मा आक्ष्य) मा (ग्रिप्र) याका देव (अम्पुरं भागं) लम्मे अम्पेश्वावावितिः (लकाड ल्याम् व वंप्रसप्तं ल अवाद्रममंद) प्रा ट्विपिती (आर) करवंत्रम), वार्वाभिष ट्यापिकी िचवं गिति] की नादावं अत्मरंभार्भ ज्याम त्याद क (क्ष) मा (अप) क्या हमी (स्पावसा) र्मेगा-दिवी (ब्लाबम्बाम) विषया (अवस्टे १ वर्ष विश्वव कविल्टिय)॥ [मारा] 3, क्वम भा (दे क्वम का वं) अवा नातृ: (अर्थकाम्मस्य ([मारा]) सर्वित समास्यक्षः (सार्याम्य अवस तकत् [मार्य]) यरायत्म्मात्री-१ सर्कितः (तदारं लायम बामितं १ मरकार्यकार हव्स भीमा, [एमसात]) इविक्था-त्म्रापि-स्ताममः (क्याक्टकं क्ष्म । त्रा महात्रं अविश्वी विकास दमं), प्रचामहर्षकपश्चिताः (मारा स्वक्षकं लामध्य व्याम्यवं (मुद्धं राषु [यव्]) अहम की नारिका भारिता दुर्शन में मु (भार्भ वर् (त्रिक्रात क्रीयंक्षक कर्म असे ये कर्म व्यापं

डे-९ प्रव क्षाम क्रिक छात्य किका भाग विशेषा]) (सार्या (सामायम) केलावय (किलावय माम) विमम् (देवकम अर्कार्य वियास कर्य एएटिन)॥ पर्व (८ साप्तां [विति]) मार्गामांग्सिं (जरु- सामासन लग्रमण) श्रीस (दिश्र र्यंता) किमाल (लान्डिमीम) हिल्ला विदेशि (श्यिनं व्यावि: ममैत मेल) अवं रेमा (अवं रेमाति) वर (कार्य कर्षाय) वतः (अप्रवं) ल अव द्या विवास मि भू १ (जानक क्षा विस् ou you was in some same (ou sur sus se se करिए) प्रवं (अया उ देशीन हरेटा) न त्यम-यार्वाळ्यम विभमव्भारक्षिर (जिमक्र दुक्स क्रिसरं खिलक उसममें टक) सरकारो (माड कर्निया) प्रभा पव (रेत्रावरे) नामित (भागवस) मिनाकी(अ (विहिस बीमभार्य)) धार्ममन्दर्भ क्यारेबि (धार्ममहर्म अविकाव तर अटि) साम् नव (स्मिन्सि) द नरावं रेक (डेलप्रावकारल कार्य कार्य)। PUI [CE सापत : विशेष] म्रेंसर ह में मार् कार्य र

(म्य भेका उ कार्न आहोत) वे वे ही में (सिंद्र ने अमा) मी त्येक्षें (मी त्येक किया) क्क मे न्याः प्राय १ (क्ट्यं ह्यारेक प्रमार्ट) प्रकार किया (लाभक्ष संत्य काम कार्ड नेत) द्रामा अपूर्वेष (द्राम अक्षेत्र पृष्टिए) अर्थनालार्थ-थनाक (अक्ष प्रकार्य अवस्थान) बेलावपृ भाभा) (ब्लाबन प्रति करं)॥ 901 [प्र सापद ; के हि] म्याप (क्रा त्या क्ष) मार्चेला-वन काम विभूकतकाति वामात्र (भी मृक्षायत वा(भन द्विमें धरक त्राम्नां) लिस् (लिस्) लाक्क् (अयक्ष करिया), मिछ) (अर्था) रेश वर (नम् रेमार्थिक्) मर्के (मर्के) स्ट्रास्थापर् (स्ट्रस्थं अध्यक्षंत्व) व मैं इः नावरं (अह्येवंत्राम) काउक्रमं (आक्रम कर्निया), व्यमेश्वरक् (व्यम-वं स्म खिसरं) त्लाम कम समस् कर कर व्याप है (त्यान मार्थान अरखे) देखं (र्दं) मड) वर (अविश्वत्व) छक्षित्वमध्यः (विश्व समार हिमंच या ठीक) य अंटियार परं (अवस सप्यवस) वर हार (मार्मायम् हाराम्) व्यायम (व्यम्पर क्षं)॥

[आमी] ब्लामिलिस डेमिक् (ब्लाबरम डेम्ड) पिकाम ड मारिक कू मूमारमाम म अभी मामा साकुर एवं ने (सिकाम् लायड हिया कॅमें में यो असे प्रमेन त्में ति त्यवंशत्वं कक्षीवं) अञ्चल प्रशासमास्त्रीकर्षा (Alexy damy wan not agy [505]) Elm किल (पर्वत) दे प्रीयतः (देश्वताल विष्ठ) र्य दावस के द्य : (लाक्स राज्य वाक्स मंद्र) अ केप्स : (भवाभवानिष्वावा मूटमाडिए), वृत्पारिषित देपिए (इलावनकाण) मिका आशीष्म कृष्ट् (मिका कक-बाह्य वल्ल (बल्य किन्)।। मिकारलाक्ष्रम्भाष्ट्रम् स्राम् द्रम् स्रम्माः (सक्स अवि कि माराति व प्रका अनेस मिलनेस मा व जील बंगाम्य द्रेत रंद्रावार) सक्त्रमें माना-किसाका: (म्प्राचा क प्रकार क्षां अकिसाम् सार्य काल्याम्य भाषात्र) विश्वास्क्रिक्य मन-असताः (मारावा वाहाक किंच स्प्रेम आपा) हिम्ममः (भारापन नक्ष हिम्म [वन् भारामा]) कामकाला: (मालक कलमानी [anti]) न्यावरी (ब्लावटन [ट्रिये अकत]) पिनारता मुण्डस-

मयाव्याका का कि का ना ना ना मा मा अ व्यक्ति किया अनु दिन जरूमा जामी (का मा वासि (का म करें)।। इकारेबीन्माभिष्डः (ब्लाब्सन एक्स्सि) मामान्त्र. 201 मर्गः (मना म्यूममं) विममने करेनः (विकिन भन्त कार्म), नामाश्रमूरमाप्नरमः (विविध भूत्थवं विकास) मुलारेषः मामाभाष्म्य-अव-अव्यक्तिकाः कुलामिडिः (गमामिक मूल्य, भवा, असूब, छक् उ कार्मका अष्टि), नामा अर्धिया दिया दिया दे ए दिन : (सिविस सिविन क्लियं ह विश्वायं निवर) आमन-(अम्मक कि: (Wram मम् की ज़र्बिति व छ) मामाना -र्राम: (श्रिश्व शर्भकंश लाक्ष अरप्वं श्रेका) सम (ल्पान) स्मः (हिंड) ४०० (ल्प्स् में कर्त्र)।। व्यायम् (वरे व्यायम) माना म्यूमरमा क्षारिकाहितः 281 (मामक्तिमं तर्मर्क प्रमितं साक् विवासिक सटमार्व) मामस्ती लाक्षाढ़: (मामस्त्रवाहिक लाकुराप्) भाषां वेसमं अर्थाष्ट्रां: (पणवंते-सन सम्भारताम) ' चंत्रार्थि। क्षां (कर्त्रः (कर्त्रः यमं यं वे धन क मण्य मेर [न बर]) माया वे वे मंन-म्मी मामि छ : (मामा विस वक्रमं क्रियमध्य

विश्वभात) माम ब्षुम् वा प्रवस्ति थ्वी तिः प्रानि छः (भाषात्रम् चेते व सेमामनं सर्मायं यस्प्रमात्) न्यासिड: (बक्रमप्तं याना) स्मित्राक्ष (सित्ती मेराप कर्यभारहर)॥ भवा असि (क मर्म [amर]) आसीत् (अरे) मिक्ट्स (त्रिकाट्यूम भाकी) काल्हि (त्यात्र अकरि) जर्मन-कस्मन: (कक्षेत्र कस्पन कक्ष्क) त्याव्याप (त्याव्य-द्भ) दर क्षक्र भाष्य (अभू या क्रिक के भारत) अर्थनिक (WAREL करिया हिमाम), परर (MCN;) MM2 (37 CLN) 2: Q (CN) AMIS (बसल्दक) स्म (धारमं) कि ्वा म धकार्त्र (क सम्मार्थ प्रत कक्षिमाटि) देश (ल्पस्पं) केटियाः (क्रिम्मक्षि) प्रभा: (प्रभाषते) क्याप्रिव (क्षिं (अर्थ का) में को में मास (वृत्या विकास किंदिन ?)।। गुन। [त्र मार्था] विवसमा ((ब्रास्पर्य समा) अंजोर: (प्राज्ञान) (म (लामन) लयार लयार (त्यत त्यत) तम्मात्रक्ष अकातात् (विहिन (कमवक्षत), अमात् अमात् (त्वत त्वत)

भवाडकी विस्मान, (जिनकार वहना), जना: लभा: (चिक्टी रेंट्य रेंट्य) स्त्या कसार्टिका: (भागा व कारि माना) कर्म जार ह (सस्मान्त मित्र वर्ष्ट्रिंग्रह्म)॥ मार्थ (प्रमार्थ) मर्बमागवृद्धार्थः (विश्वित मागवृक्षात) ति अर्थे : (((वास्पवं म अपवं) स्मृष्ट् : (स्मृष्ट् वं कमा) क्रमण् स्में प्राप्त (किसाल वर्षेत्र कार्नि ? [जिति]) थिक)६ (मक्ता) अभी अभी अभी अ६ (ल्या से में प्रमे अभी दम) मा वेमार्युं वित (तिम में अ वल स्विम कार्या) निक् १ (धम्भने) क्रिमिस्ममने: (म्हिन मग्दर) य ने प्र (कास्त्रेड अह्ड) ला म प्राक्री वं : (लम्स वाक्रायाल वह उन्ते कार्यायाक्ष्यः (12 र में खित) असे में च ब बक्से १९ (क्या मंदर म्रार्के मन्त्र कर्यत), प्रार भव (धार्माकते) De (am: 25 m) majer (qua y de ga) migro (min sign [196]) Anis 78 (munica alm signing) ourses magind (आल्म अखिन हम करत्र)।।

(ourse sign) ou d'or (ousi la rein mison)" यस (ल्यां) अर्देश हायां (उस्त (म्याय) 1 x ((see min (n)) on x 6 (owy) Din ((कास्प्र प्रकति) जारं विभाभागं ((अरं अक्ष्र विभागित कमा)क्याप्य (वर्तन क्रिव १) न्यायरम (न्याय प्रमं) क्षं रेठवा वन (राष्ट्र क्षावर करा सामने) अ धार का (mu म क (4)) & oux (count out i) outy कब्कः (जात्राव (भरे इस्ते वा) कि। प्रिव ह (क्सिल) किए क) बार (कि कार्ने एएड १ [अरे अक्ष करते]) य स्रांशि (स्रवं व क्षिट भावि मात्रे)।। [(द अम् !] उद समा ((कारान समा) । एक में स-पिर्हा (सिक के असम से द स्था [oursia]) त्यती ए सक् ि (त्यती ब्रह्म करवन), पर्या (कारा!) मीमस्मीभान (भीभाउन भाउदाता) सिल्बंड सिम्बाडि (सिल्खंव क्या करिय) मिट्या: (यनप्रमेशाय) अक्वपयम्। विभार (कल्लाय एका) मिर्माछ (बहुम कर्वन),

असङ्घ (मिन्डमं) दिनाः (दिन) पृत्रनः (यमम) अमग्र (अखियाम कंत्र [नवर]) वार्षेयर काम कामर्गर (वार्षेय लक्ष्र प क्षात्रंग अरक्ष्य) र क्षास्ववादः ([1917 अस्म] पर्द्रंस लाम सारामेक डर्मा) सर् (oursula [ous]) ordie: (142) carie cem उद्रिक [क अय 3]) विस म स्वित (आगारं म्रावत करवंतता)।। शिमां] (१०१) १ वेमा: (त्या १०१) राजा बढे) मृत्य (अ प्रकार मुक्क में कि में मिर्न विसंश कार्डिटिय (निरिक्) स्थार (त्याक्वरं) कति: (किंति काल) कार्वि व व ९ (कार्वि क र्मात्र (च अवस्तम) रेलार प रेंटिं विमा (ब्लावस्त्र अवि ध्यूमाल मा १रेस) किकार सारा के मार सामा : (किसा के के. (अम याड दरेख ?)॥

>001

I SENT SEQUE MOED I

अर् (आर्थ) मना (भवता) रेठ: ठठ: (भवन) >1 भक्तम् अव (मकत वस्ये) मुक्म (भाव कार्नेग) सरा (महत्त) मर्गम् (मकत्मवं) जीभेगम् (माउप विश्वात कार्यमा), प्राविधाः (प्रकातक) प्रभाषामाः (मूभमध्यम्) भाडितथर (काममा कार्यमा) स्वाकालाव एकम् (सर्वीर्य व्यक्षम्मन कार्नेमा) प्रवास्य (प्रकल्पन प्रभूष्य) विनमार्छ-लियम्बिमीयः (क्ष्म्किम विमम्भरकार्त स्वा लक्ष्य कार्या [विक्र]) क्षां ह (अपर) विद्यमार्थिकः (प्रक्रम्थावः (पाका(लभर अर्डिंग्रं कार्नेग) इत्रं (वर्) मायम् (मयसमायम) वृक्षायम् (अधिकायम) आवमाधि (वामकविय)॥ िमारा] काळ्य कामियी सं में संद्रात्मारा अवाका हं भी 21 (कारिती काक्षत्र हार्च स्टालिंड के ल लक्षातिंव मका नं वर्ष) अवस्थानिया निया नियो (अव कर्ष मार्थिव कामाठ वसार्या) रिम छन् राम्यः -ममुद्रमावितीः (निम छने अखात मवस्र अभेनाक में बु लिंड कार्ष (वह [नवड]) सकाके कार्

(अस्य (भूम्म् म्याम् दिए) व्यव्धिया देव (लाहासमा वस्तं भाग) द्रमा (म्बन कार्बना) ज्याक्ष्म (कार्य कार्य कार्य) मलाविती (Davido seis ([My]) mine (miner) सरा लगा व (सरा क्रांडिक) रे बार च व विंद वर्षावते) आव्यक्त (आव्याव व्यक्) र सावम् (ब्यावतव) (प्रत्व (प्रवा कवित्य)।। (करदा (करदा [कार]) नित्रीन : one (one-अमं दीत धर दर्मा ३) जीयाएं। लाख रै यहति विश्व कर कार्य (माना ने प्रति । हुने उ पूर्व विकि भाष्य धाराष्ठा का नावाहि), पिछ् (यिव दे वे) यात् (कालाव स्ति) क्रम बाद-केंड (लाम या का या) व का में व लाम वंसर (कालाकं चं (अव लिप्रेसान ३) र चव ला सेवसं (लात क्षित लाष् मात्र '[लाव]) द्र (न्हार्य) रिधादिक्यावकान् (रिधादिव विभावने अनक) क्षिकगार (कार्षक न अर्थ ३) होकें (होशा कबिए) न नव हेर समार (हेर मार्ड इर्डिशि), ७९ (अठ १व) ब्लायन

(१ रे स्मरम : [वै। स]) यक्षा द त क्या कर तार-बाल ढें (सक्का हम, त्याक ड स्थारमह) मार् (ल्पस्पक) च्याड (बेअप कंड)॥ वृत्तायत (त वृत्तावत!) काछ: (काछ) निकार (मर्मारे) मु: मत्राष्ट्र कि आले (जाडि मु: मन्) यस् भी यह (सर्यायम्या) कुक्छ (डेल्याम्य कार्बे (कार्क) विश्व) किया व ल्मिकोई (ब्रिटियदात लक्षेत्र) कंकाद (मार्ष कवितार) । (माड: (त्माड) ठेरक: (अमल्यां (तैं व के १९ क क्यां के कार्डाट्ड वर्क्स वास]) महास्या-मदाभि अत वा शक्ष्माता: (प्रधा व्यापा सर् । विक्रम अ अपरम्मारिशाया) श्रूप्तः (आर्थ ते प्रश्नेम) स्थात्रा हे त्या हे हे . (स्था से हे वर्गाह), जर (ज्याव) रेप (न प्रक्राव) तिर् (त्यास्त्र) अवंत्र मासि (अवंत्रा अव इत्रेख्टि)॥ (ला: त्या: म्यान्सिमार्ग (त अवसम्य) कीय!) प्रः (हप (प्राध्य भाष) हमयडः (बमकाराव) आपा प्रक्रिका डिक-एअम् ने:

(आम समाय्याक मुकाष्ट्रक (अस्ति) काल. मैक्साओं (लाक्सेन्ट) अन्मं १ वर्मां (अनंस बंदमा) यर सिक्षाम (आह कर्तर रेक्ट्र कर), वर (कारा इदेल) लामी-सारी-व्याण्यकाणिल प्रमृष्णा (प्रदेव व्यथन भर्य-अस्किलाची), जी असी क्षां ([वरर] भीया का कि कि । मिल्रा विकास कर (। मिल्र-नीनानिक्षा) रेपर् (११) व्यायनर् (क्युर्वस्तवात्र) लक्ष्राम्य (अनमात्र कन्)।। मि (मार) त्यापाक्स ([त्यामने] (त्यापनं दृष्टा भारक , [जात्रा १रेस]) रेर (नरे मुकाबत) म (वाउम् (मर्वावक्षे) मर्दालम (मर्वामन (लाम कल) किं न हैं हैं कि (लाम क्रम (कन) राषि (राषि) (मालिका (माअविश्वा केंग्रा इसं, [जारम रोल क्र]) मः (त्ररे (मा भड) व्य (वदात) प्रविभावित (कुल् (अर्थ अवाव कारे कर भावत) बिता वब (काली वरे सिक्ष रमं विषव]) (69 (यार) जमवि (जमम् विभाग्री) अवार छाछे ० (भवा दाक्ष्यं) मदीकाम (महिमाय कर्यं

िश्या रहेट्य ते] क्रियाः (वायानं) भन्दं न्यमार्ष् (अवस ब्रमा) अञ वब (व म्रात्वरे निहिष व्यक्तिमाट) रे १० व्यक्ति (च द के व खिल में के ते कि प्रवेशन (भक्त (मार्कवरे) वृत्तावनः (प्रक्) (मुक्तवत्व (प्रकाकका कर्यक)॥ व। वियम्भव भवं (जिन्नाम काव स्था) द्यावड: (दिस्याप्यं) दिल्यसर्गं (त्याप्रस्तं) अवं (अवंस) डेक्ट्र नर् थाम (डेक्ट्र मिम)आरे (विभामन विक्रिमाटि) विच (विमार्स) विविध्यानि (MARINE J CMIRINA) MD 2024 (MD) 2024) व्यायम (व्यायम क्षेत्र प्रिं प्राप्त (विवाय -भाम विभाव) उन (जमार्य) मिलि दिशा (दिवाकात्र) अन्तर्भानाद् (कल्बन्नाड) स्रेट्र (मीडानंक) " त्रान का में मर्ने मंद (त्याट्र-यहैं) आयं न्याम ((पायं व न्यामवत्) Ka) : (| La) la Coma dió (la Coma du uca) कमा (काव) आयर्थ (आत्र क्विष १)॥ bl यस (एम्पात) डेलि: वमानिसे (अवस्वासम् ला (बाल) दुक् वै सक् (त्या व्या वे साक्ष)

(मुठ) राष्ट्र (प्रिकाम लाक्ष्मिसं) प्रिलानं ह गंड (क्षिमं में या) काम काम (माह काम) प्ये न्यासा क्रिंग (त्राचंस प्ये व न्यात-रम्) लयस्थामाः (लयस कायानं)लाश्यर्वान न्द्रियाय भी वन्ताः (काद्रियं का नि म पायमे श्वां) किवं ८ (विष्ठावं भूवक) सावाविकालि ह सर्था वं-(कारेने: ह विश्व (कप्व विकास्कानिक हत्र१-क्राम् मुक्त्र कावता) के दि के दि (के दि के (नि) वियानि (वियाने कर्त्य) व कर्तन (प्रकृ [विस्ते]) ससा (अवसा) वर (अर्थ) जी सब् का बन् (जी कृष्णायतम्) भाव (कात कव्)॥ वर (एड्र) नकाम्रमें (लाहिना में माम मान्) अवसर् केन्स्र ह समार् म ताल (अवस केन्स्र के कथा विज्ञात अवमाठ र तता , [किसा]) अमा काकि (धान लाम) इस्टिन (रम ७ [धानु हव करवंत्रम) र कल व (क्रम ३) भवंद: मीप (अम त्या मात) म धान मन् (प्रकालिक हत्रमा), मा (ध्यम्मा) कूछ: ध्यान त्म ध्यमछ० (अत त्मान क्रान इरेए क्रियान आर्मिइ देनना)

कर्याल (क्रम्य ३) क्रियावार क्रायंत (क्रियाव-काकाव लामन) यमः (यम्म) म छ लामारंगे (Tal 8,724 / [1821]) 246 (22 4 24 2 3) कीछाड: (कीछा इरेए) न विव्वर (विव्व इ, प्रा े [नर्भ (त व्रायावा]) रे त्रावित (रे त्रावात) मम् वि (आमम अर्थाएं विवां के के विट्टिन)। टिक्सानम् व्याणिविश्वम् एषि (यात्रा धारम् सम् क्तिसंब (म कालुआनं विज्ञा) प्राथमिश्वरेकारे कृत्- पिरामतक शर्म महत्य (भारत विविध विकिता)-यम लयदमा एक स्प्रम म्यामाना विद्वित् रल्यम्बली-फ-छन्मादिक (एम्सात लयमे देर यहात क्ष्यां महीह प्लाखा लात्र (करह) न । प्रिकाः लाक्ष्मियः (माउन रिक अक लाक्ष्यन [व वर्]) सायावय-प्राविष्टिमादि : ह (भावम् प्रदी उ अर्थनादि-याका) लाम ति (शिष्टिय ता सारं प्र का बंदिहर भे [जारुम]) अरिक्सावि भार (अरिक्सावत (आप्र)) कपान (क्राव) नामिक्सिक्) (तामिका म ज्याचान मक्त ताहस्रममं) किलावं (किलावं क्षीक्षकं) त्य (प्रवा कार्य १)॥

असार्काक (न्युक्त रक) यत्वर्यमाद्वित्व (ग्रायात्म व अन्मारियां । श्रुकि विक उद्गा) अनं म-के वे कार (अयंस एक वेरम बसाव:) मे अ (मर्के (यात्रात्म वन दमला) त्यमणः (की छम करदम), लाख्यार मरम्बर (म्प्रात्म में मार्म क्ष्ममध्र) लक्षात (लक्ष्य क्षत्र चित्र) रक्षामार्षः (ग्रायान आमाने देनाबुद्ध-) में काष्ट्रमा (यालक्स विश्वंभने) द्रानिष्डः (त्रोत्रषाद ध्यक्तम् त्रभूवक) मिनि सिष्यः (मिस्मक्त्रम्त) भी का सामा में के कि में हिंदी, (क्या के हा के दिन के में मर्बे क ल्या करा वह टिल्लिस मिर्बे अप करम [omf]) अमं (अरे) ए समं (कंसावित) BR मेंगित (क्यार करते) 11 त्त (मूनअं को असा के क्ष्र करतं (व्या का का के के क्षी- विवं स्ता) मामकायाम् (विविध आक्षिकिस) पिका नामा कलापीय (विचिध पिका कल अङ्चि) वर्षि (किन्ने कर्ने विवर्] भागाप्रश्चातास्या-क्रीम लाम : (मर्गा मामात्म मामामकान व्यक्तिन owlegen a magus In " [own]) orx

र्ष्णाइमेर्या क्यान (र्ष्णायतं (भरे रिम) जक-गानियं) वल्ल (वल्ला कार्ये)।। [भंत्रायां] अधीक्षात्राणा (भीग्रीकृष्ण्य अभग्नमणः) भूनकमूनानिनः (धूक्नक्व भूतक याति), याकव त्यो भवाक्यात् (भर्षे वंश-AM MITHER [030]) O 312 N 310-हकर किल्यमक्षणः (जारू स या प्रामिष अयम्भ अव्यावतं) पिक मृणु (भरमन् मुठड ज्यार अव्यास्त्र) महामा: (श्राम्येन्ट) मद्ना ट्यारियामः (भूमा दिन पूर्या-सस्ट्र विकासकाल रामा [3]) असक्त-विकलें (विक्रांसती यु क्वानिक त्म) मर् अयकः (यु वि अव्याम काव (ए दिन) ? क्रमातः छाद्वः म प्राः (अमारिव छादः धारमण) ए (सर्वे सक्त) वृत्तावतीयाः (IMI SINE) IN: (0 30 21 4) अस (олгата) अवस्य प्रति मनु (अवस्त्री किरायक वर्षेत्र)।।

CA (माराका) साम्मुकावित्रमा: (लाक भी म् व लाक-इस) कार मम बिरंभा : (कार्य मम सम उ कार्य विदंग) Einin Moluman: (man a gar Eining) त्रः न्या आ: (कारेन न्या अ कारेन वि निर्म) molena-oryl: (mounime a mounicay) जातकारा: ऋविका: (अभी उ किसून [नवः]) विष्यासम्बर्गिकाः (धारमना भीना कि एक क रेक्टर में आरतंत्र केस ल आतीतं सकातं वाने पदं) co (अय) रेक्यम्यामा: (रेक्यमम्) भागात्माः (० के बाव) अ दिवर (अवस्त) त्या ना के क (ग्-: (मी बाह्य-कृष्या) काष्णि (बिहिन) क्राम्य नी ९ (क्रा व क्रांन) वर्षभाष्ठः (बिक्षायं कविया) स्मार्ड (ल्लाका कार्याट)।। कः व्याच (त्यात कार्कः) भराष्ट्राक्षाकः (व्याव्याकः करभन्ने) नकारड व (मिर्मन अर्प (म) मिन्यार (भर्मप) अविश्विक क्षा (भी मार्था क् किं में में से लिवर्) अक्षाहित्र (अवस्ति के से से लिवर्) अक्रमें का: (अज्ञात्र श्रिका) वंस्तर्गः प्रामः १ (वंत्रक्रें) भीमा बार्यने) विष्टिय मंग (अवन व्यक्त) आरे अकार निवं दुर्ग व्यम मराडाय: (निवंदन

भन्म देळाता प्रशास्त्र भार कित्रिमा) अर्थशावितिवृद्धि-प्रिक्त (अर्म अक्ष कालमा मिन् छिटि मिन). महमन लामप्रमानमार्व) र्याच्या (र्याच्या) कार्ड (अवसात करवत)॥ भावतर् (भन्म भावत) द्वायतर् (वीद्वायत) (म >01 (लामान मध्या) मे मानिसक्तमा (कार् मेनान काक्ष करम) सिष्ठं (भेराद्ये) अरे व देश (लाउं क गामं) । लिलाभमं प्रदास्त्रिंश (लिलामाद गार्ट्स अरक) भीवयर (मूनीवय) असः रेव (बत्यवं गानं) म्सून: क ब्रिमा (मुकामय के काकृत लाक) डिसरेंदः लास (डिसर्टिस प्रामं) वस प्री (कारिय मार्क्न आक्र)भरतामामः देव (भरामिष्टिं च्याम) (त्यास्थार (त्यास्थात्यं काम.) अनं ये अ र्ब (अवंश ये अ प्रमें के प्रांत [चित्र]) क्लामार् (आर्मिन माम) की बनर् रेस छ वर्ष (बीबत्यं काम रहर)।। [ग्राया] (आरावंश (त्रमाव: (श्रीमं द्रिमात्रमाव:) >91 बाक्षिणप्राक्ष्यामि । दिल्लः (बाक्षिण धन्ते) यमास्य विवयं कर्वत) वार्मावात (धार्का)

ई दिगान समरीक रात् (दिन अश्वक मानिक) wo) ब्रकाम, कूर्यछ : (अिरीमक्त अठिभापन कर्वत) अपयमामृष्यकादिमध्याम् (भाभावा आज्यानक मूर्वाधम विश्व के कता स्टाम अमारियर) किकार कामास्वार (मूरानं केकार काम काम व्याध्यक [वर]) अवन्त स्री अ रू मार्गि (किन्नामिश्रकः भूतीव्यमते अ भागातम् वत्यम करवंत, [क्यारि]) क्यारेबीआप्रितः (क्यावत्तव (अरे वक्ताविक) राम (यम्पा कार्ने)॥ [म्प्राका] विक्रिप्रक्रिया वा वा वा प्राक्षः (विक्रियोग नर् लकानं त्यमभेत उर्द्र) मनंद प्रिधिश्चीम्परं (अगर हिम्माय देवीय उद्गा) अया प लाख (रेज्व भीयमर्गातक) हे उपर्य (अत्र दर्शक देशक. मुर्क) देसप्रावेत्राक्राभाष्ट्र हुए: (अयत केक ब्रीक्रियसिं लयमार्य क्षांत्रिट्य विक्रो (मामुक्तिः लाल (मामुक्त माप्तं माम ३ [मारा]) मुक्लसम्पर् (नकाउ पूर्य , [नरेकल]) यत्राभाम (वब्ध अक्षाभ्यम्) विषवण : (विछवं न कार्ने कार्ने

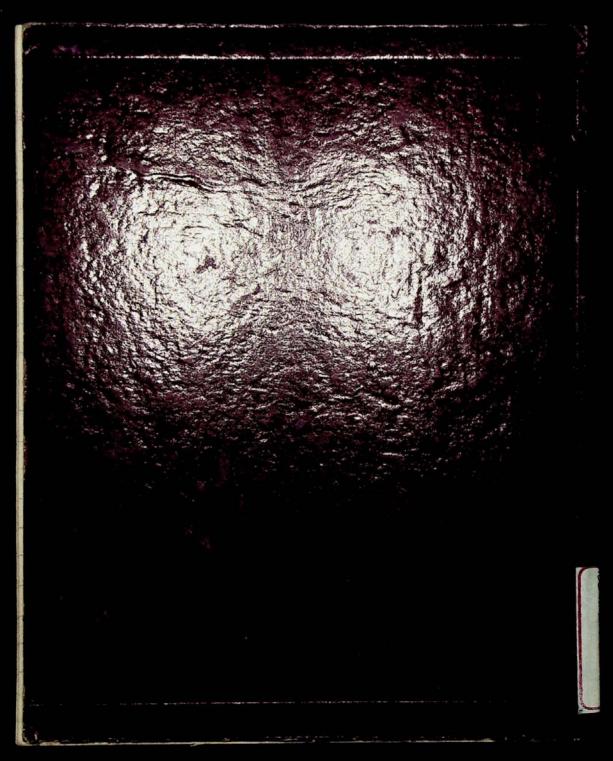
० सर् (अवंताल न र्यायम ० क स्र (क) कर लयग्रिस्म (नकाड क्याड्यरकारं) किंड डम ((अया कव) II धार्भित् (११) भी बुलाकातात (भी स्वासावात) म्रामा: (प्रावक्ताक) भवस्त्रामिता: (अनिमिन्न) सिहितः (मिहिन) (कारानिः श्रीवः (कागिष्ठ: अयार धाया) कार्यानामा: (तिभिष सिक्षात्म) क्षेत्रेत्रः (दुर्गिश्व कार्येता) में मेंबाह-सर्दे द्ये: (लाश्टामंब हमनं में मर्देव) साक्ष्यकाराव-वट्सः (धर्म साया वसे ने श्रूषक) कमाने (भिर्मन (पास्करं) सारं मंद्र: (सक्का द्रियात्मा प्रकावं कार्निकार्म [वन्])हित्यः (विक्रित्त) भूरेकाः (अस्म) विचारमः (असे व) वं सस्ता- मेल्यः (मदम दिवा भन), उष्टि : (मुक्क [3]) थायां : १ (त्याह क्षेत्र क्षेत्र माना माना) अनं मायल-र् सर (कार्यात काराय) वित्रात (विश्वात किंखिटिन)।। दिवड दिया: (अवस दिवड़) हत्योरिय: धार्य (अअर्भ हन् 3) किमामित अर्भू के बाक् मूकाडी

(त्या प्रायत मात्रारमं में मिरिक्यं सारि मान् कर्षित पारंगा [नर्या])लाट्यात्रा (अवत्राम्य) अडिका- के किए प्ली (स्मियं श-रक्षाक) अव्वन (तिक वनामाल) भागासि पुक्र) (ल्यामुक (लाम्मां) (म (मामना) मरा: (वरक्षमार) सर असे व के में सर मंद (दुन स अस्य ३ व्राच्या) अस्त का (वर्ष ने व्यक्त) ० सकर (अस्प्र) क से नाड़ (ब्रा करतेय ' [अकाप भप]) ग्रें नीर्वेषां विष् क्षेत्र में तिये उसव्याम् (अव्यावत्र जक्कामारी (अर् अवंस्थ्य ल्यावर्वाव्याम्याम्) त्रक (CHAI 242)11 र्ग। सिंगः (अवस्मव्) देक्व्यराम् (अवस्वयमानेक) न्त्रीयास्यक कि एत्ये (न्यासार्क) प्रमार् (मात्रापन) भूता (भूगापला) नी जा भू दा भा भू (भावप रामां) मर्पि के में सारो अ (वं हैं) (यात्राराव भूक्षानिविष्ठ धास्त्रों) हे वानिरही (द्वातमाम विक्क) व्यक्ति में में में मान् मानं बर्म: (कार् सर्वे में में माम सर्व मानं व बर्प)

यर्भ्यक्षणात्म (लाहामुक र्द्रमं) गर्मस्य-मयामादिस-क्षीयनानि (म्न्यापन करे व वरंग. मुखाम् यन्म अध्राक) सर्क जवा छो (अभर्मा-प्रकारक) खारति (लाक्यम्य करवंत (लाम्]) र्षावन सम् (र्षावत्यं (भर् वक्सन्तर्क) ट्रोधि (वल्या काष्ट्र)॥ सम् स्रा: (त विष ! [ज्रिध]) अम्डारमपारि: (अमनु राभविष्म) विविध कं हिवा मत कू मूरियः (विविध द्रारायम धारत क्रूममार्म) वधारितः (अम्ह) आमन मवसम-सवराने भामवरिः (आमन-बंभसनं सर्व बार्ल) मारिः (स्परे) चीमाआ-छात्र - ४० म अर्थः (न्यामा समूत्र मन्त्र अ स्वक्रान [वर्]) किलतर्यः (अ अञ्च-मसारवं मधारवरम) ध्रमान (ध्रमान्ममृहि-भागी) जीव्यावनयव्यक्तरं (ब्यावनीम यशानक नाविन) हित्रं (क्षेप्रकन्)।। लाउन (लाउन!) बेला बत्तीमा लावती (बेला बाप के द्विषा) कृष्टि (कात्रभात) श्रष्ठिक कालिती-(असिकाकाव), क्रम आव (त्वामश्रात)

इक्तरिह: (क्याकार्य) के लाल (कापसीत) रें वा (रें ब्रायानं) रें विषेते वे मा (क्या मेराध) ourse (oune) oun (con xeu) 3 sal (इस) क्षा (क्षात्र म्यात) ह स्मार्थवर (कार्य-हत्ताकावं) व वाल (त्यानम्ता) हष्ट्र कड्रने-कता (क्लार्स्स (हर्स्सर क्रियेश) के लाभ (का प्रमीत) यामात (याम द्वमावन क्रम) य द्वारक्ष्या धार्त्वा कि विकित्र क्रमा (मामविक मध्कमम उ भेमपुष्ठ विकिन म्वयाकार्व) कालाड (प्यात्म व्यक्षित्र)।। वृक्षवत्र (वृक्षवर्त) अध्याष्ठ भक्षामण (Music Banda a) o alina (mina) र्टः (लेषिलाम) म्पुष्टिकः (स्पुत्तरं) (आआते: (Mona का बिश्वामा) मूक्षिका (भ टलांडिं), त्येडिया कारेता डेक्सरे: (अभ्रष्म विक्थिम् हेक्यम) व्यव्हारं वका (वज्यानिश्राया आवक्त [नवर]) देलावे जू (असिलाल) त्रुत्रीयय-क्रमानिवितः (सर् व बंकेसनं वक्ष्यवाचार्तकं) नामारी-

(आभा उ श्वक्रामि शका) प्रव्याहिल (विद्राव उद्गा) में दे में में लगा लाड़ (लाइना सिप्यंत-अरव विवासमात्र वारियारह)॥ चात्रका-कार्रक: (त्याना वाक्त्र) वे लाव (प). (न्युरेन्त्र वत) मैं माथ्य वर्षे:- किंगमुं (भैं मन्त-कू मा विमेठसाक) मा हिरमणं (मिक क्यादि) (क्यामं अत (द्रलाक्य च बाक्रमे) प्रवंद प्रवंद (यवं यवं) अगेर (अगेर) लावु केर न्यामा : (one wir amonistanca) res (ensia) राममंद्र (हाम) मकावं केंब्य) लाका सावी (अवमन् का(न) जननज्यः (अविष्क्रतात) ध्यान एए छेप : (कन्द मी नाम) विच्युन (विश्वान कर्तिमा)समा (प्रवंदेव) नः (लासाप्रिमाटक) मैमने (लायमधात कक्ष्र)॥ हिल्लामार्टिश कृति (यनश्रव वृत्तिला हिनाम (क्या हि: अक्ष) १ हिस एत जा बालि क्य ह (मात्रा व उक् ना का का वार्त्र मार् किया), विष्यान कर्ष भाक्षिम् (अस अ अ आक्रम देख्यम हित्यम-अक्ष), हिराक सम वार्मा पूर्व मूल्य स :





EXERCISE BOOK

NO. 3

John war to de मक अकर । अ वर्ग में श्री द्राप्त में मार्ग । व्याप कर्ति कर् Marto d वृभावकी व्यानित्राणं (वीवृभावत्यं ननम्दर) 261 भारताम्याभी (त्यानाम्यम्) त्यमन्त्रमा (त्यमान् १६८०) वैत्राक्ठवर अन्द्रामा (मेमाक्ट तिर् कंट द्यां त्यां मक में डेड मा) धारक (काउंतरण) निकार वन भूनहीर (निमंडन विवाब सामा) अ एक कर मू और (कसमयदमा जिन्नम) पात्र (पात्र कार्यम) साहर तवतवविष् (तिष्ण मुखन अभूर्य वादिन) (Gland (काट्याम) किया भी क्यें कारि (बिक्नि सकामान (विकिन कामा मकमान अर्ड संहर्गाट्य)॥ लाखा (लाखा ;) एत (म्पडमंग) र्यायपड 221 (ब्यावत) व्यावभाद (बाम कावंत) गारि वा (लाम रा) सर्मित लाम रिस्ते (व्राप्तान रिन्त्य वा स्मिन कार्यम) भवा: (स्मार्ये प्रध्य कर्षिकार्ट्य) अ (लामका) क्रामां (बेपावापन क्राय) म्मार (व्यम्म विक्या) ज्यन-ममार्थ (वर्यनं छन्बार्यं) आताह क्षिष्ट (की द्र या अवन क (वंत "[लामना]) में

के हम (त्त त्थाय स्थाप) संदूर (त्या समकक्षाका) (मक्तक) जम्बन: (ब्लावताव क्रीम) यत्ति (शवंत करते म) आवम् (अवंत लायम) वृक्तायतर् (जीवृक्तायत) उद्भाष्ठक मधाकिन: (यि असी काकावी व आर्थ अवस्था न असे अमें जान आसि (रात्रे सकत काक मन्दि) भवर अमर (अवस अस) द्रेशति (पात क बार् मा 2M22)11 लाका (लाका) सका किया (विल्या नायम पन -प्रका सर्वें (स्थातिसवं लादिन क्रवणकल्याम समर्वेत) प्राचनमासर (एएडं द न्यातत्र्) अस मठ्य कि (न्यावंक-मत्याद्रमण् (भाजाविक किल्मान् अपृष्ठ विमानिर्मन रिअर्यम्म) यम वब (एम्स्टात) मृत्न (तयत), वहाम (वहत) अन्यापिषु ह (नर् भरमा पि विस तम) स्टान्स मृद् बीछि प्रिष् (अवस विचि ड भी भावने पूर्वक) व्यातमार्गि (व्यात्मा मियान करवंत), जर रेपर् (जारुम पर्र) नृत्या व मर् (क्षीकृत्या वन) द्रमन् (जामार प्राचित जाका माना कार्य कार्या (ZX) 11

[1713] अंशुर (का संसुरिक) लिक प्रमान (कारह 00 भद्रेम) हाक्कबंद्यः (सर्भक्ष इस्टब्न अमर्ग्यकाना) मैलाम (मीमम्) अमकनिकदाम (अमकवाकि) बिटिब्र ए (प्रथ्य क विख्या), अमक्ष (कर्क) भूत्र (धभूत) वदमक्रका स्थित १ (अमक्रमम क्ष में अभवम) विधित्रहर् (लास्त्र क्षिल्ट्र [न वर]) लप्र हिंद (क्षेत्र) हिंदै कर (हिंदे एक) दिसेश (देयक कार्य) विश्वास्त्रं (श्रापकेश व्यव्) विष्युष्ठः (द्युतकान्टितः, [नर्याण]) सन्तर्भावि (कल्पक्षी) भर्षे वाप्ति (क्षे कक्षाक) स्ति (क्षात कर)।। ०२। लख्य (लख्य : [म्यायां]) मर्गल्या ज्रिल मन्त्र-याका विवास (प्रकार देख् कमम भी जार ल्यान प्रमा ड्रमा) आवं बंडित (लामां) द भिक्ति प्रमित्र (विविधात्र भागत्र) काला मरक्ली (The gain a car " [Cry.]) enjament ((अमं ७ अध्यय्) मर्वे सर्दि (अवसमहैंव) क्षिणातं (क्षान्यम्) पिरोधरमी (कि का लगानिक मारक) व्योगमा वम-मवनिक् दिन्

(की नुसारतम् मरीम मिक्नू ममूर्य) मूजिः (अन्मक्षाक्ष्रप्रकार्त) तथल (प्रमा कन्)।। सकारत (समामप्त सम्मीक) वसपूर (वसप् ज्युर्ककत्त्र) त्यक्षमा (त्यक्षां क्यम्हत्यं) तिव्मा (तिव्स कार्या) प्रत्कु क्यू १ प्राठ-(यत्ये क द्वी) ट्यामिक टिमारि (लक्सिपन निर्मा भूर्यक) बाक् म्यूटिये (बाक् म्यूरीकाया) जर (त्यरे) ल्या मिर्मा ए ल्याम (म श्रीमान रकत) लामामा (अन्याम वा बेक्सम का बेमा) यमाम-भी फिलार (कम भी जे च म में जर (इम-यंगी) सन्दारं (ज्युकादा) मधीरं (रिराक्टि-कू त्यू] याचा कविता) क्लांब क कमादिमा (द्रांतर उ कालत महि आमं नरेगा) धर अभिलार ([भिने अया की लाम मधन कर्मन न [चर्य त]) चक्रं (टक्स्य) चंद्रः क्रिक्षेत्री ं (अड्युल सारिकाटक) मनाभ क्य (क्राए क्षात कर)॥ [म्मारवर] मनम्बर्भरे (कालंग हेल्स वसन 081

राम ७ हळात्रामं विलित), भ्रामाहिक्ववक्रत् (टकलक अप ट्लामिन्स् [नवर्]) वित्रक कळ्लामि-क्रमंड (विसक् क कलाम असापि विस क उद्गी) प्रपादार्छ। किंद्ध्वी निकयं-अर्थ प्रक्राप्यक् (प्रवेश किसे की अप अप वहा प्रवास सरकार के प्रकार ने रामास विभाम क विष्टित), वृक्षावत (वृक्षायत) मानं विटिन्नर (कल्लाविकामन् वाटिन मानं [अर्थ]) ष्रिवंश्य (अवस मिक्रिममिक) भाव (कार कर)॥ मर् कक्ष्य (एम टक्षाय कार्ष) धरायल आसारा किल्ल (अवंस लायल मासाकोदं सँ य ख्यं ल) क्या सर्वेश्वय-द्वि (क्षेत्रकावनवास) विवृष्टिण मृत्रुवाम-जाशक (लासरंप लाबमापियं वाल्खा कानं के-(प्रत, [आर्म उंपरम व]) व(म (वस्ता कार्व)) जीना करी- वात्रिक जिन (जी नार्वा ७ जी कुक) यर (इंग्रास) स्मिन् (मिन ब्रायं सर्वा) नकर टमाया दे त्याक्षा (लवम्पायं चक्षात्र त्माम) घटा कर्षमा) जस: कुरिमा: रे लाका: (१ द्रास्क टकाम अदा काश्रिक का का द्वा द्वा ?) करायात ?

(अवस्थवं) देपरं (चर्यस्थ) विस्माठः (विहासं कर्यम्)॥ [म्यमं] मस्यामका कारी (अन्यामनिकासीम हिमार्थ (अन्यामनिकासीम) द्रमंद भंत इस (द्रिटमंस भाग क्रमाम सकाद करंत्र) क्राक्रमाता: (क्रविक्रमातिकाया)विहिना: (विहिन) अस्मानक्षेत्रकार्षाता : में में देव (ठाक) नम्बर्ग क्मिरिक मार्थियंत्रे त्यत्र भूखिक त्यत), मत्रारक आपिsight ([746] HZ yes on moute (2 2 in a statement य श्य हाता) भिष्मिं संयक्त साहित्याक्ती : अवर देव (में भवत लामल व सार्वेहित्याल वस्त्र करवंत) Ŧ वृत्यावमानु: (वृत्यावत्र) वासाक् क्षाा विसाम (वाका-के क भामक) वर (अप्) दुरुगंद हास (ध्रेष्ट्र म्थापनं) GAG ((अवा कव)।। [पारि] हिन् (मर्वता) श्रीना विका सप्त एमर र कित. 091 केन्से लेड्नी: (माम्स्रिक्तं कामु केन्से अपि हाना) भेर कि वस्ते (र्कि व र राधित) किल्या-हिटमक्त्राण्यावर् (मम्बद्धत हिनाग्यस्य) ल अरममसमूत् (लपद सार्वमूखन) अवस-भाषार (अवस भाषा) रूमाबार (क्यावत्यं माम) क्षामि (क्ष काच्य)॥

पक (त्र मूरं ! [र्या]) मिळा (अर्थना) रिनि स्था-उत्र: लसामार (लसाय केक किरामसास्त्र) केसार (क्या नामा के अपूर्व (अपि है मा क्ष्र) अपूर्व माहार जर् ह म कि साम (मक् सका वाहा दिए भी भाउ) लामानाम म ये आ (क्या में ज लाम बाद्य कार्य कार्य हास द्रिय (स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान है। क्ष्य क् रे १९६ लग्न (लय अप्रतंत ३) स्प नग्ड (ल्यान सर १ कार्वे अभ) मिहि अम्म मुर्ज (अम्म मूर्ज) ब्लायमर् भाम हि (चीब्लायम शामवं कार्य) धार्याव (भन्न क्रिकेट 23)।। र्यावप्र (र्यावत्र) माश्राम्या (प्राह्मायम्) 021 टम्प्रेमीयर (एप्रें व भीयव्य) हिशास (मिश्रिमेयय) कत्त लाल (कात्रम्टत्न) लाक: (लक्ष्रमंत्र हाना) कृष्य (कामभूरम) मिन्यते : (ध्यालाभनद्वांग) कू का हिए (क्लान महत्त) का निका छ : (को जी जी जा-वाया) क्रिय नम् (क्षित्रभूत्य) बली ब्रभान्य छा। (र्भ प्रवाद लाप्य क्ष्म प्राचा) में कार्या (काप भूत) मिशः हिल्लाम त्रिन (लव्य अत्वव त्रामन-

elsi) " & own (cons xers) ourer account (बिहिन अरमिका वहनाधावा) कृ हम (काममृत) नमर्थार्यात् : (मन् माम् सर्वात्र भाग दिन्।-याना [नदः]) के (त्रायम्य मा) देस्याता: (र्मामा विश्वाविष्यक्) (भयत (भीट्रा कार्त्रा) किमाल विक्रम् (अनुविधाय विक्रक कार्य (१६) ।। (मादं: (लपदार मार्किकं) क्षिते : (लाभ्य) मैगमलें च बाडा : (मैगरां । मुम्म लवलां वाष्ट्र) अ डि (विकास सार मार्थित) न कि कार्ड (लाव व्राध्यं लमर्भ माथतं) लाख्रियाः (अवसाम् हिन) भेक्तः (। समा ३) प प्रमादि (तक द ब्रह गरहर [नवर व्राधन]) के ष्टिबंक माः (अवसर्वस्त्रीत) काः लक्ष्यः (क्व लक्ष्यंत्रे) सामार प र माड़ (मामार वार हें पा 22/2012 1) 1 ad one (20me) 14: (14-यान) चाड्का-मामं (ज्युं स्पंतप्र) CE (ourse 12sy) Erai (Erasina age) वर्राटर)।। व्यावमार्भा वाम (अवियावममामक वमभार्या)

शरी (अशिधा विवाध करवंत्र), कि अवात (मेंग्रि) गृष्ट (निरं संस) मंगः मामः लाए (येम्ब तमस्य प्रक्रिया) क्ष (प्युटिक) इस्न लाज (वश्राम् ३) लामा : (हाज्यमं) लाश्याक्ष्यिय भवसं में सक्षित म (अनं सामित्रात र्जिय के (वर कर्या) क्या: (पर मी बार्षां) त्यस (त्यम) लम्प्यास्तः (लम्प्यास्त्रं स्टब विवाश भाम) अवं अक्षा मः । ह (अवं स अक्ष न्त्रक्षेत्र) सर्वारात्य (व्राधानं वार्येन वार्वर्षेत्र (कारमं) भिष्य: (भिष्य अवस मध्य) वस्मार (रमर्प्यक्रें) असा गृष्टि लाह्या (शिर्म , बासा, पारित कामस्य र [००० चर]) विशविकामार्थे (छात्रान कार्यमाहित जीक के क्षा) म्यायामपू १ (2 m1 a x 6 m (6 m) (4 m x 2 a) 11 वासामार (म्यास्यान स्त्रेर) (स्राम्याम्: (अवस त्यामवं) भन्: अस्टिम्प्यावं: (भन्ति वन्त हमद्रम वं वान्न) मम् क्ष्मित (त्ति भाभाम वर्ष्ट्रियातः), जार् अस (इराम सम्मक्ति है) सर्वे अदि : (अर्ड किंत) लामा न्यां र (अर्थिष

समम्बाल्य) अवर देवाड: (अवस हरकार्य व विकास इंग) मा (ट्यू न्नीनंता) रेक्सवित्र वन (नक्सान क्षेत्रकारात्र) भक्का कर्म वर्षिक सार्विन हैं (लाह्नाम बाबुर्धिय सार्वे त्युव कास्ये कार् सर्भकं दुर्गिका (स्क्री पंतादा का के का का का का के गं-रहत), सत: (त्र हिंड! [व्राध]) भरत्र कर-हारवय वादि (वरीमं अवसरिकास मास्त्र न रह मा) लाळी कल्य पर वर्ष (त्यह अवस द क्ल्य में सा-बर थारम्) हित्र में (क्षार कर)॥ लाक्स (लाक्स [म्रामा]) विस्तान प्रयोगना छ-प्रायं (शिश्रिम लाम लियं भारं असं ल दिस्त मरंभ-० छिवं) र अमलार (लामार प क (वं प ' [वारेम]) याक्न का मार् लाल (याक्न का प्रकार मानी (८भाउरपार्ष्य) ज्याममं रेप्परप्रमा: (ज्यारीका-विषयं (आला) सस (लामायं) अपि (१६८३) स केंद लक्ष (एक बावं ३) लामें (बामा उठ्ठ) इ ([oui] मुर्ड (कं) अप (Corg) on o) अपहरूप भी: (लक्रीयक्त (लाता) मर्छ छ : लाम र्छ छ : (मक्षि अ भी अवश्विक अर्थ र 3) (म डाव

(लामन प्रकार कलालक इक्क [नक]) मास-जान का का की- भीन (अमुका निधर्मी में भीने (च्या श्वां क्या विश्वां प्रमाण्य प्रमाण्यं में सर्वे । क्षेप्रस्य) आ है। ब्राया है : लस (लासकं १९३ ब्रिजास पाट ककंक)॥ ट्यां मु (पाळब प्राह: (ग्राह्म ने पाने व मुय-वर्न) अर्वकां करिया है: (आड आ मं प्री हि कार्ल-याना) लांबेल एक हिना : (एक एक में भे कांबेल-(हत), निका किल्मा ([ववर] हिनं किल्मनं-स्ल) अहि व गाम (विकिस व गरम) मण: (अवभात मूर्वक) तिलाका मार्निल मा (निलाका स कास नाहित उरु मा) क्षार्थ माने में कि क्षार्थ ना वर्षे केन्ध्र सद्।) लक्ष्रकर्त्यः (लाख्राद्राष्ट्रन) धमारे : (धमड) नवम पन कमा रक्षे पूर्व : (अडित्र कल में क्रीएं विसात्त) ग्रामी न एवं (मानि दिर कारिक कार्य), जम्मू भर्मा भ्रः (टमरे म्नमध्डिं) डेक्बाडिश्वित (अंग्रेस लायं यांच व्यक्त प्रं)।। कदा किए] मुक्क (अक्षा) मुकंगक: लाम (भुवंत्रकानी)

[मिनि] निछा (प्रक्रम) यम्मलाम् (कृत्रायमण) 801 भीलंगक: लाम खर्म (भीलमध्येश धरेमन्द्र) मत्रमा कार्य (मात्र मामा ड) न यव का कील्यन (।द्रेशम म कार्यम) छाछ छ सम् (छाछ छाय) नमम् ६ (नमक्षवं भेत्र) मिळ्ड (सर्का) अक्स (अष्ट लर्गेमार्ड) विरुतः वैनेने (अमं नक्षां म असे क करंग [नवर]) भाषा-ला ७ - ह मा करमा ना जिल ना ना भ मा ना हिएक (लाड , अरु , करं न म म म प्रम्थत , विभद् भान उ लस्मानामिविसरमं) जूना: (प्रम व्हान कविमा) क्किनिविषे थी: (अ कृ किय कार मितानि विभ-व्यक) र्यायम् (र्यायाम) व्यक्तमम् (या करवं प े [वाडाबंड]) वन्ने वार (वनम करं)।। १०। रम (म्पराना) भीरह: केवार (मुहस्यक्व) (कारिम: अविख्यान (ध्रम्भा विक्रमान), मरसम: पूर्वाकारी (अभ्य पूर्वाका) उभागकार्त्त कात्र कूरेन्त्रितार (ट्याका, व्याकार्तन, उ राट्मिसटमानी के वेटीरवंद लालात) ट्यारियः लयं हैं आपि (कर्व मन्नरें म)

का सार्त): व्यक्तिविक मा ह ([वन्] का सारि मानिष कार्टमीठा बमाव:) समम: (हिटान) आडा डिक् (42) (12) (12) (12) (12) कांब्रा 3) के कम्म (जीका क्रें) क्यान विश्व (की अकामता) ममाडि (मामकत्वन), एडडा: यतः (व्ययम्यक म्याम कार्य)।। म: (म) मर्बिशः (मर्वेष्या मात्र)। म्वध्यात्रे (भ्रव छ अ (सवं सत्ते) क्या वाक (कारतंत) त्यावारं म क्यतंत् (त्यक रेन्य म कार्यंत) कि।क्रिय दिस्थिनेर (कारावंत स्मियंसेल भीटो. दिवसरय पा कार्या) मन्त्रत्वे प्रमानिवल क (लगत्रक महाकृष्टि वार्डामक देश लासर् कार्ने प [नवर्]) हित्व व्यान म म्हीका न: (किंड (साम साम ७ क्रीय भी मा का के गा) व्याना मुन्ती-रियंक्ट्यमम्मः (स्त्रीयंत्र के दिक्यम मिला-क्रान्त्र) निष्यं (ज्यप्) गर्प्यं मर्माव्यं (कीर्य उ प्रावतेप्रक्रमातं) मुलायत् (मुलायत्) लाम(भर (याम करवंत) र द्याम कर्जा (अर र्या गास्त्र दिलाला) यसः (यसकावं कार्वे)।।

अविनारिति (१२ वृक्तावन!) २७ (७११ ! [वृति]) यु थार सामार (स्थि सामान) सर्वे प् (सर्वत्र कन) र यराष्ट्री कुटं (यर अरवं) मा मेव : (माम र्युक) (या खिला (डीव मार्) भूम: (किक) प्रमी मा ((कारा के सामा) कस्सर बयामे (कारान करन gomes via) sa (own;) sin (coma } Смई सामा) मैं अष्ट्रिं सप् (कुल्य) सप में समते) श्ची गर अर् (त्या अवस सक्तार (क ३) लागारे मर (विभवेषिडात) ममम् महा (दर्भन करादे एएर्न) ततः (निवर] (अंद्राद्ध) थावानवादाः (ल्ल्यां स्व सकानं म्याः) प्रक्रियाः (मर्ग-र्षाष्ट्र वैकस्पत्) र अंड नव माराष्ट्र (काक्रें रंडरे लिसः वाट्ठ इस)।। स क्याहार (शम क्यायम!) कि करमाध (आर्थ कि कार्त ?) , आर्थन रनाक र्वर्र अपनी ? (मिर्मेन ट्लोकिक श्रिमार्ग) एन्डम (लडान-व्रवक) कुर्मिए (क्रमार्स) व्यक्तिकार (खिर्चे प्रमायी) दे एका ल्यां में भागाः

(रे प्लाम्मेम) म समामं (वास मद्र) ला कर्स (िराप्रा हिमाक सर लाम निष्मे म करने वार्) न्माक् : (न्माक्) सक्ष प न्याक्ष (न्याकातं मात्र न [लक्ष्य]) धाम् (क्षिमान व्यक्ष) लक्ष्याः (लास्प्रमुक्त) कार्यात् : (कार्यात्) महिट (21/2/012 "[OLNE]) OLUNE \$ \$ OWE (one cours) (on (onend) Have & (Xx भार) " वर (लाक्त) लाभाष्ट्र सार (सार्म माण्डीन गार्किक) भारतक प्रक (कार साला Quu श्रुक्तिम)॥ समंद (लाभार) लाभान्य (लाभा म्हाद्य) अस्पर् लाम्स (अस्प-काम । भाव र म वर मका ए (विकश्चाम कार्न ए मार्ड्य " [लायरं]) लाक्त लास्का (जम्मा लक्ष्य क्षिमां को लामक्षिमः (स (लासक लाट्नेड्राष्ट्र) लठिक: (ल्प्ल्यमं) लक्षाम्: धानंत (लक्षाम्. महिले अपक) र रा स र्या र्या व (लाहा हिलावर) के युम्नदुरेक्स आगेत (के किमदिन का आगंत) (पाकsunt sien (Emireconst of the sim estat) माने (own) प्रिवं विष्वाह (प्रण्या शादं वे

Egnin [ourse alg]) & Lean (course Eat) उपाविती किए (इरेट कि १)॥ यराक्ष्यामाः (ग्रायाके काक्षान लाक्ष्य द्रांचेबा-001 आभी) अवंशककेप्रतिहरूसमा: (ग्राज्यासकं १९० अवंशकक्षा ततं व्यक्षमं वात्) भद्रादियापत -अक्र विलमप् विख्य ख्वाः (भैनशाप्त विख्य का नी लग्छारिय अमस द्राम आयमं), शक्षिमा राम-सकट् वीषकाक्त की विकार [निवर] के करताराव लग्रास द्रायात्वं में यक व लक्त का स्वी कुरित ठम) र र्याव (१) (र्यापवत्य र (१)) माराः (क्मम) भागे (लामारक) अज्ञार्व अविक्रि विस्त्रे (न का क जार जार का का कर कर में)। लिश के मार्ककल प्रंडमधेप हिटालयः (क्यांमा-@21 क्रका अप्रवास अमेश नद् क्षमप्) वाता: (व्राप्टासन द्रिसमं) मुक्ष (म्यान वर्ग) विस्विधाव: (व्राप्टार देक्टार अपने) अंगेर (अंगेरंद) राम डेक भाडिकृति (अध्वडाय कव्वति क्रे अवसमीय) नामापुष्ठ यह साम्र म्तानि (विविध-लामें क मध्य व में का अमीर) मस् (हारंप

अर्थुरेन: (प्रवर्ष) कटनंत [वर्]) विश्वाविदः हुन्नीभीलेः जाल ह (विकार व व अ अध्योमार्थ अभीव भाग) भूपण विमिष्ठि (अरहाम वियान करवन)॥ [त (गूनमानो) न्याना से व भी स्वं दिना : (न्याना ना क्ट्र) जीस लापानं बिल माली (जी लाद लटानं यर्भ्यार्थि) व्यक्तिवर्न-भ्रम्थानाक्त्रीनाः (व्याक ६ व्यक्त आण शक्त कर्वत [ववर्]) ्ल् (क्यांश्वा केंक्) खर्त (अंतर) राठ में क्याएं): (THEICE & BALLERIA) OND AXIS (ONDINO लम् अमल्दं) सिमः (यक्षान्यः (अन्मात्नं लाम् (क्षात्म प्रस्थादम करवंप " [लामका])राप र्यायमे क्रिवर-महार्यम्भाम (र्यायत म रिकाटत्य राजी एमद अवस्त्रिंगे थ्रीन अपूर्व) रूमः (बज्राकवि)॥ यस (ल्प्संब) क्रिमंड (क्रिमं) वर (प्यं) प्याद-न्यान सर्वाय मेर (पांत ३ न्यास व्य व्याद्धमं) क्षामका कि कुलाबत (कुला कर कुल कर म-मानायं) अल्यास्त्र (क्षेष्ठ विलास्त्रवं मस्मियं) सिमः (अवस्रवं) कि के दियामं-

001

मामर (विचित पिका अलंबान) विपर्वेद (अस्मापन-लूर्य) मुर्छ: मूर्छ: दिवादित: (अल्ल्यतीय दिवा अयश्विक नक्य आर्थिक कियं। क्रिक्र (बक्रामिस्ते), भूक्यादि : व्यक्ति (अक्यादि विक्रा ध्यक्ति अस्मादि : व्यक्ति (अक्यादि हां) भार् सर्वे भी द्या (क क वा हिं क अपनि (के क सर् मान (प्रथानिय करिंठ भर् भाम कर्तिता) क्यामा (क्यार मामहत्याव) (असी (अने अने काण्यां प्रमाण उद्गेष) अध्यक्षेत्र (क्टल अग्र कर्त्र)।। [म्परांक] वित्र व दं दक्ष अवकर (विशेष क्रिल-प्रथम) दिस्ताएं- द्वास्पत्कर्जन्ति । (दुर्भव द्वास्पक्र-अप्त) अभयर पारं भीरति दें (लाभ के क्र में सर्वेत वहत) , करे सार्य-अक्-आख्णाटमभन् (बिहिन रापुन्यकं सामा व खिमेस लाम्या) मेडिट्स-अखिळ्यर (अव किकिव आकेळ्य [नवर]) त्रमणीर त्रात् विद्वार (सर्भक्त मर्गिक कार्वेष) म्हि (दीवन करवंत (कास]) नका की देशावत (याडिमाण्यक कृत्यावत [स्तरे]) अमले विश्वत्

(कलक्त्रमित्रम) भागवाक्ष्य (भूषिम्नमाटक) दिन्नास (काम्रंस क्षेत्रिक)॥ [ग्रामा] अव्ययादनवः (अव्यमं यत्रावान) 001 में सम्मर (में सम्म उद्गा) रेकार प्र (रेकार) जसर (चसरे कारंत्र [तबर]) किः मात्री कुल्लः (स्वामका राभीयन) में ठः (युवेबवं) काक् अंक्सेस (ल्याक्स म यम्मारकारक) २०: सामा-व अना दिक् ए असे (अन्यादिमार्क धाना व अना दि धाना) मित्रापुर (सक्के करके विद्या) किसास यमुंबं (लाक्समुंबं) प्यांब न्यास्ट (प्यांबं न न्यासम्) <u>किल्लांबर्</u> द्वासत्रेश्मर् (क्रिलांब. विभन्न में अप) कलानि (क अप 3 (पन) (प्रन) outho (outho careened 5,4) 11 [ग्राया] लडामुमार ह (हिवादाय) मीर्यावय-@91 निछ) कामिकमभा (अविभावत निछ) कामिकमार ज्याहब्दी) प्रमाणकातुः (कन्ने व्यापा वकाम करवं र [वदर]) वक्षाल्यम् व्यापन-प्रमृत्वी लोग नी (ना व्यम- (का ि: श्रम्भी है-नीत्र हिमाहि९ एक अभक्ष (निर्मात हि९ व्याहि९

अवक भारात्म अवि लागं देकानित लयदार्थी यम टमांव अ भीत देख्या (क)राजः भूर्म सूचा समूद भिष्य के प्रमाह , [mun (अर्)) किया ल लम् कर (अवसाम्मि) भाषक) मिलान सामन-प्रत्यक्ष (मिठाकिल्या न सर्मा देश (क्राप्टि-स्में एक) दिए (ला अन कार्स विह)।। विरेट्स विरेट्स (क्षांड माभा), मत मत (कार के मन) मिर में कार (कार में म [नवर्]) कल ल स्थारिषु (भाव कल व ल स्यारिष् मति) वर्षामं छ न्या हिमः (भारातन मह् लान्ड, मर् उ पी छ मान विनानमान वृश्चिमारह), वृत्तावत-पिव्युन्तार्थतः (वृत्तावराव (अर्थ । एक विश्व मंद (क्षाप करं)। राविष्यमामिष्टः (राविष्यमभूभ)क्षव्योः (वक्षा विकं) परके अभिने एम (प्रश्नेय स्थानम क् के सामान प्रति (मित्र) त्रसम्म : (तर्मावं) निमाय मिला हिल्ला (शुरं शुरं शुरं विश्वत् (विशव्या) जव प्रम् (लोका प्रिज-काम (लोन अ तीतवर्र (अरे विश्वर मूलत्व) एक ((प्रवा कव)।।

कता म ([आधि] काव) कृत्वावमण् धाम (अविना-501 व(त) कतकप्रव्यक्ति श्रीत्रावि- दिवा श्रेट्ण: (स्वर् अ प्रवक्तान्व ट्रामिस्वाल्यकारी-क्ति क्षां नावि में के) क्रिक्टि (क्षात्र ३) प्रमृत्यम् ने भारमाः (मन् सम्भू मे विभय-भूमति व) ध्या मिर्द्री विम - आकारक । निमानि (लाश्रम् न्त्रतं समाटे लाय स्वत्) वंत्राभाषाः अवं (एक वंत्रमतं) वर (अव) काम्यरेयर (कीलामध्य) अला (मन्त्र कविय ?)।। वीव्याकात्त (वीव्यावता) तक व्याल # किलाः 531 (कात कात क्षा त्राव्यक का पुत्र) ज्यामका. आनेवाका: (अशिवाचा वल एवं) अमा क्षा कार्या मीलप्रकार्याम्बाम्लाः (लाद्वम्म्यान्त स्किक्षक (समम्बासमेटाव) काक्रीतिक सार्वा मावा: (अवसान्त्र सार्वेत्र्याचा) साम (३ (ज्यास्य कर्वत्र)।। यम् किरा: दूरित (डेडम छक्काविसमार्ष) 321 वृक्षान्ते (वृक्षावत) सवी छ छित्र (सवी कमा विद्यु एवं भार्व मिन्छ) जीक्का सम्हः

(वीक्षक्त वनर्व) प्रयानभाष्ट्राम स्माना-मानाम (मिश्रिम भामतिन । विवक्षावक भन्ना-र (सन् मानामम्) त्यमचमा अकसात्र (त्यम-मक्षेत्र द्वक्ष) मस्य त्यात (यक्ष कार्नेग विषान कार्ने (एटर)।। क्या चन कृति (कृथा वन मार्म) विक हन कपूर्म-हम्बारक की यम प्रत्य मुक्त म्यू तारे मी माजारमा: (विकामिण न बीत हा अर्त हम्मक अ नीसमामा ग्यां कार्य ट्रम् व या का हारा मुक् रूषम पिया त्मालमृताः (दिया नथीन तमन-मैं बर्ग अरम) शब्द रे यर त्व (शब्द मर्भ रह) अर् व (लामान निकार सकर रहक)।। हाक कमम् बीलाए (धालम् म कम्मू कारत) अन न पाएट पो बना छ (न बीन ट्येबन टमाडाइ विकासलाती), तिव्वविद्यातात्रामावधूर्रः (अर्थाम कद्मिसा हे भार), मा कनक-मार्थन-नीय द्याहि: (वह राक्त अ शे अनी मार्ग न गाम आद्रमसत्य) हिंद्र मंत्रः (क्या वृष्तं एस ग्राया) साम् हेब (अया क्ये)।

501

वर्ष्त्रम्भ कर्भ-म्भाविवित-मरापुष- पूर्ध-401 शहिकामंड (अब्ध व समम्तिव भूतावीव अविदान वा का विकिन मूरका पात) व्याठिकाम विद्यात्रिक् (क कर्वत्राविष्य), (लोग रीत् (त्लोग ७ तीत्र में) , सम (मनी में) खिटारं विकास में (किटा नं व ने स्थ व्याने प्रमात) वित्रवि (विशव कर्त्य)॥ जियामिन् भिर्मात्म क्रिम्मिष्यम मानि मन्द्र-661 उन्मर्म न क मार्थि - (का किमा- कू द्वार्ड: (अकार्यालासमं रम यह दिस्य अपन्त सर्व उस्त्र उ क्याकिमामार्थक क्रू आरक) भूष: (प्रवेष्टक) लाहा कर्म (लाह शवं रहुंगा) प्रथम (प्रवृत्) निकृत्यु । भूति (क्यूवारीक लाक्नमं यत्र कावत (लाह (मर्)) का चा-भूनतीर्वाषी (जीनार्वा अ अ क्रिक्ट) प्रानामि (कार कार्ड)।। वार्ष (त वार्ष!) अमा (अक्षार्ठ) छय प्रदर 091 (लामान श्रीवित करा) क्याचल (क्यावल) धारा प् कृषे व वार्षिति (धर् भाव प्रधा द्वारी भर्न)

लाल्क: (मन्त) अम्मीकर (मम्मीक) लम्मीकर्क (काईएएर), काकिया: (क्याकियमर) प्रय: (प्रिंडन) अक्टे केंद्र देखि (केंट्र केंद्र बत्त) ल्यानार्य (क्यानार्म क्यानार्य) क्रांडि (शब्दा) । अमाद्याद् : (सर्वेसम्) लाट (काट्या) भीपाठा कार्यक (भीपालाइ रें ते) साम् (त्यांत कार्न गर्ट [नेकं]) अर्ल वसी कमा: (मिश्रिम एक्साणामी) अछाड-मैम्सिं अ: (काट्रमां मैक्सिंपाता श्वंप कार्यक्टि)॥ यव (हेड रूकाबत्र) वाची (भी वाची) लाख्यमत (लाख्यम लाम या मार्कात्) अम्हर ने ने (मिलन अकार हारम समायन [निक्]) (यस लिसाम ([क्यांकावाव] ममम-यम लाक्सिय वैत्य (लग्ने) उमक शिमं (प्रम जिम्बर्सक [शिम्र या आर्षेता]) त्यावर (र्वाम्यत मार्थनाह) विं पात्रका लाम (विषि पात्रका) में में (नमर हाड़ं), देखि लार (नमल वास्ति)

46-1

रे (, पाइके) मैं याक्ष्म लाम (प्याम वं अबुदि (बासाकिक दूर में रेट्र गार्ट में केंबर) मके लिक (मक्षे हिम्मार,) न कर (नर्क्स त वानिया) रमडी १ धानी १ (त्यान मनी रामा थारे (क्रिक अभी [क्राउर क]) । आ अवसक् छ न मार्की (भीडम सम्मे [किसा किंव कावंप रुआ] * भाषात्र मा। भन्नत्वत (अनुवक्षाया) ज्यानकात (ज्यान कार्कताहिष्यम)।। वाकी केल में आवश्य व में कियल दारितासी है: (क्या-नंसा क क्रिकं एए कं त गुत्र विस्तर में गर्य कं दिख्य मा द्वारिक) त्यम व्याप्यक्रमा (त्यम वत्यन) अ भूरेव: (अवार धाया) हिम हिम दिन अगा (आन्तर) (हिर काहर दिविष एक मूर्णित मुझ्या अवस्त करिएट), अमामा द्वासम्बस्य मर्गमलंग कुर्मियान-वंगं (क्यामने व्यासक क्याहि क्या प्रश्कलाओं हे जिला मिलारमं व्यं प्रियंक्ष [नवर् कीरवय])कार्यमकाममंख्यं (ति। र्यम (gasinnes de lames) gees (meet 40

, अवस देळात्र) मीर्नायम् ल्ला (मीर्मायम हाटम वर्ष क्या करते)।। मारीने (प्र पार्व !) अने (अने न्यान) रेम (न्यान) 921 ल्यामंत्र (लालाक्ष्य कर्व) विकास कर्व (क्षाप्त) Сभारत (Cx Сभारत ! [व्राम 3]) अन नव (न्याले) व्याक विक (भाष्म समन लक्षात कर) विवत-त्रामाम्भागतम् वापि (त्रामाप्त वालं न व आदि सूदीर्थकालीय सून्ड गामारन दिलपेर इरेमारह, जारा) प्रभाक कूर्व (यभाया विभास कार्च्य) लास्त्रिक्षाम् : प्राचित्रमाम नं : (आयुक्त क्रिक अभाग्य लासक्य कार्य कार्य) र्य (नम्पान) बादि सामाः हि (नमप्रे ह्राम्ट उद्रत्य [नवरं व्राधाना] अस्तः (अल्बल) समार्ट (०० मन्) इरा इरा (सर्वे इरा मा सरकार) अक्टार्म्याह (अक्ट्रम सम कार्य a) 11 मय (प्रमात) सर्वारं रे (स्वारं) अकर म्यका-921 नमं रिव बला टमान (भूमक मक उ कमला मुबारम १ कप) ' त्यां के आराज्य र (त्यां व क्यामा हमड्) हिक्सम (प्रापाट्टिन) माज अर्थेयन सदाराज्यका थाव-

हिल (जाएं मी क्षिणं ये अक्षात) सर्वान् सर्वल-म्मान : (मद्भव कर का न मर्म वर्ष ने भागां) कि भावी वर ट्यम्बर् (काय व कर्म (माला) क्यमंत (श्राम्ने भूक) धार्यम् इग्रि (मिछ)कान विवाब कान्एएडर)।। या (त्यम्त्र) माम् वाम् (तिवस्य) प्रमा अअत्याष्ट्रमात्र म त्रक्रम् जिन्द्रमात्म कल्लिमात् (अअंसर्भसमं कल्ल्समात्त्रं अप भिर्व भिर्व विअयक देवभाव कार्य) WUID है में (WUID हैंग) लाप्या मिन्या वक्ष में या में ठा मं द (अव मां इ मिन्मर्याम व्यवसावित वार् वर्गात्र मक्सादम-जिस्स) रामद रामद (मनमी व रामी सरकारत) किष्यक्रमण (सामबसाय्णमात्व) व्यानान-सर्माद्वाकु (अवस्तरं लक्ष सर्मिष् १ श्रेमा यग्म (मड्ड) सर्वे के की ग्रिक (स्पान्स के के कार्य) हिमाह (अवम अवंत्र)।। गानिक त्यू (यात्राव निक्यू मार्क) अकाः (अभीमने) त्वतीहू छा-। जिसक वहते : (वनी, हूज उ जिसक बहुमा), मिर्कः (मिना) मक-

901

अद्भूत्र प्रात्म : (मक्र जासून , प्रात्म), भूत्राक्षात-वन्तरि: (भूभा उ ठेळात ठेउम वमन) , दिन)-दिगात्र भारेत: (कार्टाह्म धन्न भानीम [वरर]) भक्त मर्वीवत-सूद्भाषाद्यात-मर्याद्रतारेश: (दुक्स क) अर । कुमा व नेरिक्सम भार करम क धर्म गापि भाषा) याचा- ब्रुवा निश्व दी (अश्रासा-क्रकं) ज्याहि (प्रवा करवंत्र)॥ यव (प्रभात) कार्लि श्वान-मूपाम : (धी बार्वान क्लाम (काम (प्राविका) मिल्यार (प्रिव्डव) क्यूनम् (के के मधेर) आवे के वृद्ध (आवे का वं का वृद्धार) ध्या: (कर कर) की शिष्टि: (बिह्नि mer यम) विविश्व कृत्रीय: (अत्राविश्व प्रकाशां) दिवाधानादिकानि (धाना अङ् ि दिवा व्यमक्षामं) प्रभाति (वहमा करिएएम) , क्रान्टिर (कर एकर) में दी (स्पाट्ड मार्ड) मैक्स (रम्भूर) भरकार्व) हिना मक्ष अका नाम (सिविध पिन मक प्रवा) विद्विष्ठि (अस्त कार्एएम [नवर]) क्राक्ष (क्रिक क्र कर का) व्यव्यव महं (व्यक्ष देवन यस्त्र) क्कार्ड (क्रिक कार्काण्टर)॥

[ग्राका] महामार्गिता: (अवसम्पूर्वाम्) लास (नर्ड) न काम्यान ता (भिष्र न क न्यामं) मेक्समा (अवसामात्म वावाद) पक्षममः (मरीय बतंत्र्य) असा: (मिल्य) चित्र वक्ती: (एर वर्ग भीतक) व्रीकृष्ठ (विस्मान करवंत्र) [73 xu]) 2 g d wó (Cura co cuiguy) वृत्तावतक्षि (वृत्तावत [यात्रारम]) ज्वर (त्रवा करवंत), मन: (व्य हिंड! [व्यंत्र]) म्ती ७० ७०० (म्तियं मार्ने ७) निकाल गर (विभात्षाक शक्षकावं प्रकावकान् [पर]) वससन् (वससन्) वाद्या हम् (त्या विश्वरानं) भाव (काब कव)॥ भा कुलाकात्रता (कुलाबता रार्थ भवा (भाषा) (करमामणं करणं (णाविश्य कम विमामसम्) दिमार (दिक) नव मार्स (मबीन टामेबान) आणाः (विम्वयात) टार्निन मीन मी- मम्माला: (तर्न 3 भीयकारि सम्मान्) वर (एते) भामम्बन्धा-वित्वरं (ल्ड्रमीय (माल्यममाडि [नवर्]) जार्य आरेम्भावायम्य विवासः (जारून

आर्मेमप्तिव त्मवाबत्म विश्वलिखा) पिक-सायमे कुण नी हिं पूर्ताः (दिया कुल नायमे -(आ अ प्रमुक्ता), व्यक्ति प्रकारिकाः (कियालान विका (। दिया छात्र दे क्या त्या पा अस्थान न-कार्यित) में अस : (में अवस्त) किरमात् : (किरमानुस) (ता में बन्ने (ou ma दे कि मार. अ अकरे रहेन)11 अमस्य अभाषानानि-निम् भूम अकृष्ठिः (अमस बिमा छवा विव मार्क विकाश समा सीम मक् विव व में में (वं (काल में (वं) कर्म कर (कर्म कर्म) अध्युमें: (अवतसर्व) ल्यावाल्क्याल: वर्ताल (ल्यावन (A) गार्व: विवास भाम) १ वस्य: (व्रायान कार्यास) ते क्ने (तिक्ने वाम (माडा मारेख्या)) ज निवित्राप्त रेय (जाया व जानिवित माना न) आरिस स (मा- मताष्- मेमान्य मेरिस रे (सर्वेन यशकास वीमाध्यक (क्या विस्त) देर व मायम ? (अरे ब्लावन शास्त्र विवास कवित्वत्त्र)॥ लक्ष (व्यास) र्मायम् (र्मायम) मह्माष्ट्रावं -सहमस्ति (स्ट्राष्ट्रीसण्यं ग्राम्यां सँगावक)

96-1

सद्यामकारियार् (अवसाधकारभवेदना भी अवासामार वी प्रधालक मर (अवास वे में वार्षेत्र) लाक्ष्याष्ट्र (काक्ष्याष्ट्र (काक्ष्याया) अनुमंच्याचा कर्ं (क्षित्रच त्राविशेष लाक्षं) भारत्मस्य (कर्म लायत् यान्त् लामान) मान्या माना माना प्रमान । MOMENT NUMBER) BY O (HY WOLLIA) GCA (स्मिना करने)।। रेर वन (वरे मीन्साम्परं) कामाना : (कार् स्ट्राबंद्रम) किलार्गः (किलागीमर्) अविधिक-मामिटमा करवा विस्ति (अय्यम् याका के अवस्थान वाटा निस्त्र) न य तय नव-वत्यांक्ल अर्ब्रुट्यो (पिक) मृत्य व प्र अ क् अनामिन देराम अध्येष प्रशर्म धान त्याम - व्य ह अवका क्रिक्वो (ियर] अवंश क्षियाय प्लंब द्रियात्यात्रतं चेत्र-(वाद्यानाना) वीवाकाय्यवारीर्वाती. (भी बाबाक्क (क) मिव्यवि (हिन्याम) अनेपण: (atricia) esta (CHAI 本(中月)11

6->1

वाकीकृष्णभावविश्व प्रकवंशाश्वाप- भाग्रम (मार्शाः (म्रारातन हित सत्त न्यानिम के एक ने नाम नदमन मह्यम लामात्म कार्नेत मक उद्गाह) में से बर् दुर्भकाक्त मंत्रकाः (मक्त ग्रायास्य क्रक्र व वेषक -कार्भेड़ ज्यानिकाय श्रीरवार), जर सम्मिनियां भवः (क्या-चार्य क्यं स्वय टिस्ट व्याप्य विष्य विषय क्यायन-ल्यात (लाकुणां लायणाद्ये) कथाल (कमपत) लाड्यानं (हित्यं नकार मनं लाम्बं वसनंवाप्त्रम्) लाक्षिआतो: (प्रम अन्मवं क अन्मव्वेत) भिषाता: (टमसन) विश्वः (कामाव मीट्ल) (माहहा: ([म्पर्यानं] ट्याक तकाम क टवंप) वाः व्यानासकाः बाहिका: (क्या का का प्राप्त प्राप्तिकामने) सस मंदम (लास्य प्रवाद लाठा सकाम करंप)॥ िम्प्राची अस्तापृष्टमं कात् : (त्रिक साप्तिमालक (अयादि काट्म) रेव: उव: (रेवडव:) ट्याना: (हक्तकाल बिष्यं कत्य), कत्यामम्मी-त्यम १-काक्रमक लगाः (म्नारावं गल में मारा में क्ष्रं के वस हते लार मेरी साप्त कार्ड कारह) ' क्रुवंप्रकाका: (जूनमार के श्रीरास अना में साम र ज्यान (स्पास्त

व्यक्तार) र श्रम् के में में हा (ज्यार के वर में मार र प्रायं सहरत कार इते) र हिंत्र मारी र सर हिलासकी-विन्व कि दिला में सम्बार विद्या के विद्या न सरमांस आरम सर्वेंद तात सारंत करतेय [न वरं]) दिम् कालकाणंष्टितः (भारताय वालकारि ह्यूरिटक विष्ठान लाड कर्निएए), अधिकर्मकर्म (भागवान रमबावन), मूर्यमानिकाः (म्बर्यानमानिनी) ० थ्री: खिट्यां थे: ([अर्] प्रेंग्ने ! खिट्यां ग्रीय पृत्क) भावं (शाम कवं)।। श्रुकिर जिल्लारी- विश्व वर्षकि क्रिमिका: (याशादा यिलाम करिको कि वसत्य देवादिडाल कि दिने (आना ना मारे (एटर), हत्रे क्यम प्रिक्स मान्यू म न्यून-(आता: (अर्ट अरति अस्तिमात्र सत्पवंत प्रें प्रें विशंक करिएटर), कृष्मक्राविशंभवक्री-(नामयामः (निक्) सम्मूक्तमं देवानिकारम म्नह्मी उ हक्ष्य दान हैं वर्द्रनंदह) वाः कतक तारी: वाकिकाकिक ही: (प्रतिक गाम ट्याने म्या का का सांच ट्या मार्गा परक) भावा (कात कव)।।

राप् कथक प्रवासम्भेरते कारो प्राप्तः (क्या का का का 6-81 टमड्र राम्माप्नं पामकानं स्पृ व राष्ट्रमें क सराम्मा भ्रायम), यसमहिन्द्वी विक्यून्त्-उत्रक्तः (स्य क्ल्लमध्यमं विभीवं क्रमहाति यवसर बक्र) ज्यात्वक्षक का त्यात्व में त्या ने-इ के. ([व बर्] ये अस का अ अध्या से अप सर १ ८ के काष्ट्र थान सप्तेस डाम व्रिंग कावित्र), मबक्काने असीताः (जात्रामा मबीन टिन्ट्याम् भीत्राम् विश्वा कर्यमा) कार्डिम ट्याप्रमार्थाः (लाम्या कृषाना अकलिन (मार अकान यारेलिट्य)॥ यर असर्वे के बार्क के श्रीयाय काम के स्थ में द-601 क्षकाक द्वामाक मेन्साः (द्वारतत्वं त्र रसाव् म्योक्षाक्तक काला दक में मह में सदाय लये काम-प्रकार पुरेषे त्याल्य वासक नात्रे कर प्रमान (विव्दुन वर्षभात क जमार्च जातम्ममूर्ड) कार्टमूय: (भर्मा) ज्यारियाय मूर्जिया र र मही: (लाक् आनं दुरमें सत्तर दामो सरकार विवेश कार्वाक्टिक्र)॥

6-41

691

क्रम्)॥ (म्मस्त्रे) लाक्ष्मभार लाक्ष (चक्रम्यः मार्केमुनं स्मारमाः (क्र्यांच्यं एप्ट्रं सारस्य म्यांच्यं ल्यांच्यास्मान्यं (माह्य भीयक्ष्म) लाक्ष्मन् लाक्ष्मान्यं (माह्य भीयक्ष्म) लाक्ष्मन् लाक्ष्यं (क्षिण्) स्मार्यं के क्ष्म व्यामनं लाक्ष्यं (क्षिण्) स्मार्थं के क्ष्म व्यामनं लाक्ष्यं (क्षिण्) स्मार्थं के क्ष्म व्यापनं लाक्ष्यं (क्षिण्) स्मार्थं के क्ष्म व्यापनं क्षित्रं (क्ष्मिं क्ष्मिं क्ष्मिं के क्ष्मिं क्ष्मिं के क्ष्मिं क्ष्मिं के क्ष्मिं के क्ष्मिं के क्ष्मिं के क्ष्मिं के क्ष्मिं क्ष्मिं के क्ष्मिं क

हिडान्य अक्त वित्र ४० कंत् (भाषान बातू कानानि 6-6-1 हिडामी सम्मद्यां में टमाहित) वे सरमंदिमा मीयरे-में के कक़ वंसवत के क बाहा लता क (ला प्रेस र्वित्र के निक् में के कि का की की की कि के लत-हिरुप्रभूत विवास कार्निएट) न सामावर्त्तरक्ष्यम-सप्यमंड (माया मायाव्य द्वाम वंत्रमं [नवडी]) हित्व प्राणाव द्याहि: (प्राप्त की की जाना न हित्वभभने विणास]) चीमत् व्याविषय वन-ल्म एम (नी मुक्त यतं को ध्रम क्रमक) मर्म्म वामि (निव्दु के भाग करके)।। रेग्र (वरे) व्यान्तेष्ठ्यी (क्षीव्यावत्तव द्यि-6-D1 on) म्विममम्पूना (काल्यमं मूटकामन उ प्रिम्य लावालय) व्यक्त का का (देवानं त्राम्म म ज्जूमनी भे), निला हा विश्व का प्रिवा व प्रश्वः (रेमान- अर्थी किन ने प्रमानिय काछि प्रवीप टेक्टम-क्रां अस्म मारेखार), अविम्म्नेनम-मान्या दिया कि महर्म तिर्य नार लायान लामसम्मा) वस्ति (र्क्षणान्ते) मन्त्रित: (मन्द्र) न्यानाद्यः (न्यम्यम्दर)

देलस्थित- विस्तां कलाति : (र्यान कलान माकिमा (मालम स्मेजापि मिवास्ते करमं), जपूलाने (डेक ह्लाम डेमरम) विभावाः (डेमिकि अनुगंदार्काक) लय (गर्रा) लाक्ष गातः लालका म (क्यमंत्र का का क्षेत्रम् विव मार्थम डमंमा ' [अंकि] किय (पर् हिंबिएर) क्रिकेट (असर् (व्रायात्न का मेर् मुश्रं कर्षेक्राय वरेटाट)।। काक्रम (काममात्म) दिशकाक्रमध्यो (दिशमूवर्ग-यन्) , काकुर (त्यमम्त) धरामी सम्मी छाड् (स्टा सनंकल रापु नाष्ट्र हाना जानुस्त) ' लमार (त्काम महत्त) कू कारिय कृत्म नामिका (कू कारिय-ये अर्थियां में क्लाल्का) ' अर्थं (क्लाम्ह्ल) त्य क्र भी १ (अवास ति व का), कार् धामी (कार म्हाम) के पूर्णा कवा निष्ठ ह (श्री सक का विश्वाना हार हिक्ड़-में क्य [नवर्]) मंबार (त्यात्र म्हार्य का) मी हत्त-कारितक्ष्यणार (रेल्स का व सार् सर्म माना म्पाक्ष न्यास्त्री.) ' न कंत्र - हिल्ला अस्त्रीं (लाष्ट्रिंग व्याप्त्रम् हिर्डममस्या) लक्ने अर्ड

भी कुलायत छ प्रिष् (बिहिन कुलायत छ प्रिष्) बाल (बलम कार्च)॥ मिक्याप्य सद्ध्याकी-सर्वेदिश्वानेसामर (कारा 2>1 सिवा लायक सरावंत्रामुक्रें सिक्षे ही लाचेल) मामकतारीयः (कल्लकमा क्रीड जामम बटम) हमक्याने पुढं (श्रिक्याने द्रिक्यार परिक्र) यथा (हिंब्कात) प्रकल्मभन- जामकी (प्रत्याभाने विवंश क दंग) वानाक क सरावमाका विम्छे । स्थालं सक्ता कि का का का मान्ति (चित्र के स्थान यक्राणं की ग्रामाक तकतं अवस अमे आप ८०० विहिन त्मेषाला-निषि-नृष्ठि हरेएएट ,[ama]) मठ०० (भर्या [अरे]) ब्लावती गावती (ब्ला-वय की मुजं) अस्ताम (क्षेत्र करने)।। श्चीकृष्म मुकानिक न वह मा त्मामी रूपण् 121 (८म म्याप अभागप न्यां वादा के कि में माराय म कीलंब बरा अना बंद्रमत का कार्यात्य) व्यातिलामा म्मिकिक ममन वाष्यः (भक्त मकी, वक उ भवावाशि वंशायान देसाव दर्गा-विवान कविएट) , निकातकतिक्न भून किरं

(पिरा अस्मान अभ्या निकृत्य दावि यात्राद (आल वर्षत्र क्षिक्ट [याम]) पिर्याक व्य-में भी बे छोड़ (तिक सडा बे हे सा में भी पर्म (डबं अभित्यभावभावः भवस बस्तीएं [नवर्]) पिकासवः-यानिस्ति। लिक अत्ययन , मधी उ भानेस्य लक् डाप्त्र माना । ब्रह्मिक " [क्याम अर्थ]) मऊर-(मार्थर (त्याक सामार्थ क्रायक) रेप्याव पर (र्याव (प्र) होरमास (क्षाप्र कार्च) 11 सामा की के क बादर (त्र म्हाप मर् क्यां का बादा कि क. यपस्य ररेमा विश्व कर्षत्र) यपक्रम- भक्रम-मात्र मकावित्रपुर् (मिनेस मावव वने प्रधान-भने सम्बिश्वम का श्राव्मे कर्ति एट) भागा १-कल्लिम् अणिलम् भविष्मात्र छ स्या श्रुवा पि (मदम् कल में दर्भ वला व अ ध्याक्षाना दि उ लाये अप्र आंबे स्थां द्राया ब्राह्म के माराह-कारमण्डारा (काम, हन्यमा ७ अस्कारि प्रकल भवत कानाम काने काट [नवर]) कार्छ-यमवियामात्रिका लामाय यामावृद्ध (भामक्षा (माभवाज्यमान अ कार्यमं सम्बद्धमं मेल

[मिक्क] इडिहर्रिकाउकाब व्यक्ति: (ज्येककः विशेष कार (ज्येष क्षेत्र) मान्य) मान्य क्षेत्र ।।

(प्रकृष्ठ ने मान्य) मान्य क्ष्य क्ष्य

281

[थिशम] रिनि हम रिका उथाव वर्डि: (क्रीम्क-आत्मार्भा कार्य कार्य कार्याची) कार्रह: पिका क्षी भाविकाजामा जिक्कि व वर्तः (दिकालाल-यनं व्याक्ष्मिक कि विदे कि विश्वर क्षेत्र क्षेत्र वयक्षियां) ट्याल्याम् (असूर्व ल्याजा क्षान्त कवियाटक), प्रकल प्रमारे: वाल्यर (ति भिन्द्र द्वार्थ मात्रा क्षा कर्षत) १ रेल्टिंगि त्रार्टेमका एकारिममा (भारा विनि ट्यादि १ टल्य कार्यमामामदं लक्षायं थरंग [यर र]) दु सामुख्य र म र द्वार कार्य. का समार (निक्रित्र हे अति अप् गावि व यात्राव भाराव्या प्रथमव परिय) र हर् (वैश्व) लक्षा हः (व्यवतंत्र) अं (एक) क्रियं रेका देवाई (क्या क्यावतं) अधिकेत (श्रीय कव)।

वरिष्मिर्वे द्या चे न्यास्त्र में दिनां के विष्यं से 71 आचारिक ! श्रिम्नीमंस्त्रामं (म्राज्यं व्यक्तिक्वे टमने ७ नमा स्वर्ष विषय में भाषा के कार कार्य पमा अीडिजाबर मान विहिन्स त्य विश्वास क दमत [वर्]) विभ्रत्म- प्रत्यप् वीन । हिल्लानि-(ब्काइजि- मूब्म-पीछ श्रील- ब्लाबन फान (विश्वक कायवीकाश्रक अधिकीम हिल्लानिसं प्रमुखाण प्रम देल्यन दीलक्ष न्यायरम व्यक्तिक , छ्रम्भ उद्गानित्क) एव (प्रवा कर)॥ [मित्र] में कार काश लाख (में के जैंक सम्प्राप्त ?) करि-हिंद (कपाहिद) अमार्मात् (मार्मन) म पत्री (पान क (बनमा), एक मायपादि : जान (ज्युक्त संबंध कर्ति ३) ब्रह्म में धुक्री (विकास भावत भारत के) इ प्रमान प्राक्षा मना म (धराकि।किम् डात्व ७ भ्रमम म प्रभी भाड कटबंस भार) कड़र (कार्या) आ (कर्म) न्नी के क जरारे शह : (क क जाए अमित्र मार्ग) (अरे छि) यू ला बत अधि। भे (अधिम ब्लावत) कासकी (अर्द व्यास्त्र मदलादं)

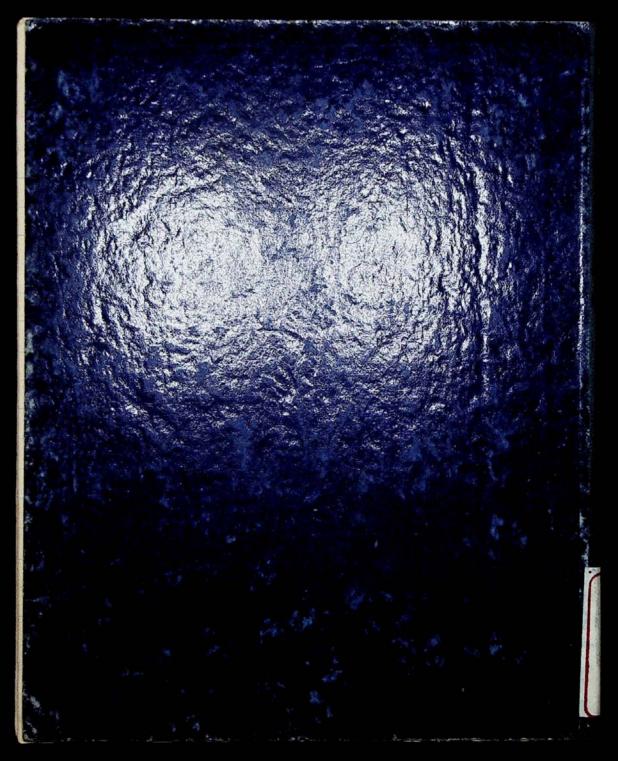
रर् थाकर बाह असेकी (त्र क्षाप ग्राकृत्रे यम कार्नम कार्नम) जात्वम (अम्बामभद्रकात्क) इवः वकः (रेवम्वः) वश्यमात्व (विष्यं मत्यम)॥ क्षां लातं स्तरमं (य मंत्री ध्यां [क्रीहा]) प्रवच् (प्रवस्त) प्रवस्त (प्रकल्य व्यक्ति) हे दक्त-सागी एव (सस्माप साम कर्ति) मंद (मंद) भी हमी हः मा : (अर्जिमी ह छार्व अवस्त्र कार्य) लक्ट रेक्स नव (उर्स्स लाश्येप्रधन्माय्ये) र्यायमार्थं (र्यायममासक) सर्वं र शाम (सर्वे हारिक) लास्त्रस (समक्वं) 'साधाव-सारम् (साम त लाल सामान) व ट्या के क (जुन कान करित), (क्षान्य प्रेम) त्मारीप: (जममे छान का मिलाकात) ममनार हन (अकलात व्यवभाग कवित्य), विरेश्रम्ब्रमाध्यः (अस सिमिन असि समलाम लाम्मर करिय [नक्]) आसामारह (लासार्य लहारक) मरामक्ति ह (किश्वा अवस ये कार्य) समः उद (पक कार्ष्य अवस्थात कार्य)।।

(दर भूषी कर !) कात- विक् माता- प्रक्रामिक-81 विके क व ध- स्री य गारत्म शास्त्र । सत्त्र क स्र-यात्रामा लाक्पात्व मीक्ष्मा नई लाश्विक् ल अष्ट (तराम् किंच माट) में डेंड के (में प्र अमला क्य), ज्ञान (ज्ञानम्त्रक) अन्तर्भात्र विम्म (अमर्गनाम हिंडा कर) मूलमूक्र-माक्षणात् (पूर्वादिय उ वक्षणतेष) वक्षात् विकि (यक्षत ज्यान कान्य) विकीन भागादिश् (में सर्वे के लये आपारिक) अनुवेद्य (मैं: मकते य्रात कार्व) वसमाध्यामात्र (छळ्यम वस्तार्प क्रवदार्व) वालामाः (मक्ता त्वार्व कार्य [नवर]) अल्बार (अक्ट्रबं मिक्ट) चिक्रके (चिक्र व दिल्ला के कार्य कार्य) लिसिन्छ: (लिस्म निक्ष अस्त्र भूति) वृद्धावन (वृद्धावत) अक्रीम् व (अवस्ति कार्य)।। थः (गिर्म) अस्त अत्रत्नाः (वक्तिके हिए) œ1 व्याम्भे (व्यावतावं) ज्ञान (प्रवाकत्वर) भग्र म: नकः (नकमान विनिने) धमहमानम्

मार्शन्यते अपाष्ट्रण - प्रत्रिति मिलाः (जीक् क-िलंड आर अति अपि लयि लामां भार्तेत्रात्रकेंं) ध्यत्विष (धाक्षात् मध्ये द'न)॥ कः (कामी भाक) यह (मार्ग) म लावेवावेडाह 31 (अर्विकास कर्वित रेक्टर करवंत्रम [नवर्]) यर (भारत) प्रकत्माकार्व (भर्तातक) मदीवार्ट (विवाककार) वृत्यायम अने की छि अछि (वारे मा बेसा व(यवं अनु श्रीक् अंसे र्या) (स (लास्पर) त्रे समा (। श्रुमा) पत्रीमात् (लादमन र्वा कांबेल्ट्र)।। रेक्षायम विर्मे : लाक्षर (क्षिकेक प्राचन रेंदि 91 अक्क) म्यार्तियां (व्यानावं कमा) लाक्षार (मित्रे माकेक) ' लमा: (व्रामान) AN): P (Northya - Dones) AR (Eld outer) वृक्तविकालक मन्त्रः आमे (वृक्तवत्रं नकी वक्षम्बड) (मार्मेड (हिड्डे लार gdont 2 2(4) 11 त्व सन् (प्रसम्बाक्ष सामम ! [व्राप्त]) आर्थन-61 प्रार्थित क्यारि (प्रकार प्रार्थित मार्लि)

सलग (अर्डिंग्रास कर्षे [संबंह]) रेप्सवप्रदेश्व (की ब्रायम शास्त्र) ब्रायक ब्रामा ए ह (प्रमादित) मेप्टर (मेप्ट) मान्तर (aus) one (our) len (galler u कव)॥ िर साप्त । विशि] कस् सा क्षे (किस्ते ध्यम्थात कवि ७ता), त्यात्त (त्यात अर्थत व्य द्रे उना), विक्षु उन्न (विक्र उन्त वर्म अं अं क्या मिना) म (किसा) न्यवने न (न्योन अवि सामाणनी श्रेडम, [das]) Duraly (Junaly) Hore Com क्रिकेर (ति क्लार के लि बास कर्ति गारे) के कर अव अपर (निक्तंत्रे अव अ अप) ध्वा म्या मि (लाक कार्य)।। यदा वव (यभनरे) वृक्षावति (वृक्षावति) आमृति (सब् भावार्ष) वामः (वाम कावेवाव) भक्षा क्षेत्रः (भक्त कार्यमार) , प्रवक्षानि क्लानि [जभनर] अक्त अवक्षिन लाम्बे म्या ह्रेगार) व्याशनः ल्यान्त्रवः (न्यायम् देमा मा मिक् द्रमार्गि (निक्)) डेमिनिम् क्षा (डेमिनिम्प्रमूर अवने कवा 对如(下)11

20





EXERCISE BOOK

NO. 3

Doven such the Mar 46 7 माजना: (माज माज) विश्वी : (विश्विष्मित्) प्राप्त >>1 (द्रमं म लाम्बन् डिक) मर् मर्बिमाः (अअप सकावं अम् हिस्ते) लाख मान (अन रहेक), यदि (उभाष यदि) व्यावन् (वृत्तवन) may da so ([answer] on in the star) तरा (धारा उर्दर्भ) सस (authis) का हिसा (1881 19 1)11 कुमाकिति (कुमायत) कामायं (काम 121 कार्यमं थ्या) ल्याल्य क्यानं (ल्याल्या क्षिमाह [तर्ड]) मत्र : क्याम लिशाने (यप्र कियारि ,[जत]) यदि (यदि) यम भी: (मम्बू कि अभि) बार्र : भार (बार्र्यू भ ड्र) 'वर (वाया यंद्राम) के मार्च (के जासन) वृत्ताचितित् (वृत्तावत्रे) भागत्रेष् (व्या कित्यत)॥ लामक् का सार्ची मेर (लामक हती य सार्च काम क) 501 अवस्त्रीपा (प्रस्ता व्यक्षतंत्रका) अर्थियात्र (अर्थियाव प्रमा) मार्श्वकावत्याः नाम (क्या या मामार्थे ।

रामिण (ताल कार्य करने मा) प्रत: उन्ति (१९ एवं निकस्त कर्त)॥ um कुलायमण् वय (जीव्यायमरे) आमन-281 mayen (oustra aing 600) Cyam-वंसम्भवंत्रों ह भीता (अवंत (भव्मण्या नवं भग काकी।), श्रांब्य क्रीविधा छ। भी धा (न्ये कि एक वे त्या भव विक ग्रास (नव)) (अन् छने भीमा (अवनीय छन् भर्दा धार्य यक्ष भे।। नाजगीर विद्याविष्यार (मान्य प्रभू दिव विद्याव 201 कार्यमार्ट) अवंबः भर्माभणः (अक-(अबा ३ मिक्स कार्य गाहि) व दं मः (किन्छ) अपर मधी।केवर (अपर नरे मिकार उरे हेम्त्रीण श्रेमारि (य), इ अवर (वकमाय) कुमानन् (कुमानने) मान् (भन क्ष)।। याल (८ माला : [वीम]) । क्रिम्यर् (क्रम) 341 कर्य नाम्नि : (ब्रा क्यामामधारा) अर्थरः द्यार्थ (लाग्यक्ष क्ष्रं कर विष्टी) रेगा-यम छ भार वा (ब्लाव तव छने वा भव है)

मी दलाएक मान १ (अवन दलातक व कार्य マラ)11 ि मत्म। वृषि] त्याक्षिकेताः (त्याक्याव उ र्धमान) रूम हिंडामर्थाः (निर्देश्य हिंडामर्थः हायां) किर् जामार्भ (ज्ञाह दरेखह त्कन १) जीक्य ब्लाबत (जीक्यावत) रेम् द्र् (न दं तर) या (व्याप कर्ड में) ये थी रित (मूकी इउ)॥ उद (लाभाव)कभा जामी (कारावड) प्रमंगा लयर (यरमान काला म मार् विद्वा]) आम्मकर्माडः (आरमाक कर्मभ्रम्त्र ३) अमर् (लाबक्केक पान ' [कारेन]) र्यावप्टेन सामा: (यिति मिकाटक मृत्यायता कृ जूरे काम करक्म, ना देक्ष) र्भ: (र्भ अंकेस) क्रिक्ट प लाहर्बंट (ल्या क्या कत्यंत्र ल्यान्त्र करन्या)।। (अपि) ब्रूलावात (ब्रूलावत आएए क्ये) क्षाक्षि कामा कार्ड (क्ष्मिन कामा माक) [अस क्रेक] के जिल) अरिकारी तिर आस मा (अि ट्लाटक में प्रमा का माम मा डर्गा)

समार (वर्मपार) प्यत्य (प्रचत्रमं) द्रवंभाद्रमंत (ड्रेट्र निर्म) कि (यह) कहीं। यियामा भारत (क्रयान समाय द्वा इंग् वाय) जाटम (अपरास्ता) मिल्या (मिला हाया) प्रवृद्धिये (हूम बिहूम कर) बामिडि: (68 (धान-धार बलवात् काकिसते) एदः वक्षा (दिर एक वक्षत करवे पा) विषे : (कुकाय ति व कार्याला) ८५ व व लाखकात (अन्यं मा मान्ट Write करवं , जिल्ल त्रे]) प्रशः (जिल्लामार) मान्य वालव (मान् वाम ककक)।। मः (त्मकाकः) छकंद स क्या द्रियमर केम्पर (त्यारि उद्मान्त्री भाग करवन), विशार्ष्ट इसमार (क्य कार्य क्या डक्स क्या मिंद्र) भी भी म काम इरवंड (मैन्य् दवंत्र करवंत्र) सार्टिकंट ह मिरवर (अप) भाम करवम), जार्रीम: अर्भमवाम् (देक बाली म काक गरिन भर्भ कावम [नवर]) लम्बर एतावद्यामे मरतं केत्र (प्याद्यार् लमाम माममर्द्र के काम वर्ष करवं में य: लास (वार्म काष्ट्र ३) जार्मिव (सर्मार ३)

न्त्री वृक्षावत्रवासः निक्षं - सूत्रिवीरी (जीवृक्षावत्र-बारमच में हे सम्भर्ग कर्रेस) सर्म्यास्कः (अरंश शासिक संविद् भप्र ड.म)॥ [८५ माकि] 😂 ध्यमकृष् (निव्हरं) प्रकलावितिः 271 सिम्मातः (मन्त्रकाव लक्ष्ममन ड्रांगः) धान्तापः लाम हिक्ब्ड: (हजाममार्थनं मिकरे दर्शांड विकात काल उन [नवड]) में श्वेत (लमसार्वाड्ड) सिक्ट: लक्ष भक्षेत्र: (त्सेव्ह अपनं ते विकेष्ण के दे में) हमा मार्क लाम र नव व्यक्ति (हिस्ते के अस न लवमन Ein) [(Sup) [(Ced (Sup)) र्यायम् (र्यायम) प्रश्रेष्ट्रमम् कृष्ण (Mri & marias sery [Tas]) might e (mm-यमाछ: जिल्ला कार्कारक छ) श्रामिन (मिपन भर्बा) आयुष्टि (भव्ने-अर्थेड) बम्मिट् द्रपारि (अस क विशव लाइ का के मात्र करवं में िकारा इरेल]) कः (काम काम् सम्हा) जर्भमः (व्राप्त कार) हम : का (हम अंक्स) #: 018 (and CR ance i) 11

र्यारेवि (त्रम्यारेवि!) र क्रियम् वि विक् म् त् (व्यानि के ने विक वि विक क्रिया) यमा (भक्षा) क्रमार (मक्ष्में (मक्षेत्र व प्रश्म) प्रक (धापक) काम त्यार्थमानि छ : (काम क्षित अम्बद्धि) व्यक्षिप् (धान अमे ने वताप ([कास्मक] वत्रक्क) निक्कि माद्रातं (मिटकार्यक कार्यकार) न मेर प्राप्त मनक टेनक कि कि कि (my क्या के के के में के किथियात ३ अ४) कार्ड आर्च्य (वलकर्म) सार (त्यासाक) एवत (त्यात) ते (व्यास) थयम् इत (सकाय भाग) सकस (कसान सार्क) सदक टला त्यारि (अवस द्रांत करंपा-क्राड:) क्राप्त (क्रा कर), ज्या (जारा क्राट्न) नल्पाच (धारमका क कार्वेव)।। [aun] र्याकामरा (र्यावता) मान्काकक. 201 तिलामा प- प्रपत्र विद्याप-कार्यू - क्यू मनी भू (अन्मिक्टकेंब हिंब डेमाध कन्दरीनाव अक्ट्रेनकारी क्रम्मम् (अम्मर्) अविभार् (अम्मर्) लाश्याहित- द्वाला के दारं (लाह्यां लाबा-टबल अक्र म्यकाक्त रहेगा) अर्थि तिले ह

(दिवा दान) प्रक्रवाल (विष्यं मार्वेय) रह mm (नर्म व [mem 3]) ब्रिटा किं (इत्रेख कि !)॥ कपा वा (करवरे वा [जामी]) कार्निकी भूमिन-281 नवकातिम् (यम्मान जीन्वर्धि मनीम क्नू-मम् (१) अणून रिविती सा अस मूमा (अणूनरीय इन्स युष्य राष्ट्रम (मन स्थाव प्रांत (र इक्षेत्र)) (कर लाक (एकर नक) किट्यादवं (किट्यावं सर्व) सदा (सर्वता) अवने था छ छ : सर्व न-अर्बिमार्टेस (त्याल में सर्वेच अर्बिमार्न लामे मारंक) Смы (की लंबक) देक (आरंक- अरंगर् (मिछा किएला क्या मी), डेनामि- सम्म (क्यू र-प्रमाख), कता त्वाळ्य तर् (ज स का कत वर्त हिल्ला) त्याहि: (त्याहित्स वर्ष क्रिक्) आहि (क्रम्ट्रम) हट्या (ट्राया लाक्ष्य क्रीरंग कार्यत है)। लिया मालामानि (अप्रेच मुक्ता म देउम 201 क्यानिम् जिल्लाम् अकाउदा) भन् यसामन-म प्याति: (अवस्थरमसमं स्था देवस क्यावि:) न भावि (बियान भारत), जाभित् (जयार्थि)

पर् यारेगक राष्ट्राच्यक - मर्न मर्गाणि: (व्यक्षिणे प्रामाण कार्विष्यात भर्षे के स्टाल्माए:) ह कारि (पपीका साम कार्य गाट), रेप (जमार्का) एएमर् (ड्यावर ममम्मा) की मन- ब्रायम् (क्यीन्यायत विदावधात), जर वर्ष (जनार्वा) न्यास्त्र (क्रिक क्रिक अपरेड) रिक्रकी किल्सरी (प्रिक) कि ल्यानं की दार्ग) असी (क्यी नार्या) लास (विसंध कर्निकार्य रिक माम रे.वीहा]) सर्वे बे कर के विश्व हम्म द्या हि: (विरी में श्री बंवर च्या १ वं प्रचार) भवं (क्षाप कवं)॥ ेकाहिमालप्रमार्डिक अग्-वसामक्षान-उउ ए इम्मलिक नामा न हार्च रहा (विडिन लाम्बन् वर् लाकाढ्रियामा वस लमक्षान न मानाविषे व्यथमं नामिल कमा भर्रम् व्योभ हार्चन सम्म था), स्रवामहर्गा छित् (ब्राउस व गात्र (ल्याड्यब अव्यवस्त्रां म्याय द्वालाव्यकारं विवाग भागा), प्रशालकी नावने) नाट्या (लाक्ष्र हिन पानप्रसेता) भे क्षिक न्युरेश कर ट्रिका मू अक्व- मण्ला व कून ब म छा भिणारा

20-001

(की मार्चा कृटक में निवंदिन त्र भागनित मू अ(१०) में मसका स्टब्स में में मा भी क्षा क्षा कि है।) क्यामार्थि (ज्यानान त्यामकारापन सद्य) मिक्किलायक-मामिछ-मयम्मिन् मामान् (मारा एक क्यानं यभानं देतरतं साधनंता मबीमा अम्मान मार् वस्मी गा) , धारीम निक-त्वरी क्ष- हिकू व लिया-त्या प्रमृत्य छक्षार् (श्राम मूनीन । भ्रेका विभीवक क्लाबार्लिक लाजकार्य दक्षण वंत्रक्ष प्रमान भाष्रकार) व्यीमम्भा भू रहेग्या ९ कमक भीन- ममा मक- मिला क-मैक्सर् (म्रायं मंदस प्रामुक्यवं लामकार्म अर्थ क स्पृतिका कर कार निकारण क विकासमा क्षिण्ट), मस्मिमार्गिक्रिक-धैसक्ष्या ति। ते निश्चित्रीवं (स्थान में ब्र्य में प्रकार कि में में बर्ध प्रमंद 3 रार्वित्व मार्ग समार्व देवे छिट), प्रविष्ट-न्यर्भित - मक्त - मताशाबि - ब्रामान मार् (याराव अम्यूमन मूर्यभ्रम क विध्य कथरनव

में डेय हिंदे कार्त सर्पा रंड) का अस्पुर्य व्यक्ष (य्यान त्रक्ष्मे काम काक्ष्मां क्म) मयस्थ्र-प्रभाभू भव्यी निष्ठा १ (यंत्रान नव्यीक प्रिमित्य अवंत में अवं) अक्षी सन्दी वंडावा-वलि-वसम्भेषा- अधारक मृत्वधार् (धिति हळ्याया पे लेंड ' डाड़ ' रममं व मैंड्युसर किंत्र हिंदी विद्विण), भिन्नि ([धिनि] संश्रुक म हिम्पदन) दिन) १ (दिन) भूमा (भूमा) मिरहाम १ (तिराम [१९०]) करिल्ट (करिन्म) हिन्य भारे १० (बिह्नि वस्त) प्रीमार (भार्यान कार्यमाट्य) न प्रतिक का के क्टो क्टा पिछ - प्रक्रम -मिलक (यिनि अक अकार प्रांत् दी शिष्ठा याचे निकिन दिस्म उपारिक कर्वन), मिक-गादिक क्रिक्ट (स्त्राव क्रम म्लास सामक्ष 515 0 (MICH ON 11), ACTICA 5 (AT-भूमत्म इ अविकाल [धिति]) आठाहित्या-क्यम-क्रम् मण् (ज्याविहिन-देक्त्यम भूग्रिमण) कर्म पूर् (कर पूर्व) बरही (धर्व ने करव्र) हेकीलप्टारेवतल्यीधर्वः मप-ममान्धर-नावते-

कारत भाष्ठार (यात्रानं स्ट्य सद्हा टाप्त्रं टमाला , सर्व सड्या ७ अवस व्यामधर्म भावनी-बाल नीमा कार्ने (वट्ट) वाद्या के कार्य ने अस-ण्डमा- ममूमका प्रकार के देश वार्य क्री (यादान ट्रमुने वप लाग्य का की वा कि कियं कि को क्कि लारे बंदिय ल्याक्ष्यमं विश्वम डड्रांग मैं पत्र त लक्स्मानाम वार्षेत्राह उनुगाद) अक्षक्षा-अन्तर्भार् (शिने अक्स कमावितार वावंतिस्त्री) नर्मनिर्मिछ तुन्महर्य हर्ष्ट्रचित्र विष्- निम आर्थ-भवित्र मुल्मार् (धिनि नर्सव्हि क्या अवस लासक्त् शर्बत्याता असं कारपुनं सर्वस्थानं म्यम मित्रं अवस लामन द्रिवासम करत्म [नवर]) अतलाय प्रक्रमा से विषय में दिवार (गिति अभार लायलया अवस वंसममि सिममा क्रा गाट्य । [वास वर्सल]) कार् पु किं (जिल पूर्वि रिक) निक) (अर्था) यस्त्रमार्ग (अक्ष्य लाक्ष्रांत) क्ष्रविक्षाना. लामार् आक्नारको जामा (अध्य कि जाखरामार यिमाछ पमारं ३) सरं (हिस कर्ष्ट्य)

26 (अरा !) रेप (वर्ष नुसायत) त्यर तापादिक (एर व र्राप्ति अवि) (कि (कास्मे) लर्डसम-केषि: प लास (ट्याप लाइक्षेपरे या सम्बाद 8252 41 556)11 जिन (य मक्तः) मार्ट (मार्ट [क्रिये]) अनं क्यामाने यह-में संग्रम मेरेल-स्राचक्ष व्यंत्राक्त्र्नाव्र (अवस त्वत्मामामामी मेंबता लायम द्यान व लक्षित्व बिहिय श्रीभाष्यक्षेत्र), निर्माण् (विद्यक्ष) व्यापार् बाहर (स. भा, बाह) येक्टाम (लाल कार्यात देक्य कर्न) वसा (वासा दर्दा) मक्तवीलात्वम (न भाष लये गंग-प्रकारत) क्युर्मायपर्च व (क्युर्मायपनंत्र) प्रकार (may wa 23) 2 26 (CACE) 02 04 (caring) क्रियाच्या (दिक्य त्याच्याम) क्रिया व-सिम्मर् (क्षिमावम्मम) काक) (व क्यु व डिगं टिन)॥ ७२। [ज्राम] मन (भर्यना) छर्मम छाङ्मानिश् (छर्ममा वा बालंशामित्वत) अपर क्रिय (डाम कर्षिण) प्रमार्थ र प्र केंग्र (कार से कार प्र के मा डेर्न मा आत्रमा (त्वामा निका) लयं नार्मे व्यक्त (लकात्व) विवाद म दि केंब्य (प्रिमे म उद्गा)

ENTER (ANTE) WAS H CATTOR (CATTOR NEWS) लाक्ष्मे स्थाद् वर (लाक्ष मंग्राक । सुक्षेत्रं भागं भवरावं कार्क्स), ते हिक्कत) प्रश्नितः (प्रक्रत विश्वतम् म वीककीय अस्ता) कर्रि-हिंद (कलायत) ध्रिकक्षित्र मंत्र (यिधियं छप्) लाभ्यासम्पर्ध (त्राव पा क्रिका) मन्ति हिम्ब श्वः अर्थात् (अवर् हिता गाविकर भागी अर्बसार्थि) अर्थनं (अविकार) मसर (स्मास क्षिमा) बेप्सवत्य (बेप्सवत्य) त्यवस्य (टमबाव्ड 23)॥ ल विश्वेष्ठ भारतार्मिक - विश्व सम्यन सामाका साल-आदिक त्यातिः (अवस्ति में विक्रम व्यस्त्रम MARICODA MAGAMENTE MAIR COMPAGA ORE) RES लाम अप्रवंशवरा की विश्विभ महा (अर्था विभ मिन्ने में मत्ते सहाममें मार ही अस्ति) मिर्यन-मक्तामार्चनी १६ हैं की प (एक) रेक्य स्पर्मित्रा में कत्य का का के का का कं कारण) मारिस के मार्ची (की-बलाबर हाडा) काळे दुः आक्र भीट (काळ्यां त्म दीका क्षत्र कार्य गर्द्य), जा व्यक्ष्य म ([alt] ami alx sà [746]) Cujaylu

(त्लेन अ मीन) कार्या की (कार्या किएम) हम ह (डलम कर)॥ [ग्रामा] कमा काल (कश्रम) क्रिय म मठड (म्यायवं लाकां श्वंयपा '[क्सा]) के ठाक्ठे लास (म्याय के उद्गात) य १ मामवर (मार्वहर र्ममा) , अदा मब टालेयम् (प्राम् मिन) मब टालेयम-नाती [नवर्])भग (भगते) भवव सिक सभर (कल संवट्स निम्म कार्य गाट्स , [माराका]) लाम में आहितः (लामान्त्र) अत्रः (अने ना विश्वाना) यत् खिला ही यी स्पानक (स्पर्य त्यं अवाकाका पाट कर्विभाट्य विदेशमा) दिवंश श्रवितीयक्क (अवर उ सक्कार्य मार्ग मी किमानी) विक्रम (विश्रम्मा) कृत्वावत (कृत्यावत) आहे (तिक)कार अकर केरे गार्ट्स)।। वत्र श्रीभित (श्रीवृक्षा वत्र) ध्रित व्या भी भीने (कम्मिव्याम अवस्त्रीया) न अन्तरमार्वेवी सीमिन (स्मान्यवार्य अवकाका) ग्रायं कान्य-क्षत्र पूर्ण - प्रक्र अवात्रीधारी (क्षेरात्राम् अ प्रयाम किटमान मान साहि व टिम्मरम् श्रीमा)

081

राक्ष है छ - सम्बं बिलास किरा म अ विम्ळी सम्दिन द्वसमारामम्बर्ग मिष्टि लाक्ष (त्या व नर्जित्) हरमं श्रिमारी (विश्वर मूल्लिव श्राठ) धरः अमु (लासानं हिंड सिनिसे रहेक)।। लारा (लारा ।) वादासम्बद्धमानामम्मा-यत्त्र कास (मारा भाग्रा किया यामकस कल्ल्याकाल अव्भव्यात्वं उक्तात कामुनं) अस साम्याई के वितास रिमाया लाजन वैकं कान-समीयं कालरंबन्यां) वित्रासमिते (galzzzentes) mão nomenso (nisia विकिस की जिसाब देव (आसे रहे रहेगार), सर्-मानिक धासप्रेडिक (तिर्धि ल्यान्य अपन्ते वं अपूर्वं) दिला त्या सामा नी पर (भिर्म अविकासनि प्रकार के मार के क्रोल पे रहत *(47 [342]) (Musicas Const) (100 (तित्र अवस्त्र अव्यापन अव्यापन अव्यापन) त्यमवंत्रक लास्त्रं (नक्त्रम त्यमवंत्रव

मुकाबतर (अस्काबत) कामार्ड (व मा छल विवाक कार्व (छ (१) ॥ लाया (लाया) मच वत्र (माया वार्षा) लाभूय-691 भार्षावंप्रका लाज (लाश्यर्शक विम्नेत्र ध्यंत्र अप्तिमा) ता के व (उधा का ता) ल दें भवा (अंग हा ह रड़े गार कामूड त्यम्पर मर्वावर अपार्श्य मिला काल विवास प्राप्त), मक (तम्मात्र) हिस्तमका क्रिक्ट (हिरामका मंग) (भण् प्रदेश के (भ्रम्भ ति व र 3) म लाडि (मिक्निक ध्रेमारि [नवर मारा]) धार्वेत्रमात्ं: (अवतत्त्रेवं) केकात्रमवंमाता-प्रवाबिद्धाः (कृष्णा प्रमाव भागार्थ भवाबिक-(वत्व बान्तिवां) में कर (वार् वर्ष वार्मा (हन) चीव्यावननाम (चीव्यावननामक) जिल्देर् (जारूम नरे) शाम (शाम रे) मर्खाला ने (मार्यामाने)वर्षात्र (विनामभाम नार्यमाहन)।। प्रकल् (वरे निर्मात) हिमहिए दिए (हिए उ लाहर एक असक) मर लामा (माराव मी. स. यां) विद्याति (असम्म नार् (वर्ट) ।

यम् छारू छ त्यामान - प्रश्व त्रिक का न (व : (यारा न लक्टि किस्यस्यनं लाय्कानं सराव्याभुक्षेत् विष्यः अरवत (विल्वास्तवं क्लिस्टम् मिनंड (श्रिमाट्य प्रस्] म्याट्सिनंक रंग) प्रकर (प्रकत अदार्थ) यव्यक्ष धार् (मात्राव अखारमारम) अवरमाम (अवामानी 2 i [246]) on y 26 (12 on 3 mis) पत्मार्थी ति ख्वालियोगे (पात्राव विकित मार्थित्रकारिक) लाप्रधान आपनं (काप्रधान पात कार्नाई सर्वेष्टित मेर्नाम इंद्राहरे वर (त्यू) र्यायपर (स्तिमायप्यं) रेतः (बन्ता कार्व) ॥ [ग्राया वा] आकर्ण म क आक्र जिल अ द क स म-क्षानंग (लयर लाक्न मार्ड मर्देश काकार्बsaid out alma El in [Jas]) munent-मीताक्षर्रिये देव: (विकिन मीनाधार्म् वीवाकी. बावा) प्रसाप्ताविण-तिम प्रम्याखाय निर्देश-(अर्थ (श्रीम त्रालाखन स्पादा विकास उ न्नाखिक करवंत्र " [चत्रंत्र में]) त्याद्रक्षात्र

(mas aleray) 12 a) & (12 a) 12 Course -लाक् मह वाप्य कांग्र (अवसम्बद्ध क कण्य पुष्प-मिनंड (किल्यांने में प्रम (ट्रास्ट्र) xxxxxx) mun a mus wing (mung लयते काम विवास सम्म) अप (त्ये) बेल्यानी (Egladus) (m (on miles) might on se (and a the way) !! उसवत्राम्माय अवाक्षत् (उसकातत्र अम्मकात्र्र) वामा किसा पि लयम् (वाम तिस स से हि लयम्-अस्र) लाद कार (भाव्जाम कार्यत) १ шт (धन हन) एक्सार (एर अङ् छ) अकलर् दिवर (त्रिक सम्भाष्य) विभाषत (विभाषत मिरारेख) वर्तालय: (यमालाक (काविक) (म्यावटमंद (ल्याककाव कवार्य) , लाम (धनतुन) ७९ निभार्य (छम् निमाय निश्वीड दुर्न आरम संत्र) सर्वे से सर : (सर्व (त्राव् :) प्रमान्य (गर्मन कवित्व [ववर]) धारा वर्ते जाम (दुमने युद्धिकाम) लाहिक वृत्तावत्र ह (विकित वृत्तावत्र श्राप्त) धारिष्ट्र छ

(ल्यानुक्षानं कार्नुता)लक (लयमनं) (स (mumas) (ey à your (rey à a your) प्रामाख्य (मामवत्या) द्रममं (द्रममं मात काव्य)॥ oung ouch ([ouma] 18a) 5125, is: (दाळ्नामान्य भारत) बुल्टिस (लें के के) विस्ति (विक्रतं भर्तिवं काष्ट्) निवं के आर् (धवारि) भागि (भावित इत्रेडि) थां का: ल्या लाल द्यार: (अवय लाल्यां सामाम अ दुमा उर्द्रांग) है लाल (क्सआते) रूसमा सक्षरं लान (मैं सिमं प्रमाय 3) म लास्माव (भात कार्किकिया) मात्रमें (क्ष्रमाम) सक्ताम विन वहरम् (छक् वर्त नाम ममूर उ प्रिम्मार्थिय बात्का) आम्हर्य वार्षिर्य ाठि (आकर्षकाल बार्बन वा धवन प्र कार्छ्ट) मक् अडि: (अक्रवाके [oma]) कमा नू (करवरे का) नृकारिकी (वृक्तियाक) अने १ 6 ख्रिमास (का कर करण कविष १)।।

मा (माराज) लाए स्वामाक्ट्रिं (लाए सन् ३ लाक्सरेंग्य) (मानंज्य : ((मानंज्ये) रें: (म): (मैं: अधाक्तियां) क्रेयर (प्रमेहलाइ) मात्र वृष्ट् (आक्र स वारिगाटि), यः (यादा) था हा अ विमन्त्र : (अनि भी भ्र विमाभ भी न [नवरं]) मन (मायारक) मिद्र में कथा: लास-(विकारकाणी निक्वमपु) त्यात्राप्त : (जकार जामक ब्रिगाह) म मार्थ: ([मात्राव] यावसम्बद्धावा) व्यविवन् (निवंडवं) विभ्यापि मन् (विको भूय अङ्चि ने मन) अस्ति (अपवेक उत्ते देश) में तः (अव्यात्र) मिका छ (ए भा यादेखार) वृक्तारे । (व र्यावय ।) के विवार (क्यांने के विवार) लार्म तलाम सत्राम्य (क्षेत्र वीत लाम)-यक्ष्यं (दामविषाः अभाउ जामकाहिङ) सार् (स्मान्त का करक) गाडि (बे सर करें)।। गिर्द (गिर्द) भारू म : जर : (भारू म का के) 801 र्मायप्र) (र्मायप्तं मिट) (सम्म (ध्यम् बामायक) मर्ब केमात् ज्ञानि (मर्म प्रकार

क्रिक्स आविकास करतं) गरि व (मारि) म् निर्दाक्त त्योगः (मृत्य रेक्नियम) दमवछ: (दमबर् विश्वतम्) अभवासान् नव (ल्लांस् अमीयवंत्र) यिम्पाट (मान्ह कातं [240]) भर्म (भर्म) एवन (१४ने (२०) मामाय्नी: (र्जायम सारमं विमे) मार (हे आर्मे ह उत्) व दिव व वार (वित क्षत्रात्र, उद्रक् े [अवस्]) र क्रमें दिसामीस (म्य काक मनमा क्षेत्र अया आका अव्यात) की अप ब्यावन (की ब्यावन) भन कवा (СА त्था अवस्थात्रे) मुश्केलता (स्रीत FORTH) ENG (OLEMER) & ONE OA किम (वक्रा कार्ययमा कि १)॥ (काहिए (कात्र कार) धार्मित्र (मिन्हन) निका: (निक्न) छम् क्याडे (डबर करवंत्र) । कि हत (क्यू क्यू) क्रात्र तमादि (क्षात्र क (याम अव्चित अम्बोत कार्य), लाप (तक्ष्य क्रिय) क्यान (मामार्ट क्लिक लाम्बर क्षिटिट रेलाबाव]) (काष्ट्र

(लाअनं प्णिकअमेर) (प्रवा: (अव्या) स्थ-मेव-बानिणाता में (भी, भून अ निलापिए) NOIZ (MAXX 27, "[dis]) MXS (जारि) नी का ची कृष्ण नि शासप-प्रयुक्त करा-उम्मेरामायके त्ये चित्राया करक्त क्सर हेजाय विविवास भूमांडिं हेउस क उने वं) न सा दिय त्या मा (ये व य लाय-ग्रामात्रक) मृत्यावालम् (कृत्यावत) लास्य अम् (बाम कार्ना) किंते कः (जारून का कि अरमें के सिक् मिलने म्यांस) न कात्न (ध्यमल गरि)॥ मिट्रिक्षेत्र (अन्वतांत्र कार्यक) कार्यसम्मन् (लमाट न्यायसमा) ' क्रियान क्यातः (क्याय ३ मिहिन क्याह:) लाह (विवास सात्र वेष्ट्रेगंदर) क्ष्य (वाप्राचं) तका यः (त्यात् प्रतिक कारमाम) अनुमानि द्व (अन्मम् का) नाकः लगावः (क्रिमम्मा कार्याह:) लात्राह (एरीका-सात) वस्त व्यक्त ला : (व्याव व व्या दित्र) तिम् ते त्रिक (अवस्त्रिक) (अ। १९: १०। ह

(क्यातः सकान वार्यकत्त्र) मान (द्रावर स्ति) नेपान्ने (जीन्यायत लामाकि) जामन (त्मे बीब्यायत) व्यामनी (व्याय ourisain) cupay (cupa a yeary) थिटिया (खिल्यां में मध्यं) तथ (Mal क्यं) 11 लड् (लाह्र) मुल्यातमाह्न मुन्त (मिन्सीमं लाक्षेत्र मामाहित प्रस्त मिहान व) समाक (कि।किमान) म दि क्षान: (विसर् मा दर्भ गा) लामायी। त्रेयः (लाममासी लाज्यमं) एउ (मड भाट र्राय) लकाक अवं : (काठवं बाका देकावं प मा क्षिमा) भारत लक्षामान (अवव कर अवका कावता) अव् (निकारक) लिस्त । भेंबंद सका (मिक्टिस्लिन लिस कार करिया) नमा (अर्था) आर्थ प्रमामा (मण्य (पारक्षं) लाय अया मु (लाये यह मान्या श्रांता) रेप्डांड (लाक सुरवामंत. गाम) र्याड (मैं(वं) । भेव: (लव म्याम सम्म) अभ्यामक श्रम: (नियाम केके विवे भागे श्रम-डात) भूअभार (भनानसम्बन्ध) नृद्धावत (स्मिन्यायात्र) स्थामात्र (ग्रम कार्य)।।

[लास] लाय (तर् भ्राप्त) टमामार् लायतर (लावंत्र विभएक) अध्यत् रेस (अध्यति व भाग) मत्राक्ष ((अवकारक) समामवर (अमार्यक् गाम) निकार (निका माप्त) प्रश्यक यत (सिविष्णात) विर्वे (भक्तमप्रक) मशीन देव (विच बर्शन भाग) देः खं (रावित्रेरिक) राज्या क्टिविवर (अनंस का अमिनं vir [796]) MENAUL (MENANTICA) माम्यकारं द्र (अवस एन्नावं भाग) स्था भेरें (शरात विशव कार्ने में) सर्मे प्ट-भी बाह्य में वे भी ह का विस्ति (भी के का कि के अरम अभाविष्यंक अव्यपूर्व व्यापक) वृत्तावत (बीवृत्तावत) म्नान कामी (कायमात्र कार्य)। संसा ([लासान] सक्षक) अठ०० (अन्ता) अर्मावप्रवस्ताम (अर्मावत्त्रं मिनावत्त्रं वर्ग) प्रकारवः लग्न (नकार लाग्रम्क व्हें के) न विश्वा (विश्वा) प्रवण्ड (भर्मका) वर सर् कापार कार्य (वरी मं प्रदेश मंग्निस

उक्र भीर्टरम) विश्वमणा (विश्वमणाय) डिल्ड् (शक्त कक्क) रहित्र (क्ष्म म्मान) जनक्र -भार्यामिति (उत्ते म नवीम क्रिक् मध्यम आव्साव्य) मात्म ह (असम्म) वन त्याद्व (व्याक् आं वेसम) " टकाट्य (क्ष्रवेर) क्षार्थ करिय (क्ष्मीं क्षार्थि क्षेत्र) में दिल्ली. (यग्रमेशय) में य (१ अअतं मेश्य [नवड]) सर: (हिंड) निक्) (अर्थना) भू तो (जात्रायरे या बंद का लाउं) हार (थिंव व केल)।। यसस्ये हमारे हें (मात्र ममस त्मारा भोषान्ते द्रमाटिक लामेक) असमस्यमामिक (अस्वरूक अम्रामक क्षानिक्ष (रहे कारे के) महिराता-मक्ताल्यमा दू उर् (हिमा मिनिम देळ्यम 1 में अ समारित ला लारे क) माम ब्राया है तर् (ल्लाम वस्त्रीम वस्त्रामा लाउँ व) मक्य-व के त्र हु जुर् (मिन्न व के प्रापंक व मुन व्यक्तिमात्र माड: व्यक्ष), प्रक्र क्रियामाद्वर (चीकाक प्राथम मामभमर्थन मास करे [745]) ON MANTOS (NA DANA ONE A

desily is on mis) " ad rad (as Nor 25) वृष्णवनः (अविष्णवन शामातः) वामन जन (स्त्रीक्षित्रकारकं (अवा कवं)॥ [मारा] अप्रामार्वेशुक्षकंग (मर्वे व जिस-001 त्रवाहिता) कामल मेठता (मस्या व हावा) में में वर् (में टामाहित ड्युमाह्य) मर्म-मूमहाल्या-नत्रि-मूल्यत्री प्रम् (ट्राप्टात वक्षवाकाष्ट्र लकार्यास्व में भसनं प्रारमी. मान्ति हतायक रद्रावट), क्लाक-अक्र-न्या के का - विक- य में वका प्रकेट (गारा क्लाट किक व्याची रक्षाक्रम व सर्गवं अपने खाना लयके व उरुत्रे) लिस ल स व स के कर (लिसप-नीन वसवस्तिव सक्त भूभविष ((अर्)) व्यायम् वाम (अहमायम वाम) कराडि (आंग द्रेडकम् । यहातं कार्डिट्र)॥ वन सम्मान्त्र (१०स भवार समावार) महिद्र : इव (स्म विवृष्टिकार) विस्मार् लानेमारमः वेच चित्र (काममंत्रे लानेमाछ-यरम) भर्माकार्य अम्मितः (भर्माकार्यन्)

अवंश- अवंशायम त्रीमाप् : (काल्यां कायममाय-विसर), नवनवान्धर्यकूम्माद्याला (जिन)-मि मुख्य विकिय प्रकामि अध्का) ना और न (वक्तां कि है। वा क्षेत्र के वार्म) में लग-व्यायम् (शालवं स क्षेत्र वार्या आवं (क्राप्त कवं)॥ र्मावपार प्यरं (चार्मायपत्रं ललास्तं) हिन् मन धरामा प्रयः (धन लागा विधी भ क्रिम्मक्त) अप्रम हिन्दिक (भावन वर्णाम-असार्याम्ये) अमर (अर्थमा) (इवः (इव्हर्ष) रकारवानम् (रकावानम्) वसमात (ज्यात्रमात्र कवाद्रेखिट्ट) , जव (कामाव) स्वर लाव (अस्तर) अर्थनं (नर्मात. कुश्यसत) व (हर (मार) पड़ (अरेस असंतिक) म हि लाह (अपि म उस लिक)) यर छक्ते मार क्या (यर छक् व से म इद्राञ द्रिय नेवर श्रवंग.) अस (स्थ्त) १९६ मंग (ह्यात कार्ड कार्ड) लायं माउं (एडाय-भारवार्ष) वेर (र्मायान) व्यायम

(जिस्तात करं '[श्रा देश्य]) लाल्यर सा (ल्या अव के इस (आग रेटम) आदिशास (अम्बद्ध भया द्वेरच)।। मिंब हिल्लि (भारत अप्रात्में कालाक) व डांच्यान-में एड (स्पर्य ची के कि कि सम्प्रति वर्ष मार्थिय) विस्त्र अवंश्वर में में पर (मार्स विकेश अवंश्वर सिवं MY MEN STING) MENIN (Mir to prance;) हम्प्रक: (हबंदाय) टाठर (सक्यान्त व विवरं) बर पर्म सार्व में- मूसम- सराबन १ (धर्मनी अर्देग 3 मस्यान लामका वर्गा श्वेष क (वर (व्यक्ता)) रेष्टं (वर) र्यायंत्रं (क्यी र्याव प्रत्य) विक्रमणाः उपस्थाः (जिल्लाक अवस मिया) ह्याः (हर्य मैक सर्) mile (ound with) 11 यान्यायन्थार्डियात्। (क्यारं लायम् प्रक्रें सत्। हात्य) वंससनं (अवस सत्पर्धत) नक्दं (नक्दि) किसान हिमानिही अर (हिमार क्री शिय) नमि (खिंशकर्त्य) " वरड: (वाप्रावंत्र, कलो दित) भक्षावकार्व (व्यक्षितकामकारक) विद्या-हान (प्राष्ट्र वाचं काखावं असंस) र आवं १ ं

(अव्यावन) भूवि (अको वर्ष्ट्रगार्टन), सक्त (प्रभाग : [व्राम]) नका दे देवा (नका दे लयं डाअभडकार्व) वस च व (व्राधाव द स्त्रा) विका (बाम कवं), तम क का का वि वर्ड काम विश्वरमंत्रे) टमप्ट्र म क्याः (विश्वाद व्यवनाम कार्ड त्या विताद्व]) (वसाद्वामार् मर्बं (दुनामुस्र मर्धिवं मेर्वेषक् [नवड]) डार्ड्समामकोर लास (क्रिकेस्माप्ते व रेप्ट) किलाल (काम लक्स बस बे) क्य परो ं (We - 3 24 Lug - 24 in me e) 11 िस्मारंग] लकि क्य- अपंचय सुन्ति (दिया -द्रमार्थ कारामुक्षेस्त वाठा व्यामक्रिक) क्टि अवस्थामकात्रियां (अवस्थिति -न्मानिती ऋषे हिंछा मनी मने कर्ष) ब्रामि गे रें (एर सर्का हिमे हे) स्पर्धां सं है हार्टि (अभा दानं उ व अरादितक) अभ: डेक्सपर (वक्ष्यं अवस्य सम्हातं) त्यारे वारे (बान्ध्रान विश्वित करिया) भ्रः (अन्ध्रम्) टाः रामन्दि (मभा अपन् राम्म मक्टाद

क्विल्टिन, [ज्राध]) ब्लाव्ये (ब्लावत) वाठकपामाभाष्मे (वाठकपामं मिथिन) (का. (अ) किलाखे (किलाइ मुगत्म व) मान (क्षात कव)।। [(४ अ(अ । वे) ते विषय सार्वमात्र न जमातावाय-राख्यार (देश भीर लाभीय बैसा देना थ हाना विद्विष्ण), बरड़ मृ: आमृगार्श्व (बराड्ड, रै: म ३ शिक्ष्य है ज्या है (खिन्मरी) कर्षि (करिटक) अस्त (म्लक्स अर्थम) लामा का का विश्वान (लाम विश्वान मार्ग) same more en la la la la la la man man-132 W. WILLERY) MINNINGS (MINN-मिक्रम्बन), देठमामानिकाम (विमानायक) त्रिष्ठ मं १ (अहक्त), तिवाक्त १ (तिर्दिकाष) प्रकेशिक्षायकर्षात् (लक्षाय व वर्षात्रम्प्रमंत्रेतं (म्यामक) अवं उम्म गृति (अवंश चम्ममंद्रामं) यव विष : (अवसक) अवंद अपर (अवंस अर [यम्य में न्या) व्यवः (वसान्) ११ प्रीम-यरायस्यानास् (अवस व्याख्यानीम खमाद

@ U p

लामनाम्याम् अस्त) " अवंश्वास्त्र (त्यान्याह्य) (क्रम्बर (क्रावित) विषि में (क्राय क खिर्म)।।
कार्वित (क्रावित) विषि में (क्राय क खिरम)।। यरा मीडिकी म्बतं (ल्या मेर्निके) विकास्त्र न 501 वसदं (अवंत अमेळवय) मधालादाः प्राथाएडः (अमे हुँ (माकादिशाना) भार्ये (विद्वार्थ) मयर सर करिंवर (क्या हिए मं म संस विवाम भारत)॥ उद्भारत (जमार्वर) ७०: पाम (जम्लामा) 471 कार्यासम्बद्ध (अवस कास्त्रम्) महास्वर्षित्रक । मूर्तिर्मत), भागावाय विविधिष्ट् (अम् अभाय) कास्केरें क्यातिः (केंक्यमें भी. क्यात्रिके)लयमव (कात कव)॥ िवासा न सामा में के (अवस देक्यम) महारमा ? 021 (overwar) " ELLENELS (over the -भूका कर), अमुक् (आठाविकि), प्रशासमार्षि -टम्प्रिं (अन्त क्रिससमं काक्रमें वर्त) यग्रमल्य (आर्मवर् (म्यावर्] अवंश व्यमल्-वटमक देवसवसम्भा)॥

oo: (ज्यान्व) मृज्यत्व (प्राक्त प्रकात्त्) भवा-601 कर्णाक कार्यक (भर्मित लाकर्णन अने कार्यायम्स) अर्था क्वा नगार्छ - मू माराक्का नए (अर्था विश्व हे क्वा न भवा ने लिएकात अनेस दुक्यम [नवर]) सत्तितितात्र सर् (सर्कावं दुवस वसाम् त्रावसात त्रके करा) (क्रमार्ड: [विद्या मध्या])।। [िदेश] प्रश्रेष प्रमा भी भारतः (अवस विकाश्रेव अयोष्यक्ष) व्यायम-अयोष्ट् : (अयंत्र क्षायास्त अवस भीम [नवड]) र्कात्रमं अस्त्राई (किक कि समस्य वस सम्माश्वरं) ध्वमः अवस्यातनः (अंबस दुर्वश्रद्धिं द्वास ग्रास्था अंबत)।। यत (९३ कार्या :) काराम वस सार्व कर सार्थ-निका विवानिकः (डिक्यम न प्रकारी क प्रमा निरम (यमस्यवंत अस्तक् म्या) र सठा क्रिक कासवीय-वाश्वाक्षाक्षेत्राहर ([नवर] अवस विकाश सर्था-कासवीकाणक व्यक्त अवस्थि) व्यव (व्यवस्थ)।। ७७। जरहः (इंग्यान लाहास्त) वर् सम् (व्राध्नेत्र मामक्षेत) व्याप्तिमास्या ६ (आर् में म्यू भर्षे प्रके अनंस सा सा विष्टे])

म्प्रमण दलवका (अस्मिन लाम त्यं दलवकात-आसी-) क्यीसर-ब्लायत् वत् (क्यी ब्लायत मामक वत) जानि (विवानभात)॥ भूर्राडिश्र मर्ब् अकामण् (डेया कार्य मर्बन-691 व्यामान्) म्म्यां मर (व्यक्ति वर्ष इससरं [नवडं]) सब्दिम् ह्यस मिन् - मन-राय-संमातिकर (स्वाक्त टमातामा रसीय वक्ष पका वस त अभिभाष्य हारा अखिर्म)।। ७७। [देश] क्रम्पत्रमं बंगाकादः (क्रियमम्बंसमरं) माली-केल क्लामाद्राः (अरकातवं केत व व्हाम्-सर्वि [नवरं]) हिंद्रास्पुष्ठांतः (हिक्स्पुस्सं) पिटेका: (पिका) कामिटेमार्टम: (क्रीडा मर्व गिन-श्वा) म्रमकुळ् (म्रालिक)॥ क्रायम् भन मृति छि: (अमाद क्रायम सामिन क्रिक्रम् के ल निम्म कर्ष कर् (न्यारेश रध्यमा यी क्ष्म दम् वादा अविर्धि िडेक की क्यारिय रे प्रते : त्याप यमकृता: (की छात्र हाड विक्रेमरोप) क्वरका मायरमाय-सवर (त्यामपूर्य देवमबार मेरी साल 田利可有女女人)11

दिश काक्षति हिम् सूस्ती डि: (हिक ब्यावत) 501 पिक भूर्य उ हिमा न प्रमानि वाना मूलाठेड (अज्ञ मर्गेर समे) काक्रामंड प्र(a) ररोठ में श्र-अमु ते : ([नवर] मिछ) विकामिष प्रथ्था अमूर-आयी) क्या विषेट्रं: (क्या विष्यं) सवा स्टिंश: (उक्त अवावितं सम्प्रायल) व्यक्ति स्वरं (ल्यान अमेल्यम)। लायमम्बर्धात् : (ज्ञमाटं लायममनं विष्यस्थात्) 901 क्रा म्हल कर की कार कार मा की र्क्षारम्ब यावा लाख्नित् [इक्टर्यातत्र]) विकः टमम १ ममकूरेनः (की इंग्संड विक्रं मर्न) कृष दलामायतार्मवर् (त्रामायम हेर्भव विश्वातं करवं छट्ट)॥ रेण: ००: (ठेक नृत्याय (त व प्रवेच) समा आर्थी-971 य्रम् मर्बं सक्ष्ठं (सक्षेत्र उत्रेष्रिं यर् सक्षानं [3120 रर्फाट वर्]) वाडिलम्ब-मूट्याक्षीव्याल-प्रवंशक (अर्छ क मूक्त ७ मन्य ररेट अयम काराम मर्च अन्ति इरे (छट्ट)॥

अविमिल् ([डेक क्लावन] माना पिटक) ट्यायमभाद्धः (विद्वालिभीता) भवाभवरेताः (मेल्य दंगी नाम हार्ग) मेळ (प्रमण्ड र्म्म) वस यूट्यः रेच (भूक्षे हु व व सम्मा) मयमकरेप: (कार्काचिक) क्रूक्ट्रेक् : (क्रू-काविश्वाका) अमुठ् (अमुठकाल विवाद かっての(2月)11 म्मीन (इत्यानं स्मक्समर्घ) मैममः 901 स अ. सर्वे के व वर देवर (सरस अ. सर्वे अपप प्यक्ष ठ्यं में में करतं [नवर]) वं माय-मुकू (आमा दिनाकि तादिनी उभक्र पट् (अम-मक्तिव भागात त्काक्तमत हमाउ र्रेग लक्रमग्रदं भाग कर्द)॥ १३+ अभू म दिशकश्माय - क श्रात्र प्रमाणि छि: (अभू प्रिक्शान् कम्म ७ डेल्म्यापि द्वारा CMURO) र्रम-भाष्य-हकाख-काव्य-क्याक्ताः (इर्म् अव्म हक्ताक उक्षा ग्रमक व्यम्ब व्यक्त्र प्रमारम् (राधारम्य वर्ष) व मूचण-मग्रामा मृठा मु डि: (अि तिर्धित

अवसर्गर्म्यासरं द्रायां मार्थ वात्रे वीत्) सपुरमाय- ट्यालिड : (सपुरान टमानामामा) चिक्न मुम्बक्षकरि: (अम्बारम मुम्मिन हार्ग जारका) मिर्था: (मिरा) प्राविष्य (याहि: (मनी अ मत्यमं [विवर]) मर्ममण्यम भीम्य-श्रमंग (अवंश लायसमां ल्रमें वर्गावार्या म्बर् में से संग्रिक - सिंग) अरमार अमारी में (अर् ७ वं वेस में विविध पिया अम उ देन्स्य-काविधारा भूत्रम्था), दिवालिक् लमभाष-ए व क्षायम् ट्राम्यामा (क्षाय व क्षाय व व सरं साप्तं राष्ट्रंत स्थाप्तानं व्याप्ताप्तं कप्रीतापनं लामल तामंद्रका) रिकाटकामन-क र्वं - वंगाला-क्ष्य अस्ति है। (सिका में त्रिकास क वी व अवास-भगम देखाम शाम्या भूते) वाले : (भूतिर्मन) सटिकामाने ग्रम्हः (अवसमादिक्षरांक) अभिते: (अभित्रभर्यभावा) बराना (वस्तीया) कालिकार ह (यम् तर निष्यं चर्]) ज्य (जमार्का) व्यक्त ट्रार्टिश-

(one enuised) selled onesent (cons यक ल्याल्य साल ती) के के बार्त (के के बार्त । [Come or ara co (2) 11 लाकार विकारियो। (देरा लाह लारे विष्येका. में अ किया] कामतं रे लाव पा कर्या (कार्रिय-र रायं कु कराया अभित्या) मत्या (दु के र के क बारी किए) अर्थ (अक्स अनार्थते) ब्रम्मादिक. भीमकर (वक्षात अवस्व दार्व देखी अक), (था अर्थ व क्य [2 वर्]) का स वी ल वि ना प्राच्य- प्रव-यान में भाक्ष कर (शामितान विभागा के प्रायात मार्गिक म मेरियर लाक्ष्यांका) मा (द्रक केची बाद्र कि) यव्यम् म्यानी (प्रव्याम म्या मार्गिकामा उ अवस भूलवं) अक्नामहर्य टेक्टलावं वर्षः क्री विन्त-त्यात्रतमे (भाषाबिक धामहर्थ केलाएं लाडा-द्वादा प्रकटमन (अग्रामक), अव्याविममकम्म. ब स्थानमाप निव्हत्ये (निव्ह्रम् धार्विक क कलर्वत्वत्यव देनापतायुक) , प्रशापिकाञ्च-सिका टमानं स्थात्म वर्षात्र (लाक एक में में में ट्या के क्यालयू ट्यंड हार्ग) " न द्र्या हार हार -

क्षा करिया व अ- दिन हरणे (कार्ड करणे डेक्टिक मानिस्य मी हि सामिश्वा मिला करम व आक्रामक) कारी के स्टार्क्स्त पिकालं का हिनी मा जिन हर्ण (अन्म टमार्न प्रिका व्याकारि काम कार्मन अछाड्य मिलिय विष्यव नम्कारी), अन्तर्भ-प्रायः प्रविश्व - पिकाणं यम प्राप्त (नाव दोनं अवस भव्य मा के भा का ना मिया का ना मा के मार्थ माना का के के) लाभरमास्य महामहर्य- त्मेलार्य वार्व दी-(कारतास् अवंस व्यक्षत् ट्रमुख्त् व्यक्षवं कावावं सर्मे) भ अवस्त्र वाक्रिस्त - यात्र के - टक्स-सरसद्धे (अन्भारयं वाड वकाड वात्री भ साल त्मभ्रमभारतं वृष्टिमा भी) मत्ममामामां वम-भू र्रभागा भित्राके तो (भवपा अस्त भर्म व्याक स्वय कल्ल्बरम्ब मीम्माक) विक्रारिक-बमा-द्रामाद-मर्भार्लेग्रम्मामी (वृष्ट्र व्यास्त्राम व्यवन ३ मूर्त्राम्ड मकारां वन भू सक (माडिए) , अका बिकिन-टमासमारणं-क्लिसिंड: (तिव्द व देलाध कल मीनामधूमधाना) (अमरको (क्रीडावड), अरमाम अम्बर्गनं-

मीजामार्मालीभामात्री (अवस्मादवंव कार्य कल्लामा के के विषय मित्रामं का मामका हिंड) मन्भा मार्थिक का का निष्य मार्थि (अवध लाम्बर् अभीव कतामं कल्ल्यं देनामवर्षक) कार्नाम् काटा वाटा वार् समाम नार्मन धरास्त्र, (लश्चिकिन लर्धासमं दिवस सरा-मानात) आ भू तो (तिमा), माराविदक-यारिवाक-ब्रम्ममानिकी वार्ती (अब्धाविपका उ लालामक हिंवा में नाम भा भा भारप्तं कीवतवक्ष [ववर्]) दिक्रमशी बद्धा प्रवत-सामिले (पिक अभीमार्थन क्षाया नामिक) न्त्रीनामिन्त्रकृत्को (नीयमिक्क) मिछ) १ (तिब्हन) विद्युष: (विद्याय कार्याट्स)॥ लम (लप्रदेव [ठीस]) सता (मर्या) समारा-हाक्दावठ: (लाठ्यमं हाक्यमं मार्व) अस्त्रीती-खाय-ब्राक्ति: (विश्वक धायाप्तीय अव्य-वरमव मूर्किमाने में भारत्यम वी (प्रम मेन्स्नी) मिया (जी नाका (क) ध्रम्मार्थाः (ध्रम्भर काम कान्टि)।।

[1013] अय्यमर् रेवयाद्यनंत्रे मन्नी-११६ (भिर्मा मनी या टाम अम्म की गर्म के भारत ने: (विस्तारि [विवर्]) अव्यक्ष्रभ्रमा मन्त्रवायग्य-यम्बी (द्राम सिक्स क्रम्में मन् स्यक्ष्रम्थे ।। [12] 一つシュ समय ध्यर्दि में ये कार्यें) ल्याक्त्र में क्षित्री (लाक्न ट्रिक्ट हार्म केर्य) सरमा का ?-रम्मल्याद्यः (स्यावत यभवाष्टिं कारी-बानिसावा) टम्प्रिती- भाव्नी- नक्शी- वक्शार्त-कालेंगी: वका: (comक्री नमर्थी असी 3 व जिल्र हिं व वाने मा नरे तक 3) धावा भू औ ; क क्ली (अंश कि करतंत्र) व स काकत-त्मियाको - (द्रायां काम्यान व के काक्ष्यन भाग (पांत्रम् [नवर लिन्]) माम्भामत-कारिहें (लाह सिक लाय कारियान भावने कार्ने एक हिंदे)।। मन्दिश्वनाक्यापि- श्रूटमोग्राक्षेत्रक्रमण्डिः 201 (व्यान रायन्त पान काम्यात्व कारि मनार

तिभित्र दिक्षा उत जाक स कार में है कर निक 23 (DE [130]) 16 4 16 (MOG ONEND) (१९८ लाहर एक जनका एक प्रमाणक कार्यमा) लाळीका प्रामुवं करात्रः (व्राप्तं मेलते व पाछि-श्राम सर्वा विश्वाम मा कर्मेखह)।। मरा त्यभवमार स्मिष-क्षु तिका हु जळावे: (व्यायं करिक था है बान्स स्था टक्स बंग-मभू प्यवं विवासमानी [ववर]) नीकृषाया-आरेकारि- निर्म टेक्ट्रक-बमकार्वः (छात्राव लाहिती मं समस्ती मित्रिक स्विक स्थ (कारि मानुमाना प्रित्य करवंत्र)।। अग्र अल्पाटिम दिए - प्रद्राधिक व्यक्ताव: (द्रायानं एकसवसत्तं विक्रातः प्रिकाशिका (मे क लाय व विटम अ कार्व (कार्ट्स) , our करी-त्व देवाला म् कार्य - मिका जाम कृति: (142 विश्वात evenin out to ounce aga galana. मेमान क्षाम कर्निट्र)।। नवतानी नीयुष प्रिक्र तमारि प्रवादिती (विति क्यारि क्यारि मबीम भागमें के ल लामें व

स्मिन अयार्य कार्या) जार लास (वाम अप) NITHER CHURTHUMBIND (MAN OUMER (अभार्षा आस्त्रें असत्य ब्राहिक संस्थ कर्ष्य)॥ धरा वार्ष ध्येष क्य- त्यार मार्जा क्यकारि: 291 (स्ट्रास्पर्म् साम्यास्य वर्गा स्टास्य प्रम-भागवं प्याता मन्त्र देवराम् उत्रावट विषठं ार्टिन]) मन्नी हस्त्रक-पासाहः (आर्नेका o P स्थक सामान (भाव ति सावा) काक भी के व-हिंग्राम: (वसवंग्रीक काक्न कार्याट्ट)।। 2001 िशिय] । चारंत्रमञ्चा द्विका च्या पुरक्षा चा ?-र्विनाक्षिण् (मस्कार्ये वाट्रिक्स निहान लाम्ब कार अर्द्ध लाका करते पामक) यूटम (भूम डारम) विकित्याक पूरेका : (विविध शिश्य लेका सर्वत्र माना) रे ठार (लाक स) यात्र में कार्स कार (मक्नाम साम ब्रम यार् मक), बरम दं वे के कामान के कार (लखलाएम हक्त्य बंदे छक्ट बाव माना लानए) व्यानीय ट्यामी नार्ष्व मी (मून निवस्वामा वर्षेड मक्क नाम्छ), भूनीनाग्छ प्राम्य क-प्रभीत-

यर्दे (बा क्ल प्रतं (लाक्ष्या का ने में भेषा न on किन्न , प्रमेन उ मम्स प्रमुख्यन) विन्त-वि (शाहती (विकास्ति), काक्ष्रिती महार (याममा विभादिक) मास्त्रमं बन्धाः (गमनं क्यानं या विश्वं) लक्षा ए विया में भी व् (अम्हार्खात नक्षित्र) अमेथा ईस (के कार भी ने गाम) वि ते न (हार्य प्रस्व (कार्य (कार्य कार्य (कार्य) ॥ ब्याश्चरप्रमात्रक-व्ये हलाननकाविः है लयत शालका-मर्मभण क्यम्भकावः (जिसे भूगर्मधा धामत भूर हम कामड [नक्] के सम्बाक्ष्र्यामी स्प्रमं अमारकार्यत्व भाग संभाषाता समाम कार्विटिय)।।

20>1

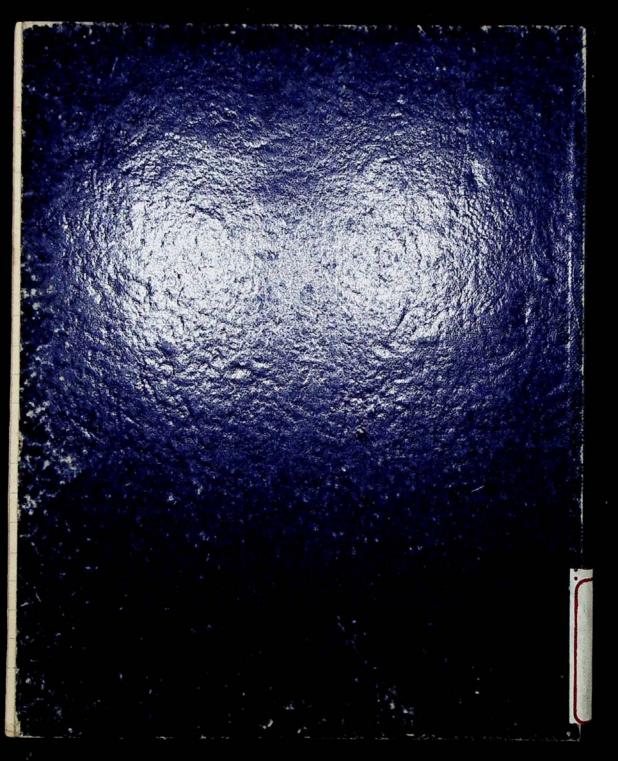
nate made suns 1

के म क मूळ करकाट सुर क टका स नि जा तरा (भूलांका 01 की वादाइ में समय अम्मिक सटमाने से मैं वर्ष-कर्तायं ट्याम मर्म [त्वर्]) अक्रियाद्ये मुकाल-अविण्यम्। हिन्हः (क्राडा स्थ एक विषेत्रां भ अरे ताहि में द्या के भाग दे क्ष्य)।। हरके। हसे से से प्राधित के प्राधित से सि है। 21 मर्गाम् विद्यार दिन दी कि काम कार्य प्रिक्रम स्यार द्यारं या के दिल्हिय [विकर]) टिम्प म्याव-हिंदूक- मामाविष्व विद्यादिती (ज्यान अवस भूमन हिम्कताल कालिसाम्बर क्किन् किन् Course oug 5052) 11 य बीट त्यां र लया- अच्छ बीर्ट्रामं क्रियं (द्रायं कार्य मिष्ठ प्रत्य माला मकारक भेत्र द्राम बंद उ हक्षत अयु ने अपू आ [विष्टु छिति]) का विताय-विति श्र का अका अक - ट्राल्य (का छ में भागा कल्लिं स्राक्त त्रामर् मन्द्र क्रिक्टर)॥ व्या सत्रामा भूरे मार्व प्राउत्तालक सा (क्षार्व मामिकार लमलात मार व में में में ने किए उठकात मुख्यकत (अम्बा भारेखर [140])

मन् प्रने कर कारे के कर में में मार्थ हिन्द्रा करें करें में अस्य बंदेशनं क्ष्राले के व्यू भी में खिबां काराय 主感礼(至)11 नवकाक्यक मुळीक ले निक्तारिक्टि। (जल काळान-यम अक्सप्रमें के व्यान के कुटिल अरक व के विकं दी। की विष्ठु िला ड करिया एट [वर् लिति]) असंसामकर राम्या निया मारा मारा मारा मारा विकार ल्याक्त् क ट्रमुख्य व सका प्रावप्र यमं) व व -सार्त्रिक संभ (मिल्सिम सर्वे से संस्थान) सरी क के कर (क के क में के) वी म बें ते के में में के (असि असे , म्लाम, विष्ठ ७ ७ म् ०), म्लाठ. मय बद्यान - ज्येन क्रोज्य मुलम ० (ब्रालम्स मरीन मुत्रभू मा यकं भ भूयन कार्निका भू भन तक) मूर: (मर्पा) हिलाकालम (बस्राक्रमधारा) धार्यां वे (MM रापिक कार्य कार्य [नवर]) वे प्र हें ते वथी-येवे एक में ये समयं का यु (यं से में में हैं से कम्ब ययने प्रिलक व येवसने कर्म दिने था श्रिके भराम् वानि छा कराना (जारे भूरमान सम्बद्ध) करकटला क्यीर (सत्परंस बाद मेंग्य) रहाया

c+

(क्रान्ते कान्त) , भाभिका दिसम् त्र वास्त्र वासिन्। अल्लाम्बीर् (जारान देमन दम्म म्रिक म्बर्मय भर्म ७ वसिस्माधावा विद्विण)॥ लाक का के में के या - से की तिया माराय का व (क्षा के व 21 राणांस यक्षाता कार्य में मं क कार्य में में भ) मयारमेलर्ममाना विल्वा माना विनेश ([वर] पत्र प्रवर्तिक अवंत त्राम्परम् वार्षे व्यावकः क्राभ लाकि श्री एटर)।। हिन के कि टिक् किंग- में की मार के के के कि कार 201 (व्ययां अर्जे प्रव हिर्म त के कि व क्या आतं यदमनं त्याक्ष माना क्ष्यं कराम अत्य ब्रास्ट इत्रेखाइ [नद्]) मूल्मक पत्नीका छ - म्रामिल्लाक -म (पा क्ष्य प्रत (व्राप्त के में ते हे क्ष्य है के-यत अर्थतं कत्या कार प्रत्या आपटा मार् राजरह)।। खरमे कि से सरा प्यादार (व्रायान खरमें में ते >>1 (माल कार् वस्तीय) विक बक्षाम्मानितीः (ED & BOLCHER & YNYXEM [746]) PAYLAU-टिम्प्य मर्टिस्पर्ट- १ डा १ डा ६ वा ६ वार वटम व (अनुलाम्माना क्षाक्ष विभागमा रम्)।।



hadun 64 Pages No. 4 SIMMOS BURNOLANIS The guidant Name (ME DENT TITOTE TELLES School Moras a Class _____ Sec___ Roll No___ Subject_

T.P.M. Co. Ltd.

Reg. Trade Mark

Sony or of Sugar न्त्र में भीका बज़ा में बतत विपरा अधिकारही व web work २२। मनीन लप विजाम मर्परमार्म - टमारिती (जिनि नी नामम्कार्य अप विमामकाया धरा (भार्म व्योक्कार उ यूका करवंत), काक्षीकताल-वानिष्ण ([ज्यान थिएटली क्लाइन मर्द्र) अपुर क्षेत्र कर कर विवार (िवर् अतम्भात नामा मनाम्यात स्त्रेश्व विद्यास कामिएटड)॥ २०। पिरामाप्त्रीमारा-नमप्त्रीमात्र्वा भन्न कन्न मूल्ला छत अपा भू निमम् र प्रता नम अमार्थेद्यां मेक काश्वितां में क्याल्क) भाष्यात -करेकार (जिपी मं अस वसमं असूत्र अग्रेका निर्मिष [नवर्]) हेक अस्पान ट्याल्या (क्रायं हक उ ब्दम्य म काल्यमीय)॥ 28। बंबेराणं भाग साथाहः (वंवेसनं लाणं द्यो मेक्सर्वर-वाया) विशाजिष-क कार्ये भी (व्याप र दिस धक्री मानि मू (माडिए दरे ग्रंट [यवर विति]) नत्त वत्त (अविभने) ब्रशल्लाका- विभूक्तिरे-कार्ये - विकारिती (कारि कारि अवस्तारित्त सामन जी किएक व में अ करते में में में में में में में में भार्-कानि खेपाका) वपावि सिर् (यदेसाल जिनि

अवस लाम्बर, लाम् व लामानं काम दिए एका नं प्रिक्त का विकास का निख्य)॥ २०। [जिनि] प्राम्हर्णनणं इम्म मं छ क्री ठ द कि छि: (अवस्विकिक कल्ल वस्त्र एवं के एको मानी) यदम्य में में मामार्कः (लाक्टम्ने साम्येस लाम्न अपिताना) अक्कामार्गात-सक्ष्य (क्या कि क सभी महिं वे (सपड सकार कर्ते)।। э७। अर (अरहन) द्रावत्त्रकर्मः (द्रावत्त्रक्ती वीनावान) मप्रमूप्रालिए (मप्रमून-(आहिं) ' ज्याचा बें थ (तो: (ज्या व्यक्त तेया (यं) लाक्ने (अने से डाम कराय) भूति (अपान्ति (अर्डि भून क्याहिं किलेक्ट्र) समीका मार्थिका: (भारापन हिंड अकाम आडिनिमिके न्दियाट , चर्यंत) स्नभीमें काद्री: (स्नभाभाष्यं लयरं भा में रामवं) लयं मावं (सावं प्रवं)।। >11 [त्मरे अक्स म्यमर्ग्य मात्रीमते] उउद म्यार्थ-पामाह: (एत्र मण्य में अव लक्ष्मानेकापप्कर्व) मिक्षिक्षिक सामुकाः (मिक्ष्वं लाहेक व लानिक ड्रमंग) पात्रा विद्य सहस्य दिक्ता व की-

सरमाईकाः (किथित अवसा कर् कुल्लाक (कालाक्षाका सक्तां हिन लाक्ष कार्यकार मा ३ ७ । नामाविव प्रशान्त्री बस्तान क्षान हारियाः (अत्राण विविध अवसामध्ये वक्ष अ अवक्षात विद्वि [वद]) मामानि व सरा कर्य कर्माका व- वि हि विण: (विविश् अवसालका वर्ष अ आकृष्टियां मिकिन-उत्तामन र्रेण हिन)।। ३ २०। नामाविषेत्रशालकर्न-कमा-निर्मानेभाविषाः (व्राथम भाषा सकानं अवंत व्याक्ष्य क्यानेश्यान म्मिन्र [नक्]) सम्मारी वाने भाडि: (निक तिक अअविविभाषाना) अति। मेव सिम्बर्गः (जिनेक्त ज्यानाम् किं प्रदिश्वामक्र)॥ २०-२०|२० वयः खान - (अपनी न न र्या (नक कि छा: (उन्या का निक वर्णियमिन भागी विविध अभिन् लाष्ये व्याम प्रक्र) यह (मालावक) अम्बाम्य मनीएकामियार नृम् सीकितः (ध्यांडभी, असला शाम ७ कृतिन कराक्रवर्षने-स्रका) अत्यन्त (च्युक्किंव आहेव) भक्ष्यं (अक्न क्रांक) म्म्या ही: (अ। हिं करवन)

एत (क्षाराम के साहा) की का का कि के के किल कार (अवाक्षक काळ के जा त्राधन) " एम्स्सार (अवेश-वेत्रभूमंत्र) भाक्षत वर्ड (प्याय न कार संस् [12 it & 14 (0(5 4]) H १६। क्षर (त्याम अक) हिस्तूर् (हिम प विकाश रामी [विद्यासमा वेर्डिनो (ह्य])।। इडा स्मास्यार: (स्मायं मार्) अपने हरं पृष्टितार (क्षामनतमनं अपुर पिकटत्त्र) काप्याव्युक (व्रायम काम् विक्रम रंग याम्म [12 म]) जाउम्मार (अन्ता) क्रमा व विश्व अव्यय का नव (क्राय वार लाम अंध्या ड्रमेंग्र)। हेंगार (अवस्य क (यम)।। (ध्रम क्रिनेक स्मिन अध्येक) क्या क्षेत्र (व्या क्रिनेक) क्या क्रिनेक क्षेत्र काट्य व व्याचा क्राकाटक]) अत्वी ग्रह्मालकार महिट (क्या मान्य) वदम: (बस स्टेंग) म (क्या क्या में क्या के क व्यक्ष्ट्रमिक्ष (व्यक्ष्याप्ट्र कार्या कार्य)।।

281 मामेक मामिठ-मिम् मानी १ (जिमि प्याजिभिक यटमनंस मैकाप्तं कार्त ट्यानं वस्त) वह वक्तानु र (त्रव्य का कि विलिक्षे), काक्ष धनकार (अराव कारि) मित्र लयकार (क्या [चवर]) सार्वित: लास लप्रकार (सार्म् लकार्ममास)।। रवा अव्यूष्टिक किलागं ([जिस् व दिया अपूर्व टिन्सा व प्रभाव विकास १५००), सुनाण सुकूत-स्नीर (समध्यम् मामव न्वम डेमलम ररेमार [नवर]) व्यं अवा अवा अप- म्यं वित्र क के क क्षा के पुर (अम्मलम् डेमर् मूकाराव अविवि कक्ष CMIEL MISTORE) 11 २७। मिकाक्टोन-कलाताः कलानी-हुष्णां पान्य गर् (वर्ताने में से के पाशिक्षण मार्मे में में में में के किया के वसम्बिष्म ७ कम् वंद (माजा [वर]) मक्टमी की की कमारावनी न एमका मार् (यटमनंस पुर्वास के मामिताल स्था सम्बद्ध (वर्गानं लखतास है क्षित्र साम विवास विविद्यार)॥ रवा ला असे में के भी के भी किया मार के व

(कि.स. कार्ड केस्प्रीमं अन्य स्वायं सक लाक हिए कार्य क्रिकार्ट्य [नर्]) एक क्रिकार्ट-च्युटमटमंत्र (एक ठाक्ट क्युटमं र प्रमायं) ला दिन्य मार्ड माडिकार (व्यानं दिन प्रमाय मि प्रयाण विद्विण दरेया (१)।। इन। खक्काक्ष्य क्याहिमा (मिशक्क व क्रक्ष्य क्या का न युक) कार्क मूरकार्त (कार्क मुक्ता) मिलालम (कार्यावयर्त-है। का) लामका प्र-आर्डे ई कार (दूररावं लामक वे । आरे कारिल्य अमृदि लार्क देखि नंदि [चर्ट (व्या]) में में : (ध्रवं के के) टिलार्स की कि कार (सरमा के स मृद्धि ७ भी विश्वायं का ने (७ (६ म)।। २०। अडी ए प्रदेव (प्रायं-प्रतीस भार्य-वीक्रमार् (जिनि समका मर्न मृत्रामा ७ मीना पुक करेनकां भाष करिएटिन) न नामान्धर्य कर्लापायार् (या या काका यं का मध्त कथा मर्बेड स्त्रं द्वारं अवस प्रमें वाड ग्रह र्याट [नरः]) मामाडमी मम्माउँ (दंगमन आर् वि विभिन ख्यों अकाम करते एक) 11 ००। अस्य रक क्ष्म या एव ट्रामाक - ट्रामक कर्म

(ज्या शेश के कियं अरेस त्या से कार्यान हो आ दिए प्रवेद में अपका के क्षेत्र जिंदे विष्ये । मिकिलाक कता को अस मानिती (की की दीक यिकद डंद्र अर्जा अर्जा क्यांप्र में प्रे क्यां कर्तां. ००। ट्रिक विस्व व्यास अभ्य स्थारि ट्रामरे री ० (शिम सिनेमें अप्याम क्रमामें करे स स्था यस उ लय की बंधि ही को सिर्ध देविल में मा खेवा डड़ नोर्दिय [नवर]) स्टा विमनं- (अपुष्णी प्रदेश एक अक्त्र अप क पार (व्रायं सद्ग लाख्यमं द्विमतं व में भी यहा करि करिय लायर मर् छप्रंग्रम् ह्रियंग्रम् ह्रियंग्रम् व्यान्तरह)॥ ७२। व्योक्यवी कृषि वासापि-प्रायाभिन विष्में (किस लीन्स्कान पृथि ए वाकारिनिक्रमें भठ सर् मकावं डाज्यान दास्त्र दार्मा दर्ग) की क्षेप उप मुन हिर्चिण (की क्षे जारारक मिन हिर्नि जासून अभान कर्नन [- 40]) ० अस्तर् १ व्याचा व व्याचिक द्रात्र व्यास असार्व कर्षेत्र)।। ००। प्रं न्यासाह्यां क्यं क्यं दे स्वतातात् है। का हा कर

(ब्रोग्नियं प्रहित के कालिमानं काल लिप है मंदरे-अङ् ि टे अक्वरे अर्थ वर्त करवंत [ववर्]) में मा का के प्रमाति - कर हि किया विक्र मार् किया कर ख्रीकि उ मंग्रेस अन्य (करमं द्वरमं शिष्ट विख्या छ । व का में क दिय)।। ०८। मिर्चा लाग कर तम वा ना मन या-का नवा हिंग छन (च्या शर आर आर प्रमा का का का का स्था विस्तिये त्या कार्य द्वार कार्य भार [नवर छिन्ति])यस (यदम) कालार यसाम्मीछ-में आर हिरसी (ज्या नंग क्षेत्र का मार्थ का खिल का मार्थ) बिलिकाई (शिममा चेरह नेरह्म)।। ००। [नित्री अन्नात काम (अमिमकाता) याचा लाग में थार लागेर (माना हरने जात लाम का का श WA CANA विसम्में) म कामणीए (कामिट लादंग्या [नवड़]) असा असे क्र-सर्वायर क्यान ात्र त्या व्य रण भुमार (क्या का क्या क स्था क स्था के इस के (त्रसामुक्षें व व बंग्यां स स्वार्ड ड्र्मेंग भ (क)।। ०७। (मलालाय-प्रशासमा अक-केलायं का भी रे (द्रेन अर्थ कुल्पानं त्युलत्त्र क्रीकिकं अर्थ अरथ्य

(पारकतं अनंसाबुआं दुर लात्म कर्ष [चवर]) अर्प अर्प (में में में के) इस्राधान- (क्रांते के वे न का-इ भी (एक्रम व प्रमं का प्रमात द्राध्य के भेष करें। भरं अकारं रंड्टि)।। ०१। [जिति] अभारेतः प्रकार्भकाष्ट्रिकोस्परिद्धः (अर्थाल्यं लभीम भूनं म कारियानिश्वानं) यर्-(प्रमारेती १ (अयम (मार्क कि विद्यारिक करवंत [ववर]) असाक्ष्रकेषठ ने (ज्या कार्य स्वर्षात् वि वी सुका यमाय:) जय जय (रेक सुक:) वि हा बिती क् (आई अमरे करवं में)।। ०७। [जिति] यळ्गविती १ (त्रक्रबेर्न भीता)= मय स्याकिमी (मिने म स्यक्षामिनी) भ्वति माण् इंच (ज्यापा किया व भाग क्या हा द्वा प्रवं प्रवं १ व्यक्षंद्रिक व्यक्तिरिधः (अकात्मं निष्ठियमधाया) प्रम पिल: (पल पिक) हापम डी ए (काळ न क(रंग)।। ०२-801 [18नि] बिहिनाशंकरेनहत्यः (व्यानं विहिन मीखियानिकाता) हिमा: हिममेडी ई व (हिन्निम्मा ट्यत हिंविण कविलाहत [विक्?]) प्रतीम लप् विमारिम:

(मप्रिमामकभी), स्त्रूबन्ने ५२ छ : (ध्रान्य रें जें महीतं [3]) सर्दिं : (मैसर्वं) शक्षाव्यतं-भएं : १ (१ न्या दे त व प्रंवं अन्य हातं।) विश्व त्यार्या , (क्रमत से मा कर्षेत्र) भेषा के के व क्रिया भी- से सा-सर्चे भी क्यार (ज्यां क्या के एक वे कर्ये वे का का राजा न व्यर्भ खिथि लाकुममं हाकुमार करवंप)।। 821 की सेम रें महत्तार यात्रिकः (ब्रा से में में में में र्रेष अविष), प्रमाम र्मेश भी करें! (अवस मर्मेन उ मूलीयत) वडम् वहत भीभृ थि: (विद्वित वहताम्य-द्वाना) का हिना कि जगर (विनि प्रचे एक दाय जामन -धन्डव करम्म)॥ 851 [12] क्रक्र क्रक्र (अवसीव विवास्त क्रमम बाको] अवप कार्य मां) व्यान्त्रिया न (का किल म मूर्य (यार्व क (यंत्र [-24?]) भूतः (में महार) क्याप्यायमार (क्याप्यं व्यम् देवकार्या इ'म), मिळार ([व्राध] प्रवेषा) विकासमार्थ (अक्षा का बार्मा) अनुमा (अक्षा अकारत) यवर लव सावत (जर्माल द्राराक भारत कर्रिय विषयं]) लाग्निक : (मार १९८०)

जार म स्थितं भारते में दम , वाद्य दर्ख) कमात: लास (व्यानं कमा लाष्ट्रा महिंगड) मीयरं-इम्माब्द (अविकाबत) वम (वाम कार्याव)॥ ८०। क्टिनि (क्रात ७) अधामार काम (क्रावर्भना). बनाय ७) अण्डा छार्छ- बीड्रिंग (अळाड अभावित उ वी ख्रम (मर्गापि विश्रम) अक) नर्थ-अवस्थ बार (लाकुलानं लायस्य मकाव्यावी) में कि र म अव द्वारि (मृश्विमाण कविद्यमा)।। 88 / विमूच टम्म भू भारिक - डाई छर् (अल विका, मूच, टमका 3 र्मातिश्वाचा अद्विष्)' सेन में यार्म्स-वळ्य-वं कामीति (मार्गे भारंगे लाम् वं वं वंद्या त वक्षतिक्र माझवं देवारात्र) महाः ([मारा] बार्य द्वारत) विधा लाक्यामुक् (ध्रम्यां लाक्क) आर्थात्र मून कार्ति (धारान कार भक्त भारमन वियाभा इमं [नवर]) ब्रमाती कार्त (ब्रमा-अर्छित मार्ग लाक्स क्षित प्रात्त्रमा भ [(य मूक्तीयम !]) मूबार्ड : क्रेडि मर्ट (मूबर्जी मास साम्य) वक् (चर्मेल लाहिश्ते) श्रीनं प्रसार-कामन (मिक टमाय कामिटिक) पूर्वर छाड़ी

(र्दं मार्डे कास कर्डिता) व्यक्षवयमार्यं (यश अवस्थान्यक्ष) म्यावन् (क्षावनाकर) लस्य (त्रमाञ्चर्य) कर्म में (लाक्र करं)॥ 8 61 (तः (प्र अरम!) मार (मार [वेंग्न]) तमाख्या डावारिभू (व्योक् अर्गाल वनी हुण) प्रन: (हिडाक) मर्गाणात्रकार्वम् (ति। मीन मूक्षार्यन अवस विभूक्त्व) कसम् (क्रात कव्, जिला इर्त]) समकर देमंग्राके (विश्तिं कार् भी बे दिल का कि) में कि का में ती के का में ने वर्षक) देशकामस्त्र : (व्यक्त व्यव लयार्के करण द्राक एवसाया) पुलेर (जिस्ते ने भूर्क) जिस्सा दाय- हु भारिक ए आने (इस्रीव क्रम, नद उ धमक्रावादिक उ) यिक्षार रें में रें दे प्रें के क्षेत्र (लाह में में दि हो ता क्षिया) लग्ने (लवव) ख्यांत्रा लामर (लाक्षण ख्रिमे मर्गे प्रति) विप्रं इस मिन्ने (प्रे वर जान कार्येश) हमाया (र्यायान) तामाम (यम कव)।।

84 + 2: my (com super) for (+ 2 400) 80/ल्याक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्य (क्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्य (कामक ए) रेड (विविध क के कि कारक) 2: one (one cons ores) mine (mines) म ।मुक्क दंदे (आश्यम काक्ट सम्म र्मेमा) innu (iny with) any menin (ory में अभूत्र कार्क) महिल्ला में रामुक कर्रा अपन् उन्नाडिशाम (अविकार राम, कराम उ my and side Muder [746]) sime fild men (el de all alle) les mon any (डनें के दी उर (पत) अपूर्व हार्य देव लान (लर्च क्रामंत्र थर्म विश्व इस) " लव: (लक पड [र्जाम]) श्रायात रेक्स्यास (याना याद कथे (ल किक पात) ता हम्बर (देवारंत). कार्रेम) असी (आरे १९६०) र्य (चर्) रेस्सिया (ब्रायर) हिन्द (अवस्पत कर)।। ३१। ब्याइती (जीव्याचार) (छ्वत्र: (छिउव) ला विष्या (ला विष्या मा वास (CONT TO MAKELISTURE) HERRY

(masa) came und (camen-कार्यात्क ?) किल मान्येक कार्य (किल मान-संरवत्र माठ्यास्य करतं) परवस्यमास्यिम MA: (32) I'M Chay Enine La Conso [लक्]) समार्थी: आक्षाध्यां का (है: मना सिमार प्रितं क नर्य पठ) द्रास्तिः (द्रास्तिने-मार्पन हाया) वाक्रिं : (अकानें) म्राः (भर्भाड़ी भीत) क्या वार् (१९७ व अर्मी लयम्म) सार्षे ं य यव सन्यात (क्यामंस्त्र Me sigle MM SAN) II १० [[ग्रीत] सर्व सर्व सर्व स्थात कारि अवाद्य : (अंस तर्म के लागुर कार कार मार्ग) दिन्द (सार्केट (एड से अस पुर्म के कार्ना [नवर]) रिका के लागं काम : (रामका त्रमें क्रमें) (ममर् (ममावं भार) अममधि (में पवं थ अस अम्मिलाइक) मर्मिल्य मेर (साह्र ० कार्येण) मत्रीत्मार ठामात- मेमर्थात्माम्ताम्ताम् बिक्ष न्याति (यमका रितेडाम) व सम्देव किराक के व किराक वाप्त माया विशे क्र कि किं

विकार) भारतकारिक विकाल (विविध विकाल द्वेन्यारेप कर्षेत्र ' [माहा]) वाक्रकोर उथः (a) signance (red, comognin 42 à) qui (gus 24) 11 8)। की दानीक्रकों (जीवानी उ जीक्क) मिलक्रमेग (अारं के ला बकावः) मी बंग्रे अधः (पानी संका पंक्रिया कं भे किस्स केंद्र : (काल्टिन के मार्च प उर्दे का रेंद्र) राष्ट्र (लासारक) बंभवर (वंभन कक्ष्र) क्यामार्थना-यत-किछम्।- एस- टमालाम्बादः (त्याने, अम्मा, मर् (अठग , मह, टलाह ७ व्यमण अट्डिश्क) नक्षण ह (क्रमा कक्र), ब्रूमारेका: (क्रमावतन) विक्र डम्ठः (वियर धी वि ररे रि) त्र ४०० (त्र का कर्न [नगर]) अव्वः भेतत्वाचा ६ (अव्यक्षकं भी हवा ड्रांड) यम ०६ (यमा मक्य)॥ ००। रेस (अरे ब्लाबटम) असा त्यामाः (भूका-विभिन्न कर वा त्रिकामन) वंद (वंद कार्यभी में) अबक्) म्रामे : (म्रम्भतेष) म वि विनामि (यम कार्यमा) व्यमः श्रामि वाम (कारमम मलं ममा इरेटमड) भने १ (भने भारम बन ड)

म्बालिस्री अर् (म्यनी अर्ते निकरी) म आरंग (प्रम कार्डेडम [उवर]) लाभु प्रमाद्धा लाक (अर्थ अप्ति मिरिस ३) समभा लाभ (सतम् अर्थ ३) कार्यावम (व्यावमा वास) म खळाड (aun श्वेष्या) जारा (जार्या) अम्म (वर पीत लातन) रेक्टर (अरे) क) यात्रिक्ति) कः अभन्तरं (क अक्षत्र कार्यमः)॥ ६)। र्यारे वि (१ र्यायम ! [आम]) म्यकारूक् (म्मिली कर्क काम्बे) राजमाः (यर मुके हिलाक) मामें के के क्या हिं (लमरंग मामे द के र एवं देल एस नाया) समक् काल ह (कि कि मान 3) निर्माक् (सिवाबें न कार्क) म क्रिम्ट्र (सस्स् मार्ड) ट्याकित्रमामार्थः भन् त (मठ मठ ट्याकित्रायक् उ तिवान्ते कार्ष भगर्षिति। , भश्यक्कम्परिः पाड (मैं बे के प्रकार सम्प्रमाना के प्रिकार कर्निक मानिए हिमा), मिमा छ रमे रेमा : म हि

ल्यास्य) लाक्कास्य क्षिः (ल्यास्य क्षेत्र क्ष्रिंग क्ष्

८८। डानु इडि (अमं) में बळ्या ट्रिक्तं: (मैं बळ्य-अर्हेश्व (हास) अप्र) अप्रेड ([लासाने] शिवाता) भ बीअप्रि (कार्क कार्टि) वस्त्र आर्थ (त्यमात्रवं स्प्रांभाष्ट्र) । व्यक्ति व्यक्त्य वे (व्यवन-टबल धाममने भूवक) सिवामे (अश्वक) म वी मार्ड (त्र) कान्टिट), जू (अन्छ) रेप्र (अरे) मुक्तायन-बात (की बुक्ता बत्तरे) हिन्द (हिन्दान) वर्गानिक कक्षा (रिका) कमाम्त हत्रे यात् (कि क्षित्यं)॥ ७०। [क्र अरम । क्री ने नामिली वर् (पिका काम) काका-की जिसूर्य क्राय (जी मार्ग की जिसूरी क्रियां माना) वस्ता (वस्तातक) व्याप (इक्ष कव) मी मान-बिलिस (की कुल्पकत) जिले में लिए (की की की की) असम्मालक) किस्मिण्यम (यह सिक प्रमालपर) लाम्बार (अम्मिक कर) प्रवटमा से आखिना (मरीम किल्लावभूमाड झमल्लाकाका) अमः समीन्यतः (वसकाक्ष्यव्यत् भी की दांन किने अविष दिस् (दिसे) यार्थि (इवन कर सिन्दे))

(अभाक्षर्भूसकामि-डाय विषय व)अम (एअभ, अक्ष उ मूनकामे डावम्ब्राएय विकास करिया) करतर (ब्राइक) बात्वाई (दुमां कंस) ॥ ৫४। श्रविमन- वन्डावम् वि (विश्वक अव्याख्या-मम् विभर), कार्ड्म विसम् (वकार क्रम्सान-विश्वल), फ्लायकाक्षत-तीलव्य (वाहिः (व क का कर व भीस भी में भी में का कि सि ले के), किट्यार्म्स (किट्यार्म्स्य) र्यार्थिय-निश्कार्यापत (क्लावतक क्क्रियर) ठका छि (विश्व क्रांस्ट्रिंग)।। ००। [टर आम। वीष] पत्रमत्त्रिति कि से-यादिकानंत (प्रश्य वं अअविदिवं लामुके अवेश रुक्ट दर्भ) नक्ष्रालक्ष् (अक्ष्रमणं), किटलाइर् तवत्रव्यितात टार्नित्रील-क्रम्पर: (काल्यक्वे हलन लाम् अ ती नर्म कार्य कि टमारे तामा अया एति के का प्रमेश (हिन्कात) अठकता बनी छि: (भारतम कता ते पूरी अवस्त) हर (त्या कर)॥

उ७। जननवन्वतिनी- विद्नीकृष्मूय-(प्रायम्थ्-ट्राहि: (मंत्रावं रामवंश प्रणं कारि मिनेस इग्रम्मरीयान में में में में में में में माण्या में में में में में कर्व [नवर]) समाज-वेल्बिस्पान-मिक्ष्यक्रीममः असमा (मून्यानं क्षणानंत अर्यभ्याति प्रणाम्य भावित भारेक द्वि नक्षी अष्ठि एकी मार्थन्ड र्का देवलार्य कर्ष ([कार्]) गाईका (न्यांत्र) सस (कास्तर) द्वार (सरति) कास (वियाल कस्त)।। वना वृत्तावन (की वृत्तावन) अवर्ष ५०-अम्छ्रीः (अक्स अळ सम्भी अध्व सर्छन वा विधावा) विसाम्ब (मट्नाहिक) यद्गाक्त्यमाळीक्यम (इस सर्वास डेक्यम मदार्थ व्यालकाउ व्यक्तिकम्), मर्वभाष (अञ्चलका) सर्व वार क्ष्य (सर्व वस कारास्त) लागुर भर्ने बंद (अवंस सर्वें) " स्वाम्मावीम् तं (सर्वकारं भैक्षाम् कर प्र क्षा वस कर कराइक नैक कार्य राज्य) यश्यार (यश्वकारं) में ग्राम-नीठ मठ मार (मारक उ मू मी म प्रार्थ व्यापमा उ) प्रताकावर व्यावसर (प्रताम् यह उ म्मीक्स)

सक्षयम् संगत ([लवर] सक् वित क्षायम संग वस् ज्यामाउ) हमद्रु - मरानमाद्र (हमद्राव अवंश लायलवा अवं असे अवं अ।। ८६। [यारा] निजानमार् (निजानममम्का) तिव्यक्ति विवासिक्न- पित्राय छात्रार् (यंत्रारं पिरा लागा : मिन्डन वृद्धिमा कर्निए), व्यक्तिम-म्याने पः (मिति] अन्भन म्यान्म) पियान माभाम (दिन स्मिन्डमान) त्याम् मिन्डी ० (विकान काने (कट्टन) मिछ। स्वासिक म्य-मर्थ-पिरा मर्भ्य म् नार् (ध्राय मिर्ह निव्ह म्राम्य श्वाक्षिकारि अवस रिक लाकुक्ष्मभूद विक्रमात्र उर्द्रमाट [लवर]) हायमभाई (जक्षान क्रीकिटर्ड म् म्रायन देन मार्थ रमं) वर (अर्) जीमा ब्लावन पूषः (जी क्लावन प्तिवरे) क्रामि (ज्यमकार्व)॥ ७०। लाक्कार्य टम्से साम्अंटम् (लव्यमुनं लाक्क अव्यात्मेलारी), छन्तिनि (अर्डन्मम्क) न्या मा में ये ये मु दिया (न्या मा में के) ता ? -क्ष्रियात (लाल्यमं क्ष्रिक ब्रम् :) र्रेश-

मेश्यकं महासाई न्युक्षाल्या (लर्काह्य मेसहैंक अन्म भार्त् म्हायाम्) ज्यामितं असारमाने दे विश्वत त्र (आम अस में माया है) मार्गाई (मार्थ वे सासूरे) प्रक्रमं (विष्यं ने करवं न, [क्राम]) प्रमा (मक्रमा) जार (अरे) व्यायमी गावमीर (की वृत्यायम्बि) व्यार्थम (यम कर)॥ ७०। प्रशिष्टि वयु अष्य प्रमं कूर्वनित्र विलिखा (याराक (अवामें व क्षेत्र सहित्य लक्षेत्र हिस्सिम्म) मकर्षित्रातः (मामन्तकर्षेष्ट्र [३]) मक्रम् अवार्गः १ (मैंब्रा में क्षामर्भियं अवागत्रावा) पुष्टिकार (माद्रा आर्वेग्रेस वेस्ट्र गेपट) मलें मुण्ड ति भूत्रकव - प्रकृष-म्लालित लवार् [[व्यव्] यारार्ष तक्षकंतात राठाकाकित आभ कर्षालाई भीतिक खसारि मं: अ हिने वर्ड भिने व उने विशि (अह)) व्यीव्याव प्रव् (व्यीव्यावन बाम) देज: (बाक ड्रुम) मॅमर (लप्पंप्त) त्यासुर (मर्भावं मिक्रं) महतं (देडी में देउ)।। त्र। सम्मान्यान् वार् (मम अवस्तानिस्म) कार्ठ-विम्म - मामामीन भी कार्ट गाडिः (। धीने कार्ट महत्-

शिव्य भाग्यां भी कियां) कियां (कर्ष) कित्रिए मर्वण् (तिहिका सम्में करका) निका-र्रेमरार (मिर्य (म्ब्र) में सर्गाने भी) यस कारी ([।भित] सर्व) की ना की सर् भाविषता दिः (की ना की उ कार्किक अमेरिक का ए हा वा हा को में मह कर (अवस बस्पानी [नवड]) लायकातिक क्षमार् (ग्रायं भारत लाय कारे अप्राच स्थाय मार्थं [लामका (म्मे]) चीर मावपत्वर (व्यानमावप्र-हीं सर् अस काम (क्षाप्त कार्य)।। ७२। इड (कार्यः) त्यमाश्रीसभनं सम्माखाक-पूर्वाम-य या अम्मित्त क का वर (म्रायं स्कृतिकारं का अम् लयह मलायमसूत्र ट्लाममा उ लागांग मित्रिय लाक्त्रमायक भारतंत में तक्ये) यह या तमवि देख्यां हि का उत्ता (। या प्रामाणार वीयमानेन प्रकारिके डमबद्बी कि केंद्र केंद्र करन्त), अलगाविदामकारा (याका सक्षरमा सम्मा) अवसर्गमारी (म्पारं अये अवस्वमारं) बिश्कमार्ड्ममा (माज्य अवंस उक्षा अपरावंड लयमभूत) गत्म (मइस्क) अवस्पयन्धर्या-

उत्पाल हैं: (अनंस्प्रयम् सन्) रेम्परम है। स) सार्वास्ताः (सार्व म्याम् त्रावा) (टा (क्षाया) द्याः (अस्मादक) व्यम्पि (धारमाधार क्षिर्ट्य)। ०० । जीव्यावन) ((र ज्या क्यावम ;) ०व (colleta) way o use (orminary erein [own]) सर गात (मक्षा (मान व्यक्षा) एस (गाम करिगारि), ध्यामा: म मानेज्र (मिला शपादक लकारा कार्नाह) र दिस्तिका म लाग्न (दिस-मिक्रीएक उ जादन कार्न मार्ट) न विभावित्रामापि (क्ष्म १ हार) अकर (भाग कर्य में) व्यव्यत्म-कात्रत्मामार्ट (अवंस क मामा कात व त्यमनकृष्) व्याच्या (यह ख्राक मिर्ट मिर्ट) हिलाकी (दिलाका क्रम्भर कार्नेगहि) पर्यापी मार (एक्न स अक्रिक) कहः लाभ (माका ३) र क्र ठर (म्यम कार्यम) प्रमा कि (व्यक्षिक व्यक्ष कि ?) ज्या त्रः भेषि (१३ त्र मार् अवि मृद्धिकार कार्ष थ्यू) " कर्त ([लक्ष्य] न द काक्ष)कसाल (कस्त 3) म कि छेटलक्षा: (coruna छेटलक्षारणा) नत्रे।।

५१। श्रीलाक वंभविक रार्थ (मन्म लिमाविकार) वाकी - जिल्ला-नद्भारमें (भी मानी क्रि) भवत (भी मुलायत) छाल व्युत्तर (काल्युम) महिरस्था मः (मर्म भाषाक्षतं काल) अन्तर : आश्र किर् (मृद्धिमाठ कार्यत्र कि !)।। करा व्यायत (व्यावत) प्रश्नाक प्रकिमर्बर्धाः (अवसास्त्र सार्व मुल्या) येद् अरावाव ल प्रायी -यकी बंधि की का किया मार्च प्रतिक स्थानित न् सूर्य केमी) मः (कामारान ७०। व्नावत्म (व्या क्या वत्म) मक्षु मक्षीवामान्त्री (स्टिंस रेपेंड ह्या नेक) ' स्ट्रास्क्रिय क्षिक् म्र (अने सामित्र मास्त्र) चान्ता अम्बाह्म क्या : (क्या- वास्वाम न क्याला) पः (क्याला) त्माम कास (द्यापटताम डिट्रक्) 11 ए । बीतेन मुम्लं वननादि मुदेक: (बीतेन मुद्रलं ७ कन्षान-हमार्वेभी), राम-विद्याप्राहः (राम)-वावेरामारिष्म) देसात्राह: (द्रसायमणी) जिन्यश्रीमहत्तः सभी सम् कर्रायक इंद्राय म्यानं (प्रात्त्वस्य श्वंत्य)।।

००। सट्याइत्दं (सट्यक्ता) किंदे वुर्दाम् : (स्वरायप्) विकेट्यां का से य समें हु- का समार हिः भेश्री वा (इठेसत रेम्प्र े वार्से प्रमास के के का पान प्रमा पर्ता) लार्य त्र्रांच लार्यमध्य करवंत्र)।। ७७। अम् हिमहिम् टीक ए त्या यह करावि: (यात्रान कार्यि-बान्स मिन्न हिर काहर कर दि क सरका म अकाम विषेक करते) " लयक सार्वी स्प्त (। त्रित लाभाम-सार्वेत्मभिष्य) अत्रम्भी पिलाक् ि: ([नवर] म्रायं क्ष्या विश्वावका के भी में के (क्षा के ति) 11 केक: (क्राक्तां सार्वेत् भाषु व द्यां महिष्ट्रावा ११-१०। [मित्र] क्रिलानं सार्वेद्येकाषु ह ग्रिस्माम् हसर् ह प्रकारिण सम्भन्न), छ एक सम्बद्धिका स्थिका मुनि मार्डितिः (दिलास समित्रं कल व्यममामादं अस्तर भागी), भिनी मालू मान् पृष्टिः (भिनी ध-र्रिता-रेक्ताव) मित्रिका-रेपावः (मित्रिका मेंच्सा) काम: (लम्ममं र माया) रेप्यानमार्श्व १ वे-सर्मन विम्ली (क्यायरम मायक कर्म व्यक्तिक करमा अस्मार्थिक कर्द्र)।।

१)। धरमक पिकामद्भाष- पिकाधामप्रामु तम लमा (।धार्म विविध रिके लयकारं सम् व लयं प्रमात विद्वित र्रमा) मिन्रको (लम् दूर्वा अक्षाक्रम- निकानिती अध्य र प्रत कार्न कार् (ए एक)।। 051 स्प्रेस के भारत के प्रकास कि स्वास की है से व से हैं (1812 आनं द्यां साक्ष्य स्था ने स अ का का का का का का का क्या के किया अकला ताला हिंग में कार्य गंग) मार्किय क्या करंग-(क्स्म (मार्क्रेन रक्षांका) सीमा कथम धूर्वमी (मीमाभाष मून भक्रात्र काईछ एटर)॥ नित्र क्षित्री हिः (यत्री मन्) मीकार (क्षीर्य हार्य) प्रमाळ दम : (मिन प्रमा लक्ष्य मिना) में द द्वी को मारा (यनमान मामन काम वामें मकायम करनेय [नवड]) वासे य ६ ह (वासे य) त्नाको स्थया (त्राका क संस्वित्रमें [صنع ا सार]) अंगर (शिषा ३) । खांद (वाष मंद्री -(खिंगे के सार्व कार्य के प्राप्त कार्य (कार्य)।। वश दिल्सार्थाय] है।हर (कला करा) किसंप्र (अभिन अधिक [यंग्याया]) त्र क्रें प्रमार्थिक (देते तत ते ले अने का किए) व वर्षाति में आम् ठिं

(कर्षातिमाने संज्ञाप्त) म्याम (मेनर्वे) भावण र (अठ्य) कर्ते वर्ट (रूप) सामीसाम (साम क्वाइत्वाह्य) 481 9 @ [। धारे ब्लावता] करें कर (करें क) समर (सम्) रिक्नैर रिक्नैत (एम्प्य [नवड]) जारे वर (लहेळ) वंबर (क्यान) का हा का हा (क्यान का कुर्ता) विभागंत (विभागंत्रणवः) प्रिथमन्तरं (प्रिश क्षिग्ठलम् मिकरो) नव्द । कुर् (रवस कि) देखि श्रुहरी (अर्ज्ञ मिष्टामा करवंत्र)।। १७+ ११। [।योत्र] अवस्ति क्राक्राङ सात्रमा (ज्यानमा को प्रमम्काहिए) डेन्स्नि समहन्-हिटिनेममा (मस्टासन भी छ विस्तन कानी), वं ने में के बंगा ([3] में में ब्राम्ने के), सहा सर्ही है मा-कर्- लाम किमा स्ती समा (अवसमर्व अमारिक अ-भीया प्रकारन) भग्ना मूर्य ट्यो लामा भारत (स्ट्रास्ट्रिस्स्) र्याचत वत (र्यावात व यमलिशिक) हाकं १ केडी (यटप्रकेस त्याव । ब्रिकेप करव्य) 11 विष् ित्रित्र विक विक (र्नायात्र स्तात स्तात) यारान्कर्य (कार्वाद्याष्ट्रिय) सर्वे वे प्रवाद्या रे

(अउस सापाइस (अय्रम्य) द्वास्का (द्वारम्य-र्विक) स्थाने श्री (स्थातं सात्र करवंत [२४६]) क्या जिंग्डं प्रजा: (जिंग्डिस व प्रमुखपुरक) munily (my sanja mery).11 १०। रेल्रह्णान उत्तीया (यरेक्ष धन उत्तीया प्रशी) मा अव्यवी (अव्यवी टम्द्र क्या वाक्ष) पियासिकर (अर्था) रूलायमात्रम्थाः (रूलायदान् अकाऊ अवंपायक) सत्त (काम्यकं) का : नव (क्रमरमंद्र) CHAN लक्ष (टसबाटमामा ड्रमंग लाहकात कलत्र)। bol गः (गित) असामार्य के समय न द्या निर्मः एसरेक्सार्तु (त्युनंत्र्रके कि व विका का संवासक द्यात्म हमठेकां बंधपक) र्यायममाई वी ६ (ची र्या-बरमं मार्चेत्) मक्र वाली (वक्तांव) आह (हिड-सद्यो) समाम्याम (ग्रंड (ल्यास्य कत्वम) जला (विष्ठ) आस्था ग्रंथ व्यक्ष (आस्था निवड]) (प्याष्ट्रध्य र लास (टप्पाक्क) एक्टाक्स सार् (क्रिंग्रस्ट) धर्ठ (लाड्कामर्वक) नामा त्या विकाव त्यारम-जनुः (मिनि धिमानिकाम् वन्ष : निक प्रायं सत्यावंस लाय वातंत्र कार्डमा) द्यातवर र्काट

(द्यात्वं भागं पाण्च ४४)॥ ८)। मः (तिति) वासाम्यति विवादि क्रम टल्लिक भाषी गेलि (क्री मंत्री के किंव भग करा (य न न निक) त्वर कर्म्य क टबंर), धन मारंगार (अव मीक भाजी गंडि (सार्वर त्याम करवंस) । भिष्ठवं (भ्रायवं अस्त्र) मर्ड (सान्यम्क) में में याना (सर में प्रांत भाग मन्त्र करतंत्र) माठ्ठव्यासम् (अवक्ठ व्यामी-स (इ ७) (मायी मार्ड (वर्डर मिल्स मारकत) टिश्वरी (अस्थरिव वाह) सद्यसित्रीना विवस मिल्यन भाग के बद्धान कर्वत [चनर]) थः (। चीति) आएं (तिक अवीरमं छि) जमा भाषी गृष्टि (वर्षाम्य मा (यम नाम कात अदात्रीम) अयस मून क (मन) म: अम (अकला जिनिये) व्यो कुमा बन्द (क्षीवुमावत) आकरमप् (काम कावित्वत्र)।। 621 wzo (ansi) + m z (+ ca) x m (x fur) केक्टलमर्मिस्यि (केक्टलम व्यामारं) लक्ष्यं समः (ज्यात प्रमम प्रमंग) मास्य (किट्ड) के मारेमा क मरमन (के माना अमान) भारतन. (प्रियास) दिवसर्व संड (काश्रम (पानेस) साक्र है

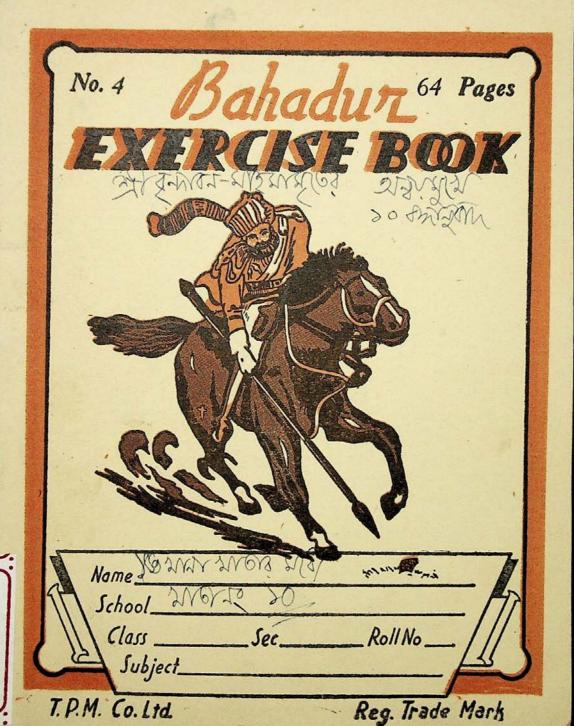
म्मारं देश्य (म्मार्गाम् व्यास्थितं क) भाटिय (हिड मार्ग) कारिका सराटिशक र रामी मामी-मर्वी (वी मार्किक व मार्म (भवं मास्त्री मामकी) अस्तिम् (विकादं क्षिमं), त्रेशरीलक्ष्य (oromin gainessa) 1800 no main) कारकेर मनार (मनारिक्षिक) देवर्त, (अवस्थान-भित्क) मळालातकः (प्रमेषेक लक्षतिक प्रमेष) की कृत्या कि ति (की कृत्या यति) निवर्मणा (काम कविष्ण)॥
धर्म (धरमा।
प्राप्त (धरमा।
प्राप्त (क्रामाति (कृत्या वति) का निकी भूगोति (यम् माठी दं) क प्रमिति भी क्रम्म- धार माउटल (क्र हे वक का धर्म हर मेर तार भार भार भार भार अला अला अद्ये वर्त्रम्डिः (भारेराभवन) जिम्मभी वृत्तः (त्यिन अभ्यत्य किंद्र) अस (अक्स) प्रिंका : (प्रिंका) अक् जा श्रूम वि तमना पिषि: (भान), जाशूम उ वित्मनमिष द्वारं) त्याव टको (त्यावक) क टक्ले मार्थ- व ट्या विभात्र-मर्गि (असर्व स्मा देलावंग क्रेम व विभाभ-मम्क) जी गरी पूर्वा मिट्णे (जी गरी क टिक्स) भारताति (क्षात्र कार्स)॥

► 8 1 क्यानुल्यामल प्रतिस्ट सूच माने ९ क्त- कल्ला-र्षेत्र- त्यामायरं वेले वयी यनं यर् वं यरा यह त (स्मारं लायमार्थे वार्ष्य तमें मंद्रे श्रेष्ट्री क्षेत्रं रंप तिल्ल अरम अर्थक्या वे वेपवारत सार्या सत्य मार्बर) त्ये (क्यांमा के क) माळिला (शिष्ट्र विक क्षारं के मिर अमा) हिन्दूत (विदिव जूमा बहिल समाम) अभितर् (दे अ त्याम मूर्क) अम् मर्य मर्य करणा क्षा नावने भी ना-रे पकी भू म की कुल मकत मानी मू म मुकायान (कल्पायान ममनें इमम, संवा भावप्रे भीया व रिम्फी प्रसूर का वा निर्मित प्रकी वर्त उ कुला वतर्य सिमें का कार्ड किट्ट)।। म् ए। हिल्लाक्षि का स्थान-क्षेत्र रंग के प्रकार के में वसी करण (म्पर्न यास) लर्खासं समी ठक्र १०८२), विहिता, एक जिस्न मिल्रिक : (एक, (काक्षित व सर्वेश्वर) गीव रेकार्य मावर (त्ममाप अर्था अली उ र्व कारिए (६), असीकामा-मण्डम म म नि नी- म कुण् (मर्मारमण प्रमन्तर्भ

ट्रास्ति उस्तर राष्ट्रिक कर्ति रेक्षितः विश्वे क्षिकित र अ र द्वा का की मार्च न में की दी (प्राया वे सामवंस के की-सर्दा सार्वत्याम मेर्डि रंद्रिट [चवर मारा]) विद्यासर्वाशामिकाटेग्डः (निर्धत अरकादन उ त्मामुक्तामा) सरमा (व्यक्तापनम वित्र (अर्थ) रेक्ष वंपूर्ट (व्युर्किया विषय) भवं (श्राम कवं)॥ PP । व्युवं : (व्यक्षीन न्यक्षे) र्यायम् वमर (अर्भाषत माम्रक) मानल मान हिल्लोनिर्मन ए (क्यारं प्रियम त्यमित्र में स्त) १ (वर) था (जमकाम्) भर्वर् (मकल वसुत्क) जमा (यार्टेम (ध्याष्ट्रम्नेश्व) स्थान्यं (स्थाय कार्युंग) मुभर् वरम ९ (भूरम कर करवं म)।। म्व। मार् (मार्) उरक्ता म (मीर्मायतम् के ला पा उत् " [अग्र ४३ (प]) क्रामानु यार् अवं इयः (कारक्षेत्र विष्यप्तं वयवत्) म (मार्भे (म्यामिन [नरः]) ज्यामक्स (दिमास्नामी ग्रेक) कमर (क्षिल) क्षांत्र (बस्याय) सिष्टि यामे (सिष्ट भाक म सम्बर्ध इरे (व १)।।

WEIGHTS AND MEASURES.

INDIAN BAZAAR WEIGHT	BENGAL BAZAAR WEIGHT	BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR- DUPOIS WEIGHT
4 Sikis = 1 Tola. 5 Sikis = 1 Kancha. 4 Kanchas or 5 Tolas 4 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Seer.	5 Chataks = 1 Kunka. 2 Kunkas = 1 Khunchi. 2 Khunchis = 1 Rek. 2 Reks = 1 Palt. 2 Palis = 1 Done. 2 Dones = 1 Kati. 8 Karis = 1 Arhi. 20 Arhis = 1 Bish.	36 Tanks = 1 Tipari. 2 Tiparis = 1 Secr. 4 Secrs = 1 Payli. 16 Paylis = 1 Phara. 8 Pharas = 1 Kandi. 25 Pharas = 1 Muda.	16 Drams = 1 Ounce. 16 Ounces = 1 Pound. 14 Pounds = 1 Stone. 2 Stones = 1 Querter. 4 Quarters = 1 Hundred. weight. 20 Hundred- weights = 1 Ton.
5 Seers = 1 Pasari. 8 Pasaris or 40 Seers = 1 Maund.	16 Bishes = 1 Kahan. 16 Palts = 1 Maund. 8 Dones = 1 Maund	BOMBAY MEASURE OF LAND SURFACE	CAPACITY
JEWELLER'S WEIGHT 4 Dhans = 1 Rati. 6 Ratis = 1 Anna. 8 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas	20 Dones = 1 Sali. BENGAL LINEAL MEASURE	39} Squate Cubits = 1 Kathl. 20 Kathis = 1 Pand. 20 Pands = 1 Bigha. 6 Bigahs = 1 Rukeh. 20 Rukehs = 1 Chahur.	4 Gills = 1 Pine. 2 Pints = 1 Quart. 4 Quarts = 1 Gallon. 2 Gallons = 1 Peck. 4 Pecks = 1 Bushel. 8 Bushels = 1 Quarter.
or } = 1 Tola or Bhari.	3 Jaubs = 1 Anguli. 4 Angulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Bitasti. 2 Bitastis = 1 Hat.	BOMBAY CLOTH MEASURE	BRITISH LINEAL MEASURE
INDIAN TIME 60 Anupal = 1 Vipal. 60 Vipal = 1 Pal. 60 Pal = 1 Dundo.	2 Hats = 1 Gaz. 2 Gazes = 1 Dhanu. 2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes = 1 Yojan	2 Angulis = 1 Tasu. 24 Tasus = 1 Gaz.	12 Inches = 1 Foot. 3 Feet = 1 Yard. 5½ Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furlong. 22 Yards = 1 Chain.
60 Dundo = 1 Deen. 7 Deen = 1 Hafta. 30 Deen = 1 Mahina. 12 Mahina = 1 Baras.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	10 Chains = 1 Furlong. 8 Furlongs = 1 Mile. 1760 Yards = 1 Mile.
INDIAN LIQUID MEASURE	5 Chataks = 1 Koonkee. 4 Koonkees = 1 Raik. 32 Raiks = 1 Maund.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam. 8 Palams = 1 Seer. 5 Seers = 1 Vis.	BRITISH MONEY TABLE
4 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Seer. 40 Seers = 1 Maund.	BENGAL PHYSICIAN'S WEIGHT	8 Vis = 1 Maund. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Pound. 2 Shillings = 1 Florin.
INDIAN MONEY TABLE 3 Pies = 1 Pice	4 Dhons = 1 Rati.	MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings & 6 Pence = 1 Half- crown.
2 Pice = 1 Half- anna. 6 Pies = 1 Half-	10 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola.	8 Ollaks = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal. 5 Markals = 1 Phara	BRITISH MEASURE OF LAND
4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 1 Anna. 16 Annas = 1 Rupee.	BENGAL CLOTH MEASURE	80 Phoras = 1 Garce. UNITED PROVINCES	144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yds. = 1 Rood.
INDIAN MONEY TO STERLING	3 Angulis = 1 Girah. 8 Girahs = 1 Hath. 2 Haths = 1 Gaz.	MEASURE OF LAND 20 Kachvansi = 1 Bisvansi. 20 Bisvansis = 1 Bisva.	4 Roods = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M. BRITISH TABLE
1 Anna = 1 Penny. 12 Annas = 1 Shilling. 1 Rupee = 1 Shilling. 2 6 Pence.	BENGAL MEASURE OF LAND SURFACE	20 Bisvas = 1 Bigha. PUNJAB MEASURE OF LAND	OF TIME 60 Seconds = 1 Minute. 60 Minutes = 1 Hour. 24 Hours = 1 Day.
5 Annas = 1 Pound. CEYLON MONEY TABLE	20 Square Cubits (or Gandas) = 1 Chatak. 16 Chataks = 1 Katha.	9 Sarsi = 1 Marla, 20 Marlas = 1 Kanal, 4 Kanala = 1 Bicha.	24 Hours = 1 Day. 7 Days = 1 Week. 4 Weeks = 1 Month. 12 Months = 1 Year. 365 Days = 1 Year. 366 Days = 1 Leap Year.
100 Cents - 1 Rupee.	20 Kathas = 1 Bigha.	2 Bighas = 1 Ghuma.	52 Weeks = 1 Year



Some may Est लाकुर अवक । लाकुर्य अव्यान्य । स्त्री अवस्ति (प्राणीलिक अवस्ति) W/0/20/0 6 6 1 स्तिता: वार्न (मूर्म हक्ष अरमका) मीजनाप (मूर्नीकन) लसमार के आाभाक्य : (लका वं करंपा भुक्ष) वेषा वंपार (र्मायम दर्ख) व्यममामा अवर (काल म म्या अरायम) किर्म जायम्स (जायमा कब्मा दिन १)॥ प्रे। जीसम्बूमायम (१ की ब्लायम!) विकल्पासम्प (अस्त्रक्त्रमात्र) हात्रं (रामानं कार) के वापयानः दार्डा (आपि) अमक अभवार कार्यमाहे, [अअवसार्य]) सस विरं चय (विसिन लामान) अन्नुर (जिस्तान का अयं)॥ २०। द्यावरी (१२ द्यायत!) जब ध्याम रेडि स्था इम्ड् लाल (त्लाम क्लाम , नर्क म । युक्त बामित्म ७ [यमर]) प्रश्नाविवर् धार्म (धार्क माडिक इर्ट्स) सर (कास्माक) व्याक्र कासं मेर (निक क कंप्रवस्त्र) लाला सार के के (प्रक्र प्रक्र सर्व सर्व कव)॥ 221 लडड (लाम) मर्म: लाम (लाक लम्म इंड्रेसड) निला क् का म कर करें। (हिंद का म डे प्लाधक क मानानी) व्यावद्या (जीव्यायता) धार्वभूर (विविद्य) निवक्तानि किर् (वान किव्य कि [वर्]) र्षः

इसर (इक्क क्षीक) रवर्गामि ह (ला ड कहिंस कि !)॥ २२। र्यायम (तीर्यायम) अम्मक हूरी: रेव (मूलाके-हैं र्यरेल) अयवं ठलका समा हिं। (डिक्सिस कें करवर्ं -बामिनाना) पिन् ठक (पिछ्य उस) आसूर् क्रिय (भारे व्यून किस्मा), असूर जी र् अमि मासि मारियः (अलूर मर्बुवालेव अवाद)मराष्ट्रिलेल १ (व्यक्तिम अदिभू के), हि विहास का सर्वी छि: (हिस में क्लाएसा-उद्गं या विश्वाया) आण्य १ (समा क्षत्र [१००१]) सप-(भानितः (भी ज़ब्ब प्रड) भभक्तभा (विश्वंम (न म) कातल (कालाइले: (आतल कालाइल) आकार ? (लाम्बास १रेमा) आ जाति (विकास मार केरि मार्टिम)।। २०। इत्सम्बादम्स्याम्भातम् अविद्धतः तीन्याः (अक्षित्रसम् प्रेने, एता उ व्क्रान पिद्वान तिथिए-त्यमभन) व्याम् मूट्ये : (म्यूरिक व्यामम्बर्धम) न्ती वं मा वं कि कान के ने प्र प्र हतं : (न्यू नं क्षे पंक ने क्ष के के प्रभार होना) के वह (सत्ताक स) मिकालक-प्रवः मिनिष्मिविववः (विविधि पिक) प्रत्यावम् निषी उ अम्बर्धाणां में द्यादिव) रे हिता: (हिर्ध) यिर्कः भूतः (अन्छ- आक्रमतिव शवा) हिन्द

(विकि [अवर]) हम्दू म छम् इंग्लिटेसर् (अम्मारीय म्ट्राम्म असून मानी) मुकायन (धीम्कायम (क) लम्मारि (कारि मस्य कार्किटि)॥ २८। व्यामिन्यामाछिः (मद्रम्भेद्रमभूक्) मानाद्र -मम्मूनी डिः (विविध ब्रूमम् स्माममूर्याना) का कि कर (त्या के प्राप्ति) र देश मित्र मिति : (इटमड़ डेन्नामयूङ) मूरिन्न: (अभू न्न) वानिमंचानिका-जरूय देन: (डेडम मण ७ जर्म ना कि वाना) बीछ ९ (अभाष्ट्रत्र), व्याष्ट्रमासम्बद्धाः (व्यातसम्बद्ध) रमर्ट्यः (माक्रमतम्) आवस क्रामपत्रमः (का नारल में आर्डि [नवर]) का नुका : (ममें परं) सम दमकान्मा (वम अवाद्य) बनामेण १ (भाव-(यार्थ) व्यायम् (त्री व्यावत्त न) व्यापार्थ (कीरत कतिएणार्ट)॥ Del यव (लार्य !) स्मान्याचारसम्बद्ध हे विमा (लार्जा संम लक्षमत्यं लक्ष्यं मीक्ष्मणीठ) विद्वत (अरे वित्मान्थिक) कः सूत्रवतः (कान् प्रवस्त) वा (अभवा) प्रतिववः (ध्रतिववः) भूवा) । उपार्वः (भेववारे विभागमां) लहा मा: भिवः (में का पा

इंद्रेमाटह्म !) वसार (अव वन) क्राम : (१ रार् मूनवी इरेट) हिक्कि हिक्क : (कार्विडी हरेमा) न मत्मा भम्-विभग्ने (जियम उ रे डे लम् क प्रथण कार्ने मां) प्रका (प्रवास) म्लाव तो (बलावता) मृत्र मृत्र : (००८-पृत्नं) निवमं (अवस्थत कन्)॥ के । अप्रद्यानम (त्र ह्लावम ! [आप्र]) प्रश्-आमाम्यास (काल्यमं अपनक्ष्यं) नियं वास (तिस्त्रम्) मरापूर्विकार्ण (ध्यत पूर्विष्ठ), प्रश्काम क्या रेपमा जिल व राष्ट्र (अरम का म क्या मिन पकाड व्यम्भव) प्रहाम (व्यक्तिमं म्यानिक) म अर मर्मिक अर्थाम्ति (अर्मर्मि विवक विवर) प्रकर्वाचिम् (अक्षा माविम् अ, [व्रामि]) नाम-सम्रो (क्रा मार्ट रीत) सामें (क्रा स्म मार्ट) के मार कुक (कुला कव)।। २१। यः सर्मा ध्यर्भायम् ध्यारिमान्निमं-भपः (माम्यं लके दे कि ये माम्म मर्मा कार कू भाषा भाषिण इरे एए), पकात्रीम, मिमिष वाली ([टम काक] यक मूर्डंड) म अक्ष्मरमन्ता ही-बामालितः (अवस्थासम्भामवं न्युक्तिवे सावेप्कावे

नारे), मक्ति : अपूलामते : विद्यारिष : (य माकि न ट्यानक् भ मधा हान् वा अर् प्रवान् धान कीन कर्न नारे [वकर]) धार्मितं : (मर्ब अचल कं) मत् छते ! (मन् छते बाले) जिस: (महारक्ष भविकास शविमारह) हा हा (अमे अमे) (चर्येक) में लियक त्मार: (जनम त्मार-अस) व्यर (व्यामे) तक व म्यावम (वक्रमाय दूला वत्त में हे लगामि (लयं ने लव रहे मार्ट)।। भारताता । यम् कत्य (भ्रम) त्वेशकारे (एकं में किये) विस्में स्वर्ष (विस्में प्रस्टिनं मक्स्म (क) प्रश्न प्रिम ज्यानावर (डेरकरे विध-निकाय नाम) कलम्म (काम कार्यमा) के: प्रश्लंत (कियम भर्भाल) समाक जाल (विस्माय ७) वंगंद म सम्ब (दिन में से भा उन्ने मा) मार्प्स (क मं वर्ष) कटलायं के भी. (य कर्म विभी करते में) लक्क-मानितः (नम्त्र लतः) प्रश्चमलप्त् (अभानत्र व्यक्त) के का आवं के आव द्रावंतृत्यः (चुके कवं लकावे क क्रेनिविधटमं मिन्हमं स्था अवसम्म कित्रमं) व्यादम् (क्यायम) धरीम्त्रीय (धरमान काविव)।।

कका रण (अरम) कत्म (कर्य [अरमि]) ट्रियाताकिछ-टमकट्यप्रवर्भभाविः (लोकिक बा त्विति क दिस् भारत्ये छात् में कि लात पा कर्ति मां [वर्ते]) मालाकि - अ मिमं - दिल्ब का हु इमा अवि के रूप मा-ट्या कि मा अप कि कि में में प्रायं अवस इत्स व्यासिक किए निश्चित सम्मर्थन स्था भूक्ष-अरम्बं लिलक्रम मा क्षिमें ३) चेत्रक के दंगाठ (बी ग्रीकृष्कवं (ध्रप्ष (प्रक्रिक)) मिलाक दीरदार्थमः (धारिष्ठ धक्क दीव्यं धाछिषिक [प्रवर्])हिय (असरिकारं वार, (विकिय टक्सिविकान्युक ररेमा) म्लायत (द्यावता) रक्षात्र (धारम धार खन किन्न १)।।

and word war as

> । रूपा (करव [लाउम्]) लाठु जैसाख्यः (लादुमन (बासाक्ष मैक) जिं कथमंथः (लक्ष्मां के लिक मार्थ न नम्म), मूलः (तिव्हन्) समु स्मापा का पा निर्मू न-छारवे : वानि : ह (सु हु उ त्यम अपृष्ठि वार्ष्मिर् व कार दाशिका वा विस् विक रहे मा) रसम् म्लाम् नामम् (राभा, नृष्ण अ मार्गि भरकार) मूमा (र्मि ७ १) प्रिकतामेठ-अन्या-मर्भे अन् (प्रिक जिने कर ज्यां का र्काक) क्रामंत क्रामंद (क्राप्त कांत्र कांत्र कांत्र कांत्र हिंद् डेमद्रमः (हिंद्रभाम अन्ध्र विश्वम ड्यांग) र्मार्य) (श्विमायत्य) लाम्तमास (साम कार्य)॥ 51 2/3 (4 CA [OLLA]) (80: (1803) OLO A 10 (ल्या मंत्र प्रमां) व्यामार्थित् १ वेष् क्षण देखे-लायमा जीत्रमान र्रिका मुर्मि (लायमा, जीता उ स्पर्टित् अवसामिश्रम्भ की कार्या लाम प्रमान मार्ठार् (तिम्न ररेत्न), कता (धान कत्वरे मा) अर्थार अश्वर्यन् निर्वार्यामि क्रियर अली (म्रक्ष्ववि अर्थकान देवम मम्मानीका) विप्रं क्ष (विप्यत) लांडेका (लांडेकार क्षिमा)

ह्माइती (इक्तरत) समानिकारकः अप्रन् (दाम करिए असम् द्रेब १)।। ०। यिश्वप्रदेश (बेन्यवय विराखिभी व्याचित्र) जी यन्त्री वं क्वामिस र्वंग (स त्यावंस मू स्वतिमुख्ना), क्रेमार्ड व्या १ (देस व व्याहा कार्म) त्मरं रामार्म: (भीव-इक) सार्व त्त्रार्भ: बस्तेमंत्र (सार्वेत्याम-स्वयं स्थिमं) में में में में श्रिक आमामं मान्केश (अमार्श्व बयदमं मान्मस्टिवं शादिशका अत्र क्षित [नदर]) एक जारा अँ युद्र : जा बड़ा (मिक अमार्भे श्री मंक मर्ग हाना में ट्यालिका) अभिमा क्षित्र अक्षेत्र (क्षित्र मान्य में यहार म्यां) (स (ल्पस्पनं) से व (१९३८क) ४०० (प (ड्यंप्र कार्य गाट्य)॥ 8। यासा आपाष्ट्र म म म म म म रे वी म उ (ह का रे मं : (मारा व विकल्त के क्ष्रीयंत्रवं आत्मात्म व वर्ष-धर्म व व स अड ररेया (र) ति छ तु व पा के विन-ट्लाकरवप अअगः: (भारात टलोकिक उ त्येपिक मर्म असूत्र वाक्ष्र ने कार्ल भिक्त रत्रेशार्ट), सर्वे सर्वे वेर ([मार्बाल कार्य] अवसर्व)

काक्रि जायर जायम् (त्मात जायरि लायन हिंद्र कार्टिक कार्टि) व्या (वरे) रूकायत (रूलायत) विष्य किला पूर्व राष्ट्रके (भिर्म्य टिला दिन हे कि उ मित्र के क्षांस्कर में अभ्ये) ख्यारि किं (इसेच कि ?)।। व। क्रीयंध्यामाः (व्याचातं) वर क्रांतरं (टम्म लर्जन क्यान क्यान) काः में ट्यानंत्रक्र-ख्यी: (को सिक्सि लोन ज्यानिन ट्यो मिछिन डमो), ज्य टमोमार्य (सत्मव्य (भेक्तर) , जाः त्रुवा भी ग्रहीः (त्रुवा भी छत Сअने स्ववत [नवर]) अक्षाट्वाटकार् मधारीय, (काम्म व्यक्षण) लाम लाम लामाम (मैन्याम्स त्यमातकारं मर्ग) संक्रायं प (अयं ने करिया)क: म भूत्रार (काम काछ दे स मुका भ रे'म)।। ७। [भारा] का क्लाम कत्रक न एक का काय १ रेन (विकाम् म्यू अत्मनं क्षम्बर्धे) मात्र हास्तान यसि (मारा लयि क्रियंप्यस्यव [नवर मार्थ]) रेनीय वं कि विलाधा-मास्त्रकन्तर (तीलार्वन- कार जाक कर टमल भने जमार सर्वे में भी अहासे मर (क्या ग्रेश के में में से से से से से के के) ॥ १। हिमहिम् टीउ टाक्षाव्यः न नत्या व्यान ना महार्मकार्यार्थे (मार्न हिंदे लाहर एवं के कारकं खिलामधार्थे में वप्रमें करण कियं प्रांत्र व वस्त कर्त [गवर महर]) किक करकार्यक था वन ६ (मा किक में अ विकार वं लक्सान दुलश्र) म्म्यासामें महत्तर (म्यास्य Сму. में अ P (प्रायं) अवं . (व्राप्त कवं) 11 । लार्केन्यर्थं सर्वं - एत्रित्रम्यायं-मैल्यं रेठातं (म्रायं सर्पवंस लार्क के आंत्रे धेर् अवंसमर्वे (समर्यानं सारं स्वयंत [नवरं ।म्य]) नवरं-वृत्ता वत्तन्यर्णः (अरे वृत्तावत्तव धर्मीन्य्ती, [(अप)] । युक्र कि (प्या) मिक्र कि (पान) के अत्) सस (लामक) प्रमः (प्रमाणक क्षित्र कार्ड)।। 91 [man] Br 18 # 2 m; [186 oned 420 Red) सर्मकरमा (लक्ष्यिक कर्वना) अनं स्माक्ष्याम्काम् (लाळ्यां देक्राय्व ड्राट्ट) वंस्तामः (म्यावायं) मारे (क्रित्र मरावंस-मारं-मे (आवंत्रं मिक्स- संपश्नारं (अवंससर्व त्यस मडावं प्रवं मावंत्रकंत प्यंवं

अन्ति सम्भाष अभवाषित त्मरं कियम अमून तक) भाव (क्षित कव)॥ >०। लकाके०-प्रविश्वान् भविष्यान् प्राहर्मा अविष्यान् प्राहर्मा अविष्यान (ला का के प्रमुभ वक्ष्रामित्व क्ष्रमान्वनान्व-कार्यमा (स्पार्त्यामा) यात्र व्यक्ष (व्या व्या में है हिआहर : (म्रायं अर्थ अम ये अदिक क्रयं प क (बंद) म स (का सार) म अव वं (म अव वं [कार]) क्राका (जीयाकी) वम् प्राव (जी क्रावाम) यू वार्ड (विदाम करिएटिस)।। >>। क्या-विकास (क्याक्यावता) त्याका (क्याका ट्रियाका ट्रयाका ट्रियाका ट्रयाका ट्रियाका ट्रियाका ट्रियाका ट्रियाका ट्रयाका ट्रियाका ट्रियाका ट्रयाका ट्रय (जिल्लाक (मार्च) भराविम्ला छ : (अव्यविम्ला) प्रवक्ष्राहः (प्रमुष्य वक्ष्यप्षे) व्याचार्मा (ल्प्याम्) अद्याख्यमार (अद्याख्यमा) अद्याद (क्षांशाक) असं (क्षांत कनं)॥ > २। डेसम्बर्व व्यभानम् मर्ग प्रविभक्ति मानि (मार्न कुम्पाम अवसमर्बे दिसमायम् सनं सक्षर-त्रिकें भ्रिभ्यान्य भन्न क्ष्र विष्यान्य कर् (न्या भारा आम अत्मवं) विकास मेर (क्याक प्रापंत थांग्र) 12 के बुर्ब पर (ig के बुष्प्रक) टिप्पेश (बल्या कार्ड) 11

>०। [लास] सर्मिरीय: (मर्मि निर्ण [नर्]) मर्क्षावताः ह (मर्वाविध क्यापिक्) निर्माण लाध (लाम्ब्रुच्याम रहता । भस्त इति (समा नह) रीअवं (लअवंशिक्ष)। मुश्रमद्व (। सुश्र मद्र) दिक्यात् (दिक्यानंत्र कर्षितंत्) क्रिं प्राधितं व (मिलिया एक सम्म रहे बमा कि ?)।। 281 र्षणावय (८ र्षणावय : [ल्यास]) है। से वामानं (का सारं यद्य अम कार्न अव अमे अक्ष्ममा मिरि-वदृत्: (कक् क आमिक अत्यं म्या क) खिक सी (विद्याम कर्तिमा) माद्र भार मर लाश्वे (लाक्सम सार (भवं लाश्वं प्रश्वं माहि) " ला : (ला च व व) - विशि के इंग्लिंग कर्त लाखा राष्ट्र (@w हो इंग्लिंग-स्त्यं बन्ना देव डर्गात [वाह्र] त्यालक) त हि जम (जाम कार्ने उता)।। > वा दा क्यावने (दर क्यावम !) विति क्वक्रर-CALCE: (COL से से सार्या ले अंग्या के क्यान् लाक्ष्य -थानु) " घावाचार त्यान ([नवड] द्वाय व्यवज्यत) भग्निम्म (कार्व- कर्मम) क्रम (अर् कार्य कार् सर्वा अल: लाल (अमंद द्यामंद) म पव

भनेपुर (लासन एक प्राचित्रमा रिलक्ष केष्ठ]) ति (लास्परं) किं विद्यामाप्त (कि कार्वाय रं)।। २०। र्यात्रम् (१ र्यायमः) केल्याब्यां सामा (म्याभ्य द्राम्निनंसप् मार्थनं स्था नद्रंस्त) [स (कास्त्र) लाख्रे प्रजात व्यान (काळ्यां में प्रवास (कास्तरं सद्य) अमार्ग (यम कार्युक्तरं)मा डि ormer ((कारे कामा) म् करिंग क् (कार्ड मूक्टि), य (अंग्रं) (स (ल्पस्पं) कि उँ त्रियुका (कि इम्रेट्स ?) !। 201 (का (का कार्ड) प्रवेश कार्ड : (कार्ट प्रवेश मात्र) ध्यक्ष (इकेक) १ रेके ९ म सिर्म ट्रिके सिर्फ मा उद्देश) मार्वः १ (मार्वदेश) य मंग्रेट (मंग मा कक्ष) " वे (क्षाण) म्याना सम्मिन-सर्व श्रिटाता : (अविश्वातं भार अस्तिनं स्पर्तेत्. के अ (द्वारमन ट्लाड) । क्ली ब्रेस : ट्रा डरवर (क्या संत्यत्र । स्वरम्य दर्दिमा)।। अन। इदं : कास यद्यार्मस्यान्द्रमास्य (मार्थ व्यक्तियं ३ हि व चर म मंत्र व लाग्रीम (पाट हेर्भापत करन) न क्यावत द्याने छार्थ- हातार मार्थाः (र्मायत्य सत्परंस ल्यां द्रम्भण्यातं तसम्बंद्रम्) अहिकामं : (ज्याकाष्यं) सकी वंशके वरं । लाके व-वास्त्राही आला (स्टारंस र प्रवेश में प्रवेश में क्रा ENS, or t chier) CA (ourse) CARLO CA (ट्या ट्या केल) क्रापि (हिए) भू न्यू (डेपिड 五子26)11 १०। किलावकाछिना जारे वनाले एन मार्च मिन्नू मू हिना (1मुन्य क्यंतानं क्याला व सक्वानं द अनुसं स व बंग्रंभानी मरामार्चिमानातं निष्या द्रिण्टिन), कानाम्याम्बन-इंद्रमंद्रमारी: (यात्राव व क्रम्मत्म न्ष्राङ्गी भावा टकारिक कर्म देळ्शीविष इस [अवर]) शविखावसूर्णः (ग्राप्त किक केक कित्यतं अभी में हैं [अर्]) बें सम्बे (वंसमन्) अवास्त्र (आवारा) तम (लपराव) ञ्चार (स्परंग) हकाम (विद्रांश करूप)॥ रंग प्राष्ट्र कर मा: (स्त्री ग्रमाय) वर क्रियांचर (एत. लव्यमुम (कृत्यानं स्था) र । ध्रमुक्तांगः (न्याक्ष्यं) काम काम (काष्ट काम) मता (मर्था) थः (पारा) डेक्ट्र मिं (डेक्ट्रमिंड इरेल्टि), पिक टिक टमान काल (पिक टिक टिक ट्यान काल का मार्गिक

मर्ला) भ : बमार्व (भारत कार्य कार्बाकार) में केंद्रम र्यं दशी सथका अकतर्वे वकतं - क्यी में त्रामें कर्ता में तः (मृद्धिकारी उ समका दाभाष्ट्रें व्यीस्मिर व्यान मी हिंगा लिवर]) व्यक्तमाङ-माञाना स्म-वंश-हुंबा- एक्टिंट या म: (ब्रिक्टिं काक्टेल्सी व भाव-अले वि वंश ममं एक्। मर्ने ट [मायाक क्याम्बर्द काह]) © उमार्च्य मिरको (अमकत भर्म्य भागरम्) अस (लासान) दानसाम् मूर्ना (दानसाम् म्यारी) यम : (हिड) बुष्णु (मिभम इडेक)॥ 521 भाष्टिकाता: (क्यांकाय) वि कुल्यावं (अर् अव्यतीमं किल्लानं वात), अश्रास्त्राद्र मर्चन्त्रमा-अधित्र (अन्तर सर्भत सर्भेत्यावं द्याष्ट्योसनं) वर वर करं (हिल्मे कंत्रमंद्र) में मा कामिन लाभामात्यी (लाकत् कर्माक त्या) महीयाद्रिंग (भूमर्वस्थानिक) भः भारतः मन्यामः ह (ट्रिंग्र सर्पार्त्याक्षं में राष्ट्र) विद्यामार् (एत्रं लवित् ट्राम्यत्) ' स: भाष्टिसमं : (काष्ट्रभास्त (अर् कारें विकास) 'देश हिसा. एक लक्ष्रक्ष्रक्षाः (प्रामित्र लक्ष्रिमं हेन्नाम) वाः थाः भ्यापार्यंग्या समस् विकेष्तः ([नव्] के कार्य-वामकामक टम् अमस विवादमपूर) दम छा उ (लामन विकार में किया करका)।। १२। नाम त्यानि मार्थिन महिन् कि विक्रिक् वि: (क्का असम् भ देश मर्मित विकान प्रवे । विश्वा-कांस) भे अस्त्री भारी (भे न्यवी व्याचा) कमकश्मी-स्थित- लेक्ट क्राक्षीयं टामु द्वां (स्थित्या स्था मा आ प्र मास्य के के तार भाग (भाष म्यू) व्याम भाष अर्थ के दिं : (अभी अभी कारी) व्योत्थं : व्योत्थं : (अत) क अअंबाया) अमहाम मर्य विष्य-मराकाछिमिक्षम (लाल्सर्वं अस्टि लाप के शाहिसरामानरवं) क्रवं ही-(विश्वान श्रुक) प्रदृष्टि : सर्वातका मार्चिता : (सर्मकारं लहे अध्यास सार्वे म्यां) मिस्तामास CA (outha) विभि०मधात्र (हिक्क विभिन्न कार्यों जमार्था) मना (मिन्डन) ऐराष्ट्रं (क्रिक्ना कन्म) II र । सम्बिक्स म्यावः क्या लक्षानं (भिराम देवस हासमर्भाष्टं व्यक् देश्याला) व्ययल्यासाक) दें ८ (लामसम्प्रमात्रानं लाक्ष्याम) र्याव्पे (व्यविलावम) खार्छ (बिश्राक कार्किएटिम), रेप अब (जमार्किपे)

अक्षामक्ष्र (अक्ष्यं लाम् न्याक) क्षितां वरं रं (किलाइम्मन) डाि (विमाभ कार्डिटर), यः (भिनि) जिल्लामाण्यस्याम् जावनानि जामितानि पिला (अर काम्नेयायनं अन्यक्ष्मे काम्यायम् वात्रक्ष मश्रीमार्थ मिर्द्या) मिछ : (अवस्थान सूर्यक) थाड: (क्राप) त्यारे ७ तः (अड: रामरे ०१:) में अंप (इक्ट) असमंद (१८१९ व (अविक असमंग बिलाभभग्रत्र विश्वान काष्त्र), ज्ले मप्तः (कार्य व्यवस्थ क्षेत्रम कार्य)।। 28। र्वायम प्रि (सीर्वायम) प्रतुष् (प्राविष्ठ) मर्न नरेमानिन्धून - महाभाषाकाविकारोक्षर्र (भूमर्न रापुर्वेलिंड क्युन्नेक ज्यानामारमात्मं त्युम्त्) लये प्रकेताः (लयं अन् । प्रियाः कार्यतः कार्यतः) सम (ourse) अभा: माम (अप काल्याहिक इक्त) 11 र द। सक्य-रे बेनर (सण्येम रे वैंक्युप्रते के [नवर]) म् मिक कारिश्वा न अहिमन अमर प्रोक्रायारिए: (मात्रेक काश्चिमं प्रमंद क्रम्म उ कामप्रवाप. समात्र), का का मामा: (क्षीका कात्र) जु (अर्थ)

ल रसने १ वंप क संभंद (लाठे अप्यां क्या आस अम) के बंबे ([ours Erin] showne son) 11 १७। लक्षेत्रम (जनापाल बक्रमें), केमारे (डेमार्ड काता) त्यांत्र (त्यांत्र वर्ष) भर्त्तं यात्रिकः (तर् वं चिलाम माना) इ (दः (च्याक किं के) समक्ति वं वं (प्रिक्रम क्ष) माशामा: लाक्रममंच- १ वेष्य रं वि . ([3] व्यान्त्रम्म व व्यीवाची न्याप नाम (करे [व्यामन]) म्मः (हिड) लप्यू (लभ कक्क)॥ ११। क्षेत्रिक्त (अवादीव लाम्लक्ष) मन्नाने-E टल्ला क्ष्यक दिले हिला : (यभक्ष स्प्रमें दलमर्दिन देकाल्य मीछिंगान्सिंग प्रवासिक), व्ययक्तींमी मामार्कम-तू भूव व प्रवाष्ट्रियर (नामार्क्त्रीमक, लामकममं ७ तृष्रकातिक क्ष्रम् (प्रक मी के अवर) भेरक (मल्य काई (छाटि)।। १५। क्टकालीलंग्रामा (भारा क्रोरकंश रिसदंब (पाल्युमं) व अंक (प्रांचल (सर्गाम्बर-मानी), रेक्तिंग ए र मेर (भारा नभी क्षिनंड मै प्त) मामामसमसंग्रं (चित्रं माद्रा] त्यारा दे आमल मर्बे बरम मार्ब में), का की मा: ममाविक्ष

(ज्याचान अर् जीकाम अध्यव) स्मवात (क्या कर्व) 11 २०। कारिम् मूनाभू जिलल्ला व-विलम्ब अहक मल्यन् (र्मश्र अठिमूचकामन अर्जाने अन्तर मअक्र इस्तित अप अर्थेर (स्वाला अपद्रिक्ट) में सर्वे कंट (स्वर् मारा] लाक्स (पार्क) में से हा मा: (क्ये से हा हो वे) स्तिमक्षीत्- सतारत्- हत्ते पूलामर् (मितिनू भूत-Сми हि रार्ड हर्न में अस) Cस (आस्पर प्रकार) हर्में (लाक्ष्यमा करंप)॥ ००। भाना हन्ते- न्त्रेमाने नृत्युन मृती कृषा (धी नाना म आस में मिस के श्रिम में में में दिवं इच्छा क्रात्र मारा के Стра लाय द्राप्त इसं [तक]) विक्राय ० वड -क्षक्षि (भूर्वक् क्ष्यम् मध्य विक्रा इ उ गंभं) व्यक्त स स्वी स्वर्ग स्था है (त्य प्राक्षित न प्रभीमार्य राम् मान करन), र्दाः भूनमीः (क्य के किं एपर बर्मादिव) अवे व (क्या कवं)।। ७३। शकी-पूरा छि-पूर्णी छल - भएक सल १ व्यी ग्री मे ट्यांत्र के के में भी क्या अस क्या प्रकार के जारा -(यदं सर्थे [चवर्त]) सेंद्रः सेंद्रः (अवस्रोवं) ट्याह्य- ख्रं एतं (सेंद्रेश प्रमेष ३ ख्रं एतं) स्मास्ति

श्रिम् (सिटिय लाख)। क्रेमिट (काम्पेष शर्मेंग) क्यामर शम (क्यामम कार्य का के क) ट्याल (क (ल्लाका बाने त्वरहे)।। 07 । कला (कर्न) सम (लामान) अंत्मेर (18a) वासी लक्ष व वित्ता छल का छिला र्य में । प्रक्र निः भार्तिः (क्यों वा का के अम्माल देशकि अवस्मार्थ-मासादंव क्राइडाडा) दुरार क्ष्रमं (क्लिसिमात इक्ना) र्यास्त्र (र्यायत्र) य नं का का का क (un ald 23(4))11 ७ ०। इन्तियात (इन्तियात) व्याजिस कुं के मीता-म्निक-मक्ष्मक्षी न् (प्रकिम र्न् विकिस नी ना न्व सत्यत्म न् भवं ख्रमिनिक [नकः]) अमद्रेशमध्न-बामर (मभवव्याचित्र भीछितिकाकी), श्रामाणः लमारिमामर (क्षीयारीय लमारिमाममम्दर्द) भा नामि (क्षात्र कार्न त्वाह)।। 681 मिंग्राका] श्रीगंश्रीगं कत्नावि। हिया मू वृष् की हा अवर्ष : (तिक तिक देन भूने) कारिक विकिन भूत्व की ज़ान वह नामाना) मित्रः (अवस्थनं भवस्य विष्यं) हि सारी क्ठ- (मार्ठ-अश्मिक - (अपन्यारिका मारिक् (हेन्यामक, त्यारेक,

राम्य , हर्भाष्ट्र उ डेक्लिंड करन्त [यरर्]) डेक्सरपत (दल्यास) सत्तिम (कल्यां क्या विकास (कार्य (कार्ट्यमं E क्रा रूरे मा) र्यानात्र म् क्रम् द्वा (र्यायत म् क्र्यू प्राप्त) प्रदा (प्रवेदन) ट्यम १ (बिराय करव्म , [कामि रमरे]) टम्मंबन्ध्रसर (अम्ब क क्यास वस्) शिक्सान स में (क्तिलार्यूनलाम) उत्त (त्रका कार्ने)॥ ० व। [बासम्बद्ध हाक] लयम (क्र सम् !) व्यर्गेस (के दिस) कामाराम (काराम के का का) यस कि द (लासान अरमाय । हा । [मभी ने द्राष्ट्र]) समा (विंधी सर्मा) वर्रे भर (क्षेत्र के क्षित क्राम दि कार्य कार् कि व दिवस (क्षान न क क त्या ! हे [व्यानाम देशक]) ह ख्या बना कि मू जिल्न (हळा बनी क्रमी अर्था ९ m भी विलय-हामा । मिति अभे में दम ' व्रामं हाता) सम । हु ई (लाम करमं अरमं अर है । [प्रभाव दे हु]) करवर् उपमृक् मर्याप्त (अमल क्राक्ष्य कथा उ वृत्ति व्याप्त -स्माहनं कर्डिट । लाम्बितं हस्त्राम् वाम्पेर स्क हल साथियों ता करें में उन ने स्व बस्त कर्म ट्यान त्यव देवसमान व्यापि दे काले वर्षात कर्त

लयक्षेत्रं संदेश कार्य कार्य हिटा [क्या क्रिक देखा]) विष्क्रक कक्षात्र (भिनी भर्क आर्ष्टिकत , उर्राय क्षाया) सस एड (लासक ए उद्वा कि मान् देखें]) कर्मक क्रिया (क्षेत्र क क्ष्रामं कार्याय) क्रामंत्र (व्याप्त कार्यक शिरिका इ, व त्र कार दं सन्यामी कार्य क्ष बामें के लाति महाष्ट्रिय दे आर्ट दरें) करी (चीकंका) देख (चर्येका) ल्याम्याचे (मन्नीनं बद्ध) लाक्ष्म (काक्ष्म कान पड़ी) भीमार्मे एक: (भूमा-कसम दारा) अर् (डायार्क) भूठी हकारि (अराद कर्निया- विवासमाम विशिष्टित)॥ ००। ब्रक्ष्यत्यः लम् दाः (ब्रक्ष्याच लम्प्यम् विस्त]) में बार्में वें पर्वाः (लल वं स्वार लमें उ वर्षाम्न) E काट्य १ त्यामुक्षकं : (नड् कां के ट्यामुक्यम्) म नवीम मी (भूमा क्रिमा) डममव : मामा (डममासन थामारक) उर्टू (धार्किम कार्नेड)ता अमूर्पारेटन (अस्त्र इ, य पड़) व (अंदे) क्रिस्टी ने पं कि त्राष्ट्र-मैंस) क्या लड्ड (ज्यास) अव्यं (चर् स्प्रमेश्वरेंग) माजान माजानकः (मछान व्यामका व्यक्तिमाल) मिहिं आर्थ (भार्मिक श्रेमेग्रह "[यवनर]) क्मारिच (त्य कुमाम!)

(क्राम) कर्तार्व र्मा क्रिकः (अवस मार्म मार्क) वर - मीकारं (मैसि व्यासम् ० वर्ष करं [नर् उर मीकारव (विशि कामाक अर्थ कार्य कार्य (any) यार्बिल वियद्यः (अवसमार्वेमप्षेत) बल्लों (यम भीम हरेक आर्ड)।। ०१। [मिन] विकिम्मिरिक किक अक म अख्न ना ना माने-हर ति मन्द्रम मुद्रम् द्रामकार् (विहिन भागम्छा-मानिविष्ठि उष्टे उ नामामाने अपीक भूमें भाग अम्बदम वर्मीिक के अर्थ (निम अर्थ) प्रमाम (प्रदेशम कार्यमें) असा (प्रवृत्त) बेल्यान(न (मूला यत) का कि त्या क्या समार्भि (श्रीका की क मिर्म याला कार्ल) म्रोडि (लाम कर्दन) सटलाइटर (चर्चेस स्पारंस) के एप (क्लापत) न्माभल कार्यन (न्याधन विश्वास्त्रे) भभ सनः (onena 183 [nout it ans ones])11 ७ ६। यदिकालं आक्त्र ९ खर्म ना में कात्र कारा छ-माण्या किला आप (भीने अछि अर्थ छेक्टानिक काक्रमतार्थ त्रिका अम्ड कागाविसामिका ए दिखाउन पाक्त करवंत्र [वयरं गिति]) के अल्पादिकशीस (क्रेंभ उ

(-मलड अंक्षकी के अर) कामाका किए कारी रिया ने (4) (र्भावता [वर्षेत्र)) का लाख (त्यात्र चक्) वि (ब्यावी (क्षित्रें) म्यास्ट्रीक किन्ते (क्येकि किन १९३ लच-इय्रे कर्यत)॥ ०१। लख्त (लखाः) ज्यम्पस्तिवाद्वितं मैक्या (अर्मलाक में मृत्रि में के म [3]) अर्मा उर्दा करला (से स्रातं ज्या वि वे प्रत्या के क्या दिया क्या व कार्म सम्माम ७ मूमप्रकल विद्वार्थण), म क्षा (सक् हारम) भूगा (भी रेक्स), वक: क्षेत्र-व्यापक्ष कारि मिंबरी (लिवरी वाहर रह ति अनक अव्याला अविकावकाविती), का आली (त्याम अक) कतक मार्चिम (म्बर्म मण) वृत्पायली (ब्यायता) क्यू भी भी (तिक्र त्यू म या उत्ताला) डेसप्यम् (व (भामाछ) नामार (नाममर्) नकर् (यक्षि) पिका (पिका) जमान (जमान कृत्या) (यक् ((यक् म काई मा काई मार्ड) 11 80। द्वतः (तः हिछ! [पूपि]) ब्लावत (ब्लावत) कर्मनाकुछ-कार्मकार कुत्रूष (कर्ममाल कार्मकाय-मेक्स (क्या किए) में मक्ष (के में का एक क्या मा हिंग मा-

कार (में आकु हैं ए प्याति व यापांस क्या प्र प्र) र्के एपा भाषा भुर ७० (क्ष्य यन व प्राप्त व क्ष्य रिवा-र्श्वा) ' दुक्रम्य हि भी व्यस्ति (विक्टिन प्रामं डेक्ट्य वीठ यस मार्वेश्य) न की गरी के कि समे दे (क्यां कार्य के किया समामेक [चवर]) विधित्वं दं सर्ह्या अनम्प्रवर् (विश्वार्ष क्रम् मर्म वर्भी भावा-सक्ति विभावकाती) में लवं (सप्पक्त) वर भाप (मिया लगाविश्मं वस्तक) मान (भाम कन)॥ 8>1 मिलि मिलि (मिल मिल) धर्मला द्वा छ-स्मांबर (प्रिय प्रमुद्रका द्रित विश्वतका की) जिसा में ०-इसस्या हुत् : ([लवर] (क्रममं लर्गिरर-(मुक्रें) लकिमार्ड (लाकुदुक्त) तक्रं भारं (कार्यां (त्याप असं तक) थुनंगर (थनंत्रेश इकेन) रूलायति ([नवर्] रूलायत) विविध्वयं त्यार्थी वेस (प्रार्थ) ((स्पार्य) अप-कर्ष खिल्स (प्रविष्) अडकारने व्याच्ये) पत-मिक्का का (ए वर्ष मिक्स प्रमे हिन्स क्षेत्र) नामकारि (नारधन कार्ड) कि लाउर दीम (क् प्लानं एकारं विकास क्राप्तिनं व में [ar 28-2])11

821 रूमान ते (रूमायत) निल्मासी समर्वसर्व नम्मर्थ-क्रियावं यक्षीत (भवभव अवंसम्बुवं विश्वि क्रियावं-(भाषाकाया) मिलाप्वार्म- आव्यमप्रमप् (हिन् वर्षत्रभीत कम्म्ब्रम्स्त) अम्मिक्षालाः (क्रांसम्दर् विवमण मुकं) न त्मेषाण वासाः ([नर्ं] अन्तराम्पित्रसम्) क्या भाषात् - में वेत्री-हरं तो: (क्या मार्थात व सेवणी हार्य के विसंसर्वें काः (कार्यम्) मृष्टिवानां हिन्दी: (रम्म, वहन उ लांबार्ड विणामकाम) लक्षा (पक्ष करं)।। ३०। लार्स (लार्स ;) र्यान्त्र) कम व के के कर (व (ब्लावतावं कतस वन्ध्र सत्ति)।स्यः ([म्परावा] लं अ दं वं) श्रीमें वं मार (अवस लामें ये मार्यात:) क्ट तरा ड: कव्ती जिया पि प्रकल (तर , प्रत: उ इनक्रमार अमेरनेत्व) अस्तिदिक्षक इव (तक्रा-मैं कियं भीमं) ला बर्ड (क्ष्यं प् क्ष्यं में) प्रयम् ्राम्बर्द्यल्या वकः (नयम म म्यान कार्या विष् क्षियं स्थार विद्यामात्र चार्र गिर्ट्य) व कल्ल-ट्यामर् (कामहक्रम), विशेष त्मार्मर् (व्यक्षिर्म-इस) कि (अप) टम्ब्यीय (अप व यायवर्)

द्यात कार्ड (विसर मैमपक) सँग (म्यार मार्च) <u>द्ध (स्पर्य थां ।।</u> 88। वर्त्रवर-मूल्लेकाछ-लमर्सः ([1यात्र] का कापने भारे त्याने सामु संस मार्डिंस मका मार्वें) कुर्ल: वहरिक: (अमूत्रक वन्त्रं नाविधाना) मिल: मिक्कि (मिक्स एम भ्राविक कार्ने भा) नवर्षिवरमामाम-कला त्रोल पे प्रसार्श्ती (तव टार्गवतम् डेलाम क्या टिले क्या मार्ग मक मार्क म्या करवे म [2 वर]) मार्ग (सम सरा कं माठीक वर्षे : (मूनरानं क्या व्यर अवस दुलाएन क्रिसवंस्थाने के ला वरा यही है। (व्यायत्मवं लगा धा वर्षत करवंत) , नगम अव्युविती (क्येक्टक की वम सार्में) आ (मरे सेल) का लाख-विभाग (त्याम अक विभाग) अप (अर्वपा) त्या (outre) क्राप्त (हिए) हा ह ह का मु (ord stran कक्त)॥ 801 क्षिम्म्युं : ज्यादा (ज्याद् क्षिम्मूं) बंदा (ब्यांस्य) धने १ बने १ (कार्य अने में में रहेय) ० तं या मानं कि कः (क्या संस्थित अव मानुमार्थ) कि क: (ब्युक्क) थरां व्यां व्यां (व्याव्यां वर्तिक इत्य)

हर्नका (दिल्लां अध्य काल्ये संत्र खिंकास्पर) सर अलीयर रें यर (टक्क अलीयन) खने छ थे क (कारुआतं थमते के डद्य [नवर्]) वर्ष अस्पार (व्राउपतिषः प्रिक्षण) रेमा श्रामक (क्या मिमारम) थरे वि धनाठ (व्यक्तमं धनंत्रेश इद्र्य)।। 801 र्मावत (र्मावता) (आवंशीय (आवं अभवत्) लाक (मार्य केंग (कार ६) (कार्य कार्य कार कार्य- क्यांस् प्रमुक्त), निक्रामि मिलासू वा सुव व स्थार्मन विका-मनं - तिलार्ष - तिलाम मानिका किलाम् मून्मर् (निका अम्म-विहित ब्रां डेप्यवमानी, निक्राधीलक, निकार्वर हमं काल्यं े पुळी प्रचानं मात्र े लाहे व थियो कि प्लावं-म्मन) स्म (लामनं) स्यः (१९३८क) स्मालनंद (मुझ करवंस)॥ छ १। विकियन व ठालू वी क्ल-विकि वं क्रू र प्रवः (मन्त्र का किल्य नि छन् हम विचि हम के की अरमार्स विकिय म् छितीतान अकाल करन्त), विकिछन्-कारिं छि: (भविषि परकारिया) क्राविष्य-क त्यी मंबंद (के त्ये में लाते हे कार्य (कृष्टिय) मका कं करवंत) विष्ठित्रव टक्ल हि (यात्रावा

ति। हिन मबीन रचलवानी [नवर्]) नव विकि किल्लानकर् (भ्रायामा विकित नव किलाम अम्म), रेपर (परेक्ष) विकित् इये प्रदः (विकित कार्मा किये) (देश अपन्य करम्म) 11 8 PI [ए प्रत्म । वेश] करे को १ (करे 10 अत्र) ट्रिक: र्ये (द्रिक लाद्य सं सं स्था र्ये) ' लाप श आयं-अनंसाम प्रक्रमा बंद (लाभीस अवसामसनं) व्यक्षकरं (कार्वावक्ष) दिलमाम्क हाल्यकाम् रहे (हिश्मर्या-सम (काम व स्मा शिक्ष व) सव (दाम कम) रेस (कमार्क) क्ष कुमर क्यातः (कुम्बं क्यातः) लये हें में (अमू उन कार्ने मा [क्राया अक्षेत्र]) त्यीका सबीका-क्रकर् कामार्छ: (कामबीक क्रम कामार्छ:) कमर (मम्म करं [नवर]) वस (व्राम कल) के (वं) समर् सद्यस्त्रित (सद्यसम् कुनं समम्बर्ध) मुलायमः (भीमृलायमधाम) (अभन्न (अवटलाकन कव)।। ८०। मानावर्षम्पिति मुक्ति-मन् (हेक मूलावटन मामवर् भाष्यमें ठिंद क्रमाट मी हिंदान विके वंडिनंदि व मीकियाः ([देश] विविध क सका में) भाभाभम्य-भय छल्यूक्टी: (आभा, भल्न , भया, छल्, प्रक्र), भेटकाः (अडमा [3]) म्याः १ (म्य कार्या कार्या) टमाल्वर (मॅटमाल्क [जवर]) भाषांबे कर्ताः (पात्राबेद्यतं) अरम: (अअ) ' र्घमके ए: (र्धम) ' की देव: (एक), अमूर्व: (अमून), निक: (काकिन), उन्दर् इंग्नि: (उन्नम्बर ध्यानमे) प्रावानम-अर्चि अपि छि: ह अर्छ (अरम्यम् कपी ७ अर्गादिक निया प्रकार के किया मानी)।। मधारमाल अस्म विहिन्।।। ७०। [दुक रंगायम] डॅक्टी व भी सक्षे वह: (माममा-कुल्यु वाति-विवाबिष) की एं को है म ट्या प्रमाहि: (म्ट्लामन - भेडाह्यम्टलाह्ड) व्यम्नट्यामाहः (क्या दिल्लामी) मामने में में भी है: (विविस वर्षेत्रमें ८०० त्र सर्द्र शक्त) लाम् ठं लक्षिक (लव्यम्ने व लक्ष्मं लक्ष्यामम्) पि टिमरमिल-अमान-अन्ध-मक्रवाली त्यः भराम्भवं (मिन्हन विस्विभीय भूक्ष भवात उ भर्गानिकाना द्रायां अवंश टिम्म एत् विकास डड्मारह चिवं छित्र]) अगन्नियम सप्तां स्थित (अभारं व्यमनं

भर्भ धारक प्राथम सकान्धां) सर्यक्ष क्रम (बीक्षिक प्रार्व ति।श्रेस क्रमल्य) विवली क्र्य (विश्वस्व केर्यम्

७ >। क्यू कत्र २ मा रंग- तम्युकाव्य वार्षाः (कत्र एम, भावमा व कांबवय सर्कि) महाः (लाक्ष्मकार्ध) लाकट्रा: (लाक्न) हिंबक्एं: (काक्र्याप्यं) लाडे-येक्ना (भ्याम मैक्न) मकापुर्का कंग (सर्वे यक जमनगरीय ककार्य मुभावेजा), अपा विकासिकः (नि) विवामिष) कर्तार्वः (करणवं) कम्रतः (कभम [0]) पिरेक: (पिया) मिनिके वाद्याद्यादाः (विष्टित दर्भत्रकाणिकारं।) त्यामका (विर्वेशका [लवर]) सापुक्तिमा सामा । साप्रमं वद्दें थिवं डेक्ट्रम का हिन्म प्रमुक्त) नामका : भूमिन-खिने (स्थापुण्य वी मुखरे (प्यत्मियां) व्यर्वेव 6 (९०. र्मावय समार्क कार्रुगार्ट्य)॥

आमुका (बेले मने कुबं हिंगु मां का प्रकेट [कब्ह]) अधिक्य प्रम्य विश्विष्य में में के का प्रम्य स्थार (सर्वे क्ष्य प्रम्य विश्विष्य स्थान का प्रम्य स्थार का प्रमा

उ९ प्रश्मिन प्रमान निर्वः (प्रमान क्रम्बनारम want the man would have the मर्मिर्दे प्रवेद नामी भ्रम्भीक्य) ममामितः (सर्म अका श्र शर्म कर्क) आणुका (त्राबुक) छेलुसा (ममूत्रण) कम्भारेबी (कम्भुकामम [त्याका आरेखह वनर]) उस (जसकी) सरा (सकता) क्रियं के कल्ल में क्रिं (कल्ल प्यादिवं दुर्तन-न्यासी) मिर्मे प्रमें दे कि कि का हा हि (खिंबाकसाय वंग्डुमंट्ड)।। e 01 जन (त्मरे निक् मु मध्दर) अन्तं व्यामार्तक प्रश्लो (अल्पिक कल्ल्ब्स अमड), आकर् दिलाव्की (दिक किल्लार मध्य), त्यी देख - लिया प्रांडिण-सरा रे ले सप्त (त्यप्त व सर्मे अं अंक प्याल्व रें ये सप् -विकासक) र्याक्त्र (मत्यत्व) मत्राद्यारत्य (अन्म टक्षण्य), ज्यानक ट्यांक्क्य स- त्मेन भी स मर्नेना-कार्ति (कार्व मध्कात मूर्धन क्षिनीमानिकार), पारमा में भी (लाक् मने पारम् रेमामा) से हा मा हर गाम-मासवं बद्धे (क्यां वा के क प्रमक । हिंग मामवं मैं अप्यं) आवं (कीत कवं)॥

WEIGHTS AND MEASURES.

DESIGNAL DAMAAD.			
INDIAN BAZAAR WEIGHT	BENGAL BAZAAR WEIGHT	BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR- DUPOIS WEIGHT
4 Sikis = 1 Tola. 5 Sikis = 1 Kancha. 4 Kanchas or 5 Tolas 4 Chataks = 1 Powab. 4 Powahs = 1 Secr. 5 Seers 8 Pasaris or 40 Seers 1 Maund.	5 Chataks = 1 Kunka. 2 Kunkas = 1 Khunchi. 2 Khunchis = 1 Rek. 2 Reks = 1 Pali. 2 Palis = 1 Done. 2 Dones = 1 Kari. 8 Karis = 1 Arhi. 20 Arhis = 1 Bish. 16 Bishes = 1 Kahan. 16 Palis = 1 Maund. 8 Dones = 1 Maund.	36 Tanks = 1 Tipari. 2 Tiparis = 1 Seer. 4 Seers = 1 Payli. 16 Paylis = 1 Phara. 8 Pharas = 1 Kandi. 25 Pharas = 1 Muda. BOMBAY MEASURE OF LAND SURFACE	16 Drams = 1 Ounce. 16 Ounces = 1 Pound. 14 Pounds = 1 Stone, 2 Stones = 1 Quarter. 4 Quarters = 1 Hundred- weight. 20 Hundred- weight = 1 Ton.
JEWELLER'S WEIGHT	20 Dones = 1 Sali.	39} Square	4 Gills = 1 Pine.
4 Dhans = 1 Rati. 6 Ratis = 1 Anna. 8 Ratis = 1 Masha.	BENGAL LINEAL MEASURE	Cubits # 1 Kathl. 20 Kathis # 1 Pand. 20 Pands # 1 Bigha. 6 Bigahs # 1 Rukeh. 20 Rukehs # 1 Chahur.	2 Pints = 1 Quart. 4 Quarts = 1 Gallon, 2 Gallons = 1 Peck. 4 Pecks = 1 Bushel. 8 Bushels = 1 Quarter.
12 Mashas or 16 Annas = 1 Tola or Bhari.	3 Jaubs = 1 Anguli. 4 Angulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Bitasti.	BOMBAY CLOTH MEASURE	BRITISH LINEAL MEASURE
INDIAN TIME	2 Bitastis = 1 Hat. 2 Hats = 1 Gaz.		12 Inches = 1 Foot.
60 Anupal = 1 Vipal. 60 Vipal = 1 Pal. 60 Pal = 1 Dundo. 60 Dundo = 1 Deen.	2 Gazes = 1 Dhanu. 2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes = 1 Yojan	2 Angulis = 1 Tasu, 24 Tasus • 1 Gaz.	12 Inches = 1 Foot. 3 Feet = 1 Yard. 5½ Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furlong. 22 Yards = 1 Chain.
60 Dundo = 1 Deen. 7 Deen = 1 Hafta. 30 Deen = 1 Mahina. 12 Mahina = 1 Baras.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	10 Chains = 1 Furlong, 8 Furlongs = 1 Mile. 1760 Yards = 1 Mile.
INDIAN LIQUID MEASURE	5 Chataks = 1 Koonkee. 4 Koonkees = 1 Raik.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam. 8 Palams = 1 Seer.	BRITISH MONEY TABLE
4 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Seer. 40 Seers = 1 Maund.	32 Raiks = 1 Maund. BENGAL PHYSICIAN'S	5 Seers = 1 Vis. 8 Vis = 1 Maund. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Pound.
INDIAN MONEY TABLE	WEIGHT	MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings = 1 Florin. 2 Shillings & 6 Pence = 1 Half-
3 Pies = 1 Pice 2 Pice = 1 Half- anna.	4 Dhans = 1 Rati. 10 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola.	8 Ollako = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal.	BRITISH MEASURE
6 Pies = 1 Half- anna. 4 Pice = 1 Anna.	BENGAL CLOTH	5 Markals = 1 Phara 80 Pharas = 1 Garee.	OF LAND 144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot.
12 Pies = 1 Anna. 16 Annas = 1 Rupee.	MEASURE	UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND	9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yds. = 1 Rood. 4 Roods = 1 Acre.
INDIAN MONEY TO STERLING	3 Angulis = 1 Girah. 8 Girahs = 1 Hath.		640 Acres = 1 Sq. M.
1 Anna = 1 Penny. 12 Annas = 1 Shilling.	2 Hatha = 1 Gaz.	20 Kachvansi = 1 Bisvansi. 20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Bisvas = 1 Bigha.	BRITISH TABLE OF TIME
1 Rupee - 1 Shilling & 6 Pence. 13 Rupees & 5 Annas = 1 Pound.	BENGAL MEASURE OF LAND SURFACE	PUNJAB MEASURE OF LAND	60 Seconds = 1 Minute. 60 Minutes = 1 Hour. 24 Hours = 1 Day. 7 Days = 1 Week.
CEYLON MONEY TABLE	20 Square Cubits (or Gandss) = 1 Chatak. 16 Chataks = 1 Katha.	9 Sarsi = 1 Marls, 20 Marlas = 1 Kanal, 4 Kanals = 1 Bigha.	4 Weeks = 1 Month. 12 Months = 1 Year.
100 Cents - 1 Rupes.	16 Chataks = 1 Katha, 20 Kathas = 1 Bigha	4 Karrals = 1 Bigha. 2 Bighas = 1 Chuma.	365 Days = 1 Leap Year 52 Weeks = 1 Year

Contraction of the Party of the ahadun 64 Pages No. 4 a a shryon Name Josuar ANGR ITA School_ MORA 35 Class _____ Sec____ Roll No ___ Subject____

T.P.M. Co. Ltd.

Reg. Trade Mark

20 May 20) marille asintan (mence engl) 892 681 भेप्रमार । युक्स का य य में ट्या : (अ व स द आ एए ने आर्डेर्स । रक्षि एक र विष विषर आसी देक मैं भय में खिने) के लाम मिंदिक) मा माई बी श्रां (सार्म् श्रेम) ' त्म करिवश्रामा : (करिवस्तु-अक्ष) े देक्का मः आडि विस्तित : (हि। विस्ति काडि अयात्र व देशात्र), भा त्याक्र माण्डी (क्राक्र शर्वेष्) मार । स्टम्स्मारी (धर्म सर्वेष राम (नेभून)), वर: जारव (मिल्न व्यवभाग) मिन: या (अने स्टिंड) स्पष्ट से पश्तिर्वे टमाक्षी (आवंडामसर्वे काक्समामा) काम्यर (लाई अमेर टमंब) लाबनं (म्या कर्ने)॥ ००। जी निर्मिश्नः मान निर्मातिका मार या एक व्या लागानि के रिका करिने (की मंत्री व मार्थ-मभागाञ्च व्याद हेसादक व्ययम अलाद (कार्याह:-अ कि वं सार्व म्रायात मेवि न की ने व वार्यात) ल्याकरम्य के छि - वर्ष ति म सर्वे दं (स्नेर्यं ला अधित लाकी के स्मार के सामाय के प्राचित के का का करा . मामक स्मिन विषय (भारा दा व्यक्ति वा करा व हमान म् ति. भू), कार्ष्ट तु प्राचन वरमा नामा विकिक सम

(काल्य टारेयम मन्य आविकास नियक्त मांत्रातम् सर्वकानं टिकामध्य मानाइम विटिवन धाने न कार्नेमा छ), रेम् टकारियमस ([अवर् भाराटमन] वस्त्रमण्य क्यारि हत्यवं भागं अवस्त्रम् क्रियम), माभी यदा (विश्वाकाव परंक्षेत्र माभीमान [विकास कार्निक्त])॥ ७०। ित्र मधामत्यं मध्ये] काळ्य म्यकं हिं (७८० काळ्य-वर्षत) प्रमाण् (लाउक्षकृष्टि), अरामूल्बी (अन्मा मूलवी), अठा लिल हत्त भाव वृद्धि । मेमा क्लो वृद्धि । (अर्वात्रं डेक्टानिए अस्त तिर्धत उ मी भिक्क अमह क्लेव. कारिक्यान्त्री) क्लानं प्रत्याद्वार (मालवा-किलान असन), डेनामिक अर्मन्द्रकात्म हरी (समझल मिन कर्मा का का का कि का [यन है]) मर्ग काम वनं कक्रिय यर्वीठार (मार्सिकक्रियां अर्थनां धार्मादिल इस) का क्रम श्रीर्ट् (काम करी भूगे व्यर्गर अधाना मनी) विनमकारायनी ? (स्टार्स रान्सम्) वित्रिश् (श्रेम क्रिंग [(माधा वारेखाइन])।।

कार्य भाम अपन क्या सर्हा क्ष्रुआये वर्ष क्ष्यार (१ म्हार्स कार्ष त्या मिट्टिय

291 प्रति क्लाविवर्क्तार् (द्रारान त्रिम प्रकृताल सिर्द्र सक्ताला के प्रापं भीत्र) में में कार्ट (प्रवर्ध-मूत विभाग), हि त्यार्थि प्रक्राहिकार् (भावेशितन वस्त बिहिन उद्यंश्य), त्यार्ने नी विन्यस्य राष्ट्र ७-सरी- एक मंब- है ले बाल र (बार में आप लाक् याण केर सपुरानं किनेव व हैं वे प्रत्र) " कल्न मिने कि कप्रीय-विसम्बारेषु दिनाक्रियेग् (कर्मम्भासम् हेर्स्टाल बिहित कर्नभूत छ छाङ्स्स्न दिन लगा [240] वी ना आ जिस भूका - मुक्त कर कर व कि - मू म् त्यों कि कार् (साधान भाग्रकार वे व व स्थाप्त में क दे क्या व वे का रूप . विद्रा का का विष्ट)॥ ० ७ । दी बुद्धा डिय वी क अर्कि द नामार् (उंप्या व एउ अर्कि सरमम माडिष्ठ बीक अरुम), भार्ष्य वागा वृद्ध-विस्थितकी (विश्व मण विमा अके मार्ग्न वकां विषय) यत्यत्रीत्यम्भ० (यम्मम्भय स्ट्रिस अव्ययम्म) यस्त्राम् कर (स्मेश्रामं स्मिषं द्रेरकतं भाग डिकिस्मिक) , द्वाबद्काक्त-मध्याम-बद्दान्यक्त -

क्ति कि हारि (काक्रम मं अम्किल मं कामं हेक्रम में मिस क्षेत्र व्यादि हत्यतं (क्याकामं सर्वे [व्याक]) ङशीकारि भया स्तार्न न मयार्थिक वल्ली उत् १ (मरीत अभू म का कं प्रांत विकेति पायात्रिम लाम्बर्भा (क्रिंग् बलाव: अवस सतायत)।। दर्श कृत्रमून निद्धिरीयने क्रम्यते : सरामकु मार् (अन्यनं स्पर् रें अंत त कि शि में सक्षादं क्रां विष लाश्मित्रवंस का व विकारं में न्य) (क्रमं: कर्म-मैससित्र (जिनेरेभ (धर्षाम्म क का मारा क्षा क का मारा क का मारा क समा (अर्था) स्थांते (स्थादित्तं) द्वः ववः (द्विष्ठः) भाडी (विष्मे कि विष्टिन), धार्मामाक्रम छह-मीम-मू ज म् मी नामि रिमामा मृ वार् (हक्षम व्यक्ष्म खक्र मुक भीन उ कार्यम्भा निटमान वा वा उत्राव सर्वा में कार्य वार्य गारि [4वर्]) बील डालेम-ममराम कृषित्मभाषित्रधामाकुणर् (विसि पक्षर केर्नी में के में राम व के दिस में कि माठ हा से कि व अला म अभाग कार्य कर्टिय)॥ ००। ट्यामकर मूलकारानिक (७४२४ में एएटर अर्था ००। प्रधालकारंगः (प्रथ किंगे में आपंत) त्याव्य अद्राद (ज्याष्ट लर्षे अस्टार्ट) में दः एकास्कर जैनकार

(किति तिइ छन मूलकशांति क्षाम्य किन्यिष्टम), जाउप्पूरं-उतिकिलार्भवंतः (। विमे मे भाषा वाहित भेरे पृष्टिने लम्भन्न विक्क) अ त्यात्र व भारक की ६ (इत्यासन व व स स टिला के विश्वाम कामें एएटिस), मानी लक्ष वामित्रते (अर्वामानं सक लडमस्मर्यक) पर्याम्ना मान्यक (माम्या यादि मालादं मिलूने वा) दर्व छी १ (सकामा काई छटिन [नवर्]) नीम्बर्धाः (क्वीनाक्षाम्) हब्तिक-सम्बद्धा (भारमाध्य वकाड व्यान मार् पर कार्य है) निकार्कार (मर्या धारमान कार्यम) जदममार (ज्यमन्त्रा अम्मन कार्याहर)। ७ >। क्वाहिर (क प्लाहिर जिल्लामा) मज्यापी (मज्र नार्-विमातं) रेगे भी वया में वाश्वं (में भी वय लर्म मनं अपू यहत्रकाता) प्रश्मुक्य) भागार (उन्हारकरे किखाना कत्त्र), क्वि (कस्ति का) सर्वाभी: वाविष्कु (लामे अम्प्राम्पि बक्ष्य कर्त्र के प्राम्मिर्यानं (की उन के व का न का) आदिना माता (उनदारकरे लाराम करवंत) कर्ति हिं (कमाउमा) त्याप्त वर (क्राक्रम्कारवेत्) किक्र क्रिममूर् (त्यान क्रिम मक्तेन) डेक्न (ज्ञानम मूर्यक) प्र्ट्याविष्ट् (जाराकरे

इन्ने अर्थ के ब्राम (अर्थ कर्ष [विष्ठ (विषि ७]) WHIER रेंड (अप्रक्राई में मानी) अपन मामू निट्डी (लाय म तरा अध्यत्वे) त्रित्रका (श्रिक्ये ड्रांगे) त्या लाक्ष् कार् (डां साक विकास करवं र)।। ७२। क्र कार्स (क्रमड) छे द्वर्त कराविती १ (नी वार्षा म प्रत्यंत्र हे करेत व्याप ए कित्र विकासिका क्रित करमत), करत (कलपड) प्रम्माक्षिप्रतिः (भूमाक्षे बन्धानं) म्राभनीर् (मान कनारेट्टिन), कुहिर् (कभन 3) बसामकृषि-मधा-प्रामानिष्यः (बस्, धमक्षाम, मक्ष उ साम्याम अनं भर्यास्मेडी (रमता कार्नेट्टर) उट्प (क्रमप ७) लर्मकर साम्राध) (लर्मक्रमं (लाध) दक्ष (जान कर्मेम) खारिलम् उपसूच कर्म् वकार् (याभन्त लार्श्य व कर्ष्य कतात कार्डिकाट विवर)) क्र कार्ल (कस्रव का) आह्य क्रम् नामनी (अस्मूमान म (भवा कविष् कविष्) भूम् लितः प्रविवति: (स् प् न स्वानं कार्य अका सम् पूर्व) कार्स्मी ? (व्यम् में प्रमा काममंत्र कार्य दिला)।। ७७। कु व्याने (क्याउ [जिनि]) नाममत्रकं त्यमन-यम्बर् (क्रिक्क भार्क क्री बाह्य विसम उ

च्युलंब्ध असम द्वेस (विश्वाव कांबेटकरहर), क्रम काल (क्रमम का) क्रम द्वाप-या कर मगरि छि: (कुलंग अ वा लमनि वी यं म का के मा व्यक्षाक्ष्रिं (वायमध्य कार्केट्टिय) । क्रीकिन तुत्तः ।क्रम न नर्षित तत्र ([मान क्षामित] टकाम कार्य क्रक्र वालीत अथवा ना वालीत) लामुमर (अक्ट िक्सि]) (अस्म (क्रीक्ष भार्क) सेमां (अवामाव) । अमेर नड कैन्युर (। अमे लाम्बे कार्नां) स्यः (स्वत्व के) स्रिक्सामान (आंड्रेक्य लायम स्रकाटर) बेंहे की द (युर्य से के के के ७४। [विति] नवप्रश्रम्यू (नवीत प्रश्रंम) व्यक्ति आशक्तकाराः (काण्यमं कल्यक्तिमाडिड) वंद्रशासाल) आवर् वाबर (शवं मेवं व्यवप् करिने भे भे भार थाः विष्यम् किया विक्रीः (९० तंत्र शिवित सप्परेस रेकि उ आजल्मी) णः जः विकियाः त्येपक्षीः (विविधि विक्यिप्रम्

देन भूने माल [७]) जाः जाः प्रदेशः विकिष्टवीः (डिडिर विकिस स्पर्व कार्युकाल) मिक्री (मल्य करिया) ज्यानम् प्रश्वास्त्रमणः (लायमा संग्रं सरा बटम द लेक्से प्र प्रत) लाज्याम रेक्ट्र न अन्य (निस धार्ममम् १ व का मार्था 至"不不) (1 एक। अवर् तिकार् अनुमानम् (न्र्विका माभीन श्रक्त अर्था कार कविया) कार्या लिया हि। कर-क्रामार वड लयमवर (स्थानावान समाम सामन हामांबंद लगे प्रंपु लेंच्क) या जब (प्रक्रार्) इमनार् (क्रिश्नाटक) जिलाः (भूमन विश्वासन्) गामार्कः (मास्विधाना) अवंसम् (मानेक्स कार्ने) स्ती- जव्याले- विष्टू स् नव विकेत्त, (सी उ सी मणी ररेए जार पुरवरे विष्यं काव्छ काव्छ) क्राम : (क्राम :) त्यंगाना व लकी वकत्वदं मनं प्रतिकत द्वारणां सकतं-कार्यमा) कः लाज (त्यात्र) लाक्केटी (लाक्-टमें जान मार्मी गार्करे) व्या (वरे) हुम्म यत (ब्लावत्म) ममार्च (ध्यम्भाम काष्ट्रम)॥

७७। पिटन पिटन कार्र विक्र-मश्चकिताकियान, (मिल (अणि मिनरे मेंनराव अयंस डाक उ देवास) क्षिणाड कार्य कार्य) भे सामला अवः (क्षा केत्र के भावभागाळ्ळ) कः कामी (वरेद्राम ट्याम) क्रेम: (क्रम काकरे) क्यायत (क्यायत) जारि (विद्यान करम्म)॥ क्रें। अस्त कार्य (कार्या) संस्थि के के के के विभव-कार्याक्ष्माम अयः (क्षांचाक्रकं भन्म ० विन काम त्रव यारा न मर ला टमन सिर्म अल्पेस्थाय आर्डेसस लाश्रम्मकात्रक मिन्द्रम अस देवं उर्द्र माटि) अवादा कर ने न विक - प्रवल ना दिए का छात्वा व्यम : (क्यांस्य वायलत्म के आहि श्रीमं काळ्यं मिलाबिक के को ला (बंब दूर रिंग स्नारं अवंस दिवस्त भित्र वर्गात्र) वस्तिम दिशालान ([ववर] अवल खेराना वला) प्रार्थि काल हि (कीवन भावा निर्वाश विश्व एए ३) न मनाक् काण स्थः (MITIA BUT ELLO OLDES WIND JIM [Tofath) प्रकला खिंगः (अर्व मार्थिंग का करें) व्यक्ति। भ्री

रुक्ष यात (क्षी रुक्त कत की एक) तिव मार्ज (यात्र कटवंत)॥ त १। केंक्यर प लामकं (मारा लगे काप स्मेप र्द्र क लामुर्व प डड्में [क्से]) के व्य (लय स्थय) [पा पर्वे (यसत्र पा कार्नुग्रं) लायतरे क्षि काथ (हिनंकास) आवायनविविष्ठ (अमर अभान) व्यक्षिवतम (ण्यानियम) महिकामुदी (कल्लभागात) मुठेव (निमम निर्माण म), त्योन भागमन दिन कराडे (म्रायं क्यांत क आमाम प्रिक काड़ि विवास माय वार्-मंदि [नवड]) सडधाक्राल्य (आवकर (अक्षावक क्रिंतिक क्ष्रिक कार्या कार्याक्ष इंद्रिक वित्रं में मिर्भूत् (भूमनम्) भिमः (भन्मन्) अम्मिसन (अनं मर्नम र्रमा) भन (टमम्मान) की बर् आस् (अयम डे दक्ष अरकार्य विवाल करव्य), जद वन्द (अरे जीव यायरायं) मृभ: (यम्म कार्ये)।। ७ ने। भूर्यमा एउ- विश्व क्र - डायमम- हिस्टी (भ्रायात्व भूति अवस दुलाएन विक्रम अव्वर्षेत् (स्तमसन) व सत्र-(साउट्य (य्रायम अन्स सट्यान्स) र क्ष्यांना के व-स्भकारि- नारि-प्र्- समारं कर्तानि डि: (केल्लार्याहिक

अमु ए का मारे, मारे, मृथि, बहम उ धारं अम् रिन द अरिक्ष कि हाना में द्यालिक) व कात्मामार समामिकावं-अरं सा अर मुर्केश (म्रारात्यं लाके छ कारमाम् भागत व्यव विकार सर्व सर्व व्यक्त वाक्ष्य व्यक्तिन खाय भावं में कार्ने गार्ट [यवर म्राजान]) तिः म (प्रार्थिता छि: (लप्रदास्त्) में यं काल: (प्रमुख्न का क्षेत्रsaid (ayinhung) predo (ayinhung) र्मायप (रम्पायप) लाक्ष मंद्रम् (अरंग वाक्ष मंद्रम् विश्व कार्शिष्ट्र)।। १०। लास (लास !) त्मेल त्मेम हमदक्षि: (यास (अपन्याण्यं हमदय्यंत्रक्ष) अव्य स्मित्रीय (साई (त्वं अवाकाका अक्षेत्र) म्याक्ष्रमेव शक्ता-थ्य प्रद्यः (लर्मित्रं प्रम् शास्त्रं सर्वे सर्वे सर्वे ल्यान् भर्षात्वं) कः लाभ (त्या नक)लहे छः (लम् क) सर स्र : (भरा स्रायत सक्त), कार्यास्तर. मरात्वामाविडवः (अलामहर्म मन्द्र वान्वामन देवडवयम् [विषर्]) कमली नी नावि : (कमली-भी या वं अवस्त्रीसाञ्चले । रें व्यवमाः (प्रत्यानयment [spran]) AH (Attin

गायी) सस त्राक्षक: काप: (क्ष्मं (अद्र मैंगय केश) है यम्भान्य रेश) र्यार्ट्य (हमायत्र) देला (हर्यान डेनिक इस्ट्रेम्न (हर)।। 9>1 की मुलायम ९ १२। अक्र जाय मम् भर् १२। ध्वर् (धमप्र) व्यीकृषायत (व्यीकृषायत) अक जाव अम् अखिका तू ना लात पर (आकि की मं प्रश्य क्रम लाइस्प् अनेत कर्षात्म द्यात) कण्लिक्ष्या-<u>१ यर के व सरा प्रत्या प्रत्या में हर् किं अपने स</u> (कलक्षाक्षणक्षीमर् (प्रमुख वनम् क्ष क कार्य-[नगर] (कलक्षाकामक अवस्थान क्षा कर्म क्ष क कार्य-यान्यं) नक्दं (लाहित्यं) खिल्याष्ट्रमंभं (लास्तं. ख्येल) विक्रम्मेक्ष्र, (ज्याष्ट्र व चक्राप) (अयं अध्याद (अयं व अध्यास्त्र) कि आवं समंद (किट्या वर्ते माय) दुवात्म (दुवामम कार्य) ।। १२। जिलाः भव्यावकणाः भूची व्यानिम भवताः (की वाचा-केटकने अवंश्वरिवं त्रामानके म मैर्यावंटम म्राट्सकं कर् निमम वार्य गटह), अवस्थिति किया के मार्गिक के अ-मीत्मक्रमः (मन्मात्वं मर्गत वर्षां व्यविद्व

क्रम उ मीनान कार्र घेररात्व त्रव कारिनिविधे बार्रिण्ट [विद्]) अवस्य वस्तान (भारत्यव-वसाविष्ठा हुनं : (म्रारात्व हिक वर्षतमं अवभाव समायम्भाव देवमन बरम महत्त सक बाह मार्ट र [aut]) डाब्-काम त्याः (क्या वा का क्षेत्र) यह तिक्क क्षिताः (मधीत निक् त्या की फायल (अरे) अभी: (अभी मर्न (क) श्राद्धारि (कात करि)॥ १०। भानव्याक्तापितः (अवन कलभव्ययः) कीरतः (की क् किंस) यथ थर के में र- विक् मिछ ((य प्रकल क् रे लाष्ट्रिय देममं डमं) विकामाक्षेत्रः (विकामान अपन्यभानं) अग्रास्त्र- वियानि : (अग्रिस्तात उ लका प्रदेशतं) धर धर वितापिष् (प मक्त विमाभडभीनं व्यावक्षिव इमं [नवर्]) नत्व ममंत्र (प्रमण्णकारण) एरमः (द्रिटमं) व्रम्भी सर्वेचं (मूमर्म तिमकी नमनी) यर यर (एम मकन) विमित्रिष् (एक्षेप केरिक इम् [आमि]) ब्लाबम् (स्रिक्सवर) कावस्य (स्रिम कार्यमा) स्ट्रम्डार्य क्रिक (क्षेट्र डामामिक हिए) क्षित्रमण् (प्रम्या) जर (ज्वसम्मापंत्र) जायामं (क्राप्त कांबे छिटि)॥

१८। यः (भिने) रूपि (मिन हिट्ड) मता (मर्थपा) पुटिया: (द्यापायं) त्रियाणां (त्रिक्ष) शाम (क्याह:) वर्ष (हारं न क्यार हिस करं न) मं : (श्रि) लाय त्यारक (चर् ट्याक समारक) मेंका: (वेंबरे इ, म) मः (। त्राप्त) लभवतः (लभवाध्यं) मार्काक्षितं व में खुं (ता काम में वितंत्र) लि ने नि (जे आ करते म) यः (छिप्र) • वस्य (दम्यायकं) खिनाव्य (क्युन लाय इ, प ' [लाकं]) हाः (। हापु) आक्षार (मक्षार) अर्क म्य (विक्क म्य) द्या (द्या कर्वर), म: (छिति) छेकाछः अनुकार्यः (अवभ्रक्षक्षवर्ष्ट् लिक्यो : (यमाल लिक्यमुमं) व (अवं वि) मः इ प्रिकारे (ए दाप्रकाक) म्लाबम र म यह जलाडि (क्रम व क्यार्य काम करवंत्रम) महः (द्राय्य) स एक कः (ल्यामं १ हव) थ उद (इंस् कार्नेग्रह्म) 11 वडा टमकार (म्प्रमार के शिकात) लान (न दे के स्वार) हः (हाम) हः पव (हाममझम), नगः काम ह व्य (व्य वयम्म) माभ्य भी: (वक्ष्यवासर) स्वसी: (वक्षावासकाम) विभारित्राम् (प्रारित्रा-अति ((अप्रियात क्षात) ।

भगामिकाति (अड-अन्क- प्रमुख्यादि अस्म), प्राचित-म्यूनाविष्: (ति। अतरेपक) प्रश्यकी) कुकः वव (चारक का का निष्ठं]) चार्यका (चार्यासाउ) माहिका नव (आंधा मां लये [वार्च प्राक्ष करंग]) (छ (द्रायंग) बस्तवमर धर्म (क्रीबस्तमामा) मारी (सम कार्नमा) म लयर (क्वार्य इ'म मार्ट , [मन्ह]) सस (लासानं [० उरं प्रिवातं]) आ लाम् (स्थाप प्रक) मिना लय हिंछ: (एम लयं हिंछ मंद्र) लस (द्रमं उद्रक्)। १०। लागे (लागे) का असमाहित् (स (लामावं) छात्र (हिट्ड) की रूक्त दम ए पुर (की रूक्त दम् मामिक) का का मार्नी में बंद (प्रिंग मार्नि में [0]) वित्र विक्र यमा म द्रा का की भक्ष (भा ने भू में विषक्ष क कर्ष-वं रम के लुम्मी अस्त ((स्पारम संदल) काम (७१६० २४०), व्योष्ट्रमावम हत्या व व वाम (व्योर्मायम १८ लंब म्यम् व व) (का (काम्पर्म मिकार) कस्म्यामा व द्राकाका की कि तिर्म के (कस्म-भीयावंशरमं सिवड र्रेश्वाद क्षेत्र [तरर]) म या असी नाम (जीकारी) भूमा विषया वि:

(अडिर्जे क्रिक क्राक्टिल [ठाठा क्रक्त करेंग])।। ११। लम्डिं : मार्नित्रः हान्वमवर्षा स्मानमार्थे (म्प्रतारम् द्वालम् कांत्र लयह सार्वेष् आकुर्त्य) र राटलो ने न्यास कार्य समय मा किया विश्व (मारावा अवस प्यान त स्थास वर्ष सत्यानेस लामक क्रास्ट्र ने auna onai [ass]) oraca: carlows: व्याविक्यम्म छ - ऋ क्या - श्रू कारी छि : (चार्यम on a g garan) und, our g gixing on now क मार्थ क्या व्या क राम क्या की जे ह की अई कार के [विद्याश्वरत्य नर्मात]) क्या हिंद (क्याय म्पास-भूकि) बुला वसर् धात (अविकायत) विश्वाः (विश्वान करवत)।। वि । अर्गत्व देक त्ला बंद मेरमः (भिका मृकत किल्ला बं-एआन् विद्याय स्पर्ध) रिट्याः एक्षिट्याः (८म यास्व-भगत्मन) मूटाले ने लागमा लंका वि- प्रर्म सी सा-यडाडेहिः (काल्यां व काल्याम कांग्राहें मू भर्म न तीला व के भाग) मम ४० (भन्म) न्त्रीम्लायमण् (न्त्रीम्लायमरे) व्यक्तामानण् लक्षत (कार्य के स्थायत इंद्रांग्रह) वटांगः वड

(वाप्रतासम्) के विकित्र (के विकित्ति) क्षित्रक रायर् (CT COLY BEN'S PLAB) THE (OLENS) OLEMANS (ज्याभूत्रीत)॥ १२। करा ([कार्ध]काव) अवर (वरे) की खर्म य स : (क्रुनिक त्यर) अली (वर्) अस माजिंग : (चर प्रमण) असताः (क्याः (स्वक्रमनं एका) कोर्य को (विसंद कार्तमा) लिंड: (विश्व १९८३) व्यस्ता वक्ष्र (व्यस्ता सर्ष [3]) व्या पद कार्ठाटु ((ति मी कार्डाट्ये) त्यर (काक्र मे-भूरक) जीव्या विवित (जीव्यावति) भव कृष् (Crawy xia) on o) 18 2 so in (ongain काक्कमा प्रकार)। भूठ: (मम काइना) लामुमार् (प्रकृत्त) टिस्सिन (टिस्मल्ट्स) व्योगिया हर ने न विष्ट (व्योगियो अर अभ-मैंअ प्यं) चा सुरमें (ला बंग्यु था का वृत् हैं)।। २०। आअसे अप : यस (क्याम आव्या वाण्यं।) करा लाम (कलपड) मसकार (मसक श्रेट) geris: en one ([oursed] geria en sore) किन्द (किन्द) जी ब्रायम ना वी - व मान नाम

1.

(कार्र मार्थ की का का व की र टिक न माम भार) डिक्से वि (out है पुरा प राष्ट्र)!! (आक्षाको) कः लामु प हें कः (क्या प्याक समस्त्रम् क्षित्रमान १९१३ (लध्याक) येठेससः (ल्यासके प्यानं) सामाकी कटकं आहे) पर व काहि (जन्मत व बढ्माय पार्) परम उपिष्प (किस्म डार्मिश) ए एक म त्याक बस्म सर्म कर्दिया), ७९ (अ० वर) प्रश्तिमिस्कू मक कर्तः (स्वाधायक अक्रे कर्त्रममं) र्यायम् (सीर्यायम. साम्) (स (मामान) अवंद अवंप्द (तकराक व्यक्तमं)।। ४ र । जीवृत्यावन (तर्व्यावन!) निरीन: अली अवः mrs (one one win sta spen) Halmure a-कक्षा-क्षान्छन्यादः (व्यक्षितं लारे कक्षा व क्रमादि छल्यं काल्यं) अवसर अपका (देवक्स लय कर करिया) लयम अपड़ : (नक्षात व्रापनंत्रे मर्गमय याम्मा) प द्राक्षण : ((कार्य द्राक्षर-टमाना मर्दि)॥ - प्राच्या (तः कुमानन!) ध्राप्त (comम) DY (carried) miggéno: (mightures,

१०। स डाडे डाडे (रामरामां) भुश्व: लास भुश: (व्यक्ष्य = [नवड़ी) व्यक्ष में कु क्षा (व्यक्ष्य में में कु -ER डड्माउ) र्यायम ! ((दर र्यायम !) व्यर् (mux) as (comis) might sie; (mighting,) इ. व याक (नइ सं व बाक्रोमक द्रष्टा ने मुक्ता) ० व (कासाचे) लायं कास्थातिक मं: मार् हिसे (अनुसर्जाम ररेन कि ?)।। १८८। र्यावट्य (र्यावट्य) काह प्राप्त (कर्तिक हित) क्रेडिक (यात्र कर्तिनेत्र चित्र]) चेस्र कृति मारा १ (विद्या, नाइ मारा) द्राप्टिं (द्रकारंप कर्डिमार्ट) असम्प्र (यश सम्प्रेमार्ड) लामार्ड-मक्टक (जलानं मन्टक) विलाखः (अत्यलान्यूम) मम (जामान) पाव (रेमारे) क्वम व वम व (पक्रमाच यत्र)।। vel (र भार : ब्लारेबि (र भार : ब्लारेबि!) डा (डामं) रेलाकायमास्तराष् (र्लावपास्त्यवं) व्यानियायेवण्या (व्यान्यायाकका) लामार्यः (अअश्रिक्) प्रमः (नर् ग्रिके) किं मू देलका: लक (ट्यास्पट के दिलाअन ट्याम्पेन ड्रंट्स कि डे)।

d

भन। लडड (लड्डा;) विष्युक्षित्रम्यः (ल्याक्ष्यावाद्ये) ळालुमें ट्या सम ([3] अज्ञसर्व काम्य) मन वर ळ (क्षिक [own]) र्माक्ष्य (क्षित्र कार्य में) त अव कर्याचि (स्मत क्लिने ज्या कार्यम [अवर]) अन (ब्लावत) विश्वायाः नाम न वय (नी ना मान मा व जाल कविया])॥ ए 91 धर् (कार्स) रेट (-११) मुक्तमात (मुक्तमात) समाहक सार्वे शे विव का विवास (असमसार्वे मुक्स) क्राची म् विलियात् (व्योग्नी व म् विलय-मस्य) बहमा अभि (बार्क) न प्रामा उ भूतेन अभी (यरकिक्र असमा कर्नमा 3) मिलिंड: आस (मिल्डिडर्मम्हि)म एक। इस्तक-क्षणमंकाही (इस्तक उत्तम अलाइ लाग काहि विलि दे विष्ट्र) कुल व मं : नी विताय विलाही (क्य, दम्म, टम्प्रेय उ विमात्मक अवाकाकात्रक्ष), आदेक वं समृति (कल लंबस-विसर) (जो (अरे) ममाणी (खनेम्मेयूममरे) कुमा किलित (क्षिक्या-वत्त) ट्य (कासान) मठी (नकसात्र कास्रां)।।

+ श मक्श्र न व िकिसि भार्म मी मू त्यह (भरत्यम मे कि की ज़ न मार्च र का निष्म असि टलगांड) कुला का तत-क्ट्य (रूकायत्म क्रम् भर्टि) भागमराभेट्ये (यापारं) त्यां के कार निष्टिता (त्यां के कारत-वर्त कि(माव्यू भन्न) अपा (मर्वाप) धम यू ब्छार् (कामान में कि स्मार्व इंद्रम)।। २०। क्षेत्राकृक्षलपात्रुव-मरीविम-त्याख-यमम्तामर्भः (क्राचाक्रकं कर अम्मला व साई म्राह कामान छिउ द्रं वृत्तावत्तरे बधने कर्न विव्यवस्थिन वर्णामे]) क्रमें क्ट्री (क्रमें अर्थ) म त्यापी (कि हुई। विहान कार्देश) मासार र अल्य (त्यात्रक्य मास् हिरामंड मलात्माम करिया, [किया]) उष्मूबिम: धार्म न (ना म्रमारे वं उ प्रकात करियां)।। २) [जामी] म्यावमक्किवी विकास (म्यावन कुन्द्र मम् (विश्व (विश्व मण), अश्चाप व्य-मामग्रम् (दिष्यम दम्मामत् निमम्), त्मन न्यामर् (त्याचे व न्यामयम्) वर क्रिमेल (त्या मिता) मामस्य मंड (मामन् में आत्मं) काव ((प्रया करने)।।

भरा ममके कारि: धाने वास (मन् कारि नम्दर बास इटेक) का (जमान) अर्थमा अर्थ सम (यह कर्या के प्रम) रेमा वयक : काम (यद वृक्षावत्त्व) वाकीलपाक्किपाटिक (क्वीकाकी व लाप-अलाई एक्स हित्रतं) से में में अपित कामा (टे क्य हिं-रार्च व्यक्तिम्) व्यस्ताना मे भा व्यक्त (सियकन ता रूप भर। अर्थम्म वाली मम (वाली वर्षम रहेत्त 3) क्यावता कार्य (राष्ट्र क्यावत रहेळ विषामात्र) अश्वालताक ताटम (का का मार वात्राम माम)-डिस्तां) से में हो अप (मैं स्माडें सम्) व्याला या सक्ता सा लिस (लामा क मनवरी मा रमे [कारम हरेटम बब्द]) मबक दलाहे: आले अस (टकारिन स्टक साम रहेक)। २०। यापि (यापि) पूर्वराष्ट्र स्थाप्त सर्अ अर्अ मिलाशप ७ रम्), भिष ह (भिष) (पर: ककटन (अरे नहीं व कम क व्यर्ष कड़ाव काना) पीन् (वैद्र लाय डिक्क उरंग [किशा]) राह (राष्ट्र) देश र्षाद्या : लाम (त्याद देशात्र्ये

mery a sis) " ed oug (a my [aug]) भेक्रा खिनं रपड (क्यु के क्ये के विनं वय) म र डिटिश (ज्यान कार्य द्वा)॥ 281 ८६८ (मार) लड्ड (ज्याह) दंड (क्या) हतापः व्यम में रेड. (हत्यममाने व में मारे and sy, [out]) of the) of the in त्र (व्यक्षायमन के आ कातास्त्र) त्याकीक (सब्भायार) मृलायत (मृलायत) यम्मेट् mea (on wir we siste dis) on (अस र्मूट्स) सस्त्र ((अस्य स्टब्स मस्त्र) र्वप्रतं याम (र्वप्रये काप कार्य)॥ कदा कार्टम्मकार्टिमि (कार्टम्मकामम्, लाड लाउम) " लाडाड्डिश्व (लाड्डिक्ट) Сमाम्मे मे में हि (पार्व (पार्व पार्व) नामक) मिस्र १ (अका स आमक [अवर]) अहारि मर्द्र-मः त्यो यर (जारि, प्रका उ वाट मृः म जारी व्यक्षायां] वृत्तावम् विमा (ब्लाय्मेण्णीण) अवं (अम) क्ये) म देश ८५९ (द्रमानं कार्दि आदिया)।।

on our (acri) orsé (one) rensacous: (यार्व देव दामा) । यहारियम व्यक्ति भावव हमकातः कामी (कार्ड देसार्यमधी, माड्ड, हकार हर्यांड) रू भारत अध्यय छः (क् भारति म अध्यय व्यवमण इंद्रमा) कार् काल कामार कार्याम (1803. (कार विलय जामा रीवर कारे छहि)।। १०। लडेकेक्सन-कक्ष्म (व्यक्द्रमामकक्षा-नानी), पूर्व प्रशामका (अमार्ति (असम कम्पन-कीलंबक), मूल्लेब-मीलक्षी (त्लोब क नीय-कर्त) त्ये (अर्थ) मक् क त्ये (मबीन कि लाव-मूलल) अवटन (निल वटन) क्र वल्ल (क्रामड) सार अभ (ने कार (लासा वे मार प्रम मंद मृष्टिला कार्रिक)।। २०१ कमा ([आहि] कत्म) कृत्मावत भूका-महिकागंड (इसावपिव में दिकामाप्त) विदंद (विया मंब्र) , व्याविमा विवास - किटमा मंद (व्याविमाम कल्लीव्यम, किटमा इक्षी), त्यांत्र माग्यर (त्यांत त अधाराम्) के (त्यर्) व्यापृष्टि मंद (व्याप्रमायत्क) मू पर (अछित्र भार्ष) (सत्य (स्मा कार्य १)॥

१०। र्भाष्यम-स्वक्क्षानि (र्मावाम स्वीम क्टक्षं वान त्यान) सत्य राखि- मार्च- टमनामार् (यर्भवंत लक्ष्मीतितं) धर्वे अ अवाल क्रिकि वस्य मही (भई व । हिमार काका मून आरत वस-स्मिते दुष्टायुक र में पर्से) ह्या दुका- के किया (क्षीया का किएक) भ आ (मल्य कर)॥ २००। आचार्चा द्या (कल्ल्ब्स्क्रिस) ज्यारेकलार-चय्याद- रैण्यु र सार्तात. (की मुधकानू राजिनी उ क्यी ब्रावाम न करान) तवतवक्याविशासः (तिकात्वतक्याविशम्when) IN (ourses) DEG (DY CH (M) र्म्यायात्रवर (शत्रम् (र्म नाम) न्तेन (Сом ता विश्व क कंक)। २०२ । त्यामाश्चित्र छन्म म टिक्कामार (तर-अर्टि प्राभुत्र अप्रतं एक अपक उर्दाक) रे हिं न्याम् ७१ (मृथ्येटक ति मृत कार्तमा) सतः (विकास) ल्या (ल्यक) ल्या (ल्या के) द्राप्त का ाहित्या। शिक्ष (बेका क्रियं एका हिसमं का विके मानूर) मसमं (अविक क्वार्ट्य) वस (अपद्र)

कारम् सार् (ज्ञानं कारम्सनं) का प्याशित-(अववसम्भा लागाव्यं लालक त्वं) लायमन (हिल्ड कार्यल दुर्वार्य कार्य व) वल्पा(अमकड़) प्रवृत्व व प्रशाका प्रवीता व्याद्वी (अ अवसमर्व प्रश्नित की न के म प्रमायतं [1800 क नर्मा भारे (व]) वाभीन (वमार्का) वम् भन् (वाराक मन मक्न) ह्लाबन (की ब्लाबन । विवाक मान वंग्रिमाट्य । विषि]) रेप (प्रय र्मायस) टलांब्नी लारे (लांब क मी सहते) त्वी (त्या) समर्बं (गामक्रीमालक) तथ (अवा कने)11 ३०२। टम्पल्प्न अम्बाद्य (मित्रामि अम्मार्थ त्मेलारी) न लामकमबद्रा-सार्वेद्यामार है क्षेत्रां (श्रिकां के स ट्यावंस प्रिष्माय- यार्न प्रत्य अवस लाक्ष में असे ([3]) अठ्य (अपल्य प्रत्याद्य सामार् (कम्प विकार् अटमाडिक) मिका भीमाभगं वसू (मिका भी स्तरम । इसर)। इस्तिष् (हा वं प का के कि हिंद = विकर् मेर्याया) स्वत्रमाछ : (निम सतावम अवस्थास्य धाना)

मम्बद्धान परिन मरामाकेष लारे (भरामाके मम्रक अ कारुमन कार्ये क (वंप ' [गर्बाम]) अने वं व (स्विम्मा अग्र) व्या ब्रायं में - मिलासप - सपन-व्यारकाम (क्षीय्यायत मिछ)काम देणाम कमर्यस्य सम्ब रम्मा) ज्यारे य ब्रिट्डी (ज्या सक्य दिस्त ल्यिमा । भिमा एवत)॥ >००। स्थिसे वर्ष (एकर ट्रियर प्रमास्त्री) क्रिला के प्रकर (निक) के ल्ला ब स स्का [3]) त्वेष कारिक : अनु मार्थिक -मानि - मणी इड सर् (अम (धार्स - ते पका) ममन न सटपानं स य भार के पहिंकी स्टिंग (द्याप का मुने) ख्य अतु (जमन हत्) मा (मक्ता) अहु क का किना: (विषित्र सर्भवस कलामस्था), वर्ष ८०० है: सर्भव्हा: (यायात्रिस द्युटमारम रापादंसा) मायमक्या केवी: (अर्थ । व्यक्त कर्षा के प्रमान कर के कस्तः (तिक कस्तानकाकं दिक्का) मेप्रमामंत्रकम-यम्ब हार्तक में म् : (लिवं) यिक प्रण अने मान्ने ने-मैं अपनं अपनं ब्रम आंचु क्षेत्र) े थाः ((अर) किटमार्थी: (केटमा क्मामिती) किन्नेरी: (मारी-भने एक) मान बीम कर)।। WALL DE BUR HARD

। वन (त्यं व मात्रीयान् मानी) क्राक्रि (कान अक माजीन) अठल १ काक्रम क हिन काहि (दिर काडि जि १ कथ में ब्रु का हिते थानं सता बेस) व्याद्र हजा-मनाजार (मूललाजा कारिक्क महम) , मीता क. स्थान ने का या मन न य य य राट्यान ने दिलाक करा द (छ्नाराव मानाम वस्त्र मान व्यक्तिमा मारीक् में वस त्यम् वकारम भी ने के हिं स्थानिस कि कि प्यान भारे (७ (६)) वीस नामा लूरे (धाळ्य स - कतक भारे-त्यानि मिर्वक में कार् (स्थान स सरास देक्त प अर्ग उ मारे मर्भूक अकरि। पिन भूका फल प्रश्न प्र मिर्याह), मुका महाकिल्ली प्रकृतिक-मूम्ममार् (मह नाति मूकाममूर्वन नाम छ मती हिमाली भाग (अर्थ ३ ३ के सत्यक्त विक्रिय के प्रमान का के प्र कार्ने भारह)।। र। [छिन] टेकरमाय-काल्य-मञ्जू छन मूक्न मुग्न (कुल्यानं म्यां माहिरामं क स्टानं से प्र टक्रानंक-में समाक) अदारिय (वक्षाक्षमत्रां का) (आअमं क्रीर् (अध्वेष करिट्टम) व्याजिकी मिन्नि (द्रामान

असम्बद्धार (शहरास्त काश्व सत्पातंत में काम म सम्हत्य काश्वसमं केम) काश्वराहन से दे व्याप -अरे बस कार् अर्डेडिक यह (आत्र वार्डिक ड) काकी सम्भी व श्वां वा मी- वस मं प्रती - मिवा त्यमं व लगान व (लाम्मिर्टि क्लाराव, नेलीव राव क्यां व एकी कम्यं विवाश काविशिष्ट [नवर]) पिक्टमाध्यापि-मूर्नेक्शवि-करकलण- हाक् अभी प्रणासी १ (अर्नेन जा ब प्रामं द्रायां सक्त क्षी में क्षा एक प्राष्ट्र है। है का का । प्रकास कार्य कार्य कार्य ७। जी में मार्क मू लक्षार्व भूत्र कव वर्ष (जी मार्थिय धियांस । भेका दाअं व हान व प्राय न पात दर्भ स्पष्टि इरेट्टर), भारीती-।क्लिनामर् (भीवादी स डमारिके) कमामा (कमाममूरे) अमाम त्यी ! (विषि मक्षमक्ष्रक व्याव र्युगिट्य) विष्टि मनं के आ- ८ सेर- विकास कात्री (विष्य क्री बंदी व ल्या केया टमें व व विकारमं वानी) य गरमाः कारियानापा-निर्माक्ष-अन न सम्मती क-स्मादा (विति निक कारि आने हात्रा विमंत्रालक पकरि मश्रास्त्रम् मश्राद्यम् त्रोलार्यम् तीवासम

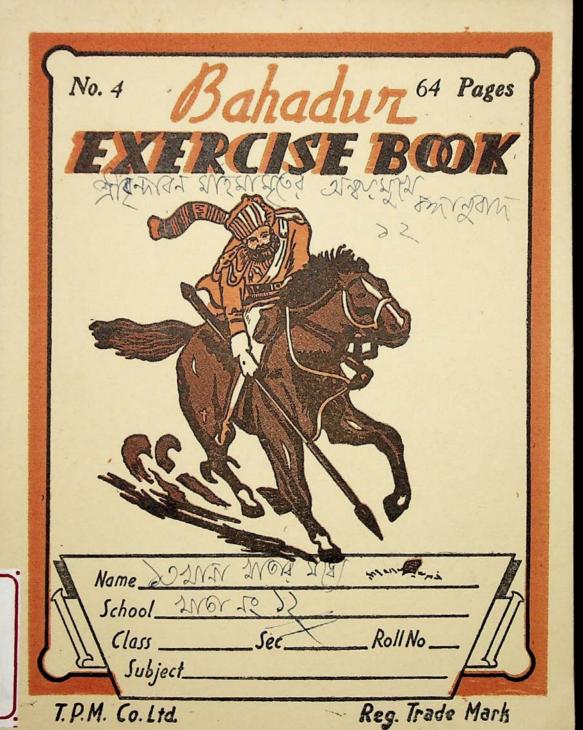
कार्एट्र [नवर्]) हाक्छ छा छल- एत विभवाछ अ-र्का (सरप्रेस अवर व लाक्ष्य में के बिष्टिय संक्रा) मिटिन्स (अव्यापर) पर्यामा (क्षेत्र कार्य मार्टिस)।। 81 [munt के से का साम्मक (तक) र्मावम केन्द्र-ये की जी मिका : (रिका ताम के के की वागित) भारता म (श्राय कांबे ' [लाइ]) लालादि (लावं) भेरं-(कामेमामादं (कल विभिन्नम् द्वं) प्रत्यो (मियम्) कित वाका (किया का जिन विश्वास्त्रे पूक्त), मूटलेन तीराने (तो व व ती सवते) ट्वर (त्ये) मालकारिकामकाली (पिका मालक पकाकी (क) श्रायानि (शानकार्य)॥ व। क्नूमी में (कून्स न हान प्रामा) निल्लामपा-ग्रंब्यकर्षेत् (। विक्तमास कल्ल्यमात्राह्यः) निकि करके लायं विमास मूर्वी (हिंस किलायं विमात्र-नामी), मिलाविकिकारी (विकिन मिलाकार्ड-मस्मन), मूटमोन-मीटमो (टामेन उ मीमवर्ग) क्षेत्र हिन्द्र (राष्ट्र स्थाने में मिया के डल (क्यान कर)।

का िलाह] स्मार्थितिक केरान (स्थान साम्कार्यक्र न on of course- of as along (enchanced a forestan) ए। िल्यास] ट्रार्मिसिका क्रिली (अन्स्मानम एक क्ष्यम्भात्री) वर्ष्यं क्षित्रं प्राक्ष्यक्र-स्यारेश (स्वार्मिन स्थार्थ (समर्काम अवाकाकासम में वेत्रार्वि) वेत्राय-मकी मट्यार (अभी करें (विष्ट्) वस्त्रमण कार्यक्तावास्य (मीमं र्यानवास) म्यान (क्याक प्रकार्व) मठळ (प्रकृत) मानाम (क्याम कामें(छाट्ट)। dI marcough igo, ([1213] to cougary कार्षाक खिन्न) मिन्न विन सर्वामितः (ग्रामन स (वरे । मुबंध द त्यम का कंका ह व कर्म पात का के किटि) निक् त्याक्तमस्य भाव कार्य- नामार्थ- कार्या कार्य (म्रायं कास्य कांत्रं क्रांस काल् ममें निकास देवरानिक इरेक्ट्रि), निकासम्सा-मार्क- मिक् िं (मिण धामक निम् केमादमार म्परां लक्ष्यभूमं क्षिमंशान्तं दूरमं इतं)

प्रिट्क करकरणांच कर (मित प्रिक) किल्प बंके त्य विद्यान भाग [नवर्]) अवित्या वस प्रिक (क वरर् (अर्मानमर् भेरमन अक्सान भीतास्ति), भानी बन्न एर (ट्रारे की बादा ने समरकरे) अइं (ज्याम) मिक्राकालां : (जक्दं न मिक्र जम्बामभदकार) उल (स्या कामि)।। ७। रेर (वरे) बुलायमानुः (क्रीब्लायता) स्वीमाः (अभिने की ने) छप्यम् हत्र यहापत कला- छत्रवार्थार्थ-वासद्त्रवानी दी-विलाभ-भिष्ठानि-क्राहिमाभागे-लीलाशंडिणः (नवटानेवत्तत्तवीतकल्पिकता, व्यान अले विमानसाम मयमय क्षा, व्यी, लन्ना, विलाभ, अर्बुड अल दाम, क्रिंस करेडमतील उ विशेषकी मध्य [नवर]) मार्चिमार्वः त्यमनत्त्रनः मूर्धा अप कित्रया टार्म म् मू मिका- द्या हिः पू दिहाः (त्याप्रसाम में भी ग्रायक लक्षेत्रम (भां - 3 मीर्य अवसम्बर्ध काष्ट्रधान्त्रीका) सप (minis) Box serie (103 Cas) क्षांत्र (इन्ते कार्यमाट्ट)॥

WEIGHTS AND MEASURES.

INDIAN BAZAAR WEIGHT	BENGAL BAZAAR WEIGHT	BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR- DUPOIS WEIGHT
4 Sikis = 1 Tola. 5 Sikis = 1 Kancha. 4 Kanchas 6 Tolas 4 Chataks = 1 Powab. 4 Powahs = 1 Seer. 5 Seers = 1 Pasari.	5 Chataks	36 Tanks = 1 Tipari, 2 Tiparis = 1 Seer. 4 Seers = 1 Payli, 16 Paylis = 1 Phara. 8 Pharas = 1 Kandi, 25 Pharas = 1 Muda.	16 Drams = 1 Ounce 16 Ounces = 1 Pound. 14 Pounds = 1 Stone. 2 Stones = 1 Quarter. 4 Quarter = 1 Hundred. 20 Hundred- weights = 1 Ton.
8 Pesaris or 40 Secrs } = 1 Maund.	16 Bishes = 1 Kahan. 16 Palis = 1 Maund. 8 Dones = 1 Maund	OF LAND SURFACE	CAPACITY
JEWELLER'S WEIGHT	20 Dones = 1 Sali.	39 Square Cubits = 1 Kathi. 20 Kathis = 1 Pand.	4 Gills = 1 Pint. 2 Pints = 1 Quart. 4 Quarts = 1 Gallon.
4 Dhans = 1 Rati. 6 Ratis = 1 Anna. 8 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas)	BENGAL LINEAL MEASURE	20 Pands = 1 Bigha. 6 Bigahs = 1 Rukeh. 20 Rukehs = 1 Chahur.	2 Gallons a 1 Peck. 4 Pecks = 1 Bushel. 8 Bushels = 1 Quarter.
or } = 1 Tola or Bhari. INDIAN TIME	3 Jaubs = 1 Anguli. 4 Angulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Bitasti. 2 Bitastis = 1 Hat.	BOMBAY CLOTH MEASURE	BRITISH LINEAL MEASURE
60 Anupal = 1 Vipal 60 Vipal = 1 Pal 60 Pal = 1 Dundo. 60 Dundo = 1 Deen.	2 Hats = 1 Gaz. 2 Gazes = 1 Dhanu. 2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes = 1 Yojan	2 Angulis = 1 Tasu, 24 Tasus = 1 Gaz,	12 Inches = 1 Foot, 3 Feet = 1 Yard. 5½ Yards = 1 Pole, 40 Poles = 1 Furlong. 22 Yards = 1 Chain.
7 Deen = 1 Hafta, 30 Deen = 1 Mahina. 12 Mahina = 1 Baras.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	10 Chains = 1 Furlong, 8 Furlongs = 1 Mile. 1760 Yards = 1 Mile.
INDIAN LIQUID MEASURE	5 Chataks = 1 Koonkee. 4 Koonkees = 1 Raik. 32 Raiks = 1 Maund.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam. 8 Palams = 1 Seer. 5 Seers = 1 Vis.	BRITISH MONEY TABLE
4 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Seer. 40 Seers = 1 Maund.	BENGAL PHYSICIAN'S	5 Secrs = 1 Vis. 8 Vis = 1 Maund. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Pound.
INDIAN MONEY TABLE 3 Pies = 1 Pice	WEIGHT -4 Dhans - 1 Rati.	MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings = 1 Florin. 2 Shillings & 6 Pence = 1 Half- crown.
3 Pies = 1 Pice 2 Pice = 1 Half. 6 Pies = 1 Half.	-4 Dhans = 1 Reti. 10 Retis = 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola.	8 Ollaks = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal. 5 Markals = 1 Phara	DRITISH MEASURE OF LAND
4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 1 Anna. 16 Annas = 1 Rupee.	BENGAL CLOTH MEASURE	80 Pharas = 1 Garce. UNITED PROVINCES	144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yds. = 1 Rood.
INDIAN MONEY TO STERLING	3 Angulis = 1 Girah. 8 Girahs = 1 Hath. 2 Haths = 1 Gaz.	MEASURE OF LAND	4 Roods = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M. BRITISH TABLE
1 Anna = 1 Penny. 12 Annas = 1 Shilling. 1 Rupee = 1 Shilling	BENGAL MEASURE	20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Bisvan = 1 Bighn.	OF TIME
13 Rupees & 6 Pence. 5 Annas = 1 Pound.	OF LAND SURFACE	PUNJAB MEASURE OF LAND	60 Seconds = 1 Minute. 60 Minutes = 1 Hour. 24 Hours = 1 Day. 7 Days = 1 Week. 4 Weeks = 1 Month.
CEYLON MONEY TABLE	20 Square Cubits (or Gandss) = 1 Chatak. 16 Chataks = 1 Katha. 20 Kathas = 1 Bigha.	9 Sarsi = 1 Marls. 20 Marias = 1 Kanal. 4 Kanals = 1 Bigha.	12 Months = 1 Year.
100 Cents = 1 Rupes.	20 Kathas = 1 Bigha.	2 Bighas = 1 Ghuma.	366 Days = 1 Leap Year. 52 Weeks = 1 Year.



Long new new प्रमास अठक । कार्य में में प्रमास कार्य में मार्थ कार्य कार्य कार्य के किया कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य के किया कार्य कार्य के किया कार्य कार Merco > २। कर्म (कत्र) कल्याले न मनाक् क्रिका (प्रकेलाजात र्के मार्क) रेमा वंपापकतात (कार्क मार्प वं मताक) यस (लामान हिंड) दे एक: वं त्यम मार्गे (क्रियम वं त्म क्रमत [3]) नकता वास्त्र ई (तका य दावा विसे इर्मा) सीक्कार्विक टिमार्व (सीक्षकं हिलाक्ष्य) " पायव -प्रवर्म वित्ति (त्रिक्ष क्ष्यां वित्र भाष्ट्र [3]) के ल याया- सहीं क्त- मैक्स आ कंत्रिक्षे (के ले या था " स्मिन कि सर्ग व मैक्सर त्यव्यिक अस्त) द्यान्त्रकारं काम वाम (त्यानाना कार कार्य) मार्थि दिवय (कार्यम कवित्व ।)। >०। ति त्लाक छम् कर्म महास्म छन् (कर्म असूस मि भिन खयन मम् छने मानी), मदामाछ (अयम-आकि प्रमात), मुला बन (त्यी मुला बन) प्रम् छने-त्मा श्व विष्यं विमा अव (धारम्य तम् छने विष्यं या कर्ति गंग्ये) सार (लास्माक) क्र वर (सम्भार) श्वाप् तर्पे (मिल्य मर्का म्हान अभाग कार्येन)॥ 5>। की तर्भावत (त की रूभारत! [an म]) सर्व को देश (प्रक्य विसंत क्षेत्र का का का के कि (consis) miy6 munn (miy2 40 sqriss)

[198]) ते भने (कामानं वाद्या का य कार्य गांत) मको धामार (लाक् मनं लामध्यातं) क्याद् मरंग्राम नामुरं (त्याद (क्यार कामना कार्य कार्ड) , वर (कावला) एटर (याप) प्र (्राम) मधा अभा स मा प्रका नत्मा सम-यस्वमर (अन्मिश्व भारतमा में मार्य व्यापसंस्त डेमाड धामन इक्क) म नव म नव म (म इड) रेप ([जाया र्याक] न माल) कियांन (अमा त्यम) व्यास्तर (व्यास्त) न व्यक्ष (मरे)॥ २२। व्यी कृत्यम कर किंगि (व्यी कृत्यम करम क धारु मिं धय क्रम अली (एम ल्यम मक्ष्याणि उ) या अवास्त्री (ला अवास्त्रा [3]) वादाक्क-त्तार्यन: (न्या यं क्षक कित्व वित्वत्र के प्रकृत) कपानि (कमर ७) डेक्च्य- सब कार (एक्च्य न न क ररे एक) न दे कार नः (मिक्ष मं मा ह रूप मा)।। २०। इन (अनं !) संस्वित सिनं सत्य (मी संस्-क् (कव विपर्वत) अ व्याचन (य्याचन!) अर् (क्याम) याम (का सम् अकि) दे क्रक्टि: लामकार (लाक्ष्म मं ज्याना हवं प्रकृत्य) लाक हतं-काक्षक: जमभर (धरा डाय का भी व ररे एवरि)

अव (न र्यात) वें (वें सर्) Ch (outhing) आवंप्र समित (लाक्रमं थे (स समात)॥ 28। व्यक्तर्राह्म- यक्ष-यक्षरं सेन दिन: (अवस्मर्थित्-श्चिलं यान्य देव्यामसमं) वादा के क विभार्भः (अयंत्रक्षकं विभाम मध्यक्षणं) व्यक्षिन मिक्नू-दी भी (प्रायम मिक्स साथि लमके व उर्माह भ [अरेक्ष]) नुमारेवी (क्यीन्सायन कामरक) अव्यक्ता: (लाइ टिम का आ भा भी गार्क द) का ने वि (क्राप्त करवंप)। २०। व्यानम् (बीय्यानम) अधाकिक ममन द्वं (क्यां राम मार्म मार्म ररे (मृत्वर्ष), मुलहार् के उठ् (कार् नैकेस्वत) रें देंदे (रिस्) मिश्र (अष्ट्र) ' लममर (लमडाम) ' मुपर सर (भारुम पीत बत्र एक) क्रम क्रमण (कि कार्यात, [निश्न]) म त्याम (म ब्रामित मार्निक्टिमा)।। > ० । व्याविकारपर जन (च्यारिकारपर) मामे व रेमा (क्युनं लगे क धाराप) ला दे के महिं (कार् में हि सका के) का कर कर कर कर gossan [0]) organiel (organi र्राष्ट्राम) सर (स्पर्म काक्टरक) व्यान्त्राप मुक्षार (तिक कम स्ता अम्रे कस्त)।।

> । सकार्यक्षममार (मारं कल व्या प्रमम) म टामेन भीतर (यमुक्वत तामेन अ मीसवम) कियान प्रामुक् वी कृषा बन- मानव- कि (भाव- प्रिमून) (क्योर्यायम विद्यावी अर्थ स अप्र कि कि स्मानं मामनं-में अथ (काराक) आप (१९० सद्य) नयं (विद्यान कार्ने(एटिन)।। ३ १ । कल (कत्र [जारे]) देसमः (त्यमं रम व्यक्त र्रम), नुकारे मी- मिक्ट्र मु (मुकारतम इन्द्रभम् (क) कल्ल किलियाम (कल्ली माम शू हलता), कर एक भीता रवाहिः (भूचर ७ रेक्प नीता-रापु वं प्रांत काष्ट्रियलाय) विष्यावं में समर् (किल्लान्युमनाक) मिन्यार्थ द्विका (अर्था) क्लाएं (प्रभीत कविव ?)।। > के। काम (काय [आमि]) म्लायत (अम्लायत) अम्मर (कार्यन छ भार्व सक्तामाटल व्व रहेगा) लक्त् विकेत् यवत् न्यप्रत् वा प्रान् (किश्वा मध्य, अवस्थात, निका न्यास्त कि न्यास निवित्राम कारण ३) भाव ठव्य- तम् वी य तमा विष्यु (कम्प-हलस टम्प्रें भीय (अ) । हिसंदर) वैंं : (प्रमेंर्स) क्यत्तं (त्यम्यक अध्यय)।।

२०। इकियमण कारिटमण्य (टकारिटकारि श्रासत्त व द्राव्याचे यामं रामकंस) व क्यां कार्या क्टर टम्बे स्प्रायम येवर (टम्बे क स्प्रायवस्) थितास (लमेक) अंससने थिला ने मिमें पर (अंसमने किटला व मूलारक) स्र वंद्यार (यात्रा ना कारत कार्य व्यास्तरं) अस्टमं : (असम्भल) बमाड् (जिलाक मात्री अकलारे) अठाड (अने देन)॥ १)। (भारत वृक्षायत द्वार (भारत म व्यीयुक्षायत) टम (लामान) लड: (अमर्त) समा (स्वस्तर) टस्परम बाद्वा व्रावस्त्र में कर्ताः (स्टायर ने न्या दंग्ना-स्पर्वत्व) छा: त्मार्ग त्मार्ग-क्ष अध्यविभी भा: (त्या अक्ष अनं म सत्यन के ल का ह व स्थान) स्यं (स्यं प्रदेश)।। ११। तिक्यारीशीय (जीव्यायतम् क्यार्यर) Wrong म ययं : वी क्ल- विलाम (विकिय के लान, च्ची कंस व खियामणायी) व्यक्तर्र बंद (अवंस-धटणवंस) प्रमुकंस्मीतसद्यस्य कंद (प्याव उ स्मित्र (अपाटिर्न्य) सस क्रेंब्ट (arria. निकारे कार्य नाड कक्ते।।

२७। ७२० (७०१) वृत्तावरम (ब्लामल) प्रव्यू न्यू मी-स्मान काम-मीरिं सर्मासान स्मे जामाजाः अभूत स्र्मे क्यासम्बद्ध ७ सवक्र मान भाग भागम ग्रमं त्रमुस्त्र नायु [चक्ट्र]) (कादि क्लाव्याख्याः (क्लिरिटायम का छि। दिलिके) की मार्चि भार्चिय व्योगपन -कस्यत्माः (क्या सम्बाकत्क्रमं संभक्तयर्गला वं) मुलीलाः (भूमीजन [७]) प्रश्चित्रः वरकामभीगृथ-यभुः (क अवसम्बं इं इंग्येनेक बर्भर्व) आगंड लन मंद (कार्य सेवं अवस कर्षिता [म्पराना]) मात्रे ६ (कण्डममं सक्का कक्षम क (वंत) [अर्थ]) प्रामुकारि (मार्चित अमू भ) आग्री मृद्र (म भी मारे के) उन्नामि (डमन कार्ने)।। १ हा अश्वीचा कृत- दिवा भी ख व प्रतः (धॅनशनाः किंक वक अभीजवर्ग दिया वसन अस्थित क विम्म) पिराधम् दमा सम् दिनी पिरालिम अन्य छन न सम् छूड़ा -बिटमाइड (विक भूक्षरमाडिड स्की उदिक समं में बेंड टिलासिक हैं ता से का पर के व र र में टिन में [वर्]) जारे दिमक्त्य न- मियात्र प्रकर्माता र मू नप-क लयं (म्नारम् कर्न जान में व एक में व मक्समं

\$ 34 (MIR) WIZ COLE "[MILE]) \$ WILLE ([WIRLY) टम्डे क्यान कि त्यां ने - हिने हिने में के (पमंत क क्यान वप् (अर्थ प्रिक किल्लानं मैंसलानं) राम नेतान (क्षाप करतं)॥ रव। लक्ष (लक्ष ! [यंत्रत्व]) क्विष्टि (कारमात) ट्याबर्ट्स: (स्मूबर्भमते) मूळ: (मिंब्डन) लसेवं (लाक्स्य स्वयात्त्र) इस्तवं का सेवं के के हिः (डस्म स्वामु हाना अर्चिर्ध्य कार्ना) आर्चे साछ्ठ द (बिल्म्स ट्ला डा वर्षेत्र कर्षे छह), क्व हि९ (टकात्र म्रात) कार् की द्वारिता मा देकर् (मि कुमर कार्य. हक्त जार लात रमा करने एएड), कून व्यापी (कार भारत) डे मद- तकारमाभा करती- म्लार्भवः (यदीय ट्यालन्स्ती मन मह मड हर्र मा देरमव विश्वाव क्षिकारम [निष्]) क्याहि (क्षिम मात) अक्ष-के क विया म तिए मर् (क्या क क क सप्तरंस विमान्न स्रक्षातं धवस्ति कविछ्टिन, [अरे]) ब्लाबन (क्वीब्लाबन क्ये) अर (वर्णाम) ध्रामामि (निव्हुक् भाग कार्क)।। रत। अस्थिकायण लाद्रक्यमारे (स्माम्पर्दिकं वक्रिके (अभिक्मने रे भारातक लाड क्रिके भम्भर्ते) प्रमण्टाः ([नामा] प्रमण अमेग) एका वंश्वः वंशेऽ (पिक वन वालि अरलक्षा उ मरमक्ष, [वक्ष]) महितानम आया काणि सम् (भाषा माकियानसम् क्रमाट् आहि: असं ल िलास (अर्) हिक एक (कार् प्रिक) र्यावेश् (कीर्यावत्य के) क्रांति (लाजम अप्र क्षेत्रिह)॥ ११। धर् (धारी) कवा (कटा) अमारह जाने (अन्तिरह ७) सीत्रिष् (स्रीट्लाक) प्रकारिक् (प्रके) म विष्ठमन (म कांब्या) ज्यामे भार्म (भी मारीन त्र ररेए विष्य ररे मा) कु व्ये (कात) प्रक्-उटम (डेउम क्लाक उमराला) मिथका (डेलटमान. ख्यक) स्ति (लक्षित्र म्म (म) खिला क्षेट्र कर असम् (काम । अममाध वस कर्वि कर्विष) टलाक प्रधानाट्य (टलाक अश्मर्प) ट्योबी (ट्योमी [140] मिस्सारे (अर्था) ट्योनी रेस (यन्तीन गान) भन्द्रमदः (मार्क ड्रमेर) हिप्रिक (पूरे करलकाउ मी छात्व) मादा कार्यवत (अवाकाव क कीज़कारत अविकायत) नियएमामि (यम कार्य ?)।।

१७। [यनि] इतिस्कोदार्थाकिविद्विः (श्रीम न स्टु विष्मात्वं द्रावंता व अवस अध्यत्याका) कामनार् कारी: (क्लीरे कामर्वत्), प्रमप-विराजेमर् कारी: मरी: ह (क्रूडक़ क्रारि-क्रिया [0]) डिडामपु: (डिडामपुन) ८०६८: १ (क्ली प्रस् थाक) विर्वेवणी (विवक्षायं कत्त्र) हम्म भगद्रिमा असूरि : (हम्म अ भगद्रिमा अ महिना अहि) हिमार्भः (हिमामं) पिरेयाः (पिया) कृत्याः (वक्षाविषाता) वृष् (यात्रेव [वन्]) कुक्रीन मिरा विमर्ग (कुक्र क्षममध्यन मध्यत्य मन्मम्यान्य), नावावित्रन्यारी (क्रीबादाव अरे कामकामम) भी में है (यन मेंक रका [ाम्य]) डाटमाकक्षिमा (एवर रामकामाना) धानुद्वं (धानात्म) धान्कर्यकुष अवर् (विकिन कैल के में दिस के सामा) विकंश्में (विक्राने करंत्र) में के जादिः (मित्र जावमाना) । ताम । ताम (फिटक फिटक) कू यल ए (अनि (तील क सल कारि) मम्मी सम्म (अक्टी क द्वन [वर्])

पर्यायवः किया (पर्विमास्त्रका) व वर्द्रक्त-म्म म अ मार् रेव कर्न (विवाजनक एमन म्म-अला हाना लयकेव थरन्य) वानुना प्र (कार्नाव्य आहिए) इतः (मिन्डन) मृत्या वत (मृत्यायता) कार्य (वसम्बंक) सम्बन्न : (त्यत्र क्रीक् कर्) (म (ourse) ट्यात: (ट्यांत कस्ते) 11 ००। कर्न ([ज्याम्] कत्व) अवंद अवंद (अवस्थित) दिसक (लक्षित्रमात) की बरम्याकी एवं निक्ट (अपन्में अपनं क्यों के कि) दिसमं (अरबस) विष्युं कर यामें (दिल्य मुयामर्बं के कुर्य) जुनमंग्र रेय क्रिममंगर (मर्ज्य ताक्रमं र्द्र) म्याडिस (म्याड सम्माड:) स्वर (अयाम्य), अम्बाद्य (अवाकात्रव जीवाम) खिठ अस्य या या क्र (भाने मिठ अस वय उ म्म कम्म [नवर]) कि वट्स (विका उत्तर्धा) कासर् असु । भियम, (अह म अविधारने क्रिय आम कार्डमा) म्ये रिया प्राण्य (म्ये रिया राप्त) वकं-क्सारी नव कारमन् (क्काल्पर रामकानेगा) स्थी मार (स्मिर्वेच ?)।

० । जी माअर्वा इंत्रिक (त्र जी श्रे द्वा वस्ते!) पूज्री-या विकास रिमारिया (कारा में से महत्य में केसी Cure नारे (०८६) का हा है स- मक्ति हिल्मान-उ कि। के दा वे (का ग्रेस अक्ट्र क की में सामा वंश्यर कार्यमा स्थि र्राष्ट्र व्यवस्त्र अयद्वला लास्य कार्नेगा (हम) वसम्भाग्य (शिम्रे) अभूनं च हिठास्त र तेराण्यत (अप्रंस्ट कार्ब मम्ब्रु भूकि धाना बिहिन हुए। निकान कार्नुमा िमा एवत [1 40]) अछ लिया पुरु मक (ONONA वार काल व्यक्त वाकित प्रका क ररे एटि १ [कालाम]) करा (करा) रेसान्स (रेसान्स) ट्स (कास्तकं) अपि (अपटमं) अपि (विश्व कक्त)।। ०८। यम (सम्पत) हम तिनंती सम्मः (तिनं उ नीत लगानिर्म विस्रम्मात्व) अर्वाणं (अर्वाणं) मूत्रका वती (पूत्रक वार्ष) व प्राकृतः (त्र प्रत्यात्व) लक्रेक्ट (क्ट्र वाक्तिया) व दिल्य न में (बाट्य के असमारि), भागारिकिरेन् (भामा अष्टिन भागम), में इ. स्यामुक् (अवतीर्व देश ग्राम) [नवरं]) म्य हिंगः (भवसीव) व भाठी मारे (मन्य स्वास्व

डिलीसमा) केटक (तक कार्ने, [ama]) जिश्व (अरे) मुन्तावत् (कीमुन्तावत्त्व) (मोर्म (तन्त्रम कर्ने)।।

००। त्री संहिका के कार्यः (त्री यंत्रुत ३ व्यीक कि वे) त्री में म-ह सिकाक्य मन छ : (की मू भ हत्सन का छि अवार इ डेक्ट्राम -(२०) अमरेड: हर्ल: डेमी छर्रेय (माराज मार्च) लय ह स्त्र का ह वंद (त्र वि श्वं इमं) विस्ताला न्य . हित्यमार्खिक हरें (मायान हिमम मायव ध्रम लयान-सम्बर् (समवं रम समय वार्य गरिया है), तिम वसकी भार ([ग्रिप्] क्रामं वंस्थतं त्य्यात्व) श्वरकावं व : (१ मरका खिला हा वा) अ कुल्या (अक् कार्स में कार्यक) ळाळु के हि ने मं (काळ्यां प्रमंस्ट्र काळ्या रं म कर्षेत्र [अवर भिनि]) प्रविभन् पर (प्रविष्डम वस , क्यामे] [(अरे]) अरे ब्यायम (अव (अरे ब्यायम का प्राकरें) सर्पर ([लास] सर्पत्नां भ्राम्य रहेता) GCA (छम्म करि)।।

081 कड़ (लास) इंड (नम्पत) अर्थ मार् अवन् (मिमिन मनामारी न) धार्क म्लाज्य (धार्क म्ला) मिक्राक (मिक्रम न मन) पछ) छाट (पछ), मार्ममाप्र (मर्ममा व महः) था कि मछा अरु (यायत (नर्दे)) कक्ष्मे नव (कक्षावर्द्र) इन्हान्छ, (त्यन द न म्लाव) य छ। य द (मछत) सम्मन (अयमा इत्रेमा) भागा (सित्र) मूर्वियं: कार्य (पूर्वि अस्वरक) प आहे के आ कार्य (आर्क) राम कार्य के कि (धार) काक ह नर (कार्य भिन्न कर्न कार्य) अने स्थय स्थारी महिं (क्यास अवं स्प्रमासक) व्यार्व त्या व पर (व्यीव्याव(३) ध्याव भाषा (वाभ कार्ष १) १। ००। कमा ([लामा] करव) व्यक्तियः (भि श्रिक्त पारव) रंति के क अप्रयं नव (नक्षाय क्षा के एक वं खन्मर्द्र केत्र) सामेर सामेर (स्पन कार्याल कार्याल) णकारिः (जक्र अवार भाग) वृक्षायम स्मीर् (वृक्षायम-क्रिक) भाष्ट्रिकी कूर्य (कर्पभा क कार्य ?)॥ ० । करा (कर्य) इति (क्रार्थ) अस्मास्मानारहान-

रामा भा याः (जीवं कार्य अमर अमर्गित वं त्या विभाम が、海の 好一 [mun]) mu至 on e 西面 on e (आकृषि उ अकृष्णिमात्रा) विन्यत्मारमः उत्यम् (मिकिम बलप ब्रुक्त कार्य १)।। ७१। मराखने गृविश्वमः कः ज्याली (अव्यक्षमाविश्वम (कात डामा गत्) करा ज्या (कथा ७) भूतकाकेव: (भामाहिक) महिह (क अप ७) स्वरम सम्वाव: (लक्क हा बार सार्वक) र कताहर (क्रम व वर) लाख-गर्गराक्षवं ग्रीज- वासा निर्दे : (क्रम्स (काल्यां सर्भरकारं व्याचितं मामकी व्यवं)' करा लालुः (क्यात) किरले (दिसाल्स) विसूरेत (नू कित), ध्य (वर) कपा धामी (कस्त उस) मूर्षार् मण : (मुर्थन अन ४ इरेम्) रूका यह (रूका यह) प्रमान (विष्यंते कर्पत्र)॥ ७४। अनु क् विमयामा यम- प्रिंता जाम मं (भारतादन पर्याला अमड वृधि उकम्बर्क अवार्षे करतं) " सिमः अप्नेम्क्रामुक् (मूप्राचं अवंश्वे अपृतिश्वाद्य रिटे लाद्य आश्रुक व्यक्ट ग्राह्य) अड भार्माकी ए (अमड उ अभान) अमड समना निर्धिरे (लयह बंसमायारे [म्याना]) बेहिकड (यिसम इंग्डिमंटिय [नवर]) अमस्याम्बयर (म्परान अमस टभोयत विदालकात, [अरेक्ष]) किलाले (बिह्न) (आनंत्रीय र (त्याव व या) हते सर: (प्याहर्ष में) इलायत (यूक्तयत) देपाछ (अकाले ररेगार्म)।। ७२। सम्मानिकी (धारान हेमरन) त्कारि म: (कारिटकारि) राष्ट्राणां साव (राष्ट्राणां रहेक), प्रकल द्वन पारी (निभिन अभा छ पार्क) बाहि: (कार्य न) लक्ष्यान्य : लस् (लक्ष्यान इद्रक) ' भनंक्र (पाछत-यार कारि: (अनम्कानीन अह कारि मूर्यक्) द्रमंद (द्रमं इद्ध) व्याम् (व्याम् [व्याम्]) वृत्ताकात्रत् (अविकावत् व्यो) जकु ((जाम कार्य) म अमू केटम (अमर्थ इते मम)।। ८०। यामः (डिल्झ सस्यत्) देदक्को (यद सन कार्ड मा) आत्र (तक्ष्र कक्क), लक्ष (लक्षरा) विकरिक्सः (एम्झ्न) कासम्माः (कासम्मान) पमा (प्रामा कक्क) प्रामिकिर्भाः (प्रामिकिर्भा) (यंगा: की: (त्यंगमर्सियं लाक्सपु उठ्क) छछ : रेष : (रेष्ठछछ :) अर्ट नव (अक्तारे) अर्षे दः अर्

在在在 (のの山木 you 山上 生かの) 10-(日本) 1000 क्ष केंद्र केंद्र अवितं अन्ताः व क्षाराः (केंद्रारेका-थायक बाद्य लामध्यामं इद्रक [क्षित]) भीवनमाष्ट-द्राम् द्रमम् इद्रम १ वर्ष कार्ल (० आग्न [कार्म]) व्यारेबीड: (क्वीब्यावन इरेड) अपर न वि भामी (अम्झाम उ विहासि इतेयमा)।। 821 सिमाः (स्थारक) येमर् म नव त्मामा (येम-एस्य मा कार्यमा) विषिठ (क्रम्य) विष्यम्भः म वह सहितको (विक्रांत वाक्षेत्र व्यक्तामाल का कांत्रेस) काल्यार कार्य कार्य के कार की कार की की दिन हैं वार्धार विकाम कार्येत अध्यम मिकरि) तिमाति म बाका ह (तिव प्राविधा वर्षम माकावें भूते) क्राहिद (टक्सन क्रम) आमाद (आमा) न कावरेद क्ष क्याहरे क्यमार् य क्यम्प्रे (अक्य विवरं ल्याम अर्डिममर्थित्य) रससार प र एर्ड (काम मिस्तंत्र त्यकत्मी पा रहां) ममापादकः (त्रास्त्राक अक्षणाटक) असक : (असक द्रांता)

अपिका अपवेसामिकः (अविश्वाक अपवेत्स स्था नित्मभरकात्नं) व्या (अर्थ) ब्रुक्तायात (क्षीकृत्रायत्त्र) वस (कास कवं)॥ अर। क्ट (टमम्पत) तिलामहर्यात अपर्वेत्री र्वेत् (भुठे लाक्त्यमं लयह धार्मित् लाख्यकं मक्ष) अभू वालिया के की (मिरा के की बार्स किंश समाय) व्यास्त (इरिमार्ट), जद सर्वाक्षाकरं सम्मन्दे-क्रिनी छा (क्रीयादी क्रिक् मिछ) का नीन कल्ल-टकालि भारा असड्ड क्रिके) इल्लाबन (क्री बुल्ल-यम टकर [कारत]) समत्तर (कार सम् कार्नेकार्ट)॥ 801 समस्मारका समझ- हिल्ला) माछ दं का एसमाई श्रील (समादे लामानं क्रियमस्य समं लाख्का मं सर्मामुक्ष के की अस्ति) दे यह (वरे) ब्लाहिनी (व्योक्सावन) जारि (विवास कानिकारत), क्या अव (अंतराम्ने धार्या) अमामा क कर्षा कली (मिक) कर्षा भीमायक) ट्यां के क्या (त्या व क्या मा म व म) क्या क क्या द्ये (किट्या वं मैं म पक्ष) व्यक्ष में (व्यक्षमं कार्न विष्ट)।। 88। इक्षादेकार (अविकारकत) कृष्ट्यमार्द्रीया (क्षेक् कं क्षित्रम् ने व असका का सं (का)

1

का लाम (त्यात पक) हिंगा किल्ला की (दिया किल्ला की) किया भी का अर्थ तार्म का कंटम हि:- मिशू द्वारि: (सप्तक्त । श्रेश में बप्ते ग्रांत एभ्रे क्ल्म मर्ने ट्रं काडिकाल केश धरा प्रामतिंद क्षेत्राधिवाका) किस्विकार् (किंद्राडम) मुक्कारी (भाविक कार्डमा) ध्रुमाठ (कं श्रुमं दुरेकम् प्रिश्व काबिक्टिन)।। ८६। र्याद्याष्टः (क्युर्यान्यं लक्षेत्र) श्रापी वंग्राकी राष्ट्र क्लिंगार्गः (विकश्र क अवस द्यातिं वेक्ष्यके महममं सर व्यादः याशियाक त्यातिः भर्षतिवे) ट्याने न्यामि (त्याने ३ न्यास्त्रम्) मास्त्यायदं (कल्लाक्त्य) किल्लान् (किल्लान्), मान्यन् (प्रामः मुलल (क) वला) (दल्स कर)।। ८७। [ार्यात्र] यकेका ग्रंथाबिडिः (वार्षे व्यालंड काडियान) व्यक्ति (विश्वित (विश्वित किष्याक) आक्रमदम् ही (अरक्रम्मसूर्यक) पिक सीमा कमाहिः (पिक बिलासकला अपना) कर् वाली (काम विदिव) साईटामुमर (मार्च ने ने ने की (सामे न करिएटिय [वर माराव]) नाम अन्य विकत-अर्र लो का के वालि (ए का कर कर्र ए एवस का के क ति सि विश्व व का का का के किट व विदेशकों) का लाल (क्लाम नक) मरासम्माना लिन्छ-केल बहा) किलानी (किलानी) रेका वंपा. (ब्लावर) विलय कि (विलाय करवार)।। 801 क्यामिश्- अतक्ष्य त्याः (क्या का क आर अम में अध्यं) में साम्य स्थायम हि (माभ क्रिम पालिन खर्म) वर्षाः (जिन् विभ्रेष का किल्मन) थए (त्म) मार्वत् (ट्य मार्चन हे अ ट्यम क देन), अव (वाहिस्टरं) निक्षत देव देवराज क्षेत्र विकास सार्वाः (कास्त्र प्राम् काक) देवनः (कर्यन (अन्य न कामी कारान शर्क देश दिन के ना रिका की म पद्गाति व्याम), जमार (अवन्य [amम]) मान: (मान), मादि ((असा) मूह्ती (अर्गमाम) । मिलिंड: (मिलमीम) या (अयम) बालि : (बलामीमा [पात्राते र्त्रेमा (कर्न])

लर्भेद्राम् अकाम (अमिन्न मिक) अकाम-द्यात) रेपारंप्र (व्युर्मावय (क्यू) में अवंप्र (६० स ला संस्था) लाम (लियप से प कार्ने छाड़)।। 86 | व्याकातत (व्यीव्यावत) CH (arma) म् किछोग् पूर्वीग्र ह कारि: (कारिकारि मैं से " क्याद क्याद मैं मी [नवड़]) Chrainan-पूर्वामनाना (त्यारिः (त्यान्य व्यान्य विषय टकारि टकारि पूर्वाममा व) का मर प्रमु (यट्मण्य काटल हमय रहेक विवंद) न्ध्रीयासीयः (क्यीयासीय) मामसायन् (समारिव्यम) विभ्रुष्ट् भ्राचाम (विभावने न्स म्पटी)।। त्व १२। देमीत मर्माणं अलिम-नरेर्वाकरी-भीत्रण (मिनि अलं ममूर्य मानाम्म डमी उ हकन क्य कट्टाक भीया ज्ञाल कटतंत्र केवदेश की असमें (क्या या कर्क) माने लमक्व (यिवंदन) द्रामितः (आरिक्ष) प्रवीष् । प्रिमाई वी छि: (यू भर्ष समक्त स्मूत्रामा (भगकि) अळ्ट्यः (कार्व वीत्र) ल्यम् क्यादं : (जनावें भी म काम त्यात) अविमार्

(अतू अरे) ति क्षानि विकास द : (क्रम्प विकास छ माने बाराने त्यन विक दर्मा कः व्यक्त (त्यम नक) मास- किलाइक: (न्याध्यम् किलावं) व्यक्तिवस्तः (७०० विश्वम छार्व) मुलायत (वृक्षावत) प्रामाण (च्छाने कार्वाट्ट्र)।। ८०। अपृष्यां (अवंश्वास्त) ते अपृष्य पूर्व (दिन लक्षित त्म्यम्) र प्र वर्तः (त्तर्व केंग्र यन्म) । ति ह हावा: (तिमम्प्रे हाव) । या विषका: (त्य विषक्षी वाक्षी), याः ह त्यां वां क्षां: (टाम्य क्षंत्र द्र अक्ष द्र मा दिन] माः मिक् हत्याष्ट्रामि- लावने वन्ताः (मिक्स अ (संव व्याक्ट्राम्क (म प्रायम् अवर) ' था: (वरममेनमंद्र) म: (लासालं) लात (१९ व्यक्ताल) में ने हैं (क्रमांत्र वर्षे रहेक्)।। क भ (प्यां का असार के का यह वर्षा के का पात के के का (त्याने ३ न्यामवर् में विष्टिन स्वीत वरंत्र क्रें अ नायमे भारती), ब्राम्सि (ब्राम्यता) प्रका-म प्रामा की माविषारको (अक्षविष्ण कल्लीरवर्न डेम्प्य की ना विमा स्व) न वूर्न ट्राम्य व मार्निश

a>1 टप्पडं स्प्रामा है a- प्रवर्ता- संध- भारत्र) के म्यू (धारात्मं वर ताने क नामम, घराया विचित नवीत यम्प्रक्ष सल उपाय (एवं सर्गक्ष अवंत्र) रूपार्टी ([ग्रंशमा] रूपायत) सरगप्तामय-लीमाविशासी (अकायमूमक कम्पर्वास देलाम भी आविआए तियं व कार्य माट्य [वर्ष्यारामा]) भीप् जिस्मित्व समित्र (ज्या के (जय अपर्या-वंद्रवं क्रक्रनं टिक्स]) एक एटिक्स (क्रक् एक) कुल्पात्वे (कुल्पनंत्रेय) ट्राक्ष र्वेषम्दि (लर्षाम्य लर्ष लर्ष म्यापं में महें) (१ वास (इस मं (अप) अमे (बंद्राई (लाको सक्ष्य कर्त्य) 11 ७ र। लड्ड (लक्षाः) मच (त्मस्यतः) भन्मस्यकार् (क्या संस् उ क्या के कर का) व्यक्त अंतर (व्यक्ता द नाम-ब्रं) कृत्त कृत्त्र (कृत्त्र कृत्त्र) विश्व : (विश्व कर्षत), यम (८४४।त) क्रिक क्रिक (काष्ट. र्डा.) भग्राष्ट्र भागा कर्म पर १ (अरंस-पिका भोव ड मानी भूष्य मध्य) विनमि (माडा न्तान्द्राहर) में अंद्रास विद्रास (चित्रह त्मान्ताय] मेंद्रास में क्या) सरे ता सामा में विश्व मरं (कर्म कर्म सर्म मार्च कराने क

माद्र डड्मा) सराम् के व त्र सं के य व (त्र सं अप एक समसङ कारिएट । जिस्ती) मार (मह) वर (भर) र्यायम् (जीर्यायम्)म यव द्या (भवा मा करं) [निया र्येल]) जन (लामन) लमापि (कम अप् ि) सर्व (अक्स्पे) ट्याप्य (मिथ्दम्)।। ७०। आका प्रामित्र (मक्षण प्रामित्र में भी क्षेत्र -हिम्बमधात (विश्वक केलमब्याविश्वर), भावत (अवंस्थावत) राश्चरं वीमावत (त्म वीमावयव्यति) अकार्त: (प्रिक प्रिकार्त्य भार्ष) अञ्च व्रक्ष अपदि (मक् नकः उ जिल्लास्त्रेन) समाक् म मार्ड (बिल्याम का केव करे) न मर्म प्रवाद (मर्गालका मर्युनामी) कामभा वा (कात्मय [ट्यम्सत]) वर्ष प्र मार्ड (कर्स मार्ड) ' एसरेन: मार्च एक (त्यका अष् ि अभारत्य कमा आम कि वालिय ?), स्टं (८० स्टं र य । [र्षि]) ग्रिम, (८४५ र्यायतम् काल) अर्वार र्याष्ट्र (सम्बर्धाः) य केंके (आस्त्र कार्डेड्य " [सरंह]) किल्प्र (स्मिन्न्यकारक) प्रिकार वस (ब्रायम सर्वार् हिन्दात क्या कन)॥

est car: (a. 20mil € 81 लडंड (लाउरा;) CPL: (= अ(आ) प्रद्रास्त्र्यी-में थे शक्षेत्र मातः (विंति] प्रमंभानं एका एक шь-रीय कार्य लाम) , लायहमहम्स् (लाह आम अल्पारमा) माछ कृतिः (मिला काम), मम्बारि (अस्बाद्द्य) व्यालमार्डः (विवाकिकान), मामकृत्य (यावीत्तर्क) बाक्षणाद्यः (बाक्षणाय) व समीत्र (अरे कूरामें एरस्क) राज्या गुर्मा द्वा : (निम्द्रम ब्या छाद जात), जात छा- अद्भ मणं रखीं (कर मणं रक) म क्षेत्रिः (म क्षाम [वर]) प्रक्षित कार्य याभीन, (मटी कम (यग्र भर्म प्रकारन देउन इर ट्रेंग अ सिला अकि प्रशिष) कार्य प्रश्निम मार्कः (कार्यमं लक्त स्थाप कार्नां) के लाख (क्या विकट्तं) न ध्रवी: (ध्रमण्यक म दर्मा) क्लावत छि (इलायत राभ कर)॥ ००। था (त्यक्रात) अी न किन स्वीअमरी न विमार्ड (सी वा सीमभीव मन भरिमा), रेम् (अरेम्न) मान् (म्ये) ल्यास्त्र), (लाकानं श्राहेनां) लास (तर् स्राप) त्रकृष्णान् : (अक्षानं (अभ में: भाष्ट्र वर्षात्र

कार्यम में मुक्क) कार्य प्रमा : (म्बर्स म्बर) कम्मारिहः (क्रम भूमारिष्ठा ना) त्रम् कुछ क स्र ग्रम (अविकेश किए में कार्मा) प्रकृष्यात्म डातम (प्रकृष्यम डावनानिष्) यम्बर्ट (अम्मधर्में) ल्यात्रिय (ए क्रांक्) असा. अरासे व न्वर (ज्यानान आर अस में स्य) भे से (श्रवप-न्यक) तिक क्रमम मानी (अर्थन क्रमं भाम सल क चिंद्र क चिंद्र) र लाय माह: (की यू लाय दर) पित निकल (पिया अञ) असमं (अवन करं)। वणा दानि दानि (वादरा!) विष्, जार (विकान्ती) व्यक्षित (अरे) कूरायर (कूरायि प्रायम् कार्व) मधनार् मूळ (ब्रमण जाल क न), नि कि कमा मार् प्ररो (लाक्षिय में के समाप्ति महमाप्) बंगंड विस्त्र (अप्रम अमू उन कम्), कमक- मर्द्र भीत्र (कामिनी का का प्र सन्ति) र बंद : लास् वोष (लाक् रेंच इंट्रेडर लाग कर) भ्रमाय मार्भ (भ्रम ७ लाममा (क) विषमविष-भूकाभाववर (पमाकाम जीय विष उ दुक्त मैसार्वेचा) शका (त्याप कार्य ते।) त्य दी तंप प (लक्ष्मित्र) अस्मैं अरं (अस्क्रां मैं अ) आदी (अर् (अर) कर्निट कर्निट) आस्त्र (वर्)

र्मायद्य (क्युर्मायत्य) व्यक्षिक्ष्यम् विष्यम् लयं बार्य के कार्य) कार्य (कार्याप कर्ते)।। एन। बाक्रियाकी प्राचित्र मरें (चिनि निर्मित्र भाष्ट्र) उ मार्टित अधूर् कि वक्त कि कि मा) निर्म् के नामिक वापर् (कामापिकतिण छम् अविश्वास्थ्य) निर्ज्यायपूर्णः रिक्रमं (आस मी प्रमं महिमानं मह क्षिमां) प्रक्षित. वाभयमंद ([थुरमाप्ये] युवामक्षामा प्रमृत क विया एर न , [अवर]) प्रकल का भी सम् यं । जाल (मिलिस डेमिसिशम्य ररेख ड) था उ मूर्य (कार्व मेंदर) मिलाइक्ट (क्षमान्स अपरेट्टर) न काकि प्रिय ट अमन (आर्थ- दिन) वन मारे हु एम स्ति १ (विहिन ट्रिय एवं भेमम पिका कर काम भर्तन छ हु प्राधी अक्ष के हुल कात बन दकरे [क्राम]) ष्टिक्त (द्याप कर) II ० ७ । द्वारी छनय- तिक श्राचन य रक्षा अग्मर्थ- किल्पान कर् (भंतर का निक कडाका मिक भूममडाव ७ कडाक प्रमड लिकामक्त (क्रामं में मामं) त्यी रे ला दम प्रिकाम (जीरें सा र प्र थिको सुमा अक्षा कार्यमा) हिम : कातम् विभ: सीवतः (अव्यव कातम् अ दीवत

अकारं करंप [जयरं]) हिम: (अबमार्व) बामान्यासम्मर् (काळाळाथ्य क्ष्रमंत्वं) अव्यानक क्ष्रमणं व कंष्र-मक्रित् (तिव्हम् अयत कन्निवं तिरा क कात्मामुक इम्रेट्टर्ट्य र िमास्]) मिलामाने इ (प्राम्यानं श्रीयमम्बर्ग [त्यम्]) टम्प्रनाम्याम् इ (लोन उ तीन विस्त) सर : (कामार्वि मंदक) डमाप्ति (डम्स कार्स)॥ ००। नवकनक मूल्लेस्नील इष्ट्र अकड्मूमील० (पदीय भेव एवं भागं मिक प्रमं त संस्क्र भागुनं भागं दुत्र भी सवस्) म वार्वास्य में ने प्राहरं (न दीन धान वाम (र ष हे भाम कम भी गिष्ठ) हेर्न न एक भी यह (सत्यम हमान मीमा मध्य) अस ७० (विष्ठित) , आक्रिय १ प्रिम्म मण् (म बीम म्नम भू विटक रे [कामि]) डमामि (प्रश्न कामे)।। ७०। अव्यव्य महाकिक-५- ब्रायम ध्रि (अव्ध व्यम्मिव भूमाञ्चल की बुल्ला वत) नव (२४-११११) मील छाटमाः (मबीत भूबर् उरे व्यतील माने नाम काडियाती), कटमान्हिर (त्मत्र) दिया-कुटमां देताः (पिय क्टमां व- मॅम (प्रव)

नवम्म विनाम गलमानि (काउन कल्लिन क्रियन रास्त्र राक्ष्यामस्य) स्र वं (क्षात करं)।। ७) व्यादम्बार (की व्यावत) यदम्बार -नाम (मिठ) तृष्य ब्राक्ता स्थान) डेकामा आप् (one wing yas) a should (or har wing way टम्बेश्रीमा मुक्कि (त्में क मीम वर्ग विकिनं अगाडिलाली) व्यक्तिस्थ (लव्ह व्यवम्) वर हमंद पुकाक्ष्याचंद (प्रकाक्ष्याच मर्मेक CHA में प्राय इस्टिं) लस (outrà) थिकार (हिंदकात्र) स्मिश् धार्ड (स्मराधान रहेत)।। ७२। डाइन्यामिल स्वाडिस्इर् (में सार्य प का है खयात्र नि श्रिम हिस्स छत्र आहे मूर्न कहिएट), ब्लायम सम विश्वल (धेराया ब्लाय तम भन्म व्यव अर्वाल विश्वम), करक सब्का प्र (भ्राप्तव काछि भूगते उ सन्कल धाने न नाम अम्ब्य म [यद मात्राया] असा किलाय (ति) सम (Carlarent ale 1 pa " [3 x sin]) Bis कारिक सर: (कार्का दिन काराहित मेरे) (म (काम्पन) तिट्यम् अस (धार्मिक) 26 म)।।

००। मरे द्रार (चर्टम) ट्याइयर (अअसस(प्रातंस) व्यावत् (क्षी व्यावत वाक्ष), व्यव (वरे द्रारात्रे) मर्गनम्बरमा (पर्व अकान जाम(मन व्रभा) र्र है (चर् म्यालरे) सक्य (अस्तेय बर्भा ९ (अर् निर (अरम इरमा) , अन (नरे मासर) भिष्ठीया (भी के बा मिन) मूनरमा (पनम मरमा) आसेन, (अरे म्यातरे) असम्मा (अभिन्न) अन् इक्रमार् (मन्म इक्सा), व्यव (वक्रायर) लाशिम्स (लासिक्षे के के रसी (केरस) व्यामिन (यभाष्य) महम्म (कमालव) भवर बर्भ (दिडम बर्भ) [नवद्]) व्यव (न्याने) त्येपकी-श्रू वरमा १ (विपक्षणान अन्म न्यम (१८०) राम अविष्ठ देख्या (त्या के क स्था असूस) काम्मण्यक-व्रमधनम् (कामव्याव्याविष्रक्ष) कीमम् ब्रम्भवन् अतु (कीब्रम्बदन) अमा न (अर्था) मार् किं किं (अयम माममा कर्द) की देव: (विश्व कावत मिरेक्ष) कमा व्यक्ष (कात ७) दिक्षत- व्याकि (कार्य में में में (क्रियम में में हें विष्यां

म्म (त व) भूतिः श्रातिष्ठ प्रवेशकार्धानः मद्गिष्ठ-Сицамыли: (वित्र क्षेत्र व सक्षेत्र (स्थे 3 सक्षा कराप्तां करायमें अधिक अद्वाक्र मानं टम् ड मायवर् अर्थित्) मार्थित्) मार्थः (भादेगाम् र) लड: (धर्ट्य) काद्यास (हेल माझ कार्व्टि)॥ त ए। यहते (तर्) क्रीर्यावेश्वं (क्रीर्यावय) ' प्यावेस्प्रमारं (प्युं क म्प्रेस म्) वक्ष्यक (पक्षा) वि ((भर्) यतं र हास लाम र (कारावृत्तं) वे व्याप्यमाः लाम र (लडर व्राज्य ति कं मम्मी सम्म) क्या किलान व व संस्थ यर (एकस से अ अंस वं सिवं) विमाह (काक्यम करं कर्ने (ज्यू अवमा आह्म), त्वम (अवन) भारि (भार) महर (अक्रमप्ड) ७९ ख्रममुक्रमकः अकाति (हकः अवंसव त्यवं मार्क लाभावं मदाकृष्ट्र मध्यत मिट्टिंग अध्य [वाद्य रेंद्र (भे) वर्ष (अद्) सर्दे मंदं (सट्यंक) लाअक्यूर्य यह (लाअक्यू बक्र मर्दर,) ला के के अप का मार्ग (सार्म अमे के लाम-वाकीय छाछ । हिलकार् म यव विपकार (क्लमक्लरे ि एकम अकाम काव्यमम)।।

तत। नक्षार लव (म्प्रावं प्रिमेष्य कारमड्) सक्ष वर्षे दि वार (प्रिम कापुमप्यं) दुवस (दुवस) लगम (लगम) द्यारत (दीन) कर्मात (कटम्बं) व्यव्धः (क्पारमं में [क्या]) लमा देवकत्त्वा (वार्मकर्ण वयम र्वात्र) मर्थतंति (देयनं इनं) प्रवः (ग्रायां क्वाक्त्रं) बत (यरे म्लायत) ए एएवः (विस्ति कर्णने-अन्भित् । प्रत्मामर् अपभूयाहि (पर्ताम यही [नदर]) मर्रममा लाई ह तंदः (सर्म असम्मान न अर्भर्याणः) अर्थ- (पार्म (प्रक्रम अकाव विषयं-टलारम) अन्म विनिष्ट: (अन्म त्येमा), ज्यान डिडि: (ज्ञान ७ डिकिंड) अप्रवृति (विकाप रम्, [लारि]) २६ (१) अव टड्र कर (अवरे अवेशक्तानं. मिक्किं) मेरिं (बस्या कार्व)।। ७१। धार्मिमाधीलामा (एम सर्दिण्यतं वसुनं) सर्वः व्याली अपूर्णमार्कि मार्मः (मिनिम बिहिन मार्के मध्यरे) प्रसद्भ की यानी आक्रोडियों दियां आहे की भ्रम का आक्रें लायमं पाद करिया) एड दि में (वि दि परमम्तर) व्यान त्या क विमा म वान (व्यास व्यादि में व्यान ट्या म विभाश्र भारते भूर्यकं) प्रवृत्तीयां (प्रसूरी देव वारे गारः),

क्षा (इत्तर है) यह प्राप्त कार्य (माम कार्य) (क्षेत्र (अव्य 5 (permittouross, (ninosuastung)) लाय दुल क के छ ६ (अ के साय भ भी भा मन) " क ६ (त्मर) अनं मरं अद्भेषतं चव (अकंस सद्यतम अवं दमक्षेत्रिक्र) लाइ (लाग्स) क्रारं (लाक्स कार्यमार)।। ७ । मः (मिन) प्रार्थनक्षिन्तार् (प्रति उम), तेक्यात्रर् ल्प्यस्परार (दिक्य ल्प्यस्पर्धेर्डं) अवेस हवेस: ल्याहः (अध्यक्तकाकायस्य), मः स (। श्रीते) प्रकल रावे लकुर मुणी मार्ह (मीरावें म मिल्स लाके लक दुरकत्त्वं [अवस श्रीमाश्रम्ल [नवरं]) मः ग (भिति) माम् नामा अस्य अस्य अस्य प्रम् ह नेरमा ह (ज्यात्रव अविसूर अवस्थ प्रद् छरे का भी व [अवस्त्रीमान्यकाल]) सः (छित्र) प्रत्यक्त्रिमारी (प्रत्मेत्र माममन्त्र) अप्रम्भावन द्वि (की नुष्पाय (म) व नीयार्थ (अयम हे एक समयकार्य विवाक कविराट्य ।।

WEIGHTS AND MEASURES.

INDIAN BAZAAR WEIGHT	BENGAL BAZAAR WEIGHT	BOMBAY BAZAAR MEASURE	BRITISH AVOIR- DUPOIS WEIGHT
4 Sikis = 1 Tola. 5 Sikis = 1 Kancha. 4 Kanchas or 5 Tolas 4 Chataks = 1 Powab. 4 Powahs = 1 Seer. 5 Seers = 1 Pasari. 8 Pasaris	5 Chataks = 1 Kunka. 2 Kunkas = 1 Khunchi. 2 Khunchis = 1 Rek. 2 Reks = 1 Pali. 2 Palis = 1 Done. 2 Dones = 1 Kati. 8 Katis = 1 Arhi. 20 Arhis = 1 Bish. 16 Bishes = 1 Kahan.	36 Tanks = 1 Tipari. 2 Tiparis = 1 Secr. 4 Secrs = 1 Payli. 16 Paylis = 1 Phara. 8 Pharas = 1 Kandi. 25 Pharas = 1 Muds. BOMBAY MEASURE	16 Drams = 1 Ounce. 16 Ounces = 1 Pound. 14 Pounds = 1 Stone. 2 Stones = 1 Quarter. 4 Quarters = 1 Hundred. weight. 20 Hundred- weights = 1 Ton.
or = 1 Maund.	16 Palis = 1 Maund. 8 Dones = 1 Maund	OF LAND SURFACE	CAPACITY
JEWELLER'S WEIGHT	20 Dones = 1 Sali.	39} Square Cubits = 1 Kathl. 20 Kathis = 1 Pand.	4 Gills = 1 Pint. 2 Pints = 1 Quart. 4 Quarts = 1 Gallon.
4 Dhans = 1 Rati. 6 Ratis = 1 Anna. 8 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas	BENGAL LINEAL MEASURE	20 Pands = 1 Bigha. 6 Bigahs = 1 Rukeh. 20 Rukehs = 1 Chahur.	2 Gallons = 1 Peck. 4 Pecks = 1 Bushel. 8 Bushels = 1 Quartet.
or le Annas = 1 Tola or Bhari.	3 Jaubs = 1 Anguli. 4 Angulis = 1 Musti. 3 Mustis = 1 Bitasti.	BOMBAY CLOTH MEASURE	BRITISH LINEAL MEASURE
INDIAN TIME	2 Bitastis = 1 Hat. 2 Hats = 1 Gaz. 2 Gazes = 1 Dhanu.		12 Inches = 1 Foot, 3 Feet = 1 Yard.
60 Anupal = 1 Vipal 60 Vipal = 1 Pal 60 Pal = 1 Dundo.	2000 Dhanus = 1 Kosh. 4 Koshes = 1 Yojan	2 Angulis = 1 Tasu, 24 Tasus = 1 Gaz.	5) Yards = 1 Pole. 40 Poles = 1 Furlong. 22 Yards = 1 Chain.
60 Dundo = 1 Deen. 7 Deen = 1 Hafta. 30 Deen = 1 Mahina. 12 Mahina = 1 Baras.	BENGAL GRAIN MEASURE	MADRAS LOCAL WEIGHT	10 Chains = 1 Furlong. 8 Furlongs = 1 Mile. 1760 Yards = 1 Mile.
INDIAN LIQUID MEASURE	5 Chataks = 1 Koonkee. 4 Koonkees = 1 Baik.	180 Grains = 1 Tola. 3 Tolas = 1 Palam. 8 Palams = 1 Seer.	BRITISH MONEY ,
4 Chataks = 1 Powah. 4 Powahs = 1 Seet. 40 Seers = 1 Maund.	32 Raiks = 1 Maund. BENGAL PHYSICIAN'S	5 Seers = 1 Vis. 8 Vis = 1 Maund. 20 Maunds = 1 Kandi.	4 Farthings = 1 Penny. 12 Pence = 1 Shilling. 20 Shillings = 1 Pound.
INDIAN MONEY TABLE	WEIGHT	MADRAS BAZAAR MEASURE	2 Shillings = 1 Florin. 2 Shillings & 6 Pence = 1 Half-
3 Pies = 1 Pice 2 Pice = 1 Half- anna.	4 Dhans = 1 Rati. 10 Ratis = 1 Masha. 12 Mashas = 1 Tola.	8 Ollaks = 1 Paddi. 8 Paddis = 1 Markal.	BRITISH MEASURE OF LAND
6 Pies = 1 Half- anna. 4 Pice = 1 Anna. 12 Pies = 1 Anna. 16 Annas = 1 Rupee.	BENGAL CLOTH MEASURE	5 Markals = 1 Phara 80 Pharas = 1 Garee. UNITED PROVINCES MEASURE OF LAND	144 Sq. Ins. = 1 Sq. Foot. 9 Sq. Feet = 1 Sq. Yd. 1210 Sq. Yds. = 1 Rood.
INDIAN MONEY	3 Angulis = 1 Girah. 8 Girahs = 1 Hath.	MEASURE OF LAND	4 Roods = 1 Acre. 640 Acres = 1 Sq. M.
1 Anna - 1 Penny. 12 Annas - 1 Shilling.	8 Girahs = 1 Hath. 2 Haths = 1 Gaz.	20 Kachvansi = 1 Bisvansi. 20 Bisvansis = 1 Bisva. 20 Bisvas = 1 Bigha.	BRITISH TABLE OF TIME
1 Rupee - 1 Shilling & 6 Pence. 13 Rupees & 5 Annas - 1 Pound.	BENGAL MEASURE OF LAND SURFACE	PUNJAB MEASURE OF LAND	60 Seconds = 1 Minute. 60 Minutes = 1 Hour. 24 Hours = 1 Day.
CEYLON MONEY	20 Square Cubits (or Gandas) = 1 Chatak.	9 Sarsi = 1 Marla, 20 Marlas = 1 Kanal	7 Days = 1 Week. 4 Weeks = 1 Month. 12 Months = 1 Year. 365 Days = 1 Year.
100 Cents ~ 1 Rupes.	16 Chataks = 1 Katha. 20 Kathas = 1 Bigha.	4 Kenals = 1 Bigha. 2 Bighas = 1 Ghuma.	365 Days = 1 Leap Year. 52 Weeks = 1 Year.

Maldip

No.



4

EXERCISE BOOK

Name_

Class_

Subject

School___

Sold of the of the sold of the त्रा [त्याम]) सत्त (भक्ष) अक्षम् क्षमें अई स्विम् रेक्ष अवास्त्र) वक्तमाभक्षाकवं (वर्षकावं भाषः कार्यक लाखने) असस विभव्याल् (अव्यक्ति मम् छने व लिंक) , सक्र मा मा (प्राक्षिक कर (मिरम्स अवस आर्ब अत्यं दिलाक्ष्व [वरः]) सक्त अपस्तिः क्रिकी है जाने (अक्त पूर्वतान-कर्कत) हैंबकः बाड्केवर (हिंदे आहेकास ररेट्स ७) भर (कामारक) मरन वर्ममा (का का विक-(अर्लीना) क्यारेवी जाल (क्षीक्यारेवी 3) क्यर जिल्ल (किंस प जान कार्यत १)॥ १०। ज्याम कर लाइनर् (गिरि ज्याम कार्डमार्नड व्यासन कर्वत), अकल व्यास विद्यात्रे (प्रविक्षय अनम मून कर्यत), प्रश्निक विद्या (aromin अम्बासक्ष अमृत्वं प्रकार्षां) प्रकारिय-विमायने (अक (अवह विख कि मिनी हु क तत्र), मद्रमक् क दावन (अव्राप्यवं ख्रां एवं मात्राव कार करत्र), अराम् कार्डिका भीवन (। धाने वीम्बिक् किन बीबन भस्त [वन् । भीते]) भरा-माठिक मा केनर (धरा भाकाक मने तक व मार्वन कर्नन, [अर्]) रेलायपर यात (म्युरेलायप मात) थांति (अरमेक यद्य)॥

0>1 भारत्या- वामक रम्पु परायता ((का नामान रक न अनं मामक ।) कि विषा सम (की विषा बम!) \$6 (218) you (xan [ound]) manga (अला), विवादेश (विवा), प्रश्नुकर् देश (अवस्त्रूष्ट्र), जागारेय (जाग), प्रम्यूष्ट्र (सर्वक्ष) विद्यावर (कावन) विद्यानका द्व (अवंस प्रवता) अवंत्यह (अकं) मरमयमह (पिक त्य), खारेवर (अपरे), प्रवेशकानियाम-वर् (अर् अस्मित्धाला), मुम्ठवर (अवसम्बी), सर्भू वर्ष (सर्भू विवर्]) आठावर (निव ल्यां याम) वर (इ.७)॥ १२। [भिनि] नबा (अम व्यापा (कर (तथी न (अध्यम्भन अयेल हाया) । श्रे अ अपूर्ण भं-युन्तवस्यू निवने स्तिर्वत (मार्मेक स्वर्वन नाम कार्टियां वर्ष प्रधान क्षात्र कार्य कार्य धराभम् त्य) हित् हित् दि छ अभा- मुम्म कर् (189 व्याहित द्विक सम्बद्ध वित्र क कटनंत), की ब्लावन मी में (की ब्लावत व अहिलाल) क्षा कि (क्सट्टिंट्स) टम्बंडकमार्भावं (जनाव-

रेश्वयालायी) ध्राद्याहरू (क्यांक्यासक " [वार्म]) किया (त्यात) किलाइ अहः (स्थानिस्य हिल्म नार्य अर) स नंबन ८ (अम्मेक उष्ट्र)। विश्वा (८४८व) क्येर मार्स् वर व्यायमा-र(तरे) डमरठ: (डमरान, क्योक्टकन) यर्वामी (सर्व खकावं) के न्या मिल ध भी सा (के न्या प्रव व्यामकर्म भी आ), अ म् छनेनन्द्र भी आ (भम् छने का विक आम्मर्थ भीमा) , नी ना मार्च्य भीमा (नी ना मार्च्य दे अीमा) व्यानेय सम्भाष (वे क्या) त्रीमा (अने म इ अभिवाद धार्यापत नानि विश्वलान अवस्था) र ट्राप्ति विकारिक रिमीया (ट्राप्तिक र-मार्मिन व्यामहर्भिया [नयर]) तत लामिण नमः-अहिम्यकान्त्रीस (नवीत लालक किल्लान-(ला छा व ह धव का व भीमा) आविल भावि (विवान)-21x.), 00: (002) 013 ; (01) जर यह (टमरे की कुला वम (करे) WI अटम (कास्त कार्ने गार्ड)।। अप्र (१र्थ) स्थ 981 भीमानीयाः (८०० ३ ७८००), अयार्थाः (अमर्थ मस्य) शह्माली द्वा (भाराय माली त्वरे) ममः (जिल्लामि) अभवश्यम् व्यापिक विक्रि जाव: (अरम रक्टिसमारक हिममारिकर पर रावेगा) जि छन् सम्बर्ग थिक सरम्भ भी गाः (हिस का न रामिक अप्र प्रतंत्र यर्भा भीता रेत्रे ता) अलामा लाहि (मिन पीछि तमारम अक्सामिक इस) १ लु छ विद्यम म्याहित् व टेमका प्रकाश की : (मन्त्रम किन्न हित्रमाञ्च क लाहिनेय व्यक्षमाह-असेका [चिवर]) व्याभू सहराष्ट्रियंत (मर्वाविष हिमायं वस्तु व अर्थायं हु वर) आ र्मंड (अर्) इंस्पेरीम लवाय: (ब्लायम-द्धि) अर्थु पाछि (प्रया निम्मु अ अकाम कार्य टिट्टन)।। वरा जीसर असामें में सुन्ध्यं दंगः (सिया विश्वा के कियं) · आमार्थित्यम टमामा: (विविय क्विन की जा में किया भी); क्रीय (क्राम) यवकारा (क्याक कारक असम हिन क) मृत्या: (माराव अत्मवन करत), अकाम्बर्गः ([मारा] कार्य) वर्ष भर्मा तकत्तं : (वर्ष अ आकृ विवित्सकत्त्रमा) मर्ममर्गः (अयम म(लयम) , श्राष्ट्रित्य जाभः (म्मिस्न हिमानं वं अंगिलकारं मारा देशाम् (वर्)) महं मीनं अवमही: (भरा समा खरे वि मदं निन

खिकानं भायक [लाभस अर्थे]) क्रियः रेज्या वय है वः (- १ र मायत छ छ म) वल्य (यम्म कर्म)।। वि व्याप्ती मा अवती (अरे वृष्णवन द्वि) कूचाहिए (त्यान मराता) मिटिश: (मिन) रेख नीम मानिष्डः (रेखनीन-धारी), कूचाहि (त्रामकात्) काधूमारे : (भूवरी), कु हत (त्यान म्हात) ते हुर्रा: (त्येष्ट्र वं क्र) न कु ह (कान मात) रे मू मानिष्टः (ह न्यंका अपने) काहिए (त्या म्हात्) यीत्राखं-द्रीतं: (त्या व्यक्तकः दीवक) कुहत (त्यान म्हात) मुकाडि: (मुक्त) कु व्यापी (कानमात) अया ना निवरि : (अया ना मि) कु लाल ([यह] काममात भ) कु ह लालक विकार्ष: (कात आलक आमिक [यप्र कारा]) वितिर्धिका (विविष्टि रम्मा)विश्व में ति (देवस विश्वानं कर्ने विस्तानं ववा क्षावर्त (क्षावर्त) मामाः (प्रकार (त्यके क्रमलेन भर्ती) किहि (कर कर) भी मृसमादा उस भारते उस: (डेडम मूर्यानाने व पिया असिना असम), (का हत (कार कार) पिरियाः अभी व आरेन: (फिका तव नी छ क्या निवास) आक्रियां: (विव्हिष्ठ) तक वार्ष (क्या) व्यवसम्मण्यार् आप्रममण् प्रमालाः (काराय उ अलेमसूर

कार्य मारक कारक आर आरं का अव अर्द हाना में भावत) किहि (क्य क्ये) टिमलाममा: (प्रिलाममा अर्था९ अस्याहिलासमारा वृष्टि), तम ज्या (ज्या कर (कर वा) व्यक्तिमकदका: कल्लक्षा: (अक्र स्वा (कार्न भीवन क्रिम ह कारा निर्देश (कर्म कार्य) के (नग्रह) क के अधा: (जिंदिम में विक ट्रिक के की रे ि कल्ल का मा (परे के ल मा ना विस में दिल) वा विका-केक के द्वी (ज्या का का के किने भर का का विकास के का) बल्चिंग: की: (मामाविधे लाखा) दर्शि (धान् र कार्विट्रिंग)॥ १ । यव (ध्यश्वात) तक वार्म (कात कात) रेमाः ((य) त्या भाषा) भाषा भाषा : (व्यक् वक्ष्य) व्यक्षिका क्कार एए। कर में भवं प्रका : (ज्या का का कि का विस्तर-क बादका व व्यत्भवते व्यक) भूत छावा : क्षामा : (अका शाद के क म प्रधम) मामा: (मा भाममंत्र) वियाः (धार्म कार्यमा) व एमा आहे एग प्र छन्नाकान-वयातः (हर्वास्टक लम्भा वस्त्रीमं सख्यां ansord) 28 21276 (28 465) and (200) अन्मिक्ष्र हर्ष (द्वा कार कार मिंड) अभूमान (व्यक्तामि) प्रकायंगांक (क्षित्रेन कार्काट्टर) न

मा इतं (अर) रेम्पियी (क्या रेमायम है। सम् मम (व्याचन) सिवर (मन्ते) दिला (दान कवन)।। विश मन (डेक रमावत्र) (काहित (त्यान त्यान रक्त) भार्नाम्हिकाप (धर्माम्कानीन) हलमाई एकारिः व्यापी (अहड क्यार भूर जिल्लामाड) ज्यार मक्ड: (कार् क्र अं में में मिना भी) , एक कार्य (कार कार क्र में के) जातम् पिका अधाराष्ट्रमणः (अपीष्ठ पिकाली आप्रमृष्त) क स्मार्श्व क्लारें (हकारि अस ग्रंतस अल्मका 3) डेक्क्छ: (अडडिनीडिमम्बन), त्कारिश्वालम् -(कारें क्वा मा भिष्यं में में का लिका शक् द्या हिं में में! (त्कान त्कान म् त्कार कारियाम क्लिंगिरमार स्मिन मूलीय मम्बन्न किंग्ने भागा व्यवका 3 प्रायम [वर्]) त्य व्यक्ष अन्त्री हिंगम में कि -विषय- सर्ग सन्धु ला : (स्थम स्थम द्रभम अन्याम्यल में योगं भटपतंस त्राह में कियं विकाय में त्र का कार्यां वस्तीमं काल विवास कावं एट)॥ FOI क्विष (कात स्वात क्क) धमानिषामी छ विम् -नु जातार (आपर्भ) अमूल्यम विस्व विस्व वि । क् जि । कि: (दी हि दारा) वि द्यालक्षताः (देशामिल देशियार्ट), टक अले विभूति कि वास्तिरिकारिक प्रातिप्रशासक छात्रः

लान (त्यात त्यापं र्वेटम्बं मी. हि त्यात त्यात अव में मिर्क का भवं भागं भाव या कुर दर् ८०८ है। क्रि राम अवामार्थक मिन मिन मार्थन में मुल गंगी: (टकान टकान मुरमन धलंद्रमूत मूजन अया न नाली ल्लाका व स्थान का क्षांक के निर्देश का क्षां ट्यो नर्ध अका म मिएटर्ट) , टक हि९ (क्यर क्यर क्यर क्रिं) लाउद्रिक क्षक्ष: (क्राहिक क्षेत्रक प्रामं कवाई विकिसे [नवर्]) अत्म (अम स्मान समान रुक्त) डीवरावाष्ट्रमः (दीवक शायमं नाम प्रमुख्या कं लि) मिर्दार्ड (लगडा मात्रेलटर)॥ ५ >। टक हि९ (त्मान त्मान वृक्त) त्यार भू न दिवा सून. क्रममक्ष्टः (अर्क्टीक सिक स्मामान कार्षे-चि मिर्) त्य व्यक्ष (त्यात त्यात क्ष्म) तीत्माश्यतां : (मीटमार्भटमम् मी छि एक), त्काहर (त्काम त्काम र्का) की बात काविष्टावि- निक्य- हिण : (कक्षभीम अतूकम्रे. कारी वर्ष अमृद्दर वारा भावे कार छ), तक व्यक्ष (कार क्तित रक्क) कान्त्रीयं जातः (र्ष्ट्रास्य ग्राम् भीवयर), कि हि । डिम्रान् माडा: (काम काम क्र मार्नेड क व्या (यन प्रामं के का वर्ष) े (काहि (क्या क्या के के) सर्कारीय (सर्का भीतं मार्ग) वा क्या मारा:

(लक्ष्यम मी. ह. मंद्रः) रकाहर (त्याम त्याम रेक्षे) यर-मारेन टाकाकनं के हिंच कह : (डेडम भारे भी भू का का निव win klush sug 12 1 mg. [Tas]) oll (onds. (यात एकात रेक) धना विकासाता : (धना वेदका वं, प्यारं बक्बर्र)॥ P र। मच (टमम्प्य) इसर (चड्स्स) आयस्याष्ट्रिय-ग्य र जैस : (साष्ट्र एप यं सममे वि म र [3]) जैस्मार का-अर्थक्त्रीम: (worner म्यूमार्म comile o) mush म म्यूमार्म (क्यं ग्रेष्ट्र) लायम्यः व्यालातः (विविद्य लायम् दर्भमूर), विविधिक हार बीहमं : (विविधि मी। किन बंगं) लाम (चर्ड) मात्र क्स्नु (ट्राम्राम) अवस श्वर श्वर विकार्ष्या (on o extausouse) ouesaysé mesin: one. (मिटिये लाकिश्मित्र) मैप्सिमाः (मैट्ल्रिमस्त खिंशक कार्डिट) मा द्रमंड (त्ये) रे माद्रिय नव (अर्वे क्यायम हे) सम (भर्मा) सम (क्या निकति) TO 40 (and BEAN AAA) 11 P 01 [ग्रांश] विष्य अस अस सम्मा अस्ता मिर लकारं (लम्भा विष्य भय् लस्व भम् । स्वक-अन्मियां भेरामाहित) ' द्रिसमारा केंग्रेश-शिक्षे निस् वर् (ग्निप्रति व साही सर् सर भराभिके स्ववार

दे मार्थ र्यं ८०८) विष्य द्वाष्ट्रिका (विषर् माराना) प्रिटिय बार्ड [0]) येत्रा बमावाकः रंप्तः (व्यर्षः प्रमे मध्यवास्त्राचा) लाष्ट्रकं (आंचुर्वित्र) " व्याकामता (अव्यावमवर्ष) विविक्याक्षित्व (कार्न रेक्स ग्राप्त) भागात (काम कर्षिकाह)।। P81 लयक्डां के अम्म स्था स्था में में ये व यी के सर (ट्रा स्टाइ के का या बुका के कार्य अप्राह्म कर्ष्या बानिक छर्भू करियाट), जनार् वमार्थितः ([मारा] दुक में समर्थित अप्रंयत) समर्थापृष्टः (मम नाक्रिक्षिक शांता) आहिवर (मूलाहिव र्येमार्ट [नवर]) क्रमु विमामवत्रवानक्न -भू त्यूनम् (ट्रम्यास जनयात्म ने विकिनियात्माय-आणी प्रमात्र केन्द्रित्र दिया का मार्थ रहार न [आह]) लाक्ष सर्वे अपान भाष्ट्र सम् हिल्ल लाक्ष वी क्षाव (त व) प्राकारी (कात काकि (कार काकि)।। P & | [ग्राया] सक (या कवा (य व्यव (क्या प्रमुक्तम) लाश्यमुद्रं (अनंससम्बं) द्रकेट्य लाक्ष (द्रकेत्र) टमाटक) काळी स्थाप (कळी स्थाप) सार्व ची से प् (राष्ट्री नी न्य सरक) कडिए: (कडिक) । प्र छत्।

(य्यत्र वं उप्रावं) मुक्टिम मेमाम्याम लाल (मे.छ.-अहात अममर्द्रक) हैं पुरि (विश्वत करवंड " [34 Has) ALLEMANO: ([नदरं]) अभ् (क्यान्ड: ला संक्र क व्यान्ड: (मनंद सेंबर्ष व तबक्त सपुत्र मुग के मार्म मेंब्र) मृत्रम् : (मरीम किल्लायंकाल) वाउदानी (खिराने करवेप) " वर (त्यर) वर्त सर: (प्यानिष्ट में एक) विसे ([मिन] क्षेत्रेय कार्नुता-(हम " [own (अर]) रे ला वपर (क्या रेपा वप वीम) भन्तामि (मन्त्र काम्लाह)।। PRI [ठीस] अस्टाउ (अर्डाट्यम्ड) सर्ट लर्क- मैं: आठो सक्ष्यर (मैं: आठोक सामार मं । भागुम धत्व्यक्ष्य) अक्षर (ठाठ्यसर्व्य) यद्रा-विशेठवर्ष (भक्काभी) अनं क्रिए एग्राष्ट्रः (अज्ञ राम्यान का का विषय) मार्डिय (डेमनाक्षे कार्य), ठठ: मूरम (जारावड लाट्टिंद) क्र सावं वंस मां महत् सर्वे (वं क्रा सर (विकास काम भ्यमनं अवसम्बं लिक्स्य) के-्य ं (अार्ड की) अवं र प्राप्त : (अवस प्राप्त : [विवासकात]), रेश वि (नवर् जमार्वीरे)

इलाइय- इपर (अर्जिलाइयश्रात [अञ्जूक वेरहनी-५१। देर (भरे की कुलायत) नयन विक् त्या मु (लाह्य के के अधिक) भग्रतम्मार्ग्न मन (organicayany) dandamadá (अवस ट्यालायम) " ल्यान्त्रेश क्या अ। ह्य व-रसर्कार सर्वेड (दुमास क्रायं पूर्वे प्रें लात्यव संसर्वं म्सर्यानं सक्षयं) " ल्यान्, टम्बास्ट-प्राष्ट्र स्थान हते सर: (टम्बे व भूप. य् मक्ष । क्रिया मं असं ल लाम क्रालिक ने क्रिके (सर्वा अवाक क्रावाकार (अवाय मूलक कल्ल वंट्य विश्वस हत्रेंगा) न्यापुलं (अव्या) विश्वाि (विश्वक विवेत)।। ११ मड (मारा) सरायलायाई (अरास लायल-अन्य) अवस्यवस् (म्यावस) लस्य (1200) Nisó (ma nely) 2 nd (1151.) यका टम्मिन्टिः काम (मंद्र टम्मिन्द्रे ३) अवसाधायाह अर्ट (अवस बाद्रकांत कान्तरं [नवर्]) मह (मार्म) सर्माक्रम्य क्षिम्स वंश-विमारिक मूमशहमप्रावः (अवस आकर्ष

देमास कलन तीना विनारमं व्यक्तिम अवस हमर-का बंद्रका वा मुना सामक), वर्टन वराहिती-सिमंबर वर (क्यांका रक्तांकाक अवस प्रिरे । सम्मान प्रमासकर जिस्मितंत साल [व्यानित इयेरव])। ११। लड्ड (aug) क्याद्या aug (ट्राड्न म्मान कराव कार्या) समा (पर्या) कार्य-सर्ने दिसा क्रियम समर (लाज्य में दे दे कर सममर) लाई यह आये का ध्रंप्य सम्बार्गित यक्ता मिक्रा र् (अवस्ति कियं भाष्य) , अवस्ति । ज्यादा १ वं १ कराय (अपाष्ट् : (क्या के का का का (क्यां माने जार अमा कुट कर्यमुन (क्यां ड़: [वर]) कार्डमार्म । यो विष्म : (मू माडि अयार भावा अर्गाटकाव अ अग्रव-कारिया) " प्रवाहे सवात्म्वी (प्रमुष किंगे में कार्य प्रांत ट्यानं वर्षा) व में सम्बर्ध किट्यारी (जमारं क्याडिश्रं विश्वर नाम्त्री क्षित्र किल्पाच्न) स्मितात (क्राप्त करते)।। ७०। एमड कार्याट्यं (दिक क्रियांचे एडकात्र] मिक्ष क्य काळ्निक कार्डिह), अव्य त्मेयम्प्रशे-

न्येकार (व्राधाक्क त्र क्षक्ष्यम् त्म्यम् करं लारेकाछ रारेगारह), त्वपक्षी तिर्वर (छिति विविध यिए स्वान लक्ष न हा खान) वित्र दे स्मीमन वर्षे (व्या वं विकार पामाहित् त्या मेक) मामारं विष्या है (छित्र क्या अस्ति के च असी त्या हिका डालुंग) लाह-इरम वर्टिसराम्चमार् (व्रासन कर्त स्रिर्मात डिट्डस इ,४ [चवड 1813]) Retting (चारंका वर्ड } के आ जा ला (यह) क मा में (हु: (मैं में क मा मुक्रे में) अरं लं आरं (अरं अर्थ) द्व्युर् (लंबि) १४ इरेशार्च्स)।। १ > । यद्भार्षम् मेळ में खिल भाष् तक्ष्रे (व्नर्य से मीम् . त्यु मं क्रमत्मारम स्पुसम क्रक टमाल्स अपुरवट्ट [जिनि]) मश्कीण प्रमम्मद्राः (केरह्मी का छन. (कावक में सम [0]) में नुहें ह (सन्न के दूल कं) मूय: (वाक्षाव) पूक्तः निप्रची (वमन विभेष्ठ कार्व एएटिन [ववर]) अलकार अरम्बर् अमृत्रामिष् साम्बम्पर (मक्षा 'सिंद ' र् टेंद्रामा व लाम्हम्बं प्रार्क) प्रक्रम कृषितं : (भाषामिक याकिभामानी) विल्याद्यः (में कि प्रिक्य प्रकार) विक्यत्वरं (अक्टानं) विश्वयक्षी (विश्वप देश्यापन कार्ने एक ना

951 यद्भा लाक्ष्मारा (व्याव प्राय प्राय सका काम कार्ट् रेमा) विद्यालयमकार्यमान्तर कार्य (। विति । दिन्त मम्बदम भ(लय्भ यम्म अविश्वाम कर्मिया ७) में में डें- एक से ग्रह सर्म न कार में ई ([m रें व] खिया थ निषम् डार्मन कार्ड निर्मन की हिंगाओं) करिंडी र (जकाम थांबुर्काट्य) " अपुरकाक्ष्मासार (व्रियां क्टि-ट्रिट्स] हम्मरा व स्थापिक इत्रेखार), वं पिक्सापु. सन्दे इं रवप्त (रवप्नम्पार्य मक्ष्यं में के र प्रवं हत (me लायुक्टर [नवर]) अवधिते विकास निया-ल्या क्षा मा विकार (में द्या सम कर्त म वार्ग हैं हें न कार्य वयम खिला व यवसम एकम् य प्रवास वर्द्र मेर्टि)।। ००। मूहाक टेम्प्यामा क्राम अपक- रावाय मी काहि ९ (इन्यां दिल्यां स्टब्स्य स्टब्स्य के दिस्ते हे क्याय अरथ व अवसम्दिरं माञ्ज लाक्सायंत) में स्त् ([184] सेंसे से थ्र-र्मिस्य) सपु समंद (सपु समं) द्रमां वं (मॅरमात्य) लार दें ६ रह्नी (लाल है शवंत कार्य मेर्टिय) म्यामार्वेद्रं लये (विष्या पामुख्यं लक्षद्याता) स्पृ-यर्गाहिकार (मान व भवर्गाहक) स्मूकार (न करि सैक्रिक्स) पहामार (लाय त्य , कार्च गेरह्य) 'प्रसिम्बी द (उन्दार ७ छी विश्वकत महूल [१व९] भूमात्रिक.

हिम् कि । हिन्कार (द्वाराव हिन्काराल प्रकृति क् कार्य युक्त त्याचा वायु उत्तर)।। 981 [1818] प्रमेक्न अंशिक्त का क्या - समय त्या न विसंव-ल्लीटेश: (डेक्यम सूका वा कि मम् भ मह का विव विस्क माश्चिमान्य) प्रमर् (मिल्यास्य) क्रिक् प्रत्य देव (त्र के स में का बार में में है कार्ट के स्कार का कार है. काइंटिट्रिय), अमा ([नवर विभि] अर्थम) अस् व डे मिन्नं यम . कि मा कि क व प र मिना साने दुरकट लर्म अस्य त्यामाक्व क प्रम त्यादिक) ल्या के विकास मात्र (लाक्स मार्स के विकास के विकास न में क.) थिटिश (लाय्न संप य में शाद्रा) must सार्व (लार्ब कार्य कार्य) 11 कड़। सर्। ([1812] अव्या) वासा लामास कर लाई-रित्य के आठ मार (क्यां माने ज्यार अटि अत्ये प्राप्ते ग्रिकायमातः) समरकेत्यामीव्य (र्वें में में प्रामे सक्षेत्रेयरकार्य) २०: ५०: (४०३०:) ल्य. इलकी १ (अफि-६ क्रम डाय विषय किस्त किस्त [नवं]) युअत्यान्यक्र हे ० - में के हि ट्रम्पित्य मंधु -विषाद्यः (ज्यान अन्नर्मसाम करे क कार व (अम्मर् अवाद्य विमाम मलीत) ज्याममृड-

ध्याकुर्यतं (सँभर्षा भवतं) व्यक्षितं (पकाह कात्य निममा न हि भारतम)॥ गणा अरह यह (रामा) क्यारीव (क्यारीव!) यमारमाद्यः लार्द्र (िलास] ज्यम त्मस्यां भागां मार्थिय) " अप्रामम्भा प सम् विस्तं (ल्यास्य अनुस्रात्ववंत ट्यम भार्) " सरमायार सरका ६ १ ([ल्याम्] मन्त्रे सद्यायम सत्यं) रे कं लाहि ल्यम् (दिख्यात्वं क) (मामार म (त्मामा मार्ट) आमिन् (विटम्पेणः] (जामानं भर्तिः) वाम कन्यां लसकेत (प्रवंश्व) में मैं स्ट्र्य: (काल्यां क्रमंत्रीनं) लम्बाद्यः लाल में कर (लम्बास् सर्दारं लमेक्स् र्श्वाह), भाग मृष्ट्रेय ([अवह] Mor (मस् अ में प्रक्र काम करतंगा ' (मर्म सं म) हैं (ज्राम ७) मण् (आमार्स्य) म विश्व (भाविका भ कावि जमा)।। १ व। लाक्सार्य र्माइय (८४ स्ट्रास्त्यः न्यार्म्यायः !) मरामू ए ए (किम] कार्य मृदं) , अकार : कार्य : मार्थः (मर् सकान छक् वर भाग (प्रक्) अभवाव व्याम् ट्याहरे (र्यम्मपुत व्यामानं स्मे प्राप्त अकाल करवं), ऋरिष्ठ अभि श्रेष्ट्र म नवत्रविकः

र्डेपुर् (लास् मान व व्यक्तिक का क्रीन दक्षाप्ते १६ (प्राष्ट्रियात्र व क्रिय र्यं भार्) मकक्ष्णाद्मालातंत. मन् (तिक कलार्ते म सितममूद ७ व्यू र्व क्षां मर्ल लामान कर्या ट्याम म् वा यह के देवापन करमेगा ? [लक्ष कार्य]) लाम बंपूर (त्या क्षम में प्रकास में बाम्रेंग [ब्राह्म]) अम्परारममार्ट्याः (अम्परारमणः अमून) मिर्ने : छर्ते : (मिन अने य लाछ :) भार (outres) at on a (is set a is) 11 ग्रा र्भावत (र र्भावत !) जब (or mis) (अक्षेत्रक (अमेवधर्म्य) असा 'क (अक्सार) विश्व क ति क (का मानं सपानं स कें के प्रति) विदंद (विद्यानं कें हर्ते) विकि निर्धिशादि (क्यम कल विकि निर्धितंत्र) त हि कलरमेड (विधाय करवंत्रता), इटमाल्याः ([अर्गम्य] नक्षीतिकी वक् गासाम्प्रें छ) कात्र सम् (तीम मन्म क्रायम) क्रिय (क्रिय व नक) अने मरं वर्त (अने म ज्य), प्र (प्राप्ते) ००: देल्या नमार्जः (इम्डाइडे लार काल हिला के में का डमक:) 22: (no.74) हैं (र्राप्त) द्विता द्विता मानु (र्रिश्तिमान्त्र)

सारं (लास्पाक) म क्रिंश (सार्वेश्या कार्वेश्या) 11 २२। यमि (यमि) रेर (अरे) स्थानन जीयम्-वृत्रावन ध्रि (की क्यावनकारम) ममस् (तिरिमेन) । श्रीय हर (स्वत अस्म अमार्थ-साय दे) असा भावित् विस्था हि प्रमाम १ (and so was in where on with or in the state of the stat अयम हिए वंस्त्रम कर्य) क्रिक (कार्यक रकार (अमुख्य कड़ा र्म् (अया र्म्लो) के हर: (क्यामां हम्) वे लहत्: (ट्यामान अर्थ) के हे विवित्तम्। एक कमाः (ट्यामा विश्वितिस्थर्गिका), क्र डम् (CANNIN EN y)) . I NETS (CANNIN orania [336]) & P (consuity) विषमपृष्णि पुरमातः (यव मि।किए पृष्टि विष्णान धेर्मछित्र मस्पयमा भारक ?)॥ 200-2021 Cal: (CX XCX [[21 2]) सर्वाष्टः (दिव्यमार्थिका सर्वित लाग्य) मकल थार्स (मिर्मेस) देव ((देव अमकतक) . ई तिक्षी म (बिल्क कार्नभा) विष्ठ् (प्रकाली), अवरभाष्ट्रम (अवस देख्यम)

किराम कामकीमार उम्म (उम्मम्मा), किस्नि (त्यात ७) (आप्रिश्चर (त्यातिश्व में बस मान देवरू) कल्एाः (प्रम्य कार्य), जर्जार्थ-(वर्षाह) अवस्त्रवस्तानमा विवव (कार्यमं अवस्त्रम् अविर्ध्) कुम् (स्थातः (कुम्बद (कार्गावि: [विद्यावसात]) १ ७७: पृदन (छ्रान मृबवरी भारा) (अर्था कराम व्रम्भ (देन्द्र टक्षप्रव्यसम्) व्याप्रवर् (कामार्वः (कुक्तानि: प्रमाभासात कार्यमार्ट्स) १ उपदः (अभाव अक्षेत्र) नीव्यावतः (न्नी नुष्पवस्थाम मिलाकिल न्यार्थन) रेट ([जारी] नरे की ब्लावटन) सराम्बर्न-मुम्मा- वटमा - केटमे पार्थानम - मन्न ष्टिक क-अर्गर् (आजारिक भर्माकर्ध (माडा, वर्म, क्षा हेमात्रण उ अवसक्त व व्यामानी), मर्गियां के भारत (काल टमान व न्यासन्त्र) किश्वातम् मुचार् (अमार भव्यातमानिक्द), क्मं (उल्रम्भलक) प्रश्वासील सर्वन-ज्य पारमात (मश्र आइना विल्न केसीनिष

भवंशमर्वं रामरे अठकारकार्व) तथ (रथ्य करें)।। ३०२। क्यांस्ट (क्यीक्यांवत) श्राश्चितः (अर्थ। मुक्रा) में में मार्क में सर्व केर : (कारु में द्याराय मं अवस वस्त्रामं) मामल-तिः भाष्यः (आमम क्षानामकी) भ त्रुकाः (MAR DILL NAR!) J LAG: (NILLAR-कार्य) व अम्माद्य व्यक्ता माः (कार्य-Fullantering) & Later Bal: (\$ 4 30 \$ 200 (MIRE)) & recy: (184) क्य) में यक सर्वाहः (प्रिका टम्बंह प्रिका भर्य-), छटिः भर्तः भन्नातः (वर् सम्मार अया अल्विं स्राप्य भ मार्गाः (अवंत द्रातित) व्यवः (वक्सप) केंद्रक (क्रिकां क्रिया) खलाताळ्य माः (मिन अमूबामप्रक भव्म-मम्ब्यमकाल) हेन्समाई (हेन्समाविकान कार्विटिस)।। had a of a sense

The second 1

